ক্রন্থর্ন ক্রন্থন। ইব'ক্টব'শ্বন্ধন।

तन्त्रन्तुः सञ्ज्ञान्त्रः संक्रुक्षः स्रम्भन्तिः। क्षर-क्षर-ट्रां अक्षर-क्षु-प्रति-त्रका क्षेत्र॥ क्ष्य-प्राप्ति-व्राक्ष्य-प्रक्षित-प्राप्ति क्ष्या-प्रवाणि क्ष्रा-प्राप्ति-व्राप्ति क्ष्य-प्रक्षित् प्राप्ति क्ष्य-प्रवाणि क्ष्रा-प्राप्ति-व्राप्ति क्ष्य-प्रक्षित् प्राप्ति क्ष्य-क्ष्या क्ष्रिया क्ष्रिय-प्रक्षित् प्रवाणि क्ष्रा-प्रवाणि क्ष्रा-प्रवाणि क्ष्रा-प्रवाणि क्ष्रा-प्रवाणि क्ष्रा-क्ष्रिय-प्रवाणि क्ष्रिय-प्रवाणि क्ष्य-प्रवाणि क्ष्रिय-प्रवाणि क्ष्रिय-प्रवाणि क्ष्रिय-प्रवाणि क्ष्य-प्रवाणि क्ष्य-प्रवाणि क्ष्य-प्रवाणि क्ष्य-प्रवाणि क्ष्य-प्रवाण-प्रवाण-क्ष्य-क्ष्य-क्

पदेव'रावे'पवेव'र्याञ्चर'यार'त्रह्वं अ'रा'याया र्यः रेपः वानु अःश्वीः श्रेटः रशः वार्धेवाः यः श्रेत्र॥ र्नेन्यश्रियःर्वार्यरं वार्यरं ग्री:रन्नु कुर त्या ब्रुव र्पे अवमार्य दर्दि क्षेत्रमार्य के क्षेत्र के मार्थ इत्र क्रुकार्चे धेवार्न्य प्राप्त स्वापार्ने व विवास म्नें सुर में ८ र र्से व प्रति इट'चरेव'वेथ'दग्रर'चर्डग्रथ'दि ह्नु'च'यय। र्चुवाबाः झुटाङ्गतवा ग्रीबाचिषायते । श्रीवाबाद्या अवा खट:रेग्न्याय:तर्न्च:तुर:र्ह्युट्राचितःतस्र:र्ह्यःयग्ना इ.अक्र्या.वार्च्या.च्र्या.च्र्या.तप्.पर्र. क्रिया.थ्रया। यवयः नेटः लेवायः चन्ननः क्रॅंटः वी तत्व स्था अया पर्ट्र.श्रट.क्र्या.पक्षत.सं.यप्.श्र्य.श्री.श्रया विष्ट्रतिवायाः भेटः सेयाः यटः त्यतः भ्रवाः भ्राया। म्ब.शूब.तवाब.श्रवा.देंट.यपु.शूच.श्रेवा सब.यर्षु.ब्रैंट.क्ट.प्यंचया.तषु.पर्चेवा.श्चे.लगा र्वा.ब्रिट.विवा.ज.स्थ्याराषु.वाच्चर.श्च.धुर्या यहवायाः अन्यानेनः विचायोद्धितः त्रः श्चायया। B.भेब.रर्था.तथ.स्ट.तपु.र.स्र.शुबा

### च्चित्रक्षेत्राचा स्नारकेवाक्षेत्राचनाक्षेत्राचना (कनामदेषिकाचन)

८८७ क्र्या.तम्.विष्य.तम्, त्र्या.पन्नी.पुष्य.पन्नी.पुष्य.पन्नी.पुष्य.पु

# ন্গান'ক্ৰৰা

लेखु न्दर्भ के कुष क्रिया परि क्रिया पुर स्वी प्रविष्य पाय विष्य	
ব্যক্তিবা (ক্সিম্ক্রীবা,বাধ্বন,শ্রহার	2)
ববিশা র্ম্বরা,প্রম:রাট্রপ্রান:য়ুম:র্মিম:রিবাশা	<b>7</b> 4
মধিপা ড্.ক্টিপ.এখন.ওথপ.ওজিম.ওট্র-শ্লিমপা	24
ପର୍ଶା ପର୍ଧ୍ୟ-ସିପ୍ଟ.ଗ୍ଲ୍ ୟ.ସି.ଟ୍.ସ୍.ଟ୍ୟ.ପଟ୍ଟ୍ୟ.ଫ୍ଲୋ	33
କ୍ରା जू.कैंब.ક્ર્અ.તપુ.તવ.ત્ત્વ.ત્ત્વ.ત્ત્વ.ત્ર્ય.ક્રિંજા.તપુ.હેઢા.સુંચા	حراه
ले 3 महिन क्रेंन् ग्री तहिम हेन कमान स्था	
विद्या स्टिबा हेत्र क्रवाब र्ख्य ह्ये प्यमित या	44
विष्ठेषा ८ श्रेषाषा प्रवाध दे : २ व : क्रॅ २ : ८ धु८ : या	(とろ)
বাধ্যমা ব্র্-শ্রি-গ্রু-প্র-শ্রে-শ্রেম-জেবাধ্য-র্জুনা	એપ
વર્ણ અર્દ્ર.વિશ્વય.ગ્રી.શુટ.૮૮.ભીય.બૈટ.જ્યોત્ર.લ્લી	<b>〈</b> (s
ह्म ट्रियायाः त्रयाः अर्दे । त्रययः वेषा पति : श्रेटः देव : यः ट्रिय् : या	לכימ
र्चेच ।शर्ट्र.पित्राबा,वोष्ट्रबा,छुप्र.खेराज्ञान्त्रम्,यज्ञीबा,यबा,यचित्राची १	04
पतुब्रा क्रपः अर्दे विषाप्रति 'धुषाप्राप् प्राचीप 'चित्र विष्णा ''''''''''''''''''''''''''''''''''''	174

त्रेषु यहिष्याचा च <del>हे</del> ष्य चाचहित् ग्री तर्जे चाचहित स्था	
यकिय   तर्जे. य. चैट. क्ष्म. ही. यथेट. ता	137
यविषा र्यूट.मी.मैत.मैट.ह.क्षेत्र.षकुट.क्ष्ता	264
यशिषा ट्र्ट.ही.ता.था.किट.ह.सेर.षक्टेट.क्ष्रा	74°
चित्री र्वित्री:उषाकुत्रहेर्स्य अकेत्र्विषा	
원	206
রুণ বিন্-গ্রী-শ্রুম-র্ব ন্ন-শ্রম-শ্রেম-শ্রেম-শ্রেম-শ্রম-শ্রম-শ্রম-শ্রম-শ্রম-শ্রম-শ্রম-শ্র	२०५
पत्व। कपः अर्देरः भ्रेतिः तर्में पः प्रः प्रः सुत्रः हैः क्षेरः अकेपः र्ख्या · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<i>373</i>
जुरि.यु.त्री जूर्य.विस्य.क्ष्य.पर्यू.र.विस्त्यपु.क्ष्या.य्यायवाय.क्ष्या	
योड्य   व्यक्त्रया <b>यून्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या</b>	<i>33</i> 0
	<i>२२</i> ० <i>२२७</i>
ব্যক্তিবা  অর্ক্রমম্ ষ্ট্রেস্ স্বাদ্রমা	
বান্তবা  মৰ্জ্যমাস্ত্ৰীমান্তবা	<i>327</i>
অঘ্যত্ত ব্যক্তি ব্যক্তি ক্ষিত্র ব্যক্তি ক্ষিত্র ব্যক্তি ব্যক্তি ব্যক্তি ক্ষিত্র বিশ্ব ক্যা ক্ষিত্র বিশ্ব ক্ষিত্	227 222 236
यशिषा चूर्.ग्री.क्रीज.र्यथ.जू.क्रीय.क्षी अघष.क्षेट.चर्.र्यत्.भ्रयषा यशिषा चूर्.यं.च्य.प्र.भ्रयषा यश्चिषा चूर्.यं.क्षीयः भ्रयः व्याप्त.क्षीयः व्याप्त.कष्त.क्षीयः व्याप्त.कष्त.कष्त.कष्त.कष्त.कष्त.कष्त.कष्त.कष	227 222) 236 247
고영   근디어: 현숙·제·鹟·고경·취디에 교업에   첫근·ŋ·활·어·포디어·柯·গ্রুবা·গ্রুবা·গ্রুবা অঘব·গ্রুলা ৢর্ম-রেশ্বর্বান্ত্র্বা আপ্তরা   অহ্লপ্ররাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অভিনা   অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপন্ত্রা অহ্লপ্রযাল্পন্ত্রা অহ্লপন্ত্রা	229 229 236 249 249

그룹시 스페오.등학.됐	2/10
মহার'স্কুদ'রা <u>, শে</u>	376
र्गा भ्रेन्य, रे.र्ग.५८.अर्र्।विश्वारा, क्ष्या, ग्रेय, हु. ग्रेय, र्य. द्य. तथर्ता,	३३२
लेख हारा इत्र करा अर्दे ते हुंगाया देन हुन पति मुखा स्व त्याया प्रमित्या	
ব্যক্তবা ক্লি.2খ.শ্রী.প্রথ.বা.শ্রীন্য.বিত্রা	362
विदेश बासवाः भ्रान्य ग्रीः स्थ्याः दाः क्षेत्रः त्राम्यः र्या	व्धव
विश्वा विद्र र्था.ग्री.यम.विष्यय.पु.मु.मु.म.त्	3/14
चब्री मिर्विट.र्ट्याप.र्ज्ञव.सू.चट.र्ट्टी.च्छ्रेश.तपु.श्चेचश.ग्री.क्ष्टा.शर्ट्री	C3/
मुखः रीवा न्या क्या कार्ट्रा निर्माय गाये वा ग्री छिन् रायर त्याय विवा	
८८.सू वट.२.५५८.तप्र.वायंब्य.ग्री.विट.तरा	<b>4</b> 7
वाक्रिया वाट विवा चन्न चर्ते प्रवेष प्रेति । चुन् प्रमा	<b>्</b> ष्य
विश्वभा वाट कें. चन्न चर्त्य दिया ग्री विट चरा	499
चबी गट.ग्रेथ.जेट.चर्रेथ.तपु.जेट.चर्रेथ.ग्री.विट.तर्रा	472)
ह्म गट. विवा प्रम्वाबाराये अट. वी छिट. त्रा	430
र्चे व   विट. मुंब. स्त्रेव . चे चे . तप्त. विट. चवा. वी. विट. तम् ।	436

मुख निर्यं प्रमाम निर्माम निर्मा क्षा निर्मा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्ष	
মপ্তিম নেক্সিন্য-মেধ্যাপ্য-মে-শ্লেম্বি-ক্রি-মে-মের্ছিদ্-মে	yeb
ग्रेम् कप:শ্ <u>র</u> ি ভিম'ননি'নিম'র্ক্স্বা'ন্দ'র্ম্বা '''''''	y(so
বাপ্তিপা ধন্দবাধ্যন্য স্থান্ স্থান্ নিন্দ বিল বিল স্থান্	પ્રીક
ପର୍ଜ୍ୱା ಹପ'अर्दे'तयग्राष'य'ଝୁରି'ଶ୍ରିଟ'ट्रयट'गे'र्झेअ'ग्रेबी ''''''	4xls
ह्म क्य. अर्ट् . प्रयाधारा क्षेत्र . श्रीट् . ट्यट . ग्री . श्रिय . क्षित . प्राप्त	4pg
र्च । क्रवः अर्देरः श्चेंद्रः प्रतेः विषयः ख्रेष्यः ख्रीः क्षेत्र।	(sog
वेतु नमुद्राय। नगाय गात्र विन्य से नका स्वाधा है नक्ष सर्वे नदे धैवा क गाय केव	(पया ठिया
গ্রন্থি ব্যক্তর্মপ্রস্থাস্থ্রস্থানা	(sol
गिनेषा प्पर्व प्रति:मे प्रवाक्रेव क्या	······ (sod)
ସାକ୍ଷିତ୍ରା କ୍.ର୍ଞ୍ ଯଫ୍ର.ସାଧିକ କୁସାନ୍ଧା	
বাধ্যুষা র্ম্ব'শ্ল্য'বাস্তু'বাধ্যুষ্য'বান্তি'র্মাধ্যুষ্য'বান্তরে'ত্মিবা	······ 673
	(s73
ପର୍ଶି। ୯୩୮-୩'ପତ୍ର'ग୍ୱାଷ୍ଟ୍ରଅ'ପରି'ମୁଁଷ'ସ୍ଥିଷ'ପତୟ'ଧିଷ୍	(s74 (s74
ন্ত্রী দুর্যুদ:ম্বান্থবা,গ্রী শ্রীবা,গরিষ,শ্রীষ,শ্রবং,গ্রুবা	(373 (373 (373
चैव । पर्यूट. या यर्ड. युचे. यदे. युच्य. यूच । यूचे । यूच	(374 (374 (374 (374

पर्थे.वोश्चवो । व्यूट.था.थट.ट्रेथ्र.पस्ववोश्च.टा.क्षेत्र.सीजा.पष्ठु.ट्रेटिजा.घष्टा.वोश्चरात्त्रवो ... ८९० पर्थे। विट.प्रेश्व.व्यु.प्र.ट.पश्चेट.तत्र.पसवोश्च.टा.क्षेत्र.सीजा.पष्ठु.क्ष्र.प्र.टट.ट्रिजा.घष्टा १८९०

## र्नेन.पर्नुषु.वंद्मी.य्र्ह्न्न.वी.र्न्ट्न्य.पर्वायां.कृता

মৃত্যু বিদ্যু বন্ধুৰ বৰ্ত্ত্ৰ স্থ্ৰ স্থা স্থ্ৰ স্থা স্থ্ৰ স্থা স্থা স্থা স্থা স্থা স্থা স্থা স্থা	164
विष्य द्रिन् ग्री व्रिन् स्थ्या भूर प्रमित् पा	<u></u> 3(30
यशिषा षर्ट्र. तिष्यम. क्रि. टाबु. श्रीट. टींयो. ज. टींटी. तपु. यो पेष. झूंट. विष. कुष. कुष. जूं। त	<b>'</b> ડપ
चबी चूर्-बु-बु-बु-सु-अ-भी-पिन्य-भी-पान-भाग	१८०
देच'त्रदेवे'द्ध्रद्गाबे'धेग्'क्ष(	543

## वितुःननःभा

# ॔ॲॱक़ॗॖॺॱॾऀॺॱय़ऄॱॾॕ॒ॺॱतॖॱज़<u>क़</u>ॕॱॸॺॕॺॱय़ॱज़ॴज़।

#### गक्रिय । क्रियः श्चीया याद्यत्य प्रमित्

<u> ने : यतः क्रवः अर्देते : सं : कुषः क्रेवः क्रें : त्री : तर्वे : प्रक्षणः वृषः सं : प्रकेषः अवः तर्वे : स्वि</u> "लबान्छानुबान्द्रानुबा कुन्ववार्यस्क्रिंटाचित्राव्याः हवाबा मिटानू त्वते व्यान्या याटः"चेरःपतिःद्येःक्षरःपःलकाः {क्षपः अर्देतिः धेषाः क्षंदः रेत्रः क्षेत्रः श्चूष्यः पः } देपः खेटः प्रदः र्रा.पट्र.पथुष्य.तमःभ्रेष.वीषाता.ताष्य.जा ट्र.ताटाक्री.प्र.४००० श्रि.३ क्र्य.३ खेष.तथा.वाखु. र्चन्नात्राङ्ग्रेन् प्रमातः र्भ्यन्पात् । प्रमात्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्र विषाकें रेटान्टा वाया यटवा कुवा प्रष्ट्वान्य विष्णी निया अर्हेन् गी प्रोत्ता वार्ष तवायः तह्यः क्षेः पञ्च प्रत्वेष्टः पठकाः यकाः श्ववाः प्रते । अर्षिः तर्दे व वाय प्रतायः अर्क्षे व वापः छ रः मैतःभूरः र्ववायः कुरः वाषटः विंटः यः टटः। विटः यरः टें . लटः भ्रे . बययः यग्नाः व्रेयः कुः रूटः विटाक्षान्या मिताक्ष्रियात्रा स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित तर क्षितंत्र प्रदेवा विषटा तर्रा क्ष्य अर्दे ता तक्षेष ता लर प्रतेष प्रता क्षेत्र चन्ना चन्ना चन्ना व्याप्त व्यापत व्या वोश्रम:म्रःक्ताः विश्वश्वाविश्वाव्यव्यायव्यायव्यायव्याः विष्टाच्याः विश्वाव्याः विश्वाव्याः विश्वाव्याः विश्वाव

ક્ષેન્. चर्या. त. च्या. चीयाय है. कु. खे. क्रीय. तपूर्य. त्या चीटा। चीयाय त्या. चीयाय त्या. चीयाय है. कु. खे. क्रीयाय त्या. चीयाय चीयाय

वाहुर क्षिणः विकारा लुयी वाहुर क्ष्यः क्ष्रीयो विचारा लुयी याहुर क्ष्यः क्ष्रीयो विचारा वा यो घेष त्यांचया लुया याह्य त्यांच्या याह्य त्यांच्या व्यांच्या याह्य त्यांच्या व्यांच्या याह्य त्यांच्या याच्या याह्य त्यांच्या याच्या याच

 $\hat{y}_{1}$ , वोष्यः जिव्यान्तः क्षेत्रः क्षेत्रः है, क्षः है, याह्मः यावृषः नेषाः पूर्वा वाष्ट्रवा वाष्ट्

भ्रोःअवतःअविवायःश्चेत्रःयारःद्वारःह्वायःयतेःयरयःभ्रवःभ्रवःभ्रोःवंत्ययरः अःव्वारयः तर्द्द्रायः **सुत्रःदेरः श्चिरयः**सः चियातपुरविवायामुचिराययाण्ये वया वाटाक्षेत्राम् मुकारति स्ट्राम् मुवास्त्राम् स्ट्राम् ॻॖऀॱॾॱॸॕढ़ॱॻऻॖॖॖॖऀॼॱख़ॱॸॕॺॱढ़ॾॕढ़ॱॻॸॖढ़ॱय़ॕॱॸॗॺ॔ॹॱय़ॸॱऄ॓ॺॴ ॸ॓ॱढ़ऀॱख़ॕॱॿॗॖॺॱॻॖऀॱॸॕढ़ॱॸ॒ॸॕॺॱ योट.लुब.याङ्क.याञ्चट.नुट.त.जब.टुषु.याह्या.पचब.टट.लब.याङ्क्ट.गु.(व.हु्योब.ज.स) र्न्स्रिं किटा रटार्टरर वी. श्रेरिवाया मुलावया ग्री वि. यव रे. व्या मुला वि. यहें व พ.ฆ.ฮิน.ก.น.ภูพป น.ก.ลัง.อิ.น.พ.พ.ธ.ห.ริน.ฮิน.น.ชู.นุง.ฮิน.น.ซิพ.นะ. น. मुबारादे वित्रासु दे द्वारी सुरान्य स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स्त्रीत स् त्रिवारान्दार्वे कुषायानेषावे स्वारागाव मुग्तावायाव वायाव वायाने स्टावी वि'यत दे'र्ले क्रुका ग्री वादि तहें त मा नुका पा धीत त र्ले क्रुका दे तत्रा धाद पदित पा दिवा र्लेट व्यया अन् छिटा हिंद्यादा द्वाने प्यादा हो अपना वार्षे र प्याविष्य वार्षे र अपन्य वी श्रीन दिन श्री च.षुवा.जय.ज्.क्रीय.ब्री.चषु.शक्य.धुट.ब्रीम.ब्र्य.लट.र्जय थ्राटी वाषय.टे.ट.क्र्य.ज्.क्रीय. য়ৢॱज़ॱॸॣढ़ॱॹॗॱज़ढ़ॱज़ॸॱक़ॖऀॱॿॎॖॸॱय़ॸऄॖॸॹॱॿॖज़ॱज़ॱक़ॹॗॸॱॸॗ॓। ऄ॒ॸॱॸॣ॔ॺॱॾॗॱज़ क्ष्रमाग्रीमाग्रीटार्स्टार्ट्स्रिटार्स्साग्रीम्ब्रीयाविदार्द्स्यामाग्रीस्रियाया क्षाञ्च प्रति क्षेत्र में देव ग्राम मार्क्ष में या प्रति या प्रति क्षा प्रति क्षा प्रति क्षा प्रति क्षा प्रति क योठ्या.लूट्र.त.च्री पह्ता.स्व.पट्ट्र.यूट्र.क्या.लब्य.च्या.स्व.क्य.स्व. योट. खेया. छोट. या. भट्टे ब. सूर्व अ. सूर्या बारा जबा छोटा या दर्द ब. सूर्या खेरा होता या विकास क्ष्यः है : क्षे. प. प्वेत : क्ष्यं या प. प. प. प. प्रे. क्षे. क्षे. क्षे. यो प. यो : क्षेत्र : त्रिंगःर्र्यः क्रुंग्तिः रेग्रायः यात्रवः श्रायः केः यादः। र्द्रवः क्रेवः देशः क्रेरः क्रेर्यः रेग्रायः रेग्रायः ग्रीः प्यालामुन्रासेनात्रे स्वासासुम्सुराधानात्रे स्वासास्य स्वासास्य स्वासास्य स्वासास्य स्वासास्य स्वासास्य स्वासास

क्रीयात्रची,यात्रात्रात्रात्रवीयात्रीयात्रीयात्रीयाचीयात्रात्रीयाचीयात्र्र्याचीचात्रीत्रात्र्र्याचीचात्रीत्राचीयात्र्र्यात्र्

र् द्र्र्न्गी में कुषाय द्री पार्ट्य प्रायाय विवा वर्षा स्टा केर् केषा द्रा र्ट् द्र्र्न् दे वरा व ज्.क्रिंग.पत्त्र.प.क्रे.पं.क्रे। ८८.ज्.पु.पे८.यंग.प्.पटपु.क्रिंग्यंग.क्षेंट.ग्री.क्षेंत.क्र्या.ट्रायाया तीया. ह्या. क्या. ख्या. त्यां प्राचीया. क्या. शर्ष्ट्रालटा ट्रेज्यावार्ष्याचयमान्नेट्राययालटा वर्ट्राया तर्ष्विवा तर्यन् में स्था वयमायावव सेट्रिट्य रट्यो ट्रियामाध्यादे त्य्युच पति केट्रिव व सुवाह्य प्यट लट.र्वा.त.ख्वा.अ.लुबी ट्रे.क्षेत्र.यचेट.र्वे.अ.ट्र्अ.ग्रीअ.ड्रीअ.त.पट्रे.ज्र्.ब्रीअ.ग्री.वाखे.पड्र्य. याची द्रात्याचे रापते द्वापात्र व्यवस्था ह्या भी व्यापी व्यवस्था है स्वापी है स् त्वेषा'षी'ध्युत्य'र्षोत्राव्य'यिवाय'त्टः'देते'ष्ठिट्'र्क्कव'र्व्य'पङ्गव'रा'यवा कुय'विच'ट्ट्'क्रे' देवाबाग्री:सर्देब:वा:ख्वा:पदे:पर्हेन:घु:चव:क्रॅंगिट:धट:क्रेन्'वा भ्रेब:र्घव:ग्री:वेब:रव: ८८.ब्रैट.ब्र्य.ग्री.ल्थ. थेष.वाट.लट.ब्रट.तपु.वटवा.क्ष.वंर.ट्र.क्षेर.पट्य.ब्र्य.व्या.वा. क्रव चियावयाचियाधन्। प्रिटार्था क्रुयायादिवादि स्वाम्पार्या विकासम् येव 'द्रेंब'ग्री'वद 'ह्रेपब'पदेवे'रद प्वेव 'वेष'ग्राट प्रश्चेव 'हुट। दे वे 'द्र प्रंव ब हे क्षेत्रात्रीय पाने क्षेत्राचनि कुं त्या वावन पाते निष्ठावाया स्वापानिया के वाकिया के निर्देश चर्चर अर्-स्रेचम्। स्.क्रिम.म.धुन.पह्ना.व्रेट्-तपु.चर्केट.ग्रुम.यर-व्याट.धुवी.सह्नट.च.ट्रे. वा धेव रा धेव रा प्रतः क्षेव रा क्षेव राम प्रवित रा ता नात रा वा रा धेव रा में प्र श्चीत्वा क्रिया मुकार्या क्रुवा प्रमूप प्रायम प्रायम विष्य भ्या प्रमूप प्रमूप प्रमूप प्रमूप प्रमूप प्रमूप प्रमूप लट.वंबर-टे.विबातपु.जू.कैंब.चेवं.वट.कूव.वी.ट्टा.हरायवंप.वंबर.वेट.घ.सूर.टेटबा.

प्राक्ष्यां व्यक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्ष्यं स्वाक्षयं स्वावक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वावक्षयं स्वाक्षयं स्वावक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वाक्षयं स्वावक्षयं स्वाक्षयं स्वावक्षयं स्ववक्षयं स्वावक्षयं स्वावक्षयं स्वावक्ययं स्वावक्ययं स्वावक्ययं स्

म् । क्ष्याचीट्या चुर्राता है। अक्ष्य । स्वीया त्या है वीया त्या है वाया है व

ल्या हो स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था क्ष्या स्वर्था क्ष्या स्वर्था स्वर्

ता.बु.त्याङ्ग्य.ची.त्य.ची.त्यप्त्र.स्वाय.तयु.कुट.लुव.तयःख्र्।
व। इत्य.चीयाविट.जीवायाः क्षेत्राचाः स्वाय.तयु.कुट.लुव.तय्य्यं।
व्याच्यत्यत्यः वित्यत्यं क्षेत्राचाः लीयाः चीयाः चीयाः क्षेत्राः चीयाः क्षेत्राः चीयाः क्षेत्राः चीयाः क्षेत्राः चीयाः च

नेपाबेराग्री'ख्टान्ट कॅबालेट ग्री'नेवाबादा वाविबालका खेरवा क्रेंचा क्रेंबा बेट खेव ग्राटा ८. क्र्य. श्र. ज्ञ. क्र्य. क्र्य. क्र्य. क्र्य. क्र्य. व्यवस्था. यावस्था. क्र्य. त्य्रीट्य. यावे र. ट्र. यावा राज्ये र्यूट. बुटा वोटालटाका प्रश्चिता हालटाको मेका पर्या दिया बोटा विवा वोहन जायन्यमान्यः मुन्दाना हूवः राजा हूवः राजान्यः वात्रवामान्यः स्वान्यः स्वान् योषु से सी त्वर स्वाय के तर त्वय व्याय के तर के विष्य के तर के ट्रम्यार्स्नाया श्रम्ने न्याः स्वारम्यायाम् अर्धेन्यायाम् अर्धेन्यायाम् अर्थेन्यायाम् अर्थेन्यायाम् अर्थेन्याय देव:अक्ष्य:मी:अहवा:दे:अ:घवा:मी:पूर्टा देव:वाञ्चवाय:स्थय:मी:स्वा:माट्य:मीट कुंच.चोट्य.त्रा.लुब.त्रर.टू्य.चीट्य.कु्य.त.लुबी चक्षेष.चकू्य.टु.टुच.याञ्चवाय.ट्ट.ट्रा. यञ्जिषायानः धेव प्राचारः वयास्य सुव ज्ञायाः व्यापानः व सहयाः प्राचीयाः १ प्राच क्र} बेबारा तारा स्वाप्त विष्या सिटा वाटा बेबा दिए बार्क स्वाप्त स्वाप बट.पर्श्वा.लूट.जा म्रा.ह.प्रवृष.त.भुष.तर.टुप्.श्रुट.त्.पर्म्याम. वयायटातुटाट्टा वात्रुयावयास्टाट्वावर्ष्ट्रात्र्वेराके.कुटायाञ्चेयादाधिवा सुटावावया क्ट.त.बुवा.टट.त.ज.२.२८८.शट.तूर.श्चेर.त.टट.। वि.चेबा.हूवा.श.हुज.तर.वि.उह्नर. र् मार्यकारा स्वार्य मार्विट प्रवित प्रत्यात सार में प्रवार में दार्थ प्रत्या मार्थ प्रत्य मार्थ प्रत्या मार्थ प्रत्य मार्थ मार्थ प्रत्य मार्थ मार्थ मार्थ प्रत्य मार्य मार्थ म

द्रम्यान्तर्भात्रान्त्रम्ययाणीः प्रमाप्यमानु सळवा स्राम्याने विष्याः स्राम्यमाने सळवा ने त्यायमाने स तर्नावावावाववाचित्रात्ताः हो नियम् वा "ह्रवास्ति दियम् वा स्वितास्ति स्वार्केन्य विवास्ति स्वार्केन्य विवासिकं वेयाप्टा "श्चाकवाञ्चापहेत् प्रति <u>र्ह</u>ूटा ह्या (श्वाक्रेयावा यहेते.क्या श्वर श्वर श्वर श्वर प्रवासका श्वर प्रति ।  $\hat{\alpha}_{i}$ ड़े. $\hat{\beta}_{i}$ ट. $\hat{\alpha}_{i}$ ट. $\hat{\alpha}_{i}$ ट. $\hat{\alpha}_{i}$ ड़े. $\hat{\alpha}_{i}$ योश्रम्भी,तर्श्यक्षेत्रस्वा,योश्रम्भीत्राचित्राचार्यात्रस्याच्यात्रस्याच्यात्रस्य नभेतातायम् ताप्ते वाप्ते वाप्ते वाप्ते वापति विवादि म्ब स्थार्भेषाषा (तयतः वेषा क्षाम्च प्रत्ये अह्र प्री विषय से प्रमान से प्रत्ये प्रत् देर'प्रचर्या क्षें''वेष'प्र'। "दे'क्षषायादें द'यीष'कुष'केष'पर्क' पर्क' प्रकुर'(बाक्कुवे:बेब'र्यः ईबायादें द द्याः क्रेब प्यक्र प्यक्ति प्यतिया यमः प्यविष्य प्यति । वार्ष्ट्र प्या वार्ष्ट्र प्यति । प्राप्त । वार्ष्य । वार्ष । वार्ष्य । वार्ष । वार्ष्य । वार्ष । वार्ष । वार्ष्य । वार्ष । वार तर.टेब्र्निश.ख्रा.टेन. (विधिवीतपुण) त्याप. प्रेवी.सिवी. अपे प्रेया अर्टेट. स्वाथा स्थाप अर्था प्रेया स्थाप स्थाप यवानीयात्रीयः प्रतिः चलाः श्रीयः त्रायः अकूतः त्रायः कुवाः वीवायः मुवायाः श्रीयः लूतः ग्रीटः तः रेषात्रे सुवाषाःक्षापार्द्धाः त्रावाराष्ट्राचा । हेषायाः क्षायाः क्षायाः विष्टे । देवा वाषायाः पुः वार्षेतः कृट्रावासून्याम् व्याप्तास्य नियानास्य नियानास अनुअर्, र्भेयाक्नु, अप्-रुप्। पेते हिवाबासु, अक्तवादी, प्वाचावीचा, हवाबा() त्रिते ते व्यापास्य विवास लूटी अघट.भ्र.वि.भूट.तपु.र्क्ष.मुम.अक्ष्य.तयेटा.त.क्ष्म.यु.क्.अक्ष्य.टीर्जेम.येठ्या.ये. भूवा-त्व्राबा-व्रीचा-व् गीया.स्याया.यट. स्या.अप. स्या.व्या.व्यया.व्यया.प्या.प्याया.प्याया. अकव'न्ना ने खेन्या स्वायान्य अकव'वया हैं आया पेंया च्या पति अकव धीवा

$$\begin{split} & \Box g_1 \cdot C_1 \cdot g_2 \cdot C_2 \cdot d_1 \cdot C_2 \cdot d_1 \cdot C_2 \cdot C_2 \cdot C_2 \cdot C_3 \cdot C_3$$

अश्रयः ट्र-विटि. तर- २ ० ८ - कुर्यः सूत् स्तर- तर- अश्री
टिस्याना ट्र- । प्रचीयः क्र्यः क्रिट- तपुः क्ष्यः च्यः स्यान्त्रः अश्री
वीट- ट्र- यः स्रीययायापायः त्रिक्चेट- त्राप्तः विश्वेयः वृत्तः स्वयः वृत्यः स्वयः विश्वायः विश्वाय

ર્શવા. જ્ઞત્ર. વોત્. હુવા. શ્રેન્ટ તાતું તે તાતું . જ્ઞા. મું તાતું ને જ્ઞા. પ્રદીશ. તાતું તાતું . જ્યા. તાતું . જ્યા. તાતું તાતુ . જ્યા. તાતું . જ્યા. તાતુ . જ્યા. તાતું . જ્યા. તાતુ . જ્યા. તાતુ

ग्राटाविब. हाब. ग्रीट. ग्रीट. ग्रीट. शहर अक्षर्य श्री. द्रयाया त्या. ग्री. ग्री. श्रीया अर्ट्र र. पर्झयः पटा। च्च भेर त्यत्र मुं गूट में ते मुल रचका अर्दे र प्रस्था देव मेर विकास देव ले का स्वरं वा सुअ तपु.य.चक्ट.चर्षु.त.विवि.चैय.तूर्ट.मैज.विव। श्रीट.मैज.रचय.ग्री.क्र्य.त.तू.जुपे.वेट.ग्री. घट र्हुतु क्रेट पते तो र्कंत प्रमु प्रट ले र्हुया या श्रुट मुल र रात रों रहें अप र रें श्रुट कते थी घट र्रु दु 'वाष्ट्र 'पि र्कं 'पिकु 'पिकु 'पिके विष्य हो । कु 'द्रवा 'सु ए 'वी 'कु था र प्र र प्र र प्र र प्र र ल.क्ष्य.चम्मे.८८.८.वाध्या.चष्ट.वट.वाश्या.चष्ट्र.चमे.त्यी.ट्यी.ट्यी.टा.ही.मैजाववा.वी.ल.क्ष्य. चक्चित्रपार्यत् ग्रीः भूम। कुते रेवा बेमाबटा खुत ग्रायम कुटा पटा खुटा खेता खेता होता व प्रवा.र्ट.यूर.रट. पद्मिन.य.चीट. तपु.श्रचपु.मीन.प्रवा.व्य.क्श्नम्भी.प्रमीन.यन्र अर्ट्र-तर्मेय.खेय.त.क्ष्या.ग्री.च्रेया.चाट्य.वु.क्षेया.क्षेपु.पर्गेर-मीपु.लुवा.क्ट्रव्यायाया. ब्रे.जूट.ब्री.चूबा.ब्रेट्य.लुबी बट.लुबी.ब्रंचर.ब्रु.जु.क्ष्य.४४७८१८८। बट.थेंवे.जुवे.च्मे. ८८.७.वे.वे.वे.व.ते शेषु.मैल.रचय.ग्री.तृत्वा.क्ट.चळ्य.यय.टट्य.तष्ट्य.त्य.ट्रं.ट्य.त्यं.ट्रं.ट्य.च्रं.ट् क्षे.पर्चियो.गुषा.स्पा.गुषा.पङ्किंर.पा.खुयो.लुष.पथा.पश्चाया.पथा.पूर्या.चार्या.पर्यूप.क्षें.शुर् कुटा। घट.प्रार.ट्रेर.क्षे.पर्चिंग.वी.पर्कीर.खेबा.बाक्य.वयेच.लूटी घट.थें.थे.क्षेट.तपु.खे.  $- \frac{1}{2} = \frac$ रा.स्पा.कु.टा.बु.हेबा.हेपु.एकेर.लुब.हेटाया.टु.बावुया.केवा.हेपु.लुब.वेंवा.हेथा.त पर्विट.ग्रुट.तथ.ये। चेटथ.थेट.ज.टेश्रवीय.चयज.ची.घूट.घट.श्रैट.त.खेवा.लुये।

ही.ज्.४००८ ञ्च.०७ क्र्य.४५ ध्रेय.क्र्या.मा

#### श्चर.लट.वाक्षज.चर्चट.टट.उत्ट.श्रेज.वे.श्चर।

योबस्यात्वयाः कुवाः क्षित्यां व्यक्षयाः स्वायक्षयाः स्वायम् याव्यस्य विकाः चिक्षाः स्वायक्षयाः कृवाः क्षितः विकाः चिक्षाः स्वायक्षयाः कृवाः स्वायक्षयाः स्वायक्षयः स्वायक्यविष्यः स्वायक्षयः स्वायक्षयः स्वायक्षयः स्वयः स्वायक्षयः स्वयः स्वायक्षयः स्वयः स्वायक्षयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स

क्षा-वाचित्रः सूचीयाः चिं की. तुची वाचित्रः क्षाचित्रः क्षाचित्रः क्षाचित्रः सूचीयाः चिं की. तुची वाचित्रः क्षाचित्रः क्षाचित्रः क्षाचित्रः वाचित्रः क्षाचित्रः वाचित्रः वाच्यत्रः विच्यत्रः वाचित्रः वाचित्रः वाचित्रः वाचित्रः वाचित्रः वाचित्रः वाचित्रः वा

#### यानुस्य झ्या.स्रम्यान्त्रम्यान्त्रीःम्रीटःश्चितास्य

म्न.भ.८८. ह. तर्श्व. अर्ग्व. त्र. एट अ.तप्. ८ चिट्य. ८ चि. य. अक्ष्य. तप्. व्यय. व. यीय.त. कुषे.त्यासिवी.पक्षा.वुट् भीचवाशी.षकुत्। चझ्.च.कुषे.त्या.पेवा.चेवा.चेवा.क्षेत्र.चे यविट.बुट.बुव.बुअ.वर्ष्या.ये.वर्ष्या टे.लट.कूव.बु.ल.व्.कुट.त.क्ष्या.बी.,त्विघा.बु पर्यू.श्रचय.त्रम.बिश्रिश.विट.ज.ताटा जब.कै.पर्येश.ज.सिवोब.विटी ट्रेश.तपु.कूथ.ज. र्तर्र्त्रित्ववार्त्यान्वर्षाः भ्रेट्र्यं धेव "वेषर्त्र्भ्रा वान्वर्त्त्र्यं कुष्रावाटः वेषा यर्थर.ग्रीट.जम.की.पर्चम.र्टट.र्टम.तपु.क्र्म.ज.र्टतट.त्र..तखवी.तर.वीर्य.क्षेत्र.तपु.ग्रीय. ब्रॅंट.तवट.त्.क्रूंब.टे.पब्र्.तपु.ब्र्.वय.रट.वी.कैंट.टवी.तर.विय.ट्री यथट.त.थवर.हीव. तपु.कें.क्षा.ट्यार.की.ट्या.वांस्या.तपु.ट्र्य.टे.प्रट.की.सं.षा.ट्ट.क्ष्या.तपु.कें.क्र्याया.ता त्रिया.र्टर.अष्ट्र्ट.तपु.यर्डूर.क्र्या.अह्य.तर.यह्मैयाय.तथ.त्य.या.ब्री.ह्मे.लट्य.त्र.ह्मे.ह्मे.म्रीट. चरःचुःचः धेवः या देः धरः क्षेत्रं चेदः वावतः क्षेः क्षेत्रः द्वेष्ठवायः वानुकः चीः चीः निर्देशः वावतः वावतः व लियायान्तराष्ट्रीयाम्भीत्राप्त्रियास्यायायास्य स्वार्म्यायायास्य स्वार्मित्रास्य स्वार्मित्र स्वार र्स्ट्र-तपुःर्स्ट्र-जियाबाः क्षाराः तस्त्रः तम्बेट्र-वयाः तस्त्रा तर्द्ध्यायाः हे । तस्ट्रिट्र-ताः त्रायः हे। सः स्या यरिट.रचम.१५७म। "भैचम.धे.चच.तपु.धुट.जियमा.ग्रेटा क्र्य.ग्री.सेट.स्.चमैट्.ह्रा. चधु-धू- $_{\mu}$ -धू- $_{\mu}$ -शू- $_{\mu}$ - $_{\mu$ क्रुंगमारा व्यम्भारूट् स्माप्यत्। तर्मे पास्य स्माप्य सम्माप्य स्माप्य वयापन्यत्यते। वयायायत्वयाने यान्यापन्यत्यात्रेत्राम् वर्षाः स्वरामी स् तकर.क्र्र.क्र्याचिषानी,स्र्।चेषान्यान्यानीयानी,तक्षेषान्त्रान्यानीयान्त्रान्यानीयान्त्रान्यानीयान्त्रान्यानीयान यय.त्यंत्री ट्वर.ग्री.ब्रैट.कर.क्र्य.श्र्य.ग्र्या.ब्र्या.क्र.भेट.भेथ.तपु.भ्रॅट.जीयायालयी ध्रीट.यबु.क्षे.वोष्य.टेट.यब्य.तपु.क्षेट.वय.पर्यूर.जूब.यश्चीर.यपु.क्षेप.तू.क्ष्या.ग्रीय. र्वे.च.चर्षुपु:ब्रिश्माःग्रीमायह्वाःस्त्रे वासमाञ्च । चर्ने चर्ने वासमायह्वाः विकासमा पत्रप्राची रे.ट्रेबाकाग्री.क्रिजात्राक्षेत्रेयावाक्य.वाचय.घष्ट्राचाका.व्याच्येयावाक्य.वाच्याच्याच्याच्याच्याच्य म्निट्र त्युवायाध्येत्र। तहेवा हेत्र क्री क्रियाग्री होट्र त्या ह्युट्र मुट्ट वादीट्र वादीया तहें अया प्रतिर

ट्टिन्ड्रं-ट्वेपु:क्वैजःस्ययःजयःअस्यःस्ट्रि इटः,, खेयः ड्वाःश्वरः विध्यः क्वीयः भ्वैटः पश्चित्यः ययः ययः ययः प्रचितः स्वाः श्वेटः त्युः खेटः व्याः श्वेटः यद्वे अट्टिः सूटः ये श्वेयः श्वेयः य्वेयः यः य्वेयः यः य्वेयः य्वेयः यः य्वेयः यः य्वेयः य्वेयः यः य्वेयः यः य्वेयः यः य्वेयः यः यः यः य्वेयः यः यः यः यः य

ट्रे.लट.क्र्य.ग्री.लुवा.श्रेट.पवाप.टट.विश्वसाधित.ग्री.लीज.चचट.क्श्व.श्र.ट्रे.पटेपु.वायेश. म्रील म्रीट प्रश्नेत्र राष्ट्र म्रील स्थान स "ह्येर वान्रस्य में द्रात्याय प्राप्त वायाय वायाय विष्य प्राप्त में स्वर्थ वायाय वायाय वायाय वायाय वायाय वायाय योथ्याम् तक्त्राम् वार्षेत्रा वार्याम् वार्याम् वार्याम् वार्यान्त्रम् वार्यान्त्रम् वार्यान्त्रम् वार्यान्त्र योश्रवास्त्रवासायभूत्र में क्रिंत न्याया प्राप्त क्षेत्र में क्षेत मुंब र्. कुब र्. प्रमृथ हि. प्रचट त्राप्त स्वा की विष्य वर्षा वर वर्षा व ८८.वाकुवा विययःश्वावमाने कराक्षायः में स्वाची मान्याने व्याचित्रा विवास मान्याने हिन्ता स्वाचित्रा विवास स्वाची म्रीट.त.र्टट.वेशिन भूष.त्.कुष.त्.प्यय.रू.हुपु.वेन.येन म्री.र्टट.पेट.हु.ली.य.येन पञ्चर-वर्षाभ्रीर-प-पर-वर्ष्ण अर्दर-पर-तर-क्षे-भ्रेप-प-वर्षा-वर्ष-भ्रीर-प-पर-यविषा व निर्वत् हो अर्थे द्वा व का चीर व का चीर पार्ट यहिषा क्षेत्र हो के व दे प्रकार लबाहार में प्राप्त का वाचार केव पामित ला निर्मा में में का लाम वाचार केव पामित ला निर्मा में में में में मान का म्रीट-प-दि-विश्वव वि:भूर-वि:श्रु-र्वास-पमुद्र-त्य-दि। म्रीट्य-प्र-हे म्यूट्य-यान्य-यान्त्र-रा-दि-यविषा वे.श्व.वट्यालार्ग्य श्वरणान्त्रिया क्रिया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या कुर्य. त्रुं वि. क्ट. यी. बिय. यथा ही. क्रॅंट. यट. चर्छट. म्रीट. जीवाय. टट. योड्या भ्रिट. क्र्याया र्जीया क्रूवाबाम्रीटालवाबारटटावादीबा श्रुबार्टिशवाबास्त्रीयाबार्टिंगावाबार्टिंगावाबार्टिंगावाबार्टिंगावाबार्टिंगावाबार्

त्राक्षट्ट. म्रीटा म्रियाट्स्य म्री म्रीयाच्या व्याप्ताय व्याप्त्य व्याप्ताय व्याप्ताय

ट्यात क्र्यत्यह्वा हुब ख्रियाच ट्यात क्रियाच ट्यात क्रियाच प्राप्त क्रियाच क्रियाच प्राप्त क्रियाच प्राप्त क्रियाच प्राप्त क्रियाच क्रियच क्रयच क्रियच क्रियचच क्रियचच क्रियचच क्रियच

 $\begin{array}{l} \mathcal{L}_{1} = \mathcal{L}_{1} - \mathcal{L}_{2} - \mathcal{L}$ 

यर् शु.पह्न्यी ग्रीश.विश्वभाक्ती. ग्रीश.विश्वभाक्ती. ग्रीश.विश्वभाक्ती. ग्रीश.विश्वभाक्ती. ग्रीश.विश्वभाक्ती. ग्रीश.विश्वभाक्षी. ग्रीश.विश्वभाक्षी. ग्रीश.विश्वभाक्षी. ग्रीश.विश्वभाक्षी. विष्ट. यथा.विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विष्ट. यथा.विश्वभाक्षी. विश्वभाक्षी. विश्

वावतः क्षे. त्रं प्राचित्रः प्राचित्रः वावतः क्षे. ययः वावतः वावतः वावतः वावतः वावतः वावतः वावतः वावतः वावतः व श्र.चेबा रेबाबी.पचन.तपु.कर.श्रेट.वी रचिर.र्धीय.वश.श्रंप्तचेरी क्ट.रे. भ्रैव प्रति र्स में में प्रति व प्रति व व रित व व रित व व रित व यान्यामुर्याम्यायायाद्या यो मूर्यासाळ्टायीयाद्यटायायाद्या द्रवाळ्यामुर्यायायायायाया मिट अ.अर्य्.अर्घ्.य.ची.अर्य्.अर्घ्। ट्रेट.अ.सेट.मैय.य.वी.सेट.मैया रूपाया.सिट.लू.लवी.सी.  $\frac{1}{2} - \frac{1}{2} \frac$ र्या स.सीम.मी.स.यचर.भ.चेबाची स.मा.सी.मुथावी वाधेव.सीम.मी.वाधेव.वाधेव.वाधवायाची वायेष.मी.पड्या.भट. इर. तपु. रत्ये। क्र्या.वायाया. यापु. वर्षा श्रीय. देवा. वि. क्र्या. यापु. प्राचीया. क्र्या. रे.चन्द्रन्थ। वान्रबाळे.च.र्रा मुलाञ्चर्या त्रीटावान्बारबेटा वोदी प्यार्थिता प्राप्त म्नेवा मुंतुः त्रः म्ली विषेषः विषया अराषिष्ठः अर्ष्वः मूर्वा त्राष्ट्रः विषया विषया विषया विषया विषया विषया ज्.मैंया मे.चिट.षपु.मैंयाजया भुट.चे.योपु.मैं.यायया चचट.प्र्या.ल.क्र्य.चय.लट्य.ता यर्थर.जश्रायहरा.क्ष्य.यथ.शह्यात्। क्ष्या.ट्र्य.धे.ञ्च.यथा.यायायाता ज्ञानीया. कुं.लूट.किं.प्रट.टी अट्र.चर्न्य.क्श.द्श.प्रचट.वे.,ख्य.जूवाब.च्वा.शय.वाध्य.चूट.तपु. ॅर्न् <u>त</u>्यावाया द्वारा पर्वे पक्षित् प्रमृत्या वित्रा स्वीत्र प्रमृत्या वित्र स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व নেট্র্যান্য শ্লম র্ম

यर त्रिव रा परेव लारेका मेका पक्षीत रात्री क्षाक्रिका ग्री स्वार्केत वर्षा क्षित्र राजा त्रीता अष्ट्र-जार्ट्र-ता.भ्री.च। क्षेत्र.जा.अष्ट्र.आ.पक्ट्र-च। श्रेश्वा.जार्ट्या.च्या.भ्री.च.ट्री इं.क्ट्या.ग्री.सं. चवाकूर्तातालायवींता अतालायवुलायाअताचा रिवारितार्युवावीवायवीलाया रिवायता لقعدك بود عدا على مامعد على بهر عود الإعدام الإعدام القعد الإعدام القعد القع त्तरात्रा वर्ष्या अर्चा वर्ष्या अर्चा वर्षा वरष्य वर्षा वर्षा वरष्ण वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वरष्य वरष्ण वरष् ट्रे.ट्य. घष्प. कट्र. ग्रीट. प्रट. ज. याचीया ग्रीया लूट्रा प्राचा । वस्या श्रीट्रा प्राचा में या व हुं,यविषालयाक्रां,यावाङ्ग्,क्षी प्रतालायविषाग्रीयाश्रदायात्यात्रां,याञ्चात्रक्षान्यायात्रायान्या म्री म्याया मार्चित के म्री तरा तक्ष्य त्राया पर्त्य म्री म्याया मार्चिता लट.श्.पचुल.श्रट.ग्री.यूल.स.श्र.कूस.ग्री.वायेश.ल.पचीटा क्र्वा.ट्य.क्र.त्वा.वी.यूल.स. चबर् वार् ग्री वार्य तर्वार । अस् र्यं वार्य सुवार सुर वो वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य त्त्र तथायाच्या त्र्वेषा झाळ्याया वेषायाया हो आळ्यायाया हो त्राक्रुयाया वेषा वील.कु। क्र्या.त्य.ल.ब्र्य.वील.कु। तथर.वीर.ल.पहंचा.वील.कु.तथा ब्र्यातपु.शचर.मै.श. चन्द्रन्त्र्व। क्रमःचन्द्रन्तःच्यास्यात्राक्षःक्षःक्ष्ट्रन्तेःश्वरःद्रमःन्त्रयःवःवन्त्रः व्यवस्यात्रः योथ्याविदाशुःचुनावाखुंवाःक्र्याःक्र्याःवानाद्वायःह्री यचिदाक्रीःकःलटावयाः त्रयान्या वृताकः स्रेत् त्राञ्चेयाया सर्वतः स्थायीयान्या स्थाने वृतामुः त्रम्तायाः भ्रा.त्राया प्रस्था प्रह्माता अक्र.तपुर वेशका भ्रतीय वाष्ट्र अक्टा भ्राया प्रवित वार्या स्थान स्थान स्थान स्थान क्रिन्कॅ'च्रिक'प'र्क्सिन्यर'त्र्यूर'च'र्केन्'प्रक'ग्विक'चबर'र्घ'र्र्र्र्र्रर्घ'ल'र्केन्'वेक' म्बायमा स्वापन स

#### यथिय। ज्र.क्रियान्त्रचेटानपुरचेश्रयात्कीराप्तूच.क्षेट्य।

ख्या.योचेश.टे.योचुयोबा.तप्रांच्या ख्रिया.योचुयोक्तरा.एक्त.स्यां क्रिया.यं ख्रिय.त्यं ट्रियं.ट.क्ट.त्यं.ट.क्ट.त्यं.क्ट.क्य.क्ट.क्य.क्ट.क्य.क्ट.क्य.क्ट.क्य.क्य.क्य.क्य.क्य.क्य. क्रिया.यं क्रिय.यं क्रिया.यं क्रिया.यं चुया.लीय.यं क्रियं.यं क्रियं.यं क्रियं.यं क्रियं.यं क्रियं.यं क्रियं.यं चुयं.यं क्रियं.यं चुयं.यं क्रियं.यं क्रियं व्यव्यं क्रियं क्रियं क्रियं व्यव्यं क्रियं क्रियं व्यव्यं क्रियं व्यव्यं क्रियं क्रियं व्यव्यं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं व्यव्यं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं व्यव्यं क्रियं क्रिय

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{$ 

त्तर्तात्ते, क्रेर.प्रत्या त्रेत्र.प्रत्या त्र्यः प्रत्या त्र्यः ता १००० । "मुलार्गः प्रवरः सं प्या श्रेषाग्री:वि.ज.चर्षिवाबाज्ञा ट्रेम्स्ट्रिटाचीमामुजार्याग्रीव जामुजान्त्री श्रीम्मवाज्ञा स्वापान्त्री हो स्वाप क्.य.विय.ब्र्.लथ.कट.ग्री.वर.ब्र्ट.टट.श्रप्त.धेथ.लश.वब्र्.वश्वीती वार्च्वा.पश्चीर.वाङ्गी. श्री.चर्श्वट.चया.ट्रंस.खुट.क्रिया.त्रंस.क्रिया ...क्र्रंस.ट्रश्वा.चट.क्रुच.ज.ब्र्स्ट.चप्ट.ट्रंब.श्री ट्रश्वा. ८त्र्य.ज.८त्र्य.श्रट.ब्र्वाय.तपु.श्र.पभैटी श्रथ.विज.वय.म्री.श्र.पभैटी श्रवा.विज.वय.म्री. श्रायमित्र हुत्र बिलालवामी श्रामित्र वि.मी.लवामी श्रामित्र वि.मी.श्रायमित्र योश्रर्भे व्यामु अर्गे विष्यु अर्गे विष्यु अर्थे विष्यु अर्थे विष्यु विष्यु विष्यु विष्यु विष्यु विष्यु विष्यु ला. प्रायम् नर्य मी. तर्प्य निष्य निष्य निष्य मिल्या स्थान्य मिल्य निष्य र्ययो.ज.हूंट.स्यो.यञ्च ।र्योज.स्र-र्ययो.ज.हूंट.स्यो.यञ्च ।हूंट.स्यो.यश्चराग्री वित्रषात्रयात्रात्रेतायाः भेटार्स्पराया प्राचार्म्य तम्मेरात्रा वराक्षेत्रायाया प्राचा म्नर-ट्रे.योल्रर-क्रुब्र-मुब्राजा-(ह्यबा:मुब्राज)-तम्भेता वट-क्रुब्र-च्रिंबा:ग्री-सु-द्राची ग्री-र्-रातन्त यया. इ.प. प्रस्ता अर्थ. मृ.प्रस्ता व्याच्या या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्य भ्रैय.पर्याटः। क्र्य.मीज.पजटःसुपु.लय.यंब.क्र्य.मूब.प्रंय.पर्यं ग्रास.रय.यध्य.मीय.यंब. चमिव। झ.मुश.र्था.सू.ल.बोबर.पमुर.चिबा झ.lag.४.सू.बूर.रचा४.जा बर.कुथ. हयु. यट. यट. त्रं. ट्री झे. खा. ली. यट. त्रंय. खेया थी. यट या वेट. यया यट. क्रय. यट . त्रंपा. तृ योषटालाराष्ट्रिम्। क्टाबमाग्नुबाराष्ट्रवाराम्बान्तारात्वानुन्तान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्ष्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्रवार्यान्त्यान्त्रवार्यात्रवार्यान्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रव पर्केष्यं वियः कुषः यक्र्. प्रमिटः प्रमितः ष्रं यार्ज्ञं । क्षेः द्योः श्चेष्यः क्षेत्रः क्षेत्रः योषः प्रवादि चट.वर्षित्र.तत्त्रच.वय.से.विज.सूर.ज.पहली लट.ट्र.ह्य.र्.स्.क्र.ज.वर्केवाया श.रुव.स्. कुपु.कूथ.व्यासीवा.ज.टाखवा सि.क्र्.प.ज.स्रिय.अक्ट्र्.जा ह्रा.टाय.सिटा.हूथ.क्र्.अर्टेट्र.धिटा. प्रणापाय्यायम्बर्धाः स्था अप्राप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स् त्रमः संजा दे. ह्रा मिल. क्रेंब. य.ज. तर्मियाया मिल. क्रेंब. टेंट. त्राय. हे. तमी. संजा बचा. स्थि. यथ्रियाग्रीयायाद्वातम् विता चिटास् स्री होटालाट्यता स्रीता स्विता स्थाप्तायित स्थाप्तायित स्थाप्तायित

श.चेया क्षेत्र.यटेप.कूय. ह्य. पह्य. ताचिया यय. वितायता. तमिट. खे. स्वा. वायुया सट. टे. इंब.च्या.सूट.ब.ज.चर्केयाबा इं.झे.ट्या.यध्या.ग्रेब्य.पच्च.टा.चेबा यटाव्रेव्य.वार्चेट.ज. ८थवा.श्चर.तमेवा प्र्यूथ.श्र.क्.वावेश.ग्रीश.८४.तमे.एम्रवी क्षेत्र.ति.श्र.र्रू.वाक्ट्र.वि. अस्यावायाः क्षत्रः (वेवायः क्ष्यः विवायः २) यि. शू. पह्रया. पह्रया. (भ्र.भटेष. वृषी) श्रेट्या सिया. विथा. श्रीट. पता. पट्ट. कु. (शिया. योवेश. यट्ट. विवय. ग्री. कुट्य. ल्बी पर्वा सि. मि. स्त. तायर त्यायर प्राचिया वया सूर सूर्य वीया वाया स्वा ताया विया वाया स्व ह्या. पर्केयामा क्रया. यु. मू. प्रम. लय. याशिय. पर्च्या क्रया. यी. एत्. याशिय. ह्रीय. ह्या. पर्ट्या श्चर् अरावचा चित्र मीया अर्था चित्र विषा मी खा अर्था चित्र स्वा चित्र हैया ट्यार.वया.व्यायाग्रुर.व्याश्चित्र.ज.चर्किवाला चि.चुत्र.क्षेत्र.क्ष्रूर.क्षेत्रा.कष्टे पर्द्धव्यायाच्याः चेराविषाः वी माराकेवा मी क्षेत्राः केवा भ्रावा चेराविष्य विषया केवा केवा केवा केवा केवा केवा म्रीमः ञ्चरमा र्सरः स्त्रिः चिरः खेवा रागरः स्राञ्चरमा यर्दे छः यः स्रवारः यः ह्वा वीमायवा । ब्रिटः विष्यान्य त्यान्य । विष्य । वि यितः हुम. पववा नि. ज्. कु. अवूच. त्रूप. कुम. प्रमाणी पक्ष. त्रूप. तु. प्र. तु. प्र. कुम. प्रमाणी अवूच. र्वी.क्र्य.भ्रैयम.प्रें. क्रीम.पम्पी मैज.त्.पविवा.भ्रैयम.प्रें. क्रीम.पम्पी वयावजा.भ्रेंट. ८८.ध्रेय.चम्मै.स्रेय। वोषट.सिट.रिट.कुष.वोश्रेय.ग्रीय.सिया श्रीट.ट्योप्र.थवो.वोध्रेय.ग्रीय. अर्यो. परेवाया खेला खे. सुर. तूच. वाशिता वाचट. जा हिरा झिट. ट्यार. चवा. वाधेला ही वाचा ववा. विषर तसु अन्तर धिषाविष्ठ ...नेते नुषा सु वानुषा न्देश वा मुलारी के के मुलारी वा भूव र्रा पायव वट क्रेव र्या प्रचिव रूप विविध स्टर्ग विश्व वा विषय विश्व स्थाप विश्व स्थाप विश्व स्थाप विश्व स्थ यथ्रियायाची प्रचित्र भ्रम्या। बेराचान्त्रुमा वेषान्मा

त्मृ.ज.भृतम् श्रट्यं, त्मृ.द्मृ.द्म्यान्त्रम् भ्रुत्यः भ्र

र्राप्ट. स्ट्रांस त्याया व्यवाया वर्षा या वर्षा या के ता के ता के ता वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा व अकूट. में मैं वी. ज्ञी यी. प्योट पा का बचा ट्रिंश क्र. पविचा । क्षा ट्यार साधी है। पा वा वा वा वा वा वा वा वा घट.कु.जुपु.सी.बिश्वी.यथवी मिंत्रेय.किट.पत्त्र्ट्रट.बी.ये.क्ट.जी पत्र्ट्रट.ये.ये.ये.पुपु.सी. यक्रियो.तथ्यो वितिःश्चै.योश्चर.शक्क्.र्शियो.श्च्राजा योश्चर.थ.पट.जुपु.टी.योक्च्यो.तथ्यो ट्रापर.जा. क्रेया.क्टायि.क्रा.जा क्रेया.स्या.पटा.जापु.या.याद्या.याव्या ।याट्राया.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या. भ्रूय राज्या भ्रता राजिया विषय । विषय मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सि चेबा ट्राजा, लुट्र श्रें स्रुं श्रें श्रास्या चिवा विश्व श्रें श्रास्य । स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व श.ची.पर्वे प्राच्या सि.चे.प.याचुबालाचे.याचुबा योबुरासिराता चटाला योबुराची.यासिरा र्टेट. सुर्था ८४. क्. क्रूच. ब्र्. ४ टाया. वा. सुर्था व्रा. क्री. वा. व्रा. व्रा. व्रा. व्रा. व्रा. व्रा. व्रा ब्रन्सु वो यविषाने हो न्योर पन्ना वें क्रिया विषा ग्री का स्राह्म स्राह्म कें स्राह्म स्राह्म स्राह्म स्राह्म  $abla = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1$ त्रे'त्यावा'ल'त्वड्डिं । ह्या ह्येवा'राचवा'वालच'स्या'र्-चन्। च'स्रेब'ग्री'लब'गा'ब'चर्च्ब' र्रा या. व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्व र्ट्रेर.श्र्वा.वाध्रेयाला.घल.था.प्रह्ल। श्चेर.भ्री.पहट.वाध्रेयालालथा.था.वालर् पर.व्रा.पद्य. विवा ला अर्थे : अर्थे : इं रे वो कुल र्येदे विअया अतिर विवा वीलय : अर्थ : क्या अर्थ : इं वि:श्चेत्र'त्रवा'तर्'देते'र्द्र'त्र'श्चर्या श्चे'त्वो'श्चर'क्त्रत्र'त्रे'र्क्,क्वं'श्चेती क्वा'यर्ट्,श्चें,ह्या'श्चर ह्येर.व्रा.क्रुंब.क्ये.क्य.क्र्.क्यं.क्यं.क्यं.ह्यं.ट्रंब.ट् पर्यायम्बायात्र्यायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः व्यायाः द्वात्रेष्याः विष्यायात्र्यात्र्याः विष्यायात्र्या ८८.वाधुमा म.ट्या.व्र्.एक्र्.८.८८.वाश्यमा श्रम.त्र्र.व्र्.एक्र्यु.क्रु.वाश्यम.प्रट.,कुम.८८.। चवा.वालय.ग्री.जू.क्रीय.ह्र्य.यं.५७ववा.पर्वेवा.त.जन्ना ,,चवा.वालय.ग्रुट.प्रवा.ज.झ्रीय.त.घ्रेटी। तीयायट्रायाच्यायालयाश्रटाट्राक्याया। द्यार्ट्य्यात्रेयात्र्याचीयाय्यात्र्याच्यायाय्या पर्वेश.-र्ता, प्रत.के.प्रतर्था,प्र्र. -प्रवर्षा,प्रक्रा,  $\frac{1}{2}$   $\frac{1$ 

 $\begin{array}{l} \widehat{\mathbf{q}}_{2} \| \ \mathbf{q}_{1} \underbrace{\dot{\mathbf{g}}}_{2} - \underbrace{\dot{\mathbf{g}}}_{2} \mathbf{d}_{1} \underbrace{\dot{\mathbf{g}}}_{1} - \mathbf{d}_{1} - \mathbf{d}_{2} \underbrace{\dot{\mathbf{g}}}_{2} \mathbf{d}_{1} \\ \mathbf{d}_{1} - \mathbf{d}_{1} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2} \\ \mathbf{d}_{2} - \mathbf{d}_{2$ 

मैल.मेब.इं.ट्ये.मैल.प्टबर्जना ,,चूट.कुब.बूटब.ग्री.पब्रू.ट.पट्ट.ट्या.गोब्री झू.पर्चेय. म्राचित्राचे त्या कर्षा कर्षा कर्षा के स्वापन के स अर्घ्रेट्य.वेय.पूर्ट.वोयल.डी। वयथ.वधुव.थु.लु.हु.त्रूर.द्यवय.त.ली। ७८.त्.डी.हु.ट्यूर. त्.भ्र. र्याया जया। कट. ट्रे. र्स्ट्रेट. श्रेट. श्रेंच या. श्रे. जूट. यट. यथा। दे. कुय. मैज. श्र. क्र्यं टाङ् चक्चित्रत्या।" वेशन्ता। देस्त्रित्यातर्ग्ने तिन्यक्षायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायाः विवायवाया लयाव्याद्रियायाया है। या स्थाप्त विष्या विषया विषया विषया है। देश है ते से स्थाप्त विषया है। देश है। द्रम्मागुमान्ने वसामावतायमा। ययमानेते कुःमर्म । वस्त । योष्ठाः प्रचीयाः कुषाः चीर्यमः चीयोषा।" खेषाः नृतः। १५("क्षेत्रषः नृतः स्वावः वीर्याषाः क्र्यायाग्रीया पर्योयात्रम् र्येयातपुर्येयात्रात्राच्याच्यायायया चययास्य श्रीताहास्यात्रा त्रस्यः विवायः ग्रीया। दर्गटः क्र्वायाः तयः तवा तव् स्व वाधायः तवा स्व अवा हो। अ. उत्याटः मैयः योषभारी मुष्यामा कु. धूमा योषप मीषा निया मिष्या मिष्या मुष्या योषण मिष्या मिष्य র্ছ্রবাম স্ট্রবন্ধ প্রবাম প্রম স্থল দ্রীনা। ইবা প্রম নেম দ্রী বেঞ্চি বে দ্রীম রে দ্রোম সাম বিদ্যান ব चर्-त्रि, जी. जथ. ज. चर्ड्स्य. त. त्या चय्तर चर्चर चर्चेल. चयर स्थ. सूर, स्थे. सूर चर्ना सूर्यया लय.र्था.मैज.पंजीय.टीज.र्डूंचया.झ्य.ग्री। श्रेय.तय.तूर्ट.कुय.भ्री.त्.तवा.ब्रू.कु॥ ४८.र्ट्चर. चयाय.योथट.ब्र्ट्-चश्च्ट्य.पिश्रया.योशेश.ट्यट.टी.यर्ज्ञया। ट्रीट.ट्ट.क्र्र्यया.ग्री.क्रेश्रया. र्चय.य.लु.चर्चा ग्री.चुप.चक्षेय.पह्च.क्ष्य.ग्री.मैज.त्य.ग्रीटा। भ्रि.क्ष्य.पट्ट.ज.ग्रीय.चर्टर. न्स्र मानेव पर्रेया।" वेष न्र

द्यु न ट झूच . लुच्ची ., बुका ट टा । ३. त्यु . ट श्वा. लुच्ची ., बुका ट टा । ३. त्यु . ट श्वा. जुचा . जु

चक्किट्रियां सु सिवा, जाच मुन्ना ट्रिया चिन्ना सुव सुव सुव स्वा स्वा प्रवा प्रव प्रवा प्

शह्,श्र.हूंट.टट.धूट.श.चमै.वायट.ज.धॅट्य.धं.ट्य.पूज.पूज.पूज.पूज.प्या.थं.वाया.प्या.थं.वाया.प्या.थं.वाया.प्या.थं.वाया.प्या.थं.व्या.प्या.थं.व्या.पंया.थं.व्या

ट्रथम.त.र्जूट.क्ट.ग्री.ज्र.क्रीय.७०जम्। स्मै.योर.ट्र.ड्र.ग्रीट्य.ग्री.घेट.क्रीयामी विवास.ड्र.क्रये. त्र्विषः प्रथावाच्यायाः ग्रीः बिटावयया त्र्रावाचा रुषः ग्रीः स्था अर्ट्रावयया अर्ट्रावयया अर्ट्रावयया अर् ଷ୍ଟ୍ରାଦରଣ:ଞ୍ଚିଟ୍ରିସ୍'ସ୍ଟ୍ରବ୍ୟର୍'ପଞ୍ଚଟ୍ରସ୍ଟ୍ରସ୍ଟ୍ରବ୍ୟର୍'ପଞ୍ଚର୍ଗ୍ରବ୍ୟର୍'ପ୍ରବ୍ୟର୍ଗ୍ରବ୍ୟର୍ यथार्सियो.वी.तीजा टराजारावूर.जू.यट्र.अकूवो.वीशिट.वी.वीयथा.जूबो.श्रयं.प्रांस्त्रे.ह्री्वीया तर्नि-निर्मात्विन्निर्मिः वित्रामी के लिया वित्राम्य स्थित स्था स्थानि स म्रीयार्त्र,तपुरावितायया तीयायचटात्रास्त्रास्त्राच्यायात्राची त्र्याये थे थे थे प्राप्त स्था पट्रि. तु. भ्रुव स्थयान्टि श्रु. ट्यूया। यावव त्या त्याया सु. उटा प्या त्याया विया स्याया सु gर.वशिंटश.त.र्टर.। क्रंर.क्वी.रवा.क्वेंंब्र.जश.पर्वेंट.य.क्व्.यर्ट.यं.यंट्र.यंर.यंस्ट.वं.यंट्र. है। र्अया वेया चेरा प्रति या ह्या का दी। स्य मुला केव पर्य प्रमुत् प्रति। स्य स्था प्रति । त्र. त्यारी द्रायावयाता भ्रास्था भ्रास्था भर्षा भरत्य र्ग्रा वाष्ट्रयावित्वराहे स्थान् । स्थान वाष्ट्रया वाष्ट्रयाचित्र वाष्ट्रया वित्याचित्र वित्याचित्र वित्याचित्र tand neta. 4.9. als. 22-11 general servicesवयाग्रीयार्स्यया। यमःवयायाः तर्वयायाः पर्वतः देश्येन्॥ अन्तः न्ययाः ग्रुटः नुयाः र्व्याः नुपः नु सिर. ख्या. त. क्. क्ट्रा. यो बार् श्रमा ट्रि. हीर. ट्रिश्वा वेषा चे. त. त्री वा . वेषा नटा १७० . क्ट्रा ষ্ট্রীব নেমু রি.প. বাবাধারবা রিদ্যা দ্রী নেমু রিদ্রের স্থান ক্রমা ক্রম ক্রমা বাবাধান। मैलायक्यंत्राप्ते हो। या भी क्रूया मैलाययायात्रात्रा दिनः भूत्रायाद्ता वया मि व्या मि ववा.मैज.त्यु. विवाबाजा चुवामुन प्राचित्र विवास विवास विवास विवासी त्र्र-रिथा.वोक्ट.विष्ठाका.की.की.केवी.(क्वी.त्र)गुषा.रेयट.यक्किंट.रिका.लुच.तमा रेथिका.वोक्ट. वी.च्रट.च्रेट.झू.क्व.द्वि.झूर.चर्छ.वांश्वेत्रा.बा.झू.च.कूबा.पतवांबा.मैज.त्र्र.टेचट.लूच.टे.लेजो ट्रें प्रायम् । प्रायम् । भूता वी भी । पूर्वे । प्रायम् वा प्रायम् वा प्रायम् वा प्रायम् । प्रायम् वा प्रायम् । न्यंत्र त्या ब्रे वार्ने त्यां त्या केत्र या पार्क्षण ह्ये रापकु त्या पकु त्या पकु त्या पकु त्या व क्रॅंट.ज.क्रॅंट.ट्र्यूयी व्रि.ज.व्रि.ट्र्यूय.ट्र्यूय.ट्री ट्रे.ट्य.क्रॅंट.च्रिय्यूय.ट्राक्याय्य.च्र.अक्य.ज.क्र्याय्या

$$\begin{split} & - \int_{\Gamma} (a_1 - a_2 + a_3 - a_$$

ड्डीर-इर-वयार्च्ट-झ्लाट्रायट्राबिवार्ल्ट्य-याय्टाक्वाडी मैलार्च्यायायाधानटाधवा 772/यमा "र्स्स्यान्द्र्यंत्र सर्व्य पार्व्य स्थानिया निया निया विष्या धरा मुक्ष सर्व्य पार्व्य स्थानिय । ब्रॅट्रिंट्रिंव्र ब्रिया। वटः ब्रॅंब्र अर्क्वर गर्बेत्र अहिट र्पेव्र अट् वर येग्या मु ध्रिया अर्क्वर गर्बेत्र श्र. ५. पश्य. त्रं व्या विष्या मित्रा मित्रा प्राप्त व्या विष्य प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प् श्राप्तः वर्षः त्याः त्रे 'त्यांतः त्रयाः सर्वे । त्यत्यः ग्री'क्यः स्त्रेत् 'खुंदेते 'याव्यतः प्रतः ।। त्रः त्र.क्य.बुर.यधुम.भ.वर.रे.बु॥ सवय.यधु.बुंबाम.यमेर.यभाष.यक्ष.क्य.बुर.जा ब्रियाबारविरामुतार्या हो पवि यावबारा या परा प्राप्ता तरा हो प्राप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप म्रीक र्पे वार्नेट न्यर पेंट ग्री न्यवा न्युट वार्थिया। कर म्रीट पेंट न्यवा म्रि म्हें तम्रु क्या वीलया.ग्री.य.पट्रेय.ट्राय.त्र.क्षेवा.क्ष्य.च्यी। वाल्य.ग्री.य.पट्रेय.क्ष्वाया.थावय.स्र.प्र्वाया ग्रीय.सिजा। ग्रीट.ग्री.र्टतप.च्.र्टभवी.ग्री.झॅ.ज.टाञ्चेंब्री। त.रूज.र्टलेंट.पर्ट्रभव.अळूचे.कपु. चर्षियायाः यादाः । देः ह्रं श्रेषः त्रायः त्रायः त्रायः विष्णाः विष्णाः विष्णाः विष्णाः विष्णाः विष्णाः विष्णाः लुबाबाच्यीचाबाबंबा। की.चार.केल.होट.तूट.ग्री.चंब.टे.चेबा। के.चर.लेज.की.बूर.ह्बा रुष.त्.कु॥ वाज्ञयाच्चटार्ची.र्यं जायायायायायर्थात्या मि.वारार्झ्रेर् झेर् मैजार्ग.कुष.त्. योतुषा। रट.ज.शत्रव.बुट.चगाय.ज.योठ्य.श्चिषाचीटा। वेच.ब्रुवाब.ध.मुज.च्याचावा

### विष्य वर्षितः मुक्ता मुक्ता मुक्ता वर्षित ।

द्रथातात्त्वियान्नियान्नियान्नियां त्यां स्वीयायात्रात्यां स्वीयान्नियां स्वीयानियां स्वीयान्नियां स्वीयान्यां स्वीयान्यां स्वीयान्यां स्वीयान्यां स्वीयान्नियां स्वीयान्नियां स्वीयां स्वीयां स्वीयान्वयां स्वीयां स्वीयं स्वीयां स्वीयां स्वीयां स्वीयां स्वीयां स्वीयां स्वीयां स्वीया

विश्वभारा में त्रिमारा में अदार में अदार में क्षिया या में स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त

ट्वा हिर है र स्वा सिट धिन होर आवन स्वित गुट र हिर र में सि स्वा प्रवास सिट हिन व वित्रत्वेयायमाळेषा ह्या ठेयायते र्द्व ग्रीमाणात्रह्यायते प्रियाये व्याप्त पर्यूट.त.पटे. खुवी. लूट. इट. । इर झै. पर्केर. त.जब. ईर. खुब. तपु. ट्र्ये. लुब. कूवी. ही ट्रे. क्षेर.य.टार्ह्-ट.चे.र्यथाशट.सीय.शीश.क्ष्योगाता.हीयोगायोकुयो.धे.टार्झ्नयगातालयाथा.यथा ल.चेब.चे.क्ष.श्रट.संव.श्रंथ.क्ष्यंब.त.हेर.तब.व.हंत.हेर.रश्रट्य.हर.च्रर च्रं मुःअर्ळः क्रेवःर्यरः न्व्यायः द्रिनः र्वरः न्वितः रेवायः अटः न्यावयः यः त्ययः वहिवाः हेवः विरः र्वायानास्यान्यम् मिरायान्त्रम् सेरायेन थर्मा अस्य सेराय्यान्य स्वयान्य स्वयाय स्य यर्ट्र्न्य च्या अतः स्वाया अवाया अति । यो के स्वाया अवाया अता यो के साम स्वाया अवाया अता यो के साम स्वाया अवाया अवाया यो के साम स्वाया अवाया अवाया यो के साम स्वाया अवाया अव मु पर्डें अषा व्यास्ति पायत पायत प्राप्ति क्षेता या हिर ति अस्व वाष्य प्रिं प्राप्त हिर विश्व वाष्य र्टाचलायपुरम्बाध्यापुरायद्वात्त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या इर. खेबा नार्ह् त्याप्ट क्रिया हिं प्रमित्त हिंगा स्था मी प्रमा हिंगा स्था मी प्रमा हिंगा स्था मी प्रमा हिंगा स्था मी पवि क्षेंट र्ये वस्त्र रूट्रें यो केंग्राय वस्त । द स्व देय वेर क्षेर की सेट प्रमुग्या स्व श्.कु.धु.स्.कैंय.ग्री.प्ट्यासी.वोट्ट्यात्रयास्त्राचियामें श्रीयामें स्वातासी

ट्याल्यायया प्राप्त स्वाया स्वया स

 $\tilde{\mathbf{A}}_{\mathbf{A}}^{\mathsf{A}} = \mathbf{A}_{\mathbf{A}}^{\mathsf{A}} + \mathbf{A}_{\mathbf{A}}^{\mathsf{A}} = \mathbf{A}_{\mathbf{A}}^{\mathsf{A}} + \mathbf{A$ 

तप्त्राचियात्त्र्याचिट्योथाल्या तप्त्राचियात्त्र्याचिट्योथाल्या तप्त्राचियात्त्र्याचिट्योथाल्या यथात्त्राचियात्त्र्याच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्र्याच्यात्त्राच्यात्त्र्याच्यात्त्राच्यात्त्रत्यात्त्र्यात्त्यात्त्यात्त्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्यात्त्रत्यात्त्र्यात्त्यात्त्यात्त्

चिट्यं में स्ट्रां स्वार्यं स्वारं स्वरं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं

 $\hat{L}$ . ત્રિલીવીયા. ત્રામાં ક્ષેત્રા ક્યો ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્ર ક્ષેત્રા ક્યો ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા

म्री. ह्या क्र्या निट. ह्या निट. हुया निया क्र्या या या स्था प्राचीय प्राचीय

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

ড়ःचए.ॐ.चट्टे-.चब्च.बाशिंशः ञ्च.प्ची.च्चीयाः ताच्चेटे .कूर्यायाः चर्टे-. एक्ची. त्यां व्याचित्रायः स्वाच्यः चर्टे-. वर्टे-. वर्ट्टे-. वर्टे-. वर्ट्टे-. वर्टे-. वर्ट्टे-. वर्ट्टे-. वर्टे-. वर्टे-

ત્રુપ. મૈળ. પ્રવયત્ર સથય. હ્ર્ટ. મૈં. ક્રેટ. ત્રુપ. ક્રેય. ત્રુપ. વેટ. વેશ. છુય. વર્ષેય. ત્રુપ. ક્રેય. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ક્રેય. ત્રુપ. ક્રેય. ક્રય. ત્રુપ. ક્રેય. ક્રેય. ક્રેય. ક્રય. ક્રેય. ક્રેય. ક્રેય. ક્રય. ક્રય. ક્રય. ક્રેય. ક્રેય. ક્રેય. ક્રય. ક્ય. ક્રય. ક્રય.

ट्यायाक्षीयोषायोटार्टी (प्यट्यातास्ट्रायक्यिन) भूष्याक्षी त्याष्ट्रायां स्थायाः स्थायः स्यायः स्थायः स्

त्र-तब्रे-र्, ख्रान्त क्षेत्र शक्क्ष्य श्री

यक्ष्य जा श्री अत्या श्री अत्या अक्ष्य श्री

यक्ष्य जा श्री अत्या श्री अत्या अक्ष्य श्री

यक्ष्य जा श्री अत्या विश्व अत्या अत्या अत्या अत्या विष्य जा विषय जा विष्य जा विषय जा विष्य जा विष्य जा विष्य जा विष्य जा विष्य जा विषय जा विष्य जा विष्य जा विष्य जा विषय ज

म् प्रमानित्त्याची के कु लित् शुन्त्य श्रम्य स्वित्र प्रत्य मिन्य स्वित्र प्राप्त मिन्य स्वित्र प्राप्त मिन्य स्वित्र प्राप्त स्वित्र प्राप्त स्वित्र प्राप्त स्वित्र स्वित्य स्वित्य स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्य

योधेयःकुं.से.से.से. देवां अक्रूबं क्रीम् त्यांस्यातायर्थे सुं क्रीं गीयात्वर्थं त्यां येयाः याद्ये त्यां येयाः याद्ये त्यां त्यां याद्ये त्यां त्या

न्ययात्र्वराचर्व न्यराहि। ने न्यारे रे न्विष्ठ हि ह्वरावर्ग्निष्ठ प्रति क्ष्र वर्ग्निष्ठ प्रति क्ष्र वर्ण्य व

यथन्त्रास्त्राक्ष्यकार्यक्षयाः स्वास्त्राच्याः स्वास्त्राच्याः स्वास्त्राक्ष्यः स्वास्त्राक्षयाः स्वास्त्राच्याः स्वास्त्राचः स्व

चक्षेत्र.लट.शट.स्.ल्ट्.तम.क्रैट.।

चक्षेत्र.लट.शट.स्.ल्ट्.तम.क्रैट.।

चक्षेत्र.तपु.शु.स्.शट्.विश्वश.झीट.वेश.वोश्.च.श्वोत्त.ल्.क्रैथ.तट.पड्रोज.वपु.जीट.

चक्षेत्र.तपु.शु.स्.अट्.विश्वश.झीट.वेश.वोश्.च.ल्.क्रेय.व्यक्ष.वु.ल्.ट.

चक्ष्य.चक्ष्य.ट्रु.वेट.श.स्.च्.त्य.व्यक्ष.वीय.व्य.व्यच्य.व्यक्ष.व्य.चेश.व्यक्ष.वी.क्षेत्र.त.व्यक्ष.वी. सट.क्षेट.लीज.शुट.वक्षेत्र.टे.वोश्ला, ख्रेय.तपु.क्षेत्र.व्यक्ष.वी. सट.क्षेट.लीज.शुट.वक्षेत्र.चेश.व्यक्ष.वी.चेश.व्यक्ष.वी.विश्वाय.ह्रेत्र.वी.विश्वाय.ह्रेत्र.वी.विश्वाय.ह्रेत्र.वी.विश्वाय.ह्रेत्र.वी.विश्वाय.वि

યું. મૂંત્ર. ટે. ત્યને ત્રાપું. મુંયા. ત્યાં છું. તા. સૂંયા યા કુવા. પે. તા ક્રેયા. વ્યા મુંયા. તા મુંયા. તા મુંયા. તા મુંયા. તા કુવા. તા તા મુંયા. તા કુવા. તા તા મુંયા. તા

द्रव.कुर्व.क्रींट्यातालया.बुया.यट्टी.क्रींटा.या.लटा.पट्टी.कुटी.लुया.यया.क्षेत्रा.य्रां व्यक्षा.य्रां व्यक्षा.य्रां व्यक्षा.य्रां व्यक्षा.य्रां व्यक्षा.यं व्यवक्षा.यं व्यक्षा.यं व्यवक्षा.यं व

र्नः वया श्रीः तर् क्याया वी क्रयार् रायते प्रमुखारा धार्मा वी प्रेर् स्थिता वी रेर पहूर्या.पूर्याता.बुर्या.झे। यदा.बया.बया.ब्ब.की.शुर्य.झे.शु.पूर्याया.पट्ट.की.भुेब.याट.जया.पट्ट. थ.ह.र्रेर.कवोबार्क्ता.८८.ब्रु८.त.ट्रे.र्रेर.लुच.तपु.क्रै.थक्व.तळ्य.तथ८.तथा.च.८ती. वया.शुरि.पट्.क्याबा.बुबा.चुन्। पट.वा.वु.क्ये.व्यक्त.व्यी.ट्र्व.पे। श्चीट.ब्रीट.प्या.पे.ट्रे.क्रेन. लेब रावे रिये रिट कु अर्ळव रामिर राजी "रिये रिट रायर अरवरे रायर लिया ...रे रेळे लेबर लीवाबारट्रां अप्तेट्रां, कुबार्य्ह्र्टाताः क्षेत्रः स्री लावाः कालाः कुषीः चीबाः कवाबाः खुबाः गीटः पर्वटाला दे क्षेत्र व होत्रपते क्षें त्या हिवा लगाय वर्षे प्राप्त होता होता प्राप्त हो हो अया हिता ब्री८-८.मैज.सी.पब्रट.पी.जब.तूर.पहूषब.ज.प्रिंब.८८.१ ८.बब.तूर.पु.रू.कुर.तू.जब. त्र्राकुतःवर्तः व्याद्धाः विष्या दे त्यावी कुत्राः त्र्राः स्र्राकुतः स्र्राः वाष्यः यय. थु. इं. क्योय. व्हेंय. यंचेट. तय. यं. थु. यंथा. क्योय. वुय. चुरा वट्ट. थह्ट. ता. ट्रा. थु. कु. पट्र-क्रिट्-वानुबाद्दार् द्वास्व क्री क्रीबार्य प्राप्त वानुबाद्वार वानुबाद्वार वानुबाद्वार वानुबाद्वार वानुबाद कैंबा रुवा.पहूर्य.टताता.र्ज्ञय.प्रा.पुबा.ग्री.रट.क्या.सूर्यावा.की.टट्या.पाववा.कुवा.ट्या.ग्रीया शर्च्र तपुःश्रेषुः पर्टे.कवायाः मैयाः वर्ष्यं वर्षे यावे याच्याः मेयाः वर्षे याव्याः मेयाः वर्षे याव्याः मेया ग्रीमाह्मव प्रमुन म्ह्रेन प्रमा क्षेत्र प्रमा व इ.ट्रमासु क्षेत्र तर् क्षामा तर्दे त्या देवामा सार्ट् य.प्याप.ध्या.लूट.ट्य.श्रेश.श्र्री

द्रिन्याम् म्रीन्यर्थ-रिट्न प्रहूट् चितः प्राप्ताक्क्ट्र मुक्तान्यर्था म्रिन्यर्था म्रीन्यर्था म्रिन्यत्वा म्रिन्

्रेटा, क्रीला-स्टास्त्रायाचिवा-चानुका-स्टा, वाका-ताःस्त्रवा-क्री-छ्य। वाका-ताला-क्रिटा, क्रिंता विका-स्टाया-वाचिवा-चानुका-स्टा, वाका-ताःस्त्रवा-क्री-छ्य। वाका-ताला-क्रिटा, क्रिंता तक्य-त्रुप्त-क्रीला-क्री-क्रावि-क्रावि-क्राव्य-क्ष्य-वाचि-क्रावि-क्राव्य-क्ष्य-ताःस्वा-क्ष्य-ताःस्वा-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य-क्ष्य-व्य-क्ष्य

हितः क्र्यात चित्तः क्रुयापा क्षेत्रः व । तेतः भ्रान्यातः क्र्या याक्ष्तः ध्यायाक्ष्यः व्याप्ता व । त्राः भ्रा क्रियाक्षेत्रायान्त्राहिषा ठवायार्थेषायायाने निष्याची विदाहेर्षेषायाप्रतितर्वा र्या र्यम् अत्यः यत्वा त्राय्यः त्राय्यः तर्ष्यः यत्रायः श्रीः श्रीतः यः त्राय्यं त्रायः त्रायः यत्रातः । देः वैः श्रीयः प्राञ्चेंट्र चिष्याया खेवा त्रीवा त्रवा विषया के त्रावी के त्रावी के त्रवा के त्रावी के त्रवा के त गीय.बाद्येय.धेट.रज.तब.चचट.ट्री कूब.पर्चेट.ब्र.सूब.धुट.त्.१५५८तज्ञ ,,चक्य.त्य. त्र्रात्त्रम् अत्तर्भा पर्द्ध्यः त्र्रा(क्ष्रम् व्याप्त्रम् य्याप्तः प्रम् त्रात्त्रम् व्याप्तः प्रम् त्र्यः प्रम् त्रम् त्र पर्ट्राताक्ष्रमाथायातात्वेव क्रेव र्याम्याता विष्टार्मेव क्रमाथाया प्राप्त मुद्रा श्चेर् पन्न यात्र मा द्वार द्वार द्वार प्रमाण विषय है। यु.यावय.क्ष्याताय.ला ट्रेपु.पिट्य.मिट्राचायल.क्रैट.मी.ह्यायी.पट्टाट्याता.ल्य.येश. श्रेष्राङ्गे। इ.चब्रेट. एउलम्। "ट्याट्रें सर्थें व.त्.पर्व्याणी अक्टें वया क्र्याचे मैयात्रः अह्ट.जयाया है। ट. श्रे. स्. श्र. क्र्या ग्री. स्. श्री. स्. या है ता ती है ते । या ती स्ति । या ती से ती ती ती र्ययान्ता त्यत्याग्री याचन्तान्ता नृग्वाया सक्ष्या यास्या सक्ष्या यास्य वा या विषयान्तात्रीया वनतार्वत्रात्रायान्यान्ता वावाह्यान्ता वाय्यान्ता लुवा.क्ट.वी.जीवायामीयात्र.वी.चर.वोषट.हूर.,,खुयाचर्वेटात्रयाश्चा कूर्यामी.लुवा.कुट.टी. चीयायाताञ्ची.यचेट.त्.प्रे.त्.क्र्.जृतलाया ,,पह्याट्रायाची.श्रीयाता.क्र्याचीयात्राञ्चा हित. चर्द्य दे.र्योट.ज्.चर्थ.र्यं वर्ष्य तपुर्यं श्री श्रीट.चर्षु.स्र.प्य.ल.ट्रां श्रीट्या श्री तक्त्र-क्षेत्र-क्षेत्र-क्षेत्र-विवा-तियर-तियाः क्षेत्र-विवाययः त्याः प्रवेत्त्र-विवायः विवायः विवाय पर्वः विष्यः प्रमादः में या अहं दान्या व्राक्ष्यः वस्य अत्या क्ष्यः वस्य विष्यः क्ष्यः वस्य विष्यः वस्य विष्य

त्याचि स्ट्रिट्मी स्थित्या ट्रेट्ट क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्ष्या क्षित्र क्ष्या क्ष

ट्रे.क्षेर.क्ष्य.मैज.ब्रि.क्र्ट.कुंउ.चक्ष्य.मैं.श्रट.ज.ब्रुट.ट्र.मे.मै.ष्या.घट.वी.क्र्.घट.ज. पति र्ह्मेन र्पान्त राम्यान्त्र स्वार ग्रीका "कपा श्रीपाने अर्था क्षा के स्वार ने प्राप्त स्वार होना होना से स क्रमाया अर्थि पान्न सम्माया प्रमाय प्रम प्रमाय प्रम प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय वियान्त्र त्रात्त्र के प्रमुप्त के प्रमुप्त के किया के शह्रत्यात्रपुःमुवःमुवायाद्यात्रायात्रात्रप्यः स्वायात्रात्रात्र्यः स्वायात्रात्राः स्वायात्रात्राः स्वायात्रा अवाबाखाः क्रिकार्यमः चुः त्वाँबार्यते प्रायतः वावतः तः धीवः केतः। ज्वः केतः वीः धीवाः क्रितः क्रिका બાવર્ષ્યતા, તુવાના ખૂર્મિયા, મુંગું પૂર્વાન્યા બાવે વારા કેશવા છે. તુવાના સંસ્થાના સ્થાના वयाच्चियात्रमः भ्रेषात्वयाकेमः। यगायायत्वयान्मायाकेव्ययायन्। न्यायो व्याद्धेः स्या ૡૢૺઌૢૻ<sup>ૢ</sup>ઌૹૻ૽૱ૹઌ૽ૣૻઌઌ૽ૢૻઌઌૢ૽૾ૹૢૻઌઌઌ૽૽ૢૹઌઌ૱ઌૡૢ૽ૼઌ૱ૹઌ૱ઌૡ૽૽ઌૺૹઌઌ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૡ૽ૹૺઌ भैत्रा, मृत्रा, त्रं त्राप्त्र, योष्ट्र, योष्ट्र, त्राय्त्र, योट, त्राट्र, त्राच्य, त्राच्य, त्राच्य, त्राच्य, क्र. खेबा प्रह्में प्रताया प्रताय प्रताय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रताय क्षेत्र क्षेत्र प्रताय क्षेत्र क् योथे थ. हि. तक्षेत्र . त्. ह्रीये . त. जा भी में ट. जीयोथा था अधिय . योथ ट. तम्भी योथा . योथा ट. हो सी योटा म्रीमः ग्रीनः वात्रतः वित्रः यात्रवायः भ्रान्।" देवः याद्रः यानः वायनः यानः यञ्चवायः ग्रीः भ्रीययः ग्रीनः विः 

 $4\eta_{\text{R}} \mathcal{L}_{\text{L}} \mathcal{L}_$ 

अक्ष्रया: संस्थान विष्या स्थान का स्थान तपु.यट.बू.वोट्रा क्य.बूट्राक्ष.बुक्र.बुक्र.बुक्र्य.बुक्र्य.बुक्र्या दूर.ट्र.यळ्वा.वाक्र.दूर्व.हे. याववर्त्रः श्वर्या।" वेषर्द्रान्तर्राहे नानर्गित्रवर्षानेते त्यवर्त्तः भवर्ति । यद्वर्षान्त्रवर्षा वावसायानन्त्रा झुर्धाख्यायार्ज्ञास्तर्ता स्तराया होत्याविसार् राचन्याहार् यायात त्याचन्या।" देवा र्ययावा से से स्वर्था दे प्रति त्यते त्यत्र प्रति प्रति त्यत् । क्रियावा स्वर्था दलना ,,र्ट. मुंभारापु वाये ४.क्ष्याना रटा वाङ्गा यम.रे. मुवाना वी.पर्या जीवाना ८८.विधुन्ना च.भर.पूर्वा.भुन्.वी.वोथ्यान्य.पिवा ब्रूम.लूटी, कुषाट्टी.वधु.क्ष्म.टी.मुट.वश्चरषाचेषाचीच्ट.मैषातम.वधट.त.टटा "टे. हूंट.ही.हूंट.पह्वा.हेब.वी.क्वाय.जीवाय.टट.वाड्वा। बट.चर्थट.शुश्रया.क्व.वी.ब्र्जा वयम्य न्याविमा क्रूं प्रवेर प्राप्त मी त्रिया स्वाप्त प्राप्त मी स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप कु:कुअ:र्ट.तथी। य.वे.अ.वोगुर.कु.उर्गूय.उर्जूट.र्ट.की। र्व.यवा.शुव.उर्ट.कवोय.र्वेवी म्मु दे द्वा र्वेट दट अवक र धे भी " बेक दी र्बेट तहे वा हे व कवा व खाव र वेव र विवा त.ज.धी. धट्यातप्रा. पूर्ता त्याच्या त्याच्या प्रत्याच्या प्रत्याच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व् तर वावय लट ट्रे प्ववय दि भेषा है। श्रु प्यत्र र्रे हैं श्रु ४ रवा "अ खु म हुट र् य.ज्ञा ब्र्वा.थर.प्रथा.ग्रीथाकवायाता.क्री। की.टट.भ्रीय.यु.कु.जयापवीटा।। ट्याटटावायया भैत्रायानायाः कवाया। भूतायाते प्राप्ता भूत्रायाः व्यायाः भेत्रायाः व्यायाः भेत्रायाः व्यायाः भेत्रायाः व्यायाः क्षेर लवाया।" वेयारा क्षेर क्षेर सेंट रानेव वानियायमा सार्यायाया स्वार्यायाया ८८.ट्र.प.ट्र.लब.म्री.क्श.तपु.च्र्या.वया.चेया.त.प्र.ल्या.क्षेट.पपु.म्री

होट्-योर-वे। इ.क्ट-इ.सु.सूट्-योर्च झॅब्र-स्.बी.ट्-ट-योब्ट-योधुब्रो लेज.योधैन्य.सु.मुट-स्वोय.ग्रीयायसूच्यंत्र.ज्य.टे.खेवोयाता.क्षेर-व्यंत्रट-ता येब्र-सूट-लुवा.क्षेट-ज्या ,,शिट-इ.सु. ता मैज.प्रत्यायिवो.ता.स्वोया.ग्रीयाज्ञीय.श्लेट-स्यूयाते.क्ष्र्य-व.क्षेर-व्यंत्र-त्या मैज.प्रत्यायोट्-ता प्वो.क्ष्र्वा.क्ष्य.ज.स्वोयायायातिब.स्.मुच्यावित्र.सुर्याते.क्ष्र्य-व्यंत्र-सूत्र्यात्रेत्र-व्यंत्र-सूत्र-व्यं मी.सूव्यंत्रकट्-जीवोयायायात्र्यंत्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयाया च्रित्र वाहेश वाह्य स्थान होत्र क्षेत्र प्राप्त होत्र प्राप्त होत्य ह

## ह्य वें क्षुका र्स्का प्रति प्रवेषाय प्रप्त का र्स्का प्रति ने का र्स्कुव

ट्रे.लट.राष्ट्रे.पे.ञ्च.य.ष्रास्व.ट्याया ,,यक्षेव.यक्ष्य.ट्या.यु.घष्य.कट.रट्टा जयायु.कु. यट उट प्राधी। हे श्रेट प्र्यूब पाया अर्थे बारा हो श्रेट प्राधी है श्रेट प्राधी। हे श्रेट प्राधी है श्रेट प्राधी चह्नम् चर्सम् क्रिंसायायाः स्वामायाच्चायाचायाः विवाधिमायाः द्वितायाम् स्वामायाः स्वामायः स्वामायः स्वामायः स्वामायाः स्वामायाः स्वामायायः स्वामायायः स्वामायः स् बुटा चि.च.ट्रे.क्ट्र्यातपु.ट्र्यूयाताक्क्र्याय ट्रे.या.क्ट्र्यातपु.येयाट्यायायात्राचारा वियाताल्यी में स्वाप्त में या क्रिया क्रिया स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप् "लरक्षेत्रन्तिः श्रेत्रान्तिः में कुन्यानेत्रान्त्रान्तिः में कित्रान्ति । स्व  $\mathbf{C} = \mathbf{C} \cdot (\mathbf{x}, \mathbf{y}, \mathbf{z}, \mathbf{y}, \mathbf{z}, \mathbf$ ८८.५८। लय.श्रम.ग्री.कु.८वी.लुवा.क्ट.श.चेबा.च.सूच.लंबा.लज.सूर.८८.५८, खुबाता क्षेत्र। त्रम् में कुष्ट्रा स्वापन स्वापन में स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स पर्यट.श.प्रेश.व.ह्यैव.टट.र्चल.चप्र.यिती.पर्चिया.क्षेर.रट.ज.पर्व्यर.श्रट.दा.टटा। लच. श्रवामी.जूरम्भीयात्राचीयावीयामी.जूरम्भात्राचीयात्र्येत्राचीयात्र्येत्राचीयाः चरत्र्न् केटा स्वाकुषा क्षेत्राचित्र प्रवेषाया वे क्षेत्र हे प्रवादित ख्रा क्षेत्र हिंगाया ही स त्र्य. ५४. ४४४ प्रमार श्रीट. पर्य. कुट. र . ही ला श्रीया श्रीटा क्या तर्रा पर्या पर्या विषय वर्षा "हीया ल.भर्म्.यपु.सेवोबा-देवूबा श्रीयातपु.भर्मीयातपु.सेवोबा-देवूबा पचतातपु.भु.जा र्पयः प्रते म्याबार्वोषा "बेबारा स्रम् रेवाबार्टा दुबा ग्रीबाके च। खुटार्टा व्यवागाबा अर्घा च  $\mathbb{R}^{2}$  म्  $\mathbb{R}^{2}$  में क्ष्य स्ताय स्त योथ्याक्रीर.पं.या. होर.पर्ट्र र.पर्ट्या.तपु.क्रुर.पं.क्रिय.पट्टी.य.लुब.तप्.यपेरी देश'व'र्ले'कुश'र्हेंअ'रा'वे'ळें'तरे'ङ्गर'ल'बेव'राते'तर्हेषा'हेव'ळेंश'राकुर'र्ले'वते'र् 

धेव वें द्वां का वा नर्षे कारा ने वे द्वीं के र्रा ही ह्वा राया यहे व राये हिंगा का रे रहका धेव ही अधाय र्वा.त.यु.थ.लुय.धे। व्यवयाश्चित.याझ.कवाय.युट.तय.चनट.त.क्षेत्र। कुय.सू.य्वयय.ग्री.सू. क्रुबार्ह्रव्यापतिः पूर्वाबार्यायार्द्धः प्राचिवा वि प्रे प्राप्ता वी प्रेवाबा खुः वार्त्रवाबार्या स्वाबा ग्रीबा प्रा x -1 रत्यार्यः श्राद्यः र्याषाः शुः वावषाः पर्यः रोषाः या व शुः अर्द्धवः रोषाः श्रीः र्वः रस्यः रित्रा व रस्यः राष्ट्र तर.क्रि.वय.क्ष्य.थ्रव.क्री.वि.व.त्व.त.प्र्यावी.वि.व.त.थ.वर्ष श्री.व्.र्यत्थर्याचे र्चे.लर.क्षे.चुर.तर.पक्षेर.च.ब्र्याया.ग्री.र्च्य्याता.ल्र्रा.जा याट.य.चया.रट.क्रय.ख्रेट.ला रच.र्थातपु.ह्याश्री.ह्योबातपु.सुं.यूपु.सूवाबाग्रीबावाराचपु.वावबबार्चेर. यट्र. ट्योप्प. ट्राया. ला. ह्यंट. ता. बेया. ता. ट्राय हिता. त्यंता. त्यंता हिता. ह्यंता. व्यंता. व्यंता. व्यंता र्देव प्रमुव पावा "रूट वीषाप्रहेट ग्री र्देवाषापा प्रा ही रूपषा ग्री वाट ज्वा ता प्रा तर्रेषायाचित्रध्ने तर्रे नेत्रच्छ्ययार्थां वेषार्ध्वेत् तह्षायी स्थिता प्राप्त प्रत्याप्त स्थाप यया. क्र्यानायुर्यात्यायोजेयात्यम् । यात्रान्याः क्र्याः क्रयाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्या ८४.८८५.८५ सेपलाशुः पूर्टाक्रियार्युते मुलास्त्रणानेषानेषानेषान्त्राचान्त्रात्रा यक्षेत्र त्व रक्ष्यात्राक्ष्यात्र भेटा हे रक्ष्य खेतात्व। क्ष्य हिटा वी पानु अत्या क्षेत्र स्वापित स्वापित स्व प्ट्रीय.पर्ट्स्ट्रायर.चेष्रु,,खेळायचेटात.क्ष्रथळा.क्रंच.क्र्र्येय.वेश्चेत.क्र्यात्त्र्य.प्ट्यात्य्य.प्ट्या ムエ、新て、天」

तपु.कुट्, लुच, तर, ट्रंच, क्रीका चक्षेच, पर्येव क्रीका ट्रंच, क्रुच, त्रुच, क्रीका चक्षेच, पर्येव वपु.क्री. व्या, त्रुच, क्रिच, क्रुच, क्रुच, क्रुच, क्रुच, त्रुच, प्राप्त, क्रुच, क्रुच, त्रुच, क्रुच, त्रुच, क्रुच, त्रुच, क्रुच, त्रुच, क्रुच, त्रुच, त्रुच, क्रुच, त्रुच, त्रु

र्स्ट इंट्या विव विवा वया प्रम्ता विव क्रिया हैं या से साम होता है। ता हो ता हो ता हो हो हो है या ग्री'मिन्नामा'न्ट्रिं त्याचित्रे न्याचे स्टाचित्र म्याचित्र म्याचित्र मा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप लिवाया. मूंश्राया. मूंयाया. मुयात्मर मुटी त्राया. स्टाया क्ष्या मि. या. मुया मा. मुया मा. मुयाया. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाया. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाय. मुयाय. द्रवाबा-ट्रेति:सॅं:क्रुब:Wट:ट्वा-प:लेवा:अ:सेब:क्रें:क्रे:द्रेवाब:ट्रेते:ब्रेअब:विश्वासवासवासवासवासवा लर.मैथ.पर्ट.तपु.अक्ट्र्य.सेवायायातीतातीट.वी.अक्ट्र्य.सेवायायीयापटीयातपु. अर्ट्.ट्रेर.वे.धेव.वृ.वविवाल.च्रेथ.बुवा.वाश्रुर.क्रील.चब्र्स.चुटा ट.र्टट.क्रे.थवा.ये.वे.वि.विंट. खेवा.तम्भःके.अटवोषात्ररायम्.तम्.तम्.तमाची.विंटारूषात्रामुष्यात्रम्यम्.वी.मैवो.टी.तम्बाराप्रप्रीमेनी ह्ये<del>ट क्ट्रियम केव लादी केवाम कुल पिया मिल किल</del> के स्वीका स्वान के स्वान के स्वान के स्वान के स्वान के स्वान के स अक्ष्य अ. खुवी . में . चश्च . जूल . लंदा . तं ची . तं र . चूर . अर्ट्र . विश्व . तं यी बार जूल . ला . वि . भ्रव। श्वीट.वाश्वां व्रे.क्.वर्स्ट.र्ट्यट.प्रीट.मैथ.राष्ट्र.सेव्यं त्राट्ट. हेव.पड्टां त्रीं ह्यूं य र्ग्रन् र्यून वर्षेत्र स्रुप्य अपियापा लेवा या कपा अर्दे न्या अर्दे स्रुप्त वासु अर्दे विद्या वर्ष ठव.च.की.क्रॅंचय.कु.च्रंय.ग्री.लीज.बीर.बीवाय.चुटा कटा.बाट्र.ब्र्र.विषु.य.क.ख्याट्र.क्रंस.की. ब्र्-स्व-श्वार्र्यवायापार्यन्यते कुः अर्व्यन्ते। ह्न-विवायर्वे राव्यायर्वे राव्यायार्वे स्वायाय्यायः पत्त्रिय.जयाग्रीयात्त्रयास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् रा.वे.त्रं त्रात्रात्रात्रात्रां श्रमायाचिमातीयायात्रात्रात्रात्याताः अत्याताः अत्याताः स्त्री त्रं त्रात्रात

ट्रांश्च्यां त्यरं तर्टेषु स्वेयोका मुचे त्यार स्वायां क्षे ह्या निया वितास स्वायां स्वायां क्षे ह्या स्वायां स्वयां स्वयं स्य

चेया. स्वाया. में या त्या. संस्था स्वाया. स्वया. स्वया

यश्यात्विष्ठ, व्योष्ठ , त्यं प्रचायमा ग्रीया शिट्टी , व्यास्ट , श्रीया , त्यं व्याप्ति , श्री , श्रीया , श्रीय , श्रीया , श्रीय ,

यश्चित्राचारे क्रिया त्रिया क्षेत्र प्रक्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रक्षित प्रक्षित क्षेत्र प्रक्ष क्षेत्र क्षेत्र प्रक्ष क्षेत्र प्रक्ष क्षेत्र प्रक्ष क्षेत्र क्ष

श्रुवा,श्रुंब्य,यंच्चट, सू. सूट. प्यट्टीवा ट्रिप्ट. चीवाब्य. भ्रुंच्य, वाक्ट. क्य. अट्ट. ट्रिट्ट. प्रंचुंच्य. क्षेत्रव्य, व्यांच्य, क्षेट्ट. यंच्य, क्षेट्ट. यंच्य, क्षेट्ट. यंच्य, क्षेट्ट. यंच्य, क्षेट्ट. यंच्य, क्षेट्ट. यंच्य, व्यांच्य, व्यांच्

चर् । हुं अ. थे. ज. लार्स्य के पु. क्या ते. यर साविय ताविय ताविय

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1$ 

## सेतुःनिक्षामा हेन'भ्रेन'ग्री'निह्नन्हेन'कन्षासुसा

## यदिया विह्या हेव क्याबा र्क्स ही न्यन ना

त्र्राचावतः रचवारावे खिवाबा क्षेराला क्रिका ग्री । विवा प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया हेव.क्याय.क्यां संयायायायाच्या साह्येट रहें साम्यान साही। ह्रेंब साधार प्राप्त स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व पहुंचा मुंब चार्चा बारायुः अर्रे प्राप्ता अर्रे हो प्रवास के राजवा । बार्चा के बार्चा के प्राप्ता हो के थी। त्र. वृता. में य. क्री. व्ह्या. क्रें य. क्री. व्ह्या. क्री. य. व्राच्या. व्याच्या. व्याच. व्याच्या. व्याच. व्या पर्स्यान्यान्याः अर्द्रन्याः मृत्याः विष्याः सुरत्यः विष्याः अर्द्रन्याः मृत्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्य चम्रमामुर्माक्षाम् वार्षाम् वा क्षयामु नेया है ने प्रत्य कि प्रत्य प्रत्य कि पूर्वा.श.क्षेत्र.च.मुश्रमा.क्ष्य.ची.जया.गी.ट्यट.ग्रीमा.च्या.भ्रायत.क्ष्रूट.तत्र.धीट.पचित.या.वया तह्या हेत्र क्यात्र प्रते प्रत्ये पर्द्यात्र प्राप्त में वीत्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र ग्रत्मास्त्रीते कः वादः विवायमार्यदा चेराची द्वारामार हुँ मारामार प्रमुदा है। यादा सर्वेवा वी हुया भ्रे. देशया यु. श्रीया वाषु, जूट्या भ्रे. वाटालटा उटा टा खुवा वाया श्रीया टा टाखुय अकूवा वा श्रीया भ्री ट्रे.ट्या.ब्री.यर्जि.खुट.क्रीर.तपु.खुट.प्यश्चा.स्रम.पष्ट्या.स्रेच.ट्रेच.प्रेच.प्रा.ब्रील.याखु.स्ट्या भ्रानेषाञ्चयापति र्ख्याचीराञ्चयापर तर्दिनाया ने प्ववित स्वर्देन पार्वेन स्वते स्वापायाया स्वर् वर्षित्र.रेट.र्झैल.र्झेपु.रुट.र्झेश्वयाग्रीट.ष्ट्च.रा.पूर्वा.ष्ट्रायाय्वेट.रा.लब्र.र्स्टा.य्मै.एर्झेर. म्रीक्रिकः प्राचन्त्रम् । वालका स्रवतः प्राचनः स्राचितः स्राचनः प्राचनः स्राचनः स्राचनः स्राचनः स्राचनः स्राचन

दे·लट.ध्रॅब.त.लट.ट्व.त.शटश.भ्रैश.धेट.ग्रीश.पह्वा.प्रेब.ग्री.ख्य.वाश्चरश.तप्ते.म्रीट. योबी के तरी क्षेत्र धेव हो। बाह्म प्राप्त प्रहेव प्रविष्य प्रति बाह्म प्रविष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र क्र्य-५७८८८४१८१८४॥ "८र्ग्नेष्ठ अक्र्या वाष्ट्राया स्वया तक्षाःस्व तटी स्न्रीट चट्या वीषा च्र्यानार्थेयाञ्चा यञ्जास्यास्य प्रत्याचित्रक्याची मित्रुत्व वर्षेयायाः मित्र वर्षा र्त्रा क्षेत्र स्त्रे प्रत्र पर्दे स्वर्थ रूट रिटा श्रेष स्त्रे स्वर्थ स्त्रेष स्वर्थ राष्ट्र पर्दे स्वर्थ स्वर च्यया. २८ . ८८ । यु. त्या सिंदु. जी. प. २४ . जा. यूचीयी थी. स्रेचाया. च्याया. २८ . ग्रीयी प. व्यास्य पर्याता. मूजाना गूरि. मे. आ. मिर्या. कर्या. कर्या. कर्या. में या पहिंचा. में या मुखा. में या पहिंचा. में या प्र क्षेत्र.वोष्ट्रशा ग्रुष्ट्रशास्त्र हि.क्षेत्रःक्षेत्रे.खेट्रायद्या जीय.ट्टा कुपु.क्ष्ट्रह.क्ष्य.लूटी वस्त्रेता चयु.चीट्य.टेट.। ट्य.क्र्या.चेट.लुबी पाव्य.चपु.चीं.चेट.लुबी जबा.चीट.चेबाराया.पाव्यी श्चि.एय.जय.पर्यय.चे.प.ह.क्षेर.प्रजीर वर.तपु.जश.ह.क्षे.चे.ख्या.पश्चे.प ख्राश्चियारा ८८। यर्ड्यास्त्र तर्या ग्रीयापाया श्रियाच। दे. द्या सम्या छट वि संस्था छव ग्री या लयाचिरान्त्रे, ख्रियान्त्रे, सूर्यात्र प्रमान क्ष्यायात्र स्वायात्र यात्र प्रमान स्वयायात्र स्वायात्र स्वयायात्र स्व प्रथमः वर्षिषः क्री. रिचे. रा. रेट. रा. येषाः राष्ट्रः बीट्याः याः सूर्यायाः प्रथमः क्रियः रा. रा. येष्ट्रयः कि ट्रे.क्षेत्र.लट.ट्राज.ट्रेब.ग्री.पर्व्य.ज्ञालमा ,,वेषायावपु.विषयाजायाः भवतः भुट्रातमा पहुर्या. हेव.विश्वराग्रीट.श्रचंत.ट्टाची,, खेब.इ.सेट्योशेटब.त.संस्य हेव.हेव.ग्री.विश्वराष्ट्र श्रचय.र्यट.श्री.श्रुर.श्रुटा। यसवाबाताङ्ग्रीटासवा.यम्ची.तालबा। "प्रयायसूरा प्रबाधाराम्या म्बराग्री श्चित्र द्राया प्राप्ता त्राया क्षाया तर्वा प्राप्त त्रीत्र ग्रीका तहिषा हेत् ग्री प्रवास या द्राया त्रम् वित्राप्त वेशाय चिष्राप्त चिष्र चिष्राप्त चिष्र चिष्राप्त चिष्राप्त चिष्राप्त चिष्राप्त चिष्राप्त चिष्राप्त चिष्र चिष्राप्त चिष्र चिष्राप्त चिष्र चिष्राप्त चिष्र क्ष्याहाक्षाचावे क्षेत्रायाचे क्षेत्रायाया प्राप्ता स्वायायाचे याच्या क्ष्या व्यायाचे वाया स्वाया स्वाया स्वाया गुट वेषापर के बुषापर ग्रीहित्या की

વી.તિજ્યી , પ્લદ્દ્વી. છેવે. જાજ્યેવ, છે દેશ, ધ્વા. ક્રી. જા. તુવી! પદ્દ્વી. છેવે. પ્લુવી. પદ્દ્વી. તુવે. તુવે.

त्र च त्र च त्र त्र क्ष त्र त्र क्ष त्र त्र त्र क्ष त्र त्र त्र क्ष त्र क्ष त्र क्ष त्र क्ष त्र क्ष त्र त्र क्ष त्र त्र क्ष त्र क्ष

अह्र्याणीयवयावित्रात्राचिताताक्ष्याची त्रात्राच्यावयाक्ष्र्याच्याक्ष्या कवायातपु.इ.सेयायी.डी.यधियातयात्तात्वायाचीयाचीताप्तात्तात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा लबा द्वा.याषु.धिर.वा.र्गीजा.पार्व्र.र्ततरबा.बी.र्तावा.ब्र्र.बा.वा.क्या.वा.क्या.वा.क्या.वा.क्या.वा.वा.वा.वा.वा.व ८८। बेट.ज.र्यवा.क्र.चंट्याच्या.ब्रेट.चेड्या.र्टा रुष्ट्राड्रेट.र्ट.क्.ल्.र्याच्या.यर्ष्य.र्टा दे.लब.वोब्रूम.बी.ब.वोब्रू.कवोब्रास्तर्यस्ति पट्ट्रावोब्रूम.बी.ब्रूम.वोब्रूम.वोब्रूम.वो र्रा. त्रीय. त्रापु. ट्र्य. जया. वर्ष्य. प्रट. अक्य. त्रीय. ट्र्य. श्रीय. कुट. । विट. वर्ष्य. विट. क्र्य. व्री. श्रीटाव्यार्च्याराःवाव्यायाः अटार्चार्येनाने दिवाः मुण्यान् वितास्याः वितास्याः वितास्याः वितास्याः वितास्याः पहुवा मुंब भूर छिट । व वायाया प्रवा वे या वे रामाय प्रवाय प्य प्रवाय प्य बुटावश्रमःकवायात्रवायात्री पद्मतः चेत्रत्वः हूटारावयात्रुटायाय्यावया ह्यूटावीया त्रांत्रः व्याव्याक्ष्यार्यः के खेत् खेत् खेत्या ग्रीका ग्रीटा के विषया स्वावा देते खेता तु ह्येव :ळुते :ब्रेट :र्ये :ठव :ग्री :ब्रेव :तर्षारा :थवा कर :पानुत :म्रेट ग्री :ग्रुव :र्वव :प्राया व्यते : र्ग्रीयात्र्यम् ब्रुवार्पार्गर्गे त्वामारास्य विवारकवाचा रे ब्रुट्ये विवारम् विवारम् विवारम् विवारम् र्रा. २४. तथा वार्यम. क्री. या. वार्षम. क्रिया प्रति. क्री. त्री. त्री. त्री. त्री. व्री. कर.लट.मैट.र्.कुपु.त्.अक्ष्यं.व्याच्ययात्यात्यात्रीपु.मी.अक्ष्.क्याया ट्रे.मुट.तपु.प्रैट.व्यय पश्चित्रयायाय्यात्रे सं अक्रवा रचा वार्ये र मित्र वा पर मी स्वा अक्ष पर्वा मीट प्वी म्चिट खर पर्छ मित्र क्षेत्र क्षेत्र अगवारी प्रति पर्वाया है । स्वर क्षेत्र क्ष श्रमाग्रीमाकवामा वटान्छ्टाग्री सेसमान्य तर्द्रा क्षेत्रमान्य महीता वार्षित विश्व स्वाप्त स्वाप्त स्व इ.पर्व.पर्वे.क्योया श्रीट.पर्वेर.पूर्ट.योयल.इ.जय.इ.योयुय.क्ट.तया ट्रे.जय.श्रीट. युष्ट्रम् क्षाकार्यः त्रुष्यः यथ्ना अह्ता स्वार्ध्वः त्र्यत् व्रुष्टः त्र्याः स्वार्धिः त्र्यः स्वार्धिः त्र्य चन्नन्याने अर्देन्या वीन्याने । बन्याने । बन्याने । विन्याने । विनयाने । विन्याने । विनयाने । विष्याने । वि 

'भ्राण,सं.संट.स्रिपु.श्वय-रिवा.रज्जा ,,वायप.इं.ग्रुट.स.टट.स्.जा 'खे.इं.यश्चेज.रापु.ध्र्वा. याला द्रि.लाट.युट.तपु.र्सूट.ताला द्रि.लाट.याष्ट्रिय.तपु.पूर्ट.याद्रया.चीट्या पूर्ट.ट्र.पटा.मु. मैब.रा.जा। मृ.सुब.र्झ.मृ.विवाबा. हु.र्यटा। हु। अर्घेय खुशबा.क्य.रासूर्य विश्ववाजा। हु। यटा र्बूर्-तर्द्धर्वात्मेव कवाया। वयायावर हूंर्-पते रिव्यत्वेर्या बुर्-ये खुर्या स् अक्ट्, म्रीटा म्रीट तबु, म्रीट त्वर तम्रीट र कवाया। , खेयारा पट्टी लाट त्वरा कुर हा अर्टा श्रम् अन्तर् के त्रात्र के प्रत्य के यथर्तार, लुब जा पर्ट. बु. सूब जियाबा ग्री. यथर. जूजा खे. बु. चु. सा. खुवा ही। सूर हे. यह लबार्निटाय्राङ्ग्रेयातास्त्रिमीलासिबात्तपुरर्ज्ञिवायालयान्निटायाचेराह्माय्याःस्रेयामीलास्र्यः (१८५८-१/५३)मुकालेवाकात्त्रम् अहिं अलकात्त्रम् हैं। हे हे स्वास्वास्य तपु.भ्री.कुष.त्रा.बुवी.विट.टा.जबा.पहुवी.सुष.कवीबा.तपु.पत्र्वी.चर्थवीबा.तप्.सूट्.ट्रवी.विब. त.र्ट. क्ष्त.श्वीय.बुट.। यचर.क्ष्त.पट्र.ज.रश्चाया.यथज.मुं.क्री.शक्य.कुय.ट्र.खुवा.र्ज्य. ल्तान्य क्ष्रां व्याप्त विष्या हेव तदी क्षाय स्थान तर्र्यपु. जुप्ते. पर्वे. झूट. त. जथा. झुवाबा घषषा रूट. य बार्धेट. वालूबा. धे. वीट. तर रायपेट. त. क्षेरा श्चान्त्रमाणीयात्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम् । स्वान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम विवा वीया मुखारामा खेळा प्रविवा प्राप्ता था वार्षा मुखा मुखा मुखा मुखा । ब्रम् र्ह्म्ब्र पुः भुः धेः कः व्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प पर्देवो.त.क्ष्रभ्र.ग्रीभ.वी.चषु.घूवो.श्रम.चश्रम्थ.वीट.टट.चगुवोश.भीट.वीवे.पठ्रचश र्षेवायाचेत्रायाधेत्रात्री देत्रविवात्ययायहिवा हेत्रकवायायात्री यहिवा हेत्रह्थे। वेत्रवायाया

तपुःक्ष्र्राचार्येषाः मुप्तः क्ष्यायः क्ष्याचार्येषाः चित्रः स्थायः स्थितः चीत्रः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था

ने तर्वे तहेवा हेव ग्री प्रमम नेवे न्यीयम निष्य मान्य है से है तर् विवार्षे न नम मान्य ह्येर तह्या हेत्र ता अवत प्राप्त प्रमुखा केर प्रति प्रमुचका ग्री खिर प्रमाण हिंदा प्रमाली कुला हिंदी । स्वर्ष ग्रीटा पह्याम् राज्याचित्र वित्यामित्र वित्यामित्र वित्यामित्र वित्यामित्र वित्यामित्र वित्यामित्र वित्यामित्र श्रुवा.वीय.अर्घूट.च.क्षेत्र.वी अर्ट्.इं.यट्य.क्येय.त्य.त्य.त्रु.कुपु.जेट.क्र्य.पर्वेट.शु.ध्रेवा.श्रेट. त्र.७५८८४.त.जथा , एड्वा.स्रेय.ग्री.विषया.विषय.ही झ्रेट.ह्री.स्टि.८८। झ्रेट.वायुयाता. चर्रास्टा क्रूंटावश्विमाची क्रूंटाकेवार्येत्। त्वाक्षेवाक्ष्याक्ष्यान्यान्यत्वितान्यत्वेतान्या में व की प्रथम के अर्क्ष का स्वायाय प्रथम की साथ किया मा स्वाय की साथ की साथ की साथ की साथ की साथ की साथ की सा योचेयायाता स्थातर क्रैट अह्ट देवे क्रिक्त प्राचित्र में विष्य प्राचित्र में विषय में विष यात्राक्षेत्रकार्क्ष्याकुर्त्वाक्षर्तात्त्र्वा नेति पास्त्रक्षितात्त्र्वा मुक्तात्त्रक्ष्यात्रक्ष्यात्त्रक्ष्य म्री.पिश्या.स्येत्राता.बुद्याचि.ह्री यत्या.मैया.बुद्याय्यायात्र्यात्रायात्र्यात्रात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रा अर-पर्श्वाप्यामु देव प्रहेग्वायाया क्षात्या वास्त्राचा वास्त्राया प्रहेता क्षाता विश्वाया विश्वाय विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाय विश्वाया विश्वाय श्चान्याञ्चर्यापाः बेर्याञ्चाः ह्ये। त्रवः र्ष्ययान्या। यतः यत्याः मुयाः चुवः वयाः येययाः रुवः मुः र्वेवः थह्ट.ट्री तथ.क्थ्र.चक्षेथ.च.च.प्वा.ग्री.गीर.विट.क्षे.चीप्री च.क्षिप्र.चे.या.धिर.ज.चक्षेथारा. त्री वित्रास्त्राची वित्रह्म में त्र मी विषय वित्राची हो। येयवा उत्तर स्टास्टा स्वर्भ प्रमान त्र क्षित्र व्याम्भात्र व्याम् द्वा स्वाप्त स्वापत स्वाप र्चेषाचे सेता तर् कवाषा प्रतापन सहित वानेषा धेव त्या सेता वर्ष कवाषा ग्रयमा "तह्या हेत्र विस्रमायम् स्राप्त स्राप् हे·ब्रःकःलटःगर्हेरःचःदर्॥ रेःरचःअरुटःक्षं चर्नेचःपःवर्॥ देःक्षमःगुकःषुःचवटःयदिः यरिया. खुटा. लुचा. प्रेच हीं. लु. क्याया. लेवाया. लुया रात्रा प्रचित अहूर लूर त्रवेत क्रिंट विश्व क्षेट्र चित्र क्षेट्र विश्व क्षेट्र ह्रियान्तर्स्यात्रात्यात्रात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्यात्रेत्यात्र्यात्रात्यात्र्यात्रात्यात्र्यात्रात्रात्र तपु.बूट.तर्च्यायटी। थु.ध.तक्ष्याय.विवा.क्ष्या.व्.व.वर्षा. व्याक्ष्या.व्याप्तायायटी। हेव केव र्रे दे द्वा र्यवा वया धर द्वा हेट वया अर प्रमुखाया धेव वा वारेर प्रदूश ही ट्र्टाङ्ग्यञ्जायराययापटारायः भ्रमायह्वायो प्रियाक्ष्रियाव्यास्य व्यापार्टा वायमः

દ્વિવાનાન્દ્ર-બ્રું, ખુબા વીદાનવૃત્ ત્ર્યાના જ્ઞાદ્વા જ્ઞાના સ્ત્રા ત્રાફ્રેયો બાના ક્ષેત્રના ક્ષેત્રના વધાના વ્યાપ્ત ત્રાફ્રેયા વાલા ક્ષેત્રના ત્રાફ્રેયાના ત્રાફ્રેયાના

यह्नवा में ब कवाबायहिवा यथित तयु यहिवा में ब रेति के कित वी क्रिंट हो हिवा क्रिंट श्रुमान् भ्रुमान् भ्रुमान् । स्रुमान् । स्रु श्रुन् ग्रीम् । अनुस्र-नुः कवास्र-भेनः अनुस्र-नुः प्रहेवा प्रितः विश्वसः सेनः स्निः प्रनिः पास्र सन्। शहूर्तालयार्वेरायायु मैलारययाक्ष्यापर्वेरात्तवाष्ट्राक्षरापर्वेराययापर्वराय्ना ट्रे.ट्यं.ट्ट.च.क्षेट्र.चर्चट.क्ष्.क्ष्ट.क्ष.क्ट.च्यु.पट्ट.च्युयं.च्री थ्रियः क्यायः १७१०मा "ट्यूयः ग्री-र्-मुय-क्षुत्र-र्-या श्वीट-पित्र-स्व पर्दु-त्वा ग्रीय-पर्श्वर । ते श्वाः नुट-पिर्विण पर्श्वर प बुट्या अघर ता बट्या है अवाया हैया या हैया अर्क्य के के अहेट तहेवा हैया प्रथमा र्क्ट क्रिंट. खेर. इति, ट्वि. अ. लुब्री अटबा क्रिंब. खे. प्रच्चें अ. लुब्री हे. चे क्रुवा हि. चे क्रिंच हे. चे हे. तर् हूंट वृषा पक्षेर पर् ही हूंट वृद्धवारा ही सिट ग्री तह वा हे व ध्वेषा है व विवाह व च-दे-तद्रः क्रॅंद्र-वीयाचर्क्सर-च-दे॥ क्रॅंद्र-वानेयाचर अते तहिवा हेत्र धेत्र॥ दे विचित्रा हुन यक्ष.य.ट्र. प्रट. क्रॅट. ब्रीम. यभूर. य.ट्री। क्रॅट. ब्राबीयारा श्रवर विवा वी प्रह्मी प्रें प्राची ग्रिका'मु'प्रहे'प'दे'त्र्'कूंद'ग्रीब'पक्क्ष्रंर'प'दे॥ सु'ख़ुद्'प्यर'खदे'त्रहेष'म्हेब'धीबा। दे' यक्रियाः मुः पर्द्वः पर्दाः द्वेदः वीया पर्द्वेदः यो श्राष्ट्वः अवसः ख्रियाः वीः पर्देवः वीया पर्देवः विवास विवा दे'ग्रेन्यापु पर्दे प्रदे दे तर्दे हिंद ग्रेन्य प्रमें र पर्दे प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें दे'ग्रेक्ग्'मु'प्रहे'प्र'दे'त्र्'र्ष्ट्र्प्येष्र'प्रक्षेत्र'प्रोध्या पर्योद्र'प्र'प्रस्थित हेत्र'धेत्र॥ धिवा ने महिना नु पहे पाने तर् दें पाने प्राप्त में प्राप्त प्र प्राप्त हेव धेव॥ दे गठिया तु पर्दे पादे तर् हूँ द ग्रीय पङ्गेर पादी। द्वाप्तर्थ पादर स्वरं यह्नमान्त्रेत्राधिता देग्मर्रमानुगर्भात्राच्यात्राधितान्त्राचार्याः ह्या यो तह्या हेत्र धेता दह्या हेत्र हो न स्वा नकु र्यन्॥ के या ह्या स्वा स्वा स्वा हेत्र

य्त्या श्रे.भी थ्र.भीय.ज.लूट्रतात्राह्मी पह्नी.धेर.जूट्रतायु.हिर.जूट्रतायु.हिर.लूट्रतायु.हिर.त्यु.हिर.लूट्रायु

दे'तद्ते'द्वित्रब्'व्रिप्यः'ख्र्व'व्री'तहेव्'हेव'दे'ळव्यब्'तहेव्'व्रेट्'प्रते'स्रुव'त्र'हेर्ख्यः भ्रैवा.कें.श्रे.अ.पट्र॥ पह्ना.सेव.कवाबाराष्ट्र.तीव.ज.पश्चजासव.धे.घं.पंत्रा वावबाराष्ट्र. तीय.ज.चश्रेज.स्य.धे.चं.पंग्री पहुवा.राषु.तीय.ज.श्रेज.स्य.धे.चं.पंग्री. खेळायघट. त. क्षेत्र. मूर्री पहुवा. मुष्य. कवाषा. पहुवा. वाष्य वाष्य वाष्य वाष्य होत. तत्र त्य वाष्य वाष्य वाष्य वाष्य व त्रंतेरत्वेत्राचराचम्दायते चराचभ्रमारे थे। स्वतः क्ष्रंतादे हि तद् विवार्येदाद्रभाष्ट्रभाष्ट्र अर्ट्र.पियो.कुयो.जयायचेट.ता.चुी चर.मुी.चश्चेषा.ता.योकुयो.जा.मू.लुया.कुया.चयाचेट्रया. तर.विश्वरूप, हे। हेट.पूर्वा.ट्रावा.क्ट्रक्.चमु.द्या.विय.तपु.श्चिवाया.मी.पुवाया.मी. त्रि'गित'रस'तहस'र्यस'र्य'पकु'पकुर'र्स्य'प'त्र'दे'देषुस'पस्य श्चव्यस'ट्रे'र्स्यस्यु:<u>च</u>ट् ग्रीट.ट.र्ट.त्र.ग्री.त्रभैल.त.वाङ्गवा.श.ह्वाब.त्र.वाश्चर्या.श्री क्र्य.यार्ट्य.त.याह्न्ट.जय. ब्रे.पह्नाः मुंबःक्रे.क्ट्र-गोःक्ट्र-पङ्गवः प्रतेः र्ट्वः प्राचुगवाशः सः प्रतेः सम्राधः स्वाः पर्देशः सः र्यः व्रषः केः रेषः प्रविषः र्क्ष्यः ग्रीः क्षायावयाः प्रविषः प्रदेशः प्रविषः हेषः क्षायाः यद्देशः योः पश्चितार्पते :क्ट्रियापते :द्वार् :द्वार् :द्वार :श्वार :श इस्राम्बन्नान्त्रम् त्राधेत्राया ने स्राम्नान्त्रम् स्राम्ना के कि कि स्राम्ना स्राम्ना स्राम्ना स्राम्ना स्राम ८८.इ.६१.१ व्यायाययाययाययाययाययाययाययाययाययायय य्येयेयास्त्रीयाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वयः यायदाद्याप्तरे त्यसाम्ची यावि यात्रवात्रसाम्य मेन्

योट.टेट.टा.जट.श्रुवा.ह्य.क्या घ.यम.बुजारा.क्यालट.थुट.टाम.श्रुया टीवा.टा.चेम. अक्ष्.कुय.तू.टेटावा.क्ट.जूवाया मुथाराया.श्रुयादा.क्या.क्या.चीट.टाटेय.यया.यु॥ थु.पज्येट. टाया.क्ये.स्य.या.जया.श्रुयाता मुथाराया.क्ये.त्य.क्ये.क्या.श्रुया.प्रेटावा.श्रुया विश्वा. एट्र.क्य्.यु.याया.व्या.युट.हा.क्षेम.पह्वा.टा.लटा. क्या.प्रचिम.याया.क्ये.थ्या.क्षेट.वा.श्रुया। वार्येथा पह्या.प्रेय.क्ये.क्ये.तू.ट्र.हा.क्षेम.पह्वा.टा.लटा. क्या.प्रचिम.याया.प्रचिम.याया.प्रचिम.याया.

 $\angle$ . ક્ષેતુ.  $\Box$  ક્ષેતા.  $\Box$  .  $\Box$ द्रप्वेषायार्ट्राङ्गेराम्भयायायवटार्येते र्ट्र्वातकटायाक्ष्रमान् वाभ्रयायावटार्यात्रे तथा यत्याक्रीयाक्षेत्रात्तात्वीत्तात्त्रीत्रात्त्रात्त्रात्याक्षेत्रात्त्रात्त्राक्षेत्रात्त्रात्त्रा र्देवः त्यान्तुः पञ्चलायाञ्चव राक्षेव र्याः लाकारका क्रुका विष्व विष्टुरा देवे र्वे राक्षेव राक्षेव र्याः क्रिका श्रेट.तपु.चश्चेषाता.चश्चेट.प्रि.पर्ञेंट.धुटा ट्रेपु.पूर्वा.पे.ट्रा.श्चेर.श्चा.के.पी.जा.श्वट्या.क्येश. चम्चित्राच्ची देवु.प्रवार्थि.चश्चेषात्राश्वेषाचभ्चेत्राथ्याम्भेषात्रात्राभ्वेषाच्चीत्राध्यात्रीयात्रा त्रभुषाताः सूर्यः प्रयाप्तान्ताः वृषान्ताः यान्याः मुषायमुनः विः प्रवे तिः प्रस्ताः विद्याः विद्याः विद्याः वि रा.सेर् बट्यामियास्त्रेयार्प्यायभेषाताक्र्यायित्वित्रेत्रेत्यस्यातास्त्रेयास्य यथ र क्षेत्र प्रभूष पर तर्र ता यह साम का मुका क्षेट साम है का तर्म का त्र प्रभूष पर विद्या विद्या का विद्या का बेयाया यहेया हेव तदी ख्यायहेया कें (व्या अर क्याय प्रते के नेर प्रतर व्याद प्रते प्रता वर्ष शक्रुपुः बटः वोश्रमः क्रीः तर्थः सूर्यः सवाः वोद्धवाः चिटः तः वोष्यः वोद्धः स्थारः स्थारः क्रीयः <u> यम्यायात्रायभ्रमायात्रायदीः यात्रेताये स्वायाः भ्रमायाः भ्रमायाः व्यम्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः वि</u> रा.पट्ट.धु.तबट.तूष्.खुब.कुट.टे.त्रूट.तब.टु.सेट.टे.बोबाब.तर.कुट.ड्.तट.ट्यार. त्रमा चित्रा के प्रमेषा के प्रमेषा के प्रमेषा प्रमेषा प्रमेषा प्रमेषा प्रमेषा प्रमेषा के प्रमेषा क यत्रित्रम् सुर्वेत्रम् व्यात्र्यात्र्रम् १०० प्रमान् वे वे अहिन् केषान् हिन् प्रते द्वाधान तह्याया बेया पति देव हो। बेट तदिते सेयया ख्या स्था ते देव सेंद्र स्था प्राथिया वार्षिया तार्थिया वि

व.श्र.यह्नेट्र-इयायम्यः दे भूट्र-इयाद्यं र्व त्यायायः द्रात्यायायः व स्थायायः व स्थायः व स्थायायः व स्थायायः व स्थायायः व स्थायायः व स्थायायः व स्थायः व स्यायः व स्थायः व

यह्मा मुंब दे द्या मृद्य स्वाप्त मृद्य प्राप्त मुद्य स्वाप्त मुद्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ट्र्य.पट्र.यु.इ.वया.ट्.यम.ट्र्याया.पट्ट्.यी.ती.ता.युवी.यि.बी.म.क्ट्री. यट्या.मीया.यङ्या. प्तर्यामुर्या ययायवादिया हेत सूर्याया सुर्या विषाय हिया हेत ता ह्या या सेता या सेता या स् याट.जयाचिंट.य.जयाजयाचिंट.खेयाजयाचेंचाताचंटा। यहूंट.ग्री.याययायायाचारा याट.जयाचिंट.ययु.जयाग्री.क्यावाववा.यचेट.त.जा ,,ट्र.यु.युश्चराताटट.ट्रयाचिंगा मुश्रमात्त्रात्त्री,जयात्त्रयात्र्या हेमा हेमा में त्या में त्या में त्या में त्या में त्या में या में या में रेग'भ्रेमा" वेष'महिंद'ग्रे'ग्वष'पवे'पर'षष'ग्रे'क्ष'ग्वग'कुष'पर'पर्दि च'स' <u> </u>द्रेवा.त्यूर.तपु.अट्र.अ.ष्ट्र.त्याप.पटीश.री.तर्षिवाय.त.जय.ड्रॅर.तर्थर.घषय.वर.ज्ञीय. रथा.वाञ्चवाया.जया.वीट.टा.क्षेत्र.टाचेट.ट्री ट्रे.धेट.५०जया ..ट्र.यया.ट्रक्रा.संय.पट्या.ज. पक्रात्वेय.पर्यामुषाचिराक्या.युश्यार्थात्राया.युश्यार्थात्य.क्ष्या.प्रात्याच्याया.यु र्वर र्वेत र्वेत र्वेत प्रमान स्थान स्थान वर्षे अर्थ स्व रिष्य में अर्थ राष्ट्र श्रुवा.जथा.यु.पु.शा.८८. ञ्चा.वा.वीटा। ८र्चालावा.जथा.यु.८वटा.वीवा.क्रुया.तू स्वा.वा.जथा.यु. क्ट्यान श्रेटालयाचे अधि. त्.क्री शकु. त. योध्यालयाचे . क्षे. क्रा. प्टीट्या श्वया था वालयाचे . धिट.क्ष्रयार्जिटा मेटाराजयायु.या है.टाजयायु.क्यु.हीटाडी योटायी.क्रु.हीय.रया योच्चयायाः ग्री: त्यतः र्याते त्यायाः स्थाने प्राचिताः त्याचे व्याच्यायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थाने व्याच्यायाः स्थाने स्याचे स्थाने स्थान न्ना द्वा केत्र रंग्यायन भूत रेषा वाष्ट्रमा है। न्ना द्वा केत्र रंग्छिन नुषा न्त्र प्रते के र्रातः क्ष्राम् वाषायायाय त्यापुरार्दे "बेषायहेवा हेव क्ष्रित् पद्धत् प्तार्थवा अराग्नेत् पर्यार्थे श्चिव रम्यान्वीचन्याध्येव प्याप्त प्राप्त प्राप्त राष्ट्र राष् र्सेग्रायाञ्चा केत्र स्वर्या ग्रीया प्रवास स्विति । स्वरापा स्वरापा स्वराप्तेया स्वराप्तेया स्वराप्तेया स्वराप पाक्षमा ग्रीमा वहेगा हेव वे खे थाट सेट्रायते क्रूंट या यमा ग्राट थाट सित्र रेट्र

पट्टिंग. में ट. ग्री. पर्ग्रेश. क्षेत्र. पट्टिंट. पट्टें त्र प्रेश. क्षेत्र. श्रेश विषा प्रति हें प्रति हैं प्रति हें प्रति हैं प्रति

ट्रे.लट.वीयका.क्ष्य.टाड्र्ट्ट.वी क्ष्य.प्रवी.तथा.झिट.कुष्य.वी.क्ष्य.वीववी.पट्ट.बु.पड्ड्वा.ध्रेष.वी. पिराया क्रिया क्रिया त्रिया त्रिया क्रिया क्रिया प्रायम क्रिया प्रायम क्रिया व्यापन क्रिया व्यापन क्रिया व्यापन ब्र्यायायटा.क्र्याययायचिटाता.यु.पह्या.प्रेयाञ्ची.क्र्यायाञ्चायाञ्चरायायाची. च्या.क्याब्य.पह्या.र्थ. अध्यार्थ. मुर्टा. प्रत्ये सूर्य. याष्ट्रिया क्यां याच्या वर्ष्य स्था वर्ष्य स्था वर्ष्य य.यधु.र्ट.भ्रीट.यधुयु.यर्वा.कुर.र्भा विश्वश्चिता.यम्.र्भा.य्वेता.यू.य्वे. है। वटायमायर्देरायाक्षराव। यहेवाहेवायायायहेवायाद्रायायाळवाबायात्रमाळवा त.श्र्वाबावश्ववाज्ञीय.श्रद्भा ईवा.तय.पह्ना.मुंब.ज्ञीय.तयत.री.चेबा.च्या. श्रवतःश्रदःश्रदःमिदःववाःग्रीःश्रवतःदिवशःग्रीटःदेःचशःश्रदःतशःश्लेःस्वःग्रीःकवाशः यह्मिन्द्रिकं क्रिट्मिन्याद्रायदायम् द्रायेद्रायाध्येत्र। त्र्यं मुन्यः क्रियायाः क्रियाया ह्ये<sup>,</sup>ऍट्याग्रे) र्वेषा अप्तर्ख्या द्वारा होटा केवा प्रस्ता पृष्वा वा प्राप्त वा का स्वाप्त के स्वाप्त विदासे स तर्गे प्रवित पारमें प्राथा देते हिंदा व नाप विना थें प्रश्चित पार्ष व नाप है । विना है । विना है । विना है । ल्त्रात्राञ्चात्री त्रुवाराप्तरा द्वाराप्तरा देवे हिंदा व तहिवा हेव वी विषय विवय लिंदाराप्तर क्षेते तह्त्रातुः ब्रीट तदेते पर्गेट् पाळग्या स्नुट्य प्रमृत्या यहित् स्यापन् पर्मेट २.८८.भधिय.तर.झॅट.झे। ख्री.पे.टे्ट्य.पिश्च.क्ष्य.पुर्या.यु.ट्रीट.टे्ट्य.प्रेंच.टे्ट्य.प्रथ्य. लब्द नेब क्षेत्र में व्यक्त विषय विषय विषय क्षेत्र क्ष हेव तर्दे न त्यापा के तर् पा तर्ने धेव नव पा पा हो। क्षेत्र मिन 'Universe वेषा पा पह्ना मेर र प्राची र गुष्ट्राट (ଜୁମ୍ବ ନୁସ୍ଥ ନୁସ୍ 

अघर वित्वान मृत्वान स्वाप्तर विवादि स्वाप्तर विवादि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व <u>७व.चश्रम.२८.कूरा.मी.८मु८४.शी.८मू८४.ता.सू.च</u>.१५४.मी.५४.मी.५४.मी.५४.मी.५४.५८. रट.वी.लय.ग्री.र्भात्र.राष्ट्रीय.ता.स्.स्र्र.स्रंट.ता.ल्या वाकुवी.लय.वाध्या.स्राप्ट.स्रंभा हैं तहेगा हेत ग्री अघत तर्केला पार्वे प्रथा प्रति कुं लबा अपत्रात्र को क्रिंप प्रयोग चनट.र्युपु:र्र्सट्र.तापु:र्योज:प्रजील.येत्वमा "ह्र्स्येपु:स्नेट.योष्यातमा कुं.चर.अक्रूवं.ता.मी. अर्ळें केव रॉते कुते वट व वव्यव्यापते र्देषा ग्री क र्यवा गति र्देषा वासुसाय वे र्ह्नेट स्वा यानेश्वरानिश्व यान्त्रेयात्यात्म् प्रमान्त्र्यात्म् प्रमान्त्र्यात्म प्रमान्त्रम प्रमान चर्मा रूट् वे क्रिंग अर्देव पा महिना यमा नम्भव है। अर्देव पा मन्निव रूट मन्निव रामा वे यावव में क्रि. श्रे अध्व राम प्रमेव में। यह्य प्रिं श्लीट त्या स्वाय रामे श्रेष्ट याववा रामेवा त.कुर.त्रु. अर्. क्ष्मालया क्षात्रात्राचीववी.तपु.क्र्. कुर.पु. कु.पट्र. कु.पट्र. ख्राची. चितः र्देवः र्हे। देः क्षरः वः हेः क्षरः वाववः दृदः श्रेः तवायः वेः व। श्रुषः या वादः वीः श्रेरः श्रेतः र्ट्यार्ग्ज्रियासुग्यासुन्यासुन्यासुन्यासुन्यास्यासुन्यस्यास्यासुन्यस्यास्यासुन्यस्यास्यासुन्यस्यास्यासुन्यस्य क्षःहिःक्षरःक्षाःक्षरःब्रूटःचःदेःक्षरःदेःक्षरःक्षयःयरःचववाःचकाःववायःचःक्षेदःद्रेःवेवःद्रः। क्र्यापन्नीटाश्वयात्राप्तुः ट्वायाङ्ग्रेव प्राया "क्र्यागाव स्टाप्तिव पार्चिट वया स्थाप्ता खेट्री। यवावा.त.ष्रुट.तपु.प्रट.क्ष्म.श्रह्मय.ताबा.यु॥ वायबा.श्लेपबा.ट्या.ट्या.ह्य. क्र्यायात्रा। मेर्यायत्रीयाञ्चराताञ्चायान्त्रात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्या क्षेत्र॥ यहवा हेव विषा च छी व र्षेत् अव प्यता ही वा क्षेत्र स्था है स्था स्था है स्था स्था है स्था स्था पट्रेन पर वेन हे से सेर अप्याचा किया मुद्र से

क्रीयान्त्रन्तायाः श्रीययाः ह्यः श्रीयाः ग्रीन् स्थान्ताः त्याः त्यः त्याः त्याः त्याः त्यः त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्य

क्षात्मावयाः क्ष्याः खेट् । या या या या प्रति । च्रीयाः या प्रत्याः क्ष्याः भेषाः विष्याः विषयाः खेषाः या विषयाः खेषाः या विषयाः विषयः व

क्रीय.त., खुथाता. क्षेत्र. सूर्री बीय. त. क्षेर्रा चित्र क्षित्र. क्षेर्य क्षेत्र क्

## वित्रेषा द्वेवाषा चष्या रे रचा क्र्रिर द्युद्धा

ता.क्षेत्र.लुच.ता.क्षा.चटी ट्र्बा.विश्वयाची.भूर.लियट.यह्वी.हुच.ची.य्य्.ह्वट.कुच.च्या. ता.क्षेत्र.लुच.ता.क्षा.चटी ट्र्बा.विश्वयाची.भूर.वि.ट्रब्य.ची.य्य.व्यूया.ची.व्यूया.ची. वी.चीट.। ट.ट्ट.ह्या.ह्वेर.ची.यट.ट्य.ट्य.ट्या.लच.लुच.ची.भूर.चेश्वया.ची.या.वच.वच. इवा.व्यूय.पुच.यट्य.कु.यव्यूयायालुच.लुच.ता.लुच.वच्युय.वच्यूया.ची.क्ष्य.ची.व्यूया.ची.क्ष्य.ची. हुत.कूच.यव्य.त्यूया.ट्ट.वट.कूथ.ट्रिय.हुच.ता.लुच.वच्युया.वच्यूया.ची.क्ष्य.ची.व्यूया.ची.कुच. हुत.कूच.यव्यूया.ट्ट.वट.कूथ.ट्रिय.हुच.ता.लुच.वच्यूया.वच्यूया.ची.क्ष्य.ची.कुच.च्यूया.वच्यूया.ची.कुच. हुत.क्ष्य.व्यूया.व्यूया.ट्ट.यहंब्य.ची.क्ष्य.ची.क्ष्य.ची.वच्यूया.वच्यूया.ची.कुच.व्यूया.वच्यूया.ची.कुच.व्यूया.ची.कुच.व्यूया.वच्यूया.ची.कुच.व्यूया.वच्यूय क्षेत्र.पश्चीत्र.श्ची.मृत्याः प्रधीत्रम्याः स्थाः स्थाः स्थाः या या मृत्याया त्य स्थाः स्

तर्नुदानःर्क्राताः दुर्वाद्याः वयाः देरः दिरः दिरः चित्राः यात्राः शुः ववताः सुः सुः विदाः तर्क्रदाः सुः नः यशिष्यातात्ता योषाः वृत्यायशिष्यातात्रम् वयस्य साधाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर वार्ष्याःसमः तर्वाः व वारः भरः क्षेत्रः समः चत्र्वावाः सः नरः। तर्ष्यः वीरः नृषः सः स्वरः ताच वाचना श्रापटाचात्मा श्रीतास्य स्त्रीतास्य स्त्रीताने स्त्रीताने स्त्रीताने स्त्रीताने स्त्रीताने स्त्रीतान यशिटाराष्ट्री त्व्राचावे त्टार्व्या यात्री स्वाचित्र स्व विषाञ्चरमाञ्चरायदे द्वार्ट्याञ्चवा सेता द्वाण्याव क्वाजी त्राचिता स्वाजी विषाची विश्वाद्मात्राचीत्रकेषात्रोत्रहित्राचेत्रात्राम् वित्राचीत्राम् वित्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्र दे'चब'अर्वे'र्च'रेट'र्'वाध्वाप्प'र्ट्'। वि'ठेव'ठे'ब्र्याक्ष्यात्व'क्ष्यात्व'र्द् वी क्लें स्राचित्र प्राचित्र प्राचित म्रीट पर्भेर प्रापर्भेष भीवबाद वार्चित हो स्थान प्राप्त । वार्क्षित हो वार्चे प्राप्त प्राप्त तपु.जियाबाक्षी.चेबाक्षी.चन्त्राचन्त्रित्वाचाक्षेत्रकी.की.की.वाचान्त्राचन्त्राचन्त्राचन्त्राचन्त्राचन्त्राचन्त्र चतः न्ये न्ये न्यू मार्थेवाया व्यव्याय स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापत राष्ट्रा श्रृं वाषा राष्ट्रा राष्ट्रा अटा की श्रुं राप्त वा श्रृं राष्ट्रा की ही राष्ट्र वा की स्वार्थ राष्ट्र श्रिट्रिवाबारार्ट्य भूग्नियायारार्ट्य बुयारायायायार्ट्य तायायाची दास्या भ्रुंबर्देर्पणर्द्राच्यापते भ्रूंबर्पन्ग्वराष्ट्रियाच्या वर्षात्राचा वर्षेत्रे से स्वावे प्राव्यावा लूट्रायर अब्दाविय

सूर्यात्युः अर्थे व. दे. चळ्यः श्रीच्यां श्रीः सूर्यां त्यां कुयः त्यां प्रदेशः कुयः प्रसुका न्यां त्यां कुयः वित्र श्रीः वित

ब्रिट्-रटालुब्रानम्। ब्रिट्-ब्रे-अक्क्.क्रै.चषु-ब्रीर-तब्र-एक्क्ट-अविब-पट्-त्र्-ब्रीवा-पटीवा-क्रमः योशीटमायेमायोटयं (चे.तू). योषु: मूर्यायं प्राप्तायं स्थापायं स्यापायं स्थापायं स्यापायं स्थापायं स्थाप इर् ट्रेट क्रुक्त के द्वी द्वी क्रिक्ष क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त क्रुक्त धिव | पश्चिरः धिवाः र्सवाया प्रमादः ईस्था तस्त्रेत्रः धिवाः श्लेतः स्वाः अदः दीः विवाः सिदः तस्य राम्यः र्यान्ता र्र्झ्याधिवान्तेन्त्वाची वत्त्वयार्वित्वे र्थ्ञ्चिन त्तः क्षेत्रः धिवायत्तरः चुत्रः ख्रुतः रादेः ल्.व्यंत्रान्द्रिम.क्षेत्रास्त्रियालेत्रानास्त्ररास्त्रद्यापान्ता क्रिंतालेगान्ते.त्वानी पर्ह्ताना <u> </u> <del>美</del>上, ब्रेट, ब्राट, जयट, क्र्ट, अथ, यज्ञवीय, यर्डूट, क्रुय, त्रा, ब्रेट, ग्री, जूट, तर, यक्रेयी व्यापः, भूव मा भूट राय ग्रीट राय क्षिय त्या महिट तहें वा क्षेत्र संस्था स्था स्था सम्मानिक वि ग्री.श्रेथ.त्वा.ट्र.क्र्.शब्र्ट.ट्रेश.पट्र.पट्र.खेवा.यत्य.मेथ.ग्रीय.ग्रीट.पट्टी.विच.ख्र.ल्र्ट.थ प्रथम् । इत्राम् स्त्राम् स्त ८८.७८४.ज.४५४.५५.२४.३०.४६४.५८८.१८८.५८५८५५४८४.३४८४.३४८४५५५५५५५५५ म्भि प्रमुपारा मिन्। वार्चिन् निर्मा सुरस्य सुरस्य मिन्य स्रोत्ता स्रोता स्रोता स्रोता स्रोता स्रोता स्रोता स् त्रव.पक्र्ट.श्रावव.पट.त्.धुवा.लूट.क्षेत्रब.क्र्य.पट.वी.ध्रॅ.ट्र.लूट.तपु.ट्वो.क्र्य.वायुब. यर विट.तर विषय अ.स. वैर विट. तथा रे. विवा कुंब त्यू र तार्टा हे विषा रहा वी रहा ह्ययमाराप्रेत् दे.यधुष.री.मतमाभिमाभीमालपःभूतिमेग्रमाराप्तात्राभूपायायान्या त्रम्कूर्यास्थ्रयात्री,योययात्रीयायाह्म,याह्म,तावुयायाद्यायात्यास्यास्यायात्रात्यास्यास्यास्या वोष्याजीवायाग्री,पंचीया-दे,श्रिन्याकु,र्ज्ञर,र्यः, वी,श्रुं,ट्र्र,पक्षर,यपु,ट्र्य,ट्टाविट,त्रर, क्रेव र्रा अर्घट वया यटय मुया ग्रीय पश्चित रा दे प्रवा प्रवा क्रिया से दारी क्रिय स्था से प्रवासी से प्रवासी स यय.यट्य.मैय.ज.पह्यं.तपु.क्षं.क्षंत.पर्वीर.क्र्यं.ह्यं.ह्यं.ह्यं.ह्यं.त्रं

 $\xi$ . ક્ષેત્ર. જ્વન ત્રી  $\xi$  ત્રાત્માં ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત

त्या श्री. क्षट . लूट् । वीवय . खेवा . क्रीट . लूट् . खेट . लूट् . लूट् . लूट . लू

८क्चिम, लुच, ट्रा-ट्रा-ट्राची क्चिम, क्चिम, क्चिम, च्चिम, च्चिम, च्चिम, ख्याम, ज्याम, ख्याम, ज्याम, ख्याम, व्याम, ख्याम, व्याम, ख्याम, व्याम, व्याम

स्यान्ताल्य।

ब्राच्यान्याच्याः कुर्वान्ताः प्रमुन्ताः व्यान्ताः व्याः व्यान्ताः व्याः व्यान्ताः व्यान्ताः व्यान्ताः व्यान्ताः व्यान्ताः व्यान्ताः व्याः व्यान्ताः व्यान्तः व्यान्ताः व्यान्तः व्यान्त

योक्ट. चेल. ची. ट्र्य. क्षेत्र. लूट. त. ट्रा. ट्रा. ट्रा. ह्रा. ट्र्य. खी. ची. यात्र. ची. ठाक्क. ट्रा. ट्रा. चीटा. याद्य. क्ट.क्ट्र-प्रच.में.चर्या.च.चुर्डिश्व.कट्र्या.क्षेत्र.ल्ट्रा.चटा चेट.ट्र्य.की.का.प्रच.विज.की.की. श्रवतःश्रन्।तपुःम्चे।वनःन्धरःस्।तन्।श्र-भ्रत्वात्।श्रद्वाःश्ररःस्निःसःस्नि। लूट.त.प्रटी ट्रेश.व.प्र.प्रत.ग्री.शक्थ.थुट.यचट.त.बी चर.चेजी झूं.चुर्डिश थेंच.तट.श. र्त्राम । चिर्यम् अराध्या मुनारा चेरावित वहूर द्वाध्या रे वित्या स्वाध्या स्वाध्या स्वाध्या स्वाध्या स्वाध्या स श्रीपवी.कृवी.वंबा.प्रेंच.तपेंचे.ता.प्रवे.त्.प्रक.पटा.वंबी.तावीवी.ताच.पवावाबा.वंबा. <u> विल्लान्वीन् न्ना अर्वे श्रूवा वेन्या तेन्या क्षेत्र प्राप्त</u> क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र अन्तर स्ट ब्रबाम्नेन्यम् नियात्राचित्राचात्रम् वर्षात्राचीत्रम् मूर्यावात्रम् "त्विराच्याचार्षाः वर्षाः स्रो र्हेवा र्स्प्रा क्षेत्र प्रमाप्त वार्षेत्र मी को हिवा स्त्री । केरा प्रत्र वासु प्रमा वार्षेत्र प्रमा केरा प्र तपु.शु.ध्वा.शुब.तम.तूर्. $\mathcal{L}$ .र्वेन.कूंब.भैतब.शु.ध्वा.कूंब.तू.र्ट.अ्म.तू.क्ष.तम.त्या. चतः र्वेव : प्रेव : प्रेव : में विद्या में व 24 रिया में रिया में सिटा के सिटा के सिटा के सिटा की स्वार्क के स्वार्क स्वार्ठ स्वार्क स्वार्ठ स्वार स्वार स्वार्ठ चटा ट्रे.पर्वर साम्राम् इंटर्टी क्.वट पट्य श्रुप् ब्रूप मुजा लेबा विषायत्य विष् याध्ययाः देः द्याः यो र द्वाः या वे वाः क्ष्राया द्वाः यद्वाः यद्

दीयभ्यात्मात्त्रे स्वाक्ष्याः स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वाव्यः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्

याना हे. हे. खे. ना. ता. मुन्ति राय दे. का. या बि. क्रें व. त्यं या विष्य या दूर विषा हिराया ना क्षा प्रति मारी र्देव पा आधीव विश्वाचेरावा पार्क्षकारी रापा वि कि विश्वाची कार्यापा विश्वाची विश्वाच चवा.क्षाया.पेट्या.क्षेत्रवाया.ही.पा.क्षे.पी.पत्ता.पश्चीर.थाटा.त्या.हीया.घारा.पाया.हीटा.घरापट्टी. त्रमाष्ट्रित् ग्रीयात्वत् ताते म्रीताचेत् त्रया वार्षेत् चेत् त्रीत् त्रीत् त्रीता व्रीता व्रीता व्रीता व्रीता ८्वा-स्वा-पह्नः भ्रेर-त्रुवा-छवा-स्वाध्याक्षराध्याः स्वाध्याः स्वध्याः स्वाध्याः स्वाध त्रम्बर्भाश्चितः क्रेत्रम्भंत्रक्षेत्रम्भंत्रम्भेत्रम्भत्रम्भेत्रम्भः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः र्देव गुप्त बिय मु रायश्य व श्चित ख्व केव से दे दि प्व वि स्ट स्ट वी स्व पार्टिय केव योग्रूर.मी.य.योषु.तर.धर.री.चीयोय.यथ.लूट्.त.जय.मी.षक्कुप्.क्षेट.मी.मी.योच्चट्य.क्षेर.क्. विर प्रीत्या क्रिया क्र विवातकेयात्र्या क्रि.ला.सीटास्वानिटावी.सीटास्वान्यान्यात्र्यात्रास्या विवा ने साधिन में। तेंन गुर्म मेन मुं कं में प्रें प्रें से से में से स्वें में से स्वें में से स्वें में से स र्वाबाराजूराजूराजुराजुरा बाह्यरावाजुवा व मिरास्वारे रिवा वे मुख्यावाजूरा वार्षेरा वार्षेरा वार्षेरा वार्षे मुक्तिन्तु तत्त्ववायात्राद्ये दे दे के द्वित हे के दे दे दे दे ते दे ते त्या का विश्व के दे दे ते ता दे के वाद ह्नाचुटानार्भगवायात्वामुम्बर्कार्थातियार्भिनाम्नायाव्याय्वयाय्वया योश्रवात्मायश्रिवात्रहोताने म्रीटाक्रेन् म्रीटाक्रेन कु'अर्ळेर त्वा वया श्वीट ख्व क्वी टें चेंर संस्था मावया पार्से गाय के हेव केट वड़ीया पर <u>หลิ้น.ปนู.หน.อื่น.โชพผ.ฏิ.หลิ้น.ชมุพ.ปูน.ชูป</u>

अक्य.बु। क्रम.ब्रिट.ट्ट.बु.स्ट्.ग्रीब.टम.बु.ट्यूम.सु.ट्यूम.स्ट्रा.ट्यूम.स्ट्रा.ट्यूम.ट्यूम.ट्यूम.ट्यूम.ट्यूम.स्या.क्र्या.क्र्या.सु.स्यावा.क्र्या.सु.स्यावा.सु.स्यावा.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्यावा.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्यावा.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्यावा.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्ट.स्या.वाच्यूम.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्ट.स्या.वाच्यूम.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्ट.स्या.वाच्यूम.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.सु.सु.स्ट.स्या.वाच्यूम.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.सु.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा.स्या.स्ट्रा

ब्र-न्। ब्

## विषय सूर्याग्नी श्रुट.र्टट.सीम.सीट.क्वाबार्क्स

त्यान्य स्टान्ट्रियः स्टान्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्

श्रुट.वोट.बुवा.२४.४१.५श्चेर.टा.ल.वोबय.लग्र.शिट.खेवोय.तपु.क्रूय.पवोष.क्ट.ट्रेग्यारा. लट.पट्ट.ज.क्ट.क्री जूट.पड्ड्ब.ज.स्था.टटा क्रि.सि.चपुरा क्रूर.सि.सि.मी.क्रु.क्र.टा.विश्वारात्र षाधीःस्राप्तर्वाचात्रात्वात्वादाः व्याप्तात्वाचाः व्याप्तात्वाचाः यर्थातार्टा ट्रे.ह्यामी.र्यटा.त्रु.कु.क्ट.वाधुयार्टा.यघयामी.त्रुताभीयाय्या लूट.पथ.तूर.चेब.५वा.पग्न.पःविंट.पःशूबोब.बोधेषःक्रींट.षक्र्य.ज.५ट.पःलूट.त.ज् र्पवाचा त्र्रावस्थाला स्थाने अस्त्राचा मान्याचा के प्रति के खेवा धेवा प्रवास में का सिन्। के सिन् चीवाया.क्य.क्याया.क्री.क्षट.प्रया.धी.पक्षीय.क्षी.त्र्राट.त.यु.थ्राखे.वारीट.रीवा.टाख्य.यू। ट्रेया.व श्चित्र तहीत्। या र्यत्। तहत् र्वात्र वाश्वव्य श्वीः वतः स्व तत् श्वुत्रः यतिः र्यत् वे र्यत्। या धवा हिवाः त.र्थया.तुर्य.त्रं ही वी.कु.च.तूरी.पहूराजा.हूराजया.तूरी.शुवे.विटि.वैवी.मे. यमुजायमानूर्यः क्रमाराष्ट्रः श्रीरार्यराष्ट्राचारात्वा मुनावीराया मुनावीराया मुनावीराया मुनावीराया मुनावीराया र्सियो.जया.ब्रेस.स्था.ब्र्यो.त्.ये.बोयोबाता.बिंस.जा त्र्री.टिस.ब्र्ये.टिस.व्हर.क्यांवाया.त्री.हिंस. ब्रिवाबारा क्ष्रबाह्यबार विदाय विद्या हो कि ति त्या क्ष्या हो हो ति त्या क्ष्या हो ता विदाय हो विदाय हो विद्या देति श्वेर र्वित मा वायवा दुवा वी र्वित रेवित क्षेत्र वातृत दुवा वी र्वित रात्र केर क्षेत्र केर श्व ૄૹ૾ઌ૽ઌૣૻૻ૽*ૢ૱*ૹૹૢૻૣૹૹઌઌ૽ૻ૽ૹ૽ૹૢ૽ૣઌ૽૽ૼૹ૽૽ૺૢઌ૽ૺ૽૽ઌ૿૽ઌ૽ૡૢૹઌ૽૽૽૽ૢઌૺ૱ઌૹૡ૽૾ઌ૽ઌૢઌ૽ र्ट्रव धेव प्रमात्र त्र्रोव विष्ण थे वो त्रवेव रेबा की क्षा के त्रवा प्रमात है वा विष्ण वे स्था वे स्था वे स्था लात्वीर श्र.क्र्याकी श्र.श्रटी दें लायु में या खेंबा तूरी सूचा क्षेत्र होता होरा ता क्षेर की तूरी ब्रिट-क्रिया प्रबेषाया थाटा धीवा के रहीटा या ब्रीवा के त्या का त्या स्वारा कुषा हो वा स्वारा हो का स्वारा हो क

મૈળ.ત્રમ.ત્ર્રા. ધૈત.ત...તુષ્ય.ત્ર્રા લુષ્ય.ત. ઘષ્ય. જ્ર્યા.તા. તું. ત્ર્યા. મૈતા. તું. તું ત્યા. મૈતા. મેતા. મૈતા. મેતા. તું ત્યા. મેતા. મેતા

विष्यादात्री अर्ट्र. दटा चह्नेय त्वर्ष्या अटार्त्र स्विग्नेत्र स्वाया क्रिट्रा त्वर्पा स्वायत व्यवता हा ब्रुपु.र्येशव.क्रील.त्.त्य.प्राचीट.तपु.ब्राबाक्ष्ट.तालाबट.त्यावाबूच.चीवाबापूवा.क्षीलाबर. पर्भूषाने :श्रवाक्षत्राक्षया स्वयाध्या होता विषाण्या । त्या विषाण्या । स्वया विषाण्या । स्वया विषाण्या । स्वया र्रावाचान्ड्यामुःह्यासुःध्रेयान्। व्यायविश्वेषार्याम्यायस्य र्रान्वायान्यम् देशविषा चिषानुता अत्रक्षं पह्यापान्तात्त्रि क्षण्या ग्रीया नेवाव्यापान्या अर्द्गा सेता सेता सेता स्थान त.यी टेट.ब्रॅट.खेवा.व्रांथा.क्रेज.प्रवाका.क्रेज.ब्रुट.ख्रेट.जावट.त.४्थळ.ग्रीक.ब्रुट.ब्र्य.ब्रीट. तर.येट.टू.खेब.श्रेब.त.ज.चम्रेब.श्रट.श्रेट.क्षेव.कुवी.ये.श्रेट.तब.युवाब.क्येट.श्रट.टी. यस्याब्रिटा वावव इस्रमाग्रीमाने हिमास्ति राया चेमान्यमान्ने रायमान्य दिवे कुनायां विषयः विषयः मिताः मित्रः मित्राध्यः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व यक्रूंत्रव्योवावमान्ने र्यूत्र्त्यम् अस्याग्रात् भूगुते क्रुत्र्त्यम् प्रतेष् स्रीत्रात्रे चॅर्रायान्त्रः क्षा ने नेता प्रता विवा प्रते क्षेत्रात्ता क्षेत्र प्रता क्षेत्र क् यार चिट क्रियाय रे र्ये याट्या रुव मी क्रिट वया धेव राम प्रमित रादे क्रिया स्ट्रिय र्येट रहेया रावे चैग्वेषु : औट : ट्रूट : सूट : ता खुबा रा जब : खुट : त्यर : त्यर : त्यर : व्यु : मैल.कैंट्.चैंगी.जब्र.वींट.तर.तचेट.त.ब्र्वोब्र.ब्रु.चोब्राक्ष.व्यंत्वस्त्रीर.ब्रूंब्र.ब्र.ट्र्व्बर.चेटा स्ट.स्ट.विथाश्च.धे.स्य.विश्वालिय.तालटा स्ट.क्य.तालाटवावाःश्च.था.था.विश्वाला  $\frac{1}{2}$   $\frac{1}$ य.वीट.खेवी.बुट.बेबातपु.लूब. धेव.बुी.बिट.तर.टे.बेबा.बंबा.लूट.कुबाटाडूट.ता.लुब.जी ताल्य हो इंताक्यारा युवास्तर वाययारा व्यवस्ता हो हो वाया वाक्या हि । वाययारा व्यवस्त ब्रीट्यातपु विट्रायर ट्रिव्यावया श्रूया भेटा। यट स्थित्या विव्या पुराष्ट्रीय राष्ट्र विट्रास्य विट्रास्य इव तपुरिट्र अ.स.ट्रें त. देव. कुषा इव तप्या श्चि वव तर सूट व. यट । वया बारापुरिट्र व र्रायानायां विष्ठापित प्रतिप्रार्थाया मुक्रापित वर्षे वार्षा वर्षे वार्षा विष्याया विष्याया विषया विषया विषया म् ताक्षित्रम् तार्थायात्रम् वार्यायात्राची त्यम् क्षेत्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम्

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} -$ 

ट्रे.लय.क्रै.अक्ष्य.पाङ्ग.च्राच्या.यी इति.क्ष्य.पर्वेट.४४८टे.अट्र.टेट्य.तालया "ट्रे. प्रचेश टिट.ब्र्ट्र्य्युर.क्षेत्र.बायमानेट.के.कट.श्र.मुट.टा.बुवा.यी त.र्झेय.ब्र्य.पेट. क्षेर.सूर.र्था.र्थय.श्रैय.त्या ध्रुय.तू.क्ष्यय.य.र्.ही.हू. सूर्यया.यायाय.सू.र्ख्याय.प्राह्र्य.त्या मिलार्स्याक्ट्रियाह्र्ट्राया ग्री.यावाष्ट्रिय वे. यय्याग्रीयास्ट्रायाध्येय स्त्री वियाश्च्यास्यः विया ताः भ्रेमः भूगुत्र अर्थन्। या बेशायते अराने भी भी जान्या रुद्या ग्री भी विष्या प्राप्त निर्माता दे.लुबे.ली इ.स्.वीटबा.क्बे.मुंग्स्य.बुंग्स्य.सूच.स्याचबेट.ट्यूबा.ही झे.लबास्याचिट.यी.  $\Box \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac$ श्रेषाःवयाः ट्रेवायाः प्राप्तः प्रवयाः स्रायः प्रायः प्रवयः स्रिवाः ह्री द्विः श्रुयः वयः प्रदे । प्रायः प्रवयः त्र मुं मुं देश के के प्राम्न प्रमान के के प्रमान के के कि कि क - ロタス・ス・スト・プト・プト・プト・カー "到人」到して、近、日、近、日、一方。 यािलान्यक्की.प्रयात्रस्यान्यात्रः द्रयायान्तिनः यो स्कृतायान्त्रः तक्कितः त्रस्यान्यस्याः त्रम्भुरार्न् उपान्निवेषाचात्रे मुलार्यते त्र्यत्राची स्वाकाविषा न्राम्य पग्रीट.तपु.क्र्री वीट.श्रट.ग्री.क.जीवाबाशी.चिबा.धे.च्र्या.यबा.यु.वा.या.कथ.ग्री.यु.पूर्विट.पी.वीवाबा हे। वाय्यात्रप्र, मुवायात्यया मेटायटायात्य तार्यात्र क्ष्याची त्यमा वायात्र त्यात्र ह्या वायात्र त्यात्र त्या च.क्ष्य.ब्री.मु.पूर्ट.बु.सूट.ज.सूब.पह्य.पट्या.कुट.। क्ष्या.तम् ,,र्टट.ब्रट.व.लट.सूट. ड्याचि.त्रम्बोषायातालायाबू, ख्रियातपु.लत् स्रीपु.क्र्या.वी.येयातातपूयास्यातास्या य.चीवोयातपुरस्वोयाम्भीयान् भीतान् भीताः विवासी प्राप्त यातान्त्र प्रवास च्रवाबारान्त्री यारान्ने नस्तान्वी स्ववाबान्द्राचारान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्त्रस्यान्यस्यान्त्रस्यान्यस्य र् व्राच्याने यात्रयात्र कु अर्ळत् र ब्राच्या दे र प्राची र प्राची क्रियाया स्वाया क्रिया र र चर. चीवाबात्तपु. हीरा विचा हो। चूर वे. कूर जी. ट्रेंब हे. वै. वै. वि. हीर हो हो हो हो है. रानि नेत्रमुग्निते रेवाबाधिव राषाव रे क्षेत्रम् ग्रावाबारावे द्वीता वेबाबी ब्लॅंच र्रोव रवेबारवा સ્તિ.તા.હુંયા.તાલુ.વે.સુ.સુ.સુન્.તાલુ.તરી.સુસ.તાનાસુ.સુંયા.તાલુ.સું.સ્ત્રસ્ત્રાસુંત્.તાલુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા.તાલું સુંયા. તાલું સુંયા. તાલું સુંયા. તાલું સુંયા. તાલું સુંયા. તાલું સું સુંતા. તાલું સું સુંતા. તાલું સું સુંતા. તાલું સુંતા. તાલું સુંતા. તાલું સુંતા. તાલું સુંતા. તાલુ સુંતા. તાલું સુંતા સું સું સુંતા. તાલું સુંતા. ત

अट्टायम्स्।

बार्यात्रम् स्थित्याः स्थित्याः स्थितः स्थितः स्थित्याः स्थित्याः स्थितः स्यितः स्थितः स्यितः स्थितः स्यितः स्थितः स्थितः

ર્સ્ ન નિયા શે. કું. હું માર્યું માન્ય ત્વની શ્રાન સ્વાન કું નું માર્યું માન્ય ત્વની શ્રી માન્ય માન્ય કું માર્યું માન્ય ત્વના કું માર્યું માન્ય ત્વના સુધ્ય કું માર્યું માન્ય માન્ય માર્યું માન્ય માર્યું માન્ય કું માર્યું માન્ય માર્યું માન્ય માર્યું માન્ય માર્યું માર્

श्रम् भिरा विया त्रिया त्रिय

पर्ट. खुर्या. तुर्य. श्रेया. यी पह्या. राजा. इ. क्रिट. लया. , (य. य. व्य. क्री. याक्रू. ही. यंगी यालपु. वर्गायाची त्याद्वाता त्यात्रा । वेयापति त्यात् त्यात् त्यात् त्यात् त्यात् व्यापत् व्यापत् व्यापत् त्यात् व्यापत् व्या वयार्चित्रध्यायदीः प्रतास्त्रध्येषायातः प्रतीयार्थेव स्वाधिव साम्या क्षेत्र साम्बीव षि द्वेषा तर्रेत् द्वेता त्रारा मन्या मुर्या र्वेत् पुर्य पत्र व र्वेत्र प्राप्त प्राप्त स्वाप्त र्वेत् स्वायान्त्रः प्रेवायान्त्रः म्याल्यान्यः स्वायान्त्रः त्यात्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त श्रीत्राचा व्रित्राची त्री त्र क्ष्याची त्र क्ष्याची त्र क्ष्याची त्र क्ष्याची त्र क्ष्याची त्र क्षाची त्र क्ष ५००वा "त्राने र्यं तर्ति । त्रायं भीता त्रा भीता त्रा भीता व्या भीता व्या भीता व्या भीता व्या भीता व्या भीता व २. यधु. श्र्वा. तपु. म्रीट. सेट. ता चर. विश्वायायायायायाया नट. म्रिट. वी. म्रीट. वी चवा. म्रीव. टट. म्रुव,त्यात्तर्यः विषा मुष्यमान्वयः भ्राची.तपुः श्रुटः लटः श्रुटः , कुयः तघटः तः क्षेत्रः लुवं स्वरः ।यः ड्रिवा.पर्ट्री चर्याय.क्रुभव.मा.व्रिज.भ<्जेलब.चर्चे.त.लट.पट्टे.ट्ट.ब्रुवाब.भविष.विट.। क्टिन्शु,पर्टान्त्रु। ड्रेंट्रावश्रयाविश्वाय सुन्तु,ट्टा श्चित्रावश्याविश्वाय श्चित्र्वे, दे.की.मीटाला.सूर्याबाता.टीटालब्रुपु.मुर्याबालूटातमायचिटाट्री जू.क्रैबा.यावयाग्रीबाङूटाटी. रेव ळेव ऍट्यो न्रीटा पररुर्य प्रेति क्या परि न्रीटा श्रिट्र स्वानी न्रीट वेषा यर्ड्र न्यते खिट्या यट् केट् यो व त्य व हे स्वा खटा बटा यते । स्वा  $a | y \times x \|_{2} , \forall x \in \mathbb{R}^{2} , \forall$ ह्य मुं मुं प्रमाने प्रमान प्रम प्रमान प् त्रम्अर्घ्राच्यव्यात्रीत्र

 $\square \widehat{\otimes} \angle \widehat{\cup} \square \widehat{\otimes} \square \widehat{\otimes}$ 

अष्ट्र. र्जुट. योग्रेर. यो. र्झे. प्रट. ट्यी मैल. ट्यं. या. प्रेया प्रयोग त्यं या स्त्रेय मेला प्रते त्य विट. ह्य प्रति क्वां क्वां प्रत्या क्वां प्रत्या क्वां प्रत्या क्वां क्वां क्वां क्वां क्वां क्वां क्वां क्वां क्वां  $\text{alt.} \\ \mathcal{L}_{\mathcal{A}} = \text{alt.} \\ \text{alt.} \\ \mathcal{L}_{\mathcal{A}} = \text{alt.} \\ \mathcal{L}_{\mathcal{$ वया। पर्वाची सुराया अवसाव या भर्मा कुषा से सुरा से दा स्वाची से सिरा से दा म्री.लिज.पट्र.यी लिज.म्री.य.टिशेट.टे.२.म्रोटी ट्र.ज.पच्चा.म्रीय.जय.चीबेट्य.ती य.चट्य. मैज.त्.ट.ज.ध्रेया है। श्रटाव.व.व.इंट्य.या झूंब.श्रट.ट्वेब.वाद्टावशबावीश्रः ह्या र्वाया.मूर.जूर.त्र.थेर.र्टर.यधु॥ शघर.प्राव्य.वीर.घर.पर्च्या.र्टर.जी लीज.वी.या रित्रिट्रिच्क्यिट्रिच्चित्राच्या अटउर्द्रुयायायान्य अत्यावास्त्रुया वार्क्ट्रियाच्या वार्क्ट्रियाच्या यध्या। चट्रट्राक्ताः क्र्याः क्र्यं याश्या। यट्रट्राय्यं अस्ययाः व्यव्ययाः व्यव्ययाः व्यव्ययाः व्यव्ययाः व्यव्य जिटास्य कुषान्तमु विष्या निर्वाच निर्वाच निर्वाच विष्या निर्वाच विष्या निर्वाच विष्या निर्वाच विष्या क्रॅ.य.पत्य तीज.क्रॅर.जिट.वायुमा चिट.य.ब्र्.ट्ट.शज.ब्र्.वायुमा जिट.स्य.क्र्य.ट्रा.युमा यम्, वर्षेत्रा। क्रूंट् .श्रट् .क.ज. क्रूंट .स्वा.यखी। प्रथम ग्री.क.ज. खेळा यम् , वर्षे । वर्षे र .च.  $\tilde{\eta} = \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^2} \frac{1}$ चर्चे॥ घट.सर्च.पर्चेश.स्व.चर्चे.चर्चेच.लूर्चे॥ क्च.स्व.पर्चेश. क्रू.श्रेष्र.श्रे.ह्मी क्रे.थ्रुची.पटींश.सेची.टाबु.टार्बे.टींची सेची.पु.सिची.पीं.ये.चींयशी जन्न. पत्तराह्यात्रियात्वरु,र्वाःक्षेत्रे स्र्राध्यात्वेवात्त्रेत्यात्वेवात्त्रात्वराष्ट्रवात्वेवात्त्रियात्वर्वात्त पत्र्याताःश्वरः त्यात्रा र्य्ताताः व्याप्ताः विष्याः विष्य वायया। इं.ट्यूय.इं.विट.चेट्य.ल.टी। शुवा.क्य.ब्रिट.ग्रीय.वर्षेय.टे.वार्यजा। पर्वेश ह्य. ट्र.ज.जब.वधिट्य.ता चुट.झू.उटीश.क्.इं.इं.त्रूटी। झ्रि.व्रिश.उटीश.सव.धु.चे.यखी। इं. त्र्रालाक्षालाक्षेत्राचान्॥ बाकास्त्राक्षेत्राहान्द्रवातिषा हेन्यागुवालाक्ष्यावाद्रान्ता क्रें ब्रिट्रग्रुव त्यायर तर्बे द्या तर्बे अहे यादे त्यायव वार्यु त्याया चेंद्र व क्षेत्र या ब्री ता वार्यु आ च.भ.स्र-, भ्रेन.म्रे.च.त्वी। क्र्याला ह्येंन.ता.म्राचातवी। त्यात्वीत्र क्र्यातात्वी प्रमानिक्षा षाण्यान्त्वार्यः र्ख्राचार्षेत्रः निर्देते । स्राप्तेत्रः त्याचा क्रियाची व्याची व्याच

अह्र्या, कुथ.रट.। कूर्वाय.पक्रमा पर्विज.य.श्रटप.य. है.ज.यध्वाया य.यर्वा. विवाय.र्यूटय. ह्वाय.पर.

थट्यासुटातत्त्व्याने क्षेत्र ८१००० । 'दाक्षाचेंत्र द्रान्त्र केष्ठाचें से क्षेत्र क् जायर्, ध्रूं न अर्, श्रेन विश्व शि. श्रे विश्व अर् श्रेन विश्व प्रमाण्य प्राम् अर्थ श्रिन । वे. त्या वार्त्रते. तीया या मुद्दा स्ति स्ति स्ति स्ति वार्या वार्या स्ति स्ति वार्या स्ति वार्या स्ति वार्या स रवः उःश्चितः स्ति । स्ति । वार्षा उ प्राप्ति । स्ति । सि वार्ष । सि विष्यात्री त्यात्र विष्यात्र के त्या विष्यात्र के त्या विष्यात्र के त्या विष्या के त्या विषय के त्या विष्या के त्या विषय के त्या श्रात्यः द्रुयः भूरः वर्षिया चरः दर्धयः वर्ष्ट्रः दाखी श्रीतः अर्ट्रः विश्वयः श्रीतः द्वाः दरः धरः व यशिष्राचुराबुटा। टु.बु.भ्राक्षी योक्टाक्षी थटाक्षी यद्याक्षी टूष्रबाक्षी योक्टाटीबायोधेबाग्री. इर.म् अर्ट्रावस्याताञ्चरावस्याचन्त्रवायाचात्रम्य विस्तुः स्ट्रात्यस्यावस्य मिट्याबिका मुर्रे ताटार्टिका विद्टारि तबुराता हि. मूर्रे तिथि विव्हा विद्टा वी हिवाया था ल.ब्रॅट्.ब्रॅ.तपु.र्टेट.ग्री.चंट्या ब्रॅट.र्ट.र्यी.चम्.र्यी.वर्षे.लुब्री ज.ब्रॅट.वेट.त.ध्रेय. ह्रॅट.ट्टा वेश.चम्.ह.चर्थ.चर्थ.चर्या क्रि.श्रेग.वि.सूर.ट्रेर.ट्ट.चट्या श्रेथ.ह्रॅट.वेग. यश्रिमान्त्रेन्। ब.स.चि.भूर.श्रिमान्नेन्त्रा चक्कित्तकः स्वानेश्वराधिमान्त्रा बेर पर्भित्रा कॅर रित्र खेत् प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमा यिष्टेश.स्.जा श्रेत्र.क्षेंट.श्रेत्र.चमै.र्टेवा.क्र.लूटी। क्ज.त्र.श्रेत्र.क्षेंट.चर्चे.तम्भे.लूची। त्रवा. श्र.ची.तर.धेक.झूट.८८.॥ चर्ष.चमै.श्रेश.ळी.झ.चमै८.ट्री। वोलप.चचट.च.ज.श्रेश.झूट. ८८.॥ मै.भ.य.८८.वे.लीज.च॥ इ.ब्रूट.८वी.चमै.ब्रेट.त्रुट.लुथ॥ क्षेव.जेट.य.ज.ज.चमै. र्टा रे.क्रेट.क्रं.पर्वेग.ज.स्वायातप्री वि.स्र.क्रेट.र्टट.यपु.चक्के.ल्र्टी., क्र्यापर्वेटा ह्येर र्राप्त स्त्रेर सुवासुर त्या वित्र स्तर के का के स्वासी के स्वासी के स्वासी के स्वासी के स्वासी के स्वास न्तुकायार्ड्टान्टार्चेन् केवार्चे वे आर्ट्रावस्याधिवाचरा यावाका के। देवायाना नियाना मान न्नायव र्स्या २१५ त्रेन् क्रेव र्स् व राम्या प्याप्य प्याप्य स्वाप्य स

चर.पट्टी चक्ष. त्र. क्र्य. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र क्षेत्र. क्षेत्र क्षेत ने·अप्तःरेषःपॅप्ॱकुपःतुःप्पःप्तुषःग्रर्थः पॅप्:केत्रःपॅरःप्रम्'केपः। तथग्रथःपःर्द्तुः र्थिन श्चिषाया ग्रुया विता प्रतानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्व अटतःरेषः नृदः र्वेन् रत्न वे रत्वुषा वार्षदः नृदः र्वेन् रुदः र्वे वे अर्दे विस्रषा धीतः तर्नः वः खेवा.पह्याम्रीटाम्यायपटा.५८८०वायपटा.ट्री प्याग्नटास्यायाम्यात्त्र्यातम्या र्वेषायिद्र, यूर्वे क्षिट. टे. ताथ . ताथ . भी . याथ . तपु.र्वायःक्रूंब् १०१४८८ । विश्वश्रारा गीव र्वायः पश्चेब रिव्हूंब ग्री द्वारा वर्षा वर ११५० व्यायः બન્ના ગ્રાપ્ટ-પ્રવિના વાર્યું ક્લાના સ્થાન પ્રાથમ પ્રામ પ્રાથમ विश्वराद्यं क्रिक् द्रां त्रीव र त्रिवा ग्रीट र त्रीव विश्वर विषय है र त्रीव र त्रीव र त्रीव र त्रीव र त्रीव र त वे न्यतः र्च महुन होन न्या स्वाधान महिना या धेव व्या हुवा र्च केवा र्च केवा र्च केवा र्च केवा र्च केवा र्च केवा यर्ह्रेट.ट्रेंब.ब्री श्रीय.टेयट.यट्र.कुब.स्.ह्यु.क्ष्य.बर.न्८लब्री ..ब.लु.ख्रिंब.टेट.क्रेंचब्र. पत्र्यः मुकाष्ट्रिन्। प्रनः प्रवाद्या प्रनः क्रेकः प्रति । स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व खेटा। होत्राः मु: नटः क्षेत्रः हेतेः धेवाः क्टः त्रुष्ठाः तुष्ठाः वाद्वाः वाद्वाः वाद्वाः वाद्वाः विवास्त्राः व त्र्र क्रियाव वार्षेत्रा अर्. र्यं यायाया वार्षेत्रा यक्ष्य त्र्री विषया त्र्रे स्वायाहा स्रेया रे लट. ट्रे. घष्टा . कटे. वेट . क्या त्र . क्या . वार्ष था. वार्ष था. वार्ष था. वार्ष था. वार्ष था. वार्ष था. वार्ष ₹८. म्रेट. लुवा

म्त्राचा तह्या निया स्त्र क्रिन् ग्री खेट र्स् वर् हिर तक न रा वे र्ल्य वा वा वा विरा यट या त्वा व्यव स्वा व्यव स्वा व्यव स्वा विष्य मुख्य में प्राची के विषय स्वा विषय स्व विषय स्वा विषय स्व विषय स्य स्व विषय स्य स्व विषय स् ल. ब्र्. क्री क्री क्रा त्र . क्री क्रा क्री सी. ब्र्र टी. ब्र्र टी. व्रि. ता. ती. क्री ता. ता. ती. क्री टी. व्र ग्रीट.पट्टेर.बुटा.में.रिनेट.बी ध्रुंब.तथाक्य.श्रुवा.श्रेश.क्ट्.रेट.कु.नुट.ध्रेश.क्ट्.क्या.ग्री. खिट.यक्षेत्र.भेवा.कूट.श्रट.कुट.ट्यूब.त.लट.श्रट.जा मे.व्यट.श्ववं त्राव्यत्त्र.खेवांब्य.ज.स्यू. ब्रे. अघतः अट्रायः न्ट्राः क्रुंबः न्ट्राः व्यवः नृष्यं वाषायायः श्रुयः व्यवः वाषायायः पर्व्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्र कू. बिट. ग्री. पर्जू. टा. \$ था. तर्र अंट. यंतु. श्रवी. ग्रीटा. ता. लट. ट्या. तर्र क्रिया. तप्त. श्रद्या. भ्र योट.खेट.टटा बिट.तर.टे.लट.लेज.उट्टु.उच्च्.च.क्ष्म.क्ये.खे.खे.च.क्ष्म.क्ये.त्यं.तप्.इंत. भैजात्यवाबारमञ्जूबा विवाबा है क्रियारी है हैता है के निर्मा है के निर्म है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्म है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्म है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्म है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्म है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्म है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्मा है के निर्म है के न व्य.रे.ध्रेय.श्र्राट्या.येथीया.बी.र्यटा.वीया.ब्र्या.वी.स्र.येट्या.ये.स् पर्विवाबातपुः ह्रिवाताः श्रात्वो त्वपुः अक्कः क्षेत्रः स्वात्यः श्राद्याः व्याव्या स्वात्यः चित्रः वित्रः वित् तपु.क.८८.शधिय.तपु.थ.पूर्य.जय.जय.पश्चित.ता.वशिषा.८८.जी८.हा.हूं.हूं.८.वशिषा.ही.ल८. ह्यास्य प्रमाना प्रमान्य विष्य अत्राप्त विषय अहं यास्य प्रमान प्रमान विषय विषय विषय अहं यास्य प्रमान विषय विषय कुर्य.त्.भीय.यया.पर्विट.त्रर.पर्वीर.र्जू। खुर्याचिट.ब्लियाया.त.क्य.री.यट्यामीया.ग्री.पहेया त्रम्य र्. कु. ८ म. प्रत्रा तिम् प्रत्रा तिम् व प्रत्रा तिम व प्रत्रा तिम् व प्रत लिया.र्ता.क्रेंट.तपु.जूर्य.या.तप्.संबियाया. हु.धु. याया. हुट. तपु. याक्रू. कुष. सुषात्र रहीट. तपु.श्राटप.यर्वा.पत्तवीय.त.श्रीय.प्रयावाच्चवीय,,,बुंबा.ग्रीट.पर्वीटा, पूर्व.ग्रीट.ङ्गं.रेवी.तप्र. श्रु.पह्रा.र्ट्याता.क्र.क्रिर.त√रोजा ,,ट.यु.य.ह्रेट.क्री.ट्य.पर्या। प्र.य.क्य.क्री.यट.र्ट्या. ये। यं.जपु.यवायायु.लट.टवा.पर्वटा।,, जुयाता.जुवा.जयायक्क्.मृ.यपु.सेट.०.थु.सेट.ह्.। त्र्नाचर्यं त्रुप्ताविषाः भैतमाः श्रीत्रात्त्रीः स्टान्त्रियः चित्रात्रियः विष्याः स्टान्यः स्टान्यः स्टान्यः क्ट.चगाय.पर्यंत्रा.४०४जम्। "यूर्य.कुषाची.च.विर्य.त्रम्यवाषा.तपु.लीजा। मु.षाष्ट्रा.बा.वाक्ट. याट्या.प्र.यायेथ.मी.अर्योजा। यद्युजाला.मीट.ता.सं.योथ्या.योख्यात्यात्यात्यात्र मिटा क्रि.सू.याखु.यय्य मी.अष्ट्र.यषु.यु.यह्त्रामा। पर्चि.झॅ.झॅ.क्ट्र्याया.प्रय.क्षय झॅ.क्ट्र्याया.पर्चिंटः॥ मेटापर्ज्याट्यी.

वाष्यान्तायवाद्यान्ने स्वास्त्राच्यान्त्राच्याः व्यास्त्राच्याः व्यास्याः व्यास्याः व्यास्याः व्यास्याः व्यास्याः व्यास्याः व्याः व्यास्याः व्यास्याः व्याः व्यास्यः व्यास्यः व्यास्याः व्याः

## यथी बार्ट्र.पिष्रवाग्री.बुट.टेट.तीजाजेट.कवीबा.क्ष्मी

યુ. તર્ટ. ત્વું. દ્વે . ત્રે . ત્વાવશ્વા યુ. મેં . જુ. ત્વું. દ્વે . તું યે. જું દા. ક્રિયા . જાદ્રે. વિશ્વ . બું તાતા ત્વે . મેં . જું . તું યે. જું દા. તું તું યું . તું તે. જોં તું . તું તું . તું તે. જોં તું . તું તું .

विष्याविषान्तुः होतारात्री त्यारादे केंबान्तराहीन ग्रीप्यास्त्र सुयार्क्षवायारा यार्क्टा चर ह्रियाय ख. यात्र यात्र तीया ची. ट्रा. याद्र तिष्य या याद्री या याद्र तिष्य या सीटा याद्री या अर्ट्र.पिश्रमाञ्चर्याश्वेषा अर्ट्र.पिश्रमाञ्चर्दे वा.श्चराज्ञा अर्ट्र.पिश्रमाञ्चराष्ट्रीया । अर्ट्र | प्रथम:मी:अर्द्र, प्रथित। अर्द्र, प्रथम:मी:ये.प्रथम:मी:अर्द्र, प्रथम:मी:अर्द्र, प्रथम:मी:अर्द्र, प्रथम:मी:अर् हींवा.र्टेव। १४ट्र. विश्वर्याकी सूट. रची। अट्र. विश्वर्याकी सूट. कुत्र . वर्ष्ट्र. वर्षेट. क्षेत्र अया थी. वर्ष कुटा टटार्, अर्ट् विषया विषय है। ग्रॅटार्ट्जा विषट तर्वे अट्ट अर्ट् अट क्र्या पर्वेट. ल्य्योबा.शी.येटबा.ती ,,शर्ट्र.शैंरा.जा.वोलुप्र.ब्रा.चटायोबा.ता.विश्व.वोळ्यो ।क्र्यावा.जा.वी. चट. यथ्येषाता विश्वषा वाष्ट्रिय । वार्ट्र विश्वषाता श्चिमः विश्वषाता विश्वषा योद्धया । ८८। ट्रे.८८.ब्रियोयायादीयाता थाउ.पट्.क्योया.पेज्या ,,शैट.ग्री.याट्र्याया.प्रीया.यादीया. <u>ह्या प्रथम अ.ज.च्ये र.जू. प्रथम अ.ट्र. प्रथम अट्र. प्रथम अ.स.च्या ज्ञू. प्रथम अ.ट्र. प्रथम अ.ट्र. प्रथम अ.ट्र</u> ग्रा.ज.मृत्या, प्रम्याया, वेयापद्य, द्वार प्रमाया, भ्रायया, भ्रायया म्रीट्र प्रह्मेत्र (प्रम्म केत्र प्रांग्वीसुम्भ प्रम्म प्रम्मे मिन्न मिन्न प्रमानिक्य प् क्ट्र अ.जट. तथा ट्रे.ज. योलर. क्र्रा. घट. यो. श्र. ई. ४ ४४ . हूँ ४. ट्रे. पिश्रया ये हुयो. टाइ्या. ट्रे. ट्रे.पविष.अट्रे.पिश्रयाताश्चरापश्चरापश्चराच्याश्चरश्चराष्ट्रियायश्चरापश्चरापश्चरापश्चरापश्चरा क्ट्राव ल. मी. स्ट्राच ल. मी. स्वाय क्रिय त्यं प्रथम विषय मी. मी. प्रथम क्रिय मी. मी. स्वाय मी. मी. स्वाय मी. य.लुच.बूर क्र.यपु.जीट.क्र.ही.बाधुब्र.ट्वूट्ब.चुट्व.बाटुवा.बीट.जुट.जा.टट.बी.घट.वाडुब्र. र्द्रव मुरुवा के निर्वा कार्र द्वार त्या वार्य र विष्य स्वार मुरुवा सा के वा सा होता होता है व स्वार स्वार स्व वावयःलटः श्रटः र्ज्ञेषः ख्रीट्रायशः हे र्ख्वेषायः वयः चर्यन्यः त्येषः व्यवः व्यवः हे र्ल्वेरः वः मिट्गा दे त्यव ग्राय स्वापा देर धिव वया यह स्वया मी क्रिंट केंबा तर्हित हित्र प्रायम स्विता क्षाचर विवाल प्रतिकारा ध्रीवावा वर्षे वाषा निर्धाचित वर्षे वाषा निर्धाचित वर्षे वाषा निर्धाचित वर्षे वाषा निर्धाचित वर्षे वाषा वर्षे वाषा निर्धाचित वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्ये वर प्रवाय.क्य.भर्तुपु.म्.कैट.ब्रियाबाबी.ट्.क्षेपु.यू.त्र.लूट्.पटीयो.कुटा विश्वबाकुष्य.तू.योबीश. बटाची'सीयाश्चटाटीरचा'ट्र्या त्र्या स्थाने त्या सक्केट्राचि हो क्षेत्र त्र्या स्थाने त्या हो त्या यायटाबेचान्ध्रन्ये में निर्मान

लब्री , श्रैट.ग्री.बर्ट्र, विश्वब्र, श्रैट.विश्वं ट्री शिट.वी.ज.ट्वी.श्रैट.ट्ट.विश्ववी हूं.श्रुे.ट.श्रेट.वी.वी.विट.वी.वार्ट्ट.वाश्ववी हूं.श्रुे.ट.श्रेट.वी.वार्ट्ट.यां वार्युवा ह्यं.वी.वार्ट्ट.यां वार्युवा वार्

त्त्रीयाः युं , रिटीका शे. लूर्ट ता जका प्रकथा स्वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वित्र त्रियाः युं , रिटीका शे. लूर्ट ता त्रका प्रायम स्वायम स्वित्र क्षा क्षेत्र कष्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्

ट्यूबात्तर-बीच-चूर्। वबाक्ष्र-2-क्रीवात्तवाक्ष्ट्-अट-ज़ी-सुवातालट-चेट-वबाक्ष्र-ट्याक्ष-था-इ-वबाक्ष्य-क्री-क्री-त्वाक्ष्ट-अट-ज़ी-सुवातालट-चेट-वबाक्ष्र-ट्याक्ष-था-इ-विश्वाक्ष-क्री-क्री-त्वाक्ष-त्वा निर्मान्त्वा त्वा क्ष्य-त्वा क्षय-त्वा क्षय-त्वा क्ष्य-त्वा क्षय-त्वा क्षय-त

विश्वासायाद्गीत्यवात्री द्वाराष्ट्रीयात्रीयात्री येत्रियात्राचीयात्रीयात्राचात्रीयात्राचात्रीयात्राचात्रीयात्र वर्षित्राल्ती झ्रं.क्.च.चुट.ब्र्वा.वी.क्रॅ.टट.बर्ड्वा श्रेय.ब्रेय.यू.ट्याय.ब्र्यं.टट्याक्रॅ.टट. विष्णा रवःश्चरः धाःष्ठः प्रतः वार्ष्याः वेषः र्ष्ट्रः सः वः वेषः र्षे प्रतः विषः विषः र्षे प्रतः विषः र्षे प्र योष्ट्रेर.ब्र्य.तथाय.र्य.पेटिजा.ब्री.पर्विटाविट्य.पेटा श्रेप्.थ्यो.प्राचीटा.ब्री.यया त्.मी.८८.थ.षक्षथा.पुज.तथ.व.ती.ष४.६.ता.पटींट.पिटथ.के.ची.ची.४। क्र्.क्.च.पुट.क्र्या वी.ब्रॅ.पट्र.भूर.क्ट.बट्रजेब.ट्रव्यातावी क्.ट.रूट.टट्रचेट.ब्र्वा.स्वयाश्चेब.टा.केट्र ગ્રીયાનું તું તેન જ્વા અનું લિયા ગ્રી. શ્.ના અફ્. શ્રેન શ્રેન ભૂય તત્ર તત્ર તિજ્ઞા લિયા ગ્રી. ગ્રીયા पतिः र्ह्वे देन स्वाद्यां विषया विषया विषया स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्व لحريه، ١٠٠٠ عبر العبر المري ال याचेषयाश्वी.क्.यपु.चीच.क्रिया.क्र्या.सेट.चीयोयालूट.तपु.चेट.पटीया.सेषा.धूच.क्री.क्र्याया क्रॅंट त्व्रेंअय होट ग्री स्ट्रिंट त्र स्वाप्तर अर्घेट कु स्ट्रिंट प्राप्त सेट्री देव ग्राट खा अर्देते ब्रियायाग्री क्षे. ख्रिया त्रीव . त्राया क्षेत्र . क्ष. या सूट . ख्रेया या हूट . स्नेयया टे. वे. क्रिया सूट . विया त्रीव  $\xi$ યા તાલું તાલુ जालटार्स्यायह्याचेटाक्षेट्यावयायवियाच्चिताचार्या

$$\begin{split} &\text{TCM}_{\text{AL}} \underbrace{\text{AL}_{\text{AL}} \text{AL}_{\text{AL}} \text{AL}_{\text$$

इ.रा.अर्ट्र.विश्वश्रक्थ.यधु.श्रट.र्टेग.यु। यट्र.ज.यचेट.र्डेट्य.श्र.पट्र.व.श्रट.र्ट.श्रकुश.प्रे। षयाके पार्वे प्राया में पार्वे प्राया में वार्षे प्राया प्रमेत्र के प्राया प्राया में वार्षे प्राया प्राया में वार्षे प्राया प्राया में वार्षे प्राय में वार्षे प्राया में वार्षे में वार्षे प्राया में वार्षे प्र श्रूर-अर्ट्र.पित्रम्,ग्री.चेर-र्ड्स.चेट-वेट-वेट-टे.पुज-ग्री-लूट-त-टेट। वोट-वी-अक्त्रम्,श्री-वोट-ૡૢઌ૽૽ઌૹઌ૽૽૽ૢ૾ૺઌૢૻઌૼૹ૽ઌૼૹૣઌૹ૽૽ૢૺઌૢ૽ૣ૽૾૱ૹ૱ઌઌ૽૽ૹ૾ઌ૾ૹઌઌ૱ૡ૽ૺઌ૽૽૾૽ૢ૽ૺઌ૽૽૱ र्वराव र्व र्व र्वा श्वाप्त के के विष्य र्व राष्ट्र के विषय के जायिंटबातपुः क्षेत्रबागुबाबाद्गीयावायागुः वाष्ट्रबाद्यात्रवाम् स्टावाद्यात्रवा 」वि.वा.वाश्वभःत्री क्.टा.श्चट.टट.श्चर.विश्वभःश्चट.टट.श्च.उत्र्र्र.श्चट.वाश्वभःट.वाव्यभःतरः यर्चर.त.र्टा रेगु.र्ज्य.तपु.क्र्य.पर्वैर.र्ज्ञ.प्र्या.याय.थाय.र्य्या.क्र्य.पर्वैर.जय.ग्रीटा मीला. सू. ८८ला. के. ८८. ट्राज्या के. ८८. अं. के. विश्वासी आ. सू. के. सू. विश्वासी स्वासी के विश्वासी स्वासी स यर्थर.त.लट.। ज्.र्थ.य.पूर.कुर.रचिंय.पिंज.कूर.जिट.रे.पविंट्य.सुट.पिश्रया.कूंयाया.शे. ત્ર્મું ર્સુંન સાસુંન ત્રાસેવ ત્ર જે. ત્રીયા નેયા વ.સે. સ્વાં અને . ત્રાસેન ત્રાસેને ત્રાસે  $= (1 + \frac{1}{2} + \frac{1}$ र्प्य-क्रिय-त्री:मेर्य-र्ययाश्चित्राय-छ्य-अत्राद्धाः हित्याअत्यायन्त्रीं,यपुर्य्याययः पान्ने सुन्ने मान्या मुक्ताने पाने प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त र्ट्रेब प्टे.ज.क्री.वाक्य त्याटा तक्ष्य वा अक्ष्या वा पट्टी राणिया क्ष्यां वा वा प्राप्त स्थान स्थित । यर्झ्य.भेग.प्र्यूट.तर.चेर्

क्याचीयात्रात्रेत्रात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्य

च्यात्म्, त्यम् चीयाः क्ष्यात्म्, त्यम् चीयाः क्ष्यात्म्, च्यम्, च्यम्, च्यम्, च्यम्, च्यम्, व्यम्, व्यम्यम्, व

लक्ष.यन्य.क्रीक्ष.क्षे.व्यक्ष्य.क्ष्री.त्यक्ष.क्षेय.टी.यनचीट्यःक्ष्री ह्य.क्ष्य.वेया.क्ष्यक्ष्य.क्ष्

$$\begin{split} & \text{Lawar.}\frac{1}{2} - \text{Lamar.}2 \cdot \text{alt.} \hat{\mathcal{L}} \cdot \text{Lawar.}3 - \text{Lawar.}3 -$$

द्याचिष्ट्यात् भूवा स्त्रीयाची विष्ट्राची स्त्रीयाची स्त्रीयाची स्त्रीयाची स्त्रीयाची स्त्रीयाची स्त्रीयाची स्

यवकालाक्षेरायपुः स्टाकुवायुं त्यं प्रितायां स्थायं क्षायि स्यायं स्थायं स्यायं स्यायं

 $\begin{array}{l} \Box \forall L . \& L . \\ \Box \forall L . \& L . \\ \Box \forall L . \& L . \\ \Box \forall L . \\ \Box$ 

यर्द्रावययाग्री याक्यान्यो यर्ष्य प्राचान्यान्यम् निवयान्ते के त्राचित्र स्थान्य हा र्टाल.श्रुल.(१४०४-१४४७) त्रेल.या न्या स्थित्या "श्रूट् व्या स्थित ষপ্রপান্তন্,বধুদানা,বুদ্ধা খুদ্,ষপ্রপান্তন্,বুদা রাদ্,ষ্প্রদান্তন্,র্রীপানা,ব্যা खुट.घशका.कट.र्सिवो.जा.वाधुयो ऱ्र्ट.कृ.टट.जर्ज्ञ्वो.कृ.जर्जुजो चचज.चर्येट.व्री.क्र्जुजा <del>ब</del>्रीच.श्री लर.ह्या.यु.कु.दर्जेज.थेट.। या.योषु.(य.के.कु) जेट.त.से.ह्या.ग्रुट.। या.टरीट.टाइट.ट्यी. पहूराया के.क्र्याचिश्चात्वा.त्वा.पित्रिं पहूराया.तया.येवा.पर्ये व्यो.क्रं.वी.क्रं.वी.पर्ये व्या कूथ.सू.चट.मू.जुर्याय.र्ट्यी.पहू्त्रथ.राय.मैज.र्र्या.सूर्य.सूर्य.प्रेय.प्रेय.पूर्य.प्रेय.पूर्य.प्रेय. ज्रांच्या. भ्रुंचा म्यापा. प्राप्त स्वर्भातिया व्याप्त स्वर्भात्र स्वर्भाव्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्यात्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वरत्य स्वयः स्वर alt. mlt. सिथ. धिषा. कूर्या था. तथा. तीजा. जा. प्यां प्रश्ने तथी. क्ष्रां प्रश्ने पपर्निट.त्रीत्ज्रबा ,,चिट.व्री.पर्सु.क्रि.क्षेत्र.व्री.च्री.च्री.पर्सु.क्राब्रू.पर्टे. $\alpha$ .ज्ञात्य्य.त्यु. विष्ट-क्रिय-क्र्याला वेच-व्याच्य-च्याक्रिन स्वावित्। ह्य-विष्या यात्रा स्था विष्य रवा.चर्था.चर्चेंट.लेंख.बर्चाची.बा.क.मी.लेंज.टी.पर्ज्ञा.बुटा। ही.बा.पट्टर.टवाट.र्ज्य.बीया क्रिव म्रीट ।पञ्चरास्त्रं प्रमुट त्याद्ये तर्त्व तेत्राक्षेट द्व ते प्राप्त त्याया स्वापार प्राप्त मुया घटा देवाबार्ख्यः झावटा। धुवारदेदागुत्र हवारविता **र्ह्स**ाविवा विश्ववार्श्यवात्रा ग्रीबा अत्र रावार्ह्स श्रीन्यम् श्रीक्ष्यान्त्यःकेः चः स्वायाः सून्यस्तुन्यम् विषायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः ५८७ "अर्द्र विश्वराष्ट्री द्वार त्रि न्द्र्य के कुट के सेवाय ग्री अटत विषय सेंट दर्शिया वी हो । मै.कु.बुटा चींच.शंचर क्रै.क्र्वायातपु.क्र्याचर्चेंट एड्र्यातपु.ट्र्यूय क्रुंटा भींयाक्रयः ८४.त.चर्चर.जय.पट्य.त.चूंय.तय.चक्षेय.तपु.पर्चेर.पिट्य.ट्यंय.व्यक्ट.कूय.ग्री.पुट. बर-एचेंब-बेब-ता-क्षे-विर-झैट-,,,खेब-टटा। शुखे-पट-क्रवोब-उंग्लब। ,,शट्ट्-वोब-वीब-कुर्य.तभिट.त.पटी। श्रीट.कुर्य.तवा.बू.येज.त.पटी। श्रीट.सर्य.तू.वीय.तश्रीय.त.पटी। रु.त्र्. · वि.वर्षिक्ष.तभेट.त.परी। रु.षात्र्.भूवा.त्र्र. श्चि.य.परी। रु.कु.षर्ट.भू.वीप्त.त.परी। घट के दर दगर प्रत्याय तर्या दे अर्दे वायाया थे तर् खुवाया धेवा।" बेयाया क्षर र्या

## ह्म न्य्रम्यायायायायात्रम् त्यायायात्र्यात्रेयायात्रम्

हिः द्यानम्वायाः भेटा न्यानायान्यान् व्यान्यायाः व्यान्यायाः स्वायाः विष्यानायाः विष्यानायाः विष्यानायाः विष्य मिट.पट्र.पट.कुट.वाट.ज.पट्टवा.त.व.भुषा.यंबा.पट्ट्र.पट्र.ट्यट.वुब.पववा.त.क्षा शुष्र.त्र. पर्युजायान्तर्मु अर्क्ष्यान्यान्त्र्यान्य विवाला हूं यापते हियासा सुवारा विवासा स्वासी स्वासी स्वासी ८८.५६वा.त.ख्वा.लुब.लु रुप.चें.अक्ष्य.चु.अस्.ख्याता.पट्ट.पट्ट.ख्यातप्राची.क्र्या.ट्र. थेट.श्रट.क्र्या.मे.चर्ष्यात्र.यट्ट्य.ग्री.याय्यात्री.याय्यात्रीय्यात्रीय्यात्रीयः प्राप्ते स्री हे यान्योत्र में कु प्राप्त विश्वाप्त वास्त्र वास्त्र वास्त्र प्राप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वापत क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वापत क्षा स श्र्वायाः चेरानाः त्यायाः स्वादिना क्ष्याः विदाकुन् विदान्ति । विदान्ति । विदान्ति । विदान्ति । विदान्ति । विदान प्राचित्राचित्राच्यात्राक्ष्याक्षात्र्र्च्यत्राक्ष्यात्राच्यात्राक्ष्यात्राच्यात्राक्ष्यात्राच्यात अर्ट्-अ्वाबाक्षाः पर्यट्रताताका मी. वाद्याताया तथा की. द्वाया ही. वाटा द्वाटा दे स्थार त्यंत्र ब्रुजा ख्रेन्। ब्राष्ट्रवीया अत्रत्रां पर्टी तपुर याजा सी सी त्यी अर्ट्र विया स्वाया या तरा पर राटि कु.र्चे व. श्रुवी श. पूर्वा अट. त्रु. पर्टे. तपु. श. ज. टे. र. कु. अट्री कूट. च्रुवी. श्रुव. पट्टे ये छिट. यावयः मुःहेलायायाः भूराप्टराङ्क्यायायम् अवयः मुःहेलायाः भूरहेला चेरावेटाः भूराहेलायाः श्रम् स्त्रां त्रम् स्त्रां श. चुर. खुट. ट्रे. थु. प्वट. चट्वा. वी. अहूट. प्वट. टश. वाचुश. क्ट. सूर्वाया वाचट. लूट. ग्री. प्वट. रा ख्या.लुच.तथा.योट.विंट.एज्.या.जुटी विट.ता.अट्र.या.डी.वी.या.चु.या.चु.या.चुंट.या. त्तव.कर.कें.बुट.पर्ट.य.खेवा.तुव.तय.व.विट.त.अट्ट्र.य.खेय.चुरा जेट.तपु.यट्प.ता. स्यात्र्री र्स्या हिन्यावन स्यार्थ त्रि प्रते प्रते स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित स् म्रीट श्चिट प्रव तत्व वर त्रिवा जितर । बाबाई क्षे तर तु । व बाबा क्षेट क्रेव क्षे तर तु ।

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2}$ 

द्र-इप्ट.ग्र्ट-ब.ल.श्चे-इ-एश्ट्र-ट्य्ब्य-टा.श्याब्य-२-२-इप्य-टा-व्य-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य-टा-व्य

त्यः याचातुः सा. क्रूवायाः त्या व्याः व्य

७. षाः अर्दे विषापिते वाक्षित्र प्रित्र अकेत्र वित्र वित्र वित्र अर्थे विषयि । <u> કુદા નું ત્રાન સૂત શુખ વૈષ્ટુ પશ્ચા ક્ષેં</u>ત શ્વાન તે કોના સાથી તાલી તાલી તાલી તાલી તાલી તે કોના સુત્ર કોના સ્થાન लक्ष अर्देर वाद्र मार्थ स्त्रीत के त्री ता लाखा कर्ते विराप वादि निर्मा के देशिय तर्हे द प्रा.पर्ट्रिस.ता.कु.धुट.ता.डीया.भ्र.कुर्य.ह्यंत्रा.स्स.अक्ट्र.पर्ट्स्ट.टीट्.श्रावयःशट.त्र्या.की.जश. यावयायायर द्वीत्रया त्विया धोव राया ग्रायाया याद्वीत् कि त्वीत हिं देवारा क्वाया ग्रीया देवे चिट्नी, लीज, बी. कुर्य, दूपु, शुट्- क्ष्याह, तथुर्य, या. युर्य, क्षेत्रया वश्या क्रिट्राजा शर्य, या. खुर्या र्चमान्यमानुमान्यम् प्रति कुष्यस्ति याने मान्यम् वित्र प्रति साम्यम् कुर्मु प्रति स्वर् श्रुव्याचित्राक्षेत्राच्याः क्षेत्राचीयाः क्षेत्राचनित्राः स्त्रेत्राः स्त्रीचव्याने स्त्राः स्त्रेत्राः स्त्र बी.तज.कुर.क्रेर.बीय.पर्वट.बुटा मीट.ट्यार.क्रेंट.त.क्ष्य.वीट.क्रांत्वा.पे.क्र्य.वया.क्रेर. ल.अर्य्. यथ्येषात्रीयातितातहला विषयातिमानुन् स्त्री न्यतः मुःकः भूवावया देवाबार्ड्सिन्'तहवा'खा'दीबा'खेट''यावर'त्रीट''नगर'र्घबा'क्रेर'बेर'न्चट''न्यह्यबा'चावा'व gय.च.श्रेL.चे.स.L.चेय.त.L.केषु.त.स.येयत.चेL.। L.केषु.च्.जूL.च्.पंL.चे.स.वे.श्रेतया देर र्देर क्री कुष राषा बट द्रायर र्दे प्विति क्षेट क्षेट प्वा नेर पारे क्षेत्र प्राय प्वि क्षेट ने क्षेट र् श्रुर वेष चेर प वेष प्राप्त भ्रीत वो षर ग्रीष र्देर बेर खेर खेर खेर हि प क्षेत्र के प्राप्त विष यायर विषाचीट रे चे जिट प्वा जिट पु र्यो प्या चे जिट जिया विषा विषा विषा प्राय तवायः निषानी । त्वाराषा निष्ट्रमा ने स्थान । त्वारा ड्रेते'ख'दे'धेवा

४. गट्ट्यायते च्रिट्ट्याकं तट्याय्विट्याग्री तियाटी त्याक्षेत्र स्रेत्र तीया ह्रेट्र रा क्यायान्त्रीटान्त्रेत्राञ्चान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रयान्त्रायान्त्रयान्त्रायान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रया र्वेणवारान्ता आक्रेव नेरान वे फ्राइट की क्रेव में धिव मति मूंव की धुवा हो के लिता लबार्चयाचित्राचार्यात्वात्वात्वात्वात्वात्वेत्रात्वेत्राच्चेत्वाच्चेत्वाच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत् घट.ज.ल.कुर्य.घट.खेय.टे.केपु.चर.विश्वयाक्त्रीयोवाच.पर्यटे.ज्ञूज.लूटी टु.पटेपु.ला.कुर्य. र्ट्रेम:बेम:प:दे:बे:इम्म:ब्रॅट:पर्ख्य:क्षुअ:पॅश:बु:बु:द्रपट:दु:पट्ट्र्य:स्व:क्ष्मप्य:बु:वुदे:क्रॅंप: योड्या.प्रक्र्.क्र्य.ग्री.क्र्याया.श्री.या.क्र्या.यथा.ग्र्या.ग्री र्नेषाव्यःक्षःस्त्रान्त्राच्यात्रःक्ष्यायाः ५ छटा स्ट्रान्यायात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या अट्रिट् क्रूट्र प्रच्या प्रति क्रूट्र क्रूय्य प्रवास्ति । वास्त्रिय क्रूय्य क्र्या क्रूय्य क्रूय्य क्रूय्य क्रूय्य म्रोल'न्यायम्यायिक्या'ने स्वायास्याध्यायः स्वायान्त्रेयास्यायान्त्रेयास्यायान्त्रेयास्यायान्त्रेयास्यायान्त्रेय ८८. श्रुम. ज्याबाक्क.ता. प्र्या. प्रांच स्था. स्था. त्या विष्ट. क्ष्य. मिया ह्या. च्या. प्रांच त्या. प्रांच त्या य.मील.रचया.चर्ष,चर्छ.खु.मीट्या.सूट.लूट.ता.सूवी.तूपु.सू.मीथा.यंट.वीयला.चया म्रीट. ब्रिट-वी-वट-ट्-र्हेर-ट्गर-वीर-श्रेर-श्रवाथ-चन्नट-च-ट्-। वीर-ट्गर-क्विय-च्रेबा "हॅर-च्या. ख्या. राष्ट्र क्षेत्र मेला मेरि. लुका स्वा मेला स्वकारा खुरा प्रश्नी स्वा स्वकार स्वा स्वा स्वा स्वा स्व ८८.श्विय.बुका.बुना वि.कुवा । भाराका.दुनुः हुनः बुकारा.बुनुः हुनः रहेनः रका.बुना.सुः वर्ष्ट् रा.पर्. त्रीय.जा.भर्. श्रीर.तजा.कुर.र्यटार्. यर्षेत्र.थं वर्षाः वर्षाः श्रीर.र्यटाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः

म् । सार्- त्रीय- क्र्री

स्वायान्य अर्ट- ह्री हे - क्षेत्र- य स्वायान्य स्वयान्य स्यय स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य

तार्ट्,याट्टाश्र्ट्,याविश्वाचिश्वास्त्राचिटाब्रेटा। ट्वी,पट्चे,क्ष्याप्त्राचिराच्याः के. या त्र्राच्याद्वाः विश्वाच्याः विश्वाचः विश्वाच्याः विश्वाचः विश्वाचः

त्रमाध्यान्त्राच्यान्त्रम् । स्वास्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम्यः व्यास्त्रम् व्यास्त्रम्यस्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम् व्यास्त्रम्यस्त्रम् व्यास्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम

प्रथम, खुयाना, बु, मुं, म्यां, वु, क्ष्म, क

वाश्रमाक्षिःस्टिन्क्षुःस्रक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्मान्तः वाश्रमाक्ष्मान्तः वाश्रमाक्ष्मान्तः विश्वान्तः विश्वानः विश्वानः विश्वान्तः विश्वानः विश्वानः

क्ट्र-हिम्क्रीम् संभित्तम् चित्। क्रिट्ट्र-क्रिम्स्योक्ष्मिक्षः स्वाप्त्रस्व विद्यात्रक्ष्मिक्ष्म् प्रत्यात्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्य स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्व स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्रस

लट. थार्ट्. श्रीट.त. रेगु. पर्यं अष्ट्रश. पत्रुजा. व. में , , (प्रथम. रेट. त्या. यार्ट्र, टार्ड्स यथ. तप्र. वम. ब्रियायाग्री.तीजान्तीट्याजायायायाय्येयाचीयान्त्रेटा। विश्वयान्त्रे या अघटाजान्त्रीयारा ही अघटा मिलास्व लाविष्यामी मिलास्व रित्र्रित्य स्वर् र् .श्रियाता.कुर्य.त्.खुवा.क्षी विश्वयार्टाता.कार्यू.वर्जूश्वयात्यू.चराकुवायाग्री.लीयानुट्याया प्रथमः बुद्यान्यहें न्यान्ते । प्रथमः बुद्यान्यः मान्यः सम्यान्यः सम्यान्यः सम्यान्यः सम्यान्यः सम्यान्यः सम्या ऍ.ॳ.त्रंट्.ग्री.थ.थघराल.चेर.ब्रियोबायोङ्गाली.लयाङ्गियाबायोषेष्रःश्रेटातायो.चेबालूप्रे क्रॅ.शघ८.ध्र्य.पर्वेव.४.शक्षथ्र.८८.। थेंट.शघ८.श८८.५४.ध्र्वेष.शेंप८.विष्रय.ष. पर्ट्रातपु:क्री अक्ष्य.क्षी अवपु:क्रीजास्वय.जात्राध्यात्री:क्रीजास्वय:टी.पर्ट्र्टा.बुराचपटाश्चा पवट.ट्री विश्वयाग्री.क्रिजास्वय.खेबाताच्री क्रिजास्वय.ट्रां आजाट्यटाच्रश्चरायद्वाक्रीयाद्यं.ट्रांजा मैल.त्.कुर.त्त्रा.मूट.श.कुर.त्.बुरा.चे.बुटा टे.पट्यु.मैल.त्.ट्यु.मैल.त्यावश्वा. वाष्ट्रेयात्रात्पृ.क्रीजास्त्रयः क्षेत्रवात्रात्प्रयः क्षेत्रव्यात्रात्त्रयः क्षेत्रात्त्रयः क्षेत्रात्त्रयः व भ्रीय. रचया. र्टा. पर्टेज. राष्ट्र, विषेट. ये. सुर्य. में या राष्ट्र, में जा स्वरं मी. में जा तया. धेव व राज्यवत ता सूर्य राष्ट्र प्रमान का निष्य का सुरा मिला था। स्निट्न्त्रं अर्देते कुलावस्य ग्री व्राप्त स्वर्षेत् केट्य अर्देते कुला ख्रा में लिंग्रे नेंद्र क्ष.ची.क्ष.पुषु मुलाविश्वराष्ट्री प्रतिश्वर पुष्टि । प्रतिश्वर पुष्टि । प्रतिश्वर पुष्टि । प्रतिश्वर । वेषायानेतराम्याम् विष्याच्याम्याम्याम्याच्याम्याचेषायाः विष्याचेषा 

क्ष्यायान्ति स्तान्ते क्ष्याच्यात् स्याक्ष्य स्याक्य स्याक्ष्य स्याक्ष्य स्याक्ष्य स्याक्ष्य स्याक्ष्य स्

अर्ट्.श्रेट.त.त्र्य. धेय. मैं. अष्ट्या., अर्ट्.श्रेट.ज. वानुर. श्रू. घट. च वेवाया. तावश्य. योद्यां,,दुयः स्वायामी, ट्रेंच अट्र.शैंच त्यायोत्र स्वाया व्याप्त स्वाया व्याप्त स्वाया व्याप्त स्वाया व्याप्त श्राद्यः व्याः अर्दे दुः चक्कितः दे कि द्वाः या अर्क्ष अर्थः दु अर्थः दु अर्थः दे अर्थः दे अर्थः दे अर्थः दे अ विश्वार्द्धः त्राचित्रात्राद्धार्यः स्त्रीत् । त्राद्धितः वाश्वारात्र्यं वात्रात्रात्रात्र्यः वित्रात्रात्रयात्र्यः वित्रा पर्यट.ट्.ट्.क्षेप्र.श्रटप.इंपश.बुट.कुब.म्.ट्ट.पट.त्.त्.त्.त्.त् विश्वयाम् विश्वया शुःसिर्-तपुः मि.इं.सं.ययार्चेया तरः लूर्-जा अर्ट्-श्चर्या स्थापिश्याप्यश्यायाञ्चा अपूर्टः चयाने त्याची ये र से विदाय हो ता विदाय के ता विदाय त.र्ट. । टु.राषुष.क्र्रा.व.ज.वी.घट.र्टा अट्र.विश्वयाल.श्रेर.विश्वया.क्र्य. र्त्.यशिषानञ्ज्यानुमा हे. ह्या. मे. ज्ञा. ज्ञा. त्या. चे. त्या. विष्यं त्या. विष्यं त्या. विष्यं त्या. विष्यं क्रेब्र-र्रा ग्रहिषा पाषर प्राप्त हिष्ण राज्य पाष्ट्र वाषा राज्य पाष्ट्र वाषा प्राप्त वाष्ट्र वाषा राज्य पाष्ट्र वाषा राज्य पाष्ट्र वाषा राज्य प्राप्त वाष्ट्र वाषा राज्य प्राप्त वाष्ट्र वाषा वाष्ट्र वाष्ट्र वाषा वाष्ट्र वाष्ट्र वाषा वाष्ट्र श्रव मित्रः बुट क्रव अट स्त्राचित स्त्रुपाया विषय क्रव स्त्रापाया करे स्त्रापाया विषय स्तर्भावा स्त्रुपाया रा. ह्येट. क्र्यं. ट. क्रेप्ट. कर. टे. पट्यं. लुवा. र्यवाया या अह्ट. तया तववा. ला टट. त्र. ह्यंट. तस्त्र. ૽ૢૢૢૺઃઋૣઌૹ੶ૹુ·ઌ૽ૼૢઌ૽ૢ૾ૺૢ૽ૢૼ૱੶ૡૢ૾ૠઌૢૺ૱ઌૢ૿ઌ૽૽૽ૢ૾૾ૢઌઌ૽૽૽૾ઌ૽૱૾ૹ૽ૢઌ૽ઌૻ૽ૢ૾ઌ૽૽૾ૢ૾ઌ૽૽ૢ૾ઌ૽૽૽૽ૢ૽ઌ૽૽૱ૡ૽૽૽૽ઌ૽૽૽૽ૺઌ૽૽૱ઌ૽૽૽૽ૺઌ  $\square^{2}_{\mathbb{R}^{2}} \square (\mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2}) \square (\mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2}) \square (\mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2}) \square (\mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2}) \square (\mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2} - \mathbb{R}^{2}$ क्ट. व्रिष्ण भीषात्र्यं वेषाचन्त्राच्यात्र्यं अर्थात्र त्याषात्रं भीषण के स्वार्थात्र बिट-प्राञ्चिम-त्र-पातिकाः बिका-पाद्धिकानाः स्निर-स्निपका-त्र-पातिकाः विका-पिद्धिकाः विका-पाद्धिकाः विका-पाद्धिका तपु.श्रात्य.कृ.पकृ.पमुत्,पुष्याष्याया.या.कृषाया ध्रेषाया ध्रेषाया क्षेत्राया क्षेत्राया क्षेत्राया क्षेत्राया ब्रियाबाखायावस्रवाक्त्राच्यक्ष्याचार्द्वयाबाचारान्ता देरासायाक्रियाबादादे प्राचीस्यावस्या

तीता. ग्री. शुट्ट . क्योबा त्राच . अस्थी ट्रांश चिव . त्याच . क्योबा . त्याच . त्याच . त्याच . च्याच . च्याच . क्याच . क्याच . क्याच . त्याच . क्याच . त्याच . क्याच . त्याच . क्याच . क्याच

૮૬૮)નું કીન્ ક્રિવીયાનિશ્યાં ગ્રી. વીળું પ્રશ્રા ઘન્ય, ત્રાંત્રેટ, ક્રિયાનીયાયાન્ય વીશેન્યન્ય ન્યા દ્રાન્ગું શ્રક્ષ શ્રેય ક્રિયાન્સ શ્રક્ષન્ ન્વેય ત્વેન ત્વેન ત્વેન ત્વેન ત્વેન ત્વેન ત્વેન ત્વે ત્વેન ત્ पविजातपुरविषयात्रे स्टावान्ते स्टावान्ते स्टाविन् स्टाविद्यास्य विषयात्रे स्वाविद्यास्य विषया यात्राताक्रम् अधियाता म्री. चटा. यु. क्रूटा. या. पटा. अक्रू. क्रूय. त्राप्त. क्रूप. म्री. तीया. युवा प्राया प क्षेत्राक्षे में शुक्रामीय वटा खेका पर्त्राता अक्ष्र क्ष्या त्र्या स्विया वा तर् पर्याकुटा ग्रीव वटावी प्रिंत भीता ग्री ग्री ग्री ग्री विष्याता है। यीवा स्वता विष्याता है। यीवा स्वता विष्या व चट. व्रियापतट मुद्दा विस्रया केत्र व्यापति यातिया है अस्त में व्यापति स्त्रीयाया स्त्रीय विस्तर हैया तथ.ट्र.ट्य.व्र.म्.व्र्.क्र्य.व्र.क्ट.ट्.ऱ्.लय.थ.व्रंट्ट.प्रथ.पट्र.क्षेत्र.ट्.श्रुष्रय.त्र.श्रु.चे.क्षे ह्रीर. षाक्ष.ह्य.त्यु.ह्येब्य.पट्टर.क्रॅ्चब.क्ष्य.क्ष्य.क्ष्य.विय.पि.च्याव्य.पट्ट.क्र्यंव्य.क्ष्यावय.क्रावया. म् मार्थ मि मिर्म के ताल्त करा क्षेत्र  $\chi$ વા. $\chi$ વા. $\varphi$ વ. $\hat{g}$ . $\hat{g}$ . $\hat{g}$ ! $\hat{g$ प्रतिर्भेत्र ही चिर् रें र वयाक्षर प्रति हैं र ही वर्ष्ट ता हैं र वयाक्षर प्रति हैं र है। ब्र्याबाल्ट्रान्यराचीवाबान्त्रेटा। भैतवाट्ररावधवाळेवाट्रावाबुबाट्राखेबाटावे खेवाची ब्रिंव गर्द्ध. त्या त्राचा त्या क्षेत्र व्या मित्र क्षेत्र क्ष री , जूर चे चे जा के रात्र कर सिवा में या खें बार का असूर विया हु। हु, हा या खें बार हो। या रे भूव प्रमानम् क्रियायायम् प्रमानम् । मुन्ने विष्यायायम् । मुन्ने विष्यायायम् । स्वर्यायम् । स्वर्यायम् । ८८.घाष.८८.चे नुमान स्थाया योटा यही त्या यो की खिया जया है। कटा कटा की साम अर्ट्र.पिश्रमाग्री.अकुटे.पिट्या.वु.टे.केषु.कटा.अर्ट्र्षु.पिजा.पट्टे.तुव.त्र.त्राचया.ता.टी.श्रमा ଞ୍ଚିମ୍ୟସ୍ୟ ପ୍ରଷ୍ଟ ନିମ୍ନ ଅପ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ध्येष.तपु.यचेट.भ्रूब.ध्रीटा क्य.भर्ट्.टेट.क्थ.भर्ट्री र्च्.त.भर्ट्.पु.प्र.पट्य.भर्ट्.ट्या अर्दे। कु.स्ट. स्वा.स्ट. में ट.स्वाया अर्दे. टट.स्ट. अट. दा. लूट. तथ्या विषया विषा हेरा अर्दे. विश्वराष्ट्रियः त्राचेता याटाके त्या हे स्वरात हे त्या हा स्वरा श्वरा श्वरा विश्वरा वि पर्ट. ह्रॅ्ब. वयावश्वा. कुव. त्रा. चेड्चा. पड्चा. तप्ता लट. व. विश्वा. टट. त्रा. चेड्चा पर्वे. यपु.तीजा.स्रीयाया.टटार्यक्षेत्रात्या.पट्टालटा.श्रीटा.स्रीयाया.मी.ता.या.या.या.या.तीजा.बुवा.मी. त्त्रेय.वेषा.क्षेत्रा.बुटा। ट्रे.क्षेत्र.व.क्षे.पट्रे.त्यातु.चट.त्त्रुया.लबा श्चेट.ट्र.बार्ट्र.विश्वश्चा.यङ्र. <u> चम्चित्रमा मेन्या मेन्या देन्या मेन्या देत्र मेन्या देत्र मेन्या देत्र मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या म</u> विज. ट्रेर. ५२. खुट. । श. विश्वश्व. श्वश्र. विश्वश्व. व्ये. तीज. यथट. ट्रट. श्वीट. श्वीट. विवा. पे. ट्र

तर् क्षितान्त्रः से अट खेषा श्रट स्वाया ता क्षेत्रः स्वा पर क्षितान्त्रः से अट खेषा श्रट स्वाया ता क्षेत्रः स्व पर क्षेत्रं विता क्षिता दे . चकर क्ष्र्त स्ट्रिट चिष्ता व्रोया क्षेत्रः क्षेत्रः स्वात् । से अट स्त् च्येत्वा व्रोया व्रोया क्षेत्रः कषेत्रः कष

 $\begin{array}{c} \text{ $L$} : \text{ $L$}$ 

## येव विद्रावस्य विद्या क्रिया हेन् । स्था विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

व्हे.चर्चे .च्ये खेयात्त्र्र्ट्राचाल्चे .च्ये। चलु.चर्चे .चाच्चे .च्ये .च्ये

ट्रे.ल. ह्र्या. अर. यात्र थ. छेर. प्रवि. ही। ग्री. ह्रें हिंदे । कुट्रा लब्धा "यात्र थ. दटा हे। प्रवेश प्रवेश प्रवेश ब्री। बेट र्ट के प्रतः बेट र्ट ब्री। क्टू के प्रतः क्टू र्ट हा। दे प्रवेत रात्र प्रतः के राहर र्टा। पर्वटःश्चिंट्रस्ट्रिप्रेयते वर्षे स्वाप्या स्या स्वाप्य स्वाप् श.ज.ला चिट.ह्.जय.र्थ.र्न वेटा.ब्रू.मेवी झ्.बर्चेट.टाबु.ज.झे.लु.श्रेट.टी.योवय.खेय.टाहूट. <u> કુન કૈ. તુના વધન દૂર, તુને કૈ. શુના તુના વધાની કૃ. શુના વધાની સ્ત્રામી વધાની તુના કોના તુના કોના તુના કોના પ</u> अनिराक्षित्रवाराम् वास्तुःचा चिराक्षित्रवाराक्षाः है। ब्रियाः है। स्रामाः ब्री क्षां मान्याया विषया वार्षितः <u>ॾॖ</u>ॖॏॖॖॖॖॖॖॖॖॹॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗॹॣॸॱॸ॔ॖॾॱॺॱॻऻक़ॖऀॺॱख़ॱक़ॖऀॱॸढ़ऀॱॿॖऀॸॱॿॖ॓ॺॱॻॾॣॕॸ॔ॱऴॗॸॱ यार्वेट्रिंब्रुं ग्रीयाच्युट्रें। बेट्रें यार्वें प्रेंते यावयाट्ट हें प्रवें बेट्रें देते प्रावें प्रावें योष्ट्रा हैं वियः अर्था की हैं वियः की वियः की वियः की वियः की वियः की वियः विवास की चिट.भैंबब्ध् चिट.चेर.दे.बालालायबु.ल.झुब.त्रुच्.औट.टे.क्र.बा.बोब्बालाक्क्रू.चे.टट.क्री. अयाविषाता वे प्रति सर्डू क् वेषापर्हेन् छिटा होव प्रंषाप्त स्ति । प्रवर हिंग्षा हो कृ स्  $\exists \text{L.} \hat{\mathfrak{A}}_{} \text{alm} \hat{\mathfrak{A}}_{} \text{.} \text{e.} \text{c.} \text{l.} \text{e.} \text{l.} \text{e.} \text{e$ (१११८ क्. बे.वा.रा क्.बेटा.सुब.सी बेटा.चेट.स.२८स.स.म्। चेट.सर.गी.ला.मे.टाखु.ला.स. ૹ.ઌૢૢૢૢૢૢૢઌૣૹૢ૽ૺ૾ૠૢ૾ૺૺૺૺૺ૾ૺ૾ૼઽૹૺ.ઌૣૡૢૺૹ.ઌ.૾૽ૺ૱ૢૢૢૢૢૢૼઌૢઌ૱ઌૢ૱ઌઌૢ૱ઌૢઌ૽૱ૹ नर्हेन्रहेन्रझ्याधेव्यक्ष्यन्तुन्रस्

યુવાયા. મુંચાયા. મુંચાયા ક્રિયા. તે ક્રિય

र्ने में ने क्रिया क्रिया के कार्य क्षेत्र क्षेत्र पाया में क्षेत्र क् ८८.पळ्याता.क्र्याचळरा.क्रुटा। ट्राट्या.ब्री.क्ष्या.च्रेया.क्र्यंताचटा.क्रुया.क्रुया.क्रुया.क्रुया.क्रुया.क्रुय र्टा वर्ष कर में कि प्रमान के प्रमान कर में कि प्रमान के प्रमान कर के प्रमान के प्रमान कर के प्रमान के प्रमान कर के प्रमान के प्रमान कर के प्रमान कर के प्रमान कर के प्रमान कर के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान कर के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम श्चिलायाच्योबाही लीलाट्राइबब्बायन्याः वीरासह्यायद्वार्यात्रेत्राक्षेत्राक्षेत्राच्याः बटाराः बटवाः क्रिकारावाः ग्राटः स्त्रिवाः तटः भ्रीतः चानितः विदेशवानिकाः व्यवस्थाः विदेशः विदेशः विदेशः विदेशः ग्रीट.तूर्ट.तक्रैट.वट.यक्षेत्र.क्श.लग्न.वाबेय.प्यय.श घषु.लय.प्र मु.मू.लम् सपु.मू. वयः स्वायायायाः वटारा प्रायायाः के राते स्वायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः श्री-क्रूरी योबन-रूप-नु.धु.क्रूब-जीवाय-पश्चिन-प्रपु. विचया-जशास्त्र- अरूप-योबना-श्री-तपु.वैया.वियाया.क्य.विया.ही घट.यार.म्रिश्चरातीयाया.टट.ययाया.यक्ट.ग्रीआश्चारायक्य. यहें ब. थु. ट्यूंब. तम् वर्षं अ. धृंत्रीय वर्षं वर्षे वर्ये वर्षे यान्द्रिः वित्रेषान्तः हेते : यात्रुः विद्यायाः व्यायाः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः रातः र्वेट र्ह्याः तथा टे प्टवाः या वर्षाया अर्केट होट आवव टे याट वट रा विवा योव राते र्ह्यः ब्रूटः क्रुेषासु पार्कुवा र्योत्। अर्देर क स्थिते क स्थाविष प्रतास का क्री पार्वे स्वाप्त का स्वाप्त स्वाप्त स वित्रः धुवा वो दे दि न्दा अर्क्ष के क्षा मुना बदा प्रते वावका सु प्रवृत्त वित्र स्वा

चिवायानापुः स्. चटा. थुं. ची. झ. ची. छवा. चुंच. ची. जीयाया चचेट. चीटा. वाटा. लुच. था. चीया वाचेवायानापुः स्. चटा. खुंच. ची. चीया हुंच. चा. चीया. चीया. चीटा. वाटा. लुच. था. चीया. च

ष्रकूट.त.पटं.यपु.येव्चेयब.कथी वायेषाक्र्याश्चायक्चेम.मू.ह्यावायबा.सू.ह्येवा वार्षेप्त.सी.ता. षर्मू.विष्यवा.वायेबा.क्षेय्.धेम.सि.यी श्रीपु.वायेबा.वार्ड्स.श्लें.ह्या.वायेबा.सु.सू.टा टेट.युट.वायेबा.टी. ूर्ड् वार्यश्चर्यात्राय्य्यस्य स्थात्रेयाः विद्यायः व्याः विद्यायः व्याः विद्यायः व्याः विद्यायः व्याः विद्यायः व्याः विद्यायः विद्यायः व्याः विद्यायः विद

योशतः क्रॅट्रेट् क्र्यां योथतः योथवः त्यां ग्रीटः श्रह्मी अवाश्वः प्रिंट्रेट् क्र्यां योथतः क्र्यां योग्यः विश्वः यो योग्यः योग

श्रीट्यातपु, ट्रिट्टीय्याद्यी पट्टी, वीट्ट क्या चीवाया ग्रीया वीया ग्रीया वीया ग्रीया विवाया ग्री. विवाया ग्री पर्यवाप, पट्टीय्याद्यी पट्टी, वीट्ट क्या वाया या प्रताप प

क्रीट्र अस्ट्री क्रुच्न प्रचाया वया याप्त स्वा । प्यट्टि प्यट्टिं प्रमुद्धा स्वाय्या स्वाया स्वाय्या स्वाया स्वाय्या स्वाय्या स्वाय्या स्वाया स्वाय्या स्वाय्या स्वाया स्वाय्या स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वय

की. अक्ष्या, मी. त्यां चित्या प्राप्त विचा प्राप्त प्

 $\frac{1}{2} (1-2)^{2} (1-2$ 

## र्यो। क्य. अर्ट्र. खेब्र. तप्त. तीय. र्यट. श्रुट. श्रीट. क्ष्य. यपेट. ता

क्य.भर्, खेय.नपु.शुट.ट्र.बु.कु.चू.सै.दे.६.ट्ट.ला.मु.वाध्याग्री.तप्र.टि.कवायातपु.लीजा ला.मैं.मैं.१०.मैं.षुयास्वीयातात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा हिन्स्याः तर्त्रणुः र्यान् केत्र क्षेत्र क्षेत्र स्विता क्षेत्र थिट.शहर.जू.धुय.तमी.४०० द्वा.यय.लीज.ट्रेर.क्य.बाट्र.ख्या.प्ट्र्ट.ग्री.लूट.त.विट्य. भ्रुेभः ह्यचःग्रेः र्थेन्। देः थटः कवः अर्देदेः धुवः देरः भ्रूंबः श्रेटः गृटः विगः धेवः घरः वेषः यः वा च्चा.धर.घ.क्षेट्र.७ब्रू.७ब्रू.व्यू.क्षं.कुट्र.७्ट्र.७्ष्य.तर.वाज.कु.चब्र.९ट्र.चट्र.चर्य धुल-८्रॅंशर्च-वि-१८८-विवाधित-गुर-८-नेश-धर-छि-८-१८ धुल-ठत-८-१० ह्या ह्या वि चवा वाश्वरुप्तः ने देशः भेटा | दरार्चे त्यद्याचेत्रः चित्रः वादः चवा द्वरुष्यः ग्रीत्रः ख्यानः खदः उत्रः य.बुवा.ज.श्रट.पट्टेपू.बुबा.च.क्षेट.क्रंय.चेबा.त.टटा च.क्षेट.टु.ज.चट्टेब.बबा.ट.क्षेप्र.श्र. तीय. ट्रे. ट्रम. चुय. तपथा. चुया बिय. ता. जुया चु. या. तटी. चुंटा। ट्रे. यटा. ख्या. यादा. स्वा. यादा. विवा प्रमेवाबात्तर्यः श्रीटावी साञ्चर प्रेरा दे प्राप्त वावाया वावाया वावाया वावाया वावाया वावाया वावाया वावाय कृटा खेट्रायर कु.र्ट्राय्रायद्रेषाया क्षेर्रायात्रमा न्याविषा खेरा विष्या के स्वाया विष्या  $\text{$d$} = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}$ वयास्तरायाः कुः के दुः तर्जे पार्टा भीत्रा रे के बेर की या पर्शा वार्ष्यापार विवास स्तर देवे वियावितावित्या अधवाय म्यान्त्या सुर्देश प्रविता है स्टूट प्रवित्य विवास स्टूट प्रवित्य स्टूट स्टूट प्रवित्य स्टूट स्टूट प्रवित्य स्टूट स्टूट प्रवित्य स्टूट स <u>तर्केट. रुषा थट. सैयका रु. श्रुट. वी. र्रुवा. घा. व्या. व्या. व्या. ह्र्या. या. र्रूट. ता. ट्रा. सैयका रु. र्रुवा. घा. व्या.</u> WE.भ.जीयात्रम्म सुवात्राच्यात्राच्यात्रम्भ स्वात्रम्भ स्वात्रम्भ स्वात्रम्भ स्वात्रम्भ स्वात्रम्भ स्वात्रम्भ स लट. सैचया र हूं ट. तपु . टट. टी. लजा जावटा तपु . व. ट. जया वार्य्य . विवाया मैया है . वे. या चरारी व्यास्त्राचार्षेत्र श्चिराश्चर । यहार क्षेत्र विष्याः विष्यः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष तीयायायहेबातपुरम्नेययासूटाययाम्याटायहिबाच्चेरातास्त्राच्यायाटायहिबाच्यायास्त्रा पायदी भेषाद्वीषाया वाया केवारी सेत्।

ट्रे.लब.वोल.कु.च.चेब्रा-ट्रिय्राना बुवा.ब्री ट्रान्तव सूट्री.जू.जू.ब्रीयाववा.बट.ड्रे.खेट्र.क्वर अर्ट्र-प्रवित्या वित्वेत्रप्त्व र्रे प्रतिया यत् श्रुया स्वार्थित वित्या स्वाया अर्ट्र.पिश्रम्प्तिताची.वटायोश्माविटाव्र्ट्माञ्चर्म्याञ्चर्म्याच्याचीताच्रिताव्र्याच्याचीताच्रिताव्र्याच्याचीता र्यट.री.विश्व.तपु.श्व.विश्व.री.र्या.वी.की.ब्रिय.र्यट.वाकुवा.श्रक्ष्ट्रश्वाविष.येश्वय.राज्ञा भैतमार्ट, र्वा. में. त्र्रा. र्वेच स्त्रीयमा श्री. र्य. रायु. स्र्रा. स्था. स्था. स्था. र्या. र्या. र्या. र्या योट. खेवा. बट. खेल. वोट. ब. खे. औट. बोवाबा. ब्ब. टे. व्यं चे वा बावाबा. ब्वं टे. व्यं टे. व्यं टे. व्यं र्या. प्राया प्राया विष्य के त्या के त वयानेते औट और अर्देव पर गुरु पा है। ने वे गाई र्वे या पर पर पर पर पह निह र पचुल.मु.कूब.धुट.कुवा.स्टी अमूब.तू.पचु.वीट.त.टट.झैब.इ.म्ववाब.त.पचैंट.वाबब. ब्र्यायान्यो.पर्य ही.क्र्.पक्र्.पक्री.पर्थं.पर्थं.पर्थं.क्ष्यायानपुर, ही.क्र्यं.त्र.त्र.त्रीता प्टर्यातानीयाः कृता श्राप्तार्यात्रेयां ग्रीयायात्रायायाः स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः क्र.त.पट्र.लट.चेष.मे. सेच.बाबाब.क्र.च.लूट.पट्वा.ला ट्र.टवा.वा.त.लीज.लट.शट्र.पिश्रय. प्टर्यामुः सिया ताया मृत्या प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप् कु.चथ.रेचिथ.थे.धुनथ.सेचथ.त.तीज.पर्च वयालुच.त्रम.झै.ट्य.प्रेटी झैच.इं.रेट.क्रीज. श्रावरः झ.त. क्ष्रायाः में अत्रात्ती त्यात्या अत्रात्ते त्यात्त्र व्याप्तः क्ष्रायः हिता व्याप्तः स्वाप्तः स्व चर्चत्र चॅति :भ्राचकार्ये :र्बु: च : तत्व : का रहे : का दा की का की :भ्रान् : माया वा कर का टार्स : व्या की :कु शक्य. ग्रीय. ताया प्रटा संघाता राष्ट्र अक्टि विट्या ग्री. पट्य आटे. ट्रेट ग्री. ट्यट प्राची प्र यते तत्व विवारत्व योव यते तेषाय वाहव वर्ष येत्।

ત્રું. સ્વાન્ય ત્યાંયાના ક્ષેત્રનાથા ક્ષેત્રનાથા ક્ષેત્રના સ્વાન્ય ક્ષેત્રના કષ્યા કષ્યા કષ્યા ક્ષેત્રના કષ્યા કષ્ય

प्रमे.क.ट्यी.पर्छ.क्षा.क्षुत्र, हुन.क्ष्य.प्रमा.पहूच, हुट्, ता.क्षेत्र, सूट्री भूत्र, त्यावय, हुन.क्षेत्र, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, क्ष्य, त्याव्य क्षय, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्याव्य क्ष्य, त्

यधिराताक्षरान्या ब्रिट्रायट्याक्षरान्याच्याः स्वारामानुकालेकाम्यक्षण्याः स्वाराम्यक्षरान्याः स्वार्म्याः स्वार्म्याः स्वार्म्याः स्वाराम्याः स्वाराम्यान्यः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वरायः स्वर्यः स्वर

क्रिट. क्राट. क्रेब. चेटा ब्रिंग. क्रिंट. च्रीका विट. प्रत्याका क्रेया जा क्रिंट. च्रीचा व्या क्रिंट. प्रत्याका क्रिंट. च्रीचा व्या क्रिंट. प्रत्याका क्रिंट. क्रिंट

इ.प्ट्या-ट्रांजा-मै.अक्ट्र्, पविट्या-था-युं-क्ट्र्टा-विप्-लयं-जयो-के.से.चुंचा-ये-केंट्र-द्र्या-प्ट्या-थाक्ष्य-इ.प्ट्यं-ट्राकु-पविट्या-था-ट्रे-क्ट्र-विप्-कें-ट्या-ट्र्या-पट्ट्यं-चेषा-पे-ने कें-अक्ष्य-ट्र्या-थाव्या-तपु-विद्या-मेच क्ट्र-वि-ताना, जुषा-भेट-विवाया-थे-कट-क्रुय-ट्रा-केंट-केंट्या-ट्रिया-लीजा-युं-क्ट्र-विप्-लयं-वि-ट्रा-व्रा-युं-ट्रा-तावा-कें-से-चेषा-तुंया-पट्ट्या-त्रा-कें-त्र-कें-त्या-ट्रा-स्य-व्य-लीजा-युं-क्ट्र-विप्-लयं-व्य-व्य-ट्रा-कुं-त्या-कुं-ट्रा-त्या-कुं-त्या-त्या-त्या-त्या-त्या-त्या-व्य-त्या-व्य-त्या-व्य-त्या-व्य-त्या-व्य-त्या-कुं-त्या-व्य-त्या-कुं-त्या-व्य-त्या-कुं-त्या-क्य-व्य-त्या-कुं-त्या-क्य-व्य-कुं-त्या-कुं-त्या-कुं-त्या-क्य-व्य-कुं-त्या-कुं-त्या-कुं-त्या-कुं-त्या-कुं-त्या-क्य-कुं-त्या-कुं-त्य-कुं-त्या-कुं-त्य-कुं-त्य-कुं-त्य-कुं-त्या-कुं-त्य-कुं-त्

चिट्यक्ष्ययान्त्रियान्त्रियं क्ष्रिं यक्ष्ययान्त्रियान्त्रियां मित्रान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियाः विद्यान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियाः विद्यान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियाः विद्यान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियाः विद्यान्त्रियान्तियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्तियानियान्तियान्तियान्तियान्तियान्तियान्तियान्तियान्तियान्तियान्तियानियान्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्तियात्

नेषात्र क्रवा अर्दे खेषायते अट वी वादवाषा वाले हो पाळु वालेषा तर्षा अर्दे हे धेत्र त्या र्यः यया. शुरु तर्रः क्रयायः ग्री. जीटः कूटः क्र्टः जूरः क्रियः री श्री. टेट्यः रा. जया स्डी. ट्राया रा. य ष्रार्ट्-रु.घ्र्यानविटा। रु.घ्र्.ट्यार.त्.पर्या.योक्ष्या.लुवा.लुवा। व्यः स्थ्या.थु.पर्यीर.योवया.यालुवा।,, बेबात्त्रः देंब्रषायत्त्र्वाः वर्षे देंदि वेद्येदा केद्वा याद्वा प्या विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय वावकावाविःवार्द्वः र्वाः क्षेत्रः व्याः क्षेत्रः वयः प्रतिः वावका प्रमुन् र्वेन् प्रतिः वनः वकार्रः र्वे ः नृगरः र्रातः वाब्रबास्याया प्रवास प्रवासितः विष्या विषयः श्रीट मियाया के. पा स्थाया रूट् र तर्दे र या सुर्घ र विदा । स्था र पर र विदा से विदा से विदा से विदा से विदा स त.मूंज.क्ष्ज.वर्षट.तपु.वर्षेष.वर्ष्य.मैथ.पूथ.टट.क्र.मूथ.चुवा.लुष.जी होष.स्.धे.वग्र.२. स्वायाश्यु वारीटारीया. म्या म्या म्या स्वाया स्वाया स्वाया म्या स्वाया मिर्या स्वाया मिर्या स्वाया स्वाया स्वाय यर्र्-र्त्व। र्य्-य्रायः विद्-र्याः वी र्यः स्वार्-र्यः स्वार्-र्यः स्वार-र्यः यस्त्रः प्रम् प्रम् प्रम् प्रम् ८्याप्तात्त्र्यः श्रम् प्राचित्रः व्याप्तात्त्रः त्याप्तात्त्रः त्याप्तात्त्रः व्याप्तात्त्रः व्यापत्त्रः व्यापत्तः व्यापत्त्रः व्यापत्त्रः व्यापत्त्रः व्यापत्त्रः व्यापत्तः व्याप ष्रपु.सैप्य.लुब.र्यूब.तब.थ.थावाद.जु.राषु.सूर.कि.सूर.वी.कूब.बय.लुब.तर.ट्ब. पहूर्य मुट क्र्या तात्रा चटी सेंचया है. ट्या मि. कया अट्रुप सिंजा है राष्ट्री साथ होता है है. श्रिट.यपु. ह्रब्र.चेज.बर्सूट.य. ब्या. था. त्या श्र. स्वाबा.ट्रे. द्वा.वी. येब. क्रिट.वाट. खेवी. स्त्रीय.त.र्टा सीजार्ट्र, क्षांट.वीट.बुवार्ट्य्ट.ग्री.सूर्टाता.बूवाया.ग्रीट.चुयां बीटातपुर क.मुवे विग'न्रभुव'राधिव।

ल्याच्यात्मान्त्रम् श्री स्थायाः श्रीयाः स्थायाः स्थायः स्था

$$\begin{split} & - \underbrace{4}_{4} \underbrace{4}_{1} \cdot \underbrace{4}_{1} \cdot \underbrace{4}_{2} \cdot \underbrace{4}$$

प्याःश्रमं छुटा। यथिं याच्यां ता.पंचीयां ता.मूं. योश्याः "चि. यशुः प्रमान स्थाः स्

ત્યાર્ક્રમ.વ્યાત્રેમ.શું, જ્વાના વેશ્વમ્યાં સ્થાના ક્ર્યાત્વે સ્થાના ક્ર્યાત્રે સ્થાના ક્ર્યાત્રે સ્થાના ક્ર્યાત્રે સ્થાના સ્થ

ह्येर-क्रव-अर्ट्र-बेश-तपु-श्रट-ह्य-ल्प्न-ता-ल-ह्ये-ल्प्-श्रेर-क्र्य-क्र-त्य-ह्य-ह्य-ह्य-ह्य-क्र-त्य-ह्य-ह्य-ह्य-त्यात्र्र्वि, यास्याने चित्रां सेस्याने राचनतात्यात्र्वे वास्यान् सेतास्या प्राप्ताने वा कुटा ट्रे.लटाइ.स्थ्रमाग्री.की.विषापर्ये अर्द्रायाचा स्थाप्ती.लूटाताच्ये विषाप्ती.लूटाताच्ये विषाप्ती.लूटा र्यं त्रींट. ट्यूंय क्री. पर्ज्या श्रट. क्या अर्ट्र. ट्यूंय क्रुय ख्रेया त्यूंट पा क्रींट ख्रेट । द्रुया प्रया र्वा.पर्येथ.लट्थ.तर्युथ.स्व्.र्यूच.झ्.म्.स्यूप्.वार्ट्यूय.ल.पर्वाय.ता.क्षेम.पत्रुल.क्वीय.वी. रा.८८.। यर.विश्वयायद्वेष्यं याप्तः भूषे यो.पत्तवीषा.कृषे तत्त्वीया.कृषे तत्त्वीया.कृषे त्याची विश्वयाची विश्वय श्रान्त्राच्यायात्रात्रे क्रियाचीत्रात्री हो याव्यास्य सुन्याच्या चित्रा द्वार्थ स्था स्था स्था स्था स्था स्था मैव.पर्वाबाताः क्षेत्र. ट्रे. ट्वा.ज.वीबातपुः ट्रेव. ट्रे. लीजाजा. ब्रे. बाचिबावबाट्या क्षेत्र. क्या चबुबर्-र-पाची तस्त्रेबर्-थन्नर-स्त्रुबर्-श्रव्यः श्रव्यः व्याच्यः व्याचः व्याचः व्याचः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याचः व्याच्यः व्याच्यः व्याचः वयः वयः वयः वयः वय ष्रमृषु तीजा क्य ष्रमृषु हो सूर्याया स्वायाया कु त्यर प्रमृष्ट त्य ही क्य अर्मुष्ट या त्य रचया.रंजया ,,शर्ट्र.पिष्रया.तीजा.र्जूट्या.षाड्या.तपु.ची.याकुया.या। जियाया.याचेया.ट्राजा.वी. त्र्राप्तवीत्यात्रिः त्वी अर्क्त्र त्राया। येवाया द्वाया स्वाया अर्थे व्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय चयः श्रे. त्या प्राप्त प्र इंश. युरायायाया विटा इंटा टेरा ग्रायायाया प्रिंगा " देश यात्राह्म या विटा द हिंदी रे विटा म्बेय.यह्य.तर.वियातपु.मोथ्य.क्षेत्र.पहूत्र.यपु.यह्य.यपु.यह्य.प्या.तयात्मेता.हे.क्षे.तीता.क्षेय्य.क्षे. यम्यायाः कयान्त्र्वात् चुरावार्षायाः चीताः विद्यान्त्रात् । चात्रायाः चात्रायाः चात्रायाः चीताः यव तु'यम देट द्'र्सेट प्व दे दिट क्वम खेष क्व क्व स्ति से से से से दे स्पर्द क्षेत्र से से से से से से से से स

तर्भिर.धूर्। तर्भिर.धूर्याचेश.ब्रह्में तर्भिर.पुर्वेत.व्याचेश.ब्रह्में तर्भिर.पहूर्य.व्याचेश.वित.

ट्रे.क्षेत्र.तायाट.व्येष.चेषाया जम्मेलायकूवा.चभ्रेषा.च वटा.मी.अकूपु.व्येशिट.तिज्या क्षेत्र.बाट्र्य.तात्र.पत्तवीय.ता.पहवा.वाव्यंत्र.क्षुप्र.च्चा.क्ष्य.वाव्यवा.वाव्यवा.वाव्यवा.वाव्यवा.वा पि.रा.कुर्य.सूपु. सुट.जियोबा खे.शुर. मुी.कूर्ट.तय.पक्षट. तपु. तक्षेत्र.ता. सुव.सू. कु.शर्ट्र.पिश्रब. मुः बूट्यासुः त्रेया बेटा मुयापि पवि हेत र् मुस्या स्टास्य स्टिस्य स्टास्य स्ट शु.चीवोबाना, खुबारटा थु.र्यटा.बू.कै.यपु.वोधेब.कुवोबा.र्वेजबा समूरीवश्वासीटा र्चेत.पे.चोवाबात्तपु.सूर्य.कुष.तूपु.क्षेताविष्ठां श्वीता खे.चे.सूर्य.सूर्यात्वे तक्ष्यात्वे स्त्रीय.कुं.हु. क्रेट्र-पति:म्रि:कॅत्रअ:मृति:हेत्र-स्न:सु:ति:वे:हे:चट्मा:तेट्र-क्रेत्र:देति:म्रुम्आश्वरायते:दर्रः क्रव द्वा वी वट क्रव चिट लेलल प्तर्वा वेट क्रव र्रा नेल रच प्तर स्वा चार प्राप्त स्वा प्राप्त स्वा र्यायः स्वाक्ताः अर्दे विषयायाः मीतः विषाः स्वायायायायाः तर्दे वित्रात्रः क्षेत्रः यरः क्षेत्रः त्रवे.तमुःवे,तरःत्रविरःश्चेतःवःतःलगःग्रीःयर्वरःस्वःवअग्रग्निरःश्चेरःतरःययेवःश्वेशःर्वः वयानम्बर्गातिकास्यामुन्तान् व्याप्तान्याः वेयान्ता वर्षान्यान्यः वर्षान्यान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः व २१८७४। "र्यट्-ट्-र्यट्-क्रेब्र-र्यते क्रुब्र-प्रियापम्यास्य स्याने वाकार्याः वाक्रियायायाः क्य.भ्रद्धातीलारी.खे.भूर.प्रटाजीयायायतुलामियाग्री.योखी.पह्स्य.चेश्यतामीटाख्या लूट्याश्चाचोबातापुरक्ष्याङ्गाकुवात्तापद्मात्त्रीत् भुत्राङ्गार्थ्यात्रह्मावाद्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या त्राचिषाः पर्दराविषाः ग्रीषाः परुवाषाः भविषाः वर्षावाः द्वाः पर्दाः। वाष्ट्रषाः पर्दे । वर्षाः पर्दे । वर्षाः र्चेता.व्रीया.व्यात्त्राच्याच्याया.च्याः व्यात्त्राच्याः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्य चन्द्रम् । त्रीयः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विषाः त्रीयः चन्नेत्रः विषाः विषाः विषाः विषाः विषाः विषाः विषाः थे. चेष. में. च≡ट. चक्षेच. तपु. अर्गूच. त्रुंच. वीशेट. ३३ जन्न , सूर. टिट. त्रूंट. कुचे. त्रुंच वेष. शे.  $\angle \beta . \Box g . \Box g$ चीं त. श्रच त. मुंग. भीं त. भीं भीं था. कुर्य . दीं या. त. प्रिया व्यव या. कर्त. अट्टी . विश्वासीया . पर्यो . तर्थे . क्ट.च थु.स्थय.ग्रीट.पह्ना.स्थ.तपु.क्ष्त.जीयाय.ज.चीट.खुट.ट्श.तपु.क्ष्य.ग्री.झैट.च. कुष.कुर.प्यर.पष.पक्षेष.त.ज.बीषात्। रच.पे.बैंट.च.बार्डिबोषा.चर्षेष.क्षाजालट. पगुर-पर्वेष:वेब-पुःके:प| पश्चब-पःश्चे-प्-ाधु-पर-हे·र्स्ट-वि-पर केब-पेंदे:पश्चब-पःवः

ખયા ત્રેયા ધિયા વિત્રામાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામ

च.ख्रिचालुची ट्रे.श्रुच .चाळ्च .चाचच .ट्टा चि.द्रचीका थे.द्रचीका ख्रांक्र्योयाः ग्रीटा श्रटा त्यूर्टी व्याच्यां चिता चि.द्रचीका श्री प्राचिका श्री त्याच्यां श्री त्याच्यां स्ट्रचीका श्री त्याच्यां श्री त्याच्यां च्याच्यां त्याच्यां त्

वयः क्रि. थेट. ग्रीच . थे. में चावायः सा छ्वा क्ष्यं . श्री . चेचा चिर . ये . चेचा चार . चेचा . क्ष्यं . ये . चेचा . यं . चेचा . च

२०० क्षेचा. व्या प्रवाय प्राप्त क्षेत्र चित्र क्षेत्र प्राप्त वित्र क्षेत्र प्रवाय प्राप्त क्षेत्र प्रवाय प्राप्त क्षेत्र प्रवाय प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य प्राप्त क्षेत्र क्षेत्

 $\frac{1}{2}$   $\frac{$ 

ल्ट्रियान्तर्त्राह्राव्ये०० ईवा.वी.ज्राक्रीयाह्यी घटाट्ट्रेयास्वेराक्र्यायात्रेटास्र ન્યૂખ-ક્ષેત્રયાનું ત્વું, ક્ષ્યા વયાવયાનું સાંગુ ત્રાગુ ત્યા ત્રાગુ ત્યા ત્રાગુ ત્યાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્યા ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્રાગુ ત્યા ત્રાગુ ત્યાગુ ત્યા ત્યાગુ ત્યા ત્રાગુ ત્રાગુ ત્યા ત્યા ત્યાગુ ત્યા ત્યાગુ ત્યા योबायान्यतुः निवाः सूनः ग्रीः चयाः चर्म्बान्ना व्याः १७७०० व्यानः स्रीः विस्वायः विताः नुः चर्द्वः व्यतिः र्यःग्रीःचवाःचर्म्यःहःर्म्यःद्रः कः क्रः क्र्यःभ्रवः पाववः वायवः देः अद्देःचवाःचर्म्यः देः अं परुषाताः श्रुष्ट्र स्वाची वट में व स्वाध्या स्वाधा प्राचन स्वाधा विषया स्वाधा विषया स्वाधा विषया स्वाधा विषया ग्री.चित्रयाः भ्री.कुष. सूर. वोष्ट रूपुष. तर्ष्य. त्रूपु. देया. ग्री. वेष्या. पर्वीर. कु. लाट. ष्राट्यी ज्रा. वी. चीवायाक्य.चु.ऱ्.व्.च.चूर.चैया.चु.जूर.कु.चव्य.चीया.मैया.क्र्.च.ऱ्र.दे.वीया.क्र्याच्य. र्र. व्ययु. सिवा हुवा सूर्वायाचार यम विया क्या यार्ट् वया यम स्ववा ही खा ८० क्र्या प्रयो शर्व्रतः। व्रिटःक्ष्यः वृयः यहवा विषा अधरः स्वाः क्ष्र्यः ने । त्वाः क्ष्रेयः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्य द्याप्तर्यात्राह्यायह्याय्यात्राह्या अपयान्त्रायाय्यायाय्यायायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्याय्याया प्रथमान्यः स्वामान्त्रेतात्रः स्वामान्यः स्वामान्यः स्वामान्यः स्वामान्यः स्वामान्यः स्वामान्यः स्वामान्यः स्व ज्र-क्रिया अर्टे ह्रिट हैं विध्य स्तर्भित हैं तिया भी हैं दे तिया भी हैं दे तिया भी हैं दे तिया से क्रिया विदेश योचुम्रान्तायव्यायोचुम्राताबुनातह्याचुन्तर्तान्यतान्त्रताव्याच्या योवयःलट.चूट्.ग्री.जू.क्य.चूर्या.विश्वयाग्री.वोययाक्ष्य.कुय.चुय.क्य.चार्यायायाता.ट्र.ट्या.श्रट.क्र.च. क्य.शर्ट्र.पिंज.र्ट.लूर.कुर्ता वार्षेत्र.लूर.ट्र्.शक्र्य.कु.चपु.र्चवी.र्ट्र.चीवीय.रूप्य.यूर्य.यूर् ર્વયા ભૂપી ત્રોવયાનું સ્થાયા ત્રામાં સ્થાયાના સામાનું ભૂપાના સામાનું ભૂપાના સામાનું ભૂપાના સામાનું સ यटे.र्चय.म्री.अक्ट्.र्ज्यातपूटी.तपु.र.पूर्वा.अक्ट्र्स्टा तीजार्जूट्या.पुच.में अस्यावर अक्ट्र्यु बट.र्.क्.च.रट.थे.मुबाबाबट.यपु.र्ताय.चूर.ब्र्ट्बाग्री.पुरेख.बाक्क्षी चुब.मे.रीटबाजा शवय.पषु.इन.वट.गुबाचमुब.पदे.श्चर.पवाषा.चर.हुंतु.मैंट.ग्री.पर्वेश.वक्ष्.चुर.टा.लूट. इं.ब्रिट.वी.चर्यर-क्रिय.शट.त्.क.वर.पह्चया.मुट.तुर.द्वट.रच.मे.पत्र्वा.तपु.ट्वता. ययर.मी.अक्स.र्यार.वया.स्र.याश्वेषा.र्टा व्यायप.र्टीट्यामी.मी.सर.मीश.रा.पावेष.री.स्. अर्ळरळे.पपु.क्रं.रूट.व्रिट्य.ग्री.क्र्रंय.अ.पुर्य वियावी.व्रा.अळ्.क्र्याया.लूटी

क्य.भट्र.पिज.थु.क्र्य.जीवाबा.ग्री.बीय.भघर.भट.यपु.लीज.बी.खुवा.लुवी वाट्र्ट.अपु.सूच.ग्री. क्र्यालियायात्रयात्र्यं त्यक्षिं विष्यात्रियात्री स्वीता अघर विषया वी त्यूचारा रे त्या आयात्र विष्य त.श्रेटी बीच.श्रवर.टेवे.वे.त्व.त्.टेट.। क्वेट.श्री चयाय.चकैटी ब्र.श्री ट्यो.खेयबा लु.वी षि.कु.ध्योषालूरी त्र्रात्व्य.त्र्यु.स्वयस्याये.व्येष्यात्यु.यव्याय्यः स्वयः पर्वेषाल्यः पर्वेषाल्यः स्वरं स्वयः स्वरं स्वरं स्वयः स्वयः स्वयः स्वरं स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वरं स्वयः स्वय दः अर्थ्यः ग्रीः पर्द्धियाः लया। प्यतः अतः र्दाः नतः। यः दः द्विषाः स्र्रेतः स्रुअः स्र्रेतः यो। र्योतः स्र्यः स्रुतः प्र चीवाबा स्नेटावश्वराधिजामी. त्र्यं र्यूष्य कु. सूबा रटा त्र्यं अवाबा क. क्ट. सूबा राव्यराधीय त्रा कु.र्वेग.र्व्या प्रांथ.प्रांप.ट्येर.तपु.थ.र्व्यूय.प्रांथ.प्र्यूय। क्षेया.लेट.ट्यांप.ट्येंट.तपु. बार्चाव क्षेत्रा खेट र्वाव पार्ट नेते स्वार प्राप्त प्रमुद्ध स्वार स्वार स्वार प्रमुद्ध स्वार स्वार प्रमुद्ध स तपु.श.ट्यूच.मु.मु.ट्यूची पर्चू.श्यूच.पत्याबात्मात्रात्रात्रियो.ययेच.तपु.ह्यट.भ्री.ट्यूची स.र. न्व्य ता. स्वाया ग्रीया स्वीया मित्र र्र्रिट्रें मुंग्ने वार्ष्यात्वा अर्केट्रावट्या क्षेत्रावट्या क्षेत्रावट्या क्षेत्रावट्या क्षेत्रावट्या क्षेत्र स्वायाक्षरात्रात्री १८३० स्र. टार्ड्स्यातप्रायाक्षराविताक्वी. ट्वी. खेवाया ट्व्यूय ता. क्र.स्या क्य.भट्र.विश्वयाता.मुट्र.टे.मं.झैल.दुशादा.स.ट्र. ची.क्ट्र.विश्व.स्ट्री ही.स्. १८०० व र्यर प्रबेट्यर गृत्र परे ब्रीट वी विंद्य वाहें वाय प्रतर वेंद्र प्रवेंद्र प्राप्त । देवेंद्र प ८८.कि८.घवो.थु.४८.टाषु.४४८.अकू८.सुय.वी.या.खु.४८.५५ क्षेत्री.क्ष्या.चुया. ल्त्राचार्यात्राच्यात्राची वाद्यार प्रिया स्त्री वाद्या प्रिया स्त्री वाद्या प्रिया स्त्री वाद्या प्रिया स्त्री

$$\begin{split} & \text{$ (a.g.\,\vec{z}.\,\vec{r}.\,\vec{r}.\,\vec{r}\,\vec{u}\,,\,\vec{z}\,$$

क्य.भर्षुपु.जवा.क्ष्यायञ्च्र.जया.यु.त्याचीत्राचीर क्रें म्यूय ग्री विट.क्र्यास्य विटावययावितारी. चषु.ज्.ब्रैंब.क्री.क्षु.वोष्वय.थी.क्षी.न्त्रात्ती वोष्य.र्थेब.र्यय.वी.र्यट्रा. वी.ह्या ह्या.ह्या ह्या.ह्या ह्या.ह्या चरुषाराःगास्रायिताम्। विरायोः विरायोः मास्यायिताम्। मास्यायिताम्। द्वारायोः द्वारायाः स्वरायाः स्वरायाः स्वराय चर्य-चक्कि-चक्कि-चक्कि-इवा-वी-लॅ-क्कि-ल्रा- द्वा-चर्य-चक्कि-चक्कि-चक्कि-च्या-चर्य-चक्कि-च च्रेय.क्ष्य.वर्षिषाः चैट.च.प्र्ट.क्षा.तयः क्रूच.षदः श्रेच.जवायः टटा श्रेच.वायरः जवायः ग्री. श्राट्याबिते : व्या क्षा वया यो बिया विषा से खें याष्ट्र याष्ट्र या सिंद हो या यो खें याष्ट्र से स्वा क्षा या य याबर.रे.वार्ट्रेट.राब.पाश्च.सेर.चुब.चे.च.चैंट.डें.तूट.ग्री.घट.वा.पचु.जवाब.वाब.कुर.खेवा. क्र्यं अर्ट्यं स्थात्रात्या व तच्यु शियातियात्यायात्र्यात्र्यं स्थितं वीवयः लट.जू.क्रिंथ.ग्री.टिशेट.लुवा.ये.प्यूट.वायला.क्षेत्र.यी भाषाःभ्री.ह्येट.वायुवारायाः की.वार.टिटा चल.तीज पर्चिव.तीज झे.ब.ध्वाबा.टट.मी.चवा.चबा.प्रवासप्याच्यू.घट.त्.यर्झेबा.चबा.  $10^{-10}$  प्राप्त कि  $10^{-10}$  प्राप्त क चरुषातपुः चर्चः च्रुपः भ्रूषायायन्तेषः वषाक्षयः अर्चः मुषासुः च मुषासुः च क्षासुः वषा ८८. व्ययः भेट. जाविया पर्तयाया वि. तपुरा श्री. स्वाया भीया त्रीया व्यव्या व्यव्या भीया विया व्यव्या विया विया अह्र्ट्र-ट्र-क्रें-रुअ.पथुष.क्ष्य.शर्ट्र-विज.वी.जवी.पुष.पर्झ.जथ.पी.ज्रु.व.क्रि.ट्र.श्र.प्रवाय. - $\sqrt{2}$  $\sqrt$ क्यः अर्दे। तियाः क्षाः या चर् । अर्क्षः क्षेत्रं य निया निया माना स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स तपु.विज.र्यट.विय.वेश.लूर्यी

## गर्द्या पिर्चे प्राचित्र क्षित्र ही प्रधित्र प

ह्येर तहिषा हेत्र क्ये प्रमायम् तिर भ्री क्षे क्षे मंत्र त्या क्षेत्र चीवाबाताची मुश्रमान्छव्याची।पूर्वातप्रतिवाबात्यात्। मर्गु खिंबात्यात्यात्रात्यां मर्गु रचयाचित्रस्ते ख्यायान्ता क्रूंताचे स्रोताचे स्रोताचित्र स्रोताची ख्यायाची स्रोताची स लट.चर्झ्य.य.लूट्य.चीवाय.थर्झ्ट्.यय.चर्चट.क्षेट्य.ट्ट.। टेच्.यवा.शुखे.उट्.कवाय. लय.यचट.क्षेट्या टु.जय.यावय.राषु.यचट.क्षेट्य.यायीश.टी.यर्क.क्र्या.क्षेत्रा व्र्या.यप्र. बुबारायु मा क्षेत्राया विवाया वा तर्नाया मार्चा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा विवाया विवाय क्षा क्षा विवाय क्ष मिट.वाधुकारा.क्ष्रकाता.क्षर.क्षा.पट..व.कि.क्षा.वर्षिट.वाचूट.वाखु.क्षा.कु.खुका.कूवाकारा. धेव हो दे ते द्राप्त "पञ्चल प्राप्त द्राप्त के क्रिक्ष स्थाय विष्ठे स्थाय स्थापनि स्यापनि स्थापनि स्थापनि स्थापनि स्थापनि स्थापनि स्थापनि स्थापनि स्य पूर्ट.र्टर.प्रथा. में राष्ट्रिय. अया ग्रीया तर्ष्ट्र. बुटा दिया सूर्याया सुरायाया स्राथाया स्राथाया स्राथाया स पर्ट्र-इर-नेट्-तपु.योवयाः श्रेनयाः श्रे.युक्रयाः कवः वृषाः पर्वेषायाः प्रान्तः। हिनः पह्नेवः वृक्षयाः वयायतः विवार्भवायार्भः प्रमुः प्रमुः प्रायः स्वायः ग्रीया वर्षः विष्या प्रे हे प्रमुः स्वयः र्क्ट्र-र्ज्वा छेषाच्यात्रप्राच्या र्क्ट्र-र्ज्वा छेषा तह वाषा राप्टा व्या विवाप र्व्वा ता र्व्वा ता स्वाप्त स ह्रे.च=८.च.¥श्रम.ट.मैज.मैश.तथ.ऱ्.ट्.ट्वा.चेच.चथ.र्ह्वा.च्ह्य.मी.मैं.ट्वा.उट्ट्य.तथ. ब्राङ्की: त्वा रुव वेषा चन्नवाषा या नृता नृते हेषा सुग्नु । त्वा हे । त्रा वेषा या वेषा स्वा स्व र्क्याबेषायते :त्रषाक्रेट् केटाटे प्टावे प्यराम्बर्षाया क्ष्रषाया क्रें का क्षेट्रषाया ह्ये वा क्ष्र

योच्चयोबान्तात्वक्ताःस्। ब्री.कृषः पर्विटः म्वेबानाःस्य पर्टः त्याः स्टिटः चटः श्रः अविषः नपटः सूटः नवः प्रेटः देः न श्री.कृषः पर्विटः म्वेबानाः सुष्यं पर्टः त्याः स्टिटः न्याः श्राच्याः न्याः न्याः न्याः सुष्यः प्रविदः सुष्यः सुष्यः स्वावः सुष्यः सुष्य

यः अटला प्रहेवा ट्टाइटि टा एक्. चपुः अट्ट् स्वाका की. वांच्याची वाका त्य राषक्ता स्वा चक्षे. ट्यूका सुटा। कैवा त्य र हु. केय हुट त्य र क्षेत्र खुटा हा सुका प्रमूट च ट्याप . त्य सोवाका जा चूजा क्ष्या क्षेत्र स्वाका प्रमुट त्य से अवस्व स्वाका चुजा क्ष्य त्या हुं से ट्यूका की. त्य सोवाका जा चूजा क्ष्या क्षेत्र स्वाका प्रमुट स्वाका हुं प्रमुवाका चुजा अवस्व त्या हुं हुं हुं से संभवा की. वाका प्रमुट स्वाका वाक्षेत्र सुवा का त्या क्षेत्र स्वाका क्षेत्र स्वाका चुजा अवस्व स्वाक्ष्य हुं से स्वाका क्षेत्र स्वाका क्षेत्र स्वाका क्षेत्र स्वाका चुजा स्वाका चुजा स्वाका क्षेत्र स्वाका क्षेत्र स्वाका क्षेत्र स्वाका क्षेत्र स्वाका चुजा सुवाका चुजा स्वाका चुजा सुवाका चुजा स्वाका चुजा स्वाका चुजा सुवाका मुवाका सुवाका सुवाक

बेर-पुःश्वेत्। तॅत्वे, प्रायाबेर वे स्या दे त्याञ्चवा प्राय्वेवा कुःश्वेत्। दे त्यायेर सुः प्राया प्राया ब्रुट्मी ट्रे.ज.च.ब्रू.क्रुं.ब्रूं.ब्रूंट्मी ट्रे.ज.ब्रुंज.च.ब्रूंब्र.ब्र्य.ब्रुट्मी च.ब्रू.ट्ट.ब्रुंज.च.चर्डूचब्र.च. ला। अक्स्. श्र. जून. द्या. विवा ने . ल. खेन वाया शु. कवाया झून. ने . ल. ह्या ह्या न . स्था यपु.बट.चेट.वी चि.धैवी.ट्योप्.बवी.विधेश.ब्रुट.त.जी ब्रैट.व.पूर्ट.र्जव.टट.। श्वेच.ता. इर र्षेथ विश्वासी क्षेट श्रेथ विश्वासी स्थान होता है। स्थान ड्रियाटी तद्विः क्षे प्टान्ग्राम् संयाया स्थान्ता वया संयाया तदी वि संयाया स्थिता यो स्थित ल. सूर्यायाता वार्श्वा किंटा घष्रया २८ . सूर्याया या प्रचार १८ . सूर्याया ४० ह्या त्रत्रात्रम्भन्यत्र्रम् । "त्रम्भवारार्म् वर्षे ग्री प्रत्या थे वर्षे प्रम्या वर्षे चवा.र्टर.अष्ट्र्.वाध्यातपूषाताला लाअष्ट्यासी या.सीया.सीया.सीर्या सी.या.र्ट्र.से अया.सूर र् तर्रमा र्र क्रिंट निष्य राष्ट्रिया राष्ट्रमा व्यास्त्र विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य <u> કૂચ.ત્.કૂખ.વ.ખથા ત</u>ીયા-છુવો.<sup>જી.</sup>કીયા-થેખ.ચૂ.સુટી ગુટ.ત.ટુ.વાયુબ.કૂવોય.ત.ખથી ગુટ. <u> र्यारा श्रेंका हे दिन र्यारा श्रिश्च रेन्द्र र्यारा ७१३, रचका वावेब उथा ही त्राधिका विभावेका अप ही त्राधिक र</u> भीणा अधिय तस्या मी हो नीया क्षा अर्थेय तस्य हो। तार्ह्य स्था तत्रिय स्था नीयाय अर्थे मीयाय अर्थे स्थान स्था नीयाय अर्थे स्थान स्था निर्माण स्था निर ત્રીજ્ઞાં ક્ષે. છું. જાતના જા. શૂર્ય લીચ. જા. ક્ષેતા. શૂર્ય તીનુના ચ. ન. જા. (તે નિ.સ. શૂ. ને.તા. સૂ. કૂંત. શૂ. ને.તા. સૂ. કૂંત. શૂ. ને.તા. શૂ. કૂંત. શૂ. કૂંત. શૂ. ને.તા. શૂ. કૂંત. શૂ. ને.તા. શૂ. કૂંત. કૂંત. શૂ. ને.તા. શૂ. કૂંત. કૂ \* अंचरुक को श्रीमा" के का र्से वाका में 'क्षेम' मुं 'कर्से 'चार्से का प्रमान माने कि का कि का कि का कि का कि क लय.वर्षिट.वी.व्र्वा.वर्था.तर.क्रैट.ली क्र्वा.वी.क्रॅट.स्रीर.ज.चक्रेय.य.थ्रेथ.य.थ्रेथ.पटी.क्रवीय.पटी. क्र्य.रे.बैंट.य.क्षेत्र.अट्र्यी पटु.र्या.यु.ग्र्ट.रे.यचेट.त.क्षेत्र.थु.लु.रुवाबा.ब्या.आलुय. त्र क्षे.प्रां, यथिय वर्षा श्री अर्थे । पर्यो । पर्यो । स्री वर्षा वर्षा । स्री वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । क्षेत्र:श्वृत्र:र्ख्याप्तम्दायाधेत्र:या क्षित्राधीःर्यः कुरावे द्वार्षः स्वार्धिः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स म्नि स्वाय प्रमित्र प्रमित्य ग्राप्त परि प्रमाणिय म्नि स्वाय प्रमाणिय स्वाय प्रमाणिय स्वाय प्रमाणिय स्वाय प्रम इ.यथुष.ष.चेट्य.त.यर्झ्य.पंगुज.वी.जीयाय.श्री.चियाग्रीटायर्झ.थ.पुषात्पते भ्रीव वीटाय धोव व्या Bट्रिंग्र में राय के में बादी यें हैं प्रेंग्य रें अव र्ट्र में राय हैं वर्ष मैल.त्.वैंट.बुट.टु.लब.एब्र्.च.ब्र्ल.व्यंत.क्ष्त.वचट.त.टटा शुप्त.वट.कवाब.पट्ट.ध्रू.ट.वि.

ख्ताः मैकारत्यः त्विटि रा.चुं . त्वं योबिट मैं . कुवं . त्वं यं . त्वं यं . त्वं यं . त्वं .

बीच्र-श्र-प्रवाका-श्री-त्वर-त्वर्ग-त्वर्यःवर्ग-त्वर्ग-त्वर्यःव्यः

जा ट्रे.खेट.ज्रेरजबा ,,थ्र.लु.जू.क्रेंबा.चर्चट.क्.बी थ्र.बैंट.क्रं.लु.लीज.बंबा.बैंट.री थ्र.क्षांबा क्र.लब.कट.त.लुच्री चर.जब.पतवाब.त्रुप्.थ्री ट्यप.टट.ट्यप.ब्र्यबाब.क्या क्र्री क्र्रं. पह्यानि.म्रीट.मु.म्री चेया.क्य.चेया.म्राचाया.जया.कट्री चेंच.च.मीट.म्रीट.म्री.म्री श्री श्रूंयास्य श्रूंया लपु.म्योवायालया.कट्री। चीटा.स्थिया.स्री.श्रा.क्षेत्र.मी.श्री श्रीय.ती.श्रीय.टा.स्येवाया.लया.कट्री। स्री.टी. णानमुन् चेरानाधेत्।।" वेषान्चेतानवेषातेष्ठे स्थयाक्षात्रायस्य स्थित्। दे ८८.क्ट.श्र.भधिय.त.खेवा.यु.मैज.रचयावायुर.स्री८.५५६जया ,,ट्र.लट.पूर्यायाजा.स्रे. क्र.टट.ट्टट. बट.ट्यब.टा.इं.इंश.ग्रीर.ग्रीय.त्र.त्रा.याव्य.क्रव.त्र.जवाया.श्रेटी ट्रेट.दी.ई. वोबाना मुद्रान्तः क्षे. तक्षमः ब्रिन्या मुद्रान्तः क्षां वोबाना मुद्रान्तः वोबाना मुद्रान्तः इ.मैज.ब्रुट.वे.च.जा वं.चमैट.क्षेत्र.तपु.बट.ब्रु.वं.वं.वं.क्.भूर.क्रुव.टट.। ट्यार.ज.पूट. योत्रेषाः भरात्याषाः स्राचिषाः चिताः देताः देवाः वात्रेषाः प्रत्याः वात्रेषाः वात्रेषा म्रा.श्र.श्रेय. टे. त्त्राया हेत्र. पूर्वा या भ्रयास्य त्या हिता होता है ते हिं है हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं चनमा नेते.बट.बम.५.रच.मी.र्झ.स्वामानीतुरु:र्झ्न र्यते.स्ट्-मीमाखन.त.सूट.पर्मर . वेट हित्र प्रचित्र सुर द्वार प्रदेश होट सिंह तुमा वार्ष अपने प्रत्य स्वार्थ वार्ष स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व तर्ने नेव मु नुरान्त्र प्राप्त प्राप्त में वीया है। इसे ने नुके निर्मा के सामिता का में प्राप्त निर्मा के स्त <u> द्रिः अह्र्यः श्रीः विषः अरः वृदः वः र्याषः वेषः वर्षदः वह्ना) या विषः द्रुषः देरः प्रायणः सँ "वेषः प्रवृदः द्रि</u> टे.जय.वी.ववा.क्रॅ.पह्या.वी.वी.द्या.वी.वी.क्ष्या.चेट.क्य.टट.चेट.ब्र्याया.जयाहा.क्षेप.अक्ट. रा.लटा यमार.कुष्रयामा.व्रिजाया.त्रोजाया स्ट्री.च्री.ट्र.त्र्यायायाची.क्षेत्र.ची.च्री.क्षेत्र.च

क.शु.पट..च.चिश्वराचि, क्रैंट.लट.पट्य. मुट्ट.चा.शुका.च्. २. ट्रेंच.चेश्च.च्. । क्षेत्र.मु.शुका.च्.कं.कुच.ट्र.चेशुका.मु.शुक्ट.जा.चेट.ठच.टट. नुका.ठच.चोचेट.ठच. ज्याकाट्या. क्षेत्र.मु.शुका.च्.कं.कुच.ट्र.चेशुका.मु.शुट.चा.कुच.चो.शु.च्य.च्य.च्य.च्य.च्य.मुट्ट.ठच. ज्याचेट.च्य.च्याच्य.च्या. जा चाट.के.च्.चोश्वरामका.कुं.पट्य.चे.मुट्ट.चा.कुच.च्या.चे.शु.च्य.च्या.च्य.च्य.च्या.च्या.चेश्वराचा.च्य.च्या.चेश्वराचा.चेट.चा.क्य.चेया.चेश्वराचा.चे.च्या.चेश्वराचा.चे.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराचा.चेर.च्या.चेश्वराच.चेश्वरच्याच.चेश्वरच्याच्याच्याच्याच्याच.चेश्वरच्याच्याच.चेश्वरच्याच.चेश्वरच्याच.चेश्वरच्याच.चेश्वरच्

विवा.त.र्ट.पूर्य.वोबल.वी.कै.ल.विवा.त.यळब.यघेर.ब्रूज.वाधुब.वीर.बुटा क्टब.कुय. वै प्रमाय मान्य प्राप्त के प्रमाय के प्रम के प्रमाय के प्रम के प्रमाय के प्र लट. प्रथम विषयाना निर्मात्रियाना निर्मात्रियाना स्थाने । प्राप्ति । स्थाने । प्राप्ति । स्थाने । प्राप्ति । स्थाने । प्राप्ति । स्थाने । स यद्गयाने भ्रेषाराया देवाया कृतायते प्राया के अवार्षा खाला की प्राया के प्राया के प्राया की प्राय की प्राया यद्देशःश्चेशःल्यं ग्रीटः यञ्जिषाग्रीःसिटः राष्ट्राः स्वे श्वेषाः स्वेषाः ग्रीटः द्वेषाः त्राटः द्वेषाः त्राटः व तर्येषु वट. यी. इस. रेज. परेट. लुब. ख्रीट. कुब. ख्री. चर. हुब. हो। टेट्ब. ट्रा. याट. ख्री. जार. ख्री. जार. ख्री. ८८.ही.शपु.शवय.लूर.श्रट.तथेट.तपु.श्रेचब्य.पर्येश.यट्र.त्.खुव्य.व्येब.शहेव.वर्झे. यः वे वटः रावे गविषा शुग्वाषा भ्रास्य ग्रुप्ता र्ये व ग्रुटः र्वे व रे र्वे ट् गविषः श्री म्रवः र्वे क्षयाजी.युष्ययाविषयातापञ्चित्रं, रत्त्राच्यावाचीताचात्राची वात्राक्षेत्राञ्चया व्यवास्य र्रा. ट्रेब. त्र्रं प्रमुव. क्ष्रबा. व्या. क्ष्रबा. त्रा. प्राया व्या. त्र्यां. त्रा. त्र्या वा. त्र्या. व्या. व्य अष्ट्रन्। वित्यानान्। त्रीयः वितानुन्। त्रीन्। यया नित्यना स्रीयः त्रीः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व यक्षा. यश्या थी. यत्. टी. तथेट. टी अट्र. पर्ने या श्रेवा. र्जय प्रथा ग्री. रुवाया ह्या छी. की ग्रीव तरेत्रमुषायमा अधर के याटा केत्रपति क्षेंद्राया त्रा मुवा केटा दे त्या रेवाषा ह्या ग्री:

हुच. ह्वा. ग्री. क्ष्या. विवा. वाट. त्यं वुवा. ग्री. चक्किट. प्रथा. क्ष्या. ग्रीट. चुवा. तप्र. त्यं क्षी. च्या. व्या. व

इ.स.लुस्.तपुत्ती वोबार-टे.पड़िट.इ.क्ववायात्तर-स्वोया। ट्रे.क्षेर-ख्राल्ट्.क्षेर-जवाया।,, क्वाया। क्षेट-तपुत्ती वोबार-टे.पड़िट.इ.क्ववायात्तर-स्वोया। ट्रेक्ट-ख्राल्ट्.क्षेर-जवाया।,, क्वाया। क्षेट-तपुत्त्रीं चायार-टे.पड़िट.इ.क्ष्य-जवायाः क्षेत्राच्या वोक्ष-च्यायाः क्षेत्राच्या वोक्ष-च्यायाः क्षेत्राच्यायाः कष्यायाः क्षेत्राच्यायाः क्षेत्राच्यायाः कष्यायाः क्षेत्राच्यायाः क्षेत्राच्यायाः क्षेत्राच्यायाः कष्यायाः क्षेत्राच्यायाः कष्यायाः कष्यायाः

૬.૨૨૨૧ દાના સુર્ય તાવુ હિંદે તામ ખાતા ભાષે . હુંયા શ્રી . હ્યા શ્રી . હુંયા . હોંચા .

यक्षियाः यत्राचित्राः व्रात्विद्धाः प्राप्ति वित्राः व्रात्याः व्राप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्त शु.पट्.टा.मु.वि.मुेब्य.प्वेष.लूट.टा.वया वाट.पक्ष्मया.वुवा.वा.टाम.शु.ट्ट.ह्या.ह्येना.वा.वेषा. ग्री अंग र्रा पिड्ना प्रेम ग्राम्। त्रा म्या विषा माने प्रेम ग्राम स्माप ग्रीम माने स्माप ग्रीम माने स्माप ग्रीम स्माप ग्रीम स्माप ग्रीम स्माप ग्रीम स्माप ग्रीम स्माप स विष्यासुः शुरूराया ध्येत्रा तरी विष्या सुर्वे विषया सुर्वे अकेट स्वाराया सुराया स्वाराया विषया विषया विषया सुर र्ट्रेवायाञ्चाः भवाके द्वे। येतः विद्यानि स्त्रुवानी येवा येता विवासीय गाँदा देशया देया प्राप्ता र्वेता. षष्ट्रप्र. मुच्य. तपुर म्ह्र्यासी. सैवा. त्र्य. स्थ्य. स्थ्य. स्था. त्या. तथा. सूट. त्या. सूट. त्या. सू बेषार्या विवाधित पाकी त्याया पातित र्हे।

थट तम्भुर विव र्ख्य प्रमृत्य शे भे प्रेम्य वा भी अव में प्रमृत्य के प वि'मुल'चेव'प'न्ट्। दे'व्याक्षे'धे'न्रेग्यामुं क्षेयार्चे'दे'लयामुटामुः व्याक्षायान्नेग्या श्राट स्. विवा विवा क्रिया त्रात्म हिम्म सिन्द्रि देवान विनासिमाला विनासिमाला विनासिमाला हो स्रास्ति हो सिन्द्रि हो सिन्द्र हो सिन्ट मूरि.विधेश.शी.वि.क्रीयार्ताङ्गी थु.रिटावि.क्रीयाराषु.झ्यायकुरावीयरार्त्ययार्यस्यार्यस्या वै'बे'र्में द'रुवापव 'हें' (Chimpanzee) बेर'पायदे' धेव'या यदे यात्रिवाया वार्षिया लब.भकुट.तपु.र्धिय.भकुट.र्सर.लुय.रा.ट्ट.। थु.ट्ट.थु.सूट.ग्री.रुवाबाविधा.थी.वा.सा म्रीयार्ज्ञ्च वयार्ट, योध्याग्री, श्रयार्त्, लया ही हीला क्ष्ययाय म्रीया ह्याया हीटा हीटा यस्यान्यान्तिः न्यन्त्रं यात्रान्य न्यम् वित्रं क्रम् क्रीन्यः क्री न्या क्री मिन्ति क्री स्वितः वित्रास्य वित्रास्य ब्रळेन्'न्न्। ब्रे॰केन् क्रूंप्रे॰व्।(Gorilla) नःक्रॅंते ख्यातुःन्न। क्युंन्नः क्र्युंतः रेण्यातिन्नाः त्रे म् क्रिं म् म् अंतर्षायम् अवायिष्याम् विवायम् अवायिम् स्वित्तर्था अवायम् अवायिम् धेव गुप्ता दे मतिषा वत्र स्व रह्व मिर्वा मे से स्व मिर्व सामित्र में क्षे-८-क्षे-भूट-विश्वर्त्ताया क्रीया व्यवस्था स्वाया स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स

देश'प'लेग'ड्रिट'प'टे'प्ग'ल'र्य्ट'भ्रद्र'र्याय'लेग'ग्रेश'श्रेत'श्चे'शेत'ट्र'क्ष'

याक्षयात्मयः अप्टार्म् प्रित्तरः प्रमूत्तः भ्राम् विद्यान्य विद्य

झे.बुच.कु.ट्ट.या.चु.टेंग्री चर्लेश.तपु.टेंग.रच्य.कुच.चू.टेंचे.व्य.चीटा. थु.जू.टें.यपु.
झेच.कु.कु.चू.अट.॥ ...चेटेट.झुच.कु.टट.जुट.च्छंट्यय.टअच.टलट.टट्या। ...पट्ट.लच.
पर्जू.चे.कू.ट्र.अट.॥ ...तिय.झे.अ.कूट.तय.कु.टट.चोटेश.लट.झी. ...कु.टट.जुच.पड्य.
पर्जू.चे.कू.ट्र.अट.॥ ...लीय.झे.अकूट.तय.कु.ट्ट.चोटेश.लट.झी. ...कु.टट.जुच.पड्य.
चेच्य.चे.प्ट्टा.चं.चेटा। ग्रिज्य.लट.कु.चे.प्ट्ट.चाटेश.लट.झी. ...कु.टट.जुच.पड्य.
चेच्य.चे.प्ट्टा.चं.चेटा। योवेच.लट.कु.चेट.प्रच्य.कु.च्ट.चो.चेच्य.चे

र्से व दिन्दे दिवा के अन्य र के धीव अव व दिन्य का सवा प्रति खुन दिवे अहवा है। "दे पूर्वा.प्रभेषात्रम् विट.विट.तूट्रिट्रावश्वा ब्र्.ब्र्यः मुशान्त्रेः श्र. मुशान्त्रेशा मुशा भेषा झे. मुष्य.मु.स्थय.मु.चवा.क्.स्वाय.जा। वाषया.नुट.ट्र्य.स्.मु.मु.मु.मु.मी वाट्र्य. चरुषातिषाश्रुषात्रासूचा.क्रिया.क्रीया.क्रिया.क्रीया.क्रिया.क्रीय अब्दान्यव्याप्तान्त्रात्वेव पञ्चन्या वेषान्ता "नर्न् ब्रेव के न्राच्येन्यः र्ययो.र्टस्टर्या हूंच.रा.व्र्य.र्ययाच्यया.कर.र्टर्ट्यर्ट्या क्षेत्रा है.ह्येच.ह्य.र्यक्रेट्र चर्याय. चर्यूय. र्था. पायवयी,, श्रुयाता. पर्ट्या. योथला. चर्ये राचिया. पर्ट्या. पार्ट्ये था. पर्याचिता. स्थाप चषु.चर्केंद्र.प्रुभ.केंद्र.ह्रम.जेंग.लुब.त.स्थम.ज.ट्वेचम.ट्टाव.ट्र्वा.वेंट्र.जम.ब्र्वाम.ग्री. खिट.तर.जब.चर्टेट.झुब.चेथेब.स्वोबा.प्रथ.शुट.क्षेर.पत्ट.क्री.स्ट.त.टट.। टट.स्वो.शु. ८८. यर्थ. सूत्रान्त्रा क्ष्यां त्राच्या क्षया चित्रा व्यायाव्य त्या सूत्रा यद्व. र्यू त्या सूत्रा यद्व. सूत्रा श्र्री वस्त्रख्यान्ने, त्राच्यान्ने, त्राच्यान्ने, त्राच्यान्ने, त्राच्यान्ने, त्राच्यान्ने, त्राच्यान्ने, त्र षि.श्र.तभाग्नी.पंचय.पर्षिया.लीय.ग्रुट.पर्केट.रा.जमा क्ष्य.ट्रज्ञेट.ग्री.क्ष्य.टट.र्ज्य.राष्ट्र.श्र. याश्वरामी: (वृ: क्रॅं व्याप्याया यारा स्वाया मुन् - न्ना न्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्वया स्वया स् श्रेवा विषया मिट विषये प्रदेश सहया सास्त्र की स्रीति विषये प्रित् प्रात्र प्रसास स्रीत है। र्वा केषाव्यत र्वते प्वा कुराया पहेरा राष्ट्र राष्ट्र

र्त.लूटी वोट.क्षेत्र.पट्ट.ट्वा.ज.ट्वेट.त्य.ची.वाका.मी.प्रवाका.स्वात्त.स्वात्त.स्वात्त.पट्ट. वोधुब.ड्र.मीट.वु.क्य्.क्य.बूत्वाका.वोट्ट्य.चवुवाका.मी.प्रवाका.स्वात्त.पट्ट.ता.ट्ट.लट.पट्ट. प्रवृट.त्र.भ्रिय.ट्वीपु.क.चिट.त्यंत्र.भ्राच्या.ट्ट.। यड्ड्ट.चुट.चु.जपु.अर्च्। क्य.ट्ट.।

यर्ट्र-प्यम् व र्रायं सेस्य क्ष्यं क्ष्यं प्राप्त स्वापाय स्वा योट्टेर.र्जन्यायभट्रता क्षेत्र.यो विषयायोशीयो श्रीयाययायाची वर्चे.या.र्ययासीया ही स्यापेर <u>रवि.य.वाश्वेश.यर्घर.त.लमा टु.ज.विश्व.रट्ट.श्र</u>े.य.रट्ट.पर्च्च.य.र्य्यायःर्ट्या.यु.श्रे.श्रेर.जा र्मवायानुवा वी वट वया के त्या अकेट खिट्या के तर् पावायुका हु प्रमूट ही हे हिट रूपया "भ्राक्षित्राक्षेत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र भ्राक्षित्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् तपु.ह्री विवाबाधियावाषूटाह्रीयाजयाकटातपु.ह्रा.टटावाशियाष्ट्रा, वुवायपिटाह्रटा। तूटा ८८.भ्री८.कं.८८.पञ्.क्.८८.मैज.लब.चधु.धु.कं.जब.क८.त.८८.। वोषेत्रः कूषे.८८. प्रट.श्रावय.र्ट..श्र.ह्.र्ट..श्रैंयय.ज.ज्ञ्याया.रा.प्री.जय.कर.रा.र्टा.। क्षेत्रा.वाञ्चता.रट..यज. पूर्व ग्रीट तकु नर्वा तर्व्य त्यूर तर्ज्ञ न रेवा में वा त्य विव हित । व र र विव र रेवा तर ही या यर्ह्रेट्र.तपु.क्रि.शक्ष्य.कु.लट.शर्ह्र्ट.क्रि.श्रट्रेट्री यर्घट.क्ष्य.ज.जम चे.लु.प्र्या.त.जम यह्मा हेर्यान्त्र मान्याद्वातात्र विद्यातात्र विद्यात्वात्र विद्यात्वात्वात्र विद्यात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्व गीय ह्यूय मूल व्यत्तात्त्र प्राप्त स्थाय ता श्रीयाय क्ष्य मी विष्य प्राप्त स्थाय विष्य प्राप्त प्राप्त स्थाय विष्य प्राप्त स्थाय विष्य प्राप्त स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स ट्र्य.ज.वोष्य.ब्र्टी प्र्य.क्रेट.चर्चे.क्र्ज.ट्र.ट्वा.क्र्र्ट.क्री.पह्वा.क्रेव.क्वाय.क्र्ज.ट्ट.क्रीर. વ.ખય.વર્જેને.ગ્રી.યુષ્પ્રયા.૨૧ ગ્રૂંખ.શ્લેંખ.ર્વન ક્રીત્ર.વ.ક્રેત્ર.૧૫ શ્રક્સન્ટ્રો

चवा.क्रॅ.प्यह्क्र.सी.म्रीट.तपु.क्रा.ला.म्रांक्तविषात्प्यत्तिवाषात्प्यत्ति ।  $\frac{1}{2}$ .कुट.कुकाषा ,  $\frac{1}{2}$ .का.क्रॅ.प्यह्क्ष्र. स्व्या क्रिंक्त्यत्त्र , ज्ञेष्यः भ्रांक्त्यत्त्र , ज्ञेष्यः भ्रांक्त्यत्त्र , ज्ञेष्यः भ्रांक्त्यत्त्र , ज्ञेष्यः भ्रांक्त्र , ज्ञेष्यः भ्रांक्त्यत्त्र , ज्ञेष्यः भ्रांक्तः , व्यत्त्र , ज्ञेष्यः , ज्ञेषः , ज्ञेष्यः , ज्ञ

नुःश्चित्रचिरके के की रेगका के कह्न या हि हुंगा हूंता खेंता या नाका रेगका चले खेंता दी हे ता व्यवस्थात्वयः चबुः नृतः । सः कून् ग्रीः स्रान्ते नृतः चकुन् नृतः ग्रीसः स्राः बेसः चन्निनः स्या व्यवसः <sup>अ</sup>ंचर्याक्षे.वर्चर.कृटा। श्रीट.वर्षु.क्षेष्र.क्री.श्र.क्ष्यंबराङ्ग.क्ष.पट्चर.द्रयंबर.श्र.पट्न.व.र्ज.द्र. यर्थेट.पर्टेबो.मीटा मुँट.यधुषु.थु.जब्रा.बोबंबे.राषु.थु.सुबोब्य.सुबो.पक्क्षा.यर.पहुबो.सुबे. यावयःविवाःमुःर्स्राट्यः सःयार्म् वायात्रीःक्रेट्रायया श्रेःधीःक्ष्यायायदीःद्वायायदीः प्रायायाय्या व्यक्षाम् प्रमुद्दायदेशात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रे कृवा विव्यः ज्ञान्तरा स्वाया स्वायान्य । विश्वार मुकार्य स्वाया स्वार्य । पर्दिट.रचित्राच्राच्र। ग्रीत्रास्त्रेट.पर्द्ध्योत्रायोष्ट्रत्यात्रयोत्तात्रात्त्राच्येट.च्रसः च र्म प्रथामी तर्भेय तर्भ्य प्रयाप खुवा लाला है त्वं थु खिट खेट वी मैल त्र प्रविश है पूर्ट मी म्त्रित्त्वरम् में के स्थाप्तित्रक्षियम् में स्थाप्तित्रक्षियम् श्राप्ट्रेयाः श्रुप्तायावयाः ग्रीः श्रीः दे । त्या । त्यायाः श्रीः श्रीः स्वाः याः श्रीः द्याः याः श्रीः द्या चर्नि : क्षेत्र पश्चित्या ग्री : क्षेत्र वित्य स्वास्य स्वास् प्रितःतःलाक्कितः, कुषाता भे साक्षेता द्याला प्रति त्या त्यन्ता याची याच्या त्या स्था क्षेत्रा वर्षित्रात्राञ्चारत्रव्यात्रेटाञ्चत्रात्रवायाञ्ची जार्चेवायाञ्चेजारत्या (ज्यावा "क्राप्ट्रवायाञ्चा व्राया चिट.की.चेव.वा.बा.चा.च्या.टेट.वाञ्चवा विष्याचिट.क्र्य.क्री.च्याच्या. ब्र्यामी श्री स्वीया निया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स ८८.र्जू, खुबायचेट.वंबाचेर.सूबेबावायतवाबातायहवाटिता की.यंबेबाबाबोव्यापु.सू.सू. कट.त.टटा इॅ.ब्रेबब्यब.बटब.मैब.ड्रेट.झ.बेथुब.ग्री.चबिवाब.बावबा.चे.मूट.सट.त्.इ.लु. इ.टा.क.त्.व.व.च.४.तज्ञा मे.व.ट.क्य. मे.व.ट.क्य.मे.क. १.८ट्ट.व्यवस्त्रामी के.व.ट.ट.व व्यःक्ष्यिषायः तत्त्वषायः सञ्जवः रूषः विवेषायः ग्रीः पत्त्वषायाव्यवः रूपः सः प्रात्तः सः पः स्तः सः पः स्तः स श्रवः पृते विष्या द्वारा द्वारा विषयः विषय कर्तारार्या चिरार्स्थिवायास्या त्रार्ट्स हेते प्वविषयायात्रया से से त्रायाया स्वीत्रा से स्वास्य से से स्वास्य श्रृङ्कि'त्रमुम्ना कॅरायो'स्राप्तारमायो'स्राप्तारमायो स्राप्तारमायो स्राप्तारम् स्राप्तारम् स्राप्तारम् स्राप्तारम्

पर्वेशालबाबु, सूर्य, ग्री, देबा, कुब, त्वबु, सूर्य, जाबट, ग्री, शुवि, सूर्याबा, त्वु, बुबा, त्विच, सूर्यां वा व जाबट, योश्रुब, ग्री, त्री, त्री, त्री, त्वी, त्व

रेवाबान्दान्यान्यारेवाबान्यान्ते वार्यान्यान्या वरामु स्री स्वाबान्यान्य स्वाबान्यान्य स्वाबान्य स्वाबान्य स्व यो पह्यानि म्रीट तालो यु. मुवाया यु. प्रचाया यु. प्रचा बे'चम्दागुराह्म्ब्रायायम् अन्यते'स्व)**ऍट्'चर्राच्यायम् वर्षा गुर्वे क्रां**गुर्वे क्रांगुर्वे क्रांगुर्वे वर्षा <u> यर्ह्मप् ट्र.ज.मैज.यूर्याय.क्यय.कु.च</u> इ.स्वाय.क्यय.चर्थ्य.ता च्या.चुप्र.स्वाय.क्यय. योक्ट.चा ट्यट्य.प्रयोग.प्रथय.यट.च.ट्ट.चबु.ला हीयु.प्रयोग.चबु.चुर.हे। यह्य.ची. म्रीट.राषु.थु.५वोबा.घशबा.८८.षट्,ार्यवो.धे.षट्बा.ख्री चर.वी.५वोबा.यख्रे.ख्री की.वोय.टा.क्रं. लब.कट्रत्। बृध्येट्र.क्षट्र.भट्र.ट्राज्ञी क्याव्यातायी.लब.कट्रत्या ब.या.ट्र.प्रायु.सट्र.ट्राज्ञी र्ट्रेम:क्षं, ब्रा. तुव, जवा, क्षन्या, ब्रा. ब्री. ट्रे. व्रा. तुव, व्री. श्री. तुन, ह्ये व्रा. त्वा व्या. ह्येव क्र्.जम.कट.तमा क्ष.म.चवा.ध.२। पर्युषु:श्रीट.री.श्री.व.रट.तपुष्। यट.वा.र्युवायायपुः यी क्रॅंट.र्टा वोट्ट.र्टा ब्र.र्टा क्रं.भिष्याने। यट्र.युंब.त्र.जा.त्र्राक्षाकःवाक्रीयार् त्यत्र तथा पर्दे स्थया द्या ग्री से से प्रत्य प्रति प्रति प्रति । पर स्था विषय । से से से प्रति । पर्दे स्थय । श्रुतः रेग्यायान्वे त्री झटास्यायो तस्री नात्रा में भूँहायो झ्यायात्रा ह्या ह्यात्रा ह्या चबुच्च बट. मुं. शुरु. द्रमाया चबु. बी मी. मट. मुं. पट. । मुंआ बट. र्ट्नेम वि. खे. खूब. पट. । खुं मिलास्ट्रिया देवा ब्रायाम्या मिलाम्या मिलाम्या मिलास्या मिलास्य मिलास्य मिलास्य मिलास्य मिलास्य मिलास्य मिलास्य

र्ट्रेर प्यट मिन्न स्तु में के प्राप्त के कि स्वर्म हैं स्वर्म के स्वर्म के स्वर्म स्वर्म मिन्न स्वर्म के स्वर थे'.वृ'अ'.वे'गिते'.खुवाषात्याक्षे'ते'यासेत्'(Yah weh)चेर'पति'त्र्गीत् 'अर्केवा'वाठा' झुं केत् ट्रेबार्ट्यकाराम्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या र्म्स्यायाःग्रीःवटःवयाःभ्याःवयःयाव्यः स्तान्तः सेटः चेरःचः नटः। विः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः क्ष्रमः हूं व.ज.त्र्मा वया थ्रा.च्या स्वार्षिया स्वार्था व्याप्त व्याप्त स्वार्था व्याप्त व्यापत व शु-८र्गाव अर्क्रवा वीय वेव द्वा वी सेट द्वी र्बेट ग्री तहेवा हेव वय तह्या श्वीट पर्वेष वाबराचारा ने वार्वारा देराचर्ति वार्वारा हो ना वार्वा का वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्व पर्चेषायान्या के देते हिपाया विवापित्रं राज्या सुना केवा पर्चेषा विवास हैया है विवेषा ग्री.कैंट.जब.ट.केंपु.पह्याभ्रीट.वी.शु.प्रवीब.टट.कू्वोबाङ्गीववी.शट.पट्ट.टवी.कैंट.चप्र.  $\dfrac{1}{2} \dfrac{1}{2} \dfrac{$ यार्वता.कृता.तमा.कृता.तमा.कृता.तम् अस्याच्चीट.पर्ट्र द्वाता.क्वामा.क्ष्मा.कष्मा. शर-श्री.धुवा.बैंट.च.थ्री इंखे.क्र्यायबैंट.टे.अट्र्.टेट्य.त.४०७४४॥ "वाश्वेश.बी.प्रट.ज. त्र्वे.त.प्रवाबार्चेवाः ह्र्वाबाः सद्तावा अट.त्र्वात्वाचेत्राचाः भिष्वाः स्वे. प्रवादाः त्रित्तः त्रित्रः विका भुवार्मा मेयातपुरियासी.वावयाताल्टातयास्वार्त्वाभुवाताताम्याम्यायास्यार् राट्रे स्वायाधेव र् स्वेता मृव या श्वायायाया रात्र रात्र स्वाया स्वाया रात्र रात्र स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया त्रवातात्री, भेवात्रा भेवात्रा प्रताद्वात्र व्यात्रा व्यवादा वालवात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र रूपात्यालमा ग्रिमारा यञ्जिषामार्यम्याता यञ्चिता श्रीता विष्यात्य विष्यात्य विष्यात्य विष्यात्य विष्यात्य विष्य त्रमान्त्रे द्वात्रमान्त्रम् अर्क्ष्यः भटः द्वो त्रमः त्रम् व्यव्यः स्वात्रमः स्वात्रमः स्वात्रमः स्वात्रमः स्व चर्वाःक्र्यः चुर्वः दरः कुयः र्यः द्वोः चः विद्वाः अर्क्षः यः र्द्वेषः यः यः विद्वाः चुर्वाः यहा कुः धीः सेवाः त.भ.धिय.झे.पि.च.मुबाबाता.सूर.च.जबामी.अक्ष्यु.बट.टे.की.श्रट.ट्यर.सूर.झटी ब्रेजा श्रूट.वी. र्रवाया त्वि. ट्रे. तया ही ट्रि. ट्रिवो. त्वि. त्वि. त्वा ता वार्ष्य ता त्वया स्वा हिता क्रे. मूजायालमा द्विमायाम्ब्रह्मायाम्ब्रिमाच्चिमाक्षे विमायानम् विमायानम् विमायानम् विमायानम् विमायानम् विमायानम् र्या श्रम् त्राप्तान्त्रो स्त्राप्तान्त्राचार्या है स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् <u> इट.७.इट.वाङ्क.कुर.चेश.तश.टिशेल.वर.श्र</u>ेक.ब्रू.,खुंब.पहुंचा.स्ट्रेय.पटुंर.ब्रूवा.कर.चेंट. यान्ने यान्नयान्यस्यान्ते स्थापन्यस्य में द्वार्यस्य स्थापन्यस्य स्थापन्यस्य स्थापन्यस्य स्थापन्यस्य स्थापन्यस्य

## यानेशा चॅट्गी मुख सुट्दि हेर सकेट र्स्य

ह्येर रट र्ट रेग्ना अध्वार प्रकार के जा जित्र के जा हिए के जान का जी हों ययाविट्रात्राययायायात्वियाताहित्यामुलार्या विषापहिंद्राञ्च्या अक्रयाविटा मुः अर्क्यः देबातहिवा हेव तदीर ह्री प्रदेश ह्रावा कवाबा खवा के चार्र रार्य स्वा कुवा र्ये रे व्याप्त यचेटी मैथ.तर.टेनु.च.मैज.त्.ज.र्याथ.यु.उट्ट.च.श्रेथ.चमै.टेंबा.क्ट.टंट.चर्झंथ.च.ट्वा. क्र्य.पर्वैंट.४७४७४०.यघेट.ट्री प्रुथ.क्रुथ.झैंट्य.तपु.जेंट.क्रुंख.क्र्य.पर्वैंट.मैय.तप्र. ल्याबानविष्ठावे सेवाळेव नविष्या शुना होनाव सेवाळेव क्या अन् सेवा खुना वर्षिस ८८.४८८४.४.वोशुर.मी.द्र.पर्व.सूरी म्रीट.कुब.यखु.८८.म्रीट.सब.तम्बेट.टी.यक्शी ञ्चवायान्त्रः ववार्यः खुः तिष्ठुन् तिह्वं ग्रीया पङ्गिम। वानवः क्षेवायान्त्रे रिः श्वेनः ने रिः ग्रीया ग्रीया भ्रेयारा तमुन् हि ति वे भूता प्राप्त । यथा मुस्य वे सुवाया ति में हो या राजी या वि निया क्-.क्.पर्श्व.क्र्य.क्र-तिया च.ष.पञ्जूर.यपु.र्तत्वा.क्र्-.श्रेष.पश्चे.ल्र्ना क्रे.ल्.ज्र्र्य अंत्र. गुव्रगुट्राट्राय्याद्युट्रा। गृत्रवाकादेवाद्यादेवाद्याद्वात्याची क्याद्यायेव। क्रियाद्याया त्यां भाष्या के कुट अवतः भूर प्रया क्रिं तेषाय कुष्य प्रा प्या केषा धेर स्टा कुष्य स्तु । र्वाय.य.र्टा रेवट.त्.वम्.वेष.वे.रेवट.श्रेश.कि.रटा। श्रेश.कि.क्.वाश्रेश.पह्र.रट. चरुषायाची। संस्कार्श्वेन् रक्ष्यावायाचान्त्राचि र्यन् याचेत्राची वान्त्र क्ष्यावान्त्रे स्थार

मैल.त्.लुया के.लु.मैल.त्.सु.लु.मी.अक्ष्.लुया के.सेय.पर्यंथ.८८.दीय.हु.ल.स्योय.ता चनमागुन् स्रे स्वरं स्वरं गुन् स्रे त्यादान्। ब्रीट चित्रं ब्रीट स्वरं चित्रं गुन् हें प्रे म्या बट न धिट प्रविव क्रि. प्रवेष क्रि. प्रवेष क्रि. प्रवेष प्रवेष क्रि. प्रवेष प्र धे मुक्ष र्चे अर्चे अर्चे अर्चे मुक्ष स्वाधि स्व ग्रीट.ट्र.जय.व्हेंट.॥ क्.यू.चब्र.लट.चर्चे चर्चे चर्चेर.च.बुटी। ट्र.बय.बु.ल्.कु.अक्ट्र. त्ययः प्रमाण्या विषान्यः भ्रीयः प्रमाण्या विषान्यः स्वाप्तान्यः स्वाप्तान्यः स्वाप्तान्यः स्वाप्तान्यः स्वाप्त अर्क्षः धाः मुन्यः द्यां धीत्र॥ यान्त्रः ग्रीः मुन्यः द्यां ने त्रो त्रोत्वा स्वाप्तः द्याः स्वत्यः स्वत्यः स्व प्तय। क्षेत्र.ग्रीय.त.सकूर्ट.मुत्र.वार्चिवाय.श्री.वार्चया। जय.वाशेश.यभूर.यय.शक्ष्यय. श्रेन् स्थायन त्राचित्र स्थान विश्व स्थान स्थान विश्व स्थान विश्व स्थान विश्व स्थान विश्व स्थान विश्व स्थान ख्या। विट.तर.ट्रेगे.क्रुंग.यायुवाग्री.विवाञ्चे.याक्ट्री। त्राट्यावाग्रीवार्याताट्वी:क्यारा योतुया हिट्यान्य यान्यान्त स्वाप्त सामु विष्या हिट्या मुख्या से साम स्वाप्त स्वाप्त साम स्वाप्त स्वाप्त साम स मिट्रियर्गियः भी विद्यात्रे अविद्यात्रे विद्यात्रे विद्यात्रे विद्यात्रे विद्यात्रे विद्यात्रे विद्यात्रे विद्य દ્યા. મુવાર્સા હિતા તદ્વા છેત્ર સંખ્યા હિતાનમાં છે. આ ગ્રાંતા ફ્રેંત્ર ગ્રાં આ વર્ષમાં સંગ્રાં ક્રે चम्चित्रच्या चर्त्रेत्राच्या चर्त्रेत्राच्चेत्राच्चेत्रः च्चेत्रः स्टः त्येष्या वित्रः प्रसः स्वेत्रः विश्वास् ब्रुंवा.ज.र्यंता. ब्रुंब.द्र्युं. क्रिज.द्र्. व्यवेष. सूर्या. क्रुंच. ज्रुंच. श्रुवा रे .लूटी। यक्ष .ही. मैज. तू. ताका .चेट. ट्षर .तू. तुषी .हीट. तर यक्ष .ह्य अट. तू. प्रवूर.रं.वर्षमा भी.मु.मु.मु.मूर्य.कर.प्रच्यम.कुर्य.र्य.मुया विट.तर.ह्री.वर्ष्य.र्रतिट.त. याणयायात्र्यं नित्ता विवायायी नियीयायात्र्य हो नित्ता नियायाया विवायायी नियायाया नियायायाया विवायायी नियायायाय मैंब.क.लूटी। वायेब.मु.मैज.टू.वि.कट.मैज.च.लूबी। मिट.तर.वायेब.टट.श्र.लू.चेवाब. तम्ने प्याप्त मुलार्वतः मुलार्वतः मुलार्वा स्मित्र प्राप्त मुलार्वा सम्प्राप्त मुलार्वतः सम्प्राप्त सम्प्राप्त धेवा वे:रट:कुव:रॉ:र्टे:हे:वेन्यायायाधेवा छिट्रयरःन्वयावे:पर:वे:याव्या त्यम्यासु'नङ्ग्याद्य'न्द्र'न्द्र्य'त्यस्य'न्द्र'न्द्र्यंत्र'कुष'च्द्र्यंत्र'कुष'च्द्र्यंत्र'कुष'च्द्र्यंत्र'कुष हे॥ श्चर-क्रेब-कुल-र्स-र्य-प्-पह्नद्व-प-ध्येबा। छिन्-धर-ह्रेट-र्-प्रया-न्स्ट-अट-र्स-ह्या प्तिट.त्रम.भ्री.भट.तम्भिवोयाता.क्षा.ग्रीया.यी। ह्रम.क्षवाया.घषया.कटा.पटमा.बुटा.मुला.ग्रीया

यार्वेत्रा हः धः मुलार्यः ८८ राजायेरः स्व ध्वा ष्वि रायरः हेयायवे याया से राज्या ग्री.भाष्ट्रमाञ्चेत्रायाम्ह्रित्राचरात्रमा ब्रेतुःधाःकुवार्याः ५.व्.स्तराधाःधित्। त्युन्यरायार्याः चबु. वि. सून्। वि. ता. मैय. त्. यो. यो. यो. या. स. ताया। विन् स्तर देवाया त्याया विवास विवास विवास विवास विवास चय.कैल.त्.टट.त.वोश्रम.की.वी। विट.तम.के.टट.प्.श.पविट.त.प्रेशी क्याप्टिप्.कैल. र्रा.मा.लय. २.मा.लया विट.तर. श्रम्भ ८व. च.ला. ह्रमा.त. खेटा । ट्रेम.चे. त्या. क्रिया त्र.चर्चट.कुळाड्या 🛊 अष्ट्र.पुळाग्री.मैज.त्र.ज.चर्ळ.ही क्षे.शुष्ट.मैज.त्र.घव्याय.चयट.पु.चर्या. धेव॥ ह्यून्य्र अळॅव हो देखें रूट क्ष्य थेंट्या झुधे न्यून रें यह हो व या लेव हा स्थाप क्षेय.तृषु.क्षेय्यातायु.या.पहूय.मैया.तृ.पखी। च्याक्षेयाया.मैया.तृत्याया.प्रिया.पर्य्या.वीटा.वेया.वी ર્ચું ત્રુંતુ. લુંબ ટે. ક્રેમ લેટ ક્રાના ત્ર્યું શા ટું. કા ક્રે શ્ર જાતા ટ્રાના ત્રુંમાં ક્રેમ કે. ટેન પ્રવાન શો ફ્રેમ ब्रियाया मैजार्ता प्रत्याया श्रीयार्ता खेया ही। श्रृयार्ताते ख्या न्याने वार्षिया हिता प्राप्ता क्या। यार्षिया हिता प्रमूर.ज.र्यट.पश्चीर.ह.र्यट.ययट्या थेय.ब्रियोब.मेज.तू.श्चीय.थु.याचट.खेब.चा ध्रुय. त्रियोयाः मैलात्। क्या ह्या ख्या ख्या ख्या च्या ख्या ख्या त्रिया ख्या त्रिया च्या व्या व्या व्या व्या व्या व्य पर्यू $\mathbf{x}$ .ज. $\mathbf{z}$ न्य $\mathbf{z}$ -प्रम् हे. $\mathbf{z}$ -प्रम् त्यात्मा श्रिम्न हे. $\mathbf{z}$ -प्रम् त्यात्मा त्यू $\mathbf{z}$ -र् . खे. र्यट . खेंब्र . पर्वे ब्राय्ये ब्राय्ये होता है . र्या है ब्राय्ये होट . यट . यट . या विवा हेव अंबार्च र्क्षत्वारा व्यवाया बंग्नित् । याव्य प्रत्य क्षत्वा स्वाय व्यव्याय व्यव्याय पर्क्रभारान्दाः स्वायहेषाः हेवायदे । यो प्राप्ता दे वि कुरार्याः ह्वी यो सक्वा विदायम् । विव म्। व्यानम्बर्गन्य राष्ट्रय मेन केन सित्यान प्राप्त जिता नित्य मानित स्वाप्त के मानित स्वाप्त के स्वाप्त के स पर्चित्र अ. प्रेचा श्रीता स्थान स्था लय.कर.री। रेयट.मुर.घश्य.ठर.मैल.र्.लुया., ख्य.यघर.त.केर.र्

 $\frac{1}{2}$ લિયા. ત્યું સાર્ક્ષેત્ર કું ત્યું ત્યું ત્યું સ્ત્રા સૂંત્ર કું ત્યું ત્યું સ્ત્ર કું ત્યું ત્યું

ट्या क्षे. ग्रीयः यथा विधिट जियोबा स्टः श्रीयः याला सूरी विषयः विधा क्षेत्रा मान्यः विद्या क्षा विद्या विद

$$\begin{split} & - \left( - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \right) \cdot d | - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \cdot d | - \frac{1}{2} \left$$

द्वाब्यः चटायः क्षेटः चाय्यः चटायः च्याः व्यायः व्यायः क्षेयः व्यायः वयः व्यायः व्यय

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}$ 

कः व्याः चताः चतुः देतः दीः चञ्चेष्यायः च्रुवः त्या श्चिः विवाः चर्तः स्वायः ग्रीयः च्रुवः च्रुवः व्याः व्य

યદ્ધ-દિતાલા ત્રાયાના ત્રાયા ત્રાયા ત્રાયાના ત્રાયાના ત્રાયાના ત્રાયાના ત્રાયાના ત્રાયાના ત્રાયાના ત્રાયાના ત

८.वु.लट.वोबट.८वटब.मु.लेवोब. हे.सूट.४ट.लब.षकुट.तर.पर्ट्ट.त.क्षका.मु. [बिट्य.ट्ट.चळ्य.चर्चट.चे| अवय.त.र्जुख्य.षह्ट.तषु.मै.चूट.क्र्य.पर्वेट.मैय.त. ४५८मम्। "दे.यम.वायेष:म्यूचन्त्र, मृत्येष:नाम मृत्येषामामाम्यामान्यः लट.वोबट.चुर्या वोट.क्षेर.पद्युष.लट.वोथेप.च्रिर.श्रिष्टी लट.वोबट.घुर.तथा. कट्रावित्रवित्राचित्राचन्त्रवाषाञ्चात्री धुवाञ्चार्यते धुवाच्यत्रवाञ्चात्रवे । चुवाचित्रवाच्या यमाम् स्थान्त्राच्याः भ्रीयान्त्राक्ष्यान्त्राक्ष्याः स्थान्त्राच्याः स्थान्त्राच्याः स्थान्त्राच्याः स्थान्त प्रावृत्र विचयान्य स्वार्थर प्राचर त्राचे विच कि वि ब्रिट्रिया पर्दे श्वर्षा | प्रमुषा द्वाँ संस्था विद्युत्ते स्था स्था विद्युत्ते स्था विद्युत्ते स्था विद्युत्ते स्था विद्युते स्था विद्युत्ते स्था विद्युते स्था विद्युते स्था विद्युते स्था विद्युते स्था वि चियावयात्त्रित्रियाताया देरात्र्राज्ञे अम्हावर्ष्क्यायात्रात्र्याञ्चराक्षेत्राक्ष्याया धेव चुर्याप्या टः शुः पॅति 'धुर्याची 'क्षेर मुहेवा' धेव 'चेर 'प्या पॅ 'व 'धुवा' कॅर 'प्ट 'हे 'टॅ 'ठाकॅर' क्र.च.चान्ड्या.पर्या.ता ब्रिट्र.ज.चंब्रा.यवी.पर्ट.च.द्र.लूट्र.चेब्रा.तबा क्र.च.मी चेब्र.यवी.ट्र. इ.पर्संज.कु.रेवा.तथ.वर्षेवा.त.लुथ.चुर् प्र.ट्टे.ग्री.इ.पक्र्ज.जू.चेथ.वथा वायेष.यपु.मु. ल. श्रम्यायया यहे. इ. वायेषा हा. पश्ये . त्र्या हे . पश्या प्रमाय . व्राचित्र . व्राचेत्र . व्राचित्र . व्राचित्र . व्राचित्र . व्राचित्र दे.बु.इंत.स्य.यंश.शक्ट.जवाय.बू.,खुय.यंचेट.ता.बु.ट्र्य.बु.जू.कुय.झंट.खुटा लट.टु. बुट्रर्भ्रत्या "ह्रे.ज.स्य.य.चश्चर.श्चर्या लट.वायट.घ्र.चट.जय.कट्रत्ये.जवाय. हुपु.स्य.येथा.थक्ट.जयाया.तथा पू.भूजा.टेशट्या.तजा.ता.सेशया.ग्रीया.ग्रीटा.जा.थु.पंचटा.ता. लवाबाः भट्रं वेबाराः स्रेरः हेते अर्क्ष्यः याचे चट्रा लेबारा हेट्राया वबार सम् पवट.त.श्रूब.घ.ट्यूब.श्र्

ल्.वा.सं.वीय.वय.यु.वीज.वीट.सं.जय.अकुट.तर.चघट.तपु.वर्षिट.कीय.त्र्यात्रेया.लुय.जी पश्चिषायाः प्रमास्त्र स्वाप्याः ग्रीः प्रमास्त्र स्वाप्याः स्वाप्याः स्वाप्याः स्वाप्याः स्वाप्याः स्वाप्याः स यर्थर.त.क्षेत्र.यी ८८.तू.यभ्रमाता.ब्रुट.क्षा.यथा.बै.ला.षाष्ट्रिय.क्ष्य.तू.ची.य.ब्रुट.त.बै.लूबा चभ्रूबारा तथा श्रृता देवा वावका का वा स्तुवारा तथा वावका स्ती। त्रेत् प्तारा वावका स्ती। त्रेता वावका वा वाकी रूर् व्या र्. विश्व तस् तर् निश्व ता तथा विश्व र रि. रि. विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व यायेथात्तानात्वेभाक्तीःक्ष्यान् द्वीतायदेशहातान्त्रहेश्वाचान्त्रहेशाच्यान्त्रहेशाच्यान्त्रहेशाच्यान्त्रहेशाच्या पर्केट.तपु.योष्याञ्चया.सेप.था.स्पा.कु.वी.प.वीटा पट्टी.कुटायाग्री.की.से.सेप.था.स्पा.कु.टेट.थु. त.इं.मु.पुल.८४४.मु.मु.मु.र.त.द्रट.खुवा.श्र्ट.त.४.इंवा.क्.पल.प्ल.चे.च.चैंटा टु.जब. म्रीत्रपति स्थार्यम् स्वात्र स रे.र्य.ग्री.र्जेज.संब.जब.ग्रीट.बीटबाकालट.तपु.सं.क्रूवीबालकुट.ट्री सं.र्यवाटट.स्.लय. **इ. तर्ता (७५**, ८८. वे. क्. तर्जा वेषा अप्तान्त्र विषय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विषय क्षेत्र क्षेत् चम्चित् च्चित्ताताला श्रमानतृत्व या दे वे त्याराया तता विवास वार्वेद ता प्रताप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स ८८.वार्श्वट.ज.वार्बूट.त.खुवा.लूट.तथ.खट.खेट.टे.क्वैवाया.ग्रीट.पर्जू.थ.थेथ.थया.वाथश. देश.त.चळे.वोशेश.मु.क्षेट.रे.वोजुवोब.येब.चेबेबाब.चुट.। ट्र.टंट.पंशे.लेख.घट.घट.यो. म्या. मृत्या विषा पर्मेया पारा या वा वा विष्या मृत्या प्राप्य के विषय के व र्णट व वे तिथा स्ट्रिया अर वया ल्टा व व ट र र र अर्थन श्वरा राष्ट्र श्वर है। हैवा ने र वया रट.वी.विश्वट.त्.कुटाय.ग्री.कै.सेर.थ.त्त.कुय.त्ट्र.ग्री.हर.व्रीव.तर.टार्सेल.टाय.वी विषेत्र. रेकारा पर्श्वामुक्षामी अर्थेट्या श्रेम श्रिय रेकारा अटार्येत र्येवारा प्रवासिकार विषय ट्र्या.श्र्.जा.याच्च्याबा.तथा द्र.घष्वथब.२८.ग्री.व८.वबा.क्षे.ट्र.ग्रीट.प्र्यू.विट.पद्व.ज. यह्रि-क्यामा लीम.चमम.कर्.मी.वट.वम.मूर्त.लीम.मु.मू.मी.या.मु.मी.या.मून.मी. यभ्रमायेषाया ८.८८.ल४.५चूवा.वी.५चूवा.म.८८.ल४.क्य.वीक्ट.तूपु.साह्मा.ह्या. स्वायाः असूरा चेयाः असूर चेयाः स्वारमा हि. रेटा रेटी स्वारम्यायाः मी. यर्षा स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स् या ८८. त्. वायया यय प्राचया ता वाली. लीजा वाला प्राचटा दी. वायवा हा यय वाली. लीजा दि ट

श्रास्य अस्त न्या विकास क्षेत्र स्त स्वास क्षेत्र स्त स्वास स्वास

स्वायान्त्रात्वित्यानम्त्राध्ये त्या देख्यान्त्रत्यात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेता चचम्रास्ते भूत्र्यं प्रेत्रेव् स्वामा ह्रेवामा ह्रवामा सुचार्या सुन् । द्रात्रा ह्रम् । द्रात्रा ह्रम् । द्रा यर परि द्वारा परिवार प्राप्त विकास प्राप्त कर्म स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स मुलर्पायावयावयापवरापिः विटार्श्वयावदी वे त्या केरार्श्वर ग्री स्नेट गानियाययायायाया <u> चॅंट.च.क्षेत्र.कारूय.जो वोषकामी,म्रि.चर्य,स्.ट्र.ट्या.म्री.मुव.ह्र.लुव.भ्र.च्रेय.तर्रक्ट.ट्र्य.</u> भैत्राय्याव्यावितः यात्रायात्राय्यात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायाः भैत्रायात्रायाः वित्यायात्रायाः वित्यायात्र अर्क्षत्र है सुं ह्या त्या तह्या द्या द्या द्या व्या व्या व्या द्या हो या दे । वे त्या दे त्या दे त्या दे । वे चबादेते कुचार्क्केरात्रात्रात्रां दिरात्वाणुरायात्रवात्राव्याव्यायात्रात्रेत् छेबाचम्रायात्रवा र्रे में क्ष्यं त्युवाबा नृतः क्ष्यः श्रीन् ग्रीः विषय्वा वानः विवा वी क्षेत् वावृतः श्रिः चर्द्वः चे दे श्रीः लबाविटार्टायसवाबारायुः संख्वार्यः म्रीयायर्ट्र्टा इरावेवा संख्यासायाय्यास्य य.लट.यर्थट.ट्यूब.तथ.ट्र.बु.वायथ.यथ.ययश्त.प्रब.प्रुच.श्रट.क्षेय.ट्र.क्षेप.ट्र.क्षेप. यान्ना देवागुराने स्नाचनामानुता विषय स्वापंत्री स्वराष्ट्री मेरा विष्या स्वरापेता या र्याया मित्र વયાલીયાત્મમાં પ્રાંતારી કર્યા પ્રાપ્ત વ્યાપાત્ર ક્રિયો જાત મૂર્યા ત્રાપ્ત ક્રિયો વ્યાપાત્ર ક્રિયો ત્રાપ્ત કર્યો ત્રાપત કરાયો ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યો ત્રાપત કરાયો ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કરાયો ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કરાયો ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કરાયા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કરાયા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કરાયા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત કર્યા ત્રાપત पर प्रम् पार्थिव वया हुया की

ट्र.जबायम्बायम्यायम् ब्राज्या वर्षा पर्नात्रम्याः मृत्याः मित्राः मृत्याः मित्राः प्राचाः यम्, प्रयु. ख्रम् प्राच , याद्म , याद् त्वियात्रात्रीट्राक्षट्रायाः अर्थेत्राचर्ष्वराष्ट्रायाः स्वेत्रायात्रम्यात्रायाः वित्रायात्रम्यात्रायाः वित्राय लय.श्रवा.वी.शर्ट्य.रेथ.ब्र्य.यंश्वतायक्षाताची स्वायाविशाशव्यि स्तुत्र.ब्रील.तपु.वर्षिता बिट र्चिट : धुयः ब्रीट : द्यु : चुः च : वियः ब्री : अक्टेंट : हेव : यद्र : बिट : प्रेश या द्या : वि ब्रियः धेः मुलः र्रा-५-वुः अवः ८-८-। च्रावः श्रेवः र्र्वः तर्द्र वार्यः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व चतः हे रु द्वें राम प्वें प्राप्त व्याग्वया में अपा प्राप्त व्या श्वें प्राप्त व्या श्वें में प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्रा यभट्रातायबुबाब्री ट्रेबाबाबेयाम्बियास्वार्यस्यार्थः म्राच्यायस्यायस्यार्थः स्वित्रार्थाः स्वित्रार्थाः इ.च्रेंब.र्ट.र्ट्ब.ट्रंब.वेंच्य.वेंच्य.वेंच्य.वेंच्य.वेंच्य.वेंच्य.ट्रं.र्ट्ट.ट्य.ड्रं.यूंच्य.र्ट. पर्ट.मी.विट.पक्र्य.चेट.क्र्य.त.ज.ह.क्षेत्र.मिट.वीट.पह्र्यय.लूट.राष्ट्र.यहेय.ट्रा. क्रमाय वाम्यान्त विवा वी द्व गुन्त दिन वाया के ना विवा वी नायन दिन ग्री के कुन अकेन क्ष्यान्तावर्ष्याद्वाराम्याक्ष्यायाच्यान् ग्रीव्याक्ष्याययाक्षात्यात्वात्यान्तावित्वह्याया ब्रे.चयाय.क्रुब्रब्र.ट्ट.चयाय.पर्वंब्र.पर्ट.ट्वा.चेब्र.पर्टेवा.क्रुट्ता पर्ट.ट्वा.वी.ब्र.क्रु.ल.ब्र. तर्नात्रम् देवार्यन् तर्मे क्ष्याः चेत्रायाः क्ष्याः चेत्रायाः वर्षायाः वर्षायः वर्षाय <u> यर्झर ख्रिया म्रेट र्ट्यू बरपा से र्यू ८ ग्री र्यू मुख्या श्रु पा स्वाबा त्या के प्राप्त म्रेबर प्राप्त म्र</u>

यक्ष्यः स्यून्ट्र्यं मुन्द्र्यः मुन्द्र्यः मुन्द्र्यः स्था वश्चायप्तः भ्रीः चयो. जा प्रद्यः वश्चाः स्था स्थाः स्थाः स्थाः स्यून्यः स्थाः स्थाः

ह्रेट.वोचेवोय.यय.क्रिय.स्.यह्ट.स.स्य.अवाय.टटा, क्रि.वोस.चृत्रात्ते..स्वाय.जय.स्ट्राय्य. म्रीट.र्ट्योपु.ह्रर.योचेवाबारा.यटवा.क्येबारापु.जियाबारायक्या.र्ययर्था.सूर्ट्र.ट्रे.म्रीट.जियाबाया ट्रें र प्रवाय भी भूट ब्रिय ट्रे खिय पश्चित वश्चित र प्रवाय प्य प्रवाय प तपुः पूर्टा ज्ञूला दे वाया वया वर्षे वाया शुः क्र्वा ता तता भीवया पवार वर्ष्य रूपा क्र्या ला ब्रॅंट.कुट.तूर्य.टवोवो.तथ.य.सैचय.टुर.अट्य.भैय.तपु.पूर्य.तुर.बूज.टु.विच.चश्चैवोय.कु.विच. ब्रेन्प्राथकार्चेत्राखुषात्राची स्त्रियादी धनावात्रनाचार्त्रान्यस्य स्त्रित्राचार्त्राच्येन्यस्य क्षेत्र-म्रोट-प्युवायावियार्ये हैं। क्षेत्र-स्विवायायहेत्र-क्षेत्र-वियाः प्रतिवायायाः विवायाः विवायाः विवायाः अर्क्षत्र पाट गानुतः वि पर्व र्ये पीत्र पार अध्व पर है। पर अ चप रेष गाया रेष पञ्चिषायाः क्षे.स्र. श्रेष्ठः त्र राप्तः त्याः त्या र्व्यूषात्त्रः भूरः ब्रूषा मे चटायण कर्तायेते गुष्या वाष्या वाष्या वाष्या वाष्या वाष्या वाष्या वाष्या वाष्या व बुबायाद्या अध्वार्त्य प्राचनम्या वया तर्यत् भ्रम् द्रावेषाः व्या क्रुष्यक्त रेषाः व्याप्ता क्रुष्या व्याप्ता पश्चिषायाः पार्च्य 'खेषायाः पटः वायाटः पार्क्य 'खेषायाः वेयः श्चिषः वयः अपार्धारः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स वेषायर त्युर र्से देट षट वे चट दिए वर्षेत् ब्रिव तरे खेव खेवा व वे वावत रेति के थे। ह्यें क्वाया नेवा मुंदिया तहें व हो ८ प्यते प्यकुर देश तथा। ह्यर नेव मुंवायर पार्ट या पेर ग्रीन् तिते प्याप्त मान्य वित्या वित्य का कित्र प्राप्त त्या वित्य का मान्य वित्य का कित्र प्राप्त त्या वित्र प तपु.ज्.क्ष्य.श्.क्र्य.ता.ल्य.ब्र्

ट्यान्त्रकृष्यं त्योजायत्यः काव्याण्यं त्या द्वायाव्यः व्याण्यं त्या द्वायाव्यः व्यायः व्यः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः

## विश्वया रूप्टाङ्की.ता.श्राःक्चिटाङ्गः अकुटाःक्ष्या

र्चर्गी रेवाबायरी वारायबा अकेरायर की अहार यार् अपनिवार्षेर्याय स्थार योर्वेट्रिंड्रेव्यायम् अकेट्राया है स्वार्ट्याया केव्यार्ट्याया है स्वार्ट्याया है स्वार्ट्याय इ.रचय.रट.स्.ब्रुट.स.लच.इ.चटज.र्चेव.जय.स्ट.श्व.वर्टट.र्चेव.व्हेट.बुटा ट्रे.रच ઌઌૻ૽૽ૼઌ૽૾ૢ૽ૺૹ૽ૺ૾ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૼૢૹ૽૽ઌ૽૽ૢૼઌૹ૽૽ૺ૾ૡૢૼઌ૽૽૽ૢ૾૽ૡૼઌૣઌ૽ૢ૿૽૱ઌ૽૽ૢ૾ૢૢૢઌૻૹ૽૽ઌૹ૽૽ઌૹ૽૽ઌૹઌ૽૽ૡ૽ૼઌૹ૽૽ઌૹઌ૽૽ૡ૽ૼ मुःववाःववाःववः अकेन्। सम्बुः नाक्षयाः गुवाःवविः वहिवः वाः वानः धवः विनः निवः सम् कुटा गिउ.विष. हाय. ग्री.ग्रीट. ग्रीत. अघत. अक्ष्यय. श्र. मृताया वा. ग्री. ग्रीया अट्र म. टाईया ४८४७४। "शु.लुप्.मि.रचय.र्टा. घट.वी.मि.रचय.कूर्य.ल.वेच.कूर्याय.थी.वाययातप्र. तहर रेग्ना मुंगे कें कुषा वा पहर मेग्ना वहर रेग्ना क्रा क्रा मुंगे क्रिया स्वर्थ क्रा मुंगे क्रिया स्वर्थ क्रा गोब .शिख .पैट .थेट .बा.सिज .टटा बाक्क्.जूबी भा.कुब .जूबा मी चुब .कट .स.की. चाचट .चायु .बा वोष्यावियात्वात्यः कूर्यः ग्रीः लूर्यः पर्येवा । यासिजः वोष्ट्रवाः ये वेषः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः क्षयः वि त्तरातुराबेटा। वर्ळाहेवावार्षां प्रविषायमा तृत्रार्ख्याः संस्वराख्याः प्रवास श्र.पर्या जि.जर.त.शपु.श्रट.पर्यवा र्याया भैट.पत्रजा मैया.श्री मैजा.भूय.मी.क्या.टी. श्रेट्री श्रु.ब्रेवा-८स्ट-क्रूंवय-पञ्चट-पःट्रेय-त्ये, ट्रेव्य-च्रेट्री व्रय-क्रूंट्यय-स्वाय-ट्ययः त.र्थेश्व.रट.तबुर्य.योवय.ग्री.रेयट.पूर्या.कूर्ट.रग्रूबा ट्रे.यंबा ट्रे.यंबा ट्रे.यंबा ट्रे.यंबा ट्रे.यंबा <u>खेळ.चीवाळ.त.किंट.,,खेळ.८ट.। ध्य.सुय.लय.बी.वीट.बूपु.मैज.प्रवळाळाटू प.वर्ह्य.ट्रंय.</u>   $\begin{array}{l} -24 - (1.8 + 1.2) \\$ 

ट्र्य.बीटा.कील.बी.वाश्वट.उटीथ.टीवा.टा.येत्रला स्वट.लुवा.वाश्वर.श्रेट.क्षाश्वरश्चेत्र. (1) (2)र्मवाबार् रवाबार कृत्याचिता स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व यट्रेवाबाख्यायान्या अभिवायाची हिन्देंब्यान्य के देवाबाची प्रति प्रति विवाय के प्र शुःर्यवायाविषातान्तात्रवातामुषातम् । त्यावषाश्चात्रेत्यावषाश्चात्रेत्याम् विचयायदेवायाव्याप्याद्या कचाश्चित्रीं भ्राव्याय्याय्यायाः मुन्यायाय्यायाः स्वयायायाः स्वयायायाः स्वयायायाः स्व ८८। "द्र्य-द्रवाबाग्री:बट.र्.पहट.द्रवाबावा मुबायर्त्या व्रत्या व्रत्या व्राचिता व्राचिता व्राचिता व्राचिता व्र मुन्नार्भुगुर्भुः मुन्नामुन्नार्भुन्। प्रमानुन्नार्भिना स्वाप्तान्त्रीत्। स्वाप्तान्त्रीया स्वाप्तान्त्रीया स्व रेवाबायदेति श्वापाळते वटावी प्यटाळ विविषा प्टाप्यवायवा वी सेंग्रासी प्रीप्ता प्राप्यवा क्षे<sup>,</sup>देवाबात्वदेते'शुपःकःवार्द्वःपंत्रप्तःस्यावात्वःधेव"वेबाद्यवात्यःपञ्ज्जीवःपःक्ष्रःसुःस्वा म्त्रि.लब.री.अर.चर्यरात्त्री मैं.त्र्रा.ध्रूरायशिषातायक्रिया.वी.मैंरालयाअक्र्यात्वा त्वाःक्रियः त्रे.सूर्-तर्पुरः वावतः इः क्र्राःब्रेवाः वयः सूर्-तर्प्वाः क्रेटः। क्राःस्वायः ग्रीः अक्रेर्-तिरयः र्में प्राप्तव प्राया के प्राया के प्रेयाय केव प्राप्त प्राप्त कार्य वाप केव प्राया केव प्राप्त केव प्राप्त केव वित्यास्तर तर्रे नि. मी. अधर वारिवाया या वार्ष्या ता सिवाय स्त्री प्रया तर्रे नि ता से प्रया क्रिय.पट्र.जा.लट.क्री.अक्थ.ग्रट.ता.बुवा.ग्रुय.क्षेत्रा श्रुवि.पट्र.क्वाया.शी.पात्र्ट.तपु.टवा.क्रीय. मि.यवा.यु.वा.र्यका.योट.यु.स्वाबा.स्.चर्थि.टार्ज्ञात्युया.यु.य्यूर्य.र्य्यूया.यु.य्यूया.यु.य्यू विषा'अ'धेव'पर'दे'अष'षाय'ळे'पदे'स्र'देंव'बेर'प'दे'धेव'पष'र्षे। देव'व'द'क्षेदे'कर' क्षेःर्रेग्रम्'ग्न् विगाळेत्र'र्रे'धेत्र'रा'र्ने'ग्रद्रत्र'त्र्यात्र्य'र्ने स्वर्राचेर चुगाः गृत्यात्र्यार्रः

યોશેન્ ક્ષેન્યાનેન્યાને જ્ઞાર્ચા સ્થાર્ચા સ્થ

मै.वर् अथ.अष्ट्रट.तर.यचट.त.ईअथ.ग्री.विट्य.वु.सै.जय.सीज.वींट.वी.टाई्रट.पंग्रीज. लुब.ला ट्रेपु.सूर्.किट.मैश.क्श.सूर्.लायव.वाठ्वा.वु.लटप.ट्या.वेट.रज्जालेव.हे। क्रूग. पर्चेंट.षु.धूर्या.श्रुंट.सू.१६०लथा "सूट्रलीज.योट्य.पुषु.सूट्रपट्चें.प.धुयाह्र.क्षेत्र. चर्चन चर्ते त्याका ही क्रेंब क्रम्य मुका भूग प्राप्त क्रिया से वा हेव प्राप्त क्रिया होवा परि क्र योर.मी.तीज.प्य.सी.मी.जूर.येट.मूर.मीज.प.प.बुय.ची.प.जा (वा वि.तीज.प्यर.भ्रीट.रट.भी.कुट.वावेवाचीट.य. ्य) तीया. प्राप्त : श्रीं - . -रट. कुट. ग्रीब. टीब. ही। विलिल. त्री. तब. एष्टत. ट्यापु. स्वाब. टसट. वी. स्वाब. तक्रू. त्रीट. टट. तक्ष. त. तथ्या. तस्या. तस्या. तस्या. . हे. 'बुबा चु. पति. 'कुबा प्यां प्रस्ट की 'क्रवाबा दीवा प्रटायकबारामः वाधावा राष्ट्रीय पति. 'क्री सुन् 'क्री' का खुवाबा चुबा देवा हो। में पा च ठद च्री ते 'ब्रिंद द्' (ब्रुवाय है। वादय प्रते तेवाय दे 'व्यंद 'ठेय च्रुवाय प्रायं के द्वें। ब्रेंच 'द्वेंद 'वेय त्यं क्र 'वायुद्य स्थें पहुर्याया. इं. रेटा, रुथा अर. रेटा, इंर. पठ्या रेटा है. हैंटा हूं। लटा अकुटा रूप हैं रेवा था तक्रम् ने तिविवादा केत्र दें चित्र स्वा देवे के स्वाविवादिवा केत्र दें मा होते स्वावा चियाने। त्यान्य त्स्र र्स्ता व्यापक्ष प्रमुत्र त्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमु  $\square^{\frac{1}{4}}.\square^{$ योषायहिवाषाने। सुन् खेन् ग्री:कषासुं (ब्वाषाने। रटावी हैं र्यं पषन् पति विवस्ते छी सुर्वा बेबानार्हेन् ब्रबारी मानबारुव मी हिन्दु में ब्रबाद वर्षा प्रदेश प्रवास के विकास के विकास के विकास के विकास के त्रमेलायार्श्वनान्यंत्र निर्मेश्वन निर्मेश्वन निर्मेत्र निर्मान्य मेश्वन निर्मेत्र निर्मान्य मेश्वन मेश्यन मेश्वन मेश्यन मेश्वन मेश्यन मेश्यन मेश्वन मेश्वन मेश्वन मेश्वन मेश्वन मेश्वन मेश्वन मेश्यन मेश्वन मेश्वन मेश्यन म अर्हित्रायम्यानम् दें 'वेषामी

र्म्चिप'न्द्र्यत्र'मेर्य'स्प'क्ष्य'क्ष्य'स्थास्थान्तृदःषी'चर्ङ्ग्द्र'दि<u>च</u>ोथ'१६८४८'दुं'दे'दि'स्थ्रा "दे : धराष्ट्रया (क गुल्दा देश्य) के जिल्ला स्थान के स्थान पवत्रत्राप्तः वृषाच्याताः स्वाषायात्रः देवाषा कृत्यात्रः सुष्याः प्रत्यात्रः सुष्यः खिय.पदिवा.व्रीम.पष्ठय.ट्याप.ज.ट्रम.ता टिलंट.व्री.क्र्यम.य.क्र.तमिट.खिर.प्रमा स्थ.ऐ. ब्रून क्षे.वोक्वो.सी.विम.बुयारीयारा.रेटा। ट्यारिस्वो.बुयाया.क्षेयाया.क्षेयाया.क्षेयाया. ८८। ट्रेब.खे.पच्यायान्य स्त्राच्या विचायह्वा वीयाञ्चाया वीयाच्या वीयाच्या वीयाच्या वीयाच्या वीयाच्या क्यापान्। श्रीन् श्रीयाग्रीयागान् न्यान्त्रयाने श्रीयापा विर्ध्याने ने निर्देशके वायायार्थन्। यस्य व्यानि यानावी र्वे न् नुका होना होना समार वर्षे नायते ले नुके हिं के मायाना त्र चि. खेब हैं। होन् हैं न त्रिया त्रव्याया लब हैं वा त्र हिया त्र हिया विवाद हवा विवाद हैं वा त्र ख्रिन्दे सुव राधिव ने। यान वीवा के दे नवन राम्या यान विया वार्वेन राम स्वी ट्रे.ट्या.बायुब्य.बा.कु.ट्युबाबा.ये॥ चब्बट.ट्ट.बाब्य्ट.ता.च्र.लूट.थुब्रा। द्रबाबा.ट्ट.पट्या.च. क्षयाचु यात्रयाच्या वेषाचु पाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाय शट.त्.चर्षेथ.कुट.। कॅ.कूवायातपु.वाञ्चवायाचर्षेयातयाचीयायाचर्षेयायया ग्रुट.श्चेच.ग्री.वि.स्.ता रट. वेट. ग्रीयाच्या है। यशिया तम्रीट. तया तम्या द्याचा द्याचा स्वाया निवास विद्या स्वाया निवास विद्या स्वाया निवास विद्या स्वाया निवास विद्या स्वाया स्वया स्वाया स ८८.प्रबारा प्रथात्रयो तर क्रिंग ये.प. प्रे. खेबा ची.पष्टुं क्षिता प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र विषय क्षेत्र ८८.प्रथातायिलायम्द्रीट.तपु.क्र्री यीट.भ्रट.ग्री.क.जियायायी.चीया.पे.म्र्यायायाया व्यः मुः द्राप्तः त्राव्यायः हे। वाययः त्राद्रः द्रवायः त्याः त्राः यतः यतः वः वातः त्र्राः व्याः व्याः च्याबर्गराधेव क्रें अवेशः च्रिट्य

 $\frac{1}{2} \frac{1}{4} \frac{1$ 

लुष्याचारान्याः विष्याचित्राचा वाच्याः ज्ञवा क्षेत्राच्याः वाच्याः वाच्याः व्यवा व्यव्याः व्यवा व्यव्याः व्यवा यधुयः श्रः र्ह्याः या व्यव्याः सं त्या क्षे त्या क्षे त्या त्या त्या त्या त्या व्या व्या व्या व्या व्या व्या व र्शिता विश्वतास्त्राम् त्राम् त्राम् त्राम् त्राम् त्राम् त्राम् विष्यास्त्राम् विष्यास्त्राम् विष्यास्त्राम् यक्रिया.श्र.जळा.क्र्.पत्त्र्यात्राया.पर्टूट.क्याया.क्रु.टा.श्रुप्ट.ब्र्.च.ह्या.जा.ट्याप.टा.याक्रिया.डीटा. यक्रिया-पञ्चातात्राक्षात्र्यापान्यात्वे स्ट्राह्यान्यात्वात्वात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्या योकुयो.ला.टेयोबालबा.क्.एत्स्बातयाजीबा.चिटी.टच.जा.क्रे.जा.टच.ता.बुच्यो. र्शिता वाकुवाः युरा सूरा जया क्र्. पत्या नया जवाया या जवाया का था क्रूरी ता सूरिता सूरिता सूरिता सूरिता सूरिता द्रवाःश्रेट्-पःवार्श्ववाःश्रृहः। देःक्षश्रशःग्रहःवार्द्रहः-दश्रमःचःश्रः-प्रह्माःश्रदः। त.जीय.ज.झी.लूट.टा.झी.चेय.टा.भीय.यू.,खेय.टाचटी यी.पूज.था.तीठणय.चूवी.यपु.झैज.सीवी. यदुःरुषःलुवःतरःयर्थरःष्ट्रंदःतःदेःलुवःल। देःलःवावुःयत्तरःव्याद्धेषःयत्त्रेःग्रुदःवादवः रवयाम्बराखेटाययान्द्र्यासुरवन्दायायाः स्वराधिता देखाः सुवारस्वरान्यायाः तहिवा हेत्र क्वी विश्वताय दिर तर्वे पाया रेवावा हुवा यें प्राया वार्या रे रे कें तर्वे वार्या वार्या रे रेते कुन हेव र रे रे हे हैन र नम् र में दे क्षण गुम गर्दे र पान्यर न लेका पाने ब्रुंवु र्टा १ र्ट्या विषायाया द्यादाया बेर्याया के ख्रिका क्रांत्रा मुर्ग्य दा बेर्याया स्थित ब्रान्ता समामा क्षाया है। व्यापा के मुद्धारा के मुद्दारा के माने का के प्राप्त का क यर्चेश.१८८५वा ,स्ट.ट्र.क्ष्र्या.मेट.स.इँउ.लुब.त्या.ज्या.ईंब.मट.ट्रा वार्ट्ट.ट्राप्ट.ट्रा श.चव.ज्रुष.क्र्य.ताथ.शहेव.थ.अ्ट.त.च.चिव.ज.टवेष.टा भ्र.क्र्र्ट.त.श्र.चेथ. तर्,,, बुकाता क्षेत्र, त्री लाकिटा वी.जा. श्रामा वी यु. त्रूटा त्री. क्षे. वीटा वे कारा. क्षरायाकुत्त्वातित्रातीः देवावायायते तार्यत् म्व स्वयायायवायर र्यात् क्षेयवायाया वि पर्नेष्ठ पायर्

(x.a.) = (x.a.) =

क्रीट. स्त्रायः क्र्यां स्वायः स्वाय

चीवायाकु.यपु.सूर्,झूलावाबयाबुवालूर्यायाची श्रुष्ठायर्यक्वायायर्राज्यायाचेराताक्षेत्रामे र्टा. तु. कुट. हूंट. तर पूर्ट रेट इर जया अष्ट्र. कु. जूट . द्या विवा विटाला अष्ट्र. हेर. कवाबारायुः विवाबाञ्चीबायाः क्षेत्रः चुः चुन्तायः ने क्षेत्रः त्येव स्वाविवाः तुः विदेशा क्षेत्रः में स्वाविवः बटाबबान्नी स्वाप्तान्त्राम् वर्षा पविषान्त्रीय त्याया स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व च्रम ट्रे.वावेश.त्.वर्ष्ट्रवयातालयाञ्च.ट.ट्याम.ववा.वि.वार्थेश.विट.वुटा। ट्ये.ट.ट्याम.त्. लया.क्रे.प्रवाया विवा.त्.लया.पट्टी.प्रवाया वि.त्.लया.श्रुव.शु.लया.लया.लेया.जेया.पटटा.श्रुट.ता. यत्यार्त्रातत्वयाद्वि। तृत्राञ्चेत्रायाध्येत्राञ्चेत्राय्याक्ष्येयाक्ष्यायाञ्चेत्रायाञ्चेत्रायाः खेवा.बैटा। झॅ.टाच.त्रु.चे.जूटारा.ला.झॅच.कैज.त्.जयाधी.जा.स्वोबाता.वार्द्ववा.कैट.टटा। झा जासूर्यायाताः सै.कैट.टटा। सूर्याजासूर्यायातासुर्यात्रीत्रीकिटाटटा। सैयायाजासूर्यायातायार्थ्या क्रिंट. चश्रया. कट. च्रांजा ब्राट. ता. जा. ब्रॉच. क्रींचा. ता. प्राचा. प्रताया. कट. ता. ती. क्रींट. श्रांजा. द्रवाया. द्राट. ती. शूट.ट.च.सै.रटथ.क्षेत्र.क्.एज.पूज.चैंट्री ट्रे.जब.सै.रटब.षकुटे.टावु.चैंट्र.टाटु.वीबीश. त.र्से.ह्र.लय.र्से.यर्जा.पंट्र्यं.पंट्र्यं.क्ष्यं.ग्रीश.र्से.र्यट्र्यमी.वीव.वी.श्रुयःत्र्यं.च्रं प्राचीश्राक्षेत्राक्षेत्रः इ.चेड्चे.लूटे.तपु.क्ट.च.यु.जुट.त.डु.जूराजावि.लुयी लटाग्रीयाटीट.ययाथु.कैट.जुजा यर.यथेट.यथ.श्रम.एकुट.यू.एकुट.थुव.एकुट.व्री.वश्रिभ.किंट.यर.कु.य.व्येष्ट.की. ८८. थ. मुन्न व किट. मुर्टा न कि. मुन्द के कि  $\angle C. | \ \vec{\beta} \forall n. \ \angle C. \ \vec{a} \ \ \ \ \ \ \vec{a}. \ \ \ \vec{c} \ \vec{c} \ \vec{\beta}. \ \vec{\varphi} \ \ \ \ \ \vec{c} \ \ \vec{c} \ \vec{a}. \ \ \vec{c} \ \vec{c} \ \vec{d}. \ \ \vec{c} \ \vec{c} \ \vec{d}. \ \ \vec{c} \ \vec{c} \ \vec{d}. \ \vec{c} \ \vec{c} \ \vec{d}. \ \vec{c} \ \vec{c}$ च'र्चन'त्रह्म्अ'त्र'र्ब्चअ'त्र'श्चर्यन्'त्रि'र्न्,क्षेत्र'र्यःचु'च'चून्। ने'त्य'श्चर्यानुन्'ब्वेन'के'च' र्जूटा ने द्वा ह्या वहीट न स्वा क्टान व स्वा व र्ने न न त स्वा है स्व र से स्व स्व से स्व से से से से से से से क्रि-वु.पर्न.क्षेत्र.री.मूज.त्रत्यत्रेत्री नु.बु.स्र.पर्वी.क्र्त्याक्षेत्राह्ये.र्टा-तवु.वु.त्र्र.र्टायः ञ्च याने या हे प्राचित के त्या प्राची के किया के ता की विषय के ता की विषय के ता की विषय के ता की विषय के विषय

लया अक्रेन् या के मीन मी मीन पार्च न मी मीन मीन मीन मीन मीन मीन सीन साम मीन सीन सीन सीन सीन सीन सीन सीन सीन सी स्'र्च.धैट.इ.तश.स.टट.। वे.च्.चवे.जुव.ववेश धैट.इ.तश.तपु.सं.कैट.वृ। क्र्.कैवा च र्रूमा वि.क्षा यत्याच्या क्षेत्रा वाच्चित्र । व्रिक्ष क्षेत्र व्या क्षेत्र क्षा च्राव्या च्री व्या व्या व्या व्या स्वायाना मिष्टा स्वाया स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वायान <u> इ्य.त.र्टा थे.चू.झुउ.स.कुरा.चूथाजू। झुउ.स.कुटाला.प्र्याकूलामु.झ्.पक्र्.तम्ही ट्र.</u> लय.अष्ट्रट.त.अघट.एंत्र्य.ट्यी.चर्थ.क्.योध्य.थी.कट.ट्री सी.त्.घटा है.सूचे.ताजायी. पर्व्यः र्येषाः श्रितः श्राः त्रामानाः भ्रम् । स्राः त्रां स्राः स्राः त्राः त्राः त्राः त्राः त्राः स्राः वि विट्यो अयार्ग भ्रिव पा घटा है। देवे र्षया या या वित्र अयार्ग भ्रीट वित्र वित्र है। देवे र्षया या हूंटा शुक्रा राति । के किंदा के ता की किंदा हैं हो हो हो हो हो है । हिना राप्टर चुष्र् चुंद्र, चुंद्र, चुंत्र, चुंत्र क्रां क्रां क्रां क्रां क्रां क्रां चुंद्र, चुंत्र चुंत्र चुंत्र क्रां क्रां चुंत्र चुंद्र चुंत्र व्या. २.८८। ८४८४। ४। हे.८८। गुर. छे. हे.८८। विच. हे.८८ वि. ही भी यञ्जिषा व्या २.ज.च.व्यश्विष्रो झ.ष.८८.। इ.८८.। इ.थु.८८.वश्विष्रो ८षट्य.ष.इ.ज.च.र्ज वि.ख्.५८.। क्र्यायात्रान्ता प्रवाहिन्ता वयहोन्ता वतहोन्यद्वान्ताक्षा गुरासुक्षायासुक्षा धिवा र्ह्में देवायाया र्ह्में दर्शके र्याट्या उपनिता था केवादिता व्याकेवार्ह्में प्राप्त विद्या केवार्ह्में प्राप्त विद्या केवार्ह्में प्राप्त विद्या केवार्ह्में प्राप्त विद्या केवार्ष्में प्राप्त विद्या केवार्ष्में केवार्ष्में केवार्ष्म विद्या केवार्ष्म केवार्म केवार्ष्म केवार्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्म केवार्य केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्ष्म केवार्म केवार्य केवार्य केवार्म केवार्म केवार्य केवार्य केवार्य केवार्म केवार्य केवार्य केवार्य केवार्य केवार केवार्य केवार्य केवार केवार केवार्य केवार केवार केवार्य केवार केव व्याकिटार्ह्तार्टात्वेश् इ.म्यायायाव्याकिटार्ह्नायाख्टायाद्याविष्याच्या <u>चम्चित्रभुषा दे.ल.कूंट.प्रथ.कुष.चक्र्.चम्चिट.टटा वृष्यःकूंट.ज.शूबोब.त.श्रु.प्रबोब.चबन्न</u> मुन्ना के प्राप्त के प र्चेता. ६. १६. या कुर्या लाट. एत्त्व. पर्चेता पर्च्चता. कुल. क्री. क्रु ४. त्. पर्च्चर विलास्त्र. स. श्र. धे. सं. यधु. प्. स्राया हो. पह्या ती. श्री ट. य अक्षया स्राया हो या स्राया हो य

मुन्नाया विवासीया प्रमास्त्रीया स्वाप्तास्त्रीया स्वाप्तास्त्रीया स्वाप्तास्त्रीया स्वाप्तास्त्रीया स्वाप्तास् ता. वय. यो वृत्या. ता. मुव. त्. क्रिय. अखे. हो मा व्यव विषा हिता हो। हो ताया अषा मा निर्मा ही हा ताया अष्य स् ८८। अट. तुर. ८८. भ्री. वया. ला. ज्ञावायाचा. लिट. क्या. रूपाया रूपाया है. रूपाया रूपा र्याट्यान्त्रयायान्त्रयाष्ट्रियान्त्रे याव्याय्ययान्ययाः व्यान्ध्रयायाः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्व यमुष्ट, सूर्यात्र अप्ताविवा विराही है। तम्माश्चा त्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वाप तपु.कृ.क्ष्य.ताय.ब्री क्रॅ.क्रियोया.ग्री.ताजा.वा.जया.टिजा.ग्री.ची.वी.टी.टिंट.टेंट.ग्री.वार्च्या.ता.क्य. विद्याःषःविद्याः विद्याः विद्य उन्नी-त्रमुयान्तरम् वर्षाः म्याने राज्या दे वर्षाः म्याने वर्षाः म्याने वर्षाः वर्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः ब्रियाम्, पषु, मु, पर्दे, मुपु, मी, पषुर्य में, पष्य, पषुरी, मी, प्रियामी, प ह्येट.ट्री प.षपु.ह्रं.मुवाबाश्वेषाः श्वे.जा.सूर्यायानाः याजा.ह्यंटानपु.ह्यं.क्यं.जवाया चेरा.ह्येवाया बार्ट्ट.वी.ची.वी.वाश्वेश ह्वा.किट.वार्ट्ट.ज.ची.चक्.चकिटी कट.वार्ट्ट.चकिटी ख्रेश.वार्ट्ट.चखे. ला. सूर्यायाना वाषेत्राज्ञान्ययाना प्रमान्त्रीयाया स्ट्रान्त्राच्या स्ट्रान्त्राच्या स्ट्रान्त्राच्या स्ट्रान्त वोश्रमः मुः स्थितः द्वाः द्विवाः त्याः कतः त्वे वो व्याः वो व्याः वो स्वायः व्याः स्वायः व्याः स्वायः व्याः स्व <u> इत्ति हे.ज. इ. त्वि. प्रजातम् हत्येषायायायायययाययाययाययाय</u> चःत्रःश्चिष्यात्रःग्रीःसर्ह्रःस्याप्युःधेःरू व्हत्यःहित्। देःवःसुसःचित्रःस्तरःहेःस्त्रःदिःहेःर्द्रवाषः पर्श्वः विश्वः सार्थः र्ह्यन् पर्दा ह्येन् : का स्त्रोत् । स्त्रान् । स्त्रान् । स्त्रान् । स्त्रान् । स्त्रान यवी-त्या यद्य-यवी-त्य-र्जी यम् व ग्याधित-र्प् श्रा-तवी-त्य-र्ब् "वेय-तय्त-र्श्वन पर्दे वे.स्ट्रि.ग्री.श्र-क्वेट.क्ष्यत्र.श्रिट.श्रूप.स्ट्रिट.ट्याप्ट.स्यावेश्वरट्या वाह्य.श्रूच.श्रूपट्य.  $\neg . 2 . \angle u \bot l \ g . \vec{g} - . \vec{\zeta} \cdot \vec{g} \cdot . \vec{g} \cdot$ ८८.ब्रिट.थ.वि.च्.चळब.२८.५च्च्यु.५चब.चक्चेट.जब.च्टे.क्.कु.श.कैट.ब्र्ज.चर.चर्टे.ट्री लब.कर्। चल.त्र.क्र्ब.ज.वच.त.र्.ह्वब.ल.लुव। त्र्र.ग्री.थु.वु.हुव.चुट.क्र्व.बुक्ष.र्त्तव.

લ્યા ત્રાપ્ત ત્રિયાના ત્રાપ્ત ત્રિયા ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપત

यम्पर्र्वात्रेयाने प्रवासी विष्या स्थित स्थाने स्थान स्थाने स्थान स्थाने ८८.श्वेय.बुक्र.चीवोद्य.कु.खुटा। चिट.क्वेय.बुष्ट्यर्ट्याच्येष्यर्थ्यर्ट्यर्ट्यः द्वेव.र्ट्याचीचेवायाचीः क्वेयाचा ८८.इँछ.२.थे.श्रय.८.स्वाय.त्ये८.त.यु.यट.क्र्य.८८.मी.वार.मी.चेय.खेवाय.त.ही इँछ. श्चारा क्षुरापति केषा वावत र्वति र्वित र्श्चया त्यर हेव सा विवा या ध्विष श्वुव रस्य वाचेवाषा ग्री श्चितारा निरामिता के अव निर्माण के किया में में किया में में में किया में किया में किया में किया में किया में किया में म न्या वे वट र्केश अन्तर र्योट यो र्येट यावत र्येते र्वेट र्शेय विया धेव राम टेश है। वट क्र्यान्यात्रीः द्वानुः प्याक्रेयाने त्या क्षेत्राचेत् क्षेत्राच्या स्वाप्यात्रीत् व्याप्यात्रीत् व बुटा वाया हे हे तर् बुवा सूट होटा रा द्या ही द्वार हु तर्ह ता वाया है तर्ह ते हिना है या है या है या है या है य त्र्याप्तः भेव पुः प्रार्थे त्व ग्याप्तः पर्देषाः भेषाप्त्रीषाः पालेषाः वी पार्द्धः होत् प्रते होतुः त्र कवाबारदेति पहेंत् चु प्रथा केर पेंत् वाद्र र पेंति क्षेत्र धेंत् क्षेत्र धेंद सेंत् क्षेत्र धेंद सेंत् क्षेत्र यर्ह्न् नुः भरत्रेषाः हे। श्वार्यातेः भूष्ट्रा राष्ट्रं वा स्वार्याः व्यार्थे विष्यायि । चगात क्रिम् तर्ते 'द्वा दे 'यम श्विम श्विद 'चा दे मा ग्वा क्रिम 'म्वा स्वा मा निक्य स्व स्व स्व स्व स्व स्व स् ट्री ब्रैंख.थ्र.ज.पचीर.टा.ट्ट.२४०.क्ष्य.टाषु.ग्रेश.टा.क्षे.टीपूरी ब्रैंख.थ्र.ज.ग्रीर.टाप्ट.सूट.ब्रूज. ८८.६.यपु.२४१.कुर्य.यखु.मुअ.तपु.यच८.क्षेट्य.पट्र.रूवो.तपु.वर्षियंत्राचारट.अधिर. तपु.सूर्-जूल.ट्र.थक्र.टा.बुवा.मैं.बैट.बुटा। ब्रैप्.श्र.लाक्रीर.बब्र.प्रट.त्र.था.ब्र्टा.वपु. भैत्रा.क्षा.य.पु.एट.पु.चूर.जूत.ख्या.लूर्य.तर.ला.षक्य.क्रै.थुर.कृटा पु.ययात.क्रैर.स. यट्टाग्रीयात्वा क्रियात् ग्रीयाया विवासाधियात्वा ह्येति ह्या सामा ह्या स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र चम्याबुटा क्ष्याच्यान्तरायरायान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्राच्यान्त्र्यान्त्र यभ्यः श्रियः या द्वे प्यायेषा व्यायेषा व्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थाय ब्राम्स्य स्थाप्त स् क्रिंट.यचेट.त.ब.भुषे.पट.क्रवाबा.पट्ट.धुट.वाड्र.क्र.वम.चे.ट्व्र्बा.धे। त्र्ट.भुषे.वार्ट.ट्वा. म् मु.कु.चर्चर.र्ट..अर्ट्र.प्वश्व.श्चर.योश्वश.मी.लीज.चर्चर.ज्य्यावा.मी.क्.चपु.पिटवा.यु.पूर्ट. ब्रॅम प्रदे रूट धेव देश प्रशासी

खिट्रात्म् क्षाण्ट्रात्म् क्षाण्ट्र क्षाण्ट्र क्षेत्र क्षा विद्यात्म क्ष्र क्षाण्ट्र क्ष्य क्ष्य क्षाण्ट्र क्ष्य क्ष्य

## ह्य र्वेत् ग्री उषा श्रुत् हे हेर सकेत् र्स्य

शुष्टे.पर्ट.क्योबार्श्वेषयाश्चेत्रशुः श्रीट्रालया सूजान्या सामिता स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्व . श्रे-क्रुट्-अळेट्-र्ळ्यायया श्रेतु-प्टा-रुयाळेव प्वि-धी:तुर-र्व्यायटायाप्ति-रिटा हे त्रवित्र, त्याप्त, प्रतित्र, सूर्याया श्री, लट. ह्रीज. क्रीट. क्ष्या, ट्रीया वाक्ट. ये. त्रवित्र, क्रीया हे. य क्रेब्र-प्रवे.ली.क्रेंट्-त.अक्रुट्-व्ह्ला-प्रविट-त.जबा चूर्-छि:ट्र्क्ब्र-चू:ट्र-छुव्य-चू:व्रा-ट्र्वा-व्री: भूर-६८-३८-७८-४) वायलाला हेया न स्वाया केन सं हे या केना साम हिया या स र्वायाने। पेटायटाययाके प्रयाने प्रयानि र्वायाने विषया है। यो विषया है। यो विषया है। यो विषया है। यो विषया है। योषु.वोट.ज.चेब.वंब.तचेट.त.स्वोब.ज.केट.चट.ग्रीट.स्र.ट्रीट.तत्र। क्र्य.स्वोबाब.वंब. द्याःक्रीट.तचट.त.प्र.जुष.खुट.लप्र.ब्रैवाषाःग्री.जुवाबाताः प्रश्चायाः व्यापादः श्चिवाः वितः विषाः ता लबा इ.बूट.व.तबा भ्रे.चू.वज.त.स्.वधुय.टी। क्षा.त.भीय.ये.पहूटबातर.हीटी। कुषा. वयाञ्चर बेटा पर भ्राप्य वया र तेटा ग्री उया ग्रार धेवा पार्र ग्रार व्या के पार्र था क्रेव.री.चर्चात्यावयात्रयाक्रेव.यधु.त्रा.ह्या.वीध्व.श्व.लाट.श्रुट.तर.क्रीर.श्रूट.हू.। रत्रर. वी पद्मि.वीट.वाटव.रचया.र्रव.क्रव.होट.च.र्जन्यी., पद्मी.धे.था.वि.चूपु.क्रीट.ज.वी.वेश. बैट.य.जबा क्ट.यपु.स्वाब.ज.भुंब.त.प्र्व.खेब.बैट.॥ ब.भुंपु.यं.वट.व्रि.भूर.पर्व्य. म्रीकार्वज्ञा विष्ठ्र हेर्नार र्रार म्वावायाय वर्षा वाद्ववा ध्वा वार्ष्य व्याप्त वार्ष्य वर्षा वार्ष्य वर्षा व धायवर्गा, खेबाबाश्चेरप्र्य में यदिन ने प्रमान प्रमान क्षा मान्य ने स्तर्मा क्षा विषय निर्मान क्षा का विषय क्षा <u> 子如、如葉と、ひばらぬし、、如、類と、類に、動と、子川、如、影に、口を、多名、山どと、事と、子と川、</u> न्या "न्या स्वामा स्वाम हे"वेषाषाञ्चु प्रते उषा वे पॅट् उषा केव प्रवे प्रतः विष्ट यर्टि:रेश.योक्ट.भ्र.पूर्यायायाः सं.ता.योर्टि:ताथ.राप्ते.टायायायाः सं.तीयायायाः पर्टर नेबार्व्याता विवाला इत्येष देशकेष त्वे ला क्षेत्र ति है स र्चियःग्री.घःश्वेदःलुषं,जा थुष्उ.वार्टिटःर्देवा.बु.पर्टूटःक्विज.टी.चर्दःश्वेषःता.प्रथःश्वेटःरी.क्वैप्र.ता धेव हो टे.ट्वा वी र्ख्य देवा वका ट्याया खारखट रच त्याया होता ही ट्वा की वावट :

पद्में की. लूच. ब्र्मा विकास स्ट्रा हिंदा का का का का का का का की की हिंदा की स्ट्रा की स्ट्र की स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा की स्ट्रा क

त्या प्रसासक्ष्या स्वार्था स्वार्या स्वार्था स्

ट्रे.लट.ज.ट्रेबोब्र.क्रेज.प्रचंत्रा.पक्र.ब्रेट.बोट्रेर.रिजब्री स्ट्रैंट.जंब्र.प्रबंश.ब्र्ट.च.लट.लूट. ट्री श्रन्यकाश्चार्यन्यायन्यात्रात्र्यन्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् श्चि.य। ८८.५८.य। वाषेत्र.ज.तव.श्रेश्वा.कु.य। तर्ग्या.श्चेल.वी.त्रश्चात.वीट्या.त.दी.ज.क्या. र्याया:ब्रेया:चेर्या वाद्रतः श्चे:क्रे:चा ग्रीट.टे.र्जूट.ता अर्थय:जःपड्र्अय:ता वाव्य:ग्री:ट्रियट.टे. र्मवायाता हेतु स्वाया पानवाया र्या हुँ नाय प्याप्ता याता माता माता हार्य छूना पाने से स्वाया ल.र्थाट्यानुबात्वेयात्रेयायात्र्याः, खेयार्टा वाष्ट्रान्यात्र्याः स्वायाः सार्वाताः मुन्यत्रे । मुन्यत्रे । मुन्यात्रे । मुन्यात्रम्य । स्वाप्याय्ये । स्वाप्याय्ये । स्वाप्याय्ये । योथे अस्य भूया स्वर्धियात्र स्वराया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर् म्त्रिट.र्ट.प्रट्या क्षेत्र.ट्य.स्याय.ग्रीय.पक्ष्.ज.चेत्र.ब्र्यया रह्याया रिति.विज.ग्रीय.पक्ष्.भैज. द्रवाया:बेया:सु: म्वावाया। क्रॅट: ट्रॉव: र्स्वाय:सेट: दे: क्रया:हेतु: धी: देवाया। बेट: वी: यया:ग्रीय: पक्क.त.र्भाया अप्तान अपतान अप्तान अपतान अप्तान अप्तान अप्तान अप्तान अपतान अप ग्रीत्रायम्भा कृषाद्रवाषायाः स्वायाचारात्वराषायाः स्वायाचारात्वराषायाः स्वायाचारात्वरा देवाबालाखिट्राचरास्त्रां वा सेवा।" बेबाचन्यन्याक्षरार्दे। दे स्ट्रियाकुःवारार्टुःद्राचि रेगाबार् में मंगाबार कार्वा क्षुं नावा नामा है। नावा कार्या कार्या के नावा कार्या के नावा कार्या के नावा कार्य क्रिंट.परुषाग्रीषाक्षेषातह्यानुराट्म्यामाराष्ट्राम्याचीषात्राचीमाराष्ट्राम्याचाना रम्भित्यम्भित्यार्यस्यार्धेन्यस्य स्वाप्तान्त्रम्यस्य स्वाप्तान्त्रम्यस्य स्वाप्तान्त्रम्यस्य स्वाप्तान्त्रम् लक्ष.लब्र.ल.४८.८८.का.४८.भी.वि८.त४.४मी..कुट..कुट.। वाषेष्र.लब्र.८वी.यपु.लब्र.मी. श्रावयः यः प्रचरः स्राप्तरः । मृ तर्स्या श्रे प्रोप्तरे त्या यहेत् । स्राप्य त्या त्या त्या विषा पर्हेत्

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{$ 

ક્ર્યાનિશ્વાની સુત્વાની વાર્શ્વના ત્રીક્ષા શ્રાન્ટ જ્વારા ત્રામાં છે. ક્રિયાની વાર્શના ત્રીક્ષા ત્રાણ ક્રિયાની ત્રાણ ત્રીક્ષા વાર્શના ત્રીક્ષા સ્ટ્રામાં સુત્રાના ત્રીક્ષા વાર્શ્વના ત્રીક્ષા વાર્શ્વના ત્રીક્ષા વાર્શના ત્રીક્ષા સ્ટ્રામાં ત્રામાં સુત્રાના ત્રામાં સુત્રાના ત્રામાં સુત્રાના સુ

र्याट्यान्त्रीयान्तरात्रीत्यात्रार्यश्चितात्रात्रीयात्री द्याकृत्वेत्रीत्याकृत्रीत्रात्रीत्रात्रीत्रा लयाविष्यान्याविष्यानु । त्याप्यान्याः अर्थान्यान्याः । व्याप्यान्याः । व्याप्यायः । व्याप ८८.४२। विधिषात्मार्थरायाराज्ञीयात्मार्थराज्ञीयात्मार्थराज्ञीयात्मार्थराज्ञीयात्मार्थराज्ञीयात्मार्थिता ष्मिल.ट्यट.कि.तपु.प्रट.क्षा.४०लबा.मिट.,,येबा.यु.प्रवीबा.बा.धेशबा.तपु.ता.ट्रेपु.कैंट. लयाचिंदाया, अवृताद्वा वि.क्षेत्र क्ष्या विश्वा स्वाया स्वाया क्षेत्र क वे अवम्यापान्ता अर्ह्म्यापान्ता न्यतः वित्तः स्वार्यन्या स्वाप्तर्व्वः वितान्योवः स्वा यवित्यवत्वित्रव्यवायात्र यद्रेत्यायात्र यवित्यवायाः यावित्यवायाः वित्यव्यव्यव्यवायाः वित्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्य र्ज्य तापूर्। 2या. ये. प्रताया. येथया. ताप्ताया ताप्ताय तापत्य ताप्ताय ब्रे.बट.स्प्रु.प्रेयाबाग्री.पर्वेट.विटबाटटार्ज्ञ तस्त्राचा प्रचट.ताब्री.पर्वे.पर्वेट.बाह्या.ताब्रीबास्त्र ८८.र्बंब.त.ल.४चब.ग्री.र्झेंट.तपु.पचंटबारबारहूंब.तपू,,खेबायवंटाता.क्षेत्र.धे। यूटायहूर. द्याकुट्गी में देव हे प्वेत तकट्पा ने लॉवट द्यापा महाराष्ट्र प्येत हें लेव ह्या नि चल. थ्र. कुं अ. खेटा। लर. यं या टाक्र्या संया तर्या हो या हो। देश हो। याङ्कः, बुका स्वाका देवा वाचुका ज्यावाका श्री याशी टका त्वाका यो ट. स्वाका टटा देवा वाचुका वेवा वेवा वेवा वेवा योद्भवी.तर.पहूच.तर.थु.होट.ट्री लर.वय.तूट.ग्री.जू.क्य.शट.तू.खेवी.वट.क्रैल.प्रवीया ला. स्वीयाना तु. मुवायाना वु. चु. मुन् . क्व. लया अक्षेत्र तान्ता चूर्र न्तर स्वीया श्रे. रेगायायावव स्वयावे वेट्या रेगायायाया यकेट्यर प्राप्त राया थी

कूट्ट्र्यं क्री. मुवीयानेट्ट्र् क्रियानेट्वा क्री. मुवीया ट्रेट्ट्र्यं क्री. मुवीया लुवा यावयं क्री. विष्यानेट्वा क्री. मुवीया क्रियानेवा क्री. मुवीया ह्रेट्ट्र्यं क्री. मुवीया लुवा यावयं क्री. विष्या मुवीया यावयं क्री. विष्या मुवीया यावयं मुवीया यावयं मुव्ह्रित्ता यावयं यावयं मुव्ह्रित्ता यावयं यावयं मुव्ह्रित्ता यावयं य

स्ट्रियः प्रवृत्त् स्व्राक्त्यः क्ष्रियः क्ष्रियः क्ष्रियः क्ष्रियः प्रवृत्तः क्ष्रियः स्व्राव्यः क्ष्रियः प्रव प्रवृत्त्रः स्व्राव्यः स्वर्त्तः स्व्राव्यः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्त

<u> र्मुनमः न्यामः द्वामा का का उमा उमा अप्तामा प्राम्य प्राम प्राम्य प्राम्य प्राम प्राम प्राम्य प्राम प्राम्य प्राम प्र</u> यधु.क्षे.य्र्। यम्त.क्ष्रम्।म्त्यामःप्तामः(८५म। "दे.यमःश्चेतःस्मात्स्मातस्यामः वयायायक्यास्त्री याद्ययायायाद्ययास्त्रायाद्ययास्त्रायाद्ययायात्र्यायाद्ययायायाद्ययास्त्राया त्र्.ह्रील.भ्रूषा.ग्रीयानी.क्.त्र्.लाट.क्.पंथायानेया.वाष्ट्री.वाष्ट्रीया.वाष्ट्रीय.वाष्ट्रीया.वाष्ट्रीय.वाष् यर्ट्रिट.ट्र.विश्व.त.खुवा.विंट.वश्री श्रुट.येश.वोट्र्ट.वि.वर.वयेश.छे। वोट्र्ट.ज.येश.कुव.त्र्. यक्. तमिट. चे. त. चेट. ट्रा ट्रेट. त्या अ. वे. तम् अ. व. मूंट. टे. चेश. त. व्या चेट. वर्षा छट. द्याः क्षेट्र च न्या प्राप्त हो। क्षेट्र त्या हे प्रविष्य प्रमुट्र च न्या हो त्या हो। अर्गु.मु.लट.ट्.चेम.रा.धुवा.चैट.यमा श्रट.यम.मु.चे.चम.प्रेचीम.ही मु.ज.पट्या.मु.झैय. र्यो.चे.य.विट.ट्रा पुष.पूर्या. थ.वे. पर्ष्या. य. श्रीया.श्री. प्रे. य. य. विष्या चिट. वर्षा श्रट. यथा श्रेट. य चि.चर.चयेवाबा.पे। श्री.जा.प्री.जाषु.जस.चमैट.चि.च.चीट.ट्र.। वाट्रेट.ट्र. वाट्रेट.वायेवा या ८८ श्चायाविषाने वरायो अति स्वायायवि चि तरायायाया है। त्र्रायायायाया स्थाया श्वायाया है। च.लट.ट्र.क्ष्र्यालुष.ब्रू., ख्र्याताक्षेत्र.ट्ट.त्र्.च्या.ग्री.ट्र्य.टी.त्र्य.क्ष्य.पचच.कुट.क्रीय. अर <u>ड्र</u>िट्र प्रायम र्क्ष्व प्रायित सुमी अर्थ प्रायित स्थानित लीयो.र्ट. ब्रैंटि.तपु.पि.च४. सूर्योया.ग्री.पिट.तर.जया.र्ट्योयया.र्ट्टाव.ट्र्या.ग्री.क.४४१.४८. य.य.बे.य.कें.य.वी ब्र.य.ट.क्रिं.वाबेब्र.व.ट्वा.वी.क.वंब.यटा. वार्ट्ट.यटा.क्रेंट.वाबेब्र. <u>रच्चित्रमात्रीः कः व्रमाधीवः है। बेरवे रत्रात्रः व्रमाद्रमात्रे वार्षे व्यास्थ्रे अर्था रत्रात्रा</u> श्रेन्द्रिन्यःक्ष्र-द्रा देवेःक्ष्वाःक्ष्वाश्रवायःवार्यःतःक्ष्याःच्रेन्यःवेद्र-तःक्षेःक्ष्वाःच्याःवाक्ष

क्र., ख्रम. क्रेंट. टट. क्री. चांचुम. क्री. ट्यं ट्याप क्रुष्य टट. क्रा. पटे. चीट. ट्रा. विट. ट्री. चांचुम. क्री. ट्या क्रिट. प्रा. प्रचाया चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट. चीट्ट. चीट. चीट्ट. चीट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट्ट. चीट. चीट्ट. चीट. चीट्ट. चीट्ट. चीट. चीट्ट. चीट

व्यापटाञ्चिताञ्चेत्राज्ञीत्रात्तुः र्कः र्वापवित्वकुः र्वाप्ते क्वापायित्रः ग्रीत्राने त्ववत्रापाद्या अयार्गः ह्येयाः क्षेत्रा ग्रीयाप्तरा क्षेत्रा ग्रीयाय्यायाः काराविरापार्येयायाः विराधियाः विराधियाः योत्त्र र हे पतित्रं अट र मार्च र पति र में मार्च र पति मार्च र मार्च यानेका हे प्रविद्या यार्ट्र त्यापायु उन्होंना ह्रिंट वे यार्ड्र याय्य उर पङ्गेका के त्याप्टर यात्त्य.य.मुवा श्री.य.रच.य.रम्या.स्। भूयातायायायावय.य.र्यासुयाग्री.मैया.त्.ययया ग्रीयायह्रित्रं वियास्तायह्रवार्त्री ८.उटावारायावहिवायाग्री उयादवावेट्यार्टी प्राप्त विद्यार्थी प्राप्त विद्या विश्व स्वार्त्रः ही स्वार्व्य दिन विश्व क्षिया क्षिया स्वार्थित ही हिं छव दिन विश्व हिं स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वा *ॹॖॺॱॹॖ*ॱॺऻ*ढ़ॖॺ*ॱॹॱय़ऀॱक़॔ॱॸॖ॔ॻऻॺॱक़ॗॕ॔॔ॱॱ॔ॱॹॖॕॸॱय़ॱॸ॔य़ढ़ॱक़॔ॱॹ॓ॱक़ॕऻॹॖॺॱॿॖॱॻॱॿॖ॔॔॔ॸॱॻॱॴ क्षे.च.थ्रवे.ब्रू.र्यटा वेथ.त.ब्र्यायरार्यटा ध्रुंच.त.जवी.स्ट.र्यटाविंशालुथ.ध्रे.थ.यर्था पट्टी क्रमाणिय रहें "वेषाप्तिर्ताक्षर रहें। "येषार्दा ह्येषा ह्येषा ग्रीषापर ये। ग्रीषा वषा षा का यवुर पर्योषाया से प्रत्या गर्द र उपवे ध्येत से अवस्य मित्र परि प्रत्या गर्द र उपवे बेषारादि घः भ्रुत् वे र्श्वेत्राचर्ष्व प्यार र्श्वेव र्त् र्थेत्र रायर श्रे श्रेश्य र्शेत्र र्शेत्र र्शेत्र र् ર્ક્રવા.લવ.ઋવય.ક્રીય.ગ્રી.વર્ફ્રેટ.ચૂંત.ક્ષેત્ર.તીય.જી૯.ક્રીય.વ.તીય.ગ્રુટ.કુદ.ો જે.ધેત.ટી.તજા.

उषाकेत्र प्रवि र्वेति क्विन् र्वेत् सुयायदिन हि सून अकेत् रह्या याद्रा वार्देत या उषा केत्र पर्श्राचक्रिन्। क्रॅन्या हे.पत्ने। प्रिंया चक्रिन्। क्रेया वह वा तो क्रिया हो वा क्रिया हो विष्या हो विष्या हो व तमुन्नुः तान्तुः तान्तुः तान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्तुः वान्त वार्झ्.त्र्रःक्रिं-तपुः,त्र्रं,त्रंत्तिला,त्र्रात्वाचा,श्रीवियाता,त्रावे कुटा। ट्रे.ट्वा.वी.भ्रूंप्रायम्।ताष्टा र्वेषान् प्रवाचन्या योषा अर्वेदाचा वे प्रवाद अर्वेन थिन प्रविव वे सम्माधिक । दे वेन १७/१०४ "विद्रात्र्या केत्र पर्के पर्के प्रमुत् चेर रहे वा यप विद्रात् केत्र दे हैं हैं खेता दे त २४.५वास.पङ्.पश्चेर.विटा। ङ्वा.८८.ङ्वा.झ.ङ्वा.५.वाश्वा। यत्.ग्री.७.८८.वर.पष्ट. चि.यशिषाः तुर्या पत्त्र्यः यटः विष्टः तु. श्री.यायशिषा। यत्त्यः यप्तु यायदि यत्त्रः यप्तु स्व.यशिषाः धेर्या पत्रिट.टेट.के.जेट.के.<u>क</u>.चिश्रमी जवा.त.वालब.टेट.पट.पट्ट.वे.वि.विश्वेत्रा.लुयी चेट. ट.र्ट्यूब.त.र्पि.च.यशिष्रा जवा.त.वात्र्य.रट.उट्ट.टपु.ची.वाश्वेष.त्रुचा खे.रट.क्र.त्र्र.जी. वया.यशिषा। ज्या.प्र्या.त.र्ट..यर्ट..यपु.चं.यशिषा.लुप्री। श्रु.र्ट्ट.स्.गूर्टा.घया.यचट.यशिषा। धेव्या बाञ्चवे त्रेषाचें इत्या केव पक्ष प्रमुद्द प्रमुख प् हे अह्ट त्या अक्ष्य में मुं हे में वार्य राजनाया। मुं हे में वार्य ही। में धार्य खुवार हैं में चयास्या दे.र्ट. इ.स्.विवाक्ताञ्चया श्चेर.स्.वायुजार्टा वार्ष्यारायः ख्या श्वायाः स्याप्ता चम्चित्,श्चित्,॥ तथा,यतः,श्चेत्रथा,यतः,यवितः,यतः,यश्चिश्र॥ ययोत्रः,यतः,यात्रः,यातः,यात्रः,यातः,यात्रः,यात्रः,य यशिया। श्रृंयान्तरान्य त्यायानीयाने र्वाचीना श्रृंतार्यो त्याचीना चेरावाधीना श्रृंतार्ये चत्रीं व्रियःचम्प्रितः चेत्रः व्या क्रूटः प्रतः वाव्याञ्चवः मुखः व्याव्याञ्चवः व्याव्याञ्चवः व्याव्याञ्चवः व्य क्र्यं त्यक्रें त्यक्षें त्यक्षे त्यक्षें त्यक्षे त्यक्ष

त्रियः व्याः त्राटः श्रेष्ठाः वृटः । इ. चषुः यूटः टी. चिचेटः तः क्षेटः उषाः कुषः चषुः यूः पट्टे वुः इं. विजाः क्षेत्राः क्षित्रः अटिटः विट्यः चृटः हुं। श्रा पट्टे , प्यूं, चषुः विटः चिष्ठ्यः ज्ञिषः व्याः व्य તર્સન લુવા. ભૂને. સ્રી ત્યાર્થન ક્રિયા ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્યાર્થન ક્રિયા ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્યાર્થન ક્રિયા ત્રાસ્ત્ર ત્યાર્થન ક્રિયા ત્રાસ્ત્ર ત્યાર્થન ક્રિયા ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્યાર્થન ક્રિયા ત્રાસ્ત્ર ત્યા ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રા ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર

श्रीट दुवा शुं र्सेट पार्च रेनेट श्रीतु वार्तुट दुवा है। श्रीय श्रीय श्रीय पार्च पार्च पार्च र वित्र वोदि श्रीय पिट तह्र्यालाव्याम् अप्तान्त्रेति त्र्राच्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्रम् अप्तान्त्रम् म्यान्त्रम् अप्तान्त्रम् विष्ट्रम् प्तिट.ज्ञी श्चि.क्.स्री वे.त्.र्ययर.रेट. श्चि.यर्थाल.त्र्र, श्रुष्ठ.यर्रेट. रेवा.रेटा क्र्टारव्यी.ज्ञी वर्षित्राम्भी:षाविष्य,यञ्चर,ट्टा श्चिं,यञ्चर,जबाश्ची,क्स्सी,ट्टा श्चिष,यञ्चर,जबार्ट्यपः श्चि विष्यातिष्यात्रास्त्रास्त्राचिष्यात् स्वाधिष्यात् स्वाधिष श्रुट.री.क्रीय.येथ.री.रेवा.वी.क्रीर.ता.ज.तूर्र.श्रुष्ठ.वरिट.रीवा.क्रुश.च्रत तूर्र.श्रुष्ठ.वरिट. र्चेता.कुर्या.पर्टूट.कु.ला.तू.र्जूट.जा.सूर्याया.राषु.श्रया.येया.कुर्या.सूर्या.यायाया.चीट.गी.र्जूट. द्यालूट्रातालावियातपुर्सूट्राक्ष्यायर्ह्न्यायाध्या द्वायस्यावा सूटार्च्यान्ते स्ट्राह्याः क्रेब्र-र्यते ख्राब्र-हुवा क्षेरवाट : चवा ने ने राम हुवा ध्येबर त्या वार्ट ट हुवा है 'हे हवा क्षेर क्षेत्र वार्ट ट क्रिंट.जबाष्प्रकृट.राषु.येबाक्य.क्ष्य.क्ष्य.त्रं.रीवी.लीय.राबा.ट्रं.वीयुबा.ट्र्यं.वीव्या.त्रं.प्रं.वीवा.वी भ्राचित्। बाञ्चार्यक्ष, व्याप्तान्त्र, व्याप्तान्त्र, व्याप्तान्त्र, व्याप्तान्त्र, व्याप्तान्त्र, व्याप्तान्त मैजाव्यक्षामित्रा वित्रां मित्रां मित्र चैवा.ड्रथा.पत्त्रा.ता.बु.का.ट्वा.झे। ट्राट्वा.बु.म्ब.ट्य्य.वाड्या.कुवा.कुवा.वुटा.तप्.वाट्टा.कुटा र्स्। देबाबादे प्वाप्यार्यप्राण्ची वादुष्टाकुत् रह्मा वाया यप्यावद्वार्यायाया यप्यावद्वार्यायायाया ८र्त्रव क्रिट र्वे वे श्रुवा राष्ट्रित ता लावा स्त्रेत स्त्रेत स्त्रेत स्त्रेत स्त्रेत स्त्रेत स्त्रेत स्त्रेत

 $2 4 \sqrt{3} - 4 \sqrt{4} - 4 \sqrt{4}$ 

त्र्राकुत्वानुत्रात्वाची क्षेत्राच्या मान्या द्रित्या देरा हे स्वरासके प्रक्रिया स्वरास्त्रा प्रसार श्रेतु त्र ्रक्ष्याषा ६०० व्या "रुषा रुषा रुषा रुषा रुषा द्वा वा सुरुषा ह्री रा शु र्वो रा गा सु। त्र्राम्याम्बर्ध्यात्रात्त्र्वात्यात्र्यात्रात्या क्रिंटायात्रात्या क्रिंटी स्वराव्यविष्या वार्यात्यायेटा कुर्य त्युट त. प्टी। झ. कु. चम्चेट , ग्री. प्वट . ह्या . झ्या प्टीया। म्या च्या क्या व्यवायाया परी। पर्चे.से.स्वीयु.प्र्वा.स.अंट.वंबारचीवांबा। क्षेवा.स्वाबार-द्रातावाचर.य.परी। स्राक्षः क्र्.र्यंत्रम् क्र्यं श्चर्यं विशा परियायोर्ष्टा अम् विषयायानु अष्याया वर्षा वृष्यं र्पययाञ्च यथ्रियाग्री:श्रेपायायव्या त्राक्ष्याच्याययात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या अक्ष्रम् सुन् । अक्ष्रम् भी अप्तर्तर र र्योट स्यावन्य । वेषावर्षिर पास्तर है। स्रमाके व चन्द्रन्यःत्ना वित्यवित्रार्यः श्चित्रः श्चित्रवात्रः श्चित् । स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः श्राचर्रान्यस्यायस्त्राच्यत्राच्यत्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच वियातालुबाब्री "कूटाब्राच्रालाक्रीट्राचेराबेबायवार्षीयावार्षी" खेबातपुरवेराबुराखार्याक्षा **ढ़**ॱॖॖॖॖॴॱक़ॕॱॸ॔ॖज़ॱढ़ॖॱॾॢ॓ॱॸॸॱॺॎॴॴॻॖऀॱढ़ॖॱॸॕॱक़ढ़ॸॱॻॕॱॴॶॴॱॻॖऀॱढ़ॎॖॴॱॸ॔ॸॱॸॸॱॸॺॸ॔ॱॴॴऒ यः के.यः अ.स्.स्ट्राक्तां क्रीट्राया है स्थर अक्रिट्रास्य । स्थिता स्थिता स्थिता स्थिता स्थिता स्थिता स्थिता स र्जूट.र्टट.ट.कु.र्जूट. $\|$  व्या.व्या.र्जूट.र्टट.यथिश.लुच.यू $\|$  ट.वीट. $^{3}$ .पूर्ट. $^{3}$ .लिज.ट्रेट.ट.

कुःर्जूटा।। तूर्यःस्त्राःसूराःग्रीःसीयाःसूरा। स्वरःयोटाःश्चिरः ख्रियःद्राः यर्ट्रिटा दे.याच्युटा रुव म्युः र्ह्येटा याह्युवा ध्येव॥" वेयाद्या प्रश्ना प्रश्ना स्थाप्त के पर्वेट  $\Box \widehat{\mathbb{P}} \angle_{\widetilde{\mathcal{M}}} \angle_{\widetilde{\mathcal{M}}} = \angle_{\widetilde{\mathcal{M}}} - \widehat{\mathbb{P}} + \widehat{\mathbb{$ यालया. त्रापटी।,, ख्यारा. क्षेत्र. ही ट्रालटा का. स्. क्लंट मी. त्राष्ट्र. कुर्य. त्र्यालया ल. चिवा. वी. तर्रा वी. व्यूंट. ट्रि. हीर. श्र. केंट. व्यूल. व्यूंल. ट्रि. ही. होवा. त्यूंट. ग्री. श्र. द्रवाया हीट. व्यूंल. लब्र चेब्र त्र मुन्त ब्रब्स त्रेत्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र विषय विषय क्षेत्र विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय श्रवास्तित्रित्रि देवे स्वायाव्यायाच्यास्त्राच्या देवे श्रवास्य वित्राच्या स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वाय ह्म दें। दे ल ज्ञा पार के क्रिंट दिए क्रिंग क्रिंग क्रिंट दिए क्रिंग दें हिए दिए। चिरः त्रुः र्वेतः ग्रीः स्थापने क्वार अर्दे तेः स्टार्क्ते क्रुतः न्या वितः त्रार्वेतः ग्रीः स्थापने क्वार अर्दे तेः ट्रथम.क्यु.कैंट.टट.। चर.वट.भ्रीयु.ब्र्न.प्रे.कैन.ब्र्.टिन.क्यु.कैंट.वाशेष.यु.ट.कु.कूंट. ८८. व्या. व्या ट्रेर.४४.र्झ्ट.६४.ग्रीथ.विय.त.त्री४.ध्री ट्यार.ट्र.र्झ्ट.ग्री.ग्रीय.यध्र.८८। वि.ट्र.र्झ्ट.ग्री पर्श्व पत्नी वया प्राह्म वी प्राप्त पत्नी ह्म क्षेत्र तपु.वोष्यात्रक्षराचित्र का.स्.र्जूर्याके.य्वेव कि.र्चेव त्या.व्या.व्या.व्यंत्र तम्मेर.स्वायात्र त्या खेबाची।, खेबाट्टर्याताक्षेत्राट्राक्ष्यात्रकाष्ठ्रायाच्चाक्र्यात्राक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष त्त्रवाष्ट्री का.स्.र्स्ट. वी.क्टि.तपु.र्स्ट.ट्र्य.वीययातायु.श्रव.प्टे। ट्याप्र.स्ट.वी.क्या चबि'चन्नद्'च'क्'र्र्-'द्-'कु'द्ग्रा-'क्ष्य'षी'कुल'र्च'र्स्याब्र'गुट-च्य्युट्ब्र'चंद्रे-'द्-' लुबा ञ्च.बूट.ट्यार.बुच्.वरिट.कैट.ट्री। क्षेत्र.त.वित्र प्रच.वरिट.कैट.पुटी। वायेश.कूट. 통적·덧면·회신는·확신·년비 등는·별·성·(由는·회신는·확신·것인 회·됐는·된) 정면·회신는·확신·년비 र्टेट.पु.धुट.येरजन्ना "जूट.म.च.म.च.म.चूट.वाचमा.च.लूटी। ज्ञ्चा.पर्चिवा.मूंबा.वार्धमा.यर्थः

પત્રદાયા છે. મું મું ત્રાપ્ત ત્રી ત્રાપ્ત ત્રા ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ

मृ.विंट.र्ज्ञ.लु.केंट्र.रा.ह्.क्षेत्र.षकुट.क्ष्य.लटा भुष्टे.पट्.क्ष्यायात्रल्यया "सूट्रय ज्ञ र्यार.क्र्.र्यं.लूर्या क्र्.र्यं.यम्.योर.यर्थ.याष्ट्रेम.लूर्या यर.य.वि.च्.यं.वी.लूर्या वि.र्यं. चयाग्रीटाचळी.बाधुयालूटी। श्चटाचाश्ची व्याळू.ट्बी.लूटी। क्च.ट्बी.चयाग्रीटाचळी.बाधुया लूट्या, खुकार्ट्या त्र्यु, श्चिट्यवारा वार श्चिट्य क्रिया श्चित खुकार्य क्रिया खुकार क्राय खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्राय खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्राय खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्राय खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्राय खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्राय खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्रिया खुकार क्र चग्रवाच्याः व्याचाः व्याचः व्याचाः व्याचः व्या न्तः न्याः न्याः मुलः र्स्टः क्षेः चरः मुकार्यते ः श्चर्ताः व याः स्वाः स्वाः स्वाकाः श्वरः स्वाकाः स्वाः स्वा वयाक्षः भेटावयायाक्यायदाचार्यदाकेटा। याववायाटार्याटार्ट्राह्येटायी भ्रान्यायाया  $\dot{\mathbb{A}}_{X-Y}, \dot{\mathbb{A}}_{X-Y}, \dot{\mathbb{A}}_{X-X}, \dot{\mathbb$ ब्र्यामारपायः वृयाः वृ. श्वाः यन्त्रमायाः प्रायः प्री प्रायः त्याः व्याः स्थाः प्रायः श्वाः व्यायः विष्यः स्था चलः स्वाबाग्रीटाचर्चाट्याचादे स्वीदार्ज्ञा प्रतिन्त्रीत् स्वाबाद्या स्वावता स्वावता स्वावता स्वावता स्वावता स्व **अ.तस्य.तपु.हूट.**रीया.(क्य.ब्रट.ग्री.अ.लीय.स्ट.री.वाययाविय.तपु.हूट.तब्य.रीय)शूर्याया.श्रट.री.तप्त. डिटा। चॅट्'क्षे'ल'ब्रेट्'पति र्बेर'पति वे वेंर स्तु'ग्वम्बराक्या'पति र्नुष्रासु र्टा पञ्चलापा र्टा. तृषु व्यापची पर्चिया यो श्रिया ती विट. यो अक् इत्रार्ट्टा प्रवृत्ती या पर्वा प्रवृत्ती प्रवृत्ता विट यो अक् इत्रार्ट्टा प्रवेता यो अप र्ययात्रक्र.कि.तपु.वे..वे..वे.वेयाव्यात्रपु.र्यं चेर.त.वेया.या.सि..के.तपु.व्रं इति.चातायार्त्यातायाः । इति वातिषायां वात्रायाः इता स्वात्रायाः स्वात्रायाः स्वात्रायाः स्वात्रायाः र्जूट.क्ट.जू.क्रैंथ.थी.चर्चट.क्टर। यञ्चल.त.र्टट.तूपु.च्या.पर्ची.चे.यू.तूपु.धू.ट.क्श.ध्या. क्ट.व्ययर.ज.लूट.त.हीय.वट.कुय.मैज.तू.ज.कूट.व्यर.सूज.लट.झट.। व्ययर.झट.जया "तवावार्ट्वार्थ्यामुअर्टे श्चायार्थ्वा श्चात्वार्या श्चात्वार्यः स्वाके चार्टे धिकासेत्।" केवायायर्टे श्चायाः र्देव. व्यत्यी. भी. त्री. व्यत्यावात्तरी. वाद्य. त्र्यं . त्र्यं . त्र्यं . क्षेत्र. कष्टे . क्षेत्र. कष्टे . क्षेत्र. कष्टे . क्षेत्र. कष्टे . कष् च्या-दे-याधाद-याचर-इसमासु-पर्योत्-धर-स्या-स्या-स्या-पर्ये प्राथिया-धर्ये प्राये प्राये

श्चें.क्.से.ला.कैंट.दा.ह.केंट.अकुट.क्वांताता शुरि.पट.कवांयात्रवंता ,,टिशं.क्.से.ज.टी. र्वी.लूट्री र्श्व.क्.स्.लु.वी.ट्री.ट्री इब.ट्ट.इब्य.ट्ट.कु.ब्रूच्य.विष्या ब्रू.ट्र.ट्रेट.ववी. बरार्चेबी झॅ.स्.झॅ.लबा.क्बा.संबा.टबी ट्रंक्.झ्.ज.चं.टबी.लुबी, खुबारटा १०, झूट. योग्रम् हूट योश्र झुष कट ट्रा अट झार्या योश्र हे या कट ला। स्वापर्द्ध हो योट यो पग्रीट.च.पटी। कु.चंब्र.मू.चू.चङ्गबानातटी। षट.चंब्र.मोचंब्र.चंट.श्लेम.ब्रापटी। पर्वजः वया है नियाववाया र्ष्या वर्षा देखा र्षा हो । यो वर्षा वर्षा वर्षा हो । वर्षा वर्षा हो । वर्षा वर्षा हो ।  $\angle \hat{a}$ . $\angle \angle \hat{a}$ . $\angle \hat{a}$ . $\angle \hat{a}$ . $\hat{a}$ ऱ्यायाक्किंट.पट्ट.सूर्ट.याबुर.हूट.याली.डु.षाय.कट.टटा। श्चट.झं.स्या.याली.डु.लाय.कट.टी. रु.च्.क्षर.होट.पश्चिवायावयाः स्नराम् यात्वरामीयाः भीताः वित्राचित्राः वित्राचित्रः वित्राचित्रः वित्राचित्रः कवाबा क्षेत्र वी पद्म क्षेत्र सूत्र द्वि प्रविषा स्वाविषा व हो रिटा पद्म सक्ष त्वि पर्दे खे विषय स्था योष्यात्रात्यभित्री क्रूंत्याय्र्याङ्कृत्याय्र्याः स्वायायायायाः स्वायायायाः  $\underbrace{a}_{L,L'} - L^{-1} - L^{$ लीलाक्ष्रात्मन्त्राचा अन् स्वाचा वाला हे वे हां बी वीता सं चवा नाम सं निर्देश योती. झ्र. योध्यालय . पट . ता. ख्या. लूट . ट्री योय प. झेट . जया , स्वट . लट्या ता योशिया ट्रे. सी. जा. व्या भ्र.पुव.जेब.श्व. १८८८ हुण १८८० हुण १८०० हुण ग्री'वालर स्. वट दटा चेट वी ट्यार सं. वटा स्टावित ग्रीम वट वास्त्र मुर्ग विरावित ग्रीम तपु.चट.कुर्थ.क्ष्म्थ्यः $\hat{\mathbb{R}}$ .क्. $\hat{\mathbb{R}}$ .तु.५वाया.ग्रीया.चर्वा.पे.पर्वट.प्रमा.विष्ठ.रि.स्थिवाया.ब्र्र. वर्षेषाचितः देवार्वे।

श्चिर्यक्षेत्रायाःश्वितः श्चित्वायाःश्वेत्रायाः श्वेत् । याः स्वायः स्वयः स्वय

याययः श्रीयः क्षयोवः श्रुपं त्यायप्ति स्थायः विष्यः श्रीयः स्थायः विष्यः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थाः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः

त्वी.कैज.थ.ध्रं त्याह्ने कुट त्यृष्ट क्यायात्य यो व र किजा या स्वाचिता में स्वाचिता में स्वाचिता स्वच

वा.र्ट्रेर.ज.थर्षः विज.पहला। ववा.त्.मै.लु.प्व.वार्च्य.मुरी। भी.मैज.त्र्र्रा  $| \Box A \cup B \cup \Box A \cup \Box A$ थ्रेट्र $\|$   $\chi$ . = . ब्र् $\|$ ट्र, तथ्र, तथ्य, तथ्र, तथ्य, तथ्र, तथ्य, पर्या चर्यान्यायार्च्याः स्ट.वीः व्याः वर्षाः चर्याः क्ष्यः च्चेत्रः क्षेत्रः मेत्राः यम्बाना दे.र्ययः ञ्चावेकः ग्री.यर्.सिबाकः लुबाः, खुबाराः क्षेत्रः वं.स्.र्यः र्याय्याः विवारा मी.त्र्राक्ष्रथा.गी.षर्षराय.या्चाराष्ट्री श्रुय.त्र्र्यात्र्याचीवाषायश्चीवाषायथा वयार्रामुःधार्यावर्षेवर्मुन्छिन्। स्रार्चर्म्ययाग्रीयायाञ्चयायाञ्चन्यायायान्तरिवर्स्डः पवित्र-दर्भात्र वित्रमुषायर वात्र वात्र वित्रभूपवात्तु वित्र वित्र कुर्ति स्वर्षा धर्मा प्रति वित्र वित्र वित्र बुषाचेर सूरी ट.वु.टु.क्षाबालर तथी.विच.वचबाश्रट जावियामेट सूर चषु बाक खुवा. ब्रेन्ने भ्रम्यानेरान्यतः न्यानेषानी कृतायाने वात्री स्वाप्ता विवासी स्वापता स्वाप्ता विवासी स्वापता विवासी स्वासी स्वापता विवासी स्वापत र्षुज.र्टे.र्जु.र्टेट.पर्वेश.क्र्.टाबु.टार्थे.पुं.ट्यी.क्श.योचेय.राय.सू। योचेप.झैट.जया ,,शक्ष्यय. ब्र्.वि.ट्वतः व्यानेषायाः ब्र्वा ट्वतः स्यान्याः भ्रेषः याने ध्वेषाये स्वर्तान्यः ন্ত্র'यानेक'त्य'र्द्रन'र्य्वन'र्यु'योद्र'ने। कु'र्येद्'यानेक'ग्री'क'ठाळ्यक'सु'याद्रक'र्यु' यदे दें व वें।

 $\frac{\hat{B}C.Z}{2} \| Z_{CC} \hat{\Phi}. \hat{B}_{al.al.al.ag.} \hat{g}_{z} \hat{g}_{z}. \hat{a}. \hat{a} \hat{Z}_{al.al.} \hat{g}_{l}. \hat{B}_{al.al.ag.} \hat{g}_{al.al.al.ag.} \hat{g}_{al.al.al.ag.} \hat{g}_{al.al.al.ag.} \hat{g}_{al.al.ag.} \hat{g}_{al.a$ 

र्नोर अहिर ग्री प्रत्य वा अहिर पा धेवा र्क्ट रुव ग्री ह्यु र्क ह्या पर्द्ध र र र रामा र वा रे य्रवास्त्राचीयाच्या के पर्द्वाचात्रवार्यात्राचा विष्याचा स्राम्यके मार्चे विष्याचा स्राम्यके प्राप्त के पर्वास चर्चट.के.लूट.बूटी ट्र.धुट.र्ज्या ,,ट.कु.र्ट्या.खुट.थवेश.धु.चे.झ.झ.जा क्र्यावाव. क्ष्यात्र सं सं र के॥ विकेषा गुट्य से सार्वे प्रवृत्त मुं विषया॥ विकेषा गुट्य से प्रवृत्त स्वार क्रुंतु-क्षेट्रा कुःक्षेट्रकाः क्षेत्रात्र क्षं क्षेत्र व्यं प्राची यह्र प्रति सु मुकारे रे ते॥ वार्वट्रा कु मुकारे र रे.प्यया। त.कुर्य.झ.मेब्र.५.५.पर्या। लूर.भ.मि.मेब्र.५.५.भूटा। चेब्र.त.सूट.भ.५.५. थॅट्या" डेबरपर्सर में "वबरके कुट्री वॅट्रचर अर्मेर प्र लेबरपरे देंबरी वॅट्रिंट्र क्रेव 'र्पेते 'सु 'हुवा' वी 'वट 'वया क्रे 'र्वेय 'क्रॅंट 'धीव 'राया वावव 'घयया रूट 'ग्री 'वॉट 'ट् 'रागुर ' बिटा टे.यय.पर्वट.क्र.र्यय.ह.द्य.स्ट.लट.क्ट्र्य.र्यय.पटे.यावय.क्या.क्रीय.ची. र्याट त तहूर्वा ज्ञूला या धेया ता प्राप्त त्या विष्ता है। त्या प्राप्त हिंदि विष्ता है। त्या प्राप्त हिंदि विष् चिट-किंत-पट्टे.त्यूज्, ज्यूषा बीत. व्य अट. ट्. व्रिंब-तथा ब. . , अवि. स. चेट. वी. श्री. श्रीट , या कट. तपु.थु.अकूचा.भुेश.यं,,खेश.पसूट.त.टटा पर्ची.लु.सूचोश.जायची.हु.मैजायपु.सूट.ट्योर. म्र्यायानरीटालीजाक्ष्राजात्वाताचुर्ताचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राच वर्षित्रायः वर्षाय्वात्रायः श्चितायाः अटः खुटः विष्ठाः श्चेटः त्यतः अवः त्यत्रः त्यायः त्यायः वर्षः यट.त.भ.र्स्नेट.तपु.लुवा.क्ट.क्य,,खुया.टटा। श्री.पुवायाला.भवाप.स्सेट.तव्य.स्वाया.श्रीय. पति के पर्द्व गावव र्यं "वेषा तर्ये ए पा हुए। दे । भर केतु गार् ए द्वा गी वर व्या पर र्ये चर्नि.ज.त.चे.धन्य.त.स्वायाचायाचात्रम्.कु.च.चु.पर्ची.लुच.कुटा र्था.प्रचयाचरेचे. त. द्या थ. यवी ४. की. पु. पु. प्रति विषय । की. प्रत्या विषय । स्था प्रत्या विषय । स्था प्रत्या विषय । ब्र्यः चीवोबाराः ब्र्.ब्र्यः चैंटः यः पटा हे यथुषः क्ष्रें तः अटयः द्रुवाधिवार् विदः द्रुपुः देवा चीवोबा कु.टा.टटा। ला.बाट्र.टटा.विष्यंता.ग्री.चेटा.ब्रियोया.क्षेत्रवाया.बी.झी.टटा। क्रीया.ट्रटा.ब्रियोवा.बी.झी चर.\षत्रब्र.पट्टेर.पची.ट्ट.कूंट.चीवोबा.कु.च.ब्र्याबा.लीज.ची.ब्र्.ब्र्र.येबा.कैट.ब्र्.ब्र्र. च्यायायाः के कुट यो छिट यर थेंट दें।

ત્ર્વન્શ્રેઉ.વર્યન્ટન્ટિવાત્સ્પૂર્યત્ર્વન્ટ્રથાकैंच्यी.की.च्या.की.प्राचित्राच्या.प्राच्यात्र्याच्यात्र्याच्या दे.र्वा.बु.स्.बु.स्.कुब.स्.चबर.तपु.कूट.ल.वावव कुब.कु.चब.कुट.रा.लुब.कुट.टी कूट. के कुट्-रुव ग्रीम अर्हे से सर्व वया समिते द्वीटम व तर्वा पति ग्रीप त्वी पा वटम ग्री : <u> इ.च.२४.८८। श्च.च्याप.ट्रेथ.२४.ग्रीश.शर्घ.यथ.श्वर.पंगुश्वर.पुट.वीट्य.ट्रूप.</u>  $\square (1) +$ इ. ५४. ५ में अथ. राषु. के. योलयो. ८ टाज. म्री. ४. १५. ८४. ८८. । से. लुवा. क्र. ८४ मीथा. प्रथा. ର୍ଘାୟର.ଏଗ୍ରିସୟ.ପୂକ୍ୟ,ଜା.ଔଜା.ଅପ୍.ସିଲ୍.ଅର୍ଘ,ଅହ୍ଜା.ଘ୍ରି, ୪.ଫ୍ଲ୍ୟୁ.ଉଥ୍.(ଧାୟ.ମ.୪୯.ଛି୯.ହୁ.ଞୁ.ଅଧନ୍ୟ यमः मुः द्ववा अक्यः ग्रीः देः क्रं रुवः वे '८्वतः ज्ञः वावेषः ग्रीः ८्वाः द्वः धवा वावः स्वाः प्रवाः । ८्वतः व  $Q= \frac{1}{2} = \frac{1}{2} =$ ठव ग्रीय मॅ्ट त्य तुत्र है ग्वयट स्वाप्त ति क्षेत्र त्या मारा क्षेत्र स्वयाय प्राप्त स्वयाय स्वाप्त स्वाप्त स्व इत्यापीय स्वर्णना स्वयाय स ट्रे.ट्य.ज.कुट.कूट.के.भ्र.बूक.ट्ट. श्र.क्र.श्र.च्या पद्य.क्र्य.बूका.बूका श्र.क्र.क्याकार्या र्वतः द्वीप्रात्वा श्रायान्यान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्ता यालय । ह्या. ला. में ता. जीय । ह्या. ला. प्राया । ह्या. ला. प्राया । ह्या. ला. प्राया । ह्या. ला. प्राया । ह्या र्वेता.त्.मे.व्या.वी.क्ष्याविट.टट.मैं. व्या.पर्वेट.च.क्.टट.ज्.भूर.चर्थ.विथा.पर्वेता यर्थर.मुर्टारा.बु.लवा.अर्गु.ज.वीलवा.यं.यश्चर.य.र्टर.वाधुश.श्च.श.श्रक्षश ह्रीय.श्चरे.वार्टर. र्चे व. त्. पर्विं ट. प. रेट. क्रिं र. पष्ट, ब्रूज. ख्रिवा. क्रिं व व. प्रत्य र हो। यु. र यो र. रेट. रेटा ता क्रिया. खट-तपुःक्र्याञ्चट-श्चिट-क्ष्यःगुव-वावयः अःस्ट-क्ष्वावःयवानः प्राट-हे-पविव-पन्ट-तट्वा

શૈમ્યાના ત્રુપ્તા ત્રામાનું ત્રી ત્યા ત્રામાનું ત્રામાનું ત્રી ત્યા ત્રુપ્તા સ્થિત્વા સ્થિત્વા સ્થિત સ્

या.श्री.प्र्य.ग्री.यरिट.श्री.पु.२४४.क्रुय.पुन्र-प्रुप्त.यरिट.र्येग.योट.र्र.लट.थ्रा.घ्रेश. ह्री ट्रे.ब्रे.झे.च्रे.च्या.त.खेवा.वावया.वया.या.वाचया.तय.च्ये.क्यूट्राच्या.वावया.वेटा ह्येया.क्यूट्र म्रीयान्यान् विषयान्त्रीन् प्रिन् राष्ट्री म्रीन् राष्ट्री स्तर्भा स्त्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर्भा स्तर्भा वःगुःबुःर-८८-वानुवाबःसःधवः प्रवःश्वि८-र्यः वबःवि८-भवार्यःकैः यह्वः हैं है रि८-गासः चन्नेष्रःभ्रुटःन्चटःर्यःभ्रवाषावाद्दःभून् मुत्यःर्यते वात्तः स्वष्यः मुत्रः स्व यरिट.र्रेया.याट.लट.श्रुथ.धे। यायेवाबा.ग्री.येबा.क्रीट.एट्.रंके.व्री.वाव.ता.याबीशालप.रंगीट.र्जजा च्रवा को दे भी वात्रत प्रत्राप्तर प्रत्रा त्राया वात्रवाया (क्षव अद्ते ख्रिय प्रत्रे क्षव व्या की क्षेव वा वा बीय. व्र्यः श्रुम् अंतर्श्वायः श्रुमः भ्रव श्रुम् याद्यः वर्षितः स्वर्षः वर्षितः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वरं वृवा.य.ज.चचय.त.चळ्य.त्.ध्रीय.ब्रीय.ब्रीय.प्रिय.चर्य.क्रीय.व्रीय.व्रीय.व्रीय.व्रीय.व्राप्तय.व्राप्तय.व्राप्तय.व यवित्रामी: मुच द्वीत्रामिट्ट स्वराग्यं प्रत्याचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र वित्राचित्र क्रि-, बेशका ग्रीट, क्षे. कुर्व, क्रूवोबा तट्वो. यो, स्वोबा ज्ञाबा लाव , तर, वर, विष्ट, विटि. स्टाबा क्रीव, ૄ મું સેંદ વર પ્રવિવર્ધ સંધ્યા જોવા મુધા તું. તા સૂચો અ. મેં. ત્યાં તો બેંધો વર્ષો કો. કું. તવું. वर्टि:क्रिट.क्रम्अम्.क्रिट,क्रे.व्री.चवा.त.खुवा.व्री.क्रिट.टे.स्रथ.त्रु.व्री.वरिट.पहूच.तपु.ट्य.त. क्षमाग्री वान्य द्वेय पर प्रमान किया वारा वि प्रावि प्रमान वारा वि प्रावि प्रमान वारा वि प्रमान वारा वि प्रमान मुल'र्च'त्रद्व'त्वचट'र्न्ट'वॉर्वव'त्वचट'वी'मुन्'लब'अकेन्'त'र्न्ट'। खुट'र्च'न्यार'द्रवा' ब्रेर-वाशुक्षः थट : चु: कुट : यो कुट : येव : यर : यर : यर : या च : कुर : कु: कुव : ख्रुक्त : या : व 

चतु,  $\angle$   $\angle$  , शुंतु, विटि ,  $\angle$  वी, विट , उट, तुच,  $\angle$  , तुच, तुच, तुच, तुच, तुच, तुच, विच , विच ,

 $\frac{\hat{n}_{L,r_{1}} + \hat{n}_{2}}{\hat{n}_{1} + \hat{n}_{2}} = \frac{\hat{n}_{L,r_{1}} + \hat{n}_{2}} = \frac{\hat{n}_{L,r_{1}} + \hat{n}_{2}}{\hat{n}_{1$ 

पट्राचभ्रमःभ्राम्भः भ्राम्भः श्रीत्राध्यान् । स्वाप्तान् । स्वाप्तान् । स्वाप्तान् । स्वाप्तान् । स्वाप्तान् । बट.वी.शुरि.प्रवाबातवु.टटा व्ट.शुरि.वरिट.र्चवा.वाश.र्जूट.र्चवा.ये.वर्घट.ता.वर्धेबातव क्ष्यः साराष्ट्रियायाः पार्चियाः ने। यूर्यामी स्थानुष्याः कुष्यः याष्ट्रीयः सार्चियः स्थानियः विषयः विषयः विषयः च्यु. स्ट्री. स्त्रीय. खुवी. लुवे. जी चयोष. कुश्रम. टेंट. चयोष. पर्वेश. सूर्वेश. सूर्वेश. ज्याचित. जी चयोष. य.बैट.क्षेट्य.ट्ट.श्रह्मेंब.त.खेवा.ब्र्यी चूट.श्रुख.वार्टिट.सैवा.ब्रु.चूट.ख्रि.ट्रू.कुब.त्.जया.बैट. चयु.कुब.वावय.च्यु.कूट.झूज.खुवा.लुव.जा शुव.पट.क्वाब.टट.च्यूव.वार्वट.क्वाब. व्यातकन्वार्वे प्रान्तान्त्र्वाराविषाची वर्ते विषयी प्रात्ति । यह स्वर्थे विषयी विषय वी व्रिटार्श्वराद्यारी श्रीया क्रुट्रायमा की यो तर्वे पार्चिया प्रति र श्रीया माने माने माने माने माने स्वीत्र ત્રું મું ત્રામ્ય સુધ્ મું ત્રું તે ત્રું ત્યું ત્રું ત્યું ત્યું ત્યું ત્રું ત્રું ત્રું ત્યું ત્યુ श्रे'भी'तर्ज्ञे'च'तर्दी'तुन्'तर्ज्ञेति'र्रेगाषा'भषा'भरासकेन्'पति'र्ज्जेगाषा'न्। श्रे'सादी'र्सेन्' यायानः संत्रां भी स्वायान्य स्वयः अकेट्रायात्रे स्वायान्य स्वयः स् ल्ला होत् होत् वाया हे उत्राक्ति निवास हो त्यात क्षेत्र वा वाया हो त्या हो त्या अर.वायट.पवावा.पट्ट.चेबा.ट्यूबा.ट्री जू.क्रिबा.शट.तू.खुवा.ट्बा.यवा.वाकुवा.यवा.वाकुवा. मु पक्कित्रे ने के रत्या अत् विवा सिंदा अर्क्ष अया वार्केत् धी वो र पन् पार्या धीवा था उत्या केवर चबु.८८.शुवे.वि८.र्वेब.मुअ.त.वु.शूट.चक्ष.मु.अचग.शे.व्यायप्र.री.वीव.श.लुबे. तर.कुब्र.इं.यपु.पू.मु.सव्.यभूर.यपु.स्वा.क्वैंब.खुवा.लुवा.हूवा.यगूर.त.लुब.तब्र.चेर. अ.चस्वाय.तम.लेज.र्यं अ.पविवाय.त.र्.अ.लूर्.तय.जू

८ वे अर जित्र विकास के त्या वर पर्य के कि के कि के कि के कि कि के कि कि के कि म्त्रियं त्याची धिव त्या नर्द्र राति याव या स्ति त्य ति ति ति विया धिव ता त्य रा त्य से से हि। वीं ति ति ब्चिट से रेगम र्थेटम त्याया हुत हुत रामा त उमा केता वेसा तहें दारा दें ता या तमा से हा। तह्त्राच्चीटायट्टेराक्षे स्वाबाहिः ब्लेट्राक्षेत्राक्ष्या प्राच्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्य चबु.य.पर्यंत्र, प्रमाण्यंत्र, कु. व्यवसार्श्वर, त्या प्रमाण्या प्र ख्र-रामः वानः यानः सूर्वः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः त्यानः त्यानः त्यानः त्यानः त्यानः त्यानः त्यानः व त्त्री दे.शुव.य्याकुव.युव.तूर्यातूर्यात्य.र्ट्याः ग्रीट अं कुट्र प्रति द्वाराधिय हो। उषा क्रेव प्रति प्रां प्रद्वीपषा प्रदापार् वा वीषा करवा पहूर्यात्त्राप्यापःकुष्रबाद्यःत्यापःपर्वेशःब्र्याबालबात्विदःकुटः। त्र्रालाःबर्याःबालाः चितः क्षेत्र न्यः विषा अन् न्यः त्री नृत्यः त्रषा चिन् रहेषा न्या स्वात्यः क्षेत्र स्वा ने न्या हिन्य विष् अर्द्धर पात्रवा वी रे विषापात्ता श्रुपार्द्र देर तर्द्र त्या प्रार्थवाया ग्री रेवाया ग्री पर्दर यर्रम् अर्पायार्थे। वायान्ते व्याप्ते वायाप्ते वायाप्ते प्राप्त वायाप्ते वायाप्ते वायाप्ते वायाप्ते वायाप्ते व वयात्तर्टा झार्यूटा भ्रात्र्वाया स्ट्रिं ख्या खेटा है खेरा वा में खरा भीया ब्र्याया.ग्री.येथा.कुर्य.प्र.ताट.प्र्ट.क्र्या.तथा.यधु.ये.चीट्या.चीया.ता.धीट.तपर.कींप.कुटा। येथा क्रुयं त्वुं तदी र क्रूर विजातवीय हीं र त बुवा या लेव से तया सिर हिंदा ही दार से र टूर क्षामुक्षाक्ष्या भेषाव्याकून न्वांषान्त्राक्षान्य । हान्या हान्या हान्या हान्या हान्या हान्या । য়ৢ৽য়৽য়৾৽ঢ়ৢঢ়৽ঢ়ঢ়৽য়ৢ৽য়য়ৣ৽ড়৽ঀ৾য়৽ঢ়ৄঢ়৽ঢ়য়৾ৼড়৾ঢ়৽য়য়ঢ়ৢঢ়৽ঢ়৽ঢ়য়৽য়ঢ়ঢ়৽য়৾

प्ट्रिट्ट्री

क्षित्राची कीट्ट्रिट्ट्री

क्षित्राची कीट्ट्रिट्ट्री कीट्ट्री कीट्ट्रिट्ट्री कीट्ट्री कीट्री कीट्ट्री कीट्ट्

 $\begin{array}{l} \neg g_{1}(x) - (x) - (x)$ 

विवाधानापुः क्ष्मां स्वाधान्ने पूर्वाः मिः क्ष्याः अस्तुः स्वाः वावषाः क्षेमां स्वाधान्यः विवाधानापुः क्ष्मां स्वाधान्यः स्वाधानः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधानः स्वाधा

चेशःशुः वोङ्क्.तयः लूचं . टेचं . ट्रंट. शुत्रश्वा. ता वोङ्क. लूचं . ता वोश्वाच . चेशः चेशः विचा ता श्राण्यं . को मान्या - ट्रंट . क्रिया चिमा प्रति . ता प्रति . ता प्रति . ता प्रति . ता वोश्वा . ता वोश्वा . या विचा . ता या विचा . ता प्रति . ता विचा . ता विचा . ता चिचा . ता चचा . ता चचा . ता च . ता च . ता चचा . ता चचा . ता च . ता च . ता च . ता च . त क्रियः शुत्राया-दितपः शुश्या-दितपः क्रुवः द्वापुः द्वियः श्वेषः श्वेषः सूच्यायाः श्वेषः द्व्यः हुन् विद्वाः श्वेषः दिनः द्वियः शुष्याया-दितपः अथया-दितपः अथया-दितपः श्वेषः श्वेषः हुन् द्वियः श्वेष्यः द्वियः श्वेषयाः दितपः श्वेष्यः श्वेषः हुन् द्वियः श्वेषयः दितपः श्वेष्यः दितपः श्वेषः स्वियः श्वेषः स्वयः दित्यः श्वेषः दित्यः श्वेषः स्वयः दितः श्वेषः दितः श

दालुब त्रायासाला क्रीट त्या देश क्रीट जुरा हु ताल्य रस्याया देश या चालुब त्याया स्थाया स्थाय

## येव रियट अह्रेट इंग्जा क्ष्या ग्री श्रीट रेया क्रेंट्र

यहूर्य श्राप्त्रकात्त्र स्वापः क्रूंर्य जया श्रक्क्य क्ष्युः क्यं स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापः स्वा

स्वायायस्य क्रि. ताया वित्या क्रि. तायायस्य स्वायास्य स्वायायस्य स्वायस्य स्वायायस्य स्वायस्य स्वयस्य स्

तस्त्रे त्त.ट्रे.चे स्र.डीट्री (व्या क्र.केवाकावाकेच्यात्त्वक्यात्त्रेचकाडीट्र) डीट्र क्षे तिलाकी श्रुट्र त्याच्याट्र तिलाकीच श्रुट्र चि.चयाचे वाश्वा जवा क्ष्या श्रुप्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्या विलाक्ष्य विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाकी स्त्राच्यात्र विलाका स्त्राच्या स्त्र स्त्र विलाका स्त्राच्यात्र विलाका स्त्र विलाका स्त्र विलाका स्त्र स्त्र

लवा.क्रम.ज्ञुब.क्र्.भट.टट.क्रुंबाबा.बाधुबान्चेंबाची लील.बी.क्षटालट.बवा.स्.टबटा

क्रमायात्रे स्ट्राम् स्ट्राम्

र्वयाद्वीटा॥ क्षात्म्  $\mathbb{R}^{d}$ क्ष्रम्  $\mathbb{R}^{d}$ क्ष

 $\frac{1}{2}$ व्य  $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{2}$ 

 $\Box \overline{\phi} - \Box \overline{\phi} -$ 

पर्छ.त.च.५८.क्रिय.वी.(प्री प्रज्ञीट.क्र्यं क्रियं क्र.क्र.क्र्यं विषयः वीषा नियः चिष्यः नि लिला मी.क्रीट.क्रि.

यावयान्तरः नवादः ह्रेंबः न् निनः अह्ने न्युः ययायान्तर्ना यात्री यायन्यानुः नवाः नि तर्ग्रीट.ट्रा. श्रीय.ट्यी. (र्या च.५८.श्रीय.ट्या) क्ष्रया.ग्री. श्रीट.ट्यट.व्री. याळ्या. श्रीय. र्याच्या. વર્જુ મેં 'ત્રું અત્રા' તે 'શું માર્જન 'સં' સેંગ 'શું માર્ગન માર્જન 'સેં' સેંગ 'તે માર્ગન 'સેં' સેંગ 'તે માર્ગન 'સેં' સેંગ 'સેંગ ' चील.र्ट.श.यचीर.त.लुब.बंबा.क्षेत्रा ८.र्टर.र्यटा.थह्र.र्यी.त.पर्ट.ज.र्रति.र्यूबात. लट.लूट.ट्री वाबूट.ह्रीय.ल.बूवाय.ट.ट्र.ट्वा.घश्य.कट.शु.श.लूय.ट्र.ट्यूय.च्यूट. मैज.त्.लट.ट्रंब.मीब्यावब.जुब.ट्रम्ब.तबा ट्यी.त.मैज.त्ब.ट्यट.त्व.खुब.ट्ट.शु.स. त्त्रवाष्ट्रीय:प्राप्त वियापार्च कि. हो स्वर्था प्राप्त होया प्राप्त होता वियापित होता वियापित होता वियापित होता र्यं ते : श्रे पिकुत् त्रतः र्वतः ग्री कुलार्ये । लाडीत् : बेर त्र । लाटा श्रूर ग्री : श्रें त्र विवास विवास वि क्षेत्र-क्ष्रियायते. - त्वाद्त-त्व्यः क्षेत्र-क्षः त्वाद्यः न्वाद्यः न्वादः न र्वी.तु.यू.पुत्राट्र.मैज.स्य.पर्थ.व्येथ.वैंट.ट.य्यालय.पट्टे.ग्रीय.कुय.टा.तुय.यंत्रा.क्षेत्रा है। ट्रांर व। मैजर्यवास्यान्यान्त्राचित्राचास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य विष्याचा वाष्ट्रवा वाष्ट्रवा वाष्ट्रवा वाष्ट्रवाचा वाष्ट्रवाच वाष्ट्रवाचा वाष्ट्रवाच वाष्ट्रवाचा वाष्ट्रवाचा वाष्ट्रवाचा वाष्ट्रवाचा वाष्ट्रवाचा वाष्ट क्र.वावेश्वाताविष्याचित्रव्यात्र्यात्तर्यात्तराचात्रात्त्रात्तात्त्रवाताः स्त्रम्यात्रे दे स्त्रमः स्त्रात्वाया र्शेर प्रमृत्याय विषय विषय के अर्कें कि स्वर्थ हिन्य स्वर्थ हिन्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स ता.यतुषा.मुषा.मु.क्ष्या.कुट..टट..शबिय.ट्यूबा.मुटा। टट. स्वा.यबा.यवा.यवा.टट. स्. क्रै्यायाळ्:मे:स्वायापञ्चानेयायाञ्चेदानेयायात्रया अघराक्रुवायाग्रेवाच्वरादेवाययाञ्चेदाक्षा

देश'व'र्चर'तदी'त्र्वे'च'ग्ववशंश्वे'सुव'र्-उद्याचर'श्चूर'वश'द्यट'अर्द्धर'द्र्य'वे'सू धेव प्रत्य स्वादित के विष्य मित्र स्वादित स्व यावयाः ख्र्याः क्यायाः इष्रयाः यां प्रायाः प्रायाः प्रायाः वित्रः याळ्याः यावयः वित्रः यावयः यावयः वित्रः यावयः तत्त्री.यपु.सैयम.क्षा.यया.चैता.ब्रैता.श्र्योया.क्षे.योयम.ब्रूयो.क्षयोया.मुयाया.ग्रीमा.मु.जीटा.लूटमा श्री.वीट.र्थम्.र्ट्यट.चेम्.तम्.यी चक्कैट.त.र्धेम्.चेम.तूर्ट.विश्वम.स्रीट.र्ट्यी.च्येबाी खुम. यम्दर्भः देशकार्यः द्रान्तः व्यव्याविदः। व्दर्भः ग्रीः वर्षावयवाकाः देयः द्रान्तः वर्षे मुद्रः वर्षे द क्ष्यः स्वायान्तरायान्यात्वात्यात्वात्यात्रात्राच्या स्वायात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्व चियाः भैत्राः अर्ष्ट्रवे क्रियः र्यायाः यादः याद्र्ययाः यायाः याद्र्ययाः त्रायाः विवासः याद्र्ययाः विवासः याद्र *ट्रे.शुब.*ट्वाय.च्.ट्ट.र्टेट.श्लॅट.स्वोब.र्धी.कुब.क्षव्य.ग्रीय.ट्टट.विय.जीवाय.ट्ट. ट्रे.ट्वा. योष्यायपुर्वेतासूर्वेतासूर्वे भी भी अक्ष्य र्वेयासूर्य अस्ति र स्त्रीत्राय में अस्ति विषय स्वाया स्वाया स्वाया व.स्ट्रिक्षब.ट्येष.कुब.कूटी ट्रे.कै.चेंध्.चैंट.ट.ट्रब्य.टार्ट्र्य.टार्ट्र्य.टार्ट्र्य.चेंब.व.ट्रं.व्रे.कुंट.ट्र यथर्तात्मा क्षात्रात्मा क्षात्रा प्राप्ता क्षात्मा क्षात्रा वर्षा धिव प्रम्प्त्रम् प्राची प्राची स्प्राची स्पर्मे के प्राची स्पर्म प्रम्य प्रमानी स्पर्म प्रमानी स्पर्म प्रमानी स प्रवा.में.वाषु.यंबा.वाष्ट्रंट.ह्रीय.हीय.तयंटाचीय.तयंचिट.ता.वु.क्र्य.जवाबा.चेटा हेता र्वार ११८०मा श्रीत्र एकवाषा आवव त्रा दे व्यव सुं चर्त श्रीव वासुका सुं त्रा त्रीव वासुका सुं र्यट.विया ट्रे.चय.ब्रिय.विट.युष्पय.क्रैटी ट्र.जय.य.यटय.ब्रीच.ट्यी क्रीज.सव.टट.युज. अ. इश्या र्वेट. । वृश्यान्तर्

श्र.मूर्ट.शु.यथिथ.वी.य.वीट.य.जी क्षे.य.शुवी.बू.रेटा खेब.त.ब्र.वीबट.रेटा ब्रुंय.त.जवी. र्रट-दट-विश्वअः श्रेव में अः यट्यायदी क्रायाधिव के "वेषाया श्वीट्यायाध्या स्टार्स्ट स्टाया विष.श्राट.भ्रात्त्रीय.तपु.ल्र्य. पेष.विट.तप्र.त.प्र.स्.त्र.ता.भ्रा.भ्रात्मा.ख्रा.प्रत्यंत.तप्र.तप्र.तप्रत अ.शट्य.ये.पमेटी योलए.एर्चेश.ध्र.ज्ञ.पट्ट.ट्यीप्,,ख्य.श.शट्य.प्.ट्र.ट्यो.प्.प्.प्राच्य. श्रट तर्द्रवीय वियाना त्या गीट विया स्वाना ही गार्ष्या या र्ज्या व्यापन । दी वया पट र्यूट र्वायाङ्गाळूवायावाययाचा यमावायाचार्यायाच्याच्यान्तम् । स्वायाच्यायाच्यायाच्याच्या . होत्र : क्राप्त : क्राप य.पर्य.क्याय.ग्री.चे.झॅ.कू्याय.र्टा मिट.त्.कु.र्ट.के.से.के.मीट.ज.स्याय.त.र्टेर.पर्जूपु. ऱ्याबासान्ध्रम् स्याबाद्याचावाचान्त्रः वेषायाः स्रम्याञ्चर्वाण्यारः स्वाध्यान्यः स्वाध्यान्यः स्वाध्यान्यः स्व श.यट्य.दे.ट्यीयु.वट.टे.शु.श.यट्य.ग्रीट.लूट्.तय.बू। यावय.तपु.ट्याय.झूंब.लय.श. यम्यानम् नात्रे सेतायानस्य निवास्य मिन्तानास्य निवास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थान म्। तस्यार्यः के बेयारायः यायार्या मारायाः मारायाः यो त्यायाः यो त्यायाः यो त्यायाः यो त्यायाः यो त्यायाः यो त वर्षित्रात्तात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्रात्त्र्वात्त्रात्त्र्वात्त्रात्त्र्व अ.श्रम्य.खेश.चुरा.परीय

योट्ट-रलस्त्रियः क्ट-. क्षांलका कुट-त्यः त्यंत्रियः कुट-। योट्ट-रलस्त्यः क्ट-. कुः योचेषः ग्रीका त्यंत्वः कुट- कुः योचेषः कुत्रः विवान्ते क्षां व्यान्ते विवान्ते क्षां विवान्ते विवान

र्यः वियान्त्रेयाय्यः स्वायः स्वयः स

र्यट अह्र वाश्वभारा थे। ब रूर हिंव र्या वाभार स्ट्रिंट र्या हिंद र वा विभागार स्ट्रिंट र र रे धेवा चःरेट्वे चःचिव चःचविव देः भ्रमार् त्ये चित्र देव न्या वर्षेट देव न्या वर्षेट देव न्या वर्षेट वर्षे व योट्ट.योर्ये.श.र्थ.तर.क्वैत.वया.भूया.ये.याब्ट्र.त.होट.श्वय.ख्या.ही पर्यूट.ट्र.हीव. र्गु'र्र'ग्नार'धेव'अवर्ष'पति'र्द्वाव'र्झेव'व'के'ग्नाब्य'प्या' अवर्ष'पर्ख्व'प्रचर'र्देवे'र्पर् ग्री.मैज.र्यया ४.पपु.पर्टे. झ.तंबला विषया नेट.ग्री.प्यूट.त्.झेट.अयू.क्यी वीज्रा नेषामहित्रप्रति तर्योत्र स्वापित अर्थे क्ष्या अधि वत्याहित्रप्रते तर्योत्र स्वाप्ति अर्थे क्या अर्वे ज्वा (विश्वान्त्र वार्तेन निर्मान्त्र वार्तेन निर्मान्त्र वार्वे ज्वा क्षेत्र वार्वे ज्वा क्षेत्र वार्वे त्वूट्रां हि.हा. अर्था. वर्षी रिट्डिय ह्यूर महिंद्रा प्रह्में प्राचीत वर्षेट्र हा हि स्वाप्त प्राचीत स्वाप्त प्राचीत स्वाप्त प्राचीत स्वाप्त प्राचीत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व योर्ट्रिट.पद्य.पद्यूट.द्र.प्र.प्र.प्र.व. अय्. १४४४.त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. त्यू. पक्षेत्र भर होता तर्रे व विद्राणिया होता राष्ट्र व हित्य व स्वाचित्र व स्वाचित्र व स्वाचित्र व स्वाचित्र व स्व चगातः घटः त्रयः चन्नि - पः क्षेत्रः क्षेः ह्रण्याः सुः हं व्यतः प्टाः अर्क्षेत्रः कः वर्देण्याः पविः चर्त्रः क्षे.वोट.लट.श्रट.ट्री वोट.क्षेर.ल.श.बेट.वी.वोबिवोब.ट्वीचब.ट्रेटब.ज.ज.वोखेवोब.यी श. ब्रैट्य.ग्रीट.ध्रूंत्रय.क्ष्य.विट.टे.पत्तवीय.तपु.य.यट्य.ट्.ट्वी.पुथ.त्य.थ्रप्यावीचीया. र्मुनमःगवन्तुः त्मुरम्भुः भूत्रायः क्ष्र्तः त्यम् क्ष्रीः वित्रः यात्रन् त्यादः वियाः द्याः मुः तक्षनः धरः हीनः द्या

ૡૡૣૼ.વ.પ્રદ્. પ્વાયા સૂર્યા સૂર્યા સુરાયા પ્રાપ્ત સ્થાના સ્થાના સ્થાના સ્થાના સ્થાના પ્રાપ્ત પ્ર

हो. भी बचा. स्. चर्टी हिट वि. शें प्रकार देशे. लुव. चुरा | क्षेत्रा स्या. च्या. स्. चर्टी हिट वि. शें प्रकार देशे. लुव. चुरा | क्षेत्रा स्या. चा. प्रकार हिट हिट हिट हैं प्रकार हैं के स्टर स्या. चा. प्रकार हिट हिट हिट हैं प्रकार हैं के स्टर स्या हैं के स्या हैं के स्या हैं के स्था हैं के स्या हैं के स्था हैं स्था है

न्ना अहं न द्वारा दी न्यर तह्या द्वारी रेवाया क्या प्रेया है। न्यर तह्या देवार ८८.८वियम.मी.वि८.तर.५.लुच.ला झ.बु.ध.त्य.तर.ध.च्य.यह.यह.यह.व्य. यर्ह्नेत्रात्रम् न्यरात्रह्यावे पुष्पाण्ची येत्रत्याङ्गे विष्वान्या स्विष्वान्या स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व बट्र बट्र क्षेत्र क्षेत्र स्त्र क्षेत्र हेत्र क्षेत्र यो क्.म्.वम्यून् वित्तान्त्रम् तायाः श्रीत्रायते स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् वित्तास्य तर्वेग्रयात्रात्त्रत्यत्। योषाळी ऋष्येषाची पर्ग्रत्यत्वत्। याची चीत्रः ची यर्ष्व प्राञ्चार में के साथ प्राप्त के वार्ष वार्ष प्राप्त के साथ के प्रह्मान्त्रः म्वीयः प्रमुषाः स्वामः प्रमुप्ताः म्वीः मितः स्वामः प्रमुप्ताः स्वामः प्रमुप्ताः स्वामः स्व तीयायट्राता क्षेत्रातीया बुबायर्यूट्रायित्रा द्वीटा श्चीट्राश्चीट्राया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्व देशव.वेट.वेट.श्चर.ग्री.तीज.टे.स्थ.पहंद्यातात्रघषःतात्रघषःतात्रघषःत्यात्रात्यःत्यःत्यात्रात्यःत्यःत्यः ग्री:ब्रेटः। गुर्व:म्रीश:ब्र.व.पगुर:प्रते:क्ष्र:बेश:तर्यट:पर:प्रव्याव:प:टेब:द्राट:म्राप्ते: र्ट्रेन प्रीव न्वया श्रुव्या विद्या वार्क्षेत्र कतवा श्रुवा वार्क्य ने । वार्क्य ने । वार्क्य विद्या वार्क्य ने इं.र्यर हिंग.कुर्य. स्.स्योब. ग्री.सिंग. अक्ष्य. र्यर. लाट. अधिय. रा. लाय. सूचे. यक्ष्य. यक्ष्य. अट.टे.पर्ञेट.चर्या के.लुय.टेचट.मुट.तपु.श्रेचया.क्श.वया.पह्या.प्रेव.र्डू.क्य.टेय. र्चर्यान्त्री, पर्वे, चर्थ्वायात्तान्त्रेय प्रयाला स्थेत्राष्ट्रीय प्रवास अस्ति विषया स्थित्र स्थित्र स्थित्र ता.ग्रीया.क्ष. भे. पक्. ब्रीट. षा.चेषातपु. क्रीयाता. यटा. या. प. द्षा. ह्यीट. प्रेषाता. यथा ट्यट. शह्रे-तषु,तपु,श्चेनयाक्वीतातालात्र्यु,श्चेटाग्रीयार्चु,श्वेटयाचेयातात्रात्रात्रात्रा तपु.सैचम.पट्र.ट्र.जम.कि.र्या.ता.सुव.र्.हुव.वम.कैवा.तपु.सूट.त्.ट्ट.वालम. याल्य.मी.ताज्य.पानुषाः चरुषाः स्वाराज्यः स्वीर्याः स्वीर्यः स्वीरं स यर्ह्निर्त्या हे स्त्राया हैं से तो पार्वे प्राप्ता विवा देया यहें व कु से प्राप्त स्त्राय हैं से प्राप्त स्त्राय हैं से प्राप्त से क्य.र्य.र्यय.र्जूच.ग्री.यवय.सैपय.पे.पुट.क्य.प्र्य.र्जूट.तप्.र्यय.प्र्य. यनग्राळॅग स्रुख र्जे।

या भ्रायायक्रांचा भाषियाताऱ्याचा वृषाताक्षेत्रा ८८. व्या श्रुव वृषाताव्र अक्ष्व स्रूत्र श्रु ला.जिया.च्या.यंया.पह्या.यायय.ग्री.पयी.मुष.क्यि.टिपु.प्रयायाग्री.श्रटाल्य.क्टरा स्रिया श्राप्यापः विवा वया ग्रीटापनीः श्रीवादीः राम्यादित्यात्रात्यावव्यायाः विवा त्यात्रे तार्वा वर्षः तार्वा वर्षः त्रयाची थु.टु.स्वायातातटाचाक्की.वाक्ये.टी.चीयायया.ह्येय.तू.ख्याययेयायात्राचाता र्मेषायाः ह्येष रत्तु विषा ह्येष रक्षेटा दे त्या द्येष रा विषेषा सु ग्रीषा हो। तक्ष्र पार्क्ष या स्टार्स रही व यर्ट्रिट.र्थर.यो ५र्च्र्र.कु.क.राष्ट्रियो.त.क्ष्म्या.श्रेव.त्त्रुच.शक्व.कुर.टे.यचेर.त.वीर.त.वीर.हि.ह्. र्नेषात्राष्ट्रान्त्राचार्योद्दार्यात्व्रयातात्व्रयातात्व्रयातात्व्रयात्व्रयात्व्रयात्व्रयात्व्रयात्व्रयात्व्रयात्व त्र-क्र्या.चया.परुट.वंबा.पर्यट.वंय.तथ्य.वं श्रुव.त्रुच्.अक्ष्व.वुट.ट्.ट्या.वु.त्रूट.पट्.जा. ल्राम्यासुरक्तानाध्यात्री वृत्यवीत्रस्त्रान्यून्यानुरम् यान्त्र-रचकाक्रां-चित्र-छ्ट-छ्ट-छ्क्राः ग्रीः क्ष्र्ं क्ष्रां ग्रीक्षा क्ष्र्यः क्षेत्रः व्यवः व्यव्याः मुक्षाः व्य श्रमीव,तर्थं,तपु,योवया.ग्रीट,श्रट्य,पुंत्र,प्रार्थं,प्रायीवायाम्,य्यायीवायम्,प्रायायायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्रायम्,प्राय अट. द्रेवाब. वादेब. ग्रीब. वर्षेवब. त. टट. । वर्गाय. वाट्शब. त. क्र्ब. ४५५५० वा . सं. ४८०. ८८-वु.ल८.भा.८८.॥ त्र्.८८-त्र्र.लिज.विट.वी.ब्रियोगी ब्रुव.त्र्.८८-वु.ब्रुव.पर्टुय. क्र्यामा। चिट-क्रियामेममा ग्रीमायर्पा चिट्रा होत् रहेटा।।" बेमार्स्यामायायावीयामान। होन् र्याते। यथर्तात्रात्रात्राव्याव्यावेताक्षेत्राच्याव्याक्ष्यायराष्ट्रात्रायाः वर्षेत्रायाः ध्यावेताः <u> </u>र्ट्र. ड्र. व्यान्य . ल. क्र्न. चे थ. त. जथ. ने दु. र्ड्ड्र. बें च. ही. ल में . ने न. ख्र्. क्रीय. ख्रुय. ख्रीय. ही य. ह्या लूट्रत्र. त्यं प्रचूट्र त्यावित्र चिषावषा देवे हो प्राप्त स्थापहेषा प्राप्त स देते हे न म्रीट सुका का मुंबर के नाम के निकास के न्व्यान्त्रीं भ्रम्भेन्यान्त्री अस्त्र क.लट.र्यट.शह्रंट.ब्र्ट्र.श्रंट्र अप्तर्भेन्यान्त्री, अर्टेट.र्ट्टिव.प्र

श्र्रात्तिः (प्रजुजा म्रीया क्री. क्रि. श्र्रा स्व्या वृद्गा क्ष्मी स्वया क्रि. क्ष्मी या क्रि. क्ष्मी या क्षिया क्षिया क्षिया क्ष्मी क्ष्मी

तर्ररण्वें दर्भेव व्यार्थे र्येद्गी द्वर अहं दर्श त्वर प्रावें दर्भेव वे र्येद्र वि व लुब.धे। में.वोर.तब.वाबूर.हीब.ज.लालप्रा. वुर.बुट.। में.वोर.बब.इब.राषु.वीट.ही्वाब.बी. ल्ट.तर.चर्ट.त.टट.। अट्ट.व.चर्ट्ट.की.भैचक.थी.वार्ट्ट.क्वैंब.ब्रूबोब.धु.वट.ब्रुबोब.की. र्द्रवःग्राटः धोवः रः रेट्। ८.२८: मु.वारः प्रवाराविदः श्चीवः वे वे र्द्ररः प्रद्रवाः धोवः रारः त्यवः र् अर.चन्द्र-तथा ब्र्--बु.पद्म.प्यान्य.स्यायाःस्यायाःस्यायाःमु.हिंचायाःग्री.ट्र्य.ताय.कुटा.। तायो.खुयाताःताटा. यालवा तक्क. तपु मि. मुवाबा खुबा तपु मूच में प्रत्याय क्षेत्र भूष्टा खुबा ग्रीट तिश्च मि. ली मी. ली. धोषाःक्टः न् यावतः र्वतः कुः वषाः व्याः व्या ट्र्य.योक्ट्या.योश.क्षेत्र.क्षेत्र ट्रा.योक्ष्य.योषा.च.क्षेट.ट्र.यु. र.जिया.ट्ट.पट्ट्य.योलया.क्षेर्ट.शावय. म्री-ट्रेंब-लुब-तर-तर्थट्-ता-ट्टा र-जिया-एड्री-यीलया-ट्रे-ट्या-ज-पङ्का-तर्पुः ह्री-श्रेटा-ट्र-ब्रॅर बेषायाँद्रिं क्रिया हिता बे बा ह्या व क्रिया व न्कॅन्जुरानुरान् र्दे र्वा र्वन्रस्यो र्वेन्रस्यो राष्ट्रियाया हो स्वर्त्रम्य यार्वेन् ह्येन्रस्य स्वर्त्रम्य क्षयाः मुंद्र क्ष्यायाश्वयः ग्रीः भ्रूप्तया क्षयाया व्याप्ता विष्या प्राप्ता विषया प्राप्ता विष्या प्राप्ता विषया व ८र.पर्कर.य.लुब.चब.कु.ह्री वोबय.तूपु.धूँवा.हैटब.श.श.थथा.तर.बीवोबाता.ज.टेवोबा पर्झ. ४. ८८. झू. ८. ब्र्याय. ४ था. तथा. झै. पर्कि. इति. तथा. ब्र्या ह्या. प्राय. च्या. या. च्या. च्या. च्या. या. च्या. लप्तां त्र क्रिंट मेवाबा बेबा तर्वे द्राया के त्र्र वा वे द्राया क्रिंट क्रिंत क्रिंट ल क्रि.शक्ष्य.ट्र.ट्या.ग्रीय.क्षंट.लथ.जूट्.पट्ट.तर.क्ष्ट.ता.बुवा.श्रुय.तर.क्षंट.विट्य.जूट्. जःक्ष्र-विवादाःलटः स्रेशःतरः चित्र

ह्येर मुल ।वरा अट रेंदि अट ल रट वीष रा प्रवाध रा रट वावत ही या वावत रि रा प्रवाध रा र् अ. खेवा. लूट. ता. चलुब. वार्च्ट. हीव. बु. चूट. प्रट. वी. श्रीट. ट्रंट। लवी. ट्रंट. कूट. जूवाया बु. की. भैंत्रात्र द्वरा में वया यो क्ष्र वेषाया में या यो यो यो यो या प्रत्य चुरा क्षा या व्याप्त व्याप्त व बिर.कवा.त.स्वाय.बु.टार्ह्ट.तर.ट्याय.लटा। त्ट.लुवा.ये.टाश्चर.टा.हा.स्य.बु.लग्ना.लुब.  $\neg v \cdot \widehat{\varphi} \cdot \overrightarrow{\varphi} \cdot \overrightarrow$ र्यट.ग्रेश.प्रीट.खेब.चर्चेंर.थ.लट.क्र्ये.क्ट्री लट.थ.त्र्र.रट.भ्रेट.रे.क्वेंर.चुब.त. पहट. खेया त्रिया त्रां क्रिया ग्री पत्रिया प्राया प्रसिट सिया परि दिया परि प्रमा विषय प्रसिट स्थिय। विषय प्रसि पहटाषुराम्चरात्रात्रात्र्यात्र्र्तात्र्यः व्याप्तात्र्यः व्याप्तात्र्यः व्याप्तात्र्यः व्याप्तात्र्यः त्रशुराषु प्रवाद्यायम् । स्वाद्यायम् । स्वाद्यायम् । स्वाद्यायम् । स्वाद्यायम् । स्वाद्यायम् । स्वाद्यायम् । स तथ. थु. रुवाबार्ट. क्रू.त. मैजावय. ब्री. पर्ट. खुवा. लुब. ग्रीट. श्रट प्रांट्बा पर्स. पर्स. पर्स. पर्स. पर्स. यावटार्ट्रवावीयाध्यावावावावाची होर्ट्या होर्ट्या व्याप्तावाची व्याप्तावी व्यापती व्याप्तावी व्याप्तावी व्यापती व्या विय.ब्र्रिय.क्र.य.चंब.क्रेंट.टे.म.बीम.त.र्यटा। क्रेंट.य.चंब.क्र.यम.बीम.त। क्रेंट.य.वं यहराया गहर स्रेर्प्य प्रमान स्थान स् यवायः विवानम्भूनः स्वान्यान् निन्याये ना ने निविवान् मुना स्वानान्त्रे । पट्यायाबूटाक्रीयाक्री साक्षेटाश्रालीयाययाताक्र्यामे श्राक्षात्राक्षेत्राची सीया दी प्रमीटा छटा। टा र्ट. वार्य्ट. मुन्ने व्याद्वा तर्वेद्व स्वाका सु वार्ष्वा वार्य त्योवा त्याद्व त्याचा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा ८८। श्चिमुवार्चित् वे स्थावका कत्रावया कुषार अत्यागुर भूगुते रेवाका धेवाका  $\alpha - \frac{1}{2} -$ जुब.मुट्रेट.शुट्र.तपश.वोट.क्षेत्र.टुब्र.विच.ब्र.बिच.त.ट्ट.। इ.शुट.वोबूट.मुब्रेब.लट. विद्वात्तर्देतः स्वायासुः वार्द्रवायास्य स्वार्थान्य स्वार्य स्वार्थान्य स्वार्थान्य स्वार्थान्य स्वार्य स्वार्थान्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स पत्रियाचीटालटाश्रेटात्रा-देशाश्रीटाचश्चीयाचालटालयाश्चार्ताः विवाश्रीवाश्चित्राश्चारा स्थान वावयःग्रीयारम् तायस्ति प्रति हूम् वियापाञ्चम्याययात्र्यात्रयात्र्यम् अमान्ति । तीय. मुटा क्रिया पहूर्य तिया तालया यया वृत्या पहटा वृत्या मटा स्नेटा पुरा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रा र्चरावा बावाबि द्वेयाचा तर्रात्वे त्यायेवाबा श्वराश्चर स्त्रात्वे वेषात्वे राज्य प्राचिता श्वरा पह्र्य नियातालयापह्यानी श्रीटा बुयायटा श्रीट निश्चराया प्रविया र्स्

## नर्वा मुगःसव न्रान्यक्षाया क्ष्या ग्रीक्री

ૡ્ૹ઼. $\angle$ 도. $\angle$ સેન્. $\widehat{a}$ . જ્યા. $\widehat{a}$ દ.બુદ.! ત્ट्.लेज.बट. $\alpha$ મ. ઉત્વા. ધ્વા. પ્રાપ્त છે. ધ્વા. વ્યવ્યા છે. પ્રાપ્ત છે. પ્રાપ્

तीयः चर्छः चाष्ट्रियः यो चिटः चाः इत्राः चिटः चिटः चर्छः चार्ष्रियः चितः चितः चितः चित्रः चि

ट्रे.लट.पेंब.ब्रेट.लुवा.ब्रेट.जबा.चबट.ता स्मैज.लंब.लीज.लीज.बी बावर.वी.स्.स्.स. योषका हो। मिलास्त्र प्रमुद्धार्था प्रमुद्धार्था मिलास्य मुन्ने स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान ८४.त.पु.हू.चू.जुवा.क्षे.वीरा व्रूच.तू.विट.तू.४.थटथा.हु.८८। क्षेट.तूषा.षा.व्र.वाधुवा दे श्रिट्र, पु. मुट्र, यो इ. श्रिट्र, मूट्र, मूट्र, यो मूर्य, सूर्य, જ્ઞા-ર્સ્યતે. ત્રુમાર્સ્ય ત્રુપ્ટ ત્યા કે ત્યાં ત્રા કે ક્ષેયા ત્રુપ્ટ ત્યા કે ત્યા  $g. \vec{\pi} - \vec{\xi} \vec{a} \cdot \vec{a} | \vec{\xi} \cdot \vec{\theta} \cdot \vec{\xi} \cdot \vec{u} \cdot \vec{a} - \vec{\chi} \cdot \vec{u} \cdot \vec{\xi} \vec{a} \cdot \vec{u} \cdot$ श्रुवान् हे न्युवानी निर्दाही मूंव दावान निर्दा वान के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन यधु.यी इ.र्मेडो.इ.स्.आवर.ती ब्रैंय.स्.र्म्.र्र.र्मे.व.योधुया 🗸 लीज.स्.लीज.ब्री.ब्रस्. ग्राम् व्या हे र्द्रयाहे र्दे नेव निम्ह र्वे क्षेत्र र्या हे प्रमान प्रमान क्षेत्र हो स्वार स्वा र्वी.पथु.यी इ.म्बायाइ.सु.ल.घटा ध्र्ये.स्.ययारा.टटाश्चटायटी.वायेया १०/ लीला.प्रीया र्र. पु. ला. श्रीया वी हा वया ता पु. ती. वी या पु. ती. वी या प्रीता श्रीता वी वी विषय होता वी वी विषय होता वी व १२१ ध्यामें द्या हे में दाहे दे द्या मार्था ह्ये में द्या मार्था ह्ये में द्या मार्था ह्ये मार्था में मार्थी में मार्था में मार्था में मार्था में मार्थी म ७५/ लीम.बीट.लीम.बी.से.वीबीकाची इ.बीट.ब्र्च.श्रीट.बीजी श्रृंच.स्.यू.ये.ट्ट.श्रीवीका रूपा.वाधुया ७५/ लीजा.वाष्ट्रव्यया.लीजा.वी.ट्वीय.लीजा.वेपा इ.वाक्रुव्यया.इ.सु.वु.खी धूंवा.सू. ८८.८८.८८.५८.वायुवा १८४ सीयाश्वयासीया.बी.ला.श्वयायपा है.पटाया.बी.श्वटा.उ.पे। श्व्य यावया क्रियासवायहिषानेवाचा ब्राप्टासिटान्द्राम्ब्रामा स्वार्यानेवा स्वार्याच स्वार्यानेवा स्वार्यानेवा स्वार्यानेवा स्वार्यानेवा स्वार्यानेवा स्वार्यानेवा स्वार्यानेवा स्वार्याच स्वाय्याच स्वार्याच स्वार्याच स्वार्याच स्वायाच स्वार्याच स्वार्याच स्वाय्याच योषयो.टट.धु.सं.झ.झो श्रायर.पर्छ.योधुश्रायी टिं.झु.ट्श्राटा.टट.पर्छ.योधीश्रा लीज.पर्छ.

हुं "बुंबा-पड़ीट्र"। व्युंबा-पड़िंद्र"। व्युंबा-पड़िंद्र्या हुं। प्यट्बा-सी-प्रींवा-बी बांचप-ब्रा-प्र-हुं-हीं-क्रिज-क्री-ट्री-सूंबा-ब्रा-हीं-ड़िंट-प्रा-जाबा क्रिज-त्र्रा-पब्ब-प्र-ट्रा- सूंब-त्र-प्र-ह्र-ब्र-प्र-प्र-ट्र-क्रि-व्या-सुंब-सुंब-क्रिय-क्रिक्य-प्र-ट्र-विद-हें-प्र-प्र-हें। ड्री-ब्र-प्र-हें। ब्री-ब्र-प्र-हें। व्युंब-प्र-हें। व्युंब-प्र-हेंव-प्र-हें। व्युंब-प्र-हें। व्युंब-प्र-हें।

ञ्चाराच्यात्तर्भात्तर्भात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्र्र्याच्यात्व्रक्षाः विद्यात्त्रक्षाः विद्यात्त्रक्षात्त्रक्षाः विद्यात्त्रक्षाः विद्यात्त्रक्षात्त्रकष्यात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षात्त्रक्षत्त्रक्षात्त्रक्षत्त्रक्षात्त्रक्षत्त्रक्षात्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्तत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्रक्षत्तत्त्रक्षत्त्रक्षत्त्र

## चमुन् क्यायर्न्राकेतात्र्याचान्यात्र्याच्या

 $\frac{2}{3} \times \frac{1}{3} \times \frac{1}$ 

मी.,,ट्राप.मी.क्षेत्रा.मा.अष्ट्रम.का.पर्टेजाया। प्रेटाका.ला.श्रेत्राका.पर्मी।,, ख्रा चीवाबात्तपु.पची.ला.वार्टिटाक्नैटाववा.श्रटाक्रीबातपु.बटाक्ष्य.क्री.पु.सू.बु.चता.सूर्टाशक्ष्रथा. शु.अट्र.तर.चेब्र.धे। ब्र्ट.ट्र.चनट्र.त.क्षर.पट्र.ट्वा.वी.अक्षट्र.विट्ब्र.ट्ट.क्षेत्र.वाख्र.चनट्र. तपु.पिट्याचु.रची.यवा.भुपि.पट्.कवाया.पट्र.ताया.ता भुपि.पट्.कवाया.ताया स्था.स्थाया हीर.८८.१ थुउ.५८.क्रयोब.मैथ.यर्झ्य.अ८.त्.लू८.त.८.८यो.ग्रुब्य.श्र.मैं८.ग्रूज.ब्र्य. यथट्रात्य वायवारम्यातायक्षःवायवायाचीः यटा होट्य वयास्य हे हे ययाः सामान्या য়৵৻ড়৻৴৴য়ৢ৴৻৴য়ৢ৾৾৻য়ৣয়৻৸৻ঢ়৻৾য়৴৴য়ৢ৻য়ৢৄ৴৻য়ৣ৸৻ঢ়য়৻য়৾ঀৢ৻য়৾৸৻ঢ়ৢ৾য়৻য়য়৻য়ৢয়৻য়ৢ৸৻ঢ়ৢ यम्ट.बुट.। ट्रे.ज.श्रम.पब्ट.सू.पब्ट.श्रम.पब्ट.म्.मु.मश्रम.बुट.यदे.म.कुट.श्रूट.त. मैज.यं.पब्रट.यं.ज.स्य.त्र्रा.पह्सा.ज.स्या.पट्टा मे.यं.पब्रा ट्रा.वं.पह्या.संया.क्रे.क्र.यः विश्वभाद्या मूर्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राची स्थाप्यात्राह्यात्राची स्थाप्यात्राह्यात्राची स्थाप्यात्राह्या ट्रेन्कॅन्ड्रेक्ट्निक्टर्स्य स्त्रिव पित्रक्ष स्त्रिव स्ति स्त्रिव स्त all = allक्ट.पच्च.यायेश.ग्री.कैट.तथ.च्ट.ई.व्येषाय.पट्ट.पचट.व.पट.वुवा.ल्ट.ग्रीटः। वाट.क्रेर. श्रुष्टि.वर्निट.र्टेवो.बुो.श.चर्डिट.र्टट.कु.रचर्चट.वीट.र्टे.लट.सूर्-र्ड्स.ब्रुवोश.पट्ट.वोधेय.श्रु. पर्विट.यर.धुब्र.तर.विध्

ख्यादाःक्षेत्रः वाष्ट्रपःक्ष्यः क्ष्र्यः द्विवाः व्यक्षियः क्ष्रियः व्यक्षियः विषयः व

वया यतु.मैज.पु.सू.ज.र्थया.रेट्य.तथा तथय.ग्री.क्.र्थावर.पु.स्वा टुपु.रेत्य.स्वाय. शु. यतु. सिय. वोश्वर. वोर्षेट. टु. ज्ञ्चा क्रूबा. ज्ञूच. ख्रुष. तमु. टु. होवाबा यतु. सिय. श्रुष. तमु. टु. त्रीया यमु.सूर्.श्रेत्राचम्यु.श्रुवा.श्रेंटा यमु.श्र्.श्रेत्राचम्यु.वि.रचिला यमु.स्वा.श्रेत्राचम्रि. यावर्षासुरिराचमा तर्चा मुलार्रार्चे क्रातायन से प्याप्त स्थापि से से विषा पर्वेटा ट्रे.लट.लीज.झे.मैज.मी.ह्रेटाटे.ट्टाटशबाग्री.के.शवर.ब्र्वेबाज.ज.वाधुवाबाच.पर्य. मैजार्राष्ट्रं लटायम् त्यावयायि र्राष्ट्रं त्याराद्यायदी खेतायर देवा मैटा वर्षा मुका हेवा यर्ह्रेट.त.वु.प्र्वा.ये.षठु.ध्र्येट.श्रेत्राचभ्येत्.श्रुवा.सैंट.ख्रेत्राताल.ट्तवा.यी प्रमःभ्रेट.स्.ह्र. ન્યાત્રઃત્રુંતું મુખાવશ્વાસાં વાર્ટ્રન ખેતું નુસવાન્સ્રુંતું સુત્રાનમું ખેતું ન્યત્રે નુસ્તુન સ્ત્રુન ખેતું નુસ્તુન સુત્રાનમું ખેતું નુસ્તુનમું મુખાવશ્વાનમું મુખાવશ્વાનમું ખેતું નુસ્તુનમું મુખાવશ્વાનમું મ वयाः श्रेषाः हो मिलास्य स्थलास्ति भीत्राम् त्राम् प्रमान्ति स्या प्रमान्ति स्या प्रमान्ति स्या प्रमान्ति स्या -2ની.-2ન.र्त्य द्वा रु.ज.ल.चावाय द्वा रु.वेय पर्ह् पर्राप्तवेय रे.ह्यु प्रवा प्रंव सुराप्त मुज यनः मूर्यः श्रुमः तम् विषानहें न् श्रीन् रामा श्री यानः क्षेत्रः यने मुखायने । याना करा महितः विश्वराष्ट्रीय विश्वर  $\forall \omega, \zeta \omega \omega, \Phi \omega, \varphi \varphi, \Box \Phi \zeta, D \Phi \zeta, D \Phi \omega, Z \Box \Phi \zeta, \Delta \omega, Z \Box \Phi \omega$ पति स्रीतु त्य : क्रम्बाराग्रीब त्य प्राप्ता व्याप्ता प्राप्त स्त्र त्य स्त्र त्य स्त्र त्य स्त्र त्य स्त्र त्य *बेषात* मृतः पाया प्रति । प्रति । यो केषा प्रति । स्वी स्व । स्व क्रॅंप-क्रुप-व्यान्डियाप्याओं बेतु-त्य-क्रम्यायासुः"रे-क्रंप्यार-घॅ'वेयाप्या क्रपायर्दिः चलट.लुचा.क्ष्या.खी.,,ट्याचाबा.क्षित.था.से.ट्याच.तू.,खुबा.पर्जिट.खुटा। इत्र.था.सेट.चावाबा. ठव द्वयमानेट सुत्र द्वेर हेर् क्वें वा स्प्टा या अन्ति हे खेट वाट हा वाद का स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इ.क्ष्रु. कुष्र ह्यां वाका श्री. लूट . ता तक्षा वाटा ला वाष्ट्रिया वाटा तटी. ट्या वीटा टाह्ये वाका व यग्रेयाः कुः र्लट्रायाः विवाः वी

वावयःलटः झें ऱ्टः क्र्यापर्वेटः एर्तवाया स्यायाश्चरः तर्टः रेयायवेयातपुः वेवा ऱ्टः xथ.त.पुष.xच.र्ततज्ञी.xथ.वx.तप्त.पुर.xप्तज्ञ त्र्य.प्यथ.xप्त.पुर.xप्तज्ञ त्र्य. तय.चंट.जुर्च.चेंगा भाभाय.य.यट्य.मेंय.रय.कुर्य.ज.सेंग्य.पक्त.टे.मूंची क्र्य.जय.ट्र्यय. खु'चगुर-हे। <u>८६० खु'कॅ</u>ट हर्मा कर्न ग्रीम पङ्गेत चगुर-पर्वे ग्वत्य द्वारा सर्दि हैं" बेय.र्टा तटानु.धेट्.जु८ काला <u>इ.पर्</u>चेतातपु.धूराञायावयातयायेयाराच्यी स्वा. योड्या चिट. टापु. यट. यया. प्रथम. श्री. पत्त्रीय . पाया मीया. प्र्या. ए यथा. प्रथम. प्रथम. प्रथम. प्रथम. प्रथम शक्य वाष्य स्वाध्यास्य म्यास्य वाष्य स्वाध्य स वार्ष्य ये. दे. येटी ल्य. यटवा. इ. ध्रें य. त. चीवाया ग्रीया खे. ब्रे. चेया यया व्याद्वा संस्था यह्मत्र"वेषात्वृत्वेता र्वात्वी षार्यतात्रीत्वार्यतार्यतार्यते विष्यार्था यावयायावि स्त्रे पार्वे त्यार्ये हार हि स्वयासु धोव प्यमाञ्चा वार्षे यार्थे यार्थे स्वयास्य स्वर योश्यानःक्र्यात्वीतः तुं तुन् त्यात्वीतः चान्ता यार्योतः वे क्वा अर्देतः चक्का त्या पर्वा र्प्राट्याम्यायायाय्येव प्रया याटा क्षेत्रात्री के क्या अर्दे यायायावव दुः प्रित्या यायायायायायायायायायायायाया

क्रियः हो, श्राः युं, चीजाक्, या. लुयं, पटी. या. खेयो, क्रयोया श्रुयं, या. योशीट्यं, यूं।

प्रथ्यः श्रीयः व्याः होया व्याः त्याः व्याः व्याः व्याः श्रीयः व्याः व

यहैंश. चेवा. श्रांचश. चींच. क्वांश. शुंचे. त्यां शह्ंचे. त्यां हैंच. वींचा. हींच. खेवा. श्रांचश. चींच. क्वांश. शुंचे. त्यां श्रांचश. चींच. क्वांश. शुंचे. त्यां श्रांचश. चींच. क्वांश. शुंचे. त्यां श्रांचश. खेंचे. त्यां हींच. यांचे. हींच. यांचे. हींच. यांचे. हींच. यांचे. हींच. यांचे. यां

ગુબાન્યન ક્રિક્ટા ભૂનાના તાના મુંચાલયો વ્રષ્ટ્યાના ક્ષેયા લેખાન્યન્ય વ્યાન્સના લેખાનું ન્યાં મેં ક્ષેયા લેખાનું ત્રામાં ક્ષેયા તાના વ્યાન્ય સ્થયા લેખાનું ત્રામાં લેખાનું ત્રામાં ક્ષેયા તાના ત્રામાં સ્થયા લેખાનું ત્રામાં સ્થયા લેખાનું ત્રામાં સ્થયા લેખાનું ત્રામાં ત્રામાં સ્થયા લેખાનું ત્રામાં ત્રામાં સ્થયા લેખાનું સ્થયા ત્રામાં ત્રામાં સ્થયા લેખાનું સ્થયા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં સ્થયા ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત क्ट.क्र्वाश्वात्विट्टिंग् श्रीट्यांश्वीं वीट.चेश्वाचीट.चेश्वाचीट.चेर्च्यां स्वायां त्राचीट.विट.यां स्वायां वीट.चेश्वाचीट.चेश्वाचीट.चेश्वाचीट.चेर्च्यां स्वायां वाट्टिंग स्वायां वाट्टिंग स्वायां वाट्टिंग स्वायां वाट्टिंग स्वायां वाट्टिंग स्वायां स्वायां वाट्टिंग स्वायां स्वयायां स्वयां स्वयां

## सेतु'नबि'न।

# **वॅ**न्नानसम्बन्दिनम्बुन्नितिमुत्यम्बन्दिन्

#### गुरुवा |अर्ळअषाः श्रुक्तः प्रदेशवानुवा

ज्.क्रिंग.ग्री.प्र्वा.र्यंतरायपु.रूप.र्यंत्र.ही.ब्रॅ्र.पह्या.मुव.क्याया.क्षेट्य.र्टा.वट.पर्थंट.शुष्रथा. ठवः चूनः स्नात्वा वार्षा व यसवाबारा क्षेत्रे ब्रीन नियम ब्रीम र्ख्या यमन सम्मार सर्चेन स्वा नेत्रे क्षेत्र मुन्य पर्व स्वित भैत्रान्ता यूर्याम्रान्तिः भैत्रा पुरावेषाया पुरावेषाया प्रमानम् वार्यान्त्रा वार्यान्त्रा वार्यान्त्रा वार्या ર્શ્વન છે વિત્રાસ્ત મુંત્ર શું નિર્મુત્ર શું નિર્મુત્ર સાતને ત્યારે ત્યાન ત્રન સાર્ફેન સ્થાન સ્થિત શું નિર્મુ रचर्या ग्री विषय सुरच्या र त्याद विषय द्वीय द्वीय स्थार स्थार सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या अर्ट्र.पत्तवीय.त.र्जं.ला.ब्रुट्र.ट्यट.वींट.व्यंग.ब्रीट.तर.वीप्। ब्रीट्र.पत्ववीय.त.र्जं.स्वीय.क्य. अर्ट्यु : श्रुभः वान्त्र : रन्याववा वी : क्या सर : र्ना क्या अर्ट्र : र्वोद्र : प्रेते : र्वेवाया श्री : चु च'लब'ग्री'त्विर'र्से'त्वा'वे'ते्च'हेर'हेब'ब'क्षब'सु'रेब'चिवेद'तकत्'चर'वर्देत्'ग्रुट'। त्रवित्र-प्रमृत्र-म्रक्ष्वा-मुत्य-प्रम्थ-मानुत्र-प्रमृत्र-प्रम्य-प्रमृत्र-म्रम्य-प्रमृत्र-म्रम्य-प्रमृत्र-म्रम चिंट.य.र्टर.। प्रथमारा.स्.ह.मैज.त्याययय्यात्य.मा.मुज.यांची.ट्यूय.त.यय्यात्यांचीयःमुट. र्यर भूर प्रमुन भून प्रमाय प्रमुन क्या अर्र विषा अर में प्रमाय में प्रमाय क्रिया में प्रमाय क्रिय में प्रम योषु. क्षे. योष्ट्र प्रतिष्ट प्रित्याची चित्र अभया चेषा प्रताप बत्र स्था ही स्था निष्य भूप र्वोब क्रेब नुअष पः श्चीट सुवा पन्य पाय स्वाद्धित प्रवाद स्वाद स्व ह्य में प्रति में मार्वि म्यूर पर पहें वा करा अर्दे ते श्वे प्रति में प्रति भी प्रति में प्रति भी प्रति में ह्यात्राङ्गेराचतिः ध्रीरान्व्यि नेति । ध्रिन् स्यात्यातः विवाग्यान् तिरातकन् स्याः ध्रीति । विवा लुप्तःक्षःक्षे अक्ष्यमः क्षुरः दया दे 'द्या दे अ'दा प्वेद 'द् 'दक्द 'दा ला

#### गिनेश र्वेन् पर्व र्वेत र्वेत स्मिप्श

ह्युं कुल' पर्द्र रेंदि गित्र राम्पर राम्पर रामें दे गितृत हि पर्द्र रें। धेद राम र्धेर्म हाग्रामा था देपु.क्षंत्र.क्षेट.मैथ.क्ष्य.बुवी.देटा.स्ट.देट.स्ट.द्र्य.चर्चेट.मुब.शूटी ज्र.मैथ.वीट.स्था.ग्री.या चरुन् अःहूँन् चते केन् तर्ने र यान् चर्त्र चेति गानुन र या स्रामा चर्ष्य पति स्वर पति । <u>यर्ज्ञस्यारा.र्टा, श्रेट.र्युपु.यट.वी.लट.श्रेट.वी.क्ष्य.री.क्ष्य.र्यस.भीट.राषु.जीवास.ग्रीस.</u> छट. चट्रत्यन् प्रः चुर्ते। दे.ल. वावका क्षे. वि. पर्व म्यावाका पः वी १ वावन्यः वि. पर्व र्से। लय. मुखे. ४८ - अ. खे. पु. ४. ८८ - लिश. थु. यू. पर्देथ. योधुया.ग्री. ज्ञाया.थी. परिवर्ण सी. योधुय.ला टल.क्.वर्षियाचीयाचीयाचिया व्यवस्त्रची.क्र्या.व.त्यस्त्रच्याया दिस्त्रच्याया दिस्त <u>लय.वायेष.व्य.व्य.त्र.पट.लीश.भी.क्रू.पचप.वायश.भीवा.भीवा.वायेश.मी.माम.भी.पविटर्ग</u> भी.योचेय.क्य.लय.क्य.चेया वाययायायम.प्रायायचेति.क्टा.पान्या अर्टाटाह्य.पद्य.त्रा म्.चम.चम.वोष्य.ग्री.मम.सी.पर्विटमा भी.वोचेष.क्षि.प्रट.ट्योर.ग्रीम.चीमाचमा र्गु.र.र्गु.पिविर.पर्वरम्। त्रियराष्ट्रि.पर्व्य.म्। यपःस्याष्ट्रि.पर्व्य.म्.र्पःप्रमाया म्.विंट.जय.यषुंच्या त्रायेरवायाच्चायाक्ष.वा.यक्ष.त्रा त्या.अप्राचिः पटा त्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्य ज्ञयास्यात्रात्राह्म भ्री.वाचेत्राक्ष्य क्षेत्र व्याक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष पर्वित्य। भ्रे.वोचेत्र.ब्रुप्त.विज्ञात्यार ग्रीयाचिय। वोययायायर प्रायः प्रतान प्रतित्य।

त्तिः क्ष्यां स्वीट्यां त्रिः त्र्यं त्रीः श्वाः त्रिः त्रिं त्यां भी योप्ये त्रीं त्रिः त्राः श्वेयाः भी त्रीं त्रिः त्राः श्वेयाः भी त्रीं त्रिः त्रीं त्रीं त्राः श्वेयाः भी त्रीं त्राः त्रीं व्याः स्वाः त्रीं त्रीं त्राः त्रीं व्याः व्यः व्याः व्य याव्यत्यावरः झु. धुंटिः म्रैजायावृट्यां त्राक्षः श्रीयट्टा विद्यं वाव्यवः श्रेयः झट्या चड्डेया डि. सूयः कु. क्षेताः धीं वाव्यवः ग्रीयः विया त्राक्षः सूं ज्याया लयः उत्तृटः वृदः ज्यायाः टेटः यव्यः सूं. टेटः तीयः वाय्यः श्रेयः विद्यः वाव्यवः ग्रीः उताः यव्यः दू. थु. युरः यद्वेया डि. सूयः कु. क्षेयः सुटः युवाः विया वाय्यवः यावरः विद्यः वाय्यवः ग्रीः ज्यायाः यव्यः सूं. टेटः तीयः श्रकृ श्रेयः उत्तृहः याव्यः य

चेबा ८८.लीय.श्रेच.तर्थ्य.जेबा.श्लॅट.बाधुया.ग्री.श्रच.पिटबीटबा विट.बीट.श्रे.जा.श.स्था.श्लेच.

क्रि.अक्ट्.पश्चिमाक्री ज्ञामास्त्री पद्मे स्ता प्रचे स्ता प्रचे प्रचे प्रचे प्रचित्र मिश्रमास्त्र प्रचानिक्ष स्ता प्रचे प्रचे

चीवाराक्की, जूर् क्रिंबा श्वट, तूर, टार्चट, लूट्। बिट, लूट, टाका-ट्रे, क्षेर, टीका-तिथ, श्वेया, क्ष्रांचा चर, टा. पट्टे, वांचुका-ता-पट्ट, वांचुका-ता-पट्टे, वांचुका-ता-ता-पट्टे, वांचुका-ता-पटटे, वांचुका-ता-पटटे, वांचुका-ता-पटटे, वांचेका-ता-पटटे, वांचुका-ता-पटटे, वांचेका-ता-पटटे, वांचेका-ता-पटटे,

 $\begin{array}{l} \text{CECM} & \text{CECM}$ 

तीया-दी-ह्र्ट शावर क्रवां श्रां श्री हीट्या क्रैट क्री राज्ञ क्रिया क्री या क्रिया क्री या क्रिया क्रिया क्री या क्रिया या अवेश्वा स्ता क्रिया क्रिय

 $\frac{1}{2}$  प्रति  $\frac{1}{2}$  प्रति  $\frac{1}{2}$  के जिस्ता प्रति  $\frac{1}{2}$ 

 $A = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2}$ 

बार्ट्रवाकाःम्। स्रम्भःस्रमःमिकाःत्ःमिन्। नित्यक्षेत्रःवकाःत्निःमिक्षःवकाःत्निःमिन्। त्यान्त्रःस्यः तह्रवःवशिष्ठःव्। भावनिवाकःष्रः तह्रव। विश्वनःत्ःस्वाकःवह्रव। विग्निनःन्।

ટ્રા ૫૦ મૂર્ટ. શ્રેન્ય. મેળ. ટ્રા ૫ન જિ. છુવ. મેળ. ટ્રા. નજ્ય. શ્રી મેળ. દ્રા ૫૦ મે. શ્રું મેળ. ટ્રા ૧૫ મ

 $\frac{\partial \mathcal{L}_{i}}{\partial x_{i}} = \frac{\partial \mathcal{L}_{i}}{\partial x$ 

#### ष्रधरःश्रुटः चट्राट्युट्राया

शावयः म्री. श्रिक्षः प्रिचीटः त्यायायः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था

क्रीटाष्टाः क्षेत्रात्त्राची वीत्रात्त्व्यः त्यावेषण्डीः हो तर्ये वे चट दे टे ट्यां ज्ञात् । क्षेत्रात्त्राची वीयात्व्यं त्यावेषण्डी हो तर्ये वे चट दे टे ट्यां ज्ञात् । क्षेत्रात्त्राची त्रियाया अह्य हो क्ष्यात् विटाशाव्यात्त्रं त्यावित् । क्षेत्रात्त्राची त्रियाया अह्य हो क्ष्या त्रिया क्षेत्रा हो ने वाव्या चित्रं त्रिया च्री क्ष्या वित्रा वाव्या त्रिया च्री हिंदा त्या वाव्या त्रिया च्री क्ष्या वाद्या त्रिया च्री हो अव्याव्या त्रिया च्री हो अव्याव्या त्रिया च्री क्ष्या वाव्या त्रिया च्री क्ष्या वाद्या त्रिया च्री क्ष्या वाद्या त्रिया च्री क्ष्या वाव्या व्याव्या क्ष्या च्री क्ष्या व्याव्या क्ष्या च्री क्ष्या वाद्या त्रिया च्री क्ष्या वाद्या क्ष्या च्री क्ष्या व्याव्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या च्री क्ष्या व्याव्या क्ष्या क्ष्या व्याव्या क्ष्या क्ष्या व्याव्या क्ष्या क्ष

ब्रम्यास्त्रीत्रः स्त्रीत्रः स्वर्षाः स्वरं स्वरं

व्याः अरः यावट् रतयायाः तर्दे रवेषः वः चर्चवः येतिः क्रुतः रचषः तर्दे वः स्ट्रेट्षः वः यो स्वाराः क्रेट्रः वियापबाट्रीयम्पन् व प्राप्तर्वात्र्वार्माः क्षात्रात्रात्रात्र्वात्यवाद्याः विष् वयार्च्याक्र्याचियापायेत्।या द्वीयापर्व्याप्तायत्यात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राय केंद्र-क्षंत्र-पःचक्क्षियात्रात्त्रत्रात्केत्राःद्रे अर्क्तरःचिते 'चर्त्वर्वे 'चेति 'याद्र्यः रायत्रे त्राह्ने बैट.बुट.। पट्ट.ज.चयम.जम.चेथ.प्ट.ब्रैंट.बिम.लूट.त.च्री चेज.ब्रुट.पद्य.त्.स्.स्युट. अर्ळन् मी: मुराअर्द्ध्यायाधीन न दे द्रा पार्ट्स में में द्रा में में प्राया में में प्राया में में प्राया में में *खु*ल'ग्री'क'व्रव'र्स्व'र्रा'वर्चेब'हे'टेब'श्च'बेट'वि'व्यब्दु'हेर'कुव्यख्रित'र्य'दिनेखुट'र्य'थेवा র্মুদ্রমঞ্জু. प्रष्ट. बू. योषे श्राज्ञाचियात्म. चीयोषा. ता अर्ष्य्ट्र श्राप्ते प्राच्या हो । ही प्राच्या प्राच्या विष्या । षर्ष्ट्रियासुर्षेद्रायदेन्यदेन्यदेन्यदेन्यदेन्यदेन्यत्वाम्यस्यात्रे स्वात्त्रे स्वात्त्रे स्वात्त्रे स्वात्त्र <u>८</u>'ग्न-कुल'ग्नेष'अर्ळ्न'ग्री:बुर'क्षे'ग्नेष्टग्याण्डेन'ग्रीट'र्क्नेट्र'क्षे'त्र'र्द्वेते'र्क्नेट्'र्ट्,'यन्प'य षर्ष्ट्रियः भेटा बी.बीका.बु.धूंब.त्याचयर.कुट.झं.टु.बीट.मीजालट.क्ट.र्ट्यालीजा.श्चेंचाया त.श्र्वायात्वा.श्रु.च्यातपु.च्यात्र.च्याच्याः अर्थ्याः अर्थ्याः अर्थः च्याः व्यव्याः अर्थः व्याः व्यव्याः व्य वेषान्ह्रिन्ने हुन्यामुक्षाचेषाचेरा मून्याक्षाचनार्षाकुर्वेतामुन्यान्या षर्ष्ट्रियाः भेटा बाष्ट्या चित्रा ही यो हिवा बार्ष्ट्रिया ही पूर्वा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त वित्र वित्र पक्तप्तान्त्र क्षेत्र **ढ़**ॱॴॱॿ॓ॱॻऺॹॖॖॸॱॱॿॖॸॱॹॖॸॱॻॖऀॱढ़ॱॸॕ॔ढ़॓ॱॻऻढ़ऻॸॱॸॖढ़ॸॱॴऄॴॻॸॱॸॖ॓ॱॻऻऄॴॻॸॱॻॖऀॱॸ॓ॱॿॣ॓ॸॱॸॖ॔ॱ

चर्चत्र र्से हे ह्वा वी हिंद रचया मूट रूप वी यी रुषा ता ये रुष मुख्य माया के ता या हिया पादि । यद्यतः मुः तथा तह्यः म्चेतः वी स्टे नेतः घयषा स्ट्रा प्रश्चेषाषा पति । घया पा स्वापा प्रश्चेषाषा प्रश्चेषाषा प श्चिम्यागुमारदेने दे स्थाया श्चित्राया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाय चित्रं क्रॅट र्यु क्र्ट के प्रदेशका व्यापाय विष्यु मानका के दे क्रूट क्र्य के प्रते क्राया प्र चिषाराषु मुलारत्या दे द्वा वी रेशाया है अषा रेशाय हिमा वाह्य पात्र सार्वा रेशी हिंदा द्वा रे.लु.चर.रश.ट्यील.भूट.ट्र. के.च्रु.वीर्वेट.टे.चेंचे.तपु.चट.ब्रुयु.पुश्राता.क्षेर.श्रीया राष्ट्रीय मुन्ताया विता दे द्वा यह वार्षेय ग्री केया पाय प्राथ पार्थ वार्षेय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय म् माया मी में प्रमान क्षा कार्या क्षा कार्या के कार्य के कार के कार्य कार के कार्य **ॱ**ख़ऀॱॴॱक़ॖ॓ॱॸॹॖज़ऻॴॱॻॖऀॱॿॱऄॣॸॱढ़ॸॣऀॱॹॗॴॱॸज़ॹऄॣॸॱॴॱॸॣॴॱऄॴॱॻऻॴ र् . अकुषाक्र्यं र्यो. श्रुवो. श्रवं . वर्षः सूरः . पश्चरः स्वायः प्रवि, स्वायः प्रवि, स्वायः स्वरः स्वरः स्वरः यट्या.थेट.युषा.योशीटबा.ताबा टु.क्षेत्र.थ.जू.क्षेंबा.टु.यु.बू.ट्.यद्यं.बु).हुबा.बी.लुव.तत्र. चेषाद्यपा शियात्रा तच्चेषा सूरा श्चारा दिया त्या त्या हो स्वापा स्वापरा की दिया विषय स्वापरा की दिया वयास्त्राच्यात्राचारात्राचार्यात्राचित्रा प्रतायात्रात्रीत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या

શુંન્-વલુય.તતુ.ક્રેન્-વશ્વેય.લુંવા.ગ્રેન્-ક્ર્યાં લેવા.વી.ત્રમ.ત્ર્ના ક્રિયા.વુંત્ર.લુંવા.સૂંત્ર.લુંવા.વું.લુંવા.વું.તુંત્ર.લુંવા.વું.તુંત્ર.લુંવા.લુંવા.વું.તુંત્ર.લુંવા.વું.તુંત્ર.લુંવા.લુંવા.વું.તુંત્ર.લુંવા.લુંવા.લુંવા.વું.તુંત્ર.તું.તુંત્ર.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.તું.તુંત્ર.તું.તુંત્રા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લુંવા.લું.તુંત્રા.લુંવા

चट्ट-व्याक्षाक्ष्यं त्यां क्ष्यां यां क्षीं अक्ष्यं व्याह्म् सुं त्ये त्यां क्षीं व्याह्म त्यां व्याह्म त्यां क्षीं अक्ष्यं व्याह्म त्यां क्षीं अक्ष्यं व्याह्म त्यां क्षीं व्याह्म त्यां क्षियं व्याह्म त्यां क्षीं व्याह्म त्यां क्षियं व्याह्म त्यां व्याहम त्याहम त्यां व्याहम त्याहम त्यां व्याहम त्यां व्याहम त्याहम त्यां व्याहम त्यां व्याहम त्याहम त्याहम त्याहम त्याहम त्यां व्याहम त्याहम त्य

रट. ध्रेट. मैल. स्. च्रेट. क्रींट्र. पट्टेट. ह्या. क्ष्य. ख्रीया. त्रीय. याच्या. याट. क्षेट. मैल. स्. च्रेट. क्षेत्र. पट्टेट. ह्या. क्षेत्र. प्राची त्राच्या. याच्या. याच्या.

च्रा-ट्री.की.पव्यतः इ.सूर्य।
व्य-ट्री-की.पव्यतः इ.सूर्य।
व्य-ट्री-की.पव्यतः इ.सूर्य।
व्य-ट्री-की.पव्यतः इ.सूर्य।
व्य-ट्री-की.व्यव्यत्यः की.प्यः पर्यं व्यत्यः की.व्यव्यत्यः की.व्यव्यत्यः की.व्यव्यत्यः की.व्यत्यः व्यत्यः व्यत्यः व्यव्यः व्यवय

स्ट्रिंग्जी.क्रील.प्रयम्,क्रूवोब्र.क्री.यंश्ट्रांतालक्षाच्चेब्रात्तप्रस्ते। इत्रिंग्जी.क्रील.प्रयम्,क्रुवोब्र.क्री.यंश्ट्रांतालक्षाच्चेव्रात्तप्रस्ते। स्ट्रिंग्योप्त.सुंच्यात्तव्यात्त्रप्त्रम्,च्यात्त्रम्,सुंच्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्न्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्न्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्,स्व्यात्त्रम्न्यात्त्रम्यात्त्यात्त्रम्यात्त

पर्श्चित्वां व्यास्त्र विद्याः स्त्र प्रत्याः स्त्र प्रत्य प्रत्य

શ્રીયા. શ્રાન્ય ક્ષેડાય. શ્રાયા. યાત્રે શ્રાયા. યાત્રાયા. યાત્રાયા. શ્રીના. શ્રાયા. યાત્રાયા. શ્રીના. શ્રાયા. યાત્રાયા. યાત્રાયા. શ્રીના. શ્રીના. શ્રીના. શ્રીના. શ્રીયા. યાત્રાયા. શ્રીયા. શ્રીય

कृट्टियट्ट्रिट्ट्र्सू स्थाट्ट प्रक्ष्य याविक्य याविक्

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}$ 

#### विष्य ट्रिट् ग्री मैय रचय त्य मैय श्रेट चर्ह्य

#### ट्र्ट्रिय:क्वाबार्ख्या

## न्ना अह्न न्य क्षेत्र भ्रम्य

शः श्रीट्यः र्क्षेत्यशः क्ष्यः विट्-ट्-रुप्तव्ययः तः ल्रा। क्षेयः विश्वान्त्रः स्ट्-रङ्गेन्-रुप्त्याया। स्वान्यः विश्वान्त्रः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः। स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः।

मिट्रप्रवि.मिट्रप्रिथ.यट.त्र्य.ट्यट.व्य.त्या विष्यायाः यान्याः श्रीयः चर्चयः द्वियः स्वयः श्रीयः ॥ श्रे.प्रेया.क्षेत्रा.व्याच्या.ट्र्या.ट्रट्या.अर्ग्.क्ष्या र्र.जिट.लूट्य.श्र.वोट.चेय.टेवट.चेय.तथा। ट्र.जय.वर्षा.कुर्व.ग्रूट.ट्रर.जटब.श्रीर.येथा লবা.ব.৴প্রিবা.ন.মূ্রিবা.হুব.চু্বাধ.বধ.প্রা यव र्ष्ट्व तम्बर रिट म्वव्य भार्मे भारा धी। पर्व-पायमे : धेरा-प्रवास प्रवास प्रवास चित्र । प्रवास प्रवास चित्र । सुमाया मिटार्से मुँदा द्वारा स्वीर पार्थी। \$.A.\$.ga.200.04.24.704.9c.1 अर्टिट.ब्रू.चोकुवो.ल.**क्र**.चोबीश.टाझें ४.चेथ.चेथा 서울(a, 일, 七도, 된, 고, 용, 회, 너는 에)  $\frac{2}{4}$ 

च.सिवा.ब्रीट.तय.हू.वाटूट.ट्यर.थट्ट्य.कीया यव र्ख्व पर् वार्ने ट तर्य द मुन तर्व वा स्र मर्भेवा र्ट्र.प्रमुवा.मे.क्षेत्र.ट्र.ट्वाय.यटज.य.ल्री चरुव्र'यःश्रेव्र'र्यंब'र्चन्दाचतेःरुव्य'रचक्यःश्रुटः॥ तियाता.मु.ह्रा.लवा.च.रचा.क्र.ह्रा.ह्रा.ह्रा.ह्रा ल.यक्ष.जिट.क्ष्रंट.पत्रंट.ज.यश्चिवाय.चेय.येथा वावयःम्री:भ्रःक्रं,स्वार्यवायःक्रंटाराःल्री <u>चक्कित्रपाचर्त्र</u>गुरुप्तव्याचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रपाचित्रप वविवा अवा नर्गाव वका है। विराज्ञीय ना निरा म्में न्याधन्यकार्यमायायाविकारान्ना अन्तः वृत्रिः व्यायः वयः न्याः चें स्वरः यः धी। <u> २र्गु.त.बोर्बूट क्षुेब .८यट यपु. र्थ. रयब क्ष</u>िटा। च्या.मु.पक्ष क्रिंट.श्यायम्.ल.योष्ट्रशायकप्रायपुरी तीट.सिष.मु.य.सिष.सिष.सुष.सुष.भूज.मू ८यवा.८८.ब्रीं.२.८व.अळूव.मी.च.ऋचय.स्रिटी पर्ग्. क्ष्यथा. चट. खुट. टेश्यका. खर्रा चा. ली। चक्रु.स.थ्र.ल..रचट.चढ्र.रेथ.प्रचय.रीट.॥

## श्चेरके थे त्यें प्राध्य

षक्ष्:मु.य.पर्यर.यूर.ग्री.तीज.मीट.यया र्मुन्य-द्रान्य-स्त्र-विव्यःश्चित्र-स्वान्या व्यवस्थायस्य प्रमुन्तान्यः व्यवस्थायस्य स्व चर्यातर्स्थिरान्गु'अ'र्स्स् सेन्'सित्रेन् ब्रेस'र्रे'ञ्च-रेग्न्यार्क्त्र'रा'ग्विस'र्र्क्याञ्चर"॥ वर्गमान्वमान्नित्रभूत्रम् भूत्रम् चवा.वाष्य्र.च.विवा.ब्रिट्र.ज.ब्रुष्.ष्ट्र्ट्री ट्रे.ट्या.पर्टेश.जग्रक्किट.त.श्रट.टे.पस्ता देवाबादुवा<u>हे</u>बासह्व,ळ्व.दादुवा.क्याडुटा| अर्ट्रवा.यवा.र्ज्ञवा.खय.क्र.क्ष्यय.ट्रक्ष्य.ट्राय्या चथ.ख्रेट.थुर.क्रॅ.क्र.क्ष.क्षय.लु.ट्वाय.र्याया। म्रोव सुग छूट रविव रव इसमा द्वार स्वामा अर्धः क्र्रेयमः स्वा म्वा के क्रम्यमः क्षेत्रमः स्वाया। मुष्यस्यक्षितः स्वास्यामुष्यः स्वयाः स्वास्या कुट्रतहव्यायःर्द्रवाग्वचटः क्वय्यः झःधः देवाया। यःरेग्रयः ५८ 'यहें वर्षे 'यहें 'स्व 'यहें ८ खें।

क्रिट.पह्य.क्र्या.चर्थ्य.झ्रा.थावय.टट.क्ष्य.च = ।।। ऍवॱगु८ॱॸॢे८ॱॡ८ॱॶॺॱॺ॓ॺॺॱਘ८ॱ८ॱधेव॥ यः रेवा क्रेंब : क्रॅट्य रव्यव : ब्रेयय : ह्वा : क्रुया चयः र्वेरः वः कवायः र्विः विद्यायाविष्यः वः स्टः॥ र्देव गुप्त शुषा मेत् क्षेत्र क्षेत्र के ता धेव॥ ट्र.ट्या.चयाय.ञ.ञ्.क्ष्याय.क्य.ट्र.याचया। वयाविषाः भ्रे भेतः भ्रुतः भ्रेतः अतः नुप्तिषा था.भूधा.पर्ची.ब.मूथा.थी.घुटाज्.मूथा गुँग्'ठ्र, वेट.र्ट. म्.ल. अक्ष्यं स्वर्थं वे नेट्यो स्राप्त क्षात्र स्वर्ग स्त्र स्वर्ग स्त्र स्वर्ग स्त्र स्वरंग स्त्र स्वरंग स्त्र स्वरंग स्त्र स्वरंग स् चचतःचितःभेटःर्घ्वाःक्षमःवेःच<u>टःश</u>ुरःरुटः॥ यर्ट्रेब् :चेत्रे :देवाबा देवबा ग्रीट :खेट :श्रुर :वं चर्षाणु र्नेव रुप्तव र्ख्व रवन्तर हिटा हिंद्॥ वि.श्ववी.यग्रीयातयात्रा.यज्ञूट् वीट.यट.यूर.थेली ल.ज.याब्र्थ.क्टंट.टाब्य.त्याधि.यंग.संटी =बःग्रे:देव:टु:वर:बुच:वाट:बर:वर्श्वा

याकेत्राचम्यावेटाकुकेत्राचर्म्पाराप्टा॥ च्याः रे यायट या चर छव या मिट यय र सेवा। यमित्र.र्या.याञ्च.याच्च.क्या.योर.चयत्र.ग्रीय.यपेला म्रीट.टेट.म्रीट.सेब.भ.जेब.धेज.वेबा.बेबा वाट.टे.बदाक्षेट.टे.वे.वाबदाश्वापकपा ब्रिअ ते च्वा स्वा में पी र वें र र्वा पिट.पर्विय.पचवी.क्ष्य.सूर्याय.ग्री.जय.भुरापि चयान्ने मिटार्च्या सुमान्द्रमान्द्रम् । सेन ने सुर में दी अट दिवा सेंट न वा चयार्टालीयाम्भीयावयायियामिरासरायया वर्षियंत्राचीत्रम्भः भ्रात्यः क्ष्यं त्राचेत्रम् ने त्यार्चेन् क्षेत्रा उत्तर केत्र पति वित्य तर्चेन्। <u>८विचयःग्र</u>ी:ळ:ब्रबःग्रॅट्ट्र्न्ट्र्स्ट्र्ग्न्युवेश:८८:॥ अर्देवा वी क वया ये दि ह्युवा विवेश हुट ॥ रे.ली.श्रिंशतायार्ट्रटावेशायर्ह्रटायायविया। इ.योट्ट.च.ज.योट्ट.खेब.पट्ट.त.डी टे.जब.मे.व्र.त.स.स्ट.श्र.४थब.व्रटा

यर्झ्याच्यां स्वास्त्र स्

## मुःचषाःच्रं स्वामुद्रास्य

विदिट्टेवाःक्टिट्टायाः स्ट्टिलेलाः अल्याः सिया। स्ट्रिट्टायाःक्टेट्टायाः स्ट्रिट्टायाः स्ट्रिट्टा स्ट्रिट्टायाः स्ट्रिट्टायाः स्ट्रिटायाः स्ट्रियाः स्ट्रियः स

क्ष.स्.र्जूट.ज.ट्यार.वेवा.सि.वर्थिश.लूटी न्ग्रन्स्रिं म् के क्ष्रिं म्या कुया प्रवि र्थिन्। वग'र्र'ध्रुग'र्र'र्स्ट'ल'न्धत'नवे'र्षेन्॥ वि.स्.स्वा.स्वा.स्ट्रिंट.ज.यर्थ्य.यधु.ल्री भ्र.पत्री.ह्र.यथियालीज.प्रेथया.पर्ची.लुया.पर्चिटा॥ इ.स.पर्मे.ल.ट्यां र.चेवा.स.व्यां स्था याचेयाचराचेयाग्वयाचेयावेयागुटाचेर॥ पर्वी.मैज.र.क्र्.क्ष.ज.यक्र्.यमैट.लूटी चिरामी आक्रेव चरारे सि.लेबार्चरा॥  $\mathfrak{F}_{\mathrm{ag}}$ . જા. હ્યું. જા. ત્રિંચ.  $\mathbb{Z}$ ष्यःत्र्वाष्यः रेवाषाः विदःर्वाः देः न्दः। भ्रुःक्ंक्ंक्ंक्ंक्ंक्ंक्ंक्ंक्ंक् र्हे**र** :भ्रुट् :प्रस्पातुम्य के :प्रुट :श्रुर:धेरा:प्रज्ञुट || म्राष्ट्रिटःझुःलःट्गारःम्याःष्ठःगश्रुम्रःर्ध्रा र्र.प्र.जबाग्रीट.पर्थं.यिथेश.पर्थं.यिथेश.ष्रक्रटी  $\overline{\mathfrak{g}}$ , તુંત્. યા. યાજ્ય થયા. ત્વત :  $\overline{\mathfrak{g}}$ . તાંધુ યા. તો તુંચા. તાંકુ તાંધુ इं.२८.पर्येश.क्.यधु.यथे.यथे.खं.र्यो.लूरी

त्र्राजी. २ वर्षे चित्र क्ष. ता चित्र तियो वर ता वी

## मैकास्य नर्थियोष्ट्रमाग्री स्रोपना

२४.क्टि.तय.क्यं.पघटा.कुट.कूट.टा.जया क्य.ब्रुट्.लथ.ब्रुथ.ब्रुथ.स्त्र.चर्ड.ब्रुथ.ब्रुट्.॥ १|अक्टेअय. इ. ये. यीया. अक्टअया. लीज. यी. चेजा. टार्डीटा। <u> ४|किज.स्.ज्याःश्वेत्र.वीत्र.वीशःवटःवीटः॥</u> याग्डिट हे मित्रग्र जिट में मुकारी प्रज्ञा । विविधियम् हु. रिश्चवी. राम्य. विधियम् तिता. व्यीट. रिगी. राजीट. ॥ तीजू.एश.इ.५वूंश.थेट.रू.वीचेश.तू.ट्रीट.॥ (1割し手、対し、大きり、大・気は、気は、口当し、1 ्रवाष्ट्रियः त्यार्ष्यं व्याप्यः त्याः स्त्रीत् । स्वाप्यः स्त्रीत् । र्विटार्ड्स्न्य्रिटार्स्यास्यान्यान्यान्या (१इ८ हे मॅटिवयामी व र्स्या क्रें पर्वटा 10/1/4-15-44-1/4-1/4-19-1/4-19-1/-बटायिलाक्चिलास्व दे द्वात्व्य हिंदास्य घटाला क्षे कवाषा च्रवा दे नर्द्व से तहें वा

ह्र्याक्षी, थु, त्यरित, म्रीय, स्वय, स्वय, स्व्य, त्याया। प्रचत, ये. थु, त्यरित, त्यूत्, 'क्य्याव, प्रक्र्य, त्याया। यो, य्यर, म्रीय, त्युत्, व्यत्, द्यं, द्वेत्, प्रच्या, म्रीय, त्युत्, प्रच्या, स्वय, त्युत्, त्युत्, त्या, स्वय, स्वय, त्युत्र, व्या, स्वय, स्वय, त्युत्र, व्यत्, त्या, स्वय, त्युत्र, व्यत्, त्या, स्वय, त्युत्र, व्यत्, त्या, स्वय, त्युत्र, व्यत्, त्या, स्वय, त्या, त्या, स्वय, त्या,

## गववामुः विः चरुवः स्नाच्या

म् विवाद्य स्वाद स्वाद

इ. मु. चीट. अष्ट्र. ताम. प्रीट. चीट्ट. त्. स्वीया रु.के.शट.तम्ज.ड्र.घट.ध्रू.यबुर.व्रूथ॥ चर्डव् रॉ'र्क्क्रें हेवाबाचर्ड्व् पाष्ट्विटाट्टावाबुचना यानुब्राचाः बोः श्चीः यानाः तन्त्रवाः उताः जुवाः नृतः॥ झ र्वे त से र्वे स र्वे रहेगाय र्वे आ विटार्चेव कें भ्री चेंब संग्राम सुमा त्राप्त मानुगा र्ळें केत्र पत्रु गृतिशः ह्ये 'धेर्य हे 'चॅर प्रगुर॥ श्रम्यायम् हिःग्वतः द्विः पर्वतः द्वाः ह्वाया श्रायर म्री म्वा या तीया दी त्य सीट त्यं प्री श्रुव्रःइते : र्वेष : र्वे : र्वे : र्वे : व्युव्यः व्युव्यः व्युव्यः व्युव्यः व्युव्यः व्युव्यः व्युव्यः व्य वविचयः हे. ख्रुट. त. क्रियः स्व . ट्यट. टी. यह्ने ग्री મૈળ.મૈં૮.4જાય.મીય.૬.જ્જા.મે.મું૮.તા ने'भी'र्बिब'म'र्चन'डेब'मर्चन'पान्चुन्॥ য়ৢঀ৽ৼ৾৽ঢ়৾৽য়য়৽য়ৢ৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৼ৾য়ৢ৽ঢ়ৼ৾য়৽ঢ়ঢ়ঢ় र्ट्टा हुं सें हिं केर हिं वित्वताहि प्टा म्रीपाद्विःपरुषायाम्बान्यम् मुन्तिःपर्वः मेरा

ट्रे.ह्रेम्.अक्ष्यं.ज.वोष्ट्रभ.ह्रोच्यां ह्री.ट्रेचं.ट्रट्यं.वोष्ट्रभ.ख्यःज्ञां.ह्री.ट्रेचं.ह्र्यं.वोषां ह्री.ह्यवो.ज.एट्ट्यं.ब्रिक्यःक्षःश्रेम्.त्वं.च्री ह्रीयं.श्रेम्,क्ष्ट्रम्यातःह्रिचःक्षःश्रेम्,त्वं वेवायाः ह्रीयं.श्रेम्,क्ष्ट्रम्यातःह्रिचःक्षःश्रेम्,त्वं वेवायाः ह्रीयं.श्रेम्,क्ष्ट्रम्यातःह्रिचःक्षःश्रेम्,त्वं वेवायाः ह्रीयं.श्रेम्,क्ष्ट्रम्यातःश्रेम्,व्रिच्यं

## ड्रेंट्र ग्री ड्रेट्य गुत्रेय स्वा

मुल'र्रोते 'क्रुव' मायायात्व्यापातात्वाव 'र्वे 'चेरा। ट्रे.क्षेत्र.पचीय.तथा.क्षेत्य.त्र्.अट्ष.त्राथा.यगीया ब्रय.चेश्य.धेट.ज.चभ्रुंच.चय.गूट.लेज.श्रैंचवा ग्रेव रॉ.म.मि.मूट र्रेट हे रू. शहरी गूरा है। नगरा सुं विषा चित्रा मुखा स्व चिता। **कुट.य.थे.धि.थेट.सूपु.इ.अह्ट.श्रह्मा** ट्रे.चय.स्वा.स्.ह्टाच्येर.लेज.टे.वोच्वाया तिष्य.८८.२.जय.भ्रेय.ग्रीय.घटाय.ष्रावय.ग्रीया र्से प्टबार्त्तम् व ब व्यायन ग्री कुवा बरा गानित्य मिल, र्रापु .श्री. श्रावर .हीट. य . क्षेवी . हे. य हवी गी र्श्वे र्ट्राटे हे ने न्या गुव यय कुय प्रया ष्रक्ष्य.लट.झे.ट्र.चीट.मैज.खुय.थी.ययेवा इ.ज.मेज.स्.यरूट.त.षट्.वयारीटा ने प्यव हे या पर्वव में विषा सु तर्पेन्। मुल'र्रा'यप'श्रवा'तर्दे'ग्विवामु'रेट'ल| عد لأص لهد بمِما بحقَما ﴿ فِك بها عد الأ टे.हीर.क्रॅट.ग्री.क्रेट्य.पित्रेय.वेय.श्र.ग्राम्याया

<del>ૹ</del>ૢ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼ<u>ૼ</u> ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૼઌૢૻૢ૽ૢૼૢૼૻૢઌૢઌૻઌૻઌૻૻ૽ૼૢૼૺૻ ह्रेट्यावे श्चित्र उटाच्या के विषायते दिवा ह्रेट्य.योथुय.यट.ब्र्.इ.ट्ट.योलप.ज.ययेया। र्ह्मेव ग्री पर्वत र्रा मान्य सन् माने माना स्वा ध्रमायान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । श्चि.ट्रे.वीट.कील.ध्रुंब.त्.ये.जय.भ्रेथा शह्ट्याराषु त्या शु. भ्रेट ख्रेव संया राष्ट्रिट्य। टे.लुय.र्ट्र.चर्षय.वोश्चर.टटिज.बट्य.र्ञचाय.द्रेया। <u>चम्लाचमाञ्चाचमाञ्चामा</u> . चेट.ज.थ्रवा.संवा.वार्च्ज.टट.वाधेष.चेट.चेश्रा भ्र्यातात्राह्माञ्चा वर्षा भूषाराते र्जा मृया स्वायाय तरी वया श्रूरा॥ त्सुयः र्ह्नेत्रः अर्ह्रात्रः क्षेत्रा वित्तः क्षेत्रा

## चरमी लेगका हुग स्निचका

जुर्वायाः देवा.यटः यू.वीलपः झटः अक्ष्ययः थे.ये या। चू.जुर्वायाः यञ्चालः ययः ची.जुर्वायाः देवाः चुरा। टू.चू.चु.चू.वीटः यः प्रसृटः यः वुरः जुर्वाया। झि.टू.वीटः मैजः श्वयः यू.खे.चू.जुर्वाया।

য়ৢ८'๗'ঀहत'ॐৢৢ৾য়ৢৢৢয়ৢৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢ क्ष.च्र.ज्याया.च्रंच.क्.चं.व्यं.ट्यार.च्रीया शह्रम्यात्रात्यायायाः वित्यात्रात्या पर्च्य|.ज.विज.\$य.से.के.लेx.वx.2xथ|ब्यत्तः उ.कु.बा. र्से.च.पट्टे.बब्य.ट्रा तस्ताः र्स्त्रेव स्ट्रिंदिया के स्तर्भिया है स्तर्भिया स्तर्भिया ज्याया द्वा व्या सामा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व मैज.त्.श्रम.वं.मैज.ब्रूर.पक्र्य.येथ.तथा मैज.त्.यीट्टवी.ज.मैज.र्यंश.श्रट.र्वेट.क्र्री च्चॅव क्वॅवाय रेवा रा ठव क्षय मुँय राष्ट्र वया ल.लर.मैज.बुट.भ.चिट.घट.भक्ष४.त्रच मुल'र्ज्ञव, घट. अक्ष्रया. तटा.त. पट्टी. यं या ट्रा

## कि.ज.हं. तमिट. श्रेटश

## কুবাৰা,গ্ৰী,বৰ্হৰ,জ্বপ্ৰ,শ্লবৰা

म्रीलाऱ्युः वटः वया भ्री.क्र.इटः रूचितालवा। म्रीलाऱ्युः वटः वया भ्री.क्र.इटः रूचितालवा। म्रीलाऱ्यः ट्योटः जू. ट्याक्या व्यव्याया। म्रीलाऱ्यः ट्याच्या म्रीया क्र. प्राच्या क्र.

#### ট্রি-বান্তব্ শান্তব্ শান্তব্

क्र्वाम्यकी, पक्ष्य क्रियं म्चित्र म्

# चर.ग्री.क्षेट्य.विश्व.श्रेचया

म्रि.वि.वेथ्य.स्य.स्.पस्ट्रांट.विषये क्रि.ये.स्. भ्रु.ज.क्षुव्र.यह्,विट.वयावार्य्य.टेर.वाचेवाया। यटःश्रृपुःश्रुटःलटःबश्चित्रःश्रुतःस्वावाया दर्चेट गुव्रव श्वरारी न्युव वित त्र्वेत प्राप्त हो। तः वितः श्रवः यः प्रगुवा विशः श्रुवः स्रेवः यशा क्षेव। ब्रुट्टि से त्यायानुन्य हिं यन्य राजा वीवाया। अर्क्षत्र'णटः क्षेत्रा'र्रे 'वावित्र' वाश्चित्रात्रा पर्वतः पुः प्रवासी मुलास्त्र अटाचित्रान्द्र स्थान्त्रेत्र विद्यान यट र्से द्वि यावृत्र यट रसेते यार्थेत् त्र पर्स्यामा ने या सुवा अन् यासुर चन्वा चारा हा। वासूच.र्-र.वाचुवाय.र्-र.र्भय.जूर.भ्रीय.राय.या। लय.ब्रथ.विश्वाल.वर.वी.हेट्य.विश्वाच्या र्ह्में त्र र्रे हि दें र ब्रूट पर्द्व र्वेट वी स्व म् स्वाराम्य स्वाराम र्वाय.वाधुम्राक्क्टाचिमामधिमानाचीमान्त्राची ने स्ट्रीम अर्हाम्या की पत्त वाष्ट्री वाष्ट्रकारा धीवा।

## গ্রব্য নী শ্রিদ দর্ভব শ্লদ্

या क्रेव गावस रे सूँट पर्व भी रूट जी भ्री.र्थातर व्हि.स्.रचित्रा.विर्वायाचित्राची.या.यश्चित्राया चवा.वर्षित्र.अष्ट्र.वया.वट.चेया.धे.अष्ट्रवा.धेट्री <u>यर्च</u>ट.चे.यर.क्षेट्य.क्.लु.च्.क्र्यी ग्रम् हि.एन्स्य विकान्त्र हिनाः योक्ट. ह. अर. श्रेर. भैवी. श्र्वीया. क्या. ज. त्या। बक्रियादातीः क्षे त्याञ्चा को चान्वा वा प्याप्ती मु'मुति'अयर हॅट अट र्घ ह्म वय पर प्रेम मु अपर क्षित्राय रे रेट के के व्यापन यट र्से वि.वानुन्य यट सेंदि वाधमान पेंट्य यट र्सेट ट्वियम में मु प्व में मिर्म में रेम यटः र्से मु 'प्वे 'प्रहेष्य्य पाया प्रदे 'म्या प्रमा

# ब्रॅट पर्व मुकार्य के मुन्य

বর্হ্ডব র্য়.র্ভ.বার্ডুঝ.রাক্র্যা.র্থ্য.রেরিদ্রা मुबायन्तराम् क्रिंग्य हेरा है। यर्थ्यात्मात्रमः प्रवेष्याह्रः सृगाः इयः यविष्याणा चगात'धे'र्ล्चेब्र'र्ये'क्रेब्र'र्यं'सुअ'चकु'ट्टा| गुव म्री मर्ड र्ने तस्य मूंब नर्ड न्या मेशा मुल'र्वेदे नगद'नभ्रुन्यमुल'रावन'नर्न'नर'नभ्रुन्य| **क्के.लु.लील.यय.टाड्स.ट्रंट.ड्रिय.येथय.टा**श्चेट्या मु वार धुल व्या केंग्र न्ट थे वो पश्चर क्षेया.वाज्ञवा.लीज.वय.ज्ञय.ब्र्य.ज्ञूट्य.ज्ञूट्.ट्टा ट्रॅंस-व्रवाद्विव्यवाद्य-(यवार्गी:र्वे:लट:ब्रह्मा ब्रुंग्रामान्विमार्यचेतायचितायव्यायविमानु। पह्याम्चित्रस्यावियान्तर्मात्रस्याचेयान्या ट्रे.ल्.यट.स्.लर.धिट.पद्गेट्य.त्र्र्यया ष्ट्री:कु:र्पवा:क्र्रावट:रु:ख्रावट:ख्रा श्रेट्रिया रे श्रुया र्चे चेर रे भूट्या म् र्यं र्वेष्ट्रं म् वा अपवेष्ट्रं राज्या में राज्या में राज्या में मी.लुवी.स्.चर्थे.चूटे.लुवी.श्रेत्रा.र्थेरायर्ज्ञेया क्रिया तर्द्रेयात्रा तस्या प्रदार में अवतः हे व स्वा प्रचे : क्रिया

देतु.क्चेर.चूर्-भ्री.शह्टश.शु.कं.त.लुया। वर्ष-लय.चूर्-भ्री.शह्टश.शु.चखे.तर.चख्या। शह्टश.चूर्-भ्रुच-अह्टश.शु.चखे.तर.चख्या। शह्टश.चूर-भूच-अह्टश.शु.चखे.तर.चख्या। शह्टश.चूर-भूच-अह्टश.शु.चखे.तर.चख्या। शह्टश.चूर-भूच-अह्टश.शु.चखे.तर.चख्या। शह्टश.चूर-भूच-भूचेर-चुं श्रुच-अंश्वर-चुं श्रुच-अंश्वर-चुं श्रुच-अंश्वर-चुं श्रुच-अंश्वर-चुं श्रुच-अंश-चुं श्रुच-अंश-चं श्रुच-अंश-चं श्रुच-अंश-चं श

### र्व्यान्त्रकाराद्यः श्रीन्या

प्रान्वयाः कृष्यव्यः न्याः क्रक्राः क्ष्याः व्याः व्याः क्ष्यः व्याः व्यः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्यः व्यः व्यः

पट्टी-क्ष्य्यास्ट्टी, म्यून्याक्ष्याः क्ष्यः स्वाप्ताः स्वापताः स्

### १ वि.कुर्य ह्य

#### यान्वनः देश वर्षे वकुन्।

चवा.देश.कूंट.शैट.कू.कूंट.लीज.टे.चेशा। चट.टट्चाबूट.टा.क्रं.चथा.लीज.टे.चव्टी। चट.टट्चाबूट.टा.क्रं.चथा.लीजा। चट.टट्चाबूट.टा.क्रं.चथा.लीजा। चथुट.ट.पकुट.लीज.पबूच.ट्ट.क्रं.चथा.की.लीजा। लप.पचूचा.चाट्या.विष्य.ची.क्रं.चट्या.की.लीजा। स्.चट.क्रं.कु.चव्य.त्.क्यं.च्चं.चथा.लीजा। टिं.दे.क्टं.क्यं.चव्यं.द्.कोज.पचट्य.लीजा। तीज.ची.ट्चट.पुथं.च्यं.च्यं.चच्यं.चचेट.वु॥ यद्वय्यय्यः अद्कृत् क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विक्षयः अद्वरः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विक्षयः अद्वरः क्षेत्रः विक्षयः विव्यविक्षयः विव्यविक्ययः विव्यविक्षयः विव्यविक्षयः विव्यविक्षयः विव्यविक्ययः विव्यविक्षयः विव्यविक्ययः विव्यविक्

## 利美二節義二對

<u> इं.चिर्या.लर.अक्ष्रथ.यलि.५८८४.विट.व्र</u>ेय<u></u>थ.ग्री। भ्री.श्रीट.इं.चरुष.चील्.२.झूट.इं.चर्थी ह्रॅट केव प्राप्त केव लट के सेंट द्राप्त प्राप्त निम्याग्रीःक्रूंटासुःख्टाद्राः होता गाराधाया तचट अर्ळक्षय चेता स्वाप्त महिता स्वाप्त महिता स्वाप्त महिता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप भे.बीट.इं.पळ्य.वालय.२.ड्रेट.इं.पळी अ८:८ग्र-वि:तर्रेअ:ब्रॅअ:प:क्रु:हे:८८:॥ अक्ष्.र्स्थ.ड्रेंट.यी.क्येट.र्टट.बीट.स्.चेंगा म्नि.घट.पट.४४.वीट्.विश.क्रें.क्रेवीय.ग्री। भ्रे.ब्रेट.क्रं.परुषा.प्रे.जवा.क्रूंट.क्रं.पर्शी र्स् र्झ् अटाधुलावित्रे र्झे रहार्से प्टा 
 리계·출
 -</ क्र्याताः श्रुप्तार्यम् त्यार्यम् स्थान नु.कुट.परुष.त.षेट.खेट.कूंट.कुं.पर्छ॥ क्रें अर्घेव 'र्पें अर्घेव 'र्मेन् 'र्र्चन 'र्सेन 'श्चन 'न्ना REC. 美し、REC. 新し、子、美し、か、新し、して、 वि.स्.वि.चट्यायेवीया.सूट्रेंस्टि.क्वेंस्। ड्रॅट.विय.चम्रै.र्स्व.श्रेत्र.तपु.२.चर्थ.वीठ्यी

# ब्येट में श्रेष्ट्री

बट्यंश्रश्चावट्ट्ट्ट्ट्ट्यं विश्वेश्वः विट्ट् तेट्ट् तेट्ट् ते विट्ट्यं विश्वेश्वः विट्ट् ते विट्ट्यं विश्वेश्वः विट्ट्यं विश्वेश्वः विट्ट्यं विश्वेशः विद्यं विश्वेशः विद्यं विश्वेशः विद्यं विश्वेशः विद्यं विद्य

# प्रनुषाग्री अनुवादहेवा

बट्ट. सूच . चारीया क्रीया क्रिया चेट्ट. च्या स्था . च्या सूच . चारीया क्रीया क्रिया च्या सूच . च्य

टट.ट्र्ब.जय.थे.ज्योय.वेय.वेय.वेय.डे.चाट्ट्री सै.ट्र्ब.जय.थे.पडी.यह्.सै.य.चोट्ट्री इय.ट्र्ब.जय.थे.पडी.टट.चोट्ट्र.इंट्री इयय.ट्र्ब.जय.थे.वोच्योय.टाट्र.वेज.क्या.पट्ट्री ट्यया.ट्र्ब.जय.थे.लेज.जट.वियय.पट्री तेज.ट्र्ब.जय.थे.लेज.जट.वियय.येय.वेश.पट्ट्री तेज.ट्र्ब.जय.थे.लेज.जट.वियय.येय.वेश.पट्ट्री

#### द्रार्यस्य क्रिया

### विट्रस् नुवावी भ्राप्य

24.24.89x.8.4.24.142.33.42411 244.99q.49q.4.01.489x.489x.2.911 394x.22.2414.34.01.42.821.93.41

# ग्राचगाद द्वियय हुवा

#### याचगायः भ्रांचा चुवा

### श्राधियाः स्ट्रिय

स्यात्रावात्यावात्रेस्यात्रीयाः क्रियाः स्वा

#### প্রিশা ক্র'র্

कूब.सेवाब.झं.वट.ट्टाट.सेवाब.झेवा.श्रवा.टट.॥ टशवा.सेवाब.२.अकूब.लीज.सेवाब.भी.शवर.टट.॥ मैज.तुषु.टाजाट.सेवाब.सेवा.मे.भूश.टी.टट.॥ शह्रत्यास्यायाः स्ट्राच्याः स्वा स्वा स्वा स्वा

### प्रमुव अर्ळव दुग

ब्र.ब्रुपु,विट्,त्रर,पट्टीट्,टीट्,अक्व,अ.टीवी अह्ट्य,ज.लुवी.क्ट्रट्य,ज.भीव,अ.डी ल.प्टा.झ.क्र्य,विलेट.त्र्र,घवी.त्र्य,टाड्री ट्रिपु,ज.बीट्,डेबी.र्ज्ञर,श.स.बे.पट्ट्वीशी

#### ८।८८४४४४५५५४

र्यूट.रज.क्षेत्र.क्षेत्रच.चर.कुव.चर.क्ट.रटा। क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्रच.क्षेत्रच.चर.कुव.चर.क्षेट.रटा।

#### **শ্বিদ্যান্ত্রপ্রমান**র্ভ্রা

अ.भह्ट.वर्षिभ.सूर्वाय.र्ज्ञ.वर्षिभ.टाङ्ग.ज्ञ.त्म.सूर्यायाः शह्ट.वर्षिभ.टाङ्गेट.वर्षिभ.ड्यू.ट.वर्षिभ.श्र.भथर.वर्षिभा

#### १ विस्त्रिया

\$\tilde{\pi}\display\dinfty\display\display\display\display\display\display\display\display\display\display\di

# युक्षे अहं द्राया मुख्या

ब्रूंट्'श्रेव्'ट्'मुल'ठव'ल'क्र्य'य'यन्।

भ्रुं,स्य.त्य.त्य.स्य.ध्य.धूर.य्य.सूर्या व्ययत्र.ह्ययायःस्य.धूर.द्र.यःवर्भू॥

#### अपङ्गित्रपाग्रुख

#### <u>ধর্মীন্দো বাধ্যুমা</u>

ह्री.बंबा.बुंबा.होट.क्वेंब.कट.छट.त.पहीटा॥ बुंबा.ब्ब.क्वा.क्वा.क्वा.कट.त्रबा.घा.व्वट.ब्या ट्वे.त.बंबा.लट.चंडट.सूर.पढीर.घु.ह्यटी। ट्वे.त.चश्चित.हो.बंबे.पेर.घा.होबा.बी। ट्वे.त.टट.कॅर.घा.वोबुंबा.ग्री.टहोर.घु.कूटी। इंद्र-घा.क्वा.बंबा.त.सं.बिंबा.घा.टेबट.बी।

### प्रवीखन्यम्य प्राची

ट्रेव् रुव् प्यः अः श्वाः वीषः अव्र रः पर्ख्याः व॥

व्रिका.क्ट.चट.(चुवां क्षीट.टे..केक्स.चीट.(पर्जू]| च§.टाषु.टाचप.जूवांबा.क्षिंचा.चुब्रा.क्षचट.टाळींवा.चो| बेषा.खेवा.त्य.टी.टचा.क्षेट्र.पवांबा.टाच्ट.पक्षींटा| ब्राक्षच.चुं.टी.क्षेट्र.क्षिंवा.चुब्रा.क्षचट.टाळींवा.चे|| ब्राट्र.पत्त्रज्ञात्तिवांबा.चांब्रुब्रा.चाट.टाचा.क्षु.चुंब्रा|

#### क्षेक्ष्य देवी या यश्ची

# ब्रेक्स्यावर्द्दाः व्याप्तस्तुः नुवा

दे.क्षेत्रः विषया प्रवया ही. त्री. यूर्ये प्रयापा त्र्राणुःकवःब्रुट्:द्वरःमुःअर्क्षःक्षरःत्रयेव॥ स्.र्तर में अग्रीयंथा जूर्य श्रीर के.र्टर अथेश र्बे मिन्द केंबाया होत् राबाय दि ही द्वी वश्रवाद्धरायाः भेषारायातवरा क्रिंराग्रेत्। दर्चः र्र्मेग्-द्र-प्रकाश्चेग्गुव स्वाग्ववशञ्चद्रशा मिल,विश्वय,यट्रे,धुट,यिल,ट्ट. खे.लवी.शुटी कर.की.टेब.प्याय.कु.परीटे.परी.क्ष्योब.पत्रुजा र्ह्नेव.भ्रेट.घशथ.८ट.लज.वी.ज्.पट्टा.क्रेगा न्तः स्ययः प्रवास्ययः द्वतः स्वाप्ति । श्र. इंश्वरात्वितः चत्रः म् त्रा ययवान्त्रक्षेत्रः स्वायाचियाः वाषवाः वार्षवावा  $\frac{1}{2}$ ,  $\frac{1}{2}$ , तथर  $\frac{1}{2}$ या व $\frac{1}{2}$ र प्रहेर  $\frac{1}{2}$ , यथर  $\frac{1}{2}$ विष्र-मी: सः क्रेवः व्यवः अवितः निर्मान्यः व्याः स्रेम्। चु.सट.भ्रैट.वि.श्चट.कूॅटब.शव**य.**टविब.विच॥ ब्रिट्यी. व्रिस्य स्त्रीया चित्रीया श्रीत्र स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स् र्स्<u>.</u> चट.प्राप्ट. यीटी यो ४१. टट. मै.५१. ४१ क्षेत्र. यो ह्य इन् द्वारान्त्र क्रियायाग्रीयात्रयायर याटा।

# ग्रीट रे ग्रीट पर्द्य ग्री भ्रीपण

ब्रॅट पर्द्र श्रम र्पे गुट रे गुट पर्द्र ग्रीम पर्द्ध्य र्ग्नायक्रिया प्रविद्यास्थ्या यान्य यान्य विद्या पर्वित्य। क्रनः ब्रुट्-लॅं-ख्र-अर्ह्ट्-व्य-ट्गुट-ट्-य्वेन्य्या गुट नर्द्र नट र्जे द्व आवर अट्ट र र वर्ष्ट्र वाया च्रायाचे यावया उर्जेट पर्वव यार्थव वर्षित्। श्रेट वे मुट केव मुट रे अग्राय के क्रिट्री श्चर.लट.लय.ग्रीश.भैज.बुट.थह्ट.त.टट.॥ वर्ष्ट्वा.जवा.विट.टे.झॅ.क्ट्रवायावाटेर.शट.झ्या गान्निम्लॅंड्वायाविस्निम्लिः ब्रैल.अर्गू.७४.ज.ट्यं.इयंबाय.अर्घे.यंट्रेर.वंगी म्रा अर्थे क्षेत्र त्या श्चित्र वा मी वा निर्मा क्षेत्र रहु:दे:स:ह्य:इते:द्वा:मु:ह्या क्षेत्रा भ ने स्थासु । त्र स्थास वै'दुड्'श्रुट'वर्डेट्'वॉर्वेट्'ध्रुव'वट'ट्'ध्रुग्। योद्ध्याःजयाः।यटः यद्दे स्यः त्र्याः विवा योद्यति केत्।। बट्याग्री:ब्रॅट्-क्रेव्यव्यय्यस्य प्राप्त स्वाया रेव केव ग्रीम प्राप्त प्राप्त रावें र रेवा मु ख्रम

ग्राचात्रुम्याः क्ष्याः व्यक्ताः विष्ठाः व्यक्ताः विष्ठाः विष्ठा

#### यट.ब्रॅट.थट.चक्ष.श्रेचयो

श्रीयायद्वर्यं स्वाया स्वायाया स्वायाय स्वाया स्वया स्वया

## पर्यक्षाञ्चार वार्य भीत्रवा

ट्यट.घट.झे.उट्.अघे.क्ष्य.स.अघउ.लब॥ ट्योट.ज्.धे.चे.क्.ट्योट.ग्रुट.चश्चेटब्य.धे.चेट्या. ट्यंट.ज्य.पश्चे.चेथ्य.ग्रुब्य.ग्रेट.चेव्या.धेट.पश्चेटबा! च्यंट.चेवा.पर्सेज.ग्री.केज.ज्.व्यंट.ग्रेटच्यां। अट.ब्रॅंट.श्रब्य.प्.उं.उं.प्रेंड्य.अं.ज्रंट.शं.व्यंव्या। निट.स्रियोयाः सैर.जा. श्रीय त्यरिय तकर त्यपुः त्या र्देरः सँग्। चतुः अत्राः भ्वाः द्रचः चरः पुः प्वारः॥ श्रष्ठप.त्र.पहट.वी.लीज.टी.ट्शवी.बार.वीचेवीवा ने'भे'नट'र्से'ञ्चग्रान्तेर्भरानर्भेर'न'भे॥ क्षः रे रठव विषाम्यापायाया रहेर मीया पर्स्याया। म्यायाने अटा र्सेट पटा संदि गोर्धेन पुरर्भि तर्षःब्रॅटःर्ह्नेवःर्यः स्वाकेव के नितृवः चुटः॥ (र्हेवा रेट : व व व रॉका दवा का ग्री : म्राट रॉ : के : होवा र्ह्ना न्त्रीट विश्वरा ग्रीय निट की वाया मुखार्स के होग वार्च्य मुन्य अर्क्य मुन्य अन्तर हो।वा अर्था वार्च्य अर्थेट्या द्या सुन्य मिन्य पार्च्य म्रयः मूर्यः वार्ट्रसः क्ष्यः क्षीयः यार्थः त्रायः यायाः वार्यः वार्यः वार्यः वार्यः वार्यः वार्यः वार्यः वार्य ક્ર્યા. મું. તર્ફ્રોન. તલું મ. શુંજા. તર્ફ્રોન. ક્ષુંજ્યા. તા શુંજ્ઞા. તા તલેજ્ઞા वार्ष्य हिं। पर्य वाली हीय हीया है। वाला ता आकूट रा हीया ला पहाय सीटी) पर्व में र्रा हिन् हूँ प्रा स्था के पान्ता **इ**लाक्रेत्र र्ह्सेत्र र्से प्तर्तुत्र रही पार्विष्य स्तर्देषा स्तर्देषा मुल'रतमामुख,मरेट'र्वेट्'ल'ट्रेव्'के'त्रे| र्यट.कुर्य.याय.मी.या.कैर्ट.तज.कुर.यगीया। [यव]. द्वव] चूंबा द्वा वर्षा घटा त्या अर्थे। तर्ह्या प्रवा

घट में द्या द्या द्यं केत्र केत्र केत्र म्यू र विषा म्या मा

# विक्यान्त्रवान्त्रवा

श्रम् अ. इ. इ. च्याक्या. वका. ची. प्राप्त क्षा. ची. वका. ची. प्राप्त क्षा. ची. वका. ची. प्राप्त क्षा. ची. वका. ची. वक्ष. वका. ची. वक्ष. वका. ची. वक्ष. वका. ची. वक्ष. व

# मि.सूट.र्ज.पद्ध.श्रेपश

पह्त्राम्चीट्सीका, चिष्ठा, काला, ट्यट्सीका, चिट्याम्चीट्सी की, ह्री, चीक्षर, प्राचीम्चीतु, प्रचावा, प्राचीम्बी ची, ह्री, चीक्षर, प्राचीम्बी, प्राच्या, प्रह्मित्र प्रचीम्बी। ची, ह्री, चीक्षर, प्राचीम्बी, प्रच्या, प्रचित्र प्रचीम्बी। प्रह्मित्र प्रचीका, च्री, प्रच्या, प्रचित्र प्रचीम्बी। प्रह्मित्र प्रचीका, च्री, प्रच्या, प्रचीम्बी, प्रच्या, प्रचीम्बी, प्रच्या, प्रचीम्बी, प्रच्या, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीम्बी, प्रचीका, प्रचीका,

रटाक्नैट.चर.वाश्वेत्रात्रावव.द्रा.झैव.टट्य.वेगा वर्ष्ट्वा.जवा.८८.सू.८८७.ची.पश्चा.लय.पर्षट्या क्रिंगः क्षे प्राचित्र प्राचित्र पार्वे वाषा त्यव वा विषा प्राचित्र । हे.लु.यरिट.प्रचय.प्यट्य.ग्री.य.चक्ट.स्योगी गिन्रमान्दार्भाः कुरान्दाः ने स्तर्भाः सहित्या भुःधेःनटःश्रंसुःरःरेःभःनहिग्या वटानु पर्नो सर्वे सम्बेच क्षेत्र अटार्थे अपना माना चायः वे : धपः ग्री: क्रुपः र्देषः ग्राथवः व : धप्। श्रट्ये.पर्त्येल.मु.वार्द्ध्या.झॅट.चे.टा.लवाया अःमूर्यान्त्रित्रःगुर्यान्यस्यायःयदेःयदःर्यःधिव॥ ने.ला.पचाषाचार्च.मू.मूटा ष्ट्रिट्य.राष्ट्र.जय.शे.य्री.य्रीस्ट.क्ट्रेट.पट्य.टेट.॥ বর্র র্ক্তর্ন ট্রিস্তার র্মিনার বাদ্যর প্রবার বা ष्ठिः रतमः क्रेंबः द्रांग्याधरः विवः कुटः पः चुना दे:ह्येर:अर्ह्म्याञ्चान्त्व:ग्री:नुवायाधिवा स्रवा पर्द्य वार्द्र पा निवानी वार्य हिंद्र र्ये वार्वे र खी स्वा

# য়ৢ'वे'गर्खव'र्येते'য়ৢঢ়য়

अट.वे.की.इ.केट.कंश.लयोब.ब्र.भेटी। ट्रि.ली.यट.ब्र.ट्रंब.शावम.श्चटि.च्र.च्रेचोबा। श्चट.टे.क्रीयोब.च्य.केप.शुट.अ.ट्य.च्रेचोबा। श्चट.वे.कं.इ.क्रंब्य.च्रेच.शुट.था.च्रेच.स्या। ट्रे.ली.यट.ब्र.ट्रंब्य.क्रंव्य.च्रेच.शुट.था.च्रेच्यावा। ट्रे.ली.यट.ब्र.ट्रंब्य.क्रंव्य.च्रेच.शुट.था.च्रेच्यावा। ट्रे.ली.यट.ब्र.ट्रंब्य.क्रंव्य.च्रंव्य.क्रंव्यावा। ट्रे.ली.यट.ब्र.ट्रंब्य.क्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्यावा। ट्रे.ली.यट.ब्र.ट्रंब्य.क्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्यावा। ट्रे.ली.यट.ब्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्यावा। ट्रे.ली.यट.ब्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्य.च्रंव्यावा।

पर्वव र्रायान व लेगाय ग्री भ्राप्ता

द्रव.कुव.बूर.चयाट.क्येज.कुव.प्टर्सैज.ट्रट.चीवोशी ट्रे.लु.चट.बू.पट्सैज.क्येज.क्ये.व्य.लूटी। ट्योट.जू.ट.चु.ट्र.ज.क्येज.क्येच्य.क्येट.चभ्रीट्य.ट्रे॥ प्रचट्य.खेब.कुव.चवो.ल.विश्वट.पट्य.चूथा। प्रचट्य.खेब.च्यं.च्यं.च्यं.ची.ट्यार.क्यं.त्वा। ट्या.क्य.पचेवा.तपु.ट्यं.भ्रैट.चयाय.च्वट्र.ट्री। क्य.ब्र.चचेवा.तपु.ट्यं.भ्रैट.चयाय.चव्ट.ट्री।

# ট্রিসমণ্যতব্যগ্রীশ্পবন্য

स्व.क्ष्य. ट्रम्या. पर्षिया. थु. सुट्- क्षयं प्र. याळ्या प्राप्तिया. थु. सुट्- क्षयं प्र. याळ्या प्राप्तिया. थु. सुट- क्षयं प्राप्तिया. थु. सुट- क्षयं प्राप्तिया ख्राप्ते प्राप्तिया ख्राप्त्य प्राप्तिया ख्राप्ता सुट- प्राप्तिया ख्राप्ता सुव्या सुव्

यट. श्रूम. श्रू

#### म्राम्परातु दुवा चर्च मु भूपरा

यट्र व्यवायाग्री ख्रया स्ति ख्रा राज्या ログイ・動か、割と、イメ・ダ・桑々・身か、当メ ८६४११०) अर्ळव वे ५८४ अ. १८५० अ. १८५० पर्द्ध्यः म्रावेशः प्रवेशः प्रदेशः सुराध्याः प्रमुवः प्राचुर्या। भ्रेनबर्न्राचर्ष्ठ्यःस्वायन्त्राणुः देनःस्यायान्या त्र्रात्त्राच्याच्या क्षेत्र क्ष्या ग्री ख्रु पु , प्राविषा विट.वर्षित्राःभूवे .चरुषःभूवोबाःजबादेवटःकुःचेबा <u> वॅ८.मी.बूट.र्यट.क्र्य.ल.च्र्र.यपुर.यपुर</u> ने.लु.यट.श्र्.पर्सेज.र्टट.मेज.कुर्य.यम्। यट. रुष. पर्वर. ज्य. यश्चिषाय. पर्से. छव. श्वेषा

त्र्त्राचित्रं प्रवाद्याचे व्याप्ते प्रह्त व्याप्ते प्रद्याचे प्रवाद्य प्य

# वाववा है। दूर् बुट श्लेपबा

यक्षं स्पुः यटः स्वायक्ष्वेषायः स्वायक्षां अटः वे : श्रीका स्वाः सं यक्षेष्वेषा स्वायक्षां अटः वे : श्रीका स्वाः सं यक्षेष्व : स्वायक्षां स्वायक्षां स्वायक्षाः स्वायक्याः स्वायक्षाः स्वा

# र्चर् क्षेयासुर तर्झर र्स्कृय

ट्रे.लट.सूट्रेंप्यथ्य.शुज्य.यंत्र्य्य.यंत्र्यं

प्रिं खुट खुवा चह्न व या तकवा र्सुवावा वाविवा ग्रीवा ८वयःग्रीःब्रुवायःशः८वः३ःवाळ्.३ःपविवाया। स्.चट.थट.रे.कुथ.थ.क्थे.थ.पर्धिवाया প্রচার সের্জ্যর বিশ-দুর্ স্থান্দর ক্রিব বের্য্বির বা पर्वियायाग्रीट. पर्वय. सूपु. क्या. खूटी. या. पहुंचा. व्या श्रम्य प्रम्य विष्युम् स्थितः स्थित्। स्थितः स् श्रवतः अर्त्त्र शुदःश्रवः र्तः त्रवः त्रव्व॥ पर्वत्रप्रति:कपःश्चे**८**:गाःपःश्चटःव्रवःत्रग्रेभा। मैल,विश्वरायस्य यं संस्थान नमित्र है . कवीया। <u>तर्च</u> र्स्य ग्वेन में क्रिया में क्रिया में क्रिया में में क्रिया में में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्र मू्रिशताः सं. श्रुमः तद्वं सूर्तुः श्रीयमः तश्चित्रीया यया। योद्दरः हुँद्रास्त्रास्य हैं देत्र क्षेत्र योद्धया क्ष्यास्य श्चर-८८-श्चर-म्रीय-मर्ड-ट्र्य-५-स्था पर्यट.श्रावर.व्रे.श्रवं.तर्थ.त्र्यं.श्रावर.वश्चिवंयाययं यः अक्षर्यायावि ह्रेम्स्रिम्स्रियः क्ष्यः याद्याः क्याया म्नू.८८.भ.लुग.चाङ्क.त्र.चीय.त.लु॥

नु'धुल'र्नेअ'धर'पर्खन्येतेतेते आवर'पर्ख्यानान्ना त्यत्र सुत्र चाराहे न्येत्र क्त्र ग्रिका क्रम्भा अळेअत्रःग*तु*ग्रातःगतित्रःग्रीत्रःग्र्डिःचॅरःग्रुत्रःराधी। इं. श्र. त्यर. यश्ये . तृषु. श्रीयर. यश्चियीय. यथा। अन्त्रात्म् क्ष्रिन् म्ह्रान् स्वाद्यां क्ष्यां क् क्षे.य.विर्मः विषयः ग्रीका विद्यान्त्री। चि.क्ट.मैट.क्रॅंस.पक्षे.त्रुप.श्वर.पश्चवीय.येगी हूँ, य्या. यो प्रेय. रीजा है, टेर्सूय. क्य. यो क्या क्या या। **बि.**ट्ट.बोधवीयाग्रीयाबाङ्क.चूर.चीयाराःग्री। स्.चीट. व्र. थायर. यव्यं. त्रुप्. थायर. यश्चित्रायाय पर्त्येट्या:मुया:सुवाया:सु:हे:ट्यंत्र:क्त्य:वाद्या:कवाया। योशयाङ्गे.योती.ङ्गे.योधेश.ग्रीश.योद्धर.चेश.राष्ट्री। इ.मु.चुब्र.झम्.चर्ष्य त्रुपुःश्वम्.चर्श्ववायःवया र्गिट्र र्देति र्सुवाबा खुरहे र्द्ध्व र क्व या केवा कवा वा। हे न्यंव ने न्यान्यन यर्व प्रायः श्रे यया श्रचत.श्र.पुट.क्षश्र.ह्.ज.ट्र.जूवी.चिश्री ह्र.श्र.पन्.च्यथ.पूर्ट.पन्र.विट.पूर्वा.चेशी र्वत्या ग्रीया च . येवा प्रतास्त्रा मुक्ता होता च मा

यक्षिमः ह्रमः यविमः अधि । तयम्मः गुर्वा विमः र्यया विमा **刻.uuとにはい.とと.u.uu.uuu.ausu.以上** टे.क्.इ.क्यं.तथा.ग्रेशाचटा.स्.वैया यानियायाज्ञीयासीटार्-इसीटायक्षेत्राचिया। ष्ट्री'नवा'अट'र्सेट'अट'नर्ख्य'नट'र्स्र'नुवा यट.स्.ह्य.त.क्ष्य.ग्रीय.धेष.स्या य.च्टा-क्षया.ग्रीट.अक्ष्य.क्रा.भूग.में.वीया र्ड्डेव् :क्रॅं अटत : घट : द्वाट : त्य : देव : दाः धी पर्वत्र र्वेति कुला रपत्र है। लका प्रवित्र प्राथा। थवय.लु.धू.वि.त्यत.कुर.मै.ज.धूर॥ बट.री.विट.ज्वी.स.अथ.रीर.थ.टाङ्क्वीया। . लब.टव.पट्र.पट्र.याट्र्व.ग्रीब.यम्प.या.पवा য়ৢৢ৾য়৾ৼৢ৾য়৴য়য়ঀয়৻৸য়৻য়ৢ৾৻ঀয়য়৻ঀ৾৻ঢ়ৢয়ঀ৾

#### বাধান, বা শ্লী শ্লী প্ৰথা

वावकः देः ब्रॅटः पद्वः ब्रॅवः प्रिः प्वाः वीकः पर्मेट्या।

श्राच्यान्त्रान्त्रात्त्रात्त्राः क्ष्माः कष्माः कष

## यबी दत्रयास्य साम्रु प्रति म्रूपस

કે.નું.વર્ષિયા પ્રેસ્ટ માર્ચા માત્રવા વીતાલ કોટ. કુમાં ગુમાં શુધા સુધા સુધા પ્રેયા પ્રયાસના શુધા પ્રાપ્ત વાતાલ કોટ. કુમાં ગ્રાં પ્રાપ્ત પ્રાપત પ્રાપત પ્રાપ્ત પ્રાપત પ્રાપત

च. (प. म्. का पूर्व . कुश्च . प. प्यूच . प्यूच . प्यूच . प्यूच . प्यूच . कुश्च . कु . प्यूच . कुश्च . प्यूच . कुश्च . प्यूच .

## म्रि:रचबाग्री:पर्विट्य:पर्ट्य

१ वि. स्पूर्य म्यान्य स्थान्य स्थान्य

३(१८-२८: स्त्री, ८८) त्रा ४० विस्ट, बेश्य ८८) त्रीलट म्रीय, व्या २० विस्ट विया, प्राप्त १० विस्ट विया, प्राप्त १० विस्ट विया, प्राप्त १० विस्ट विया, विस्ट विस विस्ट विस्ट विस विस्ट विस्ट विस्ट विस्ट विस्ट विस विस्ट विस्ट

### ज्ञ र्यायायम् अस्य स्था

યુશ્વનાયા નિશ્ચન્ ના ક્ષેત્ર તાલુ ક્ષે. જાશૂનિના તાત્રા શૂની તાલુ તાત્રા તાત્રી હ્યા તેશ તેશ તેશ તેશ તેશ ક્ષેત્ર તાલુ ક્ષે. તાલુ જાણ તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્ર તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તા તાત્રા તા તા તા તાત્રા તા તાત્રા તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તા તાત્રા તા તા

ट्रे.लट.५.ब्र्ट्र.स.कुर्य.सूब्री , श्राष्ट्र.प्यथा.सीय.ब्री.खे.चपु.थ.थ.थ.वा.चीव्यथ. यर्ट्रियो अर्द्रेव अर्द्रेव प्रविधाने राज्या वार्षा उत्र त्येवाषा निषा स्था विष्या वार्षा उत्र त्येवाषा निष्या भैजात्वराभ्री, प्रापुरा मार्श्वमायर्द्रा प्राप्त हो। " वेषाया स्रम्। प्राया स्राम् प्राया स्रम् વર્ષિત શ્રેપ્ત છુંત્ર ક્રાંતુ ત્યાનું માના ક્રિયા ક્રિયા પત્ર્વ ક્રાંત્ર ત્યાં સુંત્ર સુંત્ર ત્યાં હોવા ક્રિયા ત્યા देव:क्रिंदालेबा ब्रदाक्ष्य:क्ष्याचर्व वे च्र्ंदाक्षियः वित्र वे च्राचि वित्र व श्चातान्त्रामः वर्षाः विष्यस्थाः स्ति । . इति.सु. श्चेत्र पर्द्ध्व साचि पापपानि प्वेता प्रमायन स्वापाया क्षेत्र । स्वापाय स श्रुवः रूपायानाः श्रुवानान्त्रः याद्रेवः याद्र्यः याद्र्यः वाद्र्यः वाद्रः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वाद्र्यः वा पश्चरा ही हो नेव पक्ष पर तर्बे भवन श्वर हिते ही वार्ष्वा वया स्वर पर प्राप्त हो न पर्वियानवित्रास्त्राम् अर्क्त्यास्य अर्क्त्याचेत्राम् वितानित्राम् वित म्भी मिर्ट क्रिंट क्रिंग मार्गामा पर हिंद हो। त्र्र पर्य राष्ट्र सेत्र सीचमा सी सिंद मार्गामा मार्गा कर दिए। ब्रिट्याचे में र्ज् वा ब्रिट्या निया की से के स्थाय की स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स इत्याणे नेयार्रे ह्याने सार्वेत्यायव्या यो नेयायेत्योयात्यायत्यात्यात्यात्या र्पत्रम्भी त्र्रा मात्रमा भीमा द्वारा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र  $\mathbf{p}_{\mathbf{q},\mathbf{r}} = \mathbf{p}_{\mathbf{q},\mathbf{r}} + \mathbf{p}_{\mathbf{q$ लाश्चेत्राचित्रःक्वात्रद्भाताः ग्रीत्राःभ्रीतः ग्रीत्राःभ्रात्वात्र्याः । स्वत्राः । स्वत्राः स्वत्राः । स्वत्

 $\begin{array}{l} - \sqrt{4} \cdot (\sqrt{2} + \sqrt{2}) \cdot \sqrt{4} \cdot \sqrt{4$ 

हुल,बाट्ट्रंट, श्रिक, बेक, लबा, बीट्ट, ख़ुट, ट्टाट, ट्ट्रंच, ल, दुच, श्रिट्क, तक, चब्रीट, ट्ट्रं। ट्वा, ट्टाट, त्या, घुका, बावाबा, तपु, श्रेट्य, क्य, बेक, दुच, ख्रेट, व्या, ट्टाट, प्रा, थु, ये, विट, ख्रेट, क्येप, क्य, विष्, व्या, ट्टाट, यु, व्या, ट्टाट, श्रेट, व्या, विद्या, व्या, विद्या, व्या, विद्या, व्या, विद्या, विद्या, व्या, विद्या, व

### म्नि.प्रचन्नाग्री.पर्विट्य.पर्ट्या

१/१५ सु.मे.चिर.क्य.मैल.अक्ष्र/१४०४-१४८०

र्याग्.सिय.स्याः मिला अक्ष्राग्रह्न - १३०१

अञ्चित्रः चार्यायायायाः चित्रः क्वार्यस्य ।

हिन्नेय.क्र.प्यूट.वेश्वय्य.चीव्यंत्राचीव्यंतिवत्तिः ।

तीचीवीयाता.सीया.शक्ष्यीयदेश्र - १८३८

ব্যষ্টিৰ ক্ল'ৰ্মনাথনি প্ৰতিশ্বৰ প্ৰাৰ্থ

भ्रोबर्छिट.भीय.रवाय.जवाय.राग्रेन्यय-१०५४

र्राट्ययान्यायी।र्यटार्य्ययाञ्चर्याञ्चर्याच्यायायाग्रे

### नुग श्रिप्र देव श्रुम्य प्रति भ्रम्य

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} d^{2} d^{2}$ 

 $\begin{array}{l} a_{A1} \cdot y^{2} \cdot \widehat{\mathbb{S}} \vdash \alpha_{1} \cdot \alpha_{2} \cdot \widehat{\mathbb{S}} \vdash \alpha_{1} \cdot \alpha_{2} \cdot -\alpha_{1} \cdot \alpha_{2} \cdot$ 

## 国、大口和、到、中国广都、中心

### यर्थे। इंग्रुर्य विद्रास्त्र भेषा

डी. टीचा. ता. चोशीशा. त्य प्र धीटा चुना. टीचा. ची. प्र प्ष. चोशेचीशा. ता. चाया ताप्र, क्रीटा. तुचा. ता श्रीटा. चुना. टीचा. ची. प्र प्ष. चीशेचीशा. चीशेचीशा. चीशेचीशा. चीशेचीशा. चीशेचीशा. चीशेचा. चीश

क्ष्याच्यात्मयान्त्रचा द्वीत् स्वाक्ष्यात्म्याक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्षयः स्वावित्यः स्वाव

### म्नि.प्रचयाग्री.पर्विट्य.पर्ट्य

८१माम्यः तक्ष्वः भ्रीतः तत्त्वः स्राह्मे १५०८-१५०० ११माम्यः स्वतः भ्रीतः तत्त्वः स्राह्मे ११५५५-१५०० ११माम्यः स्वतः भ्रीतः त्त्रात्तः स्राह्मे ११५५०-१५१० ११माम्यः स्वतः स्राह्मे ११५५०-१५०५५ ११माम्यः स्वतः स्राह्मे ११५५०-१५००

# चक्चेटी ट्योप.र्स्च स्य.चट.राषु.श्चे<u>चथ</u>ी

यिष्ट.र्याय.र्स्व.स्.चंट.षुषातपु.श्रट.पट्ट.धु.पचबार्झंटबा.चं.चंट.र्याय.र्स्व.स्.चंट. ग्री.श्रट.जयाचीट.च.र्टटा धि.चट.र्चवाय.र्ज्ञच.स्.चट.ब्रे.स्वा.र्चीयु.र्ट्र.विट.र्ज्ञ्च.स्र्य.र्वायाया त.श्चिट.धूट.ट्यंष.इंब.तथ.श्चेब.यट्यं.वैब.वंब.क्ष.वंब.ईष्ट.सू.वंट.क्षे.वं.क्षे. पहीं वाया भ्रिव प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त हो प्राप्त भ्रीत भ्रित प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षे.वोष्याः क्षे.र्ज्ञवः भ्रीतः त्र्ताः वेषाः वेषाः त्रवाः स्व स्टाः खेवायाः यह्यः ताः विषयः स्थाराः र्टात्यग्रेर.क्षे.मुट्रायाःबेवाःणवायाःक्षेत्राप्तवायःक्षेत्रायाःबेवाय्यायःक्षेत्रायाः अवेश.भूट.पु.र्याय.र्ज्ञय.ता.यु. हु.ड्र्ट्र.पि.ताया.र्पट्र.क्षेया.डु.ड्र्ट्र्ट्राप्ट्याय.सूर्या. क्रेर-इं.वोष्ट्रश्न-देव.र्टट-अर्व्ह्र्ट्श.राष्ट्र,टेव्यूच.ययेय.स.स्रेव.पड्रांज.र्टट.पट्ये.व.क्रे. अक्ष्य.री.चैयायया.शुट.री.ययेवायात्रमःश्रेश री.लट.क्र.भा.यु.र्यवायात्रर्यः क्रियाया.शुटा अ'व्रअष'पर'ग्वष'प'स्रे। सर' p'अर्घ'र्स्चप'ग्री'टेष'र्स्व, प'चश'पट्टिंट, रुव'र्र्प के'प्रग्व. ब्रिस्पर्वित् गुर्ह् क्षेत्र : इक्षा वार्दित स्वर्गि के स्तर् पुराव्य वार्षित प्राप्त वार्वे कारा है : क्रु श्रीटारच्चरायायन्त्रम् राष्ट्री भ्रावित्रार्त्वे स्थियाचीरायास्यान्त्रात्रात्राच्चेर्यायास्या स्वायातार्त्रे ख्रेयावाचेत्यास्वायात्वेयाराः स्रमात्रा वासुसारा दी वार्षे र्वायायाचे वार्षे र्वायाया योद्भः त्र्रार्ट्रार्ट्रायान् ताञ्च्यात्रात्रीत् । त्र्रात्रात्रात्रात्रीत् । त्र्रात्रात्रात्रीत् । त्र्रात्र न्। व्रूट-र्याय-र्ज्ञ ना खुंब-र्य्याया-पर्ट्स्ट-ता-र्ज्ञ-र्या पर्वाय-प्रवेश-र्याय-र्ज्ञ-राज्ञ-रा क्रि.शक्य.टे.चेय.त.खेवा.ड्री इं.ह्यट.यट्य.क्षेत्र.तपु.झे.झेय.विध्य.ग्री.विश.क्ट.ज.टट्र. भ्रीत्।वट्यव्ययःत्र्रातके सेत्र्त्यातः स्वायः विषय्योहित्यः पवित्रः वी

 $\frac{2}{3}. \Box = \Box \cdot \Box \dot{\beta} \dot{\alpha} \cdot \Box \cdot \Box \dot{\beta} \cdot \Box$ 

ત્ર્વેન ક્રિયા શુના ત્રી ત્રાણે ત્ર

#### <u> तम्भितात्रक्र्याच रेत्रम्भी त्रामुत्रात्र तर्म</u>

### ক্রুথ র্ক্স ইম ইব্ ক্রু দ্রী দ্রি শ্

イス: 新二: に切って口に、近ったい。 では、では、では、一般の

### इंशेन्न्न केन्द्रित्र केन्द्रित्र केन्द्रित्र विक्ष

(वि.र्यट.र्यु.कुट.इ.र्यू.र्यूट.येश्व.क्ष्य.क्ष्या.क्ष्य.स्वि.र्यात्रेश्वर्यः १०विट.जेश.त.चग्र.चुब्र.मैक.स्वित.स्वित्रवे १०वि 17|पते के ८ व्यत् पार्टे हे कुवा या १००० १००५ १८।सट.पर्वीय.श्रट. द्या. मिया १ अ८ १ - १ अ८० 141277、到、てコエ、思り、動い、近りくして-1くしゃ १८ हि. दैवा. अष्टिय. प्रच. त्वर हिवी १५८८-१५०४ ११) वित्र क्रिया प्रमान मानिया प्रमान मिनिया प्रमान मिनिया प्रमान मिनिया प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्र १८/भूव.क्षेत्र.कर.विषायविष्य.र्या.र्यायायवर्गि००-१८०८ १९१र्में व. क्रव. र्वेयः प्रटः र्ट्व मुचःसुवः क्रिंग्य।१८०६-१८०८ २७ शिन् क्य यापव के भू प्वार प्या भिषा १ ५५० - १ ५५२ २२|श्रेन्रक्त्रःक्ष्यःन्ध्रेत्रःसुरायन्यःक्षेरन्यनःस्वरात्रम्त्र।१८५०-१८५२

# नगात र्ह्मेन रेग रादे ही वी

१|वि:कुट:कें:चम्ब्र|१८५०-? १|व्युट:वॉर्ट्ट:घा|? १|वि:कुट:कें:चम्ब्र|१८५०-? < इत्याः द्वाप्याये ।?

पश्चि: तुर कें खें बाग्येग्ये-ग्येग्र

८।तसवःसंखःह्।१०१०-?

य|प्रमीषाप्रहेषाषाप्। १ यो १ यो १ यो १ यो १

4/E·NO]·ONETION : 5- 0 2/ - 10

(पह राजा विव राजी केंट्र के पहुरा ११००१

१०/८वाय.यधु.स्या.मिया.म्.यम्य/१४४१-१०४५

ククロでは、そうて、ある、あってまりかるとークかんの

१२|८वायः चले चक्रेः न्।१०१८-१०४२

१३ हे अर्चेव ५ २ ५ ५ व हे अ मुल अर्व ११ २५१ - १ २८ १

१५१वित रा श्रेन् वि न्यम त्र्याग्रे १५५-१०५०

१८१०भ्रमः पन्न स्यान्य म्यान्य प्रमान्य प्रमान

१०) पश्चिताय वर्षा प्रदेश स्था मिया १००१ र १००१

१८१ अर्ट् अपर नर्स्ट व्याय निया मुला ११ के ११

プトロがい、ロヨニ、女は、野でしてからしつかんて

२०|८वादःयवे:र्रे:रेटःयङ्गवःदह्वंर्प्यःदर्वेर।१७४५३-१०११

र्गित्रबन्धः स्टान्त्रः स्टान्त्रम् व्यास्यः स्वास्यान्यात्रे वर्षः निष्ठ

२२|वाधुःर्भवा तस्या वरः चर्त्रीयः र्वे स्तुव।१०४५-१०/११

२३ म्रिम्पाद्याचित्र व्यवायाम् वाष्ट्र व्यव्यायम्

१८|इ:धेन्यार्नेव:ग्रुच:कें'न्नन्।१०१

४५।स.झ.यहेब.पह्च.क्श.मैजारेज्र,तर-२५०१»

१८। चिष्याराः क्रॅ्रेचयाः स्व। १००१ ।

२२।नम् भुगुन् न्यातः न्यातः तर्भ्यात् भुग्रे १२-१५०

२(१वुर प्रतःशे ग्रॅंट् कें पहुर्गा १००-१८१५

दर्गान्याय.यावु.यु.प्रशुन् यस्त्रम् प्रस्यान्यायाः तर्ह्यम् १७५०५-१५३०

47|ロタス・對·首本・関ロ・美・産17404-7イル

द्रयादाः द्वाः विषाः न्यः कुषः १)१८१६-१८१८

१३।विव पानव्रव प्रदेव के प्राप्त । ११४१-१५०३

१८। तुरापटा कें पहुंच हैं है। १८१९-१८०

१५१४ स. पश्चित्रक्ष मुल स्वित्र ११८३

४८।अर्ट्,श्रायर.पर्कीर.श्रुट.क्.र्टाट.र्टाजा.पर्क्रिपी३२४८-३२०४

42/1745.3.20E.8al.9a.5l/2464-2444

अपायाबर हुन यार्वेन ही व स्व रहेवा बाग्र ४०० - १५५०

८०।८रायाः झुन्।१८००-१८५८

न्रीयश्वाचीयःस्.चटःक्रीलःशक्ष्यःट्र्यःचीयोऽनतर-७नतिः

८२।(विते हे?)नगुषापट कें नह्न्।१४५१-१४५८

८३। भेर में प्राप्त निवास

८८|८८.मैय.६.र्यट.अस्थ.र्त्रो१४५५-१५८१

८५।८्यायः चाबे खे सा शुक्र शुपाग्र ५५५-१५४०

८८।वार्चे व्यापराया (इ.वार्चेव.क्.यम्बरः)१४५५-१४५१

८(१८८:बुँब:र्रें हें र्देब:बुव।१५८१-१५८०)

५०|स्.जिट.स्ब.क्र्यायाक्र.ट्यटा।१८५८-१८०?

५७|वाबरःह्निःकें:८्वटः८्चलःद्वर।(तर्ह्वरः?) १८५५-?

५२१वर्ळे क्षें वेग न्वर के ने ८ ११८० - १८०१

५३। यन्तर्भः के स्टार्यर स्वार्यर्थर

イ何喜れた、女知·聖·天·美/7/2/0-3

५५१८५ अष्य:क्रिंन्यन:क्रिंन्यन:क्रिंग्र्य)»९«१५०८

५८।(अर्दे-अवर?)कें-८्यट-८्ययातर्द्धेम् ?-१५०१

५० विष्युः र्विष्यः (क्षुः त्यतः र्देः हे?) १५०१ १-१५०५

५५१४१२ न्योषान्य कुषान्य १८ न्य

८०।म् न्यान्यात्रं निविष्यं

८ग्राङ्गात्युः धेः भेषार्देरात् निष्टा स्वान्यमा सुवाग्र ४१७-१४०१

(१२ वि. मेयास्ता मुह्मा ११८ । १८४

८३।वर प्रमान्यान्य व्यव । न्यान्य । न्यान्य । न्यान्य ।

८० विषय म् निर्मा पर्युर में हि १ ४ १३-१ १०३

८भीग्रीट.घट.त.चक्षेत्र.पह्न्त्र.ट्वट.त्री१८००

८८। ब्रिंग विट : र्ट्रेव : श्रुंच : स्व : स्व

(१७) किट. ब्रिअ. टवी. ट्यट. अब्रिब. प्रया. ट्यया. य बट. १७ १०० -१ १००३

८८/१५ूम्।पटान्यूट्वयार्भ्ययाः भ्रुत्याः मुयाति १०४-१८०३

८५।विति.सूर्वा.सेष.सूर्वाया.र्टाना.संघी १५०४-१५००

२० व्हर्स्ट प्टाट खुवा कुल संगि*र*०४-१८१२

ग्रेगिष्ट्र.यबट.पद्मेष.जयागि००८-गे५७०

य्रीयासर.वीट.क्.्यस्य.ट्यट.वियोऽ७००-१८७०

न्त्रीचुल.ट्यार.धुट.त.थु.पर्वीर.क्षेत्र.बीट्यीरितर-रेतिर

からしませいたいというなってエントンマークトマス

थे८।वि.श्चर्.स्व.क्व.र्यट.क्यां३५१८-१५२१

みかして、また、望、ロヨヒ、とが、はくいしているしているし

येर्विः क्रॅवः र्वेरः सः प्राप्ता मुलागरगर-गरयप-(१९४८)

ये(।८.स्र्.६.५चीव.स्व.क्ष्म्। १८२१-१८३२

**くらり類、ロヨヒ、ロ島母、類と、りょくれークにより** 

८०। श्रेन हें ने हें हैं हैं हैं का किया १००० ।

४२/८मो.परेथ.क्श.८४/१/५४८-१८४८

र्यायम्यायायास्टायम्यम् स्थान्यस्

<u>५५१७८:व्रिथ:व्यानम्बर:वृण्णाग्रह्यः नृत्र</u>ा

५८|वॅब र्ग्नेट कें पहुब में हे।१८९५-१८६५

र्यस्व विद्यान्य म्योषाः हें होग्रियये नगर्

大人口叫及·漢母·温·邓·口器母·红·及用如·万思上到了1944-71666

र्विञ्चरावटर्न्यट केवर्ने येवायात्रिक्र-१८४०

(०|पगादः म्रॅंबः म्रः यः प्याचा स्वाचा प्रमुवः गावः वास्त्रेव।११००-१८५१

(१) हिन् प्रत्व मा स्ट्रिं पा केंग्रा मुला ने स्वार्ग स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य

(१२)हेब.८ूर्व झु.बु.कु.८ूपट.रू.हे।१९८०-१८५२

(अन्या-भ्री-द्राया-अर्द्र-अप्य-स्व क्रियाय-स्व क्रियाय-स्त

३०३ विचाप क्च चाली क्च विचाच में का हुंच निर्मात निर्मात क्च चाली क्च विचाप क्च

#### वर्ष्यः क्रिंभः चगायः स्वाः श्रीवयः नृहः वीतृ १५८०?

### चमातः स्वाः भ्राच्या वृत्याचा १८००-१८८?

१ चगायः वि. चव । व. प्रज्ञूर : क्षेट् : चक्ष्ट् : व अवः क्ष्रूं चवा मुवा

र्रे मुःग्रीत् प्रगादः क्षेत्र म्रे स्मरम् स्मरम्

क्र वटः छेट् प्यादः र्ह्चेव स्यः झः ह्या प्रमृवः र्देटः स्वा

कॅबार्न्वापगादार्न्नेवार्स्डिंगाःस्ट्रेटाःस्ट्रिचाःपस्ट्रवार्नेरापन्नटा।

५/ ८८७.५१४.८७४.४५० व्याप. मूर्य ८००० वित्तात्त्र वित्त

(४) विषारिषा प्रमादार्स्स्व गाुव स्त्री पार्व प्रमाय सर्वा

# चगातः निवाः भ्राचका वात्रुका चागुरिष्ट-१८५८?

१ नगतः वि: नगतः चटः र्ह्वः नचटः रेगः वह्व

१ र्केश देंब पगव र्ह्मेब गुब ह्मेट रेंद् चेर कुय अर्कब्र

क्र बटाश्चित्रचगातार्श्चेषात्त्रचटातर्द्राहे।

ब्रियारियापाय क्षेत्र खूट र्क्ष क्षा सर्द र केरिट सर्वेत्र से

### चगातःस्याः भ्रवसः चले चागुर्पर्पः -१र्पर्रः?

🏂 चग्वःर्क्षेत्रःष्ट्रिःपःगुत्रःश्चेटःर्वेट् चेरःकुवःवर्षत्र

र् दर्धिर्प्यायः र्ह्वा

क्र विषारेषा प्रमादार्ह्मे वासेटारेटा दिष्य षा सेटा सुमा हेवा द्वारा दें।

८ यटे.श्रीट.यगोष.श्रुंब.डी.वार्ब्रट्या.क्र्.ट्यट.हे.अर्घीवा

#### चनासम्बाक्षच्यास्यागुरिक्त-गर्येथे?

- गेर् नगायः र्ह्नेब 'वि'रा'न्नमः त्रुषः र्हे हो
- र् न्यतायञ्चराच्यायः भ्रवाची यार्वित्या से न्यतः म्याचीवा
- क्र मेबर्याचग्वरर्झेबर्प्य केंबर्स्य स्वाच्य नेबर्ने
- रि यट्रे.ब्रीट.यगोष.ध्रुव.क्षेत्रो.क्षे.स्वेच.क्ष्योय.यग्रीया
- त्रि हुल.पश्चिवाय.प्रापट.धूंच.पहे.कुच.घेटा.पक्षेच.क्या.क्या

#### चनातःस्याञ्चनयः हुगाःचागुर्यये -१८५३?

- 🎵 नगतः र्ह्चेन हिः पः तहः क्रेनः स्वान्यस्वः स्वाः स्वा
- १ वेषःरेषाःचगादः र्ह्नेवःचगुषः अर्वेदः चष्ट्रवः दर्धेवः द्षे द्वे द्वे
- क्र न्यवायर्द्ध्याचगायः श्चेंबास्वायना श्चेंबा
- ८ यरे शुर यगाय र्स्स य यग्ने मान्यर तर तर्

### चनातःस्याः भ्रम्याचात्रुवः चागुरुर् १३-१९०?

- 🎷 प्रमादः भ्रिवः विष्यः प्रमात्ति क्रिवः प्रभावः मुला
- र् भुःचल्र-पग्तः र्सेन् प्रग्रम्भ सर्वेद प्रमुन् तहेन द्वे प्रेन्
- क्रि त्रायात क्रिंग्याय क्रिंव स्वास्य क्रिंग्य स्वास्य क्रिंग्य
- परे.ट्रैल.चग्रल.ध्रॅंब.चग्रीब.ट्यट.परेंटी
- त्र क्षेत्र.यविग्रम्य.यगपर.ध्रॅ्य.खे.त्र.खं.यबट.ट्र.क्या

८ यट्रे.श्रीट.यगोष.ध्रुंब.लालयोब.षह्योब.श्रेट.क्षेव.बीयो

শু কুল'দর্লু
-'ব্যাব'র্শ্পর'য়ৢয়'য়ৢ'য়ৢ৾য়ৢয়'য়ৢয়'য়য়ঌ

### 

🎵 पगायः द्वि: न्टः क्रॅंशः व्टः न्ययः वाशुंअः क्वीः पगायः र्ह्वेवः तृवाः रेः ऋषः पञ्चटः योः वेषा

र् नने देव नगात ब्रिंव नगाय अर्वेट नम्रव तहेव क्या मुया

क्र वेषायस्त्रात्यायः स्वा हे पर्ववायस्त्र

### चगातः मृषाः भूचन्यः नृषाः च १८८१ | ५ |८-१८८३ |१ |८५

ग्रे चर्यायः वि: न्टः चरे खुटः चर्यायः र्बेव कुयः र्यः र्देव खुच

रे वट.र्पल.प्रमेष.भूव.प्रमेश.भूव.प्रमेष.प्रमूच.पहूव.क्ष.भूव।

क्रिक्यातस्ति-पगायः स्त्रिव विषा मे स्नायान्य प्रोतिषा

मेशःर्याःचगातः र्ह्नेत्रः हः चर्ड्त्रः पङ्गाः

त्रि ही:ट्रेज.चगाय:ब्रॅब.चग्रीब.ट्वट.पर्थे

### नगायःम्बाःश्लेचना नहाम १००३ १२-१००५

ग्रे यग्रमाम्याम् त्राम्याम् वर्षेत्र प्रहेत्र म्याम्याप्रिक्षित्र निष्याद्वीत्र प्राप्त प्रहेर स्थान्य ।

र्र मुल लॅं मूंब मुनागिरायाय-एया राजने सुमा

ह इ. पर्श्व प्रशीपियाय-एया मेरा हेवा देवा

त्रे यग्र्यायान्य तर्दि। १०५४ १८-५५। ११ वर्ग्यायान्य तर्म्

(४) म्य. क्ष्य. व्यावत. प्रज्ञीतित्यीत-त्यीतीयट. प्रज्ञ्चीतित्त्यीत-च्रेय. म्य

क्रे ब्र्टामा झे ब्राक्ट स्टामिलियी ४-यट्ट श्रीटा

र्रे अह्य.यर्थे.वर्श्य.वेश्वय.ह्रेंचय.मैजोऽिष्यीर-वट.पत्त्रीलीत-वर्याप.ह्यी

M 3.2.9.3.2-1266614-200.0357

### नगातःस्वाः स्वायानस्य वर्षाचा १००५।८-२००१।८

ग्रे वयान्त्रः श्रीयाचन्याः ध्रीयाग्रिकितितिनिकायात्राह्या

०१।५१नम् त्रित्रिक्ष्यः मुन्नित्रिक्ष्यः मुन्नित्रिक्ष्यः स्वा

हर् देव क्रव सावत त्र्मिषितितित-०० विद्याद्रवी त्राप्त स्थित

याष्ट्र-अस्ट्र-प्याय-याद्या-क्र्या-क्र्या-क्रिया। १८ यमाय-अस्ट्र-क्र-ट्यट-क्र्य-क्यागिरिक्यानिर-ठ्यातिक्षे-ट्रियारक्षान्त्र-क्र-क्र-स्य-

(ज)ज)ज-५५/५)जीलब्रायिट्य. ट्रियायाययता अट्रायायाय प्राप्तात्व प्राप्ता त्यापा क्षेत्र । व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा । व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा । व्यापा व्य

ि प्रमुवःपःक्रें:रेटः।१९९९।(१२३-०)।(१व८:श्रेट्राप्यादःर्भेत्रा

१०/ ५गम-अह्बानम्बर्क्षातम्बर्क्षातम्बर्मा

१२१ ८ व्या भीत् वस्य सायम्।१११८।८।५-०१।११० स्ति वस्य वर्गावः र्भेत्रा

#### यगायः सवाः अध्यापाद्धः वाद्येयाचा २००७। (१५-२००८। ४।७०

र्या २००५। साप-०८। ४१७० वितरे शुट प्टा वितर् श्वी प्र००००। (१५००५। साप-०५। साप-०५। साप-०५। साप-०५। साप-०५। साप

०८।र्गेन्ट्रियाः द्वे.य्यायः भ्र्ये। इर् क.ह्यट.भ्रू.यचट.श्रेयः ग्रायायार०००।।तिर०-०तीः विन्ट्रियाः पर्स्ट्रिट्रि००तीः वीत-

०८।र्गेश्निक्यायस्ट्रिंट्रियायः स्थि। इत् वियायक्षेत्रायस्त्रित्रायायः स्थि।

#### नगातःसवाः भ्रान्यान्यस्य व्यास्य १००८।४।७५-

१ नगाय वि: नमा मिंट क्वें प्राचार प्रमुद रहीं व

रेरे ग्रे.पह्.क्.म्ट.स्य.क्र्याया

क्रिवाराक्रेंन्टा

ह्री वियायक्षेत्राखेटास्याया

५/ व्रवा क्ष न्नया प्रचट प्रचट वा मुन

# न्निः के अराष्ट्री प्रविषाः भ्रानियाः निर्मा १८८० १०१-१८८० १२११८

र्र् क्ट्रेट.श्रु.क्वी.पर्वयाभ्यः वियायक्षेत्र। र्र् क्वेट.श्रु.क्वी.पर्वयाभ्यः श्रीटाक्वी.क्व्राच्चेटाक्ष्यः क्वेत्या क्रियापः पर्किटः ही तिर्धेशाला हिं। हीया भी गोशा योवया तया क्र्या गी। श्री यो

ब्रियाञ्चितः द्वीयाची यार्वित्याळा न्यान म्याचीया

 $\sqrt{L^2}$ 

्र्रित्वयावहरः ही.पडीयापङ्ग्राच्याचियाची.पवु.पमी.प्र्याभेषा.पाचरार्येग.पर्रिण

र्रे अर्रे क्रिंट ही तहारा झारा देव रेव रेव रेव रेव रेट ।

(ग्रम् सून् ही पर्वयान् वटा हिटा क् क्टा क्रु स्टा अर्थ्य ही

१०/ अर्र् क्रॅंट हैं। पर्वयः हे क्रॅंट यातर हैं। पत्र प्रवाणिया

१२/ मि.चट.यग्रेथ.पविजा्त्र्ट्य.गीट.घट.क्ष्ताविष्य

74/ 3.25, 90, 50, 13.00, 50, 15. 50, 10.00, 1

र्वित्र के कर है। तम्बा भूतका मृतिकाचा १८८० |८।२०-१८८८८।

र्}र्ळेवायाःवार्षेत्रःन्त्र्याःवार्यमःह्येःत्रष्युयाःचय्यायायाःकेःरेटःन्वटायन्या

﴿ ४ म्ब्रें ८ कि. ८ च म्ब्रें १ म्ब्रा म्वा ८ च ८ क्या विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता

त्रिक्षेट्यात्रात्रीत्वराष्ट्रीत्वर्षाक्षेत्रात्वेत्त्रात्त्रात्यात्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्याः

८ प्रमाद प्रमुद्धि द्वा में में मार्के मार्क

भू पर्वेयाविदः ह्री तिर्वेयात्वा प्राट्या क्र्याचारा र्/रिन्थायाब्राः ह्यी.पर्न्थयापर्न्ध्राम्याच्यायाच्यायम्।र्प्याम्यायाच्यायम्।र्प्या (४ ८ तथा विष्टुं १ तथ्या सेट रेट रेव केव र्से वा सा १०/ यर्, ध्र्रेट ही. पर्धिय इं. ट्ये. चे. सूट. क्ट. क्या मैल. रू. ड्री ११) अर्रे हॅंट्र हैं। तस्याकता अर्रे प्यान कंटा पटे केवा हैंया आ ११२ वर्ट् हूंन् ही तहीय हे ऱ्रेर या पर् क्ट ही प्वर ही यावा १३ अर्रे.क्रॅट.ब्री.पर्वयामु.घट.र्जिट.क्.क्र्य.याह्ट.क्र्.ट्रट.अस्य.त्रा १८/ वर्दे श्चर है। तह्या गीहे तहवा न्यानवर्षा नव्या ७५/ थर्. श्रेट. श्रु. पदीयाला जवा हूंटा पत्र्या श्रेला भी. श्रुं. य बटा बीटा किया १८/ अर्ट् .श्चर .ही.पर्वयतायायाव्याक्र.प्रट .ह्यूपाया  $\partial_{\gamma}$  જાર્ટ્. શૈZ . શ્રૈં. પર્દીય. પ્ર્યાZ . શ્ર્યાના જ્યાના જ્યાના જ્યાના જયાતા તર્શે. તવીયા નક્ષિયો च्रिक्षा अप्त ही प्रमुक्षा अपिका मानिका मानि ग्रे क्र्यायायाङ्ग्यास्त्रीतः ह्या तहाया ही यादित्या क्रें न्नन् म्याचेत्र क्रियाः भ्रुष्याः अन्तरम् । क्रियायवार्षियायः वर्षायव्याः अर्वेषाः वर्षायव्याः अर्थे €{ त्वो.लियोथा.ही.एघिका.ष्ट्रा.धीटा.क्.लियो.ष्ट्रा.पघटा.अष्टिये.पटा 

(४ यगाय पक्किट ह्वी प्रस्ता ह्वीं स्वास्त्र स्वास

्री रविषाविद्रही प्रविषाकि विराप्यका श्रावर क्रि. रूट रियट प्रिटी र्} त्त्रमायार्वटाष्ट्री'त्रष्ट्रमाक्तुयाक्चेर्यतेत्रम्'स्'र्कं'त्यटासेवाळेवा (४ ८ त्युका वार्डाट ह्युं। त्युका खेट रेट रेव रेव रे क्वें वार्था १०/ यर् हूर्डी पर्वयन्त्रे रची च मूर क्र स्या मिय रूर ही ११) अर्रे हूं ८ ही तविया हे हूं राया परी क्रा ही प्राचार क्षेत्र रायाया ११२ वर्ट् हूंट है। तह्य क्वा वर्ट् याव क्ट वर्ट केव हूं या वा ११६ म् पाइउ न्यंत्र देत्र केत्र केत्र केत्र ७८/ यर्.श्चर.श्चे.पर्धयार्ययार्थाटालालवाबायह्वायाय्येटासुन्याया १५० वर्ष श्रम् श्रम् श्री तह्या मेहे केट वो १८९ थर्. श्रेट. ही. पवियाला जया हूंटा पात्र अंत्री अं. श्रें. या चटा निटा किया १७०/ क्षेत्रा.पक्र्य.ट्राय.च.ट्वेटश.ब्रुज.चव्य.प्र्य.ब्र्य.क्ष्य.चर्च्या.क्ष्या यूर्कु अर्डिं पर्वे अस्ति विश्व स्थित विश्व विश् ग्रे क्रियायायार्द्धः स्वयाः सारा क्षेत्राया सारा (क्रियायाया सारा स्वयाः स्वयः स्ययः स्वयः स्य र्रे क्रियाषायार्वेव हे र्देर क्रिंन्न तसीव तथा क्रिन्वे.जेबाबाडी.पर्वेश.च्रे.च चट.ट्टाल.पर्वेर €्रेयःश्चेतःश्चे त्रव्याःसःचित्रः वित्रयः च्रितः त्रहेषायः अटः श्वेतः अर्क्त्रा त्रियम्पः यक्निरः ह्रीः पर्धेयाः पर्धेयाः क्रुषः सियम् । स्यान्याः प्रदेशः । (४) प्रायाच्या ही त्रव्या मा ही स्वास्य स्वास ही प्राया में प्राया ही स्वास्य स्वास ही स्वास स्वास है। स्वास स्वास ही स्वास स्वास ही स्वास स्वास है। स्वास स

भू नियाविद्रक्षि प्रवियायाः भी है । पर्वेष । प्रकृति

र्रिट्यमाग्रह्माक्षामुयाक्षेत्राक्षामुयाक्षेत्राक्षेत्राक्षाम्

( / र्वायाविटा ही तिवया ही र ज्यूर र वि के स्टा

१०) यर् सूर है। यहाया है। दवी खारा रेवा स्या

११) वार् हूं र ही तवियानु विराखात्वियाः क्रान्ति वार्ष्या ही ।

१११ अर्ट्-ह्रॅट्-ह्री-उर्वेय.क्या.चट-अवर-क्रुय-स्वा-अह्ट-विय-वर्षेय-ट्वो-ज्वाया

१३/ अर्ट्.श्चर.श्चे.पर्धं अ.स्य.ग्रंट.ल.जवाय.पह्वाय.श्रट.र्शंच.वीटा

१६/ बार्ने :श्चन:श्चे प्रमुक्ष र्हे : बे प्यवा पा के सेटा

१५/ अर्ट् झट है। पर्वय हेवा पर्कर द्वार पर प्राप्त हैं।

१८/ अर्ट् .श्चर ही.पर्वयात्रम्य रत्तायम्यायन्यात्यम् प्रविषाः स्था

यूर्कु अटा ही प्रधिय स्थान मान्य किया १८०१ ११८ १८०१ ११८ १

१ व्ह्रियायायार्ट्स में रहेर केर निम्ह तसीय त्याया

र्रे क्र्यायायार्ष्य स्टार्गाटा खालयायाय सहयाया खेटा क्षुव स्ताया

ॳॖ॔॔॔॔॔॔॔॔॔ॻऻॴॹॗऀॱॳॿ॔ॴक़ॖऀ॔ॴॸॕ॔॔॔ॱॾऻॴॹॖ॓॔ॸॱॸ॔ॺऻय़ॱॼॸॱक़ॕॖॴख़ॴ

्रिक्टेट अद्ये ही तहार देश के अपने मान

त्रियम्पः तर्किटः ह्यै. पर्वयः ष्ट्रं म्यूयः यवरः ह्येय

(४ स.भ्रुते:श्रुं).पर्धस. झ्र.बाट्र्ट.त्वं.तचटः।

ग्रे प्रमुषायार्वटा हु। त्रमुषायाविषा हे मे । तार्म्भ प्रमुष । तहीय।

र्/ र्न्युकावार्वराष्ट्री तहारा तही वारा द्वी पा स्वार्थ के का ह्या व

१०/८विषायाब्टाङ्गीतिष्यायाञ्चायत्वाद्राःह्राह्य

१७० अर्ट्-हूर्ट-ह्री-पर्वयायनयायामा ह्रीया सु-हिनानह्न हो

क्ष्योबः योद्धः चैव्रा) २४/ अट्र्.क्रेट्रेट्रे,क्रीः पद्वियाः क्रिंट्रियाः प्रदेशः प्रवेषः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे कष्

१३ वर्र हूं प ही प्वयावट केव हूं या या कें मेट कें या हूं वा

१८ वर्षे अर् श्चर श्चे तहाया त्वा चर तह वाया केर श्चा वर्षी

14/4天,新七.夏.七百4.千.九.七七七.七七日. 夏日.治, 夏.七三七.百七.日台.日龄到

१८० थर्. श्रेट. ही. पर्वेश. मेज. रूट. प्यर विश्वाया विश्वाया श्रीट. यव्याता यथू. यववा द्विता

# र्चरक्षां अरक्षे प्रमुखाः भूतवा नुवार्ग १००८ १५१५-१००० ११११

र्रे क्रियायायार्विव मा ले स्वारम्य स्वारमा क्रियायाया

﴿ रिग्रे.जियायाङ्गी.पिद्ययाः मैलार्स्टार्ययायः मैटार्स्यायम् स्वा

€/क्रेट.शयु.ड्यु.पर्धश्र.क्र्.मुट.मीज.शक्यी

त्रियम्यः यक्षितः ह्ये त्यस्य स्थाः यः निष्यः ह्याः

(४ माञ्चितः द्वी प्रस्ता है मार्ने टाटमा न्यट प्रा

भू विलिट.र्टेट.सूत्र.बी.ही.एडिक्र.इं.ट्वा.विलट.र्टेट.क्य.कैल

र्रिट्यंबरविद्रःक्षुरविद्यागाःवर्ट्य्वे स्वरःस्ट्रंहेर्ट्याःवर्ण

(४ ८ तथा वर्ष : ह्यु । तस्य । त्यु १०/ ८ तथा वर्टा ही । यही या तही । यी टा तही वा क्रिया हो वा ११) अर्रे क्रॅन ह्ये तस्याचल न्यंव सेव केव के सेट। १११ अर्ट् हूंन है। तहाया ह्ना अक्षा हीन नवी हिन नहाय तहार वायया १११ वर्रः हूर् ही तिथात्वर तारा हीया भी वियायहेव र्राही १६/ यर् द्वित ही तहीय वट क्रव ह्यारा क्र मेट क्या हीया १५/ अर्रे श्चर ही तह्य र्हेर गर्डट हैं नवट नह्न तहें व १८० वर अर है। यह वारा ने ही र हैं वारा १७०/ अट्.श्चट.ध्वी.पर्वय.क्य.क्य.क्य.च्य.पर्यातायधू.यववा.यञ्जला म्रि. श्रु. यहां अध्यानियानियानी १५०,५१५।४-१५५४।५१० १) क्र्यायायाङ्ग् वियास्टाम् स्टामु से ख्रुयासु र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्स्ने र्रे क्रियायायार्वेव गाः तान्यांव स्टर्मे हे न्या तन्या ﴿ र्वो.जियाबा. ही. एहीबा. थेवा. मु. तबाबा. विहासिता. तवारा होया र्रेक्ट्रेट्सिंस्ट्रिस्ट्रिंस्ट्रेस्ट त्रियाय.यक्टि.श्चि.यवियाचिर.योयट.श्चिट.क्च.र्यटा देश.यीता (४ म.भ्रिप्, ह्री.पर्वयः झ्र.योट्ट.ट्यं.ट्यट.ट्यं ्र्रे स्थ.स्यु.ही.पर्वयाङ्ग.ट्यो.यितट.टीट.क्य.कीता र् दिया विद्रा ही प्रदेश है विवासीय राज्य राज्य

(र्/ र्वियायोक्ट.ह्री.पर्वयायेयाताक्र्याचीयायामी.प्रक्र्

१०/ त्रियावाद्रः ही त्रिया हीत् पूरात्रिया हीता हे से हा

११) वार् हूं त्र्डी त्रमुषायी वट छ। वर क्रें र ह्य

११ अर्रे क्रॅर क्रेंट क्रें तहारा का खेट ट्वा ट्वट |

१३१ अर्रे हूं न ही तर्ब या ही तर्न नर्षे व तक छेन हम हो ।

७८/ बर्. श्रेट. ही. परीया. क्या. ता. ही. प्रचट. प्रह्या. ट्रांया

७५/ यर्, श्रेट. श्रु. पर्धं ४. क्या. क्या. क्या.

१८० थर्र. शॅर. श्री.पर्धंता क्रेंट. र. रूवा.पहूरी

१०० वर्षः श्चरः श्चे त्वयापरे श्चेरः श्चेतार्गरापठवाया स्था

### र्चन्'बे'बद्धाः भूनवा नकुन्'च। १८५२/८/२-१८५०/८/१

१ व्यायायाङ्ग्रम् तास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र

४/ क्र्यायायाष्ट्रियाक्ष्यास्टाच्या होटाट्यायाच्चराक्ष्यास्या

४/ झ.मे. ५. हि. कुर. ४ श.मेल. मे. अक्ट्रीप्सूट. य. अक्ट्र्या. ४ य. टार्झे. टार्ख्या. ईरा

र् यभाषः तम्बैरः ह्रीः पदीयः क्र्याः रेत्रेट्यः मेलाः अक्ष्यो (विष्वेवायः क्र्यः विषटः म्रीटः क्रः रेयटः स्थः मेल)

त्र्याञ्चेत्रः द्वीयात्त्रीयः मुलाञ्चराञ्चीयः श्री

(४) प्रथ. त्रुब. विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व

ग्रे रिवंबाविदाङ्गी पर्वंबाग्नितात्त्र वेटामे ऱ्या प्रवास्त्र में व

√ टिन्या.वोक्ट.क्री.पंडीय.क्र्र्ट.श्रट्य.मुयावोयाता.क्ष्या.क्या.

7文/ 对人,就人,那人,那一日祖,日日日,我一日日日,日祖母,是是 7文/ 对人,我人,那一个那一日祖,日日,我一日日,一日祖母,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一日日,日日日,我一日日,一日祖母,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一日日,一日祖母,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一日祖母,一日祖母,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一日祖母,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一日祖母,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一个四十二年,一日祖母,他们 7文/ 对人,我人,那一个那一日祖一日祖母,他们

व्यन्त्रं अप्तः क्षेत्रं स्वायः स्वायः प्रायः १८५० १८१२-१८५५ १८११

र्रे क्र्यायायाव्यः क्रेटायम्यायुरायायायाम्यायाया

﴿ বিশ্বরে বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর প্রত্যার বিশ্বর বিশ্বর

€र्यः भ्रीतः श्रीः तह्याः तह्यः तहात्यः तर्भितः । इत्राम्यान्यः ।

५/ ग्युट र्तुट र्वे मु: हु त्र वुष नु र र र र र र र र

(र्र झं.मे. मु.स्रा.स्र क्य स्या मेला.मे. यक्र्

भू प्रथाविदः ह्ये त्रव्याम् दर्भ विद्याम् दर्भ विद्याम्

√र्थं य. व.क्ट. ही. पंचें य. व.चें व.चें र.चें व.चें र.चें व.चें र.चें व.चें र.चें व.चें र.चें व.चें र.चें व.चें र.चें

(्रे अर्ट्, क्लॅट, क्लैंट, क्लैं, पर्वेय, से.त. अर्थ दे उन्हरी

१०/ वर्रः क्रॅनः ह्ये त्रव्या ह्ये प्रो च क्रम् पळता देवा वि

११) अर्ट् अर्डे अर्डे प्रवियात्वयः सटारायहेवाया

१२० अर्रे अर्रे अर् है। त्रुषा त्रुषा त्रुपार्य पर्वे प्राय्य अर्थे प्रवासी प्राय्य ।

# च्रेन्थ्य अटा ही प्रमुख अपया प्रश्निय १९४५ |११४-१९९० |५१११

ो क्र्यायायाङ्ग्रहेटावध्यायेटाराक्र्याचीयामी अक्र्री

दें क्र्यायायाष्ट्रं अर्ट. क्रॅट. क्रैं ट. क्री. पर्वयायि पर्टे. टर्ग्य परकु. श्रेट. स्था क्रीया

🎻 झ.मी.मु.कुव.र्यम.मील.मी.अष्ट्रीत्यूट.या.अष्ट्र्या.यंया.यंया.यंया

€्रेट्वो.सिवाया.ड्वी.पंचिया.पंचपाया.श्राट.प्रा.धू.श्राट.पक्षेत्राता

त्रियम्पः तर्केटः ह्री.पर्वयः ध्रुं. ज्यायायमः हीया

(४ य.भ्रेपु.ब्री.पर्वय.२.व्य.विट.क्र्रेट.तर्थं.पर्वट.यावया

्री यिलीट.चैट.त्र्व.मु.ही.पध्याचि.पैर.पश्र्ट.वेशयाचाट.त्री

र्/रिवंश.वाक्ट.ह्री.पर्चेश.टवो.टेवट.टेवो.जवाया

( ८ तिया विद्रम् ही तिष्ठ्या है स्ट्रम् व सीय

१०/ अर्रे :क्रॅंट :क्रैं : व्हीं : तहा अर्रे : वावव : वावो र : द्वावा

११) अर्ट्-अन्-श्चे तह्रा क्वाक्वा क्वा

१२० अर्ट् अ८ है। पर्वया संस्टान्य वर्षे पर्वया स्था

# र्चर्केकराष्ट्रीतिव्यक्षाम्भवयावद्याचियाचा १९९१५।२०-१९८५।५।२८

रे व्ह्यायायाव्या व्याधारा द्वराचे क्षे क्षे त्रम्या व्याधारी व्या

﴿/८वी.जिवोबाःह्यी.पर्वेबा.टवोषाः चेत्रासी.विटाटवो.यचेबाःष्ट्री.ववटाट्यटाःक्यो

त्रिक्ट्रेट्या ही त्रविया हीट क्ट्रिन्य ही प्रश्नित पहुन हो व

(४) क्रेट अते ही तहारा में तहें के नेट सुव केंग्रा

भू या भ्रीपु . भ्री तर्वया २ . स्वा . चीट . सूट . तर्थे . पर्वीट . वाय या

र्/बाश्चितःश्चैरव्यक्षःश्चर्वोत्तह्यःन्वन्यःनर्भेन्या

(र्राचगाय:पर्किट्:ह्री:पदीयाअर्ख्य:सी:व्रीयाअवरःह्रीया

१०/ यगाय. तक्रीट. ही. पविश्वः धूट. ट्वो. क्या. गीय. ट्वाय. क्र. स्टा

११) वाधिट.र्टेट.च्य.मी.ही.पंधिय.म्.म्.य्.ट्या.यंच्या.ध्या.

११८त्याम्बर्टाः ह्या त्र्याम्यायायाः स्टर्मीटायद्वारा क्रेया

१३/ ८२४.वाद्रः ह्री.पर्वयाम्याङ्गः द्याम्यान्तराद्याः तर्री

१६/ त्रियाचाद्राः ह्ये त्रियाद्राः स्रास्त्रः क्रांस्ताः ह्यः क्रांस्ताः विविषयः स्वायविवायः स्वायः स्वायविवायः स्वायविवायः स्वायविवायः स्वायविवायः स्वायविवायः स्वायः स्वायविवायः स्वायः स्वायविवायः स्वयः स्वायविवायः स्वायविवायः स्वायविवायः स्वायः स्वायविवायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वयः स्व

७५/ ८२४.वाद्रः ही.पर्वेय.शटप.प्रयाविषा.ट्यीपा.पाझ.मी.षाड्रा

१८/८विथाविदाः ही प्रविषाः हूराः मी परिया गामः कूषा पस्ता

१२/८वंबाविट:है।तविषार्म्ट:ब्रह्माववायःवह्नवा

१२/ ८वयाविटा ही तवियायटय देयाय हा हिट र्वे र ति ८ र मुया

१/९ प्राया विषया त्राया विषया त्राया प्राया । विषया विषया

৻৴৴ঀয়৽ঀড়৾ঢ়য়ৣ৽৻য়য়ৠৢঢ়য়ৣ৾ঢ়৽ৡ৾৽য়৽ঢ়ৄ৾য়৽য়ৢঢ়

११) त्रुषायार्द्रमञ्जीत्रव्यान्याः भ्रेच्यात्रयाः स्ट्राक्यान्याः

११) अर्रे हूँ ८ ही तर्वयाया वटा छा त्व्या हा अधीव केंया ही ८

कूंचयाचीता) ४५/ थर्ट्.कूंट.ड्री.पर्वयासी.त्रि.पर्ट.पक्ष.श्रट.क्याचीता (ट्यूटयाखेयाक्यास्यासीतास्य स्वास्त्रासीयः

पड़्र) १६८ अट्र.क्रॅट.क्रैट.क्रै.पडीय.वट.कुर्य.क्रूब.त.क्र्य.ट्र्य.क्रूब. (८ग्रट्य.विय.क्ट्र.ट्यार.यह्य.तर्थ.क्र्य.

हुर.पड़ेर) ४५/ थर्ट्.क्रेंट.ड्री.पर्चय.ड्री.ट्यो.धुट.क्ट.त्ये.च्री.प्रायाया (ट्यूट्य.च.खेय.ग्रीटः। वर.अपु.प्यायही.

१८० अर्दे क्रिंद क्री तहाब प्राय अहें ब वाबेर द्वादा

२०/ यर्. हूर. हैं। पर्वयः हैं। ८वी पक्त यर् हें

८४/ थर्. ध्रूं ट. ब्री. पर्वया श्रम । विषया न्यू ट. वेषया ध्रूं चया क्यी

२१० अर्रे क्रॅन हैं। तहारा तो वट वण तिट हैं है।

दर्र अर्ट् क्रॅट हैं। पर्वे अ. हं . ट्वो . हें . क्र्. गीय . ट्वा प्रांच . टेवी

भी अर् र्ष्ट्र ही तहारा त्रवार त है से र्

दर्रे अर्ट् अट् श्चे तहा तहा हिया पर्कर पहें व तहा व रहें व

१२) अर्दे श्चित् ह्ये त्रुषा व्राप्त के नेता देवा मुन्। (८००० व्याक्त के नेता द्वारा के नेता द्व

४६/ यर्रे.श्चर.श्चे.पर्धयायटप.मुयामुय.मुय.मुयाप्रेय.पह्य.क्यामीता

१५/ वर्न अर ही तह्या गीहे हैं वार गार झे वा

१८/ अर्ट् :श्चर:श्चे प्रव्यारेय में ए वार्वाय प्रार के रेट।

दग्रे अर्दे इत् हुै तह्य मुन्दर अर्वेद र्रे देव शुन

४८/ थर्. श्रेट. श्रे. पर्वयायनयः श्रटः राष्ट्री श्रटः पश्लेयः य

१० मर्ने: भ्रनः श्चे: त्रव्यः श्चे: मर्ने: वृतः त्रव्यः त्र्नः वेरा

८०/ सर्-श्चितःश्चे तिर्ध्याः यः यन्त्रं ताः में सि

८१ अर्दे झूट ह्ये तह्य हे यें मेहे नग्रेय देव शुन

*च्रे*र् ॲ.स्ट.ड्री.पर्धंयासंय.क्र्यंयाराट्टा कीया

र्रे लू.रूटाड्डी.पिडिया.योयाट.र्ज्ञ्याया.क्ष्य.य्रीट.क्र.रूटार्ट्र.ड्री

<िर्ी चिट.ल.पुषु.ध्री.पधिथा.श्रेय.पिष्णया.धीय.पक्षेथ.यथाया.बीय।</p>

*ৼ৸*৴য়৴৻৸ৠ৾য়৻য়ৢ৽৻য়ৢয়৽য়ঢ়য়৽ঢ়৻৻ৢ৾য়৽ঢ়য়ৼ৽ৼ৾ঀ

<ि√ घट. तभूथा. श्री. पचीया. श्रेषे. अर्ग्नेया. स्राम्ब्री

व्य- कु अम् क्रि प्रमानिक मित्र मित्

र्/क्र्यायायाव्याचराचर्याक्ष्याक्षीरस्वयास्याया

क्रिवट. यभूषाडी. पर्वेषाण. प्रेषाक्र. यम्बा

५/ ८वो.जिवाबाङ्गी.पचिबाचेवा.मु.लूच.भेच.स्व.क्र्याबा

८ ८ ८ ची.लीयोबा. ही. पर्चिया. ८ योषा. चीटा. टाग्रीया कीया. अक्ष्री

भ्रे क्रिट.श्रप्ट.क्री.पविश.व्री.पड्ट.क्र्.म्ट.स्व.क्र्याया

√्रेष्ट्रेट.श्रद्धःश्चिंशःवेषाःसूटामः द्रान्तिष

(√ यगाय. पर्किट, ह्री. पर्वेश. अर्थ्य. सी. ध्रुं. ग्र्या अघर हीया

१० वर्गाय वर्मित् ही पर्वेश अर्थ्य स्ति ग्रीस मुका रचा अवर हीया

१८८४ विष्यः विष्यः विषयः व १८८४ विषयः विषय

रीरे भर्रे :क्रॅन :क्रैं तर्धियाक :स्रेन :स्रेन

५०) अर्रे क्रॅं र ह्ये तह्या अत्त वुरा सुरा है तहरा

२७ अर्टे र्ष्ट्रेट ह्ये तहाया नगर अहेया राष्ट्रा क्रिया तहीं । (न्व्राट्या ब्रिया क्रिया स्वाया स्वर्था स्वर्था

यर् अर्दे.धूर् ही प्वशासी में के पके अर्प माया ही जा

我了如关,幾人一萬、四周如湖上,成上,成,美工

पह्य) ४६/ अट्र.श्रेट.श्रे.पर्वेय.क्ष्य.क्षेय.पष्ट्र्य.प्रह्य.क्ष्य.श्रेव। (२०्राट्य.खेय.क्य.श्रेय.

१५/ यर्रे श्चित्र्ध्वे तिव्याञ्च चार पर्चेत्रपाकु यर्षे (न्वेत्यावुयार्ध्यात्रेयार्गेतायानुवायान्यार से तेत्र)

४८/ भट्र.श्चर.श्चे.पर्वय.सेवा.पक्ष्र.पर्वेष.पह्र्य.भावया.बीचा

१०) वर् अर ही तह्या मेहे हैं व राम र इ वें

१२/ अर्ने:श्चन:श्चे:पह्याःश्चन:र:श्चेत्र:प:क्रें:रेटः।

अं, अर्ट् अंट ही प्रधिया स्ट्रें मार्य त्र तह वाया अटी

८०/ सर्-श्चित्रश्चे तिव्यान्त्रमा सर्-श्चिता तक्षेषा स्त्री होरा

<्रेर्थर्.श्चर.श्चे.पर्धथ.क्र्.मुट.श्च्र्लाः थ.धेट.सि

८२० वर्षे.श्चर.श्चे.पर्धेथ.क्य.क्य.क्य.क्य.वहेथ.वह्थ.वर्ग्थ.त्र)

<्रेर् यर्ट्-इन्-इन्ने:तहरामेतःयर्ग्न रंग्यर्क्ष

८५७ ऍ। रूपा ही प्यविषायमें या क्ष्मा प्रमुव । त्या क्ष्मा ही वा

₹<u>८</u> चट.ल.५५५.श्रु.पश्चा.८्वट.श्रुवा.६्.९

र्चर-भ्रायमाञ्ची तत्र्याः भ्रायमा यहः ग्रायमा २००१ । ११७-२००८

र्र्क्ष्वायायार्ष्वायायार्ष्ट्रायार्ष्ट्रिताङ्क्षेत्राञ्ची त्रम्याया

﴿ वित्राच्स्रीं त्रियाः कः स्ट्रीतः स्त्राचनः स्नृवः गुण्या

्रिंचर.यभूथ.ब्री.पर्धेथ.मु.चर.रेयर.मीजा

त्रिवट्रपञ्चेषःश्चेरिषं श्चरायः क्रुर्यूटा

(४ क्रिट अते ह्ये प्रमुक र्षे प्रहेश र्से प्रमुक्त र्से प्रमू

भू क्षेट.शयु.ब्री.पर्वया.येवा.सूट.मी.सु.वी.सीवा

र्/ प्रणाय:पर्कुट:ध्रुं 'दिश्य'पर्श्रट,व्रथ्य,ट्यं 'दर्ग

(्रियगाय.तक्रीट.ब्री.पर्धंब.क्र्य.क्रीज.यक्षंब.पह्यी

२०/ था.भ्रीपु.ह्री.पर्वयाय.प्रवायातह्या.प्रवायातह्य.जया

७७/ ८वो.जिवाबाङ्घी.पर्चेबार-याम.ष्राह्म्बायक्षेष्ठ.पह्म्ब.चुबार-वीवायक्षेत्र.

१२/ ८वी.जीवाबा.ही.पर्धिंबा.बुरा.होबा.जी.च.ट्रचट.सूट.बीच.चड्रंब.पत्रुजा.क्रेबा

१३/ त्य.तृपु.ही.पर्धंयाविटाजेटाश्चेय.ता.ह्यंयाश्चरी

१८/ त्यं. त्यं. ही. पर्धं प्रविद्या विदः त्यं. ट्यो. यत्रेया यतितः दीटः कीया अक्यो

चि.र्-राज्र्र, वेश्वराचार, त्र्रार्य्याच्या खेवा क्र्यां या व्यव

१८/ ८स्यावस्टा ह्ये तस्यादितः देः त्वाप्ततः क्षे

१३/ त्रुकावार्द्रमञ्जीत्रव्याम् । द्रान्यान्यम् वर्षा

14/ 754.442.33.484.44.44.4.34.4.64.33.4

१/८र्थयाविद्रः ह्यै।पर्षयाचवा हुः ह्यूजायाकुः सूटा

२०/८विथा.वाद्रः ही.पर्वेथा.धूर्ट.श्री.पर्वेथ.पाश्चाक्षा.पर्वजा (४००२/५-४००४/३ वयः क्र्यायावाड्र)

४) रिवंयाविद्यः ही प्रवियाविद्यः अर्ट्र क्रियः ख्रीय प्रवेषः पर्ह्य

११/८५० गर्ट है। ८८० ५ ५ वंग हैं। तत्र वार्ष

२३/ ८२४ व्यक्ट है। यहार हिंदा र्याय वर्ष के सेट हैं या आ

८९/८८४१वर्षाम्यस्यक्षे त्रियाम्यास्य स्याम्याप्तरा

८५/ यर्. हूर. ही. पर्वयः समाविष्या राज्या न्यूर व्यवा हूराया मैला

८८/ थर्. धूर. ही. पर्वया शैया भी. ख्रा मिया सूर्या मिया

२०० वार्ट हैं ८ हैं। तहारा तह केत ८ ग्रीव वार्क्य केंग्रा हैंग

१२/ अर्रे क्रेंट हैं। पर्वयानगमः अह्या क्या विषया पक्षेत्र पहेंत्र

यो अर्रे हिंदिही प्रधिया हीटा छटा छे देटा है।

५०/ थर्, ध्रूंट हैं। पर्वय इं. ट्यो पक्र अट रू. ही

११) वर् हें ८ है। तह्या चतुर के पह्न

११) अर्रे क्रेंट ह्यें तहारा विका कि क्रें प्रवाद।

१३) अर्रे क्रॅन् ह्री तह्य हो नवी नर्गेव अळवा र्वे र हा

इ.भैतय) इ.भैतय) १८ अट्र.श्चर.श्चेय.पक्ट्र.पक्षेय.पह्य.थिया.ग्चेत। (२०्र्ट्य.थिय.क्टा.वीयर.क्टा.वीय.क्रे.

४५/ अर्दे.श्चर. ह्ये.पध्या.क्र्रावाद्रातह्वाया.श्रेटी

२० रूर् इत् हु तह्र गीहे हुँ य नगर इ र्वे।

४८/ अट्र.श्चट.श्ची.पर्चेश.श्चेंल.श.अक्ष्

ॳ॔ॖॎऺ॔ॴ॔ॣऄ॔॔ॱऄऀ॔ऺऄॖऀॱॳॿऀ॔॔॔ॵॸॱय़ॱऄॖॳॱग़क़ॖॱय़ॗॸॱऻ

८० वर्र. श्रेट. ही. पर्धयानुया व्याप्टा क्र. मूटा वर्षः स्री

८) वर्षे श्चर श्चे तहाय मुल रेट ज्ञ राके रेट ।

<्रे\ बर्ट्. श्चेट. श्चे. प्रधिया र्ट्. श्चेया ट्वो प्यट्व श्चेव पा

पड्र) ८३/ अट्र्.श्चेट्.श्चे.पर्देश.स्ट्र.चि.श्च्रेला.श्री (धिय.यक्षेष.जीट.युवाबाट्वूटबाखेबाक्याठ००००।१८-६ यय.क्ष्वाबा

८८ र्ऍ।र्स्प:ब्री:पर्धियापर्स्ट् वस्त्रासंक्री:र्स्ट प्रसःसी

५५० त्र. ऱ्य. ही. प्रधिया वीयाटा हीटा छ्र. ऱ्टा है।

# र्चित्रकेष्मराष्ट्रित्रक्षाः भ्रम्यकान्यस्य प्रवेषा १००८-

१ व्ह्यायायाङ्गःक्रूट् यटतः देयाञ्च प्वत्यायाः व्ह्याययेया

र्र्केंग्रायाविंद्रात्र्गार्सेट्स कुरिस्कें

ॳॖॕॱॾॖ॓ॸॱॴढ़ॱॿॗऀॱॳॿॖॴज़ॴॱॸॕॸॱॿॖॱॸऀॱख़ॖ॔ॺऻ

र्रे क्रैट अते ही तह्या नर्से न वस्ता नह्य त्रेया

त्रियम्यायः पश्चितः श्चीयः अर्ख्यः स्थाम् । भेषः स्वार्यः अवरः श्वी

(४) यगाय.पर्केट.ह्री.पर्द्यश्याप्त्र.क्.यजूट.वश्वा.पर्या

भू या.भुत्र: श्रुप्त्रव्या.उ. व्या । चटा क्षेत्राय इत्तर्मा वर्षा

र्र्षाञ्चितःश्चिःतव्यार्गाः तहः गाः चः न्वोः नवेषाळेः देनः र्ग

(र्/ ८व).जिवाबाङ्गी.पर्वेबा.श्रूम.व्रेबा.जे.च.र्ताय.सूर्य.रव्येवा.व्रेबा.व्रेबा.व्रेबा.व्रेवा.व्रेबा.व्रेवा.व्य

१०/८वी.जीवाबाडी.पर्वेबानु.स्यहवाबाश्रट्रट्टाट्सीला

१२/ र्चव र्चित ही त्रह्या हिट र्च त्रो त्रेया विषा विष्ट हिट कुषा वर्ष्य

१३/८वियाविद्रः ह्या तिव्यायहूरः श्चर ह्या तम्ब क्रिया

१६/८८४.वाद्ट.ड्री.पर्वं अ.चवा.ड्रे.ड्रीज.स.ष्ट्र.५८.।

१५/ त्व्रायार्डट:ह्युं त्व्रुय:देट:दे चर:ह्यं त्वा त्वट:क्षःब्रा

१८/८२४.वाद्ट.झै.पर्घेश.श.भै.पोश.लु.सेबा

72/ 7541455 314841557.2.2.2.3.3.2.8.3.2.

१२/ ८र्थं याक्ट. ही तिष्या मैया क्रां प्राप्ता

१/५/ र्यव्यावाक्टाः ह्या तिव्या यात्यः स्याः स्याः स्वारा विवास्य स्वाया

२०/ ८ तथा. वाद्र हो . पर्वं या हूट . ट्वाय वाद्र टा क्रु. रूट हों या या

२१/ ८२मः वाद्रः है। त्र्यमः वाद्रः वायः यात्रः स्त्रः क्षेत्।

२२१ अर्रे व्हॅन ह्ये तहारा हो नवी तहा क्रेन न में न अर्क्चा क्रेंना ह्येंना ८३/ अर्ट्.धूंट.धु.पडीय.वीश्रम.धे.ख्या.विषया *ઽૼૼૼૼૼૺૺૺૺૺૺૹ*ૢૼૢૢ૽ૢૢૢ૽ૢૼૣૢ૽૱ૢ૿ૢ૽ઌૣ૱ૹૢ૽ઌ૱ૹૢ૽ઌઌ૱ઌ रत्रि थर्, क्र्रेट. ब्री. पर्वया. शैर विषया राष्ट्र विषया क्रेंचया क्रिया १८० वर्षः हुँ नः हुँ । तबुवायी वरानने ना र्कटा है हे ननटा यनुवा २०/ यर् हॅं न है। तहारा करा यर् ग्याया हैं र नतः नगर करा ४४/ थर्, धूर, हु. पर्वयः स.रा. क्य. सुट. ८ ८ ८ ५ २/१ अर्रे हुँ ८ हुँ। तहारा त्वता पा झूया प्रवता वा सूया अर्ळा ५०/ अर्र्-क्र्रें नः ही प्रवियान्यामः अह्याः र्ख्याः विषया निष्ठ तिह्या ४१) वर्षे अत् ही तहारा स्टार होता पा के रेटा *ૡઽૺ*ૺૹૢૢૼૣૹૺૺૺૺૣ૽ૹૢ૿ૺૡ૽ૼૺૺૹ૽૽ૺૺઌ૽૱ૢૢઌ૽૱ૢૢઌ૽૽ૢઌ૽ ५५७ ४८. য়८. য়ৢ । ५८१० । क्या च्या २ । ४०० । ४६/ थर्र.श्चर.श्चे.पर्धय.संग्रापक्ष्य.पर्द्धय.थायथ.ग्रीय दर्भे अर्ट् अन् हु त्व्रा तह्रव तहेव अर्वेव से ૡૺઌૺૺૹૢૢૻ૽ૹૣ૽ૺ૽ૹૢ૿ૺૡૡૺૺૺૺૹઌૢ૾ૺ૾ૢ૾ૹ૾ૢ૾ૢઌ૽૽ૺઌ૽૽ૠ૽ૹ૽ૺ ૡઌૢૺૺૺૺૹૢૢૻૺ૾ૹૢૺ૾ૡ૽ૼૺૺૺૺૺૹ૽૽૾ૺઌ૿ૺૺૺૺૺ૾ઌઌૢઌ૽૽ૺૺૺૺૺૺૹ૽ૢ૽ૼઌૹૹૢૢૹૢૺ ४८/ यट्र.श्चट.श्चे.पंध्या. क्र.चु. क्र.मुट.याती.श्च्यी अंग्रे अर्ट्.श्चर.श्चे.पर्वेश.वोश्चर.से.क्ष्त.विश्वश.पूर्ट.चुरी

૯૦ૺ અદ્ર.શ્ચર.ક્ષું.પદ્યય.વક્ષેત્ર.વક્ષ્ય.ક્ષેત્ર.શ ૯૫૮ ભૂ.ક્ષેત.ક્ષું.પદ્યય.ચૂંત.યાત્રર.વજૂર.ક્ષ્ય.શ્ ૯૫૮ ભૂ.ક્ષે.પદ્યય.ક્ષેત્ર.યાત્રર.વજૂર.ક્ષય.સ્ય ૯૫૮ ભૂ.ક્ષેત.ક્ષે.પદ્યય.ફ્રેય.યાત્રર.વજૂર.ક્ષ્ય.સ્ય ૯૩૮ શ્.ક્ષેત.ક્ષે.પદ્યય.સ્ય

#### 

#### ष्रवदःहुदः बदः द्धदः य

[च.च|खीथा.तिजा.चपु.जू.क्रीया.पिट्या.थी.चीया.ता.अट्र्य| प्र्या.ग्रीटा.या.भीया.त्ट्रा.क्र्या.वायीया. म्री:ब्रिंब-ल-ट्रचट-पश्चिर-प्रदेश्य-ब्रे-११९० स्र्र-लिब-ट्रचट-ट्र-प्रम्ट-लट्र। ह्येर-स्ट्र-ल-বর্থ লেশ ক্র্রা দ্রী বর্থ র্টে শ্রীল শব্দ বিদ্যান্ত্র বর্ণ নাম্বা নিদ্যান্ত্র প্রামান্ত্র বর্ণ বর্ণ নাম্বা নিদ্যান্ত্র প্রামান্ত্র বর্ণ বর্ণ নাম্বা নিদ্যান্ত্র প্রামান্ত্র বর্ণ নাম্বা নিদ্যান্ত্র বর্ণ নাম্বা নাম্ব নাম্বা र्वायःस्त्रःस्यःस्यःस्त्राच्यःस्त्राचात्राक्ष्यःस्यान्यात्राच्याःस्यान्यःस्त्रःस्यःस्त्रःस्यःस्त्रःस्यःस्यान्य अक्र्य-वंश र्यान्य-र्यान्त्र्य-स्थान्त्र्य-प्रमु-प्रत्-र्य-र्य-प्रमु-प्राप्ते-स्थ-प्रमु-प्रम् वयान्त्यायार्वतः अत्तः देषान्तः परुषायाते । क्षेष्या क्षेष्यायार्वे । सुष्यायार्वे । त्यायः ल्ला बट...र्. वर्षा ट्रांब क्री क्षटा के खेंद्र चटला वर्च क्षेत्र क्री क्रिन के लेगा योश्रमः ग्रीकाः यो विष्याः हेन् । यो क्यां का क्यां का क्यां क्यां यो क्या चर्चित्। ...षाञ्चित्राचेत्रेराधेवात्राच्यात्राचात्राच्यात्राच् <u>८त्</u>र्यं मुकार्थाः भीताः प्रति । प्र बुटा चर्यायः सूर्यान्त्र्यूट्यः सूर्याः तक्ष्यः मुन्यः त्रेत्रः त्रेत्रः सूर्यः त्र्यः त्र्यः स्थाः स्थाः स्था इंगा.गु.सूर.शुज.रीपु.योषेश.केट्य.याहैया.यम्भीज.र्थय.घष्य.२८.या.भ्रीपु.र्यटा.रीट. श्र्याची स्वाप्त में मिल्या मुद्रमा मुद्रमा स्वापाय हो। द्वापा स्वाप्त मिल्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स यगामु वितरपारेट्रा

वाक्ट.स्ट.श्वावाका ताविष्ठवा कीट. होट. त्या सुर । होट वाक्ट. ता हो होट त्या सुर । वाक्ट. स्ट.श्वावाका ताविष्ठ वाक्ट. वाक्ट. वाक्ट. त्या होट । त्या सुर । वाक्ट. वा

क्र्या-क्रियोटालाटा अक्र्ट्टा व्या-त्यं से योटालाटा अक्र्ट्टा व्या-तयं से योटा योचेया क्रिया क्रिया स्वया स्वा त्या स्वया स्वा त्या स्वया योचेया क्रिया स्वा त्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया स्वा त्या क्रिया स्व त्या त्या क्रिया स्व त्या त्या क्रिया स्व त्या त्या क्रिया स्व त्या त्या क्षिय स्व त्या त्या क्ष्य त्या त्या क्षिया स्व त्या त्या क्ष्या स्व त्या क्ष्या क्ष्या स्व त्या क्ष्या क्ष्या स्व त्या क्ष्या क्ष्या स्व त्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या स्व त्या क्ष्या क्ष्या

खेबायद्यः द्वाप्तः मेकार्यायावेषः विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं क्षेत्रः विष्यं क्षेत्रः विष्यं विषयः विषय मुक्षाययः दे प्रत्युः प्रदेशः स्वयः प्रति विषयः वि

ત્રીન્-ત્રમ્ત્રભ્રા સ્વાર્શના સ્વાર્શના સુરાત્વા સુરાતા સ

त्रयाः स्टर्यः स्ट्रिंट्याः स्त्री भी अर्थे व्यक्तः स्ट्रीटः । ट्रेट्ट्याः स्त्रीः स्त्राः भेति ति स्ट्राः स्त्राः स्त्राः स्याः स्त्राः स्त्

કૃ.ગ્રુપ્-તાવ્દ-તપુ.ગ્રુપ-તેવ-ત્યે-ક્રીપ્યાર્ક્ષે સૂંચોયા.શે.ટેપ્યા-ક્ષેત્રા ક્ર્યા-ક્ષ્યાના-વર્ચા-વર્ચા-વર્ચા-વર્ચા-વર્ચા-ક્ષેત્રાના-વર્ષા-વર્ચા-વર્ષા-વરા-વરા-વર્ષા-વરા-વરા-વરા-વર્ષા-વરા-વરા-વરા-વર્ષા-વર્ષા-વર્ષા-વર્ષા-વર્ષા-વરા-વરા-વરા-વર્ષા

यक्षेत्र.स्याचित्र स्वाचित्र स्वाचि

लूट् अटि.ट्र्! जूब.क्रीट. तट्स.ची.इ.ज. ट्वट. अंट.इ.ज्याट्यूब. ट्व्यूब. ट्व

त्रभुत्रः मुक्ता त्रेत्रः त्र्वेत्रः प्रदेशः व्यव्याः स्त्राः विष्यः स्त्रः त्र्वेतः प्रदेशः विष्यः स्त्रः विषयः स्तरः विषयः स्त्रः विषयः स्तरः स्तरः

यावर्षाक्षराद्यांवर्षायाचार्याच्याचार्याचेवर्षात्राच्याचेवर्षात्राचेवर्षात्री हेर्नेवर्षाकेषा न्व्यान्त्राचारान्त्राचार्याः स्वाप्तान्त्राचार्याः वाराविषाः चाराविषाः चारा म् भ्राम्याम् प्रमान्त्रम् स्रम् चर्वाःस्यावास्त्राचार्याः चर्वाःसम् "र्वराचमुरारे धीः स्वेतमार्वा पर्व्वास्यास्य पर्वाः र्झे. ब्रियाया स्था। त्यो. तत्व त्रात्या सेत्रात्त्र त्यर त्यम् । दे स्वी यातः ध्येत्र तह्या त्यायः श्राचर द्रमा चित्रा विषय गुरे क्षित्र विषय । क्षित र्वाव गवन अस्तर प्रहेव रार्टा र्वाव क्रीर धर्मा स्थान "र्स्चिषायान्डव्याची म्हें स्वाधीव स्वास्य मुक्ति स्वाधीत्य स्वाधी ला हेब तहोला ही ही दूब रॉप्टाचन हिटा पटा तदी बना ट्वाय स्व दि ही अन्य पति हिटा टी पत्र्ये अत्तर्भात्र प्रत्यायाया प्राप्त विष्याच्या विषयाच्या विषयाच विषयाच्या विषयाच्याच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच विषयाच्या विष ब्रिंट्-रट्-तर्वेग्रेय.त.र्ट्-तर्ट्-तपु.स्रेय.पड्नेय.त्र्र्नेय.त्र्र्चेय.त्र्यंत्,,क्रिय.वीशेट्य.तर्राय.वार्य.हेर् योबट.यपु.र्यंश.घर.४६५४.पवीट.षुटा जिट.यक्षेत्र.लुय.व.जू.क्षेत्र.का.लुय.तर.श्ची.य. लूर्याग्रीता श्रीयवार्ट्र...र्यटायश्रीयाप्राज्ञीयवार्याती. व्रीवावार्यात्रीयाप्राचीता र्वूब.तेच. इंब. र्वाय. इंब. जब. र्वाय. श्रेट. श्रेट. खेवा. यरूवाब. र्वूब. तर्रा वीस्य. प्र ग्रीटा निवायः स्वावेषाः वाविषाः श्रीटान् वृविष्यः स्वावायः विवाः वाधिवः स्वावायः विवाः वाधिवः विवाः वाधिवः बिटा। ट्रॅबर्थान्वॅबर्याकवाबाबाबे,रियटाश्चरादेष्ठ,क्राचेवा,लुबर्यान्टा। हे,ब्रूटावा हेव.पज्ञिल.टी.जालायाज्ञियावाययवार्यायाः इव.एच्यायायायायायाया

तथा इं.त.क्रेट.सूट.त.वि.ट्यूय.यय.ट्याय.र्चय.तपु.क्रेय.यट्यायक्रुय.पुच.सूट.ट्याय.य्रूट.ट्याय.य्रूट.

चीय.शघर.वाषय.तथ.भ्रीट.पूट.टवाय.र्चय.त.षुय.त्य.त.लूय.घथ.कु.ही ह्य.त.भ्रीट. र्वेट्रपात्रेषाट्वादाञ्च सेटासुवाषायावि बदे तम्भवायाबुवानु प्राच्यास्य प्रदेवा इटा इं.रा.ड्रेज.राम्.इं.यपु.वार्थ्या.जवा.वट.री.क्र्य.टाक्नैट.वार्थय.व्री.टव्रा.परीय.व्री.इं. पह्र्यायास्य प्राप्त प्रमुद्र प्रमुद्र प्राप्त वर्षेत् । प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र र्द्रवायाञ्चेरपञ्चित्रभूत्रपित्रपित्राचात्त्रपार्येषाः स्वार्येष्ट्रपित्रप्वेष्ट्रपित्रप्वेष्ट्रप्वेष्ट्रप्वेष चिट.मैज.प्राया.श.भ्रीर.टितंट.एट्या.श.चिश.तपु.ज्र.च्या.च्या.क्ट.यो.ट्र.क्रा.यायर. रेग'चर'ब्रेट्श'मेट्रे'क्य'चर्डिट'ह्र्,श्र्रायदःर्या'पट्टे.ट्वेय'मेश्ट्रायेथ्राक्री'यात्र्य्या थ्र.क्ष्य.भ्रेट्र्य.ज.ट्येय.विज.ल्ट्य.क्र्येय.ट्टट.च्यारा.ल्य.ज इर.यालय.लया. यरिया. यस्य म्याक्षा. स्था. याताप. याचा. यम. स्था. क्षा. क्षा. क्षा. क्षा. स्था. यावीया. यावीय શ્રીનજા-દ્રેમ: ર્ક્ષળા-અમ-પ્રદેશ-પાંકી-દ્રાંત્ર-શ્રી-શ્રી-દ્રવાન એન્-પ્યમ-ગ્રુજા-દ્રેષ્ટ્રન અર્જ્સન શ્રે-त.बुंज.तपु.बुट.ट्टट.वर्ष्यंबराचेटा। श्चेट.घूट.बूंट.श्चट.वर.वर्षिषा.बु.त्र्र.व्र चगातः प्रगेतः प्रंतः मुक्तः भ्रान्यः प्रंतः यो स्यायते प्राप्तः प्राप्तः स्वापायतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स लवा.पे.लूट.त.भाचरी इंचा.तर.इं.अषु.ब्रुवीया.ट्रेर.इं.ता.भ्रीट.चूट.तालया.ट्यट.कु.च.थी. देवात्तर्नात्रकात्वयाकुषात्रुत्तात्रुत्तात्रक्षात्र्वतात्व्यात्र्वतात्व्यात्र्वात्त्र्व्यात्र्वात्त्र्वेतात्र्वेता त.व्र.४८.कवोषाता.वेषा.चंचेटा.कैषा.च.भोश.त.वे.४४१.वोशेषा.की.हैवे.चटवो.लुव.४८८. वावयः र्यटाः वोषः यगायः अः श्चियः छेषः श्चेषः राः वे ः श्चेयषः र्रमः वावयः र्यटाः रूवाः र्षेत्रः रामः योबाता.सूर. प्रक्षेष. पर्ये । रिषा. ब. क्रा. ता.श्रीर. सूर. ता. वि. रसूष. येषा. र वाष. क्षेत्र. ता. वाषय. ८८.भ.५८.तपु.य८वा.भुव.भह्ट.ता.लबा.भुट.पूर्ट.ट्वाय.र्झ्व.ता.खेबा.त्र्या.तर.ट्बा. र्च श्चित्यार्ट्न : ऑप: र्हे : हेया क्रॅंया हो : क्रें : प्राया : ह्व : यहाया हुत्या वाहित या विता होता हो स्व वं.र्यत्रर.क्र्य.र्राताता, स्वा.मीया.पश्चेत्रयाताता क्र्यालयायावयामी श्रेष्य अरा.स्या विट्रायाचे प्रत्यात स्वापा लेका सुरा सामा स्वापा स् यश्चन्द्रायः स्रूरः र्रो

चीवायात्रयात्रच्याःश्चित्रःस्वाःचीतःस्यात्र्यःचीत्रःस्यःच्याय्यःतःस्वाःच्यःस्यःस्यः त्रमुष्यःस्रक्ष्याःश्चेःस्वेतःयात्रेयाःस्याःस्वाःत्त्र्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यः चट.यभ्येथ.खेथ.तपट.र्रहोर.र्यूथ.त.झॅट.ड्री ड्वैर.तया.ची.शटप.घट.र्र.यपु.सैयथ. श्वितः संस्व सुर्वायायरी घटा ग्रामा प्राप्त राष्ट्रीया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त योष्यान्त्रीता क्षेयो.तम.जम्भीया.बाष्ट्र्या.योध्यातम.पट्यय.क्षींत्यार्म्,विता.क्ष्या.क्ष्या.वाष्ट्राया. त.यु.विट.तपु.श्रुट.ज.तवी.चीपु.र्स्.विट.कूर्य.तू.ख्र्याता.ज.प्यथ्यथा अप्यार्ट्र.तवी. ब्रीयु.च्रि.प्रयम्।यद्रेन्।तमःस्वा.र्ययःय्वा.च्रिमःब्रावामःस्यः।व्यःयप्रः व्यनःश्री रूपःर्यूमः र्यट.क.लूट्य.ह््यंय.रूप.झेट्य.तय.घ्य.ह्रय.तय.च्येट.चुय.त.र्टट.। झेवा.तर.ह्री.ज्र. १८९५ स्र-४व.र्श्चरमानमाञ्चेतातात्र्याच्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य ल. धे. तर ब्रुप्त प्रचेश के श्रम क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र जिया जाता विवाध क्षेत्र क्षेत्र तर प्रचेश प्रचेश क्षेत्र तर विवाध १५१४ स्राप्त्रेयाच्यात्राप्तात्राप्तात्राच्याः भ्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः ਰਭੀਟ.ਕ੍ਰੈ.ਯ੍ਰ. $\lambda$ ਨ੍ਹੇ.ਕ੍ਰੈ ਯੁੱਟ.ਛ੍ਰੋ.ਟਾ.ਕੀਕ੍ਟ.ਟੀਅ.ਟੀਕ.ਪੰ.ਟੀਟ.ਪਏਕੀ.ਕਾ.ਰੇਅ.ਰਟ.ਲੰ.ਕਾ.ਕੀੜ੍ਰ. त्र-विषातपुःश्चित्र्र्प्राञ्चर्भ्याञ्चर्षात्र्याङ्ग्याषाञ्चराःश्चित्रःश्चित्राच्याःश्चराः ल.चर्यात्र.म्री भैं.अक्थ.र्थ.र्थ.एभ.अक्या.यधुश्च.त्र.त्या.वीपु.स्.विट.र्ज्ञ्य.त्र.प्टील. र्यावयः यु. इं.त. र्वायः इत्यः ताल्यं त्यः त्यञ्चलः क्रें विष्यः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य लट.र्वाय.र्बय.त.ल.पि.चर्चा.चुय.र्य. पस्य.त्वाय.र्वाय.र्बय.त्वाय.र्बय.त्वाय. सिंज.बुट.मैं.पञ्जेट.तपु.सू.चट.ज.चर.ग्री.कूबा.चर्न्चं ब्या.टबंच.स्व.सू.चट.खुय.त्या. मयाः श्रेषाः बुटाः विचः प्रः चाद्रमात्रः स्वादाः स्वादाः चार्याः विचः चार्याः स्वादाः चार्याः चार्याः स्वादाः चार्याः चार्याः स्वादाः चार्याः चिया. वृत्ता त्या चित्र ह्रावट ह्रिया द्राति । विवा वार्या क्षा ह्री ह्रिया क्या क्षेत्र । विवा वार्या क्षेत्र न्वातःस्त्रःस्य स्तान्त्रः विषाःस्त्रः विषाःस्ति द्

क्ष्रयात्म क्रियात्म क्ष्रयात्म क्ष्ययात्म क्ष्रयात्म क्ष्य क्ष्रयात्म क्ष्य क्ष्रयात्म क्ष्रयात्म क्ष्य क्ष्रयात्म क्ष्रयात्म क्ष्रयात्म क्ष्रयात्म क्ष्रयात्म क्

क्य. च्रीय. च्रीट. क्र्य. क्रीय. क्रीय. क्री. व्यय. ट्राय. क्री।

क्य. क्रीय. च्रीट. क्र्य. क्री. व्यव्य. क्री. व्यय. ट्राय. क्री. व्यय. व्यय. क्री. व्यय. क्री. व्यय. क्री. व्यय. क्री. व्यय. क्री. व्यय. क्री. व्यय. व्यय. व्यय. क्री. व्यय. व्यय.

## <u> र्या भ्रम्या रे.र्या रूटा अर्र प्रथम राषा राष्ट्र व ख्री र या च र हे चुका रें र र्था राय र या र या र या र ख</u>

प्टिंब.ट्र. त्री. त्रांचू. र्रंड्र. क्रिंट. व्रिट्य. प्टिंट. त्रिंट. यं. प्ट्र. ट्रंड्. प. क्रु. पट्च. यावया. प. सेट. त्री. यांचुया ही. प्टिंट. व्रिट. व्र

ग्री.भावयातात्वि,चुरावाय्त्रस्कृत्वित्वश्चिरावायात्व्यात्वित्याच्चित्रस्याताःस्त्रात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व भ्रीयाग्रीयात्यात्तात्व्यात्यात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वयात्वश्चिरास्यः विष्याभीत्यात्तेत्वात्त्रस्यात्वयाः

र्चिनॱळेबॱचॅतिॱळचॱ<u>श्</u>चेन्ॱश्रेयः'तुरुॱढ़ार्चेरः'ब्रुषः'चङ्गब,'चः'श्चेः'न्ररः'ग्चें'च्वेयः'चेटः'नेतेः'बृटः'नुः' लटा नक्टे. भे. ह्युं. भेया अर्ट्र विश्वया खां अर्ट्र नित्र प्रित् प्रमृत्य विश्वया प्रमृत्य विश्वया विश्वया विश्वया चितः र्श्वेच स्थाने के स्वाप्त के ष्रमू.र्टर.यक्षेष.यक्ष्य.यिष्य.यो.ज.यचेर.त.मै.कुर.थह्री क्र्य.यचेर.तपु.र्यं अ.सी.कै. क्षम् क्रम् वेष दि स्टायर या माना वित्यो वित्य वित्य दि से विष्ठ राष्ट्र वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वि रूपार्टे.होष्रातपुर्यक्टाक्किंयावश्वासीरपूर्यातामधानिदातालुष अष्ट्रियाविदारा क्षेत्राची ट्रे.भ्राचमात्रमात्र्यात्र्यात्राहेन्यात्रात्रकट्रान्त्रात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम र्स्रवासायाब्दाकेवार्यायाब्दान्याब्दायी। तक्दानुवाधाराम्याब्दान्या चेषाचित्। गुवाबाद्वेवार्चे खेत्याकेवार्ये धाराकेवार्ये प्राप्त केवा विवास केवा विवास केवा विवास केवा विवास केव चर्यूट्र, च्यावाया ग्री. चर्याय व्याप्ट अया क्रिया त्याप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्व चर्यूच्र च्यावाया ग्री. चर्याया व्याप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वापट स्वायायद्य, क्षेत्र, क्येट. टी. क्र्याङ्ग, कुयार्त, श्राट. टी. चीट. तया पद्य, प्रीट. ट्या. ता. क्र्याङ्ग वी. तीया. खेया. पर्यू दे. दा हीं हो या अर्दे । प्रथम या पर्देय ही : कूया ची प्रथम अर्घ दा छिया हो । यावटः ट्रॅब दी। याद्ट हें वया मु त्वा अर्थ रावे अर्थ हो हो राष्ट्र है मिर हे अर्थ या पूर्व हो अर्थ हो । য়ৢঀॱঀৢ८ॱ८ॖॱॻऻ८वॱ८८षा आवव से कं र्ये र्व्नः पार्येत् वस्या मुया अर्कव वे वे र्हे र्वे से पर्वुव ८८.२४.वेश्व.तय.वीट.लुव.बुट.क्षेत्रा ब्रीट.क्षेत्रा ब्रीट.वर्च.त्य.क्ष्य.वी.व्रिट.वर्च्य. भैपर्या रतज्ञ अङ्गार्या प्रमानिक स्त्राचिक स्त्राचिक स्त्राचिक स्त्राची स्त्राची स्त्राची स्त्राची स्त्राची स् योतेया भ्रमायानम् । अर्दे।पञ्चरा व र्पिट्।

चॅर्ने श्रीयात्त्रीत भीवयार् देया वर्षे त्राचित्र त्राचित्र वर्षा त्री वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे ৺.कुर्य.श्रोतथा.चीटा.चीटा.पुरा.यंटा.थारू.।तश्रया.तथा.चीट्या.पर्त्र्य.थाटा.सूया.टाडीटा.पर्टियो.ता. ह्री वायट.क्रवाय.क्रेट.अपु.यट.यय.गाःट्य.ता.चट्र.वाचेवाया व्रर.वै.ग्र.पर्वेट.वायया र्ह्मवाषाक्रेत्रायाङ्ग्री रेवाप्तर्ह्या गात्रावादान्य प्रमाणक्षात्राच्या स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स शक्क्, सूर्यायाज्ञा होष्ट्र, शावयात्ता शटार्टी हिंदा बुटा। क्र्याया क्रुयायाया श्वायायाया सामित्र श्रूट.श.तुर्य.तपु.क्र्य.तक्रैट.ग्रीट.लूट.श्लेटी चर्नेय.त.ही.टर.ग्री.एय्,श्रूपश.य.य्.व्.से.टी. ह्. ट्र. -2 योप त्याप अक्ष्य ता स्रेस्ताय स्था त्याप क्ष्य त्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य र्वाव त्राचा। वेषाचनात निम्मात्राचिष्य त्राचिष्य स्थानित स्थान ह्.प्याग्रीट.ट्याभेट.अग्र्रीयायाञ्चीताञ्चे.पह्याञ्चीट.जय.याश्वेत्रातञ्चेर.लट.ग्रिट्र.पर *७*वा.<sup>भु</sup>८.शु.घिटा.कुय.टाङ्मवाया.तपु.ईजा.पड्डिर.ता.कुय.तू.घिट.क्वटा.पुय.कुय.सूर्वाया.प्रथया. तःभ्रामकुर्यायषुः तार्श्ववायायाः नद्या चन्नवायाः ध्री प्रत्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची व र्पत्रः स्वाक्षुं, पात्रा अर्क्ष्वावायाः श्वाः वात्रवात्रवात्रा व्याः स्वायात्रवात्रवात्रा व्यायाः स्वायात्रवा र्र्ट हूँ व हैं। यपु , ब्रेन्ट , ब्र्याया प्रत्या पहुव , प्राप्ती , प्रत्या प्राप्ता प्राप्ता , प्रत्या प्राप्ता प्रत्या प्राप्ता प्रत्या प्रत्य प <u> तर्केट.त.ज.श्रक्र्य.य.लट.। टतज.लव.श्र.ची.त.र्र्, ह.मैज.त्.टट.। ग्रथ.टेंग.वर्षेश.</u> अष्टियंत्र। यहाः ग्रीटः भ्रीतः तः स्यः त्रः के त्यह्याः हेयः यश्यः अर्थ्या श्रेयाः श्रदः स्टाराः त्याः चुबार्परायःस्त्र। श्चरापानेबारपायो नेबा येवारायो नेबापसेवाबास्वाबार्पा पञ्चरापा ૄ કું.૮×૽૾૽ૢ૽ૺ.ઌ૽૽ૼૹ.ૡ૽ૺઌૹ.૽ૢૡ૽ૼ.ૡ૽ૼ.ૡ૽ૺ.ૡ૾ઌઌ.ૹૡૢ૽ૹ.ૹૢઌ.ઌૢ.ઌૣ.ઌૣઌ.ૡ૽ૡૺ.ઌ.ૹૹૢૣૡ.ૡ लटा इ.क्ट्राव.त.व्रेथ.यय.ट.केपु.चर.टवाय.र्चय.व्रि.त.चम्.र्खवा.कुवा.स्वयस्य वर्षः + તા. મેળ. જાજૂવા ક્રીંતા. મેં. મું. નવ. મુંત. મું. મું. તા. જાજૂવ. તાલું. તા. મુંતા જાજૂવ. તાલું માં મુંતા જાજૂવ. તાલું. તા. મુંતા જાજૂવ. તા. મુંતા જાજૂવ. તાલું. તા. મુંતા જાજૂવ. મું. મુંતા જાજૂવ. મુંતા જાજીવ. મુંતા જાજૂવ. મુંતા જાજીવ. મુંતા જાજૂવ. મુંતા જાજૂવ. મુંતા જાજૂવ. મુંતા જાજૂવ. મુંતા જાજીવ. મ [1] = [1]तपु.पर्वेथ.त.वेट्य.पुषु.र्जूट्य.ट्रेर.श्चेव.ज.स्र्ये.व्येव्य.य.च्येव्य.य.चेव्यव्य.त.क्षेर.व्यवज्यत्र. हिटा। वाववःलटः अर्ट्रावस्रमः सुः तिबुट्यः चतिः गामः चः भ्रुः खेटः तवातः विवाः वयः र्हेनः <u>८</u>टा। पत्तवीयाताः कें भी होटापवीयः वृवीः ययायहटा पटा। या भीटा हो प्रति । वृद्धिः वृद्धिः या विश्वा ग्रम् क्रान्या क्रिया सेति प्रस्तु स्तु स्त्रा स्त्रा व्याय स्त्रा स्त्रा क्रम् स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् त्यं.त्.के.टेटर.के.तथ.प्रेट.के.वंवा.केज.त्पु.अ.अंव.तर.चेथ.जेवाय.ज्.केय.केट.तर.

<u> र्यायास्त्राक्षाः मुप्तान्त्री</u> से से स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्य स्व र्शिट खुटा र्विश्वाताष्ट्रि भूर र्वे वा. सूरारा व्यवाय हा. सवा. क्या वाश्विश हे. के. सूरार्टा वायव. यशिषातु.ट्र.क्षाळा.प्र.प्र.जा.चध्ये.वया.कूट्.ग्रीय.लूट्.तप्र.प्या.प्र.मीजा.प्रवया.जया.पर्या. ला ट्रे.लट.थ्र.चट्रेय.क्रैं.थ्रट.ट्री पद्म.लवा.क्ष्त.वश्वित्र.त्ये.क्षेत्र.व्यी.क्षेत.व्यी.क्षेत्र.व्यी.क्षेत्र देवे.क्य.ब्रुट्.ग्री.क्र्य.केट.टॅ.बींच.तथ.श्री वोट.क्षेत्र.पत्त्री.बींट.टंट.तवा.बींचु.वार्टंट.प्रवा. ब्रे ।पर्यायाः व्यवः याक्ष्यः त्याः व्यवः व्य म्यायात्रयात्वितः कुटालूटवायीयातात्तात्ता हेतात्वरा क्र्यायावयाक्यायायीयः रवायः मू. मृ. याद्याया मृत्या कुता हो । द्यो कुता हो । व्याय मृत्या कुता । व्याय । कुता । व्याय । कुता । व्याय र्ययान्ता द्रयायहूरा से प्रामीता से प्राप्त से स्वार्थ से स्वार्थ स्वा वाब्दाला मिं भूर द्वा र्या द्वा राज्य वा वा क्षा वा भूर राज्य वा क्षा वा भूर राज्य वा क्षा वा जा ट्रे.सज.कुर.ज.ट्यट.बुट्र.त.बु.ट्राज.इब.कुज.थावर.डु.रा.लुब.धे। ट्रेयु.ब्र्ट्य.शु. र्नेट वी कुल से प्रत्याविष से वार्ष वें प्राप्त वामा प्रत्या वामा विष्य के वार्ष वामा से वार्ष वामा के वार्ष वामा के वामा के वास्त्र वामा के वास्त्र वामा के वास्त्र व ८८.। क्रॅ.चवा.चर.क्रेंट.क्थ्.ज.ट्वट.चक्क्रैंर.वर.च्.ट्ट्व्यंब्य.श्रट.चवांब्य.तप्ट.क्र्य. मैल.रच.चस्व.भीय.चचट.उलवीब.मी.स्था.घर.टंटा भीय.अम्बेर.रं.यं.घबा.अस्टं.  $(\angle \mathbb{A}^2 - \angle \mathbb{A}^2) \wedge \mathbb{A}^2 \cdot \mathbb{A} = (\mathbb{A}^2 - \mathbb{A}^2) \wedge \mathbb{A}^2 \cdot \mathbb{A}^2 + \mathbb{A}$ वयायकेन्।रामः क्षाः वमः न्मः क्षाः त्युमः ने।न्याः ययायम् । ने। न्मः ने। तमः व र्'तर्वित्त्वः क्ष्रमात्रे तर्दरः भीतमास्यामात्रा भाषान्यास्यामात्रा विषास्य याः भ्रितः भ्रम्याः देराप्यायाः प्रतः त्यायाः क्ष्यः प्रति। प्रायाः ग्रीः प्रायाः प्रत्यः मुखाः यार्क्यः च्चिषारायुः श्रान्तवे चेराना स्वाया चुटा वेटा। विस्त्या प्रते ख्या स्वायवे निवाय । पहूँ। पर्य भी मुँट.क्ट. पर्यात्वी. रटा मैजा अक्ष्य ह्याया राष्ट्र भी राष्ट्र भी राष्ट्र भी राष्ट्र भी भी

मैल.षक्यी पर्ची.घर.ता.मैल.षक्यी मू.पह्.घॅ.षा.मैल.षक्यी मुट.तसूट.यंषदा.मैल.

ष्रक्ष्य.प्रथा.पर्षु.ज.मुर्ग विष्रयातपु.जयाक्ष्य.पर्षु.त्रम्.पर्म.पर्यं.ज्यामुर्गः

त्याक्ष्यं स्थान्ति, त्यां त्यां स्थान्त्यं स्थान्यः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था

श्रीट.क्ट्र्या.पटीट.रिज्यां ,,ट्र्य.लुवा.पट्ट.कुट.या.भी.त.चबु.क्ट्र्या.भी.चंट.यथा.घटवा.कुव. तात्त्र अस्त्र प्राची ,,ट्र्य.लुवा.पट्ट.कुट.या.भी.त.चबु.क्ट्र्या.भी.चया.भी.वया.भी.वया.भी.वया.भी.वया.भी.व्

पक्टी.स्। पक्टी.पट्याक्यायाः श्रीटाङ्गातपुः कूटा चोवीयायेवा, वीयाट्युं कुष्यः चेयाताः तुष्यः कुष्यः चेयाताः वित्यः कुष्यः चियाच्यः वित्यः कुष्यः चियाच्यः चिय

त्रिःश्र्टः हुश्यावश्रश्चात्तृः जथाः क्ष्यं त्वावृः द्यं स्टाः जलाः ट्रिःश्र्टः त्यं जशः स्टाः जिलाः ट्रिःश्र्वा विश्वश्चात्त्वः विश्वश्चात्वः विश्वश्चात्त्वः विश्वश्चात्तः विश्वश्चयः विश्वश्चयः विश्वश्वयः विश्वश्चयः विश्वश्वयः विश्वश्चयः विश्वश्वयः विश्वश्चयः विश्वश्चयः विश्वश्चयः विश्वश्वयः विश्वश्वयः विश्वश्चयः विश्वश्वयः विश्वश्वयः विश्वश्वयः विश्वश्वयः विश्वयः विश

ह्रेंच.लया.यचेट.ट्र.क्वें.अक्चं.ट्ट.र्ज्चं यूं। प्रथय.ग्री.चेट.वि.ट्र.क्वें.अक्चं.ट्ट.ज्वं थूं। चथ्य.ग्री.चेट.वि.ट्र.क्वं व्या.ट्वं या.च्वं व्या.च्वं व्याच्यं व्याच्य

प्रथमान्तरात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र कुष.यट.क्रीय.ट्र्र.ट्यवी.व्रि.टर्ष.ट्ट.वर्ट्.वर्ष.व्यय.क्री.ट्यवी.व्रि.वर्षिथ.क्री.वर्षेत्र.क्री. चाकुचा.ची.क्रॅ.टॅंट्य.चेंथ.चें.ऱ्चा.क्रॅट.तंच.कुट.।  $\dot{}$ ट्र्य.कुच.चश्चैत.चंबा.क्रेंच्य. र्ट्रेर-ट्रिया त्यात विया इस रा लिते भु शुट ट्राचवया रा ट्रा तयात विया भूट हेर छी श्र प्रश्नित्वेद्धः क्षेत्रः चित्रः व्यवसः स्राह्मेदः स्वाद्धाः स्वाद्धाः विद्याः विद् चबु ल चर्चे ब हे 'तृ द से द ब गुणु । व जर्बे व ल च व व ज च व व ज च व व ज च व व ज च व ज च व ज च व ज च व ज च व ज यादे धीव तदाया विवा कु र्येद धीवा क्षंट केव र्वे धार्य प्राप्त प्रति हों व र्वेव केव रामा क्षा तदी त्र्रायायाध्यातायाः क्रिं स्मित् वेषाययान्तर्वेषाय्यं अर्वेषाययायायाः सित्र्वेषाय्ये थेर। मैज.त्रु.कट.त.जथ.हट्य.शट.चभ्नैयय.तथ.धे.श.पतव्यव्यत्त.वु.पू.तर.य्याप. ह्रवरवेवरमु:के:चर:ग्रुर। भ्राचवरिर:बे:केवरवर्ग्वयांग्रीवरवानेवरकेवर्धर:चर्भ्रवर वयान्यंत्र क्रेत्र गुत्र न्याया पत्र पत्र स्पान्तेन प्रमा क्रेत्र क्रिया प्रमा विष्या प्रमा चीवाया ट्रे. ह्याक्र. तया में . सूचा ची. तीया ट्रे. या चया सु. कुचे. ता. ट्र. सूची. ता. चे श्रया ता. द्रे श्रया ती. तीया ट्रे श्रया ची. तीया ट्रे श्रया ची. तीया ट्रे श्रया ची. तीया ची. ती. तीया ची. तीय ब्रियोबायोक्ष्यो.चेबावेबाप्ताम्,ताम्भूताताम्,तानम्, विषयान्त्राम्। याचराप्ताम्, याचराप्ताम्, याचराप्ताम्, विषया

खेट्र.ज.वीय्र.चरीय्र.कुय्र.सघरःट्वीर्ट्र.जूवाःक्वैद्र.खेय्र.चय्यःय्याय्यःक्वे

क्र्यापर्वित्यावयात्वापात्त्राचेषायह्याचाषान्ती। स्थाधरा विवाह्याक्राप्त्रीत्राप्त्रा र्जूट.क्ट.जू.क्रीयो ययप.रूथ.वोग्रूट.ह्रोट.ट्ट.भ्रो.क्ट.क्र्य.पर्वीट.। यट.क्रुय.क्रीय.प्रवा स्वायायायाविवायाय। स्राचयादेरायाद्रावय्यायात्राद्वाप्त्रयाची स्वायायायायायाया म्, प्रम्, र्यः विष्यः स्, याष्ट्रेश्वर्त्ता अस्, विषयः भी रत्त्व अष्यः त्रास्ति । दे, प्र्याः पर्यः अः · विं न्द्र्या भ्रान्यन्त्रे रहे क्षान्य स्थान बेर प्यानेश्वर्थायत्व अपूर्वेव केव बेर प्याया अर्थेट विट्य शुपार्थेव अनुवार्या रेव प्या कु.बु.यर्थ श्राष्ट्रा.र्ट्स्ब.ब्री.यरिट.कैंट.लुब.तर.यचेटी श्रीट.ख्रि.ट्स्बी ट्रथका ह.केल. र्रातम्भाष्ट्राच्याक्षान्वयाः वीष्ट्रीः क्षेत्राच्याः विष्ट्राच्याः विष्याः विष्ट्राच्याः विष्ट्राच्याः विष्ट्राच्याः विष्ट्राच्याः विष्ट्राच् वयाः श्रुव्याः श्री म्बीटाक्टायाववाः विया वे वि दिर्धवायायाः के पा श्रेष्ठा व्यक्ति मित्रा विवायवाः विया विवाय तर. तथर. तथ. थ. श्रीट. हो. तथ. ही. श्रुंब, लूट. येथ. घटाया खट. श्रुंथ। त्यं ग्रीट. श्रीट. ख्ट. तट्रे अर्दे.श्चन्-त्र्वं कुष्यं ने निष्नात्र त्रात्र त्रात्र त्रात्र हिन् त्र्वं त्राय्य त्रात्र हिन् त्राय्य त्रात्र ब्रिंअ वि 'न्यंत्र अर्थे 'ल्यं 'विल 'न् 'लेन् 'तर् 'च 'वेष 'विष 'ले के के के के के कि के कि के कि के कि के कि ८८.वर्षित्र.तुत्र.वंत्रा.क्षेत्र.तृत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा.वंत्रा ब्रि: प्रंव सेट वो कुया चेर पा देवा प्टा द्वा में स्टा क्रिया में प्रेव क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा प्रवास का तश्च । द्वां न चर-देर-लूट्-तर्वा-कुट-। श्लेचका-देर-चे-द्र-ब्रो-ब्रो-लूच- ख्या-खेर-च-ख्या-खेट-लूट्-तर्वा विट क्रेन स्वामासु र्योट प्रति वावमार्च्या वि प्रति प्रति । स्वामार्थित । स्वामार्थित । स्वामार्थित । स्व पर्ट. पपु. लीया श्रीं ट्रांसूरी पर्यी. ख्रांस्या ट्रांसु राया त्या अपत्या स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्रा ला. ख्राचीयाता प्रमाचीयात्राचावयाचावयाचीयात्राचाता स्थानाची प्रमाची प्रमाची प्रमाची प्रमाची प्रमाचीया प्रमाचीय त्र-ब्रैट-ब्रेट्। षर्ट्-विष्ठा क्री:ब्रि.क्रेंस-ट्रे-ट्वा-ब्रे-ब्र-क्रीय:क्रीट्र-क्री-व्या-वर्द्ट-व्या-ब्री-क्रीस-पर्श्वः वर्षियः पर्श्वायः पः पर्नः चित्रः वर्षः मुन्तः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व क्षेत्र.ट्र.ट्वा.ट्ट.पड्रेज.क्र.ट.क्ष्या.क्षेत्र.कष्टे 

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \right) \left( \frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \right) \left( \frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}{2}} \right) \left( \frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2}} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2}} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}$ 

पिरायान्तर्ते त्या के त्या स्वाप्त त्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त र्यतः भ्रेत्रात्रस्थ्रम् याप्त्त्र भ्रेष्टा विषया विषयः विषय ४७,८५४। ,,ट्रे.र्थ.य.भ्रे.तय.र्टिय.विश्व.विश्वय.विश्वय.विश्वय.वर्ट.श्वटर.वेट्य.वी. पर्श्विव व्या क्रें. भूष . म्री. य.क. क्षेत्र या है. प्रेवे प्रतः स्था है. प्रेवे प्रतः स्था है. प्रेवे प्रतः स्था विष्य . या विष्य तपु.रैट.रुट्य.यट.त्या पू.लीव.व्या.ह्य.रटा चेट्य.हूट.त्य.वट.क्या हूं.क्रैट.तज.कु. चयु.लीज.त. क्ष्राच्यू व्रूच्यू क्रूच्यू ग्री.वीष्ट्रम् लावी विष्राषा पर्टिज्ञ वाजा स्वीत्राचा त्रीता हो व रट.र्वेट.र्यक.र्थं.शका.र्वज.रेशं विश्वयात.रेवु.पर्येथ.क्षेज.शक्ष्य.ग्रीयापत्र्यू.वेशं विश्वया वाद्रमानी मित्रमान विष्या मित्रमान विष्या विष्य ब्र्यान्यम्, ख्रेम्न्ति क्रिन्, विष्यम्, त्राविष्यम्, सूट्रान्यप्तः विर्यान्ति विष्यम्, सूट्रान्यम्, विष्यम्, स्व र्शिटा। शर्गु.तीज.धूर्ट.वर्षिश्री पर्सु.शक्शबायाटाबटार्याटार्याटात्री तवा.श्रिटाकू.रीवा.संशबा ग्रीम थ्र.क्र.स्ट्र-पर्याट.त.स्टा व्रिम्म.एक्ष्य.य.ज.स.ब्र्य.,खेम.चर.स्ट्र-स्ट.क्र्र्स.स्ट्र-स्यायाम. त.र्थथ्य.ग्रीथा.भैत्या.ट्रेर.जूर्ट.ङूं.कैट्.ल्ला.कुर.ला.ट्वटा.व्रिथा.वृटा। जू.लीवा.ट्टा.चेट्य. इस्राच्चीटार्ख्यायान्यमान्द्रम्यान्यसार्द्रम्यान्यमान्त्रम्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य עמאיבר. $\alpha$ בריבוקיביבוקיביבעימיביבעימיביבעימיביבעים, וומאאיביבעים (וומאאיביבים בייביבעיביבעים) पर्व मुला अर्ख्य मुला तर्षे मुला देवा मा अर्था प्राप्त क्षा प्राप्त क्षा मा प्त क्षा मा प्राप्त क्षा मा प्राप् विः र्वेत्र स्वानुः ह्यूम् "बेत्रात्राः भुत्रानुमान्द्रवा वित्याः होन् स्वते स्वता न्यंत्र वार्षः र्वाः वेर विषयात्रात्त्रे त्रित्र मुला अर्क्ष्य धीयायर प्रमृत्य । भीवया देर या भीवि । त्राया प्रमृत्य जावश्याविद्याची र्द्या भूराप्या भ्रीता प्रमुख राष्ट्रिया पार्या प्रमुख राष्ट्रिया विद्या विद्या विद्या विद्या | प्रथम:त.र्ट..वश्विम:वाद्र्ट.त.लुच.उट्.ट.व्.बुवा.क्र्य.उट्टिट.ट्.ट्वा.वी.ट्यूम:व.स्ट्रॉ प्रथम.ग्री.मैज.षक्ष्य.स्वायातपु.थु.पषु.थु.म.पत्री.पविवा.भैतम.ग्री.म.भ्रीपु.र्भवा.र्ट्स्य.

ग्री.५८ थ.श्रीयु.८ त्व्रा.कुव.५थ.ता.८८ था.थिवे.तायु.क्वैथा थर्टे. रह्या.श्रीट.जा.चुवे.तायु. श्री. रूचे. चेवा. सूच. चेवा.चुन. चेवा.चुन. येवा.याटेव. स्टाया. पेरंबेजबा , वा.या. मूं. खु. ख्वाया. ग्रीया. चूच. चेट. चेट. विट. वियय्या.ग्री. भेव्या. अव्यव्या. सूच्याया. ग्रीया. च्यां सूच्याया. ग्रीया. च्यां सूच्याया. ग्रीया. च्यां सूच्याया. च्यां सूच्याय. च्यां सूच्याय. च्यां सूच्याय. च्यां सूच्याय. च्यां सूच्याय. च् श्चार्यात्रात्रात्रात्रीयाचीयाचीत्राचीत्रात्रोत्ते क्षेत्राचीत्रात्रीत्राष्ट्रवाद्यात्रात्रात्रात्रात्रीत्रा चीत्रा अपु. प्रमाया प्रभीता. हे। कि. येवा. रूटा यम् । तम् । तम र्ट्यू अ.ल.ल.स्याः मेल.अक्षी पर्वी.घर.तामेल.अक्षी व्री.पर्वी.घे.अ.मेल.अक्षी मीट. त्यूर्यं वेशवा मैजा शक्यं हे. त्यूबा अर्यो निवार्ति कु. तर क्षियं बाही मैट स्वार्ति कु. हं. भ्रींचयात्रयात्रविष्यातात्रयाः विषाःभ्रायाः । द्वयः निष्यः भ्रायायाः विष्यः विषयः । त.झू.थट.ट्ट.सुय.वर्षिय.चथयाचीय.यु.विच.त्। बूट.झूय.वर्ष्टिट.सुय.तू.कुय.चर्ष्ट्रय. तपु.की.वट.कुष.बू.की.कुष.चकूर्याचीटी झू.काट.चर्येष.बूर्याया.धुष.चीट्यात्यात्यात्यात्या क्षमान्ने स्वापाने स यान्यकृति, निनः श्चिता, क्रेब, त्रांति, सेवाबानिना, वाब्याली वाबाना, क्री, सूर्वाबाना, आर्च्य, निक्रीया, क्रेब क्रि. तस्र में अवतः क्वें न न्यानेवाया सं "वेयानाययाणान तदी गुन्या विन्याने न श्रावयःग्रीः न्य्रावाः नस्तः ध्याः वादः वयः ध्येवः सः नदः। न्य्रावः नस्त्रः श्रुः विवाः ध्येवः सः स्रेयः वियातायर्ये वा.कृता वाकृवा.चियायाम्याः अष्य्यास्वायात्रायः भ्रायाव्याः वियातायाः रातः त्यमा स्वतः त्यमा प्रवितः प्रमा प्रदेश केव र्या प्रवितः केव र्या स्वतः केव र्या स्वतः केव र्या स्वतः स् क्षे.यट्रेब.त.पट.क्षे। टट्ब.ष.घवी.त.,भै.बवी.(श्वी.श्)ट्ट.तर.विषक,श्रूवीब.भी.टेशवी.क्ष. चेत्र.पि.शट.च। ...मैज.अक्थ.चर्ष्यात्रात्री.चेय.टरीट.कु.चर.क्षेत्रीय.ट्री ...चेटय.जय. पर्याता. क्षेत्रा अत्रात्ते हेते. त्याता हूं व र ति हा से प्रात्ते हेते. प्रात्ते हेता हेते हेते हेते हेते हेते ॶ॒८ॱच<u>ग</u>ा.चेषाञ्चःष्रतः द्वाचरः चन्द्रित्रः भ्राचरा क्षाः चात्रः स्त्रुत्रः चात्रः स्त्रुत्रः चाः विष्यः स्त्रः स भूर.पर्वे.वर्षित्रामी.षट.पर्द्यमीट.रट.लट.घ.प्याम् टे.ज.म्वोबातायट्टेर.टेब.रचब. खेवा पश्चन पाधिन की दे प्राप्त दे त्या अवतः प्रवास के तिर प्राप्त प्राप्त के कि भैतरार्ट्रेव थरः भ्रीतारम् त्राप्तरार्धे तथार्यात्या श्रीता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा

## वेतुः ख्रः व।

## প্রস'ঙ্কন'अইবি'শ্রীৰাঝ'বিস'গ্রুন'নবি'ক্কুঝ'শ্রর'বৰাব'নপ্রস্'ঝা

## यदिया ऋरियाग्री खेळाटा मैलायटा

क्ट्या-ट्- वोष्ट्र क्षेत्र क्षेत्र न्या क्षेत्र न्या निवान न्या वोष्ट्र क्षेत्र क्षेत

क्रीलाका कुर्या निया क्रिया कुर्या कुर्या क्रिया क्राया क्रीला हुरा क्रिया क्र

ॅर्म् पर्येयः देवे त्र्यूटः सिट्याची घटः इति खेता यमुः दटः वे यविषारा १९७० ६० वि स्व प्रमुप्ता "भूर-८८-बुच-मु-सुद-भ्रोताभ्रीताभ्रीताभ्रीताम् मुन्याम् स्वर-प्रमुप्ताम् भूर-प्रमुप्ताम् भूर-प्रमुप्त ३८) धुरा देर् के तहार देवा का ग्री हो र के वा की वाप विषय के विषय कि वा की विषय की विषय की विषय की विषय की विषय क्रॅं क्ट्रिंट, तीया विया विया विया विया है. यो क्ट्रिंट विया विया क्ट्रिंट विविधित क्ट्रि 🎮 ८८। व्यव्याव व्यव्या व्यव्या व्यव्या वित्रा वित् यम.यंत.पे.लीज.बी.टवी.टट.। बिट.यम.झॅर.खे.ची.लूटी बीज.विषम.खे.ब्र्ट.खिर.वबीट.की. હ્યાત્તા શ્રાણિયાણ તથે. ત્યાત્વી મૈતાત્રાની પ્રાપ્તાની મુખાત્રાની પ્રાપ્તાની શ્રાણેયાણ ત્યાત્રા સ્ત્રાપ્તાની મેતાત્રાની પ્રાપ્તાની સ્ત્રાપ્તાની સ્ત્રાપતાની સ્ત્ <u>र्मी.त.ियट.लय.ची.चषु.पुषु.जीट.री.लूरी जीट.त.टु.पटी.ची.चषु.की.चू.कूं.कूं</u>यीया.थी.प्यायी सुट पार्ट्रे र की र्कट वि पवि र्डम प्प्री मुल केंद्रि कीट ल पीव हिव ने र विषा मुल की र ला सु धःचःतरः म्वावाबा ॲतिः र्षुः र्वः क्रेवः हुं चुः वः र्ष्यदः गुदः द्वदः कः वादः ष्यदः स्रेद्। र्ह्वेवः क्रेव्यवः वः म्ताना म्राचित्र म्राचित्र केत्र म्राच्या केत्र म्राच्या केत्र म्राच्या म्य र्रिते प्रगाय प्रवित द्वेत। मुल र्सेते प्रवित् सित् रहीत सेत् प्रमाय प्रवित सित होता सित रहीत। ग्री:क्र्यायायर्न् म्रीट्रा, क्रयार्टा, स्तियाचीटात्याययाय्यात्र्यात्रीयी हे.पर्ग्रायाया यालया.जिया.से.चि.क्.रेट्-भ्री.कु.पेर्यात्रास्तरा चर्यारेट्-व्याबुर-ब्र्यो ट्रे-प्रथ्याक्री.योर-त्यर القاحرك الور صعدر هو الاماهر الله ماحرد رحك القامر المعهر كري روا مرع حرد راعر मिलायान् मुलायान् स्थापित क्रियाची स्थापित स्यापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्यापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्याप स्थापित स्थाप शु के मूर्य वि पर्दे द्याल्ति मैला क्रायां विष्य प्राप्त क्रिट ता अहार मिला क्रायां में चट.लुवा.क्रेट.था.(क्र.परीवा.वी.पतिका)लागी स्वर.क्रियोग्न.पीट.शुट.क्रीपावचा थेटा.ग्री.खॅट.सुवांग्न. लब.शकुटी बैट.कूपु.ट्यीज.कैंट.टे.वंट.श्रट.ग्री.कैज.वट.लूट.टा.ज.चर.सूवाबावंट.श्रट. मैल.विच.कुब.बी.चीबाबी जीबाब.बूज.टी.वीट.श्रट.ग्रीब.मैज.बूट.उहूबी चेर.टी.शर्य.ग्रीबी.

८८. ५८. मु८. ज. य. य. चेला भर. क्रूर. य. ग्रांचा. ८८. य. चेला हेते. अटव विट्या स्ट्या सु. भर.

ट्य. श्रिय. श्रेया ट्य. श्रिय. श्रेया ट्य. श्रिय. श्रेया ट्य. श्रिय. प्य. श्रेय. श्रिय. श्रेय. श्रे

चर. ह्यांबा सिंद. क्षेत्र क्षेत्र विचा क्षेत्र विचा चर हितः लेखु नकु न्दर्ति वित्राचा १७१६ (८वो क्ष्या तशुरा) भाषा "पर्द्वत स्रा क्षें म्ह्रा त्री स्रा स्रा स्रा स्रा स्रा र्र, रं प्रह्म । त्यर्य क्षया मुक्षया मुक्षया में स्वार्थ हो स्वार ब्रेट्-रेग्'रा'ठव'ग्नेत्र'कुथ'र्बे'ळे'ळुट'र्'र्न्'र्न्नो टे्ष'र्बेते'रेग्न्य'क्षे'ळट्'ठेट'त्पट्य'ग्री' मुक्र-स्वाक्षात्र्या ययम्बाक्षायम् मुक्षायम् स्वाक्षायम् स्वाक्षायम् स्वाक्षायम् स्वाक्षायम् स्वाक्षायम् स्वाक चनमान्वार्याद्वार्याः भूत्रित्राङ्कान्ववार्ष्ठार्यवाषायाः वास्यासुः सुत्तावाषायाः वास्यार्याः स्वार्यमान् चःश्रुव। न्युव:न्यःख्वा:क्षवायःश्रुःव्यंयःश्रुःयःवळेळःन्यःश्रुःदेःक्रें:अटःदेःध्यन्यःवीवाःश्रुव। ट्रे.मुंब्री वट्र.मुच्यम् द्वमार्म्युः त्यानु त्याची वट्र में व्याप्त स्वर्मा व्याप्त विद्यास्य स्वर्मा व्याप्त विद्यास्य स्वर्मा विद्यास्य स्वरंभित्र स्वर्मा विद्यास्य स्वरंभित्र स्वरंभित्य स्वरंभित्र स्वरंपित्र त्र.लूटी ट्र.क्ष्मा ख्रुपु.भ्र.जा.क्ष्मा या.चीटी.ता.ट्टा.वीट्टा.जा.क्ष्या.ववा.चीवाया.तपु.ख्यया.वी. मुन्। सःक्षमायः स्टः मायादे अतः व्यामायः प्रदेशितः वर्षामायः विवादिः। "सं क्रां प्रियः। ग्रीम'गर्नेट'स'नेव'रे'पविव'र्स्सव'श्र'र्स्सगम्गगम्र-'र्नुगम्। खुम'क्रे'चेट्-'र्नम्'र्मम्। ત્ર. \* ક્રમ્યાં સ્રી. ત્રું. ત્રુંના વ્રિયા-તે. ખૂં. ક્ષેત્રા મૂંત્રી વિળ. ત્રું. ત્રું જા છું તે. ત્રું ત્રેત્રા નહીં ત્રું જાતા તે. नुत्र व्रितः देशका. येतः क्षीतः क्षीः स्वाका (व्या क्षा अर्द् तः त्वयः क्षेत्रः क्षीः ह्व स्वीः स्वाव त्वेतः व्याव क्र्.लय.वि.वीर.चीया क्रार्लिवी.त्.सु.य.च.च.सवीया.क्र्.सूर.चल.धे.च.देया.क्ष्या.वीयुर.चे.टिट. <u> तज्ञुयायया कूर्र र ज्ञिवाया हे याया ज्ञा यावाया राजार त्या वाद्या वाद्या वाद्या हे याया क्षेत्र प्राची वाद्य</u> चरु'पति'वट'य'रे'हे'य'र्के'तर्नेचर्यासु'तर्मे ने'यट'र्के'स्य पत्न्' वत'योर्नेर'वय'नु' क्षमायस्ति देवमान्ना वेराक्षाक्षात्रा विषाः क्षायाः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः त.होब. धे. चंद्री चेषु. पूर्वा. धे. पर्वे. जूवीबा चेर्ट. व. जू. हुब. घर. झूव. च्वा. च चट. च. जूवीबा ग्री. क्ष्याध्येत्र। च्चे.य.८८.कुंतु.स्वायाचुटात्र प्रायर क्ष्राचेरा दे.जाचिते स्राचेरा कुंत्रवा वी ह्वा

 $\frac{2}{3} \frac{1}{3} \frac{1} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3$ 

તર્ગ્રાન્યન્ત્ર-भिक्ष.कु.चर.लुच.चेथा.क्षेत्रा त्यां त्यां

क्षेत्र कुल स्वाया के स्वया के स्वाया के स्वया के स्व कः तहें त्र केटा मुक्ष केंद्रे रुषा व्यासुक्ष या बेर "बेषा प्टा बटा धेवा वाषर कार्य त्र्वा सुंवाषा भीःप्रम्कुषः(क्षःवन्नुषाःषीःवन्नुराभषा "सुष्ठाःपःते तुपःकूटःषीःरेषाषःर्षः"वेषःश्ररःध्रेषाषःसुट् यु-.मीज.विया.यु..शीय.तपु..यया.मीच..लुय.ता.चटा.। शीया.तपु..यया.मीच..यु..खेटा.यु.व्यंटा.युवाया.जया. कट.तर.चचटी पटु.धु.मी.लु.लुवा.क्ट.वी.सूट.झूप.खुवा.लुब.पा.वू.त्य.मी.लुवा.थु.चुबा. क्षेत्रबादी,र्वा.वी.भूर.बुवात्तर,रिन्ति,ता.भु.भूत्रबाव,वाला। श्रेभातपु.प्रबाकीर.वीर.भुर. ल्र्या अन् भी विन्या स्वाप्त स्वापन द्वा अन् प्राप्त स्वापन स्वाप प्रस्तानित कुरान्ति कुरान्त्र स्वाम्भुर्ने प्रमानित विदार्ग है विष्यान्य सुरान्त्र स्वापानित कुरान्त्र स्वापान जीवायान्त्रन्त्रित्त्रे निन्निन्नित्र्वायान्यः श्रून् श्री श्रुवायाः श्रुवायाः ग्रीः व्यक्तियाः स्वायाः स्वायाः योतुमान्नी मुत्यार्या त्यमान्नीयार्या धीन प्राप्त प्र प्राप्त रट.वीबायनट.ता.धेट.यट्व.ट्व.कु.डी इ.टिश.टवी.यबबावेच.तबा समेद.जूबाबा मे.ल्या.याङ्क.खेट.विट्य.धेटा चूट.ग्री.ज्.मेंब्य.ज.चूट.ल्या.याङ्क.खेट.विट्य.ट्या.त. त्त्रेव, खुबार् न्यात्त्र्य, सूबोबार् स्टार्झे्ट, विजावी. वोष्ठं बाब्या क्ष्या अर्ट्र स्टार्झें बावा अर्था स्टार रा.बेबारा.जबायवरारा.क्रेस.स्

घटालुवा.क्ष्रया.बी.पट्रालाचरासूवायाचटा.श्रटाग्री.मीजावटा.क्र्यास्यालूटाराजावाध्वाया व.च.क्षेट.ट्र.ब्रे.ब्र्ट.क्ष्येवायावयारूटयाचाक्षेत्रायाद्वरक्टा। ब्र्ट.ट्र.ट्रट्याचाक्षेत्रायार्ष्या यायया उषाक्रेव पति धी वटाया में निषापति उषा हित्या दी पत्र पति व ८८.र्टेच ब्रिय-स.ड्री.पर्टेश.ब्य.८८.यर्चे.,ख्य.चर.स्रियंश.श्.ल्र्ट.तपु.यंश्रजायाःख्या. ब्रेट्-ग्राट-क्रुय-ब्रॅ-ब्रि-ब्रि-ड्र-ड्र-चेर-च-ब्रिय-प्रेट्-पर्न्य-स्तुव-स्त्र-क्र्याच्चे। स्ययः क्री इत्यापन ब्रुट्रट्ट्रिक्ट्र अ.मैज.ब्रूब्रच्डेट्र वयामैज.ब्रुप्ट्राब्रु्याजाताष्ट्रिः लाग्रब्र्ट्र जयासेट्राट्याया न्याके बिटा ह्येर वावया द्यी द्यापत्य सेवाय द्यी भ्राम्य संस्टर्ग स्त्र प्राप्त स्त्र स्त् अःकृत्यार्द्धःत्र्रःचेत्रःक्ष्यःचृत्यःवी वर्षवःत्रःतेत्वात्यःअःधःत्रशक्षत्वाः . श्रीट.पट्र्याबातात्वात्राचात्राच्यात्र्यां ग्लॅट.कुब.क्ष्यापचिंट.४०९लबापट्यात्या.मीट.ब.मीता प्रथम. कुरं, तर्थं, वर्षिश, लूटं, तपुः थटः यमा. मैजः कू. व्रि. व्रि. व्रे. मैजः। प्रथम व्रु. हुयः न्त्रु. मैजावश्यायाञ्चात्र्यात्र्यान्यम्। हे.जयावायायायायाः विवाद्यायम्। अह्न न्ये  $\text{``} \forall x \cdot a \cdot \widehat{\mathbb{P}} \cdot \alpha_1 \underbrace{\mathbb{E}}_{[a]} \cdot \widehat{\mathbb{E}}_{[a]} \cdot \alpha_1 \underbrace{\mathbb{E}}_{[a]} \cdot \alpha_2 \underbrace{\mathbb{E}}_{[a]} \cdot \alpha_$ व. स्वा. त्रा. मिया क्या प्रमायिकातात्व त्रा. मुया स्वा. स्वा. स्वा. स्वा. स्वा. स्वा. स्व. स्व. स्व. स्व. स्व बेबार्श्विषाबान्दान्यक्षायाष्यवान्यस्यम् द्वी वदीन्वायी।सिट्यायोटालेबान्यस्यायः यावतःवद्याःस्ट्रिंगुः त्याः कुवः दुः स्वरः व कुवः स्राधिः हिं स्वाचेरः पः विवाः स्ट्रिंगुवः व्यरः वैयःक्षिवीयःश्वीत्वीयस्यः त्युः सिर्ञाञ्चरात्रीः क्षेतावयः कृवीः ताः स्वरः क्षीः सिर्वाञ्चरः क्षेतावयः कृयः ह्य र्नेव अन् रामार्थे।

यायेय त्यांच्याया त्यांच्याया त्यांच्या यो त्यांच्या त्

लाक्षेवा.भी. यू. खुबारा जुबाबा खुबा था. पश्चित त्या. खुवा लूट त्यर तथेटी खेट . यार क्षेट त्य खुबा चर्षः अःस्टार् ४४१४४। "वेटाग्नरः क्रेटाच वे चेटा मुला के खिला पटा। ह्यूराचर्षः खुला हूर वे देट इ.स.सिजालिय , खेसा तथिति खेट मार खेसारा मिजा हरा पर्ट्र टिस्से सार्ट्र विश्व हिटा तत्यायशिषाक्रीयाः सेवाः सेवा तीयाचु द्री. यया यो तीटा या द्री. तय प्राची स्थान स्था र्टेट.पु.जथ.बेट.ब्रुवोब.बी.क्र्ट्र.तपु.बुर.रू। येथ.ब्रेट.लुवो.क्रेट.तर्जबा.क्रेट.तर्जवा.क्रेट.तर्जवा.क्रेट.वा.बु.कटा. ८८.७॥ क्री.राज्या सु.सू.जा.लया खेब.यार.बु.टूबा.८८.खे॥ यचबा.चै.बु.खु.खु.खु। बावा १५.४.४४१८८५५)। भ्रीत्रायम् वृत्रायः वृत्यः वृत्रायः वृत्राय मित्राचित्र पर्तः व्रीत्राचित्र तर्मित्र प्रमाना वर्षा प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान मुत्र-र्द्या विया धित्र स्ति। मुं ने त्या प्राप्त स्त्रीय यावत में त्रायावत विया मेया स्तार सी नित्र से इ.सि.तटबाश्वेषातपु.स्.चटार्बर्यातपु.लीजार्बाचु.की.कू.स्.कुवा.मु.पव्याषार्टी.सूटाता र्टा ब्रिटार्स् हे.क्षेवा.क्षे.स्पु.स्.बटा.कुटा.यो.स.कुटा.टा.बु.या.वाचिव.टाबटाला.पर्वी.स्वाया स्व.धीया.क्र्यायाता.भी.यपु.सीया.धुया.पै.सूट.ता.ट्टा प्रीयाला.याधीया.थु.या.स्वा. श्रु. यटा श्रुट । या श्रुव या बेवा पुरर्थे प्याप्त स्था श्रुवा वाट श्रुव । वाट श्रुव । वाट श्रुव । भुटि-क्षित्र कुटि-ट्याट्रे-ट्टा ह्या ख्रीन्टा ता ह्या व स्प्टा ता ह्या है। हे हिन्द्र व्या पह्र.बैट.श.रटश.ड्री बुट.ट्र.ड्र.ब्रि.तटश.श्रिश.ज.चर्षेश.थवा वेवा.ट्र.पविश.ट्र.श्री.ट्र. चयरी हे.वे.क्य. हे.चथुर श्च.चळवा.ग्र्री क्षेवा.श्चे.च्.पु.लेली लेज.लुज.४ ट. क्रं.चखु.हे.। श्वेश. लायिथा चुटात्र हु. वि. तट्या श्रिया चीया तर्ये या स्वया स्वय तीयालाम्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्या य्येट. सूट. झेट. तर विशेषा है. के. अपु. सूवाया ट्रे. यीट. सूट. लुच. तर लूट्या चावाया श्री भूष.त्.चयाय.घट.६४५४४॥ "भूट.लूट्य.घट्य.घेट.विंट.तूपु.भूट.मृ.लुया जट्य.थु. र्स्ट्रिंट्राम्रायाः व्यान्त्रें हिंद्रा हो ये । हिंद्रा व्यव्यव्यव्या यात्रवाद्राम्यायाः व्यव्याप्ति हेंद्रा हो ये । ળેવા ત્રા ફ્રેલ્ટા તર્વે જા છી : ફ્રેલ્ટા ફ્રેલ્ટા લેજા વાર જો તે છે. જેલ્ટા ફ્રેલ્ટા ફ્રેલ્ટા સાથે અજા છી. यानुबर्-यानुबर्-यान्यः चेरः चः विवाः स्प्रिः चः यदे । प्रदः प्यदः स्वा विवाः वावाः श्लेषाः स्वा

<u> इत्तर्, ह्राम्चि.तत्त्राः श्रीयात्तरः क्षीयः त्यपुः तीयाः क्षेत्रः युः सूत्तः त्यपितः ताः क्षेत्रः क्षेत्रः विषीः</u> विटाकुरि कुट् र् रेपेव विश्व स्था स्था स्था स्वार्मेट रेपिया क्रिट रेपिया भी भी स्वार्म स्वार्म स्वार्म स्वार्म म्रीमा विचया.ग्रीमानर्ख्याया.प्रे। ट्रम्या.म्रि.ट्रट्रक्षे,ट्रट्मा.स्र्रा श्रट्रह्टा.भ्री.ट्टा मर्बुय. पर्ट्रेब.त्.वाधेक.बु। क्षेवा.त.चेद्र.ज.क्ष्य.कटी चे.वाक्र्ट.कुट.धेब.बेर.चग्रीप्री टेटायका र्न्चे क्यार्ट्य क्रेंबर्येट वर्षा बेट महिबर्दी पर्व र्ये ते हुन तर्वे क्रेंचे के स्वर्त है। पर्नेट्रॉ ट्र.प.व्र.ट्री.दे.पट्टे.प्रायम्त्रा आवराधुःश्चार्वा प्रायुः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्या યૂર્વા બ્રાંટા, કું. શ્રેબ્રાની. શું. શ્રેને. લીખા. દે. ટ્રાંબા. શ્ર્યા ત્રાયા. ત્રાયા. ત્રાયા. જોવા. क्य पद्य.त्.सेपा.पे.त्य.प्रे पद्य.त्.सेप्.स्य.पद्य.सीया प्राप.क्ष्य.पे। लेपाट्य.त्. लबा पत्रव.तीज.टे.शुट.झ्य.यू.,ख्य.क्षेव.त.च.च.च.क्ष्य.कट.क्य.तय.श्रेचय.ट्र.ट्यी. म्री.मुट.त्.ह्पु.शटप.पूर्यात्राच्याच्यात्राक्षाकास्याक्षात्राक्षात्राह्मात्राक्षात्रात्रात्रा वर्षेयापते वर्षाप्यापर्यापर र्येपायाप्या "कुर्वे के रचार् पर्वे पर्वे प्रवे द्वे क यम्नेटार्ट्रा अवराधाञ्चार्वे प्रवार्चे प्रमुर्जीनेटार्ये हेर्ने प्रमुग्ने वेषायमाप्रस्य र्येते ८४वा.व्याक्ष.ळ्.त्.लर.क्य.वाद्र.त्.ल.रचथ.४४४.वी.लश्च.व्यत्रे.त्.द्र.त. टे.ल.ही.व्यथ.वी. र्रमुन्गीर्गेट्यर्थत्याट्याययान्द्रम् विद्वान्त्रम् त्तर्य के.शक्य. ट्रंग.शवर. तीज. झॅ. यु. के.या. यया. कुया. तपु. वरा ज्या. के. लूट.तर. चुब्र. बिवा "लीज.टब्र. त्राचा पत्तव लीज.टे. ब्रीट. ब्रूब्र. ब्रूब्र. प्राचा प्राच्या वया र्ट्राची तत्त्र सुरा पुरा प्राचीताया के की त्रीवाया है। र्ट्राची तत्त्र सुरा के भीत्रा है र ८८. व्रवा. क्षेत्रा. भ्री. त्रुपु. तीजालजार्या क्रांत्र प्रवृषु । त्र्र्य अत्वा क्षेत्र व्यव्या क्षेत्र व्यव्य म्निट-८्रमा नेया मेराया प्राच्यायि मुतार्द्या मुतार्द्या मुतार्या स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता ट्या.सूट्-बु-ट्या.सू.सूट्-झिट्-वाखेया.ग्री.झैट्-ला.बू.ट्बूया.तथा.वे.म्रि.ट्यवा.ट्वी.ला.चट्वा. र्रा. चेटबार्रा. हे. की. श्रावर हिरायपुर सुवा के बी. के वी पुराय त्या त्या है।

ત્રીકૃવા.ત્વર્ગક્રા.ક્રા.બાયુ.કે.બાયુ.કુ.પાયૂર.લુવા.યે.ળાય.કુ  $| \zeta_1 \cdot \zeta_2 \cdot \zeta_3 \cdot \zeta_4 \cdot$ 

यक्टान्न्य, या. त्रिया. व्रिया. त्रिया. त्रिय

ટ્રેન્ડ્યાના ક્રેયયાન્યયા મૂના હ્યા પુયાના માટ્ટીને મૂી ક્રિયાના ક્રેયયાના ક્રેયાના ક્રિયાના ક્રેયાના ક્રેયાના ક્રિયાના ક્રિયાના ક્રેયાના ક્રિયાના ક્રિયાન

पट्री, भीच, त्यीं त्यीं त्यां क्षित्र, ज्यां त्यां क्षित्र, त्यां विद्यां त्यां क्षित्र, विद्यां क्षित्र, विद्यां क्षित्र, विद्यां वि

त्यक्षित्राचित्राक्षा)
यापायस्वरावान्तरः विःवः व्यव्यक्षित्र स्व कुष्ठ क्षेत्र क्षेत्र क्ष्यः क्षेत्र स्व विवयः व्यवित्र प्रत्य स्व विवयः विवयः

*खेवा.खेश.*तपु.पह्श.मुंट.झु.चनेट.जया.४८५चुंट.ट्र.। "क्रुं.जेट.कुष.यक्र्.चम्चेट.टट.थु. र्रट पर्स्ट राषा यार्सेट "वेषा प्रमृत्या दे किया यो ज्याया क्षेत्र पा द्या तु : बत् ग्री द्याया પ્વમ: ફ્રિંટ , ધ્રૃંદ્રન્ય , ફ્રૅંટ , હ્યા તાર્સ્ટ , દ્રે નિયા ના ક્રું , ત્યું દ્રા હ્રે , વર્ષ્ય ના ક્રોંગ , વ્યાપા ક્રાંગ , વ્યાપા ક્રોંગ , વ્યાપા ક્રાંગ रातः पुष्पाधेव में केंबा तत्त्र राज्यायवाराते प्रवाद मेंब १७२३५ वाका मार्का राज्ये में हैं र दें हैं र दें त्.कु.क्.त.श्चर्त्तक्रिंट.यथा.ज.तर.ट्यूय.टे.स्वया विश्वय.कुय.ज.सिवा.यथा.शह्ट.तथा. म्रयम्, खेब.र्टरः। खंतःक्र.यभाष.यक्वैर्यःभ्री.विष.सूरः भः लुषे तप्तः कूबायचिरः ५०४०मा प्रत्योबाताः ई. भ्री. होट. योथुबाता प्रत्योबा बाटवा क्रीबा प्रह्मा त्रिया टी. योपबारा दे भीपबा  $(4)^{2}$ र्वा.चंबा.भ्री.बुर.पर्ट.कू्वोबा.कु.बुट.पर्चेजा.बंचबा.श्रघप.लबा.ना.चैटा। श्रेभाना.ची.विष्टु. चर्याः विवा वार्ष्याः यहाँ वो स्वर वर त्युवा केव दा तर्वा पारा सार्ष्ट्रव रवते वार्ये र स्नु वे क्ट.श.चेट्रच.तब्ट्रच.चथा भ्र.च.चट्रच.त्र.ज.क्टा.चथटा पर्धिवा.त.खु.पह्रचाथा. शह्र, , कुषार्या शिराश्रायव , कुषा चरा १ कुषाया वर्ड्ड्य , त्र श्रीया हिंदा । ब्रियायाग्री,प्रयातामी,वि. वुयायपूर्टातार्ट्रम् अयातामी,वि. वुयाम् मुयायाम् वितान् वितान् वितान् वितान् भैत्रान्र देर श्रेष्ठात्त दित्त हत्यी या अक्ष्यया दे श्री वित्त देर श्रिष्ठाता ध्री सामा देव:स्वाविताम्भी:यर्वार्यर्यार्यर्याः मुखावयावावावार्याः स्वाव्याव्याः

त्यः स्वताः वालयः श्चेत्यः अव्युं देशें स्त्रेटः त्यक्चेटः त्यतः त्यायः वाष्ट्र व्यटः वाष्ट्र त्यायः व्युं व्ययः व्युं त्यायः व्युं व्ययः व्ययः व्यव्यः व्ययः व्यव्यः व्यव्यः व्ययः व्यव्यः व्यव्यः

चेष्यवात्त्रःभूमः मुकारामः मिक्षावामः प्रति । विष्यवात्त्रःभूमः मुकारामः मिक्षावामः प्रति । स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

त्यन्तराचित्। वित्यात्त्याकुराचुं चुंतुं कूथातिंता चैयात्ता प्रते त्यात्ता त्यात्ता चुंतुं नित्या चित्रा वित्या वित्या वित्या कुराचुंतुं कुथातिंता चैयात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र कुराचित्र कुराचित्

योची.ज.योधियोश्री चिट.श्रयो.यो.श्रीट.अ.योय.सिटा.ज.योधियोश्री हूं.ट्अप्ट.ज.ज.क्रीटी.ज. ट्रि.टा.यु। ट्रि.येपु.ये.अक्त्रश्न.यु। चेप्र.पूज.यो.चेयो.टा.श्रीय.यटीय.ज.योधियोश्री वेटा.श्रे.बूर. श्रायश्नरा.इष्डिश.श्राह्ट.तपु.भै.तूट.ग्री.क्ट्य.पचिट.भैश.टा.४ ग्रेरजश्ना ,,ये.पखेपु.अक्त्रश्न. ल्य = ज्ञाना वर्षायाः प्रस्तित्वा चित्राः प्रस्ति । श्री क्षेत्रं त्या क्षेत्रं त्या त्रे क्षेत्रं क्षेत्रं त्या क्षेत्रं त्या

ક્ર્રેન-શ્રૈન-ગ્રી.નનવ-ક્રંતુ.નવ્રે.૧૦૦૧૧૫ના લાયા લાયા તારા ક્રેને છેવે.તા.વર્ષયાથી કૃઉ.ક્ર્યા પર્વેન क्रैय.त.र्ज्ञ रज्ञ । "क्रूं ट.श्चर.त्र न्य विश्व क्री.र्ट्य त्य श्वेष त्येष त्येष त्येष त्येष त्येष स्वेर्ट श्वेर त्य ब्र्.चवा.क्रेवा.त्.ऱ्ट.लब.कटी ब्र्थ.व.यधु.शब.कट.टी लीज.टु.ब.वोबब्र.तपु.चीवा.ब्र्वा.क्रं इ.जा पड्रा बिट.त्रा पवारा क्षेत्रमा वायेय.पट्ट.ज्ञ.वायय.ध्रा बीवा.व्र.टट.बीवा.क्र्या.व्राथ. र्त्य च.डी. बी.बी.बीड्य प्राचीत्वर हो किटा या. ट्रेंट क्रा ही ट. करी वे. या. वीलयाता था. पक्य.पद्यवायायया व्यट्य.हार.वायिषात्री.षात्री.क्षा.ता ह्रावृतातपटा.खेर.पदीय.ता.पा.व. यक्ष्माव्यात्वयापते छ। द्यता अर्बव क्ष्या वी हुवा र्या स्वा ह्या स्वा स्वा स्वा प्रा प्रा प्रा प्रा प्रा प्रा अर्गुषु :भ्र. पत्रेव । वार्ट्र त. सिवा. वाया. श्रीयाया श्रीय श्रीय स्वा. तप्त. स्वा. प्रिया स्वा. तया या स्वा र्पतः द्वा परः ग्रीः प्रतः हे ही रे हेव स्थातुर ग्वीयः धर्मा पर्वा कवायः ह्वा पर्वा स्थान चन्द्र-तयु.लीज.ट्र.च.मीज.र्ज्ञ,चर्श्व.वाधुयाजा वर्वाय.सूट्र.र्ज्ञ्च.चीय.ट्राच्य.चीयाट्री र्जिट. ब्रा. चर्या. अर्थेट. व्यय. येट. व्यय. येट. व्यय. येट. व्यय. म्ब्री श्चर शुः ह्वी तपुर प्रथम तार्टि प्रथम है। र्टाट स्प्रुट र का वि श्वर प्रमान स्वाप्त प्रथम स्व প্রাবস্থান্যর্ক্তরপ্রধানাদ্র নির্বাধি প্রাব্ধান্ত প্রাব্ধান্ত প্রমূল প্রাব্ধান্ত প্রমূল প্রাব্ধান্ত প্রমূল প্র यधु (ब.र्ज्ज. र्यं व). प्रज्ञेष. रा.जा क्रियु. ज्ञायम. यीट. यो. प्रम. ज्ञाप. प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त तपु.वट.वी थु.झु.बिट.क्षात्रयाट्या.क्षेतु.वि.वुंश.क्षा.च्यायाव्या प्रचटा.तपु.क्ष्री कूंट. ब्रूंट वी.ची.ट्रंस हे हिंवा अक्ष्यया ग्रीय ट्रांव हिया वया ट्राय हे वाया सुरा स्वाय होते. स्वाया प्रका । ति. कुश्रम. कु. त. ज. तथ्य । ति. श्चर् गूर. त. ज. तर्जुल. यथा ही र. श्र. कूर्या राष्ट्र. तथ्य । राष्ट्र

क्षेत्र.क्ष्याय वीटा पट्टुए खे.पट्ट्ट वी चरा ग्री.ट्रांट क्रि.च्रे. त्राच्या पीटा लव क्ष्य क्षेत्र स्था प्रचित्र क्षेत्र स्था प्रचित्र क्षेत्र स्था प्रचित्र क्षेत्र स्था प्रचित्र क्षेत्र प्रचित्र चित्र प्रचित्र प्रचित्र चित्र प्रचित्र प्रचित्र

क्षेत्रा, भ्रा कुर, कुर, स्टा, श्रीट, ट्रांप, स्वीका, श्री, स्वा, स्व, स्व, स्वा, स्वा, स्वा, स्वा, स

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1$ 

## विषेश बादवाः श्रीतवाः शुः ह्वादाः द्वादाः विष्याः विष्याः विषयः विष्याः विषयः विषयः

त्र्राच्यान्त्रियाव्याः भव्याः स्वायाः म्चीट-८्यट-८्राच्यूब-र्यव्याक्षे:सु-चन्न्द-ब्र-अ-वार्न्वव्य-८्युद्-रवावे-८्रोव-स्रूपव्य-द्वे-पवित्र-वील्र्.मी.च्रेव.वि.व.वेश्व.श्व.मीथ्रा.स.च्या.याच्याय्य.याच्या.याच्या.याच र्पर रेषा द्या तथा प्र : ही : क्षे प्र प्र विषा रेषे : हिंदा विषा रेषे : हिंदा रेषा आप : क्षेषा ही या हो या हि त्र त्रुज्यस्तर्वर विद्य भ्रुवाया अर्द्ध्य अप्तर मेर क्रा अर्द्रित स्था या स्तर विद्याया अर्द्धा व र्न्यूच्राववी.क्ष्रम् ग्रीम्राचरूर् न्युर्न् चुम्राचेस्यते र्न्यन् देस्त्रं नुस्त्रम् ज्यान् स्रम् ग्रीम्राचेस मैज.रचय.जू.मैंय.विचा.मु.म्री.पूर्वा.जय.पुंचा.विचा देतज.संच.य.भ्री.चय.तूर्ट.कूज.वि.विशेश. ल.ट्यट.चर्श्चर.य.चथा.ङ्ग.त.ट्ट.ट्यूच.विवा.क्ट.क्वा.क्य.कुवा.श्चेल.वीथ.ही.पूर्य.ट्य. ৴ঢ়য়৽ঢ়ড়ৢ৽য়য়ৣয়৽ঢ়৾য়৽ঢ়ৣ৾য়৽ৼ৾য়৽য়য়৽ঢ়৾ঢ়৽ঢ়ঢ়য়৽ঢ়ৢ৾য়য়৽য়ৢঢ়ৣ৾৽য়ৄ৾৴৽ঢ়ড়ৢয়য়৽ঢ়য়৽য়৾য় पर्नेट्रिट्रिं ट्रेंब्र्याप्तुट्रिः भ्रेंस्क्र्याण्येयास्टर्मे अहता विद्यासा स्वार्धेन्यास् ष्रकृट.क्ष्ताःस्राची.जाय.क्य.ब्राट.ग्री.वायट.ट्र्य.वाट.खुवा.वायट.ग्रीट.ग्रीट.ब्री.स्राट्य.ग्री.पवाया च-८८.। ट्रे.८वी.वु.८वट.प्रुब.च८वी.घूच.घ८.एचेष.कूट.प्रुब.तपु.चक्टे.प्रुब.जब.थे. वि.श्र.त्वश्र.बी.विय.ट्र्य.ट्र.पट.लुयी ट्रेट्र.चीवाय.मुय.बीयावश्वा.ह्रीवायाश्र.लट.कीटा.हेय. लूट्रश्वयः ब्र्क्षः इं.त.ट्त्यं विवाः केट.क्वां कुवाः श्चैलः ग्वीया अटए व्रिट्या मुं व्रिवः के त्र ल.श्रट्य.ब्र्य.मी.ब्र्रिय.लट.कुय.त्र.लूट.श्रायय.ख्री.लुय.पटीय

ट्रे.लट.क्रिज.प्रवश्यावयातार्ट्यवी.सूट्रया.प्रझैज.सी.ब्रे.वप्रावश्याग्री.ज्ञाचित्र तपु.सिज.टे.क्रीप.क्रटा, क्षेवी.तप.क्ष्य.अर्ट्रप.घवी.धु.पग्निज.अर्थ्य्य.यंप्ट.क्र्य.यंप्टीट.वीट. <u> ७.चिवोयाः क्रैयाः क्र. त्वात्रात्त्रात्त्रात्त्रा (च्वा.पे. क्षैट. त्याः क्र्वा. यत्रात्त्रा त्याः त्याः वी</u>का. रत्याः वॅन्'[न्व्याप्रह्म]पॅ'क्ते'न्वॅक्'र्यम्'स्यम्'सेव्'केम्'प्रम्थम्'त्वे स्वर्षाम्यम्'स्वर्षाम्यस्य क्षेत्रः भ्रियाव। इत्रान्या स्वार्था स्वार्था स्वार्था त्राप्ति स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स यसवीयातपु.सिवा.सुरायश्चिरायासुरायशास्त्रीयश्चरायुः सुरायश्चरायुः म्नैट.र्जं.त.क्ट.तृथ.पट्ट.त.कवाबा.स्ट.ग्री.ला.वृद्ध.ज्य.क्षैय.लबा.त्वेट.कुट.,,,खुबा.ट्रस्या.बा मिट हे. तपु. थु. ट्र. कूट. हीय. त. ट्रांचा ट्रेंचे. पर्यो. थायूय. परावाया तथा थाट्रे. विश्वया हीये. खेबाचावाबात्मराचन्नि किटा भैचवार्ने राषाः भी चवा अर्दे विषयाः स्वावा स्वावा स्वावा स्वावा स्वावा स्वावा स्वावा ब्रुजाल्टाना में विटानमा मामिता म છાવા.જ્ય-. જીવ. જૂન. તંત્રના ત્ત્રા તારા ત્રાંચે સ્વાપા ત્રાંચે જ્યાના ત્રાધી જ્યાના ત્રાધી ત્રાપાત્રા ત્રાંચે ત્રાપાત્રા ત્રાંચે ત્રાપાત્રા ત્રાંચે ત્રાપાત્રા ત્રાંચે ત્રાપાત્રા ત્રાપાતા ત્રાપાત્રા ત્રાપાત્રા ત્રાપાત્રા ત્રાપાત્રા ત્રાપાત્રા ત્રાપાતા ત્રાપાત્રા ત્રાપાત્રા ત્રાપાતા ત્રાપાત્રા ત્રાપાતા તારા તા ત્રાપાતા ત્રાપાતા તારા તા ત્રાપાત अटतःर्रुयःगुदःवटःअवःर्यगःयःश्चार्यःयव। द्यादाःर्क्यःग्चीःर्क्यःगा स्वायःश्चार्यः अव। सः क्रि. सिया. ता. लथी अधू. यया. शुष्टु. क्रुजा. ता झा. क्रि. सिया. ता. लथी मि. अक्रूट. सुय. ट्यां प्रा. त्या

ર્શ્વા લેખ.વર્સ્સ વ્યાનસૂય જાદ્દેટ તરીવો , કુળ ત્વનેટ ત્વા ક્ષેત્ર મું મૈળ ત્વા લેખ. વર્ષ છેખ. વર્ષ લેખ. વર્ષ છેખ. વર્ષ છેખ. વર્ષ છેખ. વર્ષ છેખ. વર્ષ છેખ. ત્વા મેળ ત્વા

त्र्राच्य्यास्त्राचित्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भ बट्रियन्त्र वृत्त्र्र्वार्वेद्रवृत्त्र्वार्वाश्वर्ष्याः वृत्त्र्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः वि पर्वाग्रीट पर्वा क्रेंट अरिय कुटा ह्राका ला बेयु जूर क्रिका नुराय विवा लूट सेट ग्रीट कवारा अट. मी. वार्यट. त्र्वा स्टु. इवा अह्रट. लट. ला ये पु. जू. मी. वा उत्तर अह्रट. चर्यात्तर्मः न्युन् वित्वादेशका क्षेत्रका के वित्वादा क्षेत्र क्षेत थिट.यर्ज्ञंबा.ग्रीबा.पब्यूट.ता.जा व्र्या.बार.बा.सीट.कुं.ता.पट्ट.यब्य.त्र्यु.योटीट.कैंट.लुय. जीवायान्त्रन्त्व। ह्ययानाः कूटाः कृतः वीः संक्रियः यहूनः नहीयान्त्रन्तः नियानाः स्रोत्स्टः र्यमा "दे.वयाक्र्याचर्ष्याचरायतु.ध्रमातान्दाः भ्रुंच द्र्यमःभ्रूंच त्यमार्म्या त्रमाचन्द्रात्तिः व्याप्यामुलार्दितः यान्वायात्रयाः वयामुलार्दितः श्रवादिनः श्रुपः र्दितः मुलार्दितः श्रवादेवः ग्रीट-पर्व्य-ब्रा-प्रचट-क्र-प्रयाश्वराध्य-प्रचान्त्र-प्रविष्टाचित्र-प्रचेत्र-व्य-ब्रा-प्रचान्त्र-प्रचान्त्र-प् हुं अ.पक्रममी पूर्ट ब्रीट मुमामटर मुभूम मधियाटिट । लीमायहेव मीमार्टिया मिद्रा उ.यथु.र्यट.तर.र्बेर.। रुपु.क्रिर.विश्वस.र्वेश.भीय.रे.पत्रुज.ये.प्रथ.श्रर.ह.त्.व्र-र् पूर्य-ब्रीट-ब्री-क्री-अन्त-प्रमान्ता ल.सूर्य चिन-प्यव तीज.  $\hat{\mathcal{L}}$ . क्रिय पर्युष्ट, सैयम श्.मिताः ब्रैट्राववा त्वेर मोशा है। ट्रालट ब्रैंब चिवागा द्वाया व्यव्हित ख्रीब उ स्रीया वयात्र्राजी क्षे.पट्टे. चथवा कर्ता चर्चे पात्र्री राज्य क्षेता ही प्रता ही वार्षेता ही प्रता ही वार्षेता ही प वोश्र्न् चिश्रासाक्षेत्र स्था त्र्राणु मुखार्यदे मुन्तर्त्ते स्थन् स्थन् स्थन् स्थन् स्थन् स्थन् स्थन् स्थन् स ग्री क्षे.पर्वमां वे.य. येथा मैंता मैंता क्षेत्र प्रवे.तीयाता है। वार्यात्यार प्रे. सु. सु. तीया वे. य.चेला क्रूंट.ग्री.क्रुंवाब.श्र.केल.ध्र्य.क्य.वाक्रवा.कवाला, खेळाटा.यु.शटउ.दुरा.वी.वी.केल. र्रान्निन्यमात्र्र्यमात्राञ्चात्रात्र्यं वर्ष्यम्यात्र्यं भीतात्र्यं भीतात्र्यं वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे भूट.तृषु:ब्रुविश्वःश्वीकाःभूवःभूवःक्वःवाञ्चवाक्वाःक्ववा। व्रवादाःब्रुःभूटःतृष्टःभूवःसूटःभूवः न्यार्रा क्षेत्र त्याचिया। प्रत्या ग्री क्षेत्र त्याच्या क्षेत्र त्याच्या त्या विषाया द्या विषाया विषया विषया

कृ.स.क्रे.सं.च। मै.अळू.च.क्थ्रमःतुष्ठ, बुक्राट्टा कृ.स्.क्षेंत्वा मै.अळू.च.क्थ्रमःतुष्ठ, बुक्राट्टा क्ष्यं त्या कृत्यं कृता कृत्यं कृ

म्रीम्बर्गार्स्स्रमाग्रीःस्यानेरान्द्रमार्यदेनार्यते वार्तिः मुन्यस्य स्थानितः स्थानितः स्थानितः स्थानितः स्था चिट.एसर्थ.लीज.ब्रियोय्य.थी.चर्षयोया.तपु.मीज.मीट.ट्रेपु.खज.ट्र.योधेया.प्रथा.ब्रीयोया.थी.ब्रीये ता वाकुवा.ब्र्ट्राव.टट.वाकुवा.श्लें.टट.ट्रश्नश.श्लेट.वय.चर्चट.क्षे ट्रेप्ट.क्रेट.पा.ब्र्ट्रावप्ट. मैल.त्.र्ट. र्ह्न स्ट्रिंग र हिट है। टे.लट.वर्टिट रचन कुन व हि.रन शिट र रूटे. ब्रैटः। ट्रियः पर्वरः पर्व प्राः वैषः पर्वेषयः । द्रिः ही द्रिः हेते स्ट्रियः स्त्रेषः श्रवः । यक्ष्य प्रधित्या में .कूर म्याया ग्री .कूर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष ह्यमःविश्वमः मुः विश्वमः निश्वमः निश्वमः निश्वमः स्वात्तः स्विश्वमः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स पि.ये.ब्रेंय.ता.क्ट्राच.केपा.त्.खेया.वे.के.केपा.केट.वेट.ट्रा येद्वया.श्रें.ट्ट.ट्रथया.श्रेट.ये. तर्षेय्यत.स्त्रथ.के.कूट.ट्यूर.त्यूक.चे.क्री ट्र.लट.च्यूप.पचेश.जथा ,ट्राय.क्ष्य. कूंचया.-ट.र्जय.त.कुं॥ कूं.-3.धेंट.श्चट.कुंट.प्र.य॥ कूंट.त.ज.ज.चे.श्चेंया.क्र्या.प्र.कूंट.॥, खेया. <u> इर्रापः वैता पृष्वण्या स्वर्णाया विवार्णात्य विवार्णात्य विवार्णाया विवार्णा स्वराधिया विवार्णा स्वराधिया वि</u> र्वायाक्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या ययम् देवः श्रमः द्र्यं म्मनः द्र्यां व स्वर्ष्या यत्वा स्वर्धाः द्रियः ह्रा दे त्या स्वर्धाः स्वर्धाः स्वरं प् र्मे। देते अया दर्मन मेन मेन प्रमेन प्रमेन प्रमेन प्रमान के विष्य स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व  $\exists a.ત. \land a a. \not \not = \exists a. \land a a. \not \not = \exists a. \land a a. \not \not = \exists a. \forall a. \not = \exists a. \land a a. \not = \exists a. \not= \exists a.$ શ્રુવાયા ગ્રિયાના ફ્રિયાના સુંદા ફ્રિયાના ફ્રાયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રાયાના ફ્રિયાના ફ્રાયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રાયાના ફ્રિયાના ફ્રાયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રયાના ફ્રિયાના विषया । प्रतिस्ति । प्रतिस् ट्रे.ल.ज्ञब्र.चिषुक्र.लूट्र.तपुरळ्ट्र.च.चिष्वःग्री:कुट्र.ट्युब्र.ब्र.लूट्रट्री ल.ही:ब्रब्र.ब्रावतःकुलः 

ग्रीट-डिट-ड्रे-ह्-यू-ज-वोश्य-भीट-पर्श्वाम, ख्रीम-ट्रा मीज-त्र्राचीश्व-प्राच्य-प्रच्य-प्रच्य-प्रच्य-प्रच्य-प्रच-प्रच्य-प्रच

मिट्रतर ई. बूट्रिंट्यार जू. ट्ट्रिंग अट. ब्रेंग्य ब्रेंग्य ब्रेंग्य ब्रेंग्य के. च्या व्याप्त के. व्याप्त क्रिंट्य व्यापत क्रिंट्य व् यवा.चावाबाताःमीजाः अक्षयः मी. सीचबायं बारा प्रवृत्ता वारा ध्रीवाबाराः स्रोवा वारा स्रोवाः वारा होताः स्रोवाः स चीवाबाताः मैताः अष्ट्यः त्रायः हो। बाः श्रीः क्रूबाः मैताः दत्तवाबात्त्रः दितः श्रूरः अह्तः वबाः नि त्र्या मि.यया.मिल.त्र्यु. वियोयाला.चेय.मे. पत्र्त्र्रा.ता.चीटा.यया.पाप.ग्र्या. ही.या.यह्रा.ता. र्शेट. हो जूट. ट्वेय. वाक्ट. विश्वय. श्रे. में. ये वी. (ब्र्वा. हा) वीय. ट्वट. टा क्वेंट. टेंय. लुये. तथा टिंय. वाब्दावी त्र्री सेटा स्री ब्या हि स्री रायकी या स्था प्रत्याया मेया त्र्रा प्रत्याया स्था प्रत्याया स्था प्रत्य ट्रे.ट्रिंग.भट्रे.पित्रम.सैट.ट्रिंग.गु.ह्री.ट्र्य.ज.ब्र्.उक्..ज्र्ये.पर्सूमा ट्वेम.गब्ट.२.पर्वुपु.ह्री. न्यंत्र त्या श्रे वार्ने त्यां त्या केत्र या पञ्चे वा श्रे रापकु त्या वा विष्या वा विष्या वा विष्या विषय विषय क्रॅट.ज.क्रॅट.ट्र्यी व्रि.ज.व्रि.ट्र्य.ट्र्यं.ट्र्यूं.च्रेंब.ट्री ट्रे.ट्य.क्रॅट.च्यवंय.टा.क्रेज.अक्य.ज.क्रे.वया. म् मुलार्चन दुःस्व ल्यामुनायना नावदा ययाक्रेव नेयामुः समापा ययान्यान क्रेव व्या र्पे तर्दा अपन्या हिया यावट राजा हिंद मायाबा वया मु स्थार हियाबा है यादेंद वेंदि श. क्रेन् र्रोते : न्रॉन् : क्रेन : क्रुन : क्रुन : क्रुन : स्राम्य : प्रमान : प्रमान : स्राम्य : स्राम्य : स् वटार्स्राञ्चयाः अह्ति दाः मायायाः वयाः वीयाः अह्ति । त्ययाः सुः वीः त्युः ट्रिवः केवः कीः र्स्रेवः केवः अक्ष्य खेला। ट्रायाः स्व म्च अते :क्ष्याः ब्रायाः मुखाः क्षेत्रः विषाः अर्थेटः ॥ अर्थेन विषाः स्वराः अर्थेन । त्त्रीय.कवाबा.यवा.स्वयं अह्त.यू.क्षेत्रा। जुवाबा.धेया.वाधुवाबा.तपु.टू.व.अह्ता। अर्ट्र.विश्वयः श्रान्द्र्य पञ्चा प्रयास्य स्वाप्त निर्मा निर्मा निर्मा के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत र्ने.पर्य अ.सूरी होर्. द्या. मु.सू. कुपु. ही. त्या वे या वे या वे या वे या विषय वे या विषय विषय विषय विषय विषय ब्र्। चिवायायवा,सी.रची.ता.र्टा.चर्छी। बुरायया स्वयात्,चीराज्ञारीराज्ञायात्र्यायार्या, क्षाल्त्रात्मा ब्राक्र्याचार्याकाच्या विषय स्वाय स च.कट.वाकुवा.वा.किट.ज.चवा.टशर.चूवा.कर.चवाया.त.टट.ट्र.जयायस्थाताःश्री.ञ्जाळाची

દ્રથમ.ત. $\ell$ દ્ય લેટ.ત્વેર.ત્વેર.ત્વેર.તૃષ્ટે.તૃષ્ટેર.તૃષ્ટે.તૃષ્ટેર.તૃષ્ટેર.તૃષ્ટેર.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટે.તૃષ્ટ

ट्यापि. एकी. प्रांतु मिका ताबुट्या हू. प्रांत्या या प्रांत्या या विकास ता विकास विकास ता विकास विकास

वीट्ट त्यर अह्टी। श्रावश्चीं त्याची ट्ट हे. चेतु वाटिशश्च त्यावशी। श्री त्याचे हे. चे क्षावश्या वाद्य हे. चे क्षावश्या व्यावश्य वाद्य व

चर.रेवा। रहे.मुर.जय.प्रॅर.वोयल.क्षेट.मुवा.वोयवा। [प्रम.त]र्.चबुव.वोचुवोया.तयामे जूषु र्झैल भ्रैं र विशेट मी लु. ट्या कूथ भ्रूँ ट र ट्विन फि. युट र प्वाचिवामी विट र पर जुर प्रेय त्रमूच द्रास्थ्रम प्रवेत प्रमा मित्र के स्वर्म स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स् क्षा.याचीय.तात्री यक्षेत्र.ता.यबीत.वुषा.वजा.यबुषा.तथा.यक्ष.तटा हूं.हु.ज्याषा.तथा योर्ट्रे. या. द्वीय. प. या व्राप्त रा व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व्य चर्ष्यान्यान्यत्यस्य। श्रीचाव्यव्यार्स्यस्य श्रीचाराध्ययः स्टायह्न। भ्रेवाःस्व्ययाः स्रोयस्य क्रव.प्याप. मुप्त. श्रीट. यू. खुट. ॥ यावय. युत्राया चेया. पृथा. याद्य. याद्य. प्राय. चेया. प्राय. ह्या। श्रव. ह्या. चिट्यासुरह्त्वयाव्यास्य स्ट्रिंग् हेराहित्। स्यास्य स्वास्य स् ब्रैट.क्.देन.प्र्या.तपु.बट.तर्यका.टटा। ट्र्.ह्याक्.प्र.ह्री.बुट.बजावया.वर्त्वा चनःध्र्या म्रॅ्वा प्रचित्रम् त्यावित्र स्वान्त्रम् स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य पर्सर-र्य-, यार-अह्र्य-भ्रीज-र्योट-तर्जयाथा। यु-श्रेट-त्य-र्य-थ्र-भ्री--श्रीजा। स्रिया-विययः ह्यान्ने त्यत्र अटार्से ता पर्योट्या क्रियासटा अहंदा क्रायहार स्वाप में विवासी सुराति क्रियासी स्वाप स श्रैल.त.र्येष.यबुर.यक्षेत्र॥ मै.व्या.मैल.त्या.ट्यट.बिय.भै.षर.यग्रीर॥ यर्श्व.श्रुपु.पट्य. अकूर्ममुलासः मुलास्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्र विर्यायम् व्यायान्त्रेषाः स्त्री सिटाक्रियात्रेषाः स्त्रीटान्त्रेत्रः स्त्रीत्रः स्त्रायाः स्त्रीत्रः स्त्राया طعنقُخال، فإهدكدا

ट्रेल.स्यु.क्ट.ल.स्ट्र.ह्र.स्यूस्यःतःट्टा। क्ट.स्यःयह्ट.स्योयःग्रीयःत्युःट्ट्यःस्योयःयटः॥ क्ट्रियःस्युयंत्रःस्येयःय्येयःयः द्याःस्योयःयःयः ह्यायःयवित्रःस्यायः व्याःस्यायः व्याःस्यायः व्याःयवित्रःस्यः व्यायः व्याःस्यः व्यायः व्याःस्यः व्यायः व्यः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः

चयोपः त्यस्थाः चक्कार्याक्कार्याः कृषाः चित्रः विश्वायाः विष्याः विष्यः न्ताः विष्यः च्यायः त्यस्यः विष्यः वि त्यसः क्षः त्यस्यः विष्यः क्षायः क्षायः च्याः च्याः क्षायः विष्यः च्याः क्षायः क्षायः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः व

शक्क, यटिथ, ट्रेट्ट्य, ज्ञाञ्चाला, ट्रिश्ची की, क्रीट्र, क्रीय, क्री. क्रीट्र, ट्रा, योथ्या, अट्रू, या। थेया, ज्ञेथ, क्रिय, याय्य, याय

 $\frac{2}{3}$ , ત્યાવય ત્રાવ્યા અધ્યાતમાં પોય. મી. છુ. ત્યોમ ત્રક્ષા ક્રીના નીના ત્રાપ્તા વ્યાપ્તા માત્ર ત્યાપ્તા માત્ર માત્ર ત્યાપ્તા માત્ર માત્ર માત્ર ત્યાપ્તા માત્ર માત્ર

यर्र्राच्यायान्त्रीयाचा विवादी "दे.ला.क्रिंदारा.स्याया है.क्रियार्सा विवादि दिरायराच्या दु हूंट-द्रम्या न्वत्या र्यंत्र यात्रमा" वेषाय ते हुत्र द्रम्य हे कुरा र्यंते स्तर त्रंपा पु हो या श्राम् स्त्राचार्यः स्त्राचार्यः स्त्राचार्यः स्त्राचार्यः स्त्रीयः स्त्राचार्यः स्त्रीयः स्त्राचार्यः स्त्रीयः स्त्राचार्यः स्त्राचारः स्त्राचार्यः स्त्राचारः स्त्राचः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचारः स्त्राचः स्तराचः स्त्राचः क्षेर प्रमुद्राया ध्रीता व्या हो प्रवित द्वा देशका या क्षेट क्षेट वी क्षेत्र सु ही व न्यंव चेर पा भन देव में व भव पर प्रमून पा निमा के पा मून पी खेवा खुन प्रमू ञ्चैषाः चाषाः धीः र्कः सुन् त्यान् प्रमान्य स्वान् स्वान्य स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्य श्राच्या.प्रिया.प्र्या.प्रिया.प्र्या.प्यत्राच्या.प्रिया.प्रिया.प्रिया.प्रिया.प्र्याच्या.प्र्याच्या.प्र्याच्या.प्र्याच्या.प्रिया.प्र्याच्या.प्राच.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्राच्या.प्य क्षमायमामुलादेवामाके बेटामाई। तार्नेटामायाके द्राया केता हो। बेमाया केता हो। बेमाया केता हो। पट्रिल्व हो मैं वीर मैं वार मैं वार्य दि मैं वार्य वीर्य वार्य केंद्र वार्य केंद्र वार्य वीर्य वार्य केंद्र वार्य वार वार्य वा वया वीया कु रहें र प्यायो केव कुया र्या दे रायया मा स्थार स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार र्रापु.जय.गे.धैंट्य.तप्रू.,खेंय.तपु.ट्र्य.लट्री श्र.पश्चेंय.ट्र्र्य.क्यावय.४०जया ,,घोवाय. यवा.खुयाची.रचवा.र्चया.सूर्याच्या.क्या क्र्या.मैया.परावाया.राषु.र्ट्यय.क्ष्य.र्येटा.सूर.चेया मे.येव.तीज.ब्रेय.मेज.त्या विवाय.ज.च येवावा हं.क्याज.ब्र्याय.ब्रॅ.लु.पट्ट.य.थह्टी। जय. म्बर्धां प्रतिन्त्राच्या ह्या हिया हिया प्रतासके अधिक मिला मिला हिए स्वर विताक्री.जयाम् विदायम् अह्ता निर्वेशास्त्री ह्री.वार्ट्टा वृटा अष्टा आस्तर स्वा निर्मा विश्व स्ता म्.पक्.पक्.मैज.रूपु.भूष.२४.८८.॥ ८४वा.८त्य.अह्ट.कुट.मैज.त्.प्.प८४.८४.लट.॥ मैल.त्पु.भै.क्ट.व्रिथ्य.ब्रुट.वटवी.त्.थह्टी, श्रुय.चीवीय.थवी.वु.टट.ब्रुवी.क्ट्य.मैल. यसवीयातपुरन्यं क्रिक् ट्वार्स्स्र चियाचीरा ने वया या क्रिक्त स्वापार्य त्या स्वापार्य व्याचीर लब.भ.धॅटब.चुट.कैल.ट्र्यु.विवोब.ज.चेचेब.टा.चैंट.वेब.कैज.बुट.चवब.देब.बूर.डूं. पट्टी द्वीत् प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प

स्वियाः मुच्यः स्वरः स्वायायः स्वायः स्वरः स्वर

म्नीटावि न्द्र्य क्री त्वरामा विकान्य स्थान क्षेत्र क्षेत्

 $\frac{2}{3}$   $\frac{2}$   $\frac{2}{3}$   $\frac{2}{3}$   $\frac{2}{3}$   $\frac{2}{3}$   $\frac{2}{3}$   $\frac{2}{3}$   $\frac{2}{$ 

च्या चंद्रान्धे | ८.क्षे. ८.क्षे. ८.क्षे. ८.क्षे. ८.क्षे. व्या क्ष्राचीय क

ववा.ट्र्र.ट्य.सेचया.वी.ची.चेवा.चील.त्तु.चीला.या.ट्र्र.वा.कुच.चीला.त्या.चीटा.ट्या ट्विया जीटा.चक्षेत्र.सेचया.वी॥ वांबुर.लुवा.ट्टिलालुवा.वि.चिटा.चयेचा.व्या.पज्ञी।, खेयाता.क्षेत्र। ची. ट्रायक्षत्र.व्या.वांबुर.लुवा.ता.कु.क्षे। ब्र्.चीत्र.जिटा.चक्षेत्र.लब्या , ट्र्र.ची.विष्यया.ट्रायया

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

की. ट्यार पूर्याचे पीका तापुर की टे. प्यालाट का की योड्यो प्रस्ट चुर पूर्ट चुर । ट्रे यक्ष कुर प्याक्ष प्रस्ति विका की प्रस्ति की प्रस्ति विका की प्रस्ति विका की प्रस्ति विका की प्रस्ति विका की प्रस्ति की प्रस्ति विका की प्रस्ति विका की

त्त्राविवा.क्र्याच्या भ्रवावायमात्र्या.क्रवा.क् वैषाहेषावषार्श्वेव पुषाने वुना मुग्दर्श्व या नहुषा पषा ने वषाने सेंटा वटा पुर्विव वषा त्रविवायः र्येषा रच्चिः सेषः त्रायाः र्रेषः त्रायाः स्थाः त्रायः स्थाः त्रायः स्थाः त्रायः त्रायः त्रायः त्रायः क्ष्.लट.भ्रम्.ट्रिज.क्ष्य.जय.क्षे.चया.च्रिय.चया.यु.ट्रम्ब.टा.जया शवय.क्रिट.तपु.वज.क्ष्य. जिटायक्षेत्र जन्म भूष कुष क्रिजा अक्ष्य जास क्रि.सेटायपु क्रि.या चित्र मा चित्र मा त.ज.व्री.प्रह्मा.थटा.क्षेत्र.चोश्चर्यात.टटा चि.चजात.ज.का.ब्रीथ.व्री.प्रजीय.क्ष्या.स्या.व्राया.या पश्चिमःश्चित्रायाद्यवाःश्चित्राञ्चाः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स् र्थेयातपुरमुष्रमान्वयात्वापराष्ट्रियाङ्गीरह्मयायात्तराङ्गीतायह्मयाञ्चीतायहमान्त्रीतास्त्रीताङ्गीता भर्त्। चियाना प्रें भारत् प्रमाना में भर्ते ना मिल्या परि स्तर् स्तर प्रमान स्तर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर मिला अक्ष्य मी. श्रा. क्रा. तथा तथा तथा स्त्रीया बुटा या तथा या तथा मीटा हो यया स्त्रिया वया पटा पहींया त.चक्र्.चभैट.व्यक्र-टे.चर्थ्यका.स.टट.। व्यक्षका.चर्नेट.च.[ $g^{c.a.}$ ] $\hat{\mathbf{G}}$ .चि.त.टट.। चि. ਬੁਅ.ਧ.ଲ $\mathbf{u}$ .ਕੁਆ.ਕੂਆ.ਘੈਂਟ.ਵ੍ਰੱਟ.ਹਥੈਂਟ.ਹਵੇਂਟਆ.ਧ.(ਪੈਟ.ਖੁੰਟਕ.ਰਖੁ.ਵ੍ਰੱਟ.ਖਟ)ਬੁਆ.ਹੁੰਪੂਆ. र्ययो.ह्यो.त्रा.च्या.व्या.र्टा. ग्रीट.क्रा.वी.श्रीय.योश्या.लट.र्ययो.ह्यो.येट.एघटा.विया. हे। ट्रायाजी.याकपुरम्बायाक्ताल्याक्षेत्राच्यान्यवात्त्र्याज्ञाच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या <u>तर्भेर.येथा वर्टिट.क्रैट.क्र्.ज.ट्रेय.त्.त्ववा.यु.वर्टिय.त्वयत्त्रीयाट्र.क्र्.ज.तत्त्वीया.ह्वाया</u> रे.रव.र्यूब.तर.वीर्यःजवीब.ध्री

 $\begin{array}{l} \begin{array}{l} -(\frac{1}{2},\frac{1}{2},\frac{1}{2}) & \frac{1}{2} & \frac{1}$ 

ता. श्वर चिटा यथा कृत तपुर भें चिटा अर्थ्य विटा त्या अस्टी तथा अर्थ्य विटा तया चृत्र स् ।

या प्राचा विद्या विद्या कृत तपुर भें चिटा अर्थ्य विद्या व

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} d^{2}x \cdot \hat{y} \cdot \hat{x} = \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} d^{2}x \cdot \hat{y} \cdot \hat{y} = \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} d^{2}x \cdot \hat{y} \cdot$ 

दे'यद'र्स्अयाराः र्ह्स्ट र्क्स्ट ग्वाद व ग्वावयाः कवायायते 'युवार्स्अयाः ग्री'याः कः यदा ्रे०" कु योर. ट्र. ड्र. योट थ. ग्री. घेट. ख्रियोळा चियोळा ड्र. कुष. र्. ग्रीष. रू. या यो ग्रुयोळा ग्री. खेट. विष्ण यो रूट. वि य. २४. म्री. लीजा थर्ट्, विश्व अ. म्रीट. म्रि. चर. श्री थर्ट्, विश्व अ. म्रीट. म्रि. विश्व अ. म्रीट. विश्व अ. म् ब्र्.भीय.ज.ल्र्सी ल्र्य.ध्य.टे.अ.टेट.र्जय.तमी पट्ट.लु.श्र्येय.क्ष्यय.चट.श्रु.ट्र्यूमी वावय. जार्स्अवार्थि.येटातवार्स्ञा।, खुवार्य्यावायी.कुरावियित्वारा.येटा इत्राची.टवा.क्रीयावा य.मैज.कुय.पङ्.पमैट.लूटी। लीज.झं.पचट.तू. सूत्रमाश्री.येटा। झं.यावय.ज.शु.शूंय.झं. लुयार्त्रथम्। यत्यः यत्यः यत्यः क्षेत्रः पक्षितः स्त्री प्रवयः प्रविः प्रवरः स्थितः स्थानः तीयायीषयायात्राः श्रुष्यायाया स्वाप्तायात्रा स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्वापाया स्व ट्रथम.थे.२८.॥ सैंया.युग.जेवा.क्ष्मा.योट.ई.लुग.ट्रथम। यटेप.वे.क्.म.यबट.ट्र.लूटी। ख्टारा प्रचाया । क्रिंट रा क्रिंट प्रचाया । क्रिंट प्रचाया । क्रिंट प्रचाया । क्रिंट प्रचाया । क्रिंट प्रचाया खिवाबाची ट्रिट.कुच.बावय.ब्रिट.ता.ट्रे.खेट.ग्रीबाटबा.क्च.ह्र.ह्र.जुवाबाता.बावार.ताटबर. त्रुप.क.जीवाबा.कथा त्रूशबा.तपु.इं.पट्यावाम.वियाट्या.कथ.ट्रुप.सं.जीबावीयाता. यक्रिया.विज्ञायाञ्चयात्रार्देशा ट्रायायाप्रायाः व्याक्रियाः विज्ञान्यायाः विज्ञान्यायाः विज्ञान्यायाः विज्ञान्य चगात गान् न न्यार्थ अर्ह्न प्याया देवाया साधी ता अर्वाद रावे हिमा देवाया प्रति गान् न कुन . श्रेष.भीट.रेंटे.कु.पत्त्रीट.लज.कुर.ज.र्टश.२४.पत्त्र..चुर.च.लूटे.कुट.। र्डू.पि.सूबीयासवी.

સ્ટા-ફોન્-ત્ર્યાના ત્રામાના ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાના ત્રામાના ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં

'ॴॖॴॱॹॱॻॿॸॱय़॔ॱॸॕॎॴॴॹॖॱॶॸॱॻॱढ़ॊऻॶॱॸॹॖ॓॔ॸॱऄ॔ज़ॱऄढ़ॱॻॹॗॸॱऒ॔ॸॱॴढ़ॱॺॸॱॿॴ क्रॅ्रचल-८८:इव पति:कुल क्रेव पति:पॅर् प्रें क्रिया क्रुं प्राण प्रति:प्राण प्राण्डे व्या क्रिया प्राण्डे व्या मुलागर्ख्याः त्र रेत केत्र। हैं मुलारे हे प्टार्पित्रें। दे प्यार देस्य मुलाते स्याध्या प्राप्त प्राप्त र्येते '८ ग्रीय 'तर्षिम 'ङ्कें 'तुप 'ग्री 'ग्राम 'पत्वाषा पति 'ग्रार्के पि 'ह्वीत 'ग्री 'मुया'र्य 'त्र 'र्वे 'के '८८ । चेम ' क्रिते तिवस्य क्षें क्षेया वा भी भव ता भी क्षिया पटा । यार्वे प क्षिय भव ता प्रवस्य वया यी तिवस्य क्षेर म्बेय.८८.चू.स्वयम.र्थ.८४.८४.५१योष.षु.भूयो.क्यो.योट.स्वा.यंषा.युष्यस्य सम्भिती ज्ञ्यो. क्षेट-सिया हे. पक्षेत्र पाराश्<u>व</u>रायर विषा श्वरण हे. श्वरा रवो पक्षेत्र हिते अर्क्त्र रुत्र रु यम्बाबारान्ता न्त्रवाको सेते क्वियारी त्यावाक्ष वाक्षिवा व्याचित्रवा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स इ.ट्राय.पर्षेत्र.बुकाचि.य.ट्टा ट्राक्राक्ष.यंवेयोव.ट्याट्राक्राक्रा.व्या.वुकाचि.ही क्र्.मेथ.मी.पो५४.मू.पो४५७.तर.क्र्री क्ष.मा.८मी क्ष.मा.टमी.पक्षेत्र.तमी.८८.धे.ची.पंद्रमा.मा.मा.मा.मा.मा.मा.मा.म त्त्रवारामा क्षेत्रवार्यात्वार वार्ष्यमा सुरद्वारा विष्या मुला क्षेत्र के कार्या के प्रतार के प् यट्यामुराधेराधेराक्ष्य्वायाग्रीयाट्यायाचन्त्राचायान्। श्रुतावत्याग्राटाधेरायायायायावायान्। सास्य वार्षा मुवा मुका या हेरा स्वर्ण या हेरा मुका या हेरा मुका है। प्रा उव पर्दे वा धेव से सा च.पर्या.मिट.अष्ट्रट. 'श्रिंश.चम्चे.र्येवा.र्रेष्ट्रा.वाञ्चा.तात्र. असूत्र.तात्र. श्रूंच्या.ट्रा. र्त्रंच डेट-Eॅंग्रम,श्र.पेट्र-तप्र्य ट्रेप्ट, अट्व.ची.क्.भ्रेम,व.प्र.ची.मी.मी.मी.च.प्र.च.च.कुव.मीवयात्तर.  $a|\hat{a}|_{L^{2}(M)} = a|_{L^{2}(M)} + a|_{L^{$ चेत्र मु रहूराया स्त्र प्येत प्या ध्याया स्त्र वायार कवाया नेत्र स्वर हीं र स्वा हो। यदे से स्वर स्वर स्वर स्व मैल.ब्रुंश.र.पु.ब्रब.लुब.तर.चेवाब.चुट.। चर्याय.चमैट.ग्री.चर्याय.ब्रैट.ट्रेवाब.तपु.ब्रॅ. न्यंत्रःशुक्षःकृतेःत्रमःत्रम्। व्यायम्यायायाः भ्रीतःयाकियाः धीतः स्वरः सर्विः है। तृमः लीवाबाग्री.त्यापः तमिट.ग्री.कृ.ट्रा्य.श्रिषाळीय, वाश्रुषावाळ्य.त्राच्यायप्तिटाच्याः स्रीतः कः लियोबार्टा बर्या में बाता होया होया हुं मेला बला यो च्याबार या ग्री भी रटा काली बाबा संबंद यते धुर र्

ट्रे.लट.तर्थे.य्योष.घट.येथी ,ट्रे.यंय.विश्वय.ग्री.श्रट.ग्री.चर्वा.ये.व्र्या.यं विशिष्ट्यात्तात्री श्रिष्यात्रवापात्त्रा 'श्रवाप्त्रयात्र्या 'श्रवाप्त्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या त.परं, विशेटकाचुराधे। पर्, लुवाक्षाक्षराक्षेत्राक्षराव्याल्याचुरायाः शाह्याः वा वार्क्षरा त.र्थमा.ग्रीयाह्माहूर्टाह्मी.विषयायात्रामीयात्रीयाययात्राची देवु.यालयायाच्यात्राचा योष्ट्रभार्ये अकूट. पर्ट. ज. यो हेर. वि. त्रं त्र त्र होता हेर पर्ट. अकूट. वा कूट. वा क्रांचेर वा क्रा व्यादिवाया ग्री क्रायत्या विवात् । यात्रवार्या करा व्यादित स्वेरा वे स्विरायते । स्विरायते विवास व.मै.वर.चर.सूवाबारटा.च्ट.वावेबा.या.ज.व्ह.प्र.प्र.प्र.प.र्टा. व्या.च्यायीटाकु.क्ट. विष्याविषाविष्याचिष्याविष्याविष्याचिष्याचिष्याचा छोत्। दी दे प्यादाक्षा क्रिक् सेव सेव सेव सेव सेव सेव सेव सेव ମ.ମ୍ବଅନ୍ୟ.ମ୍ୟ.ଲୂଷ୍ୟ.ହ୍ରମ.ଥି.ଏହାଷ୍ୟ.ଲୂଥ୍ୟାଷ୍ୟ.ମୁ.ଗ୍ରହ୍ୟ ହେଥି.ଗ୍ରହ୍ୟ ହେଥି.ସହାଷ୍ୟ.ହେଥି.ସହାଷ୍ୟ.ମ≠. र्व्यूट्याय्या मै.व्यूर्यस्याद्धायस्याम्याः स्ट्राच्यायायाः स्ट्राच्यायायाः स्ट्राच्यायायाः याताय ज्ञात क्षेत्रा हूं मिता रू. पे. पट्. पुटी ब्राम्य अर्था ता क्षि. वी क्षेत्र ता पह वाया थी. यटा पर श्चितः यथा लवा रा विष्याचारमा है से र्टा स्थळें सार्यस्था सारा विश्व मीटा वास्त्रमा है र क्र. घट. टे. टामेट्य. ट्री प्रथयः क्रियोया क्ष. पट्टे. क्ष. या. लुय. ट्री. टा. ट्रीट. क्षें र. यट. ट्रा. ट्रिया . ट्री. <u>नर्ज्ञ वर्षाञ्चन न्त्रं त्रायाळ</u> वर्ष्य कर्षा कर केव र्या स्वन र्या हेर ज्ञेन न्यं ह्या वर्षा वर्षा हे। वी.ये.रेवो.स्.मुवाबाह्मराश्ची.टाबेटबा.हे.विश्ववाह्मीवाबा.वी.हे.पर्ये.विश्ववाह्मी. मि. ट्याला चर्याया श्राटा वो ह्रिटा टी. यो प्रेमाया श्राटा टी. श्रीया श्री देवा ही माही की पर दी ही खें. मुन मुन मुन सुन प्रमा वर्त ने सुवा सुन निम्न र्या मुन स्वा सुन स्वा सुन स्वा सुन स्वा सुन स्वा सुन स्वा सुन सु

श्रम् वृद्धः स्वाशुंशः द्वान्तुः चित्रः नुः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः श्वाः क्षेत्रः वृत्रः वृत्तः वृतः वृत्तः वृतः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्

વદ્યા શ્વૈદ્યા સથયા હ્રદ્યાના વ્યાપ્ત વ્યાપ્ત સ્વાપ્ત સ્વાપત સ્વાપત

ट्रे.य.चर्या.ग्रेटा.स्वा.यय.पट्य.त.ट्टा श्रिज.श्रे.ट्रे.य्र.टा.स्ट्य.द्रिय.तट्य.स्व. र्ट्यासि बैटायपु विवास स्टाबिटा बिटा शावत हैं एतपु सियायटा सेवाय सेवाय सेवाय श्रावरःलटः वायेषः श्रुटः त्रंधः त्रवीयः त्रीवाः श्रुंवाः वशः श्रुः यः त्रश्नूटः यः श्र्वावः श्रुटः यः स्रुंवेः क्रि. हिं. क्रे. त्रंते : त्रंत्र : ब्रेस व्याकुण : ब्रुट : वी : वार्ड्वा : यवा : वि : ब्रुट : या या वा कुण : त्रं भ्रम्भमार्यायमा मुद्रान्धेन प्रतासमा भ्रमा मित्राचित्र प्रति हिमान्य स्वार्धित प्रतासमा भ्रमा स्वार्थित स्वार्यित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थि म्रियार्ग्,तथाम्रियः तथाम्। मिट्यार्थं यावाराङ्ग्रीत्राताः स्रान्तविष्यायायः स्रिमः स्री यद्रे स्र शायपः ब्रैटि.ताः मै.वयाः व. कूवः श. व्रेवः टैयः मैलः त्यायावेटः चपुः विचः तपुः भीः मै.वयाः शः ह्येय.क्ष्यम्यान्वयःभ्युः स्त्रं स या.मैज.त्.व्य.पपु.मै.पट्.पर्थ्य.यविष्या.५.ट्रज.च्या.त.यक्या.ह्या.प्रायट्या.स्य.भी या श्चर-व्र-क्ष-वर्च्च-विक्वा-वीक्ष-धिवा-तपु-तप्-विक्वा-विक्वा-विक्व-त्र्य-तिक्वा-विक्व-त्र्य-विक्व-त्र्य-विक्व-तिक वार्षरःश्चे.टु.षाड्,वेटा.थटपु.चवा.टशर.टु.ज.वाट्रेर.टे.श्चय.तथा चवा.टु.लट.वावेव.तथ. ह्येयारी: नृषाया ह्येन् आवव अटार्या दी हो र । दाउटा अटा ह्युवाया नृष्ठा अप्यायार्वेरा वया शर्चट.बॅट.शट.त्.वैट.चमा भावप.ब्लैट.त.ज.मै.पट्ट.पट्ट.सेट.टब्र्म.बेय.तमा पट्ट. स्ट्रिन्द्रार्ट्स्याग्रीयास्ट्रिन्स्ट्रिन्स्ट्रेन्द्रिन्द्रिन्यवयाःद्राय्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्य य.वर्षित्वश्चर्यात्रेयात्राचित्रवात्राच्यात्रेयात्राच्यात्रेयात्राच्यात्रेयात्राच्यात्रेयात्राच्यात्रेयात्राच्य इ.पिट.यें थ. ५. ट्रेज. ब्री. चर्मियों थ. त. ८८.। इं.पिट. येथ. ध्रेय. क.त्र . जुय. ख्रेर. जुय. व्याय. र्ट्व धेव चेर है। इ सु सु तरि पानिक वे का क्षर हिं वि से स्वर है। इ रूट हैं पका केव श्रव प्यतः हे हिं केरें ''वेश श्री

चियारचयार्यता श्रीयार्तात्वाराष्ट्राव्यतार्त्ताचीयार्ष्ट्राच्यायार्ष्ट्रीययाय्यात्वार्याः र्वेयाय.पर्वेयायाता.ला.मुर्टा.खेया रेयाया.क्षे.स्रेया.त्.य.वाञ्चया.वाह्या.वाह्य.व्या.वाह्य. र्या.शक्षभयातात्वियोबार्ययात्रभावरायेटाये.योबाला.यपु.ह्येरार्ज्री लटाश्चेराशु.चेबा तथाश्चित्रताचीत्रतात्वातात्रेयाद्व्ययाताः श्चार्ष्ट्रात्वात्रात्वेताः विवाद्यात्वात्रात्वेताः विवाद्यात्वेताः विवाद्यात्वेत्यात्वेताः विवाद्यात्वेताः विवाद्यात्वेत्यात्वेत्वेत्वेत्यात्यात्वेत्यात्वेत्यात्वे र्त्यमाग्री मैलार्रा ब्रै वार्ट्ट व्याट अपक्षेत्र राजा क्षेत्र प्राची केवा च्रीट व्याचित व्याची विष्य राजा क्षेत्र राजा क्षेत्र व्याची केवा राजा क्षेत्र राजा क्र यश्चिताः सीत्रात्यात्र व त्यत्र व त्रिया व त्या व त अर्चेत्र पार्टेका कुट पाया केवा प्येट पाया धारा मुखार्येते वृत्ते का सूत्र पासुसारा में होता बुटा बेरार्से देखे के पदेव पति कुष्कंव गासुका विदारित के निकारी प्राप्त के गाया है गाय अर्ख्ट्याचान्ता सुन्रक्रियक्षेत्राचे त्यान्त्याम् स्थान्त्राचे स्थान्याचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थानि स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे बु.पूर्यायायाः क्षेत्रः विट्यः क्षेत्रः त्रीयः ग्रीयः। त्र्यः क्ष्यः क्षेत्रः कष्टिः क्षेत्रः कष्टिः कष् भूति.भ. श्रम्भ. कुर्यः प्रताना की. श्रम् विष्यं विष्यं मिन्ता कुर्यः भ्रम्भ विष्यं स्थानित विष्यं स्थानित स्थानित विष्यं स्थानित विष्यं स्थानित स्थानि है। ब्र.मैव.र्य.वया.चर्या.र्याया.मी.म्रा.मोया झं.मुव. घषया.कर. चव.री.प्र्या.वया.र्या. लाचन्याबाने। ह्येव र्त्राप्त स्वाक्रिया क्ष्या क्ष्या स्वर्या नावा विषय स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या चि.य.पर्विष्य.धे.सुब.त्यु.क्.त्यू.लुबी क्षे.पर्टे.चश्रय.ब्ट्.संय.टे.प्र्य.य.विष्.। ट्रे.बंब. चर्निट. है. में. कैट. टेट. इंग्रेंब. केट. ब.कट. तर विट. च.जबा ट्रेंट. च.च्या देते. विट. देवाब. वर्ने. वीट. पह्रमा मुष्यामध्रिया सर्मेष्य मी मान्य सायाह्न रायते श्रुव श्रुव श्रुव सामाया स्वीता स दे.ज.भूरा.श.ट्ये.पट्ये.तर्ये.स्.स्.स्.यं.त्र्य्येयेश.तःश्चीयः श्वाताः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्येयः स्त्रात्यः पति'प'शुप'क्षा देते'क्क्षं'क्ष'द्रपट्टा सूर्व'स्ट्रिंच सहि'पति'कुष'पषा सिंद मी'दर्व 'र्य'देश'ष' भ्री.क्र्य.मैज.पत्तवीय.तपु.वाधेर.त.चैंट.टा.ज.मै.ववी.मैज.त्याजया.पाय्र.व्यावेट. यय। यूर्-भुट-झू.क्य.ग्री-रत्य-री-तर्भूयाता-ताय-जा स्थयाता-झूट-क्ट-य-ग्रीयायायया.  $\mathsf{nd}.\mathfrak{g}.\mathfrak{g}.\mathsf{x}.\mathsf{x}.\mathsf{dd}.\mathsf{al}.\mathsf{c}.\mathsf{t}.\mathsf{x}.\mathsf{x}.\mathsf{dd}.\mathsf{dd}.\mathsf{dd}.\mathsf{dd}.\mathsf{dd}.\mathsf{dg}.\mathsf{dg}.\mathsf{dg}.\mathsf{al}.\mathsf{al}.\mathsf{dg}.$ वया वीषा श्रे.वार्ट्र व्यूट् मा क्रिक् र्यंते याने राक्षेत्र महित्यमा सूर् तयर वार्य राप्ते वाने रापा मुन्यक्ष्याः श्रेन्यः न्यान्यः श्रुन्यः यान्यः श्रेन्यः यान्यः स्वान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व वित्र में यो चिया अस्य में मूर्य है योस्त व्या चे अर विर प्रेर में या स्था वर यो याया चर्या ड्रे.वार्ट्रट.ब्र्य्ट.श.कुर्य.त्र.वा.चे.श्रय.च्यय.श्र.कवा.त.ज.चीट्र.ज.पत्तट्यट्य.त.लुर्य.चे.चे.

क्रीट्राणुव्यान्याद्रेश्चात्रीट्रान्यात्रम्यात्रात्र्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्य स्वात्त्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्य स्वात्त्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्

ऍॱॺॱय़ॕॸॱक़ॕॴॱक़ॗॴॹॖ॓ॱॺऻॸॖऀॸॱक़ॗॕॸॱॺऻऄॺॱय़ॸऀॱज़ॹॸॱॸऄॱॸॕॺॱऄॵॺॱढ़ॊॱॺऻॱॸ॓ॱਘॸॱ য়ৢ৴*৻*য়৾৾৴৻য়ৢ৾৻৻ৼৣ৾৻৻য়ৣ৾৻৻য়ৣ৾৾৾৴৻য়ৢ৾ঌ৾ঀ৻৻৻ৼয়৻ঀৢ৽য়ৣ৾৻ঢ়৾য়ৢ৾ঢ়৽য়ৢ৾৻য়য়ৢয়৽য়ৢয়৻৽ঢ়ঢ়৻৻ঢ়ৣ৾ঢ়৽ यपु.य.त्य.रट.पट.ही मै.वर.चर.वेर.हूं.चिट.घष्टाक्र.क्ट.टी.कूथ.मैज.मि.सव.षट.त्. ਪਰਿੰਟ.ਹ.ਟਟ.। ਚੈਕ.ਈ.ਅੱਟ.ਪਰਿੰਟ.ਹ.ਚੈਕ.ਈ.ਅੱਧੁ.कूब.ਜ਼ੈਯ.ਖੈਕਕੀ ਹੁੱਟ.ਟਿ.ਪਰਿੰਟ.ਹ.ਯ.  $\underbrace{\mathsf{QL}}_{\Psi} \underbrace{\mathsf{QL}}_{\Psi} \underbrace{\mathsf$ શ્री.पवित्रः थ्री.ज्ञा.चपु.ट्र्ये.कु.लूटी ट्री.पवित्रः चपुः क्वैं.अक्ष्ये.थुं.कूंयः क्वेजा.त्रुं.व्रि.ब्रॅटः कुंतिः यक्ष. मुष्यायव र्यः मुः मान्य प्राप्त व राज्य व राज्य क्रैट्रबार्याचर्छ्याच्या स्थान्य स्थित्र स्थान्य । मुखार्या स्थित्र मुखार्या सुखार्या स्थान्य । योट्य.प्रमाङ्ग्रेट्.र्टे.क्रील.स्रिभ्य.खे.ब्र्भ.योङ्ग्य.क्र्यामा वित्रमाङ्ग्य.भ्रम्ययम् योट्य.प्रमा श्चर-रे.मैजा.च्रित्रया.क्षेत्रा.क्षा.वाक्वा.कवाया श्चर्राता.क्षां.क्षर्या.क्षा.वार्षा.वारा.वर्षा. वयाक्रीयाद्यित्रवाश्चीयात्रम् तिवा स्वास्तित्वा वाश्चीत्रवासान्ता व्याक्रीयात्रम् विवासित्रम् विवासित्रम् विवास पर्वियाला। मैज.मुश्रम.-र.मै.यांचु.धूंच.श.कवाया.तळा।  $( \frac{1}{3} - \frac{1}{3}$ . कुज.सि. ५५ प्रा. १५ प्रत्य . क्ष्य . क्ष्य . क्ष्य . क्ष्य . क्ष्य . क्ष्य . च्या . अक्ष्य.याज्ञ्ट. कृया.याङ्ट्री, कुषाजीट. यक्षेत्र. तपु. व्र्या. ये. यटा. क्षेत्र क्ष्रेंट. टी. क्रीया. व्रिष्या खे. द्याक्ष्यायात्रायत्यः द्यायां यो मुयादी भ्रत्न् नुयादियया स्याद्याक्ष्याया मितादी ब्रूट व्रेट कुर कुर दें निर्मा पर दिशायाद्द उ. पत्रि व स्वाप्त प्राप्त कुर पर दें प्राप्त स्वाप्त व श्रीत् क्षेत्र थिट.ट.क्.क्.क्.ब.ब.ट्रवा.चेश.ट्री वास्ट.वास्ट्रेट.भी.एस्वा.ट्रवा.ट्रवा.चेट.पुराटर.यंश. न्तुकावार्द्रान्त्र मुला मुन्या सन्यार्थे प्राप्ता गुन्य विस्वार्थे व स्वया प्रत्या स्वया स्वया स्वया स्वया स 

कैला-चूछ-कैला-कैट-लुबी श्रावय-क्रीट-तयु-विटिट-कैट-लुब-टा-लुब-टा-लुब-क्री-लुबी यूट-टा-किट-लुबी क्रावय-क्रीट-लुबी व्यट-ट्रिक-लुबी के.वीट-कैट-लुबी के.वीट-कैट-लुबी क्राव्य-केट-लुबी व्यट-ट्रिक-ट्र

स्वीयाः हुयाः पर्त् , पक्रीयः अप्टार्यः याञ्चयाया।, ज्ञयः , याद्र्यः , अप्टार्यः , अपटार्यः , अपट

लुब.ब्री चूट्रजी.श्रचीर.क्षे.पर्छे.विशेश.टट.जूट्रावश्रवा.प्रक्षेत्र.श.पर्छे.विश्वेश.जीश.कूट.ब्र्विवाश.डुट्रत. शर्च्येत्र.तुषु.विटिट.क्षेट्रतुषे त्राचा.तुष्य.ध्या.कुष्य.कुष्य.ची.धिवाश.ह्य.क्षेत्र.दी.विश्वेश. श्रट्र.शक्ष्टरूर, प्र्यंत्र.चित्र.तुषु.विटिट.स्वाय.लुव.त्रव.वी.स्वाय.विश्वेश.

८८। वोद्ट.र्थ.श्र.कु.ज.श्चट.त.८८। ब्र्.वि.वट.ब्र्.श्र्वाथाड्रे.पोश्च.तपु.विचयाचेथा क्षयाणुषान्त्रान्त्रात्राम् स्त्रिन्या बेषाः स्त्रिन्या क्षेत्र प्रक्षेत्र स्त्रिन्य क्षेत्र प्रक्षेत्र प्रक्ष त्र-(प्रथयः क्र्रं क्रिं-र्-रंक्) स्वर-रुवोयाः वु . त्रायः त्यरः व्यतः स्वा क्रियः क्ष्रं वु : द्वारः ग्रह्ण व भ्रिंट.ज्योबा.क्रॅ.फ्रेंट.ता.क्रबा.टटा। वाष्ट्रिका.त्याबा.बी.क्री.हा.टा.क्रवा.क्रिवा.टाग्रा.चेबा क्रॅ.स्ट.ह्रट. र्ट. इ. थु. ८ गर. यञ्च त्राया चिरात विराय विराय विराय क्षिया विराय वे.टे.ब्र्.ह्यांश्चित्रायाययाम्याम्यान्टा क्षाप्तायाय्यान्त्र्यायाय्यान्त्र्यायाय्यान्त्र्याया क्य. षर्र्र. ततः विज्ञाङ्ग. षर्ष्टा. या. त्या. क्या. वीच्या. वीच्या. वीच्या. वीच्या. वीच्या. वीच्या. वीच्या. वीच्या. भ्री.व्या.पषु.त.क्र्य.ग्री.भ्रीज.त्.परीयोबा.भ्रीयय.८८.। ५.क्रूप.ल८.र्इप.ल८.८व्येष.त.जब. श्री दिन कित्र ता त्रीत्र ता वा ता क्षेत्र क्षेत्र ता हो त्ये वा ता ता ते त्ये वा विषय क्षेत्र त्ये वा विषय त र्थवा.यंबा.पङ्षा.तपु.श्रेपबा.र्टा. चवा.वोल्य.चोवाबाता.ची.शक्ष्यर.पड्यंबाला.मेंबा सैरायाग्री.र्यायाः असूयः वृत्। वाद्राम्याः प्रेयाः प्रेयाः रायाः याद्रास्यायाः वाद्रास्यायाः वाद्रास्यायाः वित मैयाचिटाट्र्याल्टामैलाट्याङ्ग्टाट्वोम्भयाहाटगारायवाययाञ्चटायाख्याख्याख्या यर.ज.भट्र. विश्वश्व. श्वेश. वेचट. टे. वर्षेश. तथ. टेव. चक्षे. तज. कुर. कि. पट्टे. तप्ते. ન્વનઃશ્રુવાના વૃષા છે.ખ., લુંશા શાસીના ક્રી.ના શ્રુદ્ધાં વિશ્વ શામી ક્રી. ત્યાં વેશા છે.ખ. છે. म्री.यक्षेष.ता.तीष.गुट.था.वोष्यात्रवात्रात्राक्षेटाक्री.तपु.यक्षेष.ता.त्राट थेष्रवात्रापु.व्ह्याया.पे. ર્ફ્સ ત્યાં માં ક્ષ્મ લા ક્ષેત્ર તાલું चन्नन्त्रं क्रि.शक्ष्यं नेयायाश्चरः हात्त्रं अत्य वत्त्रं या क्षेत्रः विश्वरायाः वित्रं विश्वरायाः वित्रं विश्वरायाः धरःविवानुःग्रायायाः

<u> ५५८-यायया.ग्रीया.मीता.सू.सू.सू.सू.दू.दू.य.यारीटा.मीटा.सू.या.ग्री.टा.सू.या.टा.सू.या.टा.</u>  $\hat{\eta} \neq \hat{\varphi} = \hat{\varphi} + \hat{\varphi} +$ [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.] [a.u.t.]चक्या। ट्य.क्रुवा.वाकुवा.ये.चश्चैच.त.जा। श्चे.ज.चर्ट्र.चषु.प्रवायाक्चेट.क्र्ट्री। ज्र्वा.तपु.ह्रे. र्तिट.क्रम.ज.स्या, क्र्यातपु.सैययायी.क्र्यामैज.वी.वरिट.क्रैर.लुय.क्षेत्रातपु.सूययाता. ग्री-पान्ता "क्रमामुनायान्तानु सम्बद्धान्य स्तानान्त्र सामान्त्र सामान्य सामान्य सामान्य सामान्य सामान्य सामान त्रम् वार्ष्यान्य त्रित्या प्राधिवाया ह्या तर्ष्य त्र श्रुम् खेन्य वार्ष्य त्र वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्य वार्य वार्य वार्ष वार्ष वार्य वार्य वार्य वार्य वार्ष वार्य भैत्राश्चित्रक्षाः विद्याः विद्याः विद्याः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व हुं पक्ष्याव कुं यर्ष्व रे वे कपायर् प्रति। प्राप्त प्र प्राप्त प्राप् श्रावयाय ति.श्रीया.भ्री, चुरावा कि.वी.शह्ता श्रुटी श्रुटी श्रीवायश्याय अर्था भ्रीटा वीपेरा लुवा.सूर्वाया.यं या.सिटा.यक्षेत्र.ता.र्टा.। सू.र्टा.कुंबालाययया.ता.र्टा.। क्षेंग्रे.या.श्राट्या.ता. ८८। इ.लु.अट.२८.२वा.झॅट.सूर्यायालयाचिट.त्रर.चीवायातात्वा.लया.सुवायाता.पट्ट. रुष.वोट.लुष.त.टु.भ्री.वोष्य.पह्वो.वाश्वेश.जय.ही.श.चींट.चुष.तपु.पूर्वा.पे.चींट.टा.चे. क्षेवा.लुब.जा थ्रा.जू.चम्.कूंट.ह्या.सवा.बया.घ.व.पर्विश.सवा.शट.तूपु.पुट.टवा.मूब.ट्.पुर. चःबार्च्र-तृःषेःवोर-पन्पायः तथाः प्रदेशेः तह्त्राः श्चीरः त्रेः रेवाषायवाः वोः त्रं श्चीराः तर्रः श्चीयः परः पर्क्रेवर्र्येत्रर्भेत्र्रित्। देरविवरवद्यो रेषायास्याध्य प्रवर्षेषायास्य स्वर्धे चेषान्ता न्राचायायाचे के मेषानिवा चित्रकृता केषणाया क्वें स्वरणी देवाया वे सर्वा म्मान्याः विषायः भ्रमाः विषायः भ्रमः म्मान्यः क्ष्यः मान्यः मान्यः निषायः क्ष्यः यशिषातपुरम्यायात्रास्यायात्रात्यायात्रात्रायात्रात्रायात्रात्यायात्रात्रायात्रात्रायात्रात्रायात्रात्रायात्रा पर्वितात्वराष्ट्रीत्रायुः हीत्। सून् त्रायून् त्यून् र्यवायाया तर्ने त्वा ही हीं स्व ह्याया हीया पर्सं अते वाबेर प्राप्त प्राप्त वाबेर

१७५५)गुट पत्रेत् है। इ पर्द्र पॅति वित्र राज्य द्वा वाष्य हो लॅट छे प्रका "पर पिराया मूर्या स्थान स्था योष्ट्रमा निवाः स्त्रान्त्रम् स्वायाः स्त्रान्त्रम् स्त्रान्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् त्वा क्रिय विश्वाय प्रमा द्या द्या विश्वाय विषय प्रमा द्या क्षिय विश्वाय विश्वाय विश्वाय विश्वाय विश्वाय विश्व <u> इंदि.कैंट.टे.पट्टेट.तपु.ट्रा.त.यु.श्रट.ट्री फ्ट.ग्रीय.तीया.तीया.यध्य.ग्री.कैंट.त.क्ष्या.ग्रट.</u> म्री.वर्टिट.क्टि.पूट.ब्रीट.व्री.क्टि.स्रि.चर्चा.स्र्याया.स्र्याया.म्रीयायाच्यायाच्यायायायायाया <u>६.</u>९.पर्यिट्यातीजायचेटातायात्रजल्,श्राट्टीप्षथ्याञ्चलाञ्चाञ्चाकाजायाच्या यान्व संक्रिव र्रा न्याया देशके न्या क्रा क्रा महिला ही सक्ष्रिया है सक्ष्रिया देशका है स्वर्थ क्रा है स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य तीय.टे.स्थय.त्य.र.ह्ट.हे.क्य.मैय.मै.वी.वीटेट.कैट.टे.पर्विट्य.,खेय.टार्चट.ट्री तीय. चम्य.मी.मैंट.तपु.रचट.र्.मिश.य.अर्ट्र.पिश्चा.शी.मुय.पे.शट.च.पर्ट.मी क्र्यातपु.रुच. ८वार-८०लाबा "वाक्रेव सुवा पहुंच की खाला वि हो वार्षेव वालेवा देते खाला ही हो सेवा पा अर्गुयी खे. या अर्मुयी वर्ष्टि. सुपु. श्रया खे. पूर्ट रिटाला अर्मुयी हुपु. श्रीट रिटा खेटा रहिता वर्षयः तीया घट्र. विश्व अट. ट्र. अव्याटटा मैया. प्रवायायायाया अ. दश्याया "तीया प्रधेय. प्रधेया विश्व श्रमाया हि.ट्.भर्म् व.क्षेत्री ट्र.ज.श्रमायाध्यायाध्यायाहित्यात्तराकु.य.स्वातात्राम्यायाह्ये याः अर्ग्या ने याः अर्ग्य ग्री श्रयः ने र्द्र नियाः अर्ग्य नितः कुन्तरा स्वापः स्वापः बार्ट्र, विषय त्र वे त्र प्राप्त त्र प्राप्त क्षा त्र विष्ट त्र त्र क्षा त्र विष्ट त्र क्षा त्र विष्ट त्र क्षा यह्रव मुःश्रमाचि से अर्वेव अवेव। देते श्रमाचि से रेवा या अर्वेव। वे अ अर्वेव। वाह्य रेवेते ब्रया. थे. पूर्ट. र्टराजा मी. अर्गुयी रुपु. मैंट. रा. प्रीट. पूर्ट. रटर प्रव सीजी अर्ट्र. विश्व अर. ट्...बुय.क्र्यं.प्रथ.क्षा.जथ.ज्रं.क्ष्यं.त्या.कु.त्रम.योक्र्यं.अर्थ्यं.पर्विट.ट्रं

मुलः भूव : क्व : याञ्च पाळ पाळा । अ चे चा : स्व चा : स्व ची : स्व पत्त्र्यानाः त्रीयः चेराना पर्नाः स्ट्रान्याना वायाः न्यान्ता न्यान्याः न्यान्याः न्यान्याः न्यान्याः न्यान्या र्यायः हूँ य , ६४ (रज्या , , वाधुयारा व्रि. क्रं , विषया हूँ य . प्रे. हूं र . वि. तीया क्रुय . वर्ष्ट्र . वर्षे . व ब्र्याया. अर्ट्. श्रैट. तता. कुर. ता. अट्ठ. अह्ट. तया. श्रैट. टि. मैल. मित्रया. ईवा. क्या या. बुया. चीवायाच्चेटा ब्रियाझार्ट्यक्रयालास्वायाच्याचीताचीटाञ्चेटाचीटाः ब्रेयासास्याचीताचीता रचया.जू.कैयातवा.जू.कुरावाद्धवा.अर्थ्यत्यायी.चन्दीराजयात्वा.कुंतु.कैंट.चरावश्यायट्टर. लूट्रतपु:ब्र्रूबर्स्थरवालट्स्राचीट्रद्र। त्वाग्यटाबूट्रिट्रट्यायाचीवर्ड्स्टर्स्टर्स्याकुष जयः ट्रम्थाः हुतः श्रुटः रचमा चम् प्राम्यः स्त्राः च स्त्राः च स्राम्यः स्त्राः स्त्राः च स्त् <u> मी.ब्रथ.वोष्ठभःकृ.पूर्य.ब्रैट.रेटा पूर्य.ब्रैट.रेट.कृवा.सू.वचय.</u>क्रैल.ब्रू.वाध्रुका.मी.ब्रब श्राप्तराचित्रात्त्रात्त्राच्या प्रायाः वर्षेत्रः चर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष बु.८८.झै.बश.चचर.जुवाबा.चर्श्व.वाधुब.जबा इ.श.ज.चु.चग्र.चुब.च्ड्रवाब.त.८८.झै.श. स्तरान् से स्तर्भात्ता विरक्षे विष्टुत्र विष्या विरक्षात्व विष्टुत्र वित्य विष्या विष्या विरक्षा विष्या विरक्ष मैज.च.र्ट.। बूर.बूथ.र। ब्रैथ.क्र.ट्र्य.क्रुथ.त.र्टट.ब्रिथ.वैट.च.लुथ.ज क्र.च.र्झ.मैज.  $\neg g \cdot \widehat{\P}^{L} \cdot g \cdot \widehat{\Re}^{L} \cdot \widehat{\Im}^{L} \cdot \widehat{\Im}^{L} \cdot \widehat{G} \cdot \widehat{\Re}^{L} \cdot \widehat{g} \cdot \widehat{G}$ प्रथम, ट्रम्म, मृत्य, त्राप्ता कुटाचा श्रुवा श्रुवा स्त्रेवा स्त क्षशः भूटः चः धेवः र्वे।

કુદા ક્ર્યાપર્શેત્તાપુર, યું, શ્રેયાક્રેત્ત ક્રેત્ત ક્રેત્ત સ્વાયત્ર ત્યું, ત્વાયત્ર ક્રેયા સ્વાયત્ર ક્રિયા શ્રેયા સ્વાયત્ર ક્રિયા સ્વાયત્ર કર્મા સ્વાયત્ર કર્મા સ્વાયત્ર ક્રિયા સ્વાયત્ર કર્મા સ્વયા સ્વયા

म्री.विट्य.पट्टे.लीज.म्रेट.त्र.म्र.म्र.चिंच.चीट्य.ट्यां चिंच्य.पट्टे.लीज.म्रेट.स्यां चार्य.ट्यां चिंच्य.पट्टे.लीज.म्रेट.स्यां चार्य.ट्यां चार्य.चीयः म्री.चीयंत्र.चिंट्य.म्रेट्य.म्रेट्य.म्र्यं चार्यः च्यां च्यां चिंच्यः चिंच्यः च्यां च्यां

ग्री.क्ट.क्र्य.पर्वेट.जम् ,,ट्रथम.वे.चज.टा.वय.यावप.मेज.अक्व.व्री यट्र.विभग.ट्रथम. ग्री.लीज.टे..झे.बूंट.ट्योर.ट्राप्ट.कैंट.जबा ट्रा्य.कुर्य.क्येज.वचट.ब्र्याबा बाश्ची.तपु.ह्येर. लयायहूर्याषुटा। री.ट्युयाचितालयाया.मुखातमायविटातपु.क्यूटायटाराक्यियाचवटाखेया चीवायात्रपु:ख्रयाने,,,ख्रयावीयत्या पट्रालाम्,ताज्ञ्यास्त्रप्राच्याक्ष्यास्त्रप्राच्या ट्रथल के कूट त्यार द्राप्त किट जाया या शे तपुर पहीय जाया पहाँच तपुर ट्राप्त क्रिया की या पर चनटार्राची लटायाम्भेषुरिट्र्य्य.क्षयाचेराचेर्याच्याचटाम्बट्याचीत्राचन्याच्याच्या तपु.र्धंयाविष्यं विष्यं कुष्यः मैजायाचारा स्त्राज्ञेषाता रात्रा विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं यवा.चोवाबाता.मीजा.षष्ट्य.मीबा.षाट्रा.कूंटा.मी.ट्रा्य.कुय.चेबा.क्ष्वा.कूंटा.क्ष्टा.जू.क्ष्या.नबा. योबारानाः क्षेत्रः मुखानान नामान्यः देते होते क्षेत्रः धोवान प्रति । भीनवाने रास्ति । क्षेत्रः विष्यावा योबाया लान्यंत्र केत्र गासुसालका सेन्यका क्षां का सुति नर्यंत्र केत्र सुलाना नवन सें ते निवानिका देव :केव :पर्झ्व :ग्री:कुट्-पः धेव :पर :क्षट्या ग्री:र्रा है :पर्य :उ.४०/१०४ :पर्य :पर्य सम्भीते : *त्रीया* मुंद्रा कुष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट निष्ट निष्ट कुष्ट कुष्ट कुष्ट निष्ट कुष्ट  $4. rac{1}{2} - 2 
ho rac{1$ र्रा. त्रुव. त्रमः मी. त्रूट. त्रुवा. क्षटा ८०० लाषा त्यन् ही. ही. षा. क्षेत्रः व. षा. भी. तपु. पह्येव. लाषा. यह्र्य.त.र्जुय.तपु.रूच.यी मैजाय.यचट.त्.यरू.विषया.ग्री.ट्र्य्य.क्ष्य.टे.या.भ्री.तथा.यःभूया. तपुर्ध्यामे बाश्चीतपुर्ध्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् स्वामाग्री'तस्वमायमायस्व राते द्वास्त्रम् स्वामायस्य वर्षे में प्रति स्वामायस्य स्वामायस्य स्वामायस्य स्वामायस्य क्रियात्मयाः, थाट्रीयिष्ययाः श्रीटात्मीः श्रीतित्य दियाः यो भिष्याः भिष्यः भिष्याः भिष्याः भिष्याः भिष्याः भिष्याः भिष्याः भिष्याः भिष्यः भिष्याः भिष्याः भिष्यः भिष्यः भिष्यः भिष्यः भिष्यः भिष्य ८८. ट्रेंब. पर. है। श्रेनब. ट्रे. ब्रे. ब्रा. ब्रा. ज्या. ज्या. त्या. नियः प्रा. च्रा. व्या. क्या. व्या. क्या. त्र्यान्त्र्य्यात्रान्त्रात्याक्ष्यान्य्र्य्यात्राक्ष्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र [यारे रे त्या प्रेंत केव रे रे ] कुयारी प्रंत अर्केष्ण प्राची वाता विवास के व तर्वा"हेशप्रम्राराष्ट्ररार्स्

 $\begin{aligned} & \text{du.L.yla.nogal.dec.gel.gel.dec.ell.dec$ 

ष्रकूर्वात्वचटार्युपुःष्र्मक्ष्यात्रेवात्त्वायायाः स्वायायाः व्यक्तात्वाः व्यक्तात्वाः बट.वोबाजाजाूट.ट्या.क्षेत्रा जूट्या.चोवायाची.जी.जा.ही.ब्या.थावप.मीजायक्य.वी पही.वीट. यार्व रत्यायां मेर होट १७४० व्याप्त स्मार्थ वा वा ही व्या आवत मुवा अर्ख्य हे हे इत्रावारात्राचित्राविकाताचुना त्राच्या अर्थेष्याच्या विष्या त्राच्या विष्या विष्या विषय विषय विषय विषय विषय वि श्चिंगार्न्, योर्ट्र त्यी. येथा थी. की. या प्रतिष्या ता त्या त्राया त्या प्रया त्या त्या त्या त्या त्या त्या त <u> तम्मेर् र्यो.तर्म्य जियोयाजा स्थापयायायाया र्योराज्य प्रीर्यं प्रीर्थं प्रीर्थं प्रीर्थं प्रीर्थं प्रीर्थं प</u> चेत्र. वेच मान्य मान पर्येशःश्चेत्रोक्ष्रद्रात्वीयेषात्रात्राच्चे ग्रीटार्टा सङ्ग्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राचित्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्राची श्चेत्रात्राची श्चेत्राची श्चेत्र श्चेत्राची श्चेत्र श् र्न्य्य.रट.ज्.वाश्वा.क्य.पद्म.वीट.वी.र्न्य्य.भी.लट.थह्री गीय.वीय.त्यीर.खुट.कु.क्र्य. स्व स्वाया स्वाया माना हिता त्राया स्वाप स्व त्रष्ट्रेय.त्रम.ह्र्वायातपु.ष्रक्य.येषा.थावप.मैजा.षक्य.टी.वार्युजा पद्मि.वीट.स्य.त्रा.कु.भी. शकृट.र्टा भाभारा.ट्र.यधुष.वांचेवायाता या.भी.रा.कृष.र्ज्ञा ह्रावाया.कृष.कृष.ह्रा.स्वाया.लूट्या चीवाया अधर धूंत्रारी अप्तायपुर इतायपुर राजानिया धूरा कुट प्राप्त हैवा छ र रे हिवा ही । चर चत्वारा चर चन् दें।

## यासुस्र। यार्कटर्तुसाग्री:प्रसायस्याये:री:कुथार्थे।

चिश्रभ्यः स्टिन्तः स

ख्याः त्रीत्र क्ष्री विषयः व

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}$ 

भैत्रमास्याः स्याविटः र्याः वटः विवाः श्विटः रीया ट्रायसः स्थ्यः स्थयः स्थयः विवासितः स्विटः स्विटः स्विटः स् इं.सर्थ.क्ष्यं.क्र्र्ट.नपु.मुर्च.ग्रीश.क्र्या.वि.टितंट.चरुषाञ्चीयायात्रवात्रक्र्यायर.प्रट.यया वि. <u> अट.ट्र्य मुंब मी.लय.सेल.ह्याय.टा.टट.ट्य्य.ची.ह्.लय.सट.के.टीय.शट.यी.क्या.यट.</u> यम्द्राह्मे अक्क् वित्र तयम्ब्र स्वयाम् स्वयाम् स्वयाम् । वि उत्तर्षेष्याम् । वि उत्तर्षेष्याम् । घट.कु.चर.बैट.। चुट.लब.जूर.चूर.रेषट.बिला.चचश्रश.चुट.रेब्र.चक्षेत्र.ख.थश.कब. પર્શેત.ધું.ખ.ર્જ્ય.તૂબ.ર્તાના ક્રીર્ટ.શૂવીયા મુશામૂં. જાદ્દ્રેન. તું.વાર્ટ્ચ્યા ક્રે. જ્વયા શે. જા. શે. પ્રાંચેત્રો अर त्याप्रमानम् वर्षा पर्स्य । पर्द्य वर्षा चेत् प्रवेत प्रवेत प्रवेत प्रवेत प्रवेत प्रवेत प्रवेत । प्रवेत न्यवान्त्र्यं न् र्स्त्रान् र्स्त्र क्ष्यं व्यान् विवान्वेषा व्यान्त्र्या स्थान् व्यान्त्र विवान्वेषा विवान्त्र विवा र्रथः क्रॅट्र-ट्वो क्रुषः सः ट्रग्ररः द्रवा द्रवः श्चर् छो द्रवा तः ख्रुवा वो प्यरः ट्रपटः पश्चरः प्रार्टा जट.वी.र्यश्वा.से.वि.क्य.जयर.ला.च्.यचीर.श्वय.खुवी.लुय.तर.यघर.कुटा कूबा.यचीर. र्राः श्चिर-र्तर-श्चार्य-प्रते अर्थाः श्चेर-प्रते ः श्चेर्यन्ति । यर-वार्ष्ट-वी-र्युट-रह्म । यश्चेर्याः ८८.मै.अ.यपु.यट्र.वोचर् र्वा.वोब्ट.मैंट.जूवो विब्ट.भेंर.र्थं,चुटा बूवो.त्पु.मैज. र्स्व र्यान् रहेषा भ्रान्य रहेषा र्स्ने प्रवासी रहेषा राष्ट्र राष्ट्र प्रवास रहेषा रहेषा राष्ट्र राष्ट र्ताय. ए. प्राप्तां व. त. र्या. प्राप्तां प्राप्तां व. प्रापतां व. प्राप्तां व. प्रापतं व. प्राप्तां व. प्राप्तां व. प्रापतं व. प्रापतं व. प्रापतं व मैजावश्यालय ज्ञान्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विद्या विद्या विद्या क्षिया विद्या क्षिय क्षय क्षिय क् स्वायायभयाः स्वायायप्तर्मनः स्वादः क्रेवः क्षेत्रं यायसः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वार स्वायायस्य ଥିଲ. କି. . ଏହୁର . ମଧ୍ୟ . ଦଥ . ହଥ . ଦଥ . ପ୍ର . ଥି . ହି . ହି . ଅଧ୍ୟ . ମଧ୍ୟ . ଦଥ . ଦଥ . ଅଧ୍ୟ . ହି . ଅଧ୍ୟ . ଅଧି . ଅ ब्रैंट.कुट.। ट्वेंब.वेक्ट.विश्वत्रायाश्वेंब.वी.कै.ता.<sup>(क्</sup>र्वेत.वे.वव्स्ट.ट)श्वेंब्यंब.कूट.स्वेंब ब्रैवायात्य्र्यायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्य्यात्वेत्रात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् चवाः <del>व्</del>र्यः न्त्र्यं वारादेः भ्रानवाः बेवार्नाः व्याः क्ष्यं वार्ताः राम्याः (प्यायाः प्राप्यः स्वाः क्ष्रेनवाः 

$$\begin{split} & \exists \mathsf{L}.\mathsf{LQQ}.\mathsf{L2d}.\mathcal{Q}.\mathsf{UZ}.\mathcal{Q}al, \underline{\mathsf{ML}}.\mathsf{LZ}.\mathcal{Q}a.\mathcal{Q}a.\mathcal{Q}a.\mathsf{Ld}.\mathsf{LQ}a.\mathcal{Q$$

 $\begin{array}{l} & \text{ } \\ \text{ }$ 

भ्रम्यरादेराचे दे कुरादे प्यरार्ख्य स्वेमरा भ्रम्यरा भ्रम्य स्वे प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप क्षेत्र.लाच.ता.लाटा प्रवा.प्रामील.प्रवाया.यंत्रीलाबा ,,तार्ये बार्धा.यतवाबाता.क्षे.खेला.क्षा.वाक्र्या च.ट्र्य.र्जय.ज.क्.श्चट.श्चं.र्जय.ख्जाटी.पचीज.क्ष्य.तीज.चपु.ज्ञ्चं.वजा.बजा.क्र्या.पचीटाटी. लूट.त.क्षेत्र.क्ष्य.चेंब्र.चटवा.क्षेट.विटब्र.लुब्र.वीट्र.,,बुब्र.त.क्षेत्र.टूब्र.लूट्रकीज.वी.त. र्या. हे. ही. ज्. १८०४ ज्रूर. प्रचायाता के. भी. होट. वायीयाता अधूट. वार्ट्य कियाता क्. वा. श्रीट. यो.योचया.५५ सेवाया २०४ सी. से.८८. लया.यो. ब्र्या. रे. एटील. कुच. सील. खुटा सीचया. ट्रेप. यो.स. श्रात्यः स्टरः त्राः धीत्रः यात्राः तत्यः क्षेत्रः चीः माः भीताः वाचतः चीत्रः धीतः धीतः स्टरः भीतः स्टरः स्टरः ग्रीटा विज्ञः क्र्यापर्विटा 1 + 1ज्या "त्राप्तः मुणः प्याप्यः व्याप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वा ब्रिंग.टे.वोटेथ.टेट्या मैज.त्र्रा मैज.ब्र्रा ग्राय.ट्रेथ.ल्रंट.मैजा क्र्य.सैर.टा मैज.रुवाय.टेर्वर. र्मवाषास्यास्य प्राप्त हो स्वार्भास्य स्वार्थ द्यात्रयात्री.वोयतात्रयात्रात्रात्र्यात्रेत्। ते.द्या.बुवा.लूत्रत्यात्राचातात्र्यात्रयात्र्यात्रा वियातात्री क्र्यास्त्रमायात्ता मुलानेयायात्र्यं सेवायात्रां संग्राह्म स्वया  $\angle \exists a. \hat{a}. \hat{a}$ બ.તૂ.  $\angle -\hat{a}$ બ. જૂ. ઢાa.તૂ.  $\angle a$ aa.  $\hat{y}. \forall a$ a $\cdot \hat{a}$ रेक्ष'र्म्)'दा'र्स्रवाषा'सावषा'सादा'वादिषा'स्व'सी'दवे'चिर्व'दिर्व'दिर्व'सीट्र'सीट्र' तपु.चैट.बॅ.ज.के.चेपु.मैज.द्रवाबाकु.बुट.अच्च.च.क्ष्या.ग्री.सैर.टेटा ट्रेपु.वाध्यार्टे.जेट.

च.मु.मैज.त्या.चज.कं.मुच.त्य.कुम.चश्री.भ्रैज.टेट्य.पचेज.ग्री.मुश.ता.कु.पटे.खेयो.चेय. लूट्जुट्जुर्जुयाग्रीटा ट्रिइ ह्यास्याट्र हो तावास्ट तया गुरु ता स्था द्वीट्या स्हे (१८०८-१८७८)८२: में राष्ट्रेव वया वर्ष क्षा महिता हैर क्षा क्षेत्र के स्था के राष्ट्र का किया के स्था के स्था के भैत्रान्र-पूर्याच्याक्षाक्ष्यात्र्रम्भूत्वाच्यान्यात्रम् अत्यान्त्रम् विषयः श्राद्धाः स्वारं के स्वारं के त्या वार्ष्ट्राप्या गुर्द्दाप्या गुर्द्दा स्वारं के स्वरं के स्वारं के स्वार यय.पर्यंत.कुर्य.संज.यपु.चेययाजायच्येय.ता.खेवा.यु.चेथा.लूर्य.ह्या.जो वाक्र्य.तथा.पर्यंता. केव.र्लज.तपु.र्वज्ञ.ज.रम्रेथ.यय.र्ट्य.पट्ट.र्वेवोय.ज.र्ट्य्वो.तपु.च्यय.जय.वावय.युट. त्रमा स्मित्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्त्रम् चर्ग्रित्राची कवाबाखेत्रस्य क्षाच्याचेत्रस्य क्षित् ब्रियोबाञ्चित्यत्वा इं.ब्रुट.कुर्य.तूबाच्चा.चर्ये.कूर्य.जाञ्चेत्रवा ट्रे.वया.धुर्य.जञा.ब्र्या.ब्री. ब्र्वा.ग्री क.जेवाब.लूट्.टा.इं.चक्चे.वालब.चंब.वांचेऱ॥ मेट.जेवाब.पट्.ट.इं.चक्चे.वाल्च. वयायोचेर्या थर.धू.ह्य.स्या.स्था.श्रीया.श्रर.ह्यटा.टटा। पक्षत्रा.टटा.क्रेट.क्रे.ट्राया.ये.थ्रट. त.श्र्याया। पर्वर.ज्याचर्चैर.यपु.मैज.त्यु.शटप.घट.य्या। तथ्या.पे.याक्ट.डूंट.चेज. क्षाःभूरःश्रूरः प्रतिजानमायायायाया । देनाः हूना वयायन्य । स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वयाया स् क्ष्यायट्री, मृत्याच्याक्षाक्षाक्षात्राययाषायायाः सुः ह्युव । यह्येव । यह्येव । यह्येव । यह्येव । यह्येव । यह

चे.मु.मु.भ.सूत्राविताङ्गातत्वावायायाः स्त्रमातत्वायाः क्रेवास्त्रयाः क्रांचाः स्त्राम्यावावायाः में स्त्राम्या लुवा.चेज.ट्यार.बु.जूट.बाड्सट.टा.गीच.बूजा.उ०तज्या ,,श्यूच.टु.टु.वु.च्य्य.बाट्र.विषय. याधीक्या क्र.प.सिटाबुयास्ट्राचियान्ते, त्री स्र्रिटी। स्रे.त्राचियाय्यास्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्टर् यशिट.यी.योथ्याःअक्ताःश्च्रीयाःथा.योथ्याःथीयाया। शिवायाःग्री.योथ्याःअक्ताःस्.ह.हेताःट्यारः त्त्रेया में .क्या क्रि. क्षे. क्षे विय.चेट्य.श्रट.यर्ह्ट.यट्य.लूटी। क्र्य.योट्ट.योशेश.टट.ब्र्ट.योट्टेर.यम्. द्य.पर्वेग्या। दे'धी'नुद्र'र्स्चेवाबार्ज्ज्ञेवा'वावबारवर्ष्वा'वा। र्दे'हे'यवा'वार्द्रद्र्यु'धी'वर्गेद्र'प्र'द्र्रा क्षें'कुव' बाङ्क् त्यंत्र झैं व. र्जे. वयोष विचित्र हो। यटा व्रिय विक्र अप अव्याय व्याप्त स्थाय विवास  $\hat{\mathbf{a}}$ त्रकुर्य,त्याप,त्यमेट्र,क्षं,ळू्याय,ट्रा। ब्रूप्त,य,ट्याप,क्रूप्र,य्याप्त,य्र्य,  $\hat{\mathbf{a}}$ प, यह्या <u> र्यार.श्रर. र्ट. थ्या. स्याश. पर्याथा त्र प्रायत्र प्राय. प्रायः स्था त्र श्री त्र श्री त्र श्री त्र श्री त</u> ८८. थ्री। मैज. कुष. ह्रां. तथु. ८तर. त्रां शावर. पर्मे. ८८.।। चगाय. ह्र्रं ८.८४. छष. मेट ४. थ्रेट. रा:ल्रिं।।" द्रिय:स्वाया:क्रियार्ट्र अर्क्टर:प्रति:यात्रयार्ट्रि:भ्रॅट्र क्रिट्रियाः ग्री:प्रवायः वार्यः

क्रीट्याटी अट्टा टि.पटी. वियानपु. विट्टा न्यू , क्रिट्य अप क्षेत्र , क्षेत्र अप क्षेत्र , क्षेत्र , वियानपु. विट्टा न्यू , विट्टा न्यू , क्षेत्र , व्यू अप , व्यू अप

नु.रू.मैज.रूपु.शु.योचुया.टु.वु.पट्.खुवा.लूट.ता.लटा विश्वयायचीवा.क्षा.घरा.ये.दिज्या भूवा वियातमा मैलार्युषु क्या घराला यिलार्यवाया विया स्वंत क्या करा त्या भूवा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा च्यान्यस्त्राणीयान्त्रीत्राम्यस्यायस्त्राम्यस्तायस्यायः रेगाबाञ्चेयात् 'चन्दाचरामाबेर'त्द्यायार्बे'म्चद्याः म्दार्वाचेत् 'चन्द्राः स्वार्वाचेत् 'चन्द्राः स्वार्वाचेत् रिल.जुट्य.पट्ट.लूर.ची.य.जय.र्र.वि.त्य.जय.र्य.या.व्य.ज्य.वी.जूर्य.वीय.स्वीय.स्वीय.प्र.चीय.स्वीय.प्र.च षिःसूर्-ग्रीट्-पर्ट-व्यःसूर्-नि-व-र्ट-। क्रैंशःस्वी.वी.मुवीयालाःपर्ट्याचीट्याःपट्नाःसूर्-नि-वः ८८। ब्रि.विश.विश.वया.स्वा.बुजायाया.स्वायायाचीयाम्वयः स्व. व्य.व. १८८ व । भ्रा. यळ्याया त्रविवायः र्या क्रुवायः ज्ञ्चायः अवः अवः वश्चितः अवः तस्यः प्रः तस्यः प्रः तस्यः प्रः तस्यः व्यायः अवः व्यायः य क्र्याया. स्र्याया. इ. सेट. संस्था तस्ट्रिट. बुर. व्या चिया व्यव ट. क्र्या त्या व्यव त्या व्यव त्या व्यव त्या व  $\label{eq:continuity} \text{cl}_{L_{1}} = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{$ श्रावय.ग्रीट.कुर.थु.पर्यवा विचित्र.सू.ज.हूट्य.पर्ट्यय.झूज.क्ट्.थु.पर्यवा.ग्रीटा चिवा. यार्द्धरायर्द्रवाची अर्क्षन ही वाचीनायाय होया त्या तहें वा होया व्याप्त होया वा व २२३"चुर्यानाके त्याचुर्यासुर्याकुरान्या वितास्त्रात्त्रा के वितास्त्रात्त्रा के वितास्त्रात्त्रा के वितास्त्र अ.बार्ट्रवाय.च्ट.लूट.श.बार्ट्रट.। वाय.ब्रुट.श्चे.ट्र.खे.ट्रय.से.खिट.चयेट.लट.पद्यत.अ.येथ. . इत्र हे. तमु : इवा : देवा : देवा : तम् । अवा : तमु : देवा : वर्ष : वा नित्र : हे वा निर्दे : वे : वे : वे : व

यद्यु. प्रमूट, वेषया. टेकर, ब्रियोया.जा. श्रीय. प्रपु. श्रीयापका. श्रीयापका. श्रीयापका. श्रीयापका. श्रीयापका. अव्याप्त्रं व र्क्ष्या क्ष्या क्ष्या मुवाया प्रति । श्रुवा प्रति । श्रुवा प्रति । श्रुवा प्रति । श्रुवा प्रति । मैलाअक्ष्यान्तातर्मून्यायाद्वयात्तरात्त्रात्त्राञ्चेनाञ्च वित्राञ्चेताञ्च वित्राची टी.क्रील.क्री.खे.ल.वोषवा.तपु.पू.क्रुपु. ह.त. तस्रीवा.ज्य . चेश्वा.वा परीवा. याश्वा तस्रेय. पर्याता देते.र्त्यः श्वरः बीर्यं वार्ष्यं अक्ष्यं या स्वरः वीयः या देः त्ररः वरा क्षेत्राः खरः या स्वरः दिरः तुः मैलाल्य अकूट इंग वयाल्या पड्डिलाल्य प्राचुय अक्ष्यय ह्रीं माने मेर वियाग्रामा ह्रीया तपुःभ्रेषावाष्यः टेक्न्याहः तपुष्यः भावाष्टः याञ्चाषायाचाषा नियः टेन्दः प्राथः क्रियः स्था च८.श्रवर.विवा.८८.। वि.मैज.धु८.षट्री.विष्ठ. पक्षेष.तर.कूष.य्या.शूष.ज्ञा.वर. र्तिट.कुरं केवोबा. हे. शावर विदाय सूर्यु रिया पश्चिर ही हीट. खुटा। कें. क्ट्रावट खूर कुर्यु र्त्या ह्रिंदाविषा द्वाया मुख्या पहिंदा क्षेत्र प्राचीयाया दे प्राचीया दे प्राचीया स्वाया मुख्या मुख्या स्वाया चॅवा त्वाद विवा वितरण त्या प्रवीद राम स्ट त्या केर सार मृत्र वित प्रवीद र से हूं प्रवासी त्रुष्ट, त्र्र्व्य, श्रीट, तर्क्य, तथ्वा । षट्ट, श्लीच्या, पर्चिव, ता.चीच, त्राचा, प्राचीच, त्र्या, त्राचीच, त्र्या, त्राचीच, त्र्या, त्राचीच, त्रा मुलालान्तरकेरान्यवा मुवा से लेवाबा ब्रवा प्रवा के के दिले प्रात्तर स्था पर विवा प्रवा विवा प्रवा विवा प्रवा वि वियामित्। मैकात्राप्टाप्टाप्रम् त्राप्टा प्रमुप्ताप्टाप्टा प्रमुप्ताप्टाप्टा मैकाप्टाप्टाप्टाप्टी भ्रम्यान्व्यं न्यां अर्थे। व्यव्यान्य अर्थेया त्येति भ्राप्ते व्याप्ते व्यव्यान्य व्यव्यान्य व्यव्यान्य व्यव्या ॺॣॕॴॱॻऀ८ॱ८ॱ८८ॱॾॣॴॱख़॓८ॱॴॸॱॿ८ॱ८८ॱतुॱक़ॗॴॱॲवॱऒक़ॕ॔॔॔ॱॾॸॱ*ॺॴ*ऒॴॱढ़ॻॖ॓ॴॱॲ॔॔॔॔ क्षेत्रथानुः द्वः द्वः कुषुः त्यः वदः त्वीवा अक्ष्य्यः क्ष्रूरः विषाग्रीटः। द्वः कुषुः क्ष्रुवायः वयः श्चैवः तपु.भेष.वोषथ.टेगूट्य.हु.युष्ट्र.याषट.त.सूर्वाय.वोवाय.ट्यट.टे.जिय.ग्रूट्र.झ.वर.

र्टुतःक्ष्यःलटः विषयः तत्त्र्याः इत्रः य०५०४षा "चे देते हो स्राध्यः छन् ग्रीका विच दिनः हः मिन.वीट.परेवी.जुब.बूज.लूरे.ता.चुर.वेबास्यवि.वोचट.प्र.चुर.ग्रीच.परेवी.तथी क्र्. न्यन्यो देव न्याये के स्वार्थ के स्वार्थ निवास के त्या न्नन्यंत्राया दे र्वे के प्रते विन न्न्त्र हु र्ड्य विन यस है येन् देना सामा है । यह निम्न ट्रे.पर्वेज.ट्रेब्र्य.वर्षेट्य.तर्म जवीबा ट्रे.योब्र.क्र्वा ट्रिम.ब्र.च्र.ब्रट्स.स्रम्. यामहें र प्राचर्ख्या पर पेट्र र र मी ही र सेवाया स्था हिन् त्यत र भूर व्या हिन् ही र लयट.जु.चर्.चर.पर्वा.मिट.ट.बु.पु.स्.चू.कु.तपु.बु.तथरी बूर.पहूर्वा.चेब.त.लब.बु.ट. क्षे.वाध्याक्षे.लूट्.त.पट्ट.ट्वाप.त्यथा.बे.लुच.पट्वा.त्रम् जुवाब.बू.वाश्चेट्या यट.च्य. र्यर.खे.यर.स्यका.भाजीर.। भाषात्र.क्ष्या.बाधूर.भाजू.स्वा.सं.वाच्या. लुब्र-बिंद्यंब्र-ले.ट्व्यंब्र-विव्याचार्येट्यात्तर्ट, खुर्येब्र-तर्र-वि-विश्वेट्य-चुर-क्रीटा ट्र-प्रवाकी. म्,कपु.प्रवायावाद्या.योट्.या.येंट्या प्र.प्.कु.ता.ट्टाव.यळी.पर्मिवाया.यथप.लावा.ह्या. विश्वभाष्ट्रमा अविश्वभाष्ट्रमा अविश्वभाष्ट्रमा अविश्वभाष्ट्रमा अविश्वभाष्ट्रमा अविश्वभाष्ट्रमा अविश्वभाष्ट्रमा यर.पश्च.श्रायय.धुवा.ताय.तायाजा.पर्वा.कृटः। जूवा.मै.र्ट.पर्कीर.क्षेर.भैतया.र्ट्र.या. र्रमुलर्चेषाशुचर्प्याम्अपसूर्वाययेषाशुम्याप्यान्त्रेषास्त्रायर्वायान्त्रेषास्त्रायर्वायान्त्रेषास्त्राय द्रःकुःर्झैजातपुःभीयातरिषाःभ्रीयोजायोययःर्यूट्यात्राःषाःष्ट्राःतपुःभीयःग्रीयान्याः ह्वाबारदे रद्र विवान्त बॅट ग्राट प्रत्र केंद्र केंद्र प्रवेष केंद्र स्ट खार् केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र परीयात्रमा लट्ट्यूय.मी.मेष.परीया.पट्ट्यूय.त.सूर्याय.परीट्ट.पर.मूर्याय. इन्द्र खेंबा दि, यद्वे, यद्वे, यद्वे, व्यादेव, यद्वे, यद्व मुलार्स् नेबान्यवा तिष्वा वी वार्त्र राज्य व्यार्षित र निव्य व्यार्ष्य र निव्य व्यार्ष्य व्यार्ष्य व्यार्ष्य व विवायाः सैटा मेटा ग्री प्यंटा या प्याया सिवा

र्यात्यात्रविषः विषात्वर्तः स्टार् स्टार् क्रि. अक्ष्यः मृषायाया स्वाप्तया विषात्र स्वाप्तया स्वाप्तया स्वाप्त लीजारी.जूबी.ता.चे.श्रॅंप.ट्रा.ट्रेशबी.लूटा.चेबा.पु.ट्रे.कु.लटा.ट्रेब्र्च.ट्टा.ट्रब्ब.त्रप. क्रॅंप.चे.वा. चीवाबात्तपुरवाह्न्यात्र्याक्षाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याची है। दे स्थर । यह शक्ष्युं.वि.श्रॅंट.२०४१ स्पेर.व्रंट भूष्यम्भीः तथान्त्राचारम् अर्गात्राचारम् । त्रात्राचारम् । त्रात्राचारम् । त्रात्राचारम् । त्रात्राचारम् । त्रा श्चित्राचित्रात्रात्रात्राच्या प्रमाधिय। विषयः श्चित्रमाध्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या ८थ.४८.त.के.चेपु.चु.पुप.स्थ.ज्य.कुवा.तपु.पर्यूर.जू.चभूर.च.ज.खेवेथ.ग्रीट.कट. ३८. इस्र.चूरा द्र.च्र.कुर.लट.इं.त.बु.बूवायावावय.टे.टावेवायाचेट.कु.टय.द्र.वाधेयाग्रीयाच्र. द्वात्ते त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र क्ष्यात्ते क्षयत्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्षयत्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्षयत्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्ष्यात्ते क्षयत्ते अक्षात् प्रमृत्य विक्रां व मु.च.च.८तप.चन.पवाप.बुवा.घूर.चम.चे.मुन.टूब.लूट.क्ष्वा.तर.ख्रिम.वम.८सवा.दूट. ह्री लट.ट्यूंब.भें.पर्वेश.मुट.यूर्येब.ज.वाबूट.त.कु.च.विश.चुटा ही.बट.पट्टेब.तपु.भें. याश्राम् स्वायाः हेव व्याम् स्वयाः स्वयाः स्वर्णाः स्वरंणाः स्वरंण य.पट्र.भ्रेयम.तुर्य इं.तप्र.चेंट.यम.स्य.में.क्.रूज.तप्र.ट्वंम.यट.स्य.विम.वयम. म्ना भ्रास्त्र व्यापा भ्री मा व्यापाली मा र्यात्वियावायः ५.१म्। श्चीराङ्गारा रहार तरी भीतवा स्वयं वायं व्यव्याग्नी खे.पठर रहार पठर ८८.८व.८८८.धिय.चक्षेष्रक.के.विट.वी.भेष.श्चेट.अक्ट्र.पटीज.४८.जूवा.धूबा.घेट.ष्र चठर.चर्षियायाः यह्ट.तपुः सियाः सुः स्याः अकूताः सियः त्यः स्याः चक्रेट. टर्स्यः श्रीः राः योषयाः स्य रया ने न्यंत्र म्त्र र्क्य यया वावत वयया रून् न्या तुत्र तर्य यया क्रें सेयया सुन पाये न त.बुवा.बैट.कूट.पटेव ब्रिवा.तू.टत्य.ध्रय.घी.श्रैजारा.लट.खुवा.यथा.श्रेप.पु.मुजार्त.सू. लट.श्राट्च.ब्रीट.ट्वा.सुपु.ब्री.पर्तिजाजा.विवाबा.च्या.श्राट्ट्।विश्वाया.घ्या.घ्या.घ्या.घ्या. र्जया प्रज्ञात्त्र क्षेत्र प्रताने क्षित्र प्रतान क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्षित क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित क्र र्रा पर्व्यावया मुराध्याया मुराध्येतीया स्थाप स्थित स्वाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप र्भेग्रायाययाः भेषासुनाना है। ने मेर कुथार्स ने नितृत्व ते वितायानुगान हिं। ना विवार्सिन ना पर्ट.श्रेश.श्र्री

म्त्राची,क्र्यापन्निटाट्राञ्चरम् मी.अक्ट्राजिटाट्र्यापवापाष्ट्रवापास्त्रयाच्यास्याची एक. चि.श्च.य.तम्बेर.तपु.क्र्य.रेवी.ज.पु.पुपु.रपीट.क्रुय.र्ज्ञेवीय.पु.श्वर.पयुप.शर्ट्यु.रेब. चल्या"न्नेषान्ता "रे र्चि केर यत् हो या वे रहीं याषा यावव पु चल्याषा वेत हो प्राप्त रे योष्ट्रेयाग्रीयाचा देता मिता प्रतास्ता प्रतास्ता प्रतास्ता स्तास्ता स्तास स्तास स्तास स्तास स्तास स्तास स्तास स प्रवापः विवाः मुन्नः त्यम् । प्रवः प्रवः वं व्यापः व्यापः विवापः व्यापः विवापः विवापः विवापः विवापः विवापः विवापः चलम् पार्ट्या मुक्ता ने प्रमा चल्या पार्ट्य के मुक्ता मुक् ब्रॅंट्र क्षे.चे.लुब.ब.जबा भवाबाट्राट्यूब.बीट.टे.चववा.त.बु.पर्चेवा.तपु.ध्वाबा.संब. इस्रमाधित में। विस्रमार्च्या इस्राध्य १०००मा "ने में केते स्राध्य विस्राध्य स्र  $(1/(3/3)^2$  श.जूबा.कुब.तू.वीट.बंब.श.घ.चे.बूं र.थावर.त्तं त.त.टंट.। क्षेवा.तर.वि.टंट्य. यथ्रियात्,यां स्तानाय, ताचयात्राय ताच्यात्राय त्यात्राय त्याच्या क्ष्या त्याच्या स्तान्य त्या स्वाप्य ताच्या स यट्रे.यषु.र्षेत्रातक्षेत्र.कुष्र.त्रा.सह्ट.किट.व्यव्य.व्यव्याचेत्रा.द्यं.क्य. भर्र-ज्यमार्ग्र-तर्वातम् अत्यम्ब सळ्टाम्वामार्भःवा वर्षेवामाःग्रीमारस्या वाचत्राव्वा त्रमास्या व्यव प्रत्या केव्य केषा दे रचे कि त्यति भुष्मुम्माव सक्षु त्या वामव रचेवित्रा अःअह्न-प्रतिःश्रूनशःग्रीशःचःनःतिःत्नःतिष्यःतुः विषाःमुः र्शेनःग्रुटः न्द्न-प्रवेषः क्रेवः स्टः यः र्श्लेवः कुर.भ.चैर.परेवा.तमा लट.टव्ये की. ध्रेय.वाशेष.८ट. झे.वट.टव्ये रा. श्र्वाय. पश्चीर. चरः <del>हू</del> बोबाः इव रश्वारही चाही चाही ख्या होता विद्या होता होता ची खेला चेला र्ट्यूचे.त्.त्यूर्यंचेष्यं प्रथा प्रथा क्षेत्रं र्ट्यूचे ह्यूंच हित्यं विषये विषये विषये विषये विषये विषये विषय बर्ह्न"ठेषायाष्ट्रमार्भे

चुत्र.ये.बिक्य.ट्वा.कु.चपु.चु.दु.सी.चक्च.क्चित.लट.चर्च्त.घीच.पट्वा.क्षे । प्रथ्य.पट्चिता. कु.चीच.अक्ट्वा.पट्चु.की.टुच.लुच्य. खु्य.त.क्ष्य.चर्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च्य.पट्च्य.सी.च.च्य.सी.च्य.सी.च.च्

"चे.प्र.सं.मैजा.ट्र्य लूट.ख्या.संचया.घ्र्या.ध्रंचया.ग्री.पर्व्यः ज्ञान्यं चर्षे रावपुर प्राप्त स्वा लम्पु.मैल.सूपु.र्ताप.८४.ज.पट्रेब.त.र्त्य.लय.र्तट.क्ष्य.वीवाय.क्ष्य.सूय.श्रेर.विषय. र्जिट.मैज.तूपु.मैज.विश्वय.लर्थ.ल. रुष.तर.ट्यट.वर्डीर.बुट.। उहट.सूवा.तू.सूवाय. लयट.र्भवो.पद्यिर.सूर्वामा.विश्वमा.सूर्वामा.पट्टर.व्यट.कुर.ब्रॅसे.रापशा.मुट.वो.स्य.भुट. पङ्गि.त.से.ची...
- त्वायां व्यायां व्यायां विष्यां विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विष्यां विषयं विष ग्रीट.श्रैर.विश्वराक्नीट.पर्ज्ञ.व.वाचिष.हुप्ट.ब्र्यट.ब्रिर.वर्ज्यट.त.क्षे.विष्ट.ववा.च्र्य.ट्र्य्यातप्ट. भैत्रया, पुरानिया विद्या विद्या मी. ता. क्रूटा स्वाया प्रथया श्रीमा विषया पर्वे त्या विषया इंदु.ग्रूट.ब्रिंस.वर्ग्य्ट.ता.क्षे.वी.यहवायाञ्चवा.श्चे.ट्र्य्यास्त्र्याता विषया.पर्विवा.क्षेत्रा.घर. २४१०४ "कुलार्दिते कट्रायमायहिष्यायि तुट्रम्टिषे अर्थेवर्दे स्वर्मा सुर्दे अर्थः त्रे तहेवाया:भ्रुत्या:ग्रे:श्रेव प्रयाया:या:या:या:विकाया:श्रेत्याया:श्रेत्याया:श्रेत्याया:श्रेत्याया:श्रेत्याया चत्रात्त्रात्यातहर्वियमासुर्द्धराया द्वस्याया द्वया क्षेत्राया विद्यायम् द्वराक्षेत्राया म्त्रिं त्यार हूट त्र्व म्री तविवा कु. सुट तह्त्य तरिवा त. पहट विवय शी. शूट त हिंद र्ट्स्य.मी.भी.ट्र.चि.तर्मि.चर्या अक्ट्र.स्य.विध्य.मी.यी.यी.यी.स्य.पर्यंया ट्रेप्ट.सीवा.क्ट्र.मी. र्राट्या अत्व रेते विषयापर श्वरापा प्रविषया हास्य न्या श्वरापा श्वरापा श्वरापा श्वरापा स्थापा स्थापा स्थापा स 

द्या अट. ग्री. तथ. ह्याबा शह्ट, "कुब ता जबा चेबा विया स्वी त्यु. यट. टी. चयाय . च्यूंच, स्वा तयु. भी. टू. बे. श्वावच . चुच . में श्व. यट्ट. या ता . चेश्व जा . यट्ट. च्याय . च्यूंच, स्वा . तयु. स्वा . तयु. स्वा . त्यु. स्वा

तिर्याप्तवाक्षा तर्ट्यं तर्या विचक्षा कूर्या श्री तिक्षा चिर्या क्षेत्र क्षेत्र विद्या क्ष्या क्ष्य

क्ष्या. ह्रा स्थान्त विचा क्ष्या. स्था विचा त्रा स्था त्र स्था त्य स्था त्र स्था त्र स्था त्य स्था त्

त्राज्ञवानाः क्षेत्रीः यज्ञ्चर्यः भिवाञ्चलायः खुवाल् स्टाः युः रिटाः अक्ष्यं ब्र्यः श्र्मं व्याञ्चर्यः भिवाञ्चर्यः भिवाञ्चर्यः भिवाञ्चर्यः भिवाञ्चरः स्वावाञ्चलायः खुवाः भिवायः स्वावाः अत्राच्यः अत्याच्यः अत्यः अत्याच्यः अत्याचः अत

ह्य-१८५५(जब्रा स्त्रियोब्राक्ट्रीजः (१८६०)मु.क्ट्री-टीट्टा प्राश्चरः अट्ट्यां ता ब्र्र्स्युः चीः लूच क्रीब्रः अव स्तरः चीः लट्टा स्वाः स्वः स्वाः स्व

छ्टी. ट्र्व. श्रूच. ग्री. खे. ऱ्याका. पट्टं. खेया. छेट. ट्रिटं. व्य. खेयाका. भी. पा. खा. त्य खेया. खंट. व्य. खेया. खंट. खंटा. खंटा

न्यः तर्न्न आववः न्यः चरुषा र्स्यः तर्ष्यः चुराना न्यः । र्स्यः पुरानु । तर्मवः र्यान्यः अर्केग रेव केव न्यंव क्षेंच क्ष्रण क्ष्रण के हर न्य प्रकारी सुर नु क्षेंव जिल्ला ରେ ପ୍ରଥମୟ ପ୍ରଥମ ଅଧିକ ଅଧ୍ୟ ଅଧିକ । ପ୍ରଥମ ଅଧିକ । ପ୍ରଥମୟ । ପ୍ରଥମୟ ଅଧିକ । ଧିକ । ପ୍ରଥମୟ ଅଧିକ । ଧିକ चेबायर र्ल्याच मार्चेवाया भ्रीत्याल्या मार्चि रताया या व्याप्य स्वाप्य र तक्टार्ट्व स्त्रेन् क्रियामा सम्याचित्र साम्याचा त्याता स्त्रु स्त्रेन्त्र स्त्रेन्त्र स्त्राच्या स्त्रिया स्त्रिय स्त्रिया स्त्रिया स्त्रिया स्त्रिय स्त् अर्देव नेषा अन् ग्रान स्नायर्देन ह्यु से स्वायान अन्। बानवा मुबा ग्री नाह्रव पान्या। मुत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा मित्रमा मि प्रवादान्त्रम् स्वत्त्रम् स्वतः स्रिया राम्य क्रमाहे विवा वीमा वास्त्रा राद्रा ही हो राष्ट्रमा सम्मित्र विवास तर्द्रमामा चन्नामुन्रक्रं सेन् सर्म् । ...वियः इः रेन् र्यः क्रेन् वार्ष्ठ्यः परिः क्रवः सर्ने प्वः र्युनः र्ह्वे म्रीप्रक्रामा ग्री.गीयु.क्षे.मीटारी.परीयायाचीटा। यी.क्रा.ताटानुप्राचीटायावी.मोत्रा याच्याः अपविता। यात्रवार्त्येव प्रवाधाः स्वाधाः स्व म्रोबाक्षाः इत्यान्त्राच्यान्या प्याप्तायायः वयात्त्रवायः वयात्त्राव्याः स्रोत्याः चीत्रयात्रत्यात्रात्रात्रात्रात्रात्र्यात्रात्रेष्ठात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र लय. ग्रेट.। क्र्य. र. थार्ट. ग्रीय. यिवीया. क्र्री ची. क्र्ट. से. त्या वीर. यर्डीया. ज्रूट. यथा क्य. यार्ट्र. प्रथाल्याः क्रुं से प्राप्ताः स्वाप्ताः स्वापताः स्वापता ८.छि८.४८.वी.चिवाय.८वूट्य.चुवा.घ.यूंट.४.क्व.अट्र.व.ज.इ.थ.जय.श्रुट.५५ूं४.के.श्र. यर्वातमा र रेगरमा विषया वाषव र विरम्भ अह्र र र र विषय वर्षा र विषय वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व च्चिषाः द्वाराः त्याः स्वरः स्वर श्र. चेबा ग्राट वाबव र ट्रॉबा के ट्रिया ब्रिट र र ट्रावी श्रे र च च ट र विवा वी वी के र सर से ट्रिट यशिट्यात्रा हियाच्यायात्या हे.धेय.बी.क्र्याह्याह्यायह्यात्यात्यात्यात्या विश्वास्यास्त्रस्य दे.ह्येयावयातायक्कृतः त्यानः स्वास्त्रस्य स्वराप्तः वर्षायायायः स्वराप्तः स्वरापतः स्वर चलेवाबाबबा, अवस् अवस् अव्याचान्त्रं व.मीटा प्रटा विवाबा मीया सूटा पर्टा विद्यालय स्था प्रटी पर्टा पर्टी विद्यालय स्था पर्टी परिटी पर्टी परिटी पर रट. हा. बार. ट्या विष. ट्यू बा. बी. चर. यार्ट्बा. चट्या. यी बा. ही ट. यट्या. यीट. खेळा बा. ह्य. वा. त्रव.वाट.ब्र्वाया.श्रुव.ता ष्रिट.ग्री.र्थवा.सिज.यर्झ.र्याया.ग्रीया.ट्रं.र्याश्राप्ट.वाश्रीरया.वया. 

यः वृवी ग्रीट लूट ट्रे . जूवी में ये यथिट . ट्री विवी ग्रीट . लूटी वा कुट . विवी ग्रीट . लूटी . जूट . च . लूटी . जूटी . जूटी . लूटी . जूटी . जूट

स्वार् क्री. क्री विटाया क्रीटा क्री. या प्रकार प्राया क्रीया क्रीय प्राया क्रीया क्रिया क्रीया क्रीया क्रिया क्रीया क्रिया क्रीया क्रीया क्रिया क्रिया क्रीया क्रिया क्रीया क्रिया क्रीया क्रिया क्र

प्रवास्त्रम् त्रियः स्वराष्ट्रियः पूर्वा वर्षाया स्वरा क्रियः स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा ८८१७नम् "र्न्य-मैजाम्र्र-पर्यट-वयाङ्गितमः चिवायापया द्वा नुवान्त्र के स्प्टा स्ट्रा ब्रायायात्र्यं द्राची अकूटा टी. पाडी थ. कुटा। बीटा काचारा द्राया कुटा मी. मी. मी. मी. मा. मी. मा. मी. मा. मी. चमान्तराने ही भी मनिन निम्म किराने स्त्री सामानिन निम्म कर्मी सामानिन शुर्ते, वेयाचन्त्रिर त्यं क्षेर त्यं त्या वावन त्यं शुवा अवतः रेया अत् ग्री मुं श्रीया अतः त्यं *७*वग.पङ्च.पर्थेग.प्रित्रम.मञ्जून.चेम.त.पत्रम.क्षेत्र.सूर्या.ट्या.पञ्च.सैप.प.चे.सैत.प.चे.ट्या. ज.र्टर.श्रूब.तूर्ट.श्रावं .क्ट्र.शंब.शंधेश.र्ट.ग्रीचे .जूर्वा.चेंब.पुर्टा. श्रीयंब.ट्रंट.प्रिशंब. याश्वराची भी त्राचि क.रची तर्थे थे त्र्यं राज्य यावय तपुर क्राज्य तर्थे क्राज्य राज्य क्राज्य त्राच्ये त्राच्य क्षेत्रयात्रम्, विश्वरातिताता पर्विचा क्षेत्रः चाचायाः सुनः श्वेतः त्रेत्रः पर्वुः पर्वुः प्रतः चित्रः प्रेतः अष्ट्रपु. वि. भूट. १३९०० वर्षा यात्रा चीवायाता देवा मीया त्वाचारा द्वा. भू हो दे । यादा हो ते वर्षा वर्षा वर्षा वर्चन् प्रमादावि प्रति प्रमास्य मुं विष्य वर्षा वर्षा स्था स्यास्य स्वा स्वा स्वर् रावे विष्य प्रमास्य स्वा चपु.भूष्य.जत्रासीयो.चुयात्रास्ट्राच्याःभी,योचेयोयातपु.चट्य.कूर्या.यो.वार्ष्याःभूर.ख्रा.सूट. मैजार्स्यार्स्य जूटानयटा च्रेमाणेटा ह्याजा क्रमाया अस्टा अस्ता अस्ता अस्ता अस्ता असा स्वरा विष र्वेट्र-द्र-त्र्-क्र-वर्ष-वित्व-ब्र-प्-क्रेब्र-प्-ह्रिन्-पर्वेब-प्-प्-विव-ल्प्-ब्राच्यावाबान्द्र-यः भ्रान्यान्रेरः क्र्यालियायाः रुषाः श्रेनः भ्रियाधिनः तयवाषाः चत्रिः भ्रीतः क्रान्यः सर्दरः चर्द्धः पर्ख्या चित्रासारेट चेरा

ત્વી ઋ. શું. પૂર્ટ . જ્વે. ત્યૂં. પીવ. પૂર્વ . યુના તવુ. પૂર્વ . યુ. ત૦૦ તથા. ત્યન્ટિ . તા. ક્ષેત્ર. વી પૂર્વ . યુના તવુ. તા. યુના . યુ

क्ष्याः चिः कुष्य चः द्रिवः विषयः क्षेट्यः विषयः विष

र्त्व र्: र्न्न अर्धेव क्षे क्षेर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वित्र त्याय प्रमान वित्र प्रमान क्षेर क्षेर क्षेत्र ग्रीमाञ्चार्तमायत्रे मुःचारत्रे क्षेत्रात्या वीर्याया वीरवाष्ट्रा स्वामाञ्चा स्वामाया वि यट.कुर्य.र्श्वमानस्टिमान्यरेवामान्टर.बूचान्यर्चे, क्षेत्रासिट.सूवामान्यर्चे । पूर्वटार्भेशमा क्रि.अक्ष्य.वि.अपटा.अ.क्रेट.वया.या.अघप.तसूर. हे. मु.स्.सूट. टी.पर्ट्सी टे.वया.मीटा.श्राट्य. म्री.पश्चैर.विट.पट.लुब.तर.ट्रॉट्ब.ह्र.लुब.चग्वर.स्वा.स्वा.बर्चा वावब.लट.ह.ट्र. म्.सिया से.सुजा.स्योज.ग्री.योथट.क.टेट.यळ्य.धूर्याय.र्ज्य प्योप.यह्रट्य.ग्रीट. चय.से. य. बूटः।  $[d^2d_1$ त्तुग्राच्यादः रूप्ताः स्वितं स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वरं स्वरंधः स ८८.अष्ट्र्ट.तपु.कुवी.वीबातमेव वयावीचवया.जूजालूट.पीट.ट.पुथावया.कुवीबादी.पीटा.द्या लब.भ.चींट.पर्येच विश्विट.चुब्र.स्वेब.लपट.प्र्ब.भ्र.प्र्ब.झ.क्र्वेब.त.र्टटा ध.त्र.रच्ये. चितः चर्नेया वाले व के स्वव की या वर्ष्या चर्ष्या चर्ते । द्वी स्वर् च की स्वरं च की या विकास वि ब्र्याबारा अथ्यात्रायत् त्यावि । त्यावि वा त्यावि वा त्यावि । व्यावि वा विवासी मुल'रॅवि'क्स'हर'लय'से'वर्षा'प्य'र्सुवाय'र्देर'त्र्सूव'पवे'रे'वॅ('३८'प्य'पट'केव' क्ष्रमाणुटार्ख्रात्य्व "ठेषाष्ट्रमा कुषार्यदे । तृत्य व्याप्तरा विदाय । ट्या.खे.४ए५.६.८ए५.५४.४०.५५८.४५८५५४.४४८५५४.५५८० च.४४८५५४.५५४.४४८ यर म्रे'न्यॅव के'स्रि रेवाब अत्र एक्ट बार वाजात वर्णेव निर्वाचित्र राजात वर्णेव के.ब.चब.बूच.पत्त्व.त.लपट.ह.बु.क्षेत्र.तर.हुच.बूँट.बैज.त्तु.क्षेत्र.वर.जब.खु.पट्ट. 

$$\begin{split} & \tilde{\xi}_{A} \cdot \tilde{s}_{A} \cdot \tilde{\xi}_{A} \cdot \tilde{\omega}_{A} \cdot \tilde{\omega}$$

मिलार्युषु होटारी क्यातपु रिसीटार्स्यायाला होय। र्या विषय स्वारी रायह वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्य रवा.पे.मैज.त्रुपु.सैवा.र्था.मी.र्टज.ह्या ब्र्ड्च.मी.ह्.त्र्री क्र्.र्रातवा.श्ररातपु.वाश्रराश्ची मी. બ.લૂ.મુંબ. $\angle$ યોમાં  $\arctan$ પ્યમ.  $\exists$ . શ્રષ્ટ, શ્રુ. શ્રન્ય.  $\oplus$ યા.  $\pmod$  શ્રેખ.  $\exists$ યા. તેય. તેયા. પ્રચાન તેયા. તે क्षयान्त्रयाद्वात्राच्यात्र्यात्र्वाचार्यात्वाचित्रयाः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात मैल.कुर्यया.से.झेर.विषया.थी.पर्झेर.यपु.क्र्। के.चूर्या.से.था.८८.पर्सट.त.कु.कुर्य.मे.षक्रू. यायेथा.श्रेम.भूट.२.५. श्रेम.कुपया.पर्थी.जा.ब्रेच.तम.पर्यटी सं.ब्र्या.चु.तम.विषया.ह्रीम. अर्क्ट्रियः भ्रीतमाद्रेर वे देते दिवट र्त्या मु र्याद्रिय वा प्रमुत्र मात्रिय वि वे प्रमुत्र हिंगू क्ट.बर.लूट.तपु.क्षेत्रबाग्रीबापविवादीयाश्चात्ववाक्षेत्रचटाक्र.धरायश्चात्राच्या ञ.पर्चिवा.त.प्राञ्च.पर्जंब.पत्रुज.पु.मु.ज.तूपु.प्रचि.ची.ची.लूच्य.प्रच्या.व.त्यूच्याच्य.व.ट. यचित्र-तर-लूट-बूटी टु.ट्वा-वृद्य-ग्रीट-बी-चु-ल-चर्य-वृद्ध-बी-क्र-प्रस्वा-त. क्षरम् न्यान्य विषयः में विषयः . श्र.पथुषु.चेज.र्यंत्र.केज.वे.त्यूर.तषु.यह्ने.ह्नंत्य.र्ट..त्य्यो ह्वंय.कर्.लय.श्रय.यूर. श्रुतः त्रात्याच्याः स्त्राप्तः त्र्यः त्र्याः त्र्यः स्त्राप्त्यः स्त्राप्त्यः स्त्राप्तः स्त्राप्तः स्त्राप्त र्न्य्यात्म्भ्याः वेयान्त्रम् । स्वराह्य । यान्यान्त्रमान्त्रम् । स्वराह्य । यान्यान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम चयमाण्ये सम्यानमान्त्रीया देव ग्रीटा दे हेमाग्री विया स्वामान स्वामान विया विया है। इर ने रे लावन्य न्वेंबारिय हिला रेवाबालका क्रिंग रास्ति विवासित क्रिंग हिला है । ৰ্মা

$$\begin{split} & - \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{N} \sum_$$

は、古いのでは、「まないとうでは、「いいでは、「できょう。」、「いきょう。」、「いい。」、「いい。」、「いきょう。」、「いきょう。」、「いきょう。」、「いきょう。」、「いきょう。」、「いきょう。」、「いきょう。」、

ड्रेट.क्ट्यात्यत्यत्यां द्रियः क्रीलायां प्रचारच्छ्ययाः प्राप्त्यं व्रथयाः चीवायाः प्रथायाः त्यात्रा व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्षः व्यवक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यवक्षः विवव्यवक्षः व्यववव्यवविवव्यवव्यववव्यवव्यवव्यवव्यवव

कुर्यः देयः क्रेटः 'चयः 'लयः क्री. श्रचतः श्रुटः क्री. क्षेत्रा 'श्रच्यः 'ट्रियः क्रियः च्रचः 'ह्रेटः 'युवः 'त्रचः 'ह्रोवः श्रुवः 'ह्रोवः 'ह्

ूच,लूट्कील,ट्ट.लब्र.श्रट्डीबी,पद्मट्कुट्ट.टापु,च्ची,वीलय,ट्योप्य,टार्थ्ड.चीवीबर्ट्डाक्ची, स्ट्री, क्रिल,ट्टि.लब्र.श्रट्ट, चीवीबर्ट्डाक्ची, स्ट्री, चीवाय,ट्टा,चीवाय,ट्टा,चीवाय,ट्टा,चीवाय,ट्टा,चीवाय,ट्टा,चीवाय,ट्टा,चीवाय,चीट्टा,चीवाय,चीट्टा,चीवाय,चीट्टा,चीवाय,चीट्टा,चीवाय,चीटा,चीवाय,चीटा,चीवाय

चे मुल द्व र्पट दट के विवा विवा पति आवश मुच कवाश सेट पति रट क्रा र्पट यानेकारा भेदलका गुःश्रिकारो से यानें सामक्ष्यायन हर बेब ब्रक्ष ये से देश का विवास हा व चर्षवीयात्रापुः सैचयाचर विश्वयात्री सि.कृषे श्रुप्तिय अट.सू.कृषी पुर.चर्यीय तथा क्रवीया अट.प्रीट.सुराय.ट्यूबा.डींट.पर्यंग.शुरा। श्रीयबा.टुराबूट.युबा.पर्ट.पर्ट.खुबा.याश्रीटबा. तर्वात्तः ही "दे. र व्यात्वर्षेत्रः श्चः यायाया वास्त्यः श्चराष्ट्रं यायः भेवः मुख्या द्वाराः स्वा ब्रिट्र्यम्बर्व्यं द्वात्वेया। ब्रायटाक्ष्यायात्वेषा हेवाते व्याप्ते क्राया मुन्यार्यते विचागा अर्वेटा । वर्षा श्वरा विषय विषय विषय विषय विषय । ब्रूंट्रिट्री भ्रूर्यभ्रेयराष्ट्रयापुर्यम्याराष्ट्रया द्वेर्ययास्यास्य स्वात्वेर्यात्र्यास्य पर्विजानपुः ब्रैटाचाला चार्यः मेलाहार्च्याल्टामुला विज्ञात्त्राह्ना व्याप्ता रथः क्षेत्रा तस्त्रेन स्वापर तर्कून प्राया यात्रा त्या ही हे हेन् । विष्य स्वापित स्वा ८८। ४४, ८ वया पह्न, मैजा में ख्रा वृश्वी वृष्ट्र, मैजा तृष्टु, मैं असूर वृष्ट अर्थ अर्थ विश्व त.र्टा। व्यवशःश्चितःश्चेरःश्वरःस्वःश्चेरः॥ यवःत्वः स्थः यः त्ववःत्रः व्या न्गर्भर्भर्भ्राच्या" वेषाचे मुलार्व्व र्यन् ग्री वर्षन् मुलान्द्र्यासु सर्वित स्वाप्त्र यथर्पर्या.कृरः। ईवा.त्रमः मै.ववा.मैज.त्रु. मै.मू.मू.चामः व.लूर्यः तृष्यः ब्रुपः क्रेर्यं त्र चे दे मुय रॅंदि ह्व दे प्यान मुय रॅंपान व पॅन्य ने दे के ति रं के वा मु पॅन्य ने वा प्राप्त प्राप्त के विवास के ध्रेरःरी

ૹૣઌ.ઌ૽૽ૼૺૼૺૼૺ૾૾૾ૢૼૢઌૹૣૣૣૣૣૣૣૣૣઌૣૺૺઌૹૢૣૢૢૢઌૢ૾ૢૺૺઌઌૢૢૢૢૢૢૢઌૢઌૢઌઌૢઌઌઌૢઌ૱ઌૢ૽ઌૢ૽ઌ૽ૢ૾ઌ૽ૢ૾ઌ૽ૢ૾ઌ૽ૹૣઌ૽ઌઌ૱ૹૢ૽ઌ र्वे.यपु.र्यट.त्.यक्षेष्र.पहूष्य.्ष्याभीषा.,वि.षा.स्यमाथ्यायचिटाभीयथा.षक्र्या.प्राप्ता क्रेबर्स्। मुलप्तावारामुः दिनदास्। मुलाक्तार्द्वा श्रुवाख्टारेवर्स् के खिः द्वे स्वाख्याः वियम.र्येट.। पर्यया.ता पर्यम.श्रीटमा सम्मा.कर्ट.भ्राष्ट्रिय.ता मधु.र्यटार.श्रीया.वाक्ट.र्ज्ञ.ग्रीटी ર્ક્રાના શ્રુપ્તા જવ.૧૧૮ .વૃ.તૃ.તૃ.૧૪ ત્રાવાયા શ્રાના ત્રુપત્રા ક્રો.વિવા સ્થયા ત્રાજ્ય સ્થિપ શ્રુપ बिट-दे-द्वा-ग्रीय-ग्राट-गुय-पदि-अर्केद्"ठेय-ईवा-अर-ज्ञु-केव-इयय-र्ज्ञ्य-वय-दे-दिवा-योक्ट.यंब्र.ब्रथ.वंय-हिंचे.हुं-योक्ट.त.टंट.। टेंचेंब्र.ब्रं-त.हुंट.त्री विश्व वयाक्यायाद्गान्ते प्राचन्यायात्यायात् अत्याद्गान्त्र अत्याद्यात्यात् अत्यात्यात् अत्यात्यात् अत्यात्यात् अत्या १४००ममा "भ्रुं ने ८ गिट ने से दे ८ सवा वी विट्य ट्रिय स्वा क्या करा सर्टे भ्रुस विस्र संस्था से विष्य शु.स्रेचस्र.र्च्यार्चर.पे.र्चियायाःश्वेयःत्वस्तरार्चरात्रर्धायःत्वःत्तराः त्याःश्वेयः श्वेयः श्वेयायाः रेषाक्ष्यायाँ पोरी प्राप्त स्था क्ष्यायाँ भ्रमावयया वेषायाता क्ष्रमाक्ष्यायाँ प्रतास्य पह्र्य अह्र प्रद्या श्रम् । क्य अर्द्र श्रम ।प्रथम ।वेष प्राचे । क्य अर्द्र के । क्य अर्द्र श्रम ।प्रथम ।वेष प्राचे । श्चर विश्व श्वर मुत्र क्रवाय पर प्राप्त ने दे दे स्थार श्वर विश्वर श्वर मुत्र स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स र्श्चियायाः चर्त्या भी खेटाक्यायद्रां मूराष्ट्रियायर प्रत्याच्चियाया स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्व में हिंद्र अद्राय दें केंब्र त्र्यूट वी तर्से बार दा वाष्य वी

प्त्र-वयातयीयो विचयार्य्या चार्षेच न्योर-श्रम् स्वेश लाश्क्र् स्रैर-त्या (लाश्क्र मेर-वर्ष) विद्यार्य्या विद्यार्य्या विद्यार्य्या विद्यार्य्या विद्यार्य्या विद्यार्य्या विद्यार्य्या विद्याया विद्यार्थ्या विद्या विद्यार्थ्या विद्याय्याया विद्याया विद्याया विद्यायाया विद्याया व

२षःक्षियः तर्दः अद्-तिश्वयायभवाषाभ्यः वार्षादः तर्द्ववा) यादः स्-रस्-रस्यः त्रमः त्राः स्याः स ८८.। वेज.इ.क्ष्य.पर्वेट.३४०जया यत्रवायाताः झं.याब्रूट.टा.ट्र्य.र्जय...ट्र.ययाः मेट.क्ष्य. ब्रैर.स्रायम प्र.प्र.योक्ट्राताम्भिनात्तात्म्यात्म्याम्याः स्ट्रियाम्याः स्ट्रियाम्या नगरानने केत्रायायेनवा ने ने मुलार्या या सुवा तत्वा ने राष्ट्रीय विवाद ना १५७ भी र.मैज.त्या.क्.च.कूंट.भें.के.टट.लवा.वी.यट्ट.क्ज.टे.वोट्य.टट्य.,ख्य.टटा विश्वया पर्विया-इस्राह्मरागुन्यम् "क्षेत्रायाः द्वीया (१८५०) द्वेत्र स्राद्वेत्र स्याद्वेत्र स्याद्येत्र स्याद्येत्र स्याद्येत्र स्याद्येत्य स्याद्येत्य स्याद्येत्य स्याद्येत्र स्याद्येत्य स्याद ८८.। वाषय.लट. श्रेंच. र्जं. ८८.। मैज.विश्वाल. ए. ए. व्यंत्रा देशया. योट. वह्नट्य. वर्ष. वर्ष. वयाः अक्षायाः भीषाः मीषाः चिवायाः परः पर्वेव अर्थेव स्ताप्यायः प्रमुपः चिवायः प्रमुपः प्रमुपः श्रावयःग्रीटःMट्रायः ह्रे.यटः $\mathcal{L}$ .स्रिचशः $\mathcal{L}$ व्याः स्त्रिः। त्रः स्ट्रिटः व्याप्तयः स्त्रिः। त्रः स्त्रिः व क्षरःश्वरः र्ह्मवाः मुः (ब्रं चित्रवेः वित्रवे वित्रव कवाबाखन्येन् सेवार्याकेषाग्रान्येने मुलार्येते म्चार्येते म्चार्येते स्वाक्षाक्ष्मा विष्याच्या वि'चतः'र्यवा'मु'क्यानेषा'स्यषाक्रेव'चवा'नग्नर'ल'वावषापर चन्नन्'रा'न्न। ह्रवा'खनः विजानु जन्म निवासी कर्म के निवासी कर के निवासी के निवासी कर के निवासी के निवासी कर ८८.चर्या.योलय.८८.क्.श्रट.श्र्याय.ग्री.श्री.श्री.र.त.थु.योथ्य.युपु.टार्डूट.श्रूज.क्षेर.जथ.श्रीट. यहूर्य. पूर्यं वार्ष्यं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्यं वार्यं वार्षं वार्षं वार्यं ब्रियापार्हेन् पति यात्वारा सुराया देना वी श्वराविषया सेना विषया हिन्या धित हो निर्वाया पति विषया हो। लाचमातः र्विषाः हेव 'चल्का अह्ट 'वका चे दे 'दिका चाह्रव 'दर्बे 'प्रेट का ला वार्वे ट 'दर्वा' तथ.हट.ग्री.टशवी.टिसंट.ग्रीट.कुथ.लुब.तथी थ्रिट.बंब.टग्री.घटाया.ग्री.टिसंट.ग्रीवाया.ग्रीथा ८८। ट्र-रट.मैज.यपु.कु.तुर.कृ.पर्च्याता.बै.चया.पस्य.क्र्रा.ट्याचीटी लेज.कृ.सुट.झू. पर्श्वायःक्टाःक्वेट्रायः न्यायः स्वायः सुः श्चेत्रः चेरः चार्श्वः न्यायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व हे। वे.मे.चल.वम.वश्चेषायायु.र्तत्व.मेबोबालायञ्चे.के.त्य.मुखं.प्रमान्त्रे.प्रमान्त्रे. तर्माराणियः, खेबार्टा रीक्तार्याषुरायाखेरारा. क्र्यूरा वर्मा स्पर्धाया स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित कूथ.मैज.मी.भटेथ.ज.पु.५.घज.प४.पष्ट्याया.क्ष्य.स्वाया.मी.खं.पर्येज.सूट.टेया मैज.त्.

विवाबाक्षेत्राचेताः विवादाः वि

ट.टट. में अक्ष्य , यांख्य , खुया , योट. सूट. ट्री. ट. यो. तायु. यूक्ष , टाचट. ट्री. द्र पुरुक्ष वा च. प्र. यु. कुं. ट्री. पट्टी. क्ष्यु. ये ट. क्रियों था ताथा. चे प्र. क्ष्या , योट. ट्री. ट्री. पुरुक्ष , योख्य , खुया , यांच्यु , यांच्य

य्यान् म्यान् स्त्राचित्र स्त्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्र स्त

यावव .लट.वे.सैटा.तपु.कै.अक्व.ही.अ.ल.लट.विटा.त.श्रट.ट्री ट्रे.ट्ट.ट्रेर.ट्यीर.ही.ट्ट. इ। वटा चब्रेट्या चा अपने प्रति विकास क्षा मुला का का विकास का मुला का का विकास का क यर.मै.लुय.गु.यर.झे.विट.टेट.वि.कुय.झे.विट.ठाबुटय.तथ.मै.टेट.वि.कुपु.वीयय.वीखु. ८८.स.सीजाई.सर.चजाय.८८। यूर्.मी.चं.कुथ.सजाब्र्.कुस.मी.प्या.पु.सू.स्यायीर. ह्<u>रे प्रमायन प्रवेत्याय स्याया स्याया स्थाय</u> स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाय भाष्माः ब्रान्यस्य व्यापित्रस्य स्वापित्रस्य स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप क्ष्रमासु नगार है। तृत्व वार्षमा क्रिक्ष क्षेत्र है। तृत्व वीर्षमा क्षेत्र है। तृत्व वीर्षमा क्षेत्र है। तृत्व चल.लीज.टे..चज.च.टट.। ब्रा.चेट.इं.ता.कूंट.चेबब्रा.चेब्रा.चुब्र.द्र.कु.टट.उट्य.लीज.टे. पश्चेत्र प्रगुर हेत्र प्रवेट्य मुका स्वाव प्रायाय प्रायाय या सार हो प्रदेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रायाय प्राय प्रायाय प्रायाय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प् चल.च.८८.। पर्चिवा.पाभ.चक्षेत्र.पसुल.ग्रीब.चवा.वालच.चेशब.भर्टेत्र.सूर्वाब.श्री.वासुर. योश्रमः विवा योश्रमः चित्रा रचत्रा योद्यः चर्त्रा स्था योश्रमः विवा योश्रमः योश्रमः विवा योश्रमः विवा योश्रमः विवा योश्रमः विवा योश्रमः विवा योश्रमः विवा योश्रमः यमार्स्या द्वारा मित्र मित्र होता स्रोत् स्वर मित्र श्र्यायाःपद्मः  $\hat{\mathbf{Q}}$ पः अतः श्रुंयायः जूट्यः श्रः  $\hat{\mathbf{Q}}$ यायः भ्राययः देरः तेः श्रेः ध्येयः परः गूटः  $\hat{\mathbf{C}}$  :  $\hat{\mathbf{C}}$  :  $\hat{\mathbf{C}}$ तपु.र्जु.र्वा.मैज.र्ययालया.यायावाचा.विटा ट्रालट...प्रज्ञ.क्.तर.र्य.यु.प्रज्ञ.क्रा.त्य. नुःक्रिः बटः शःलुबे त्रात्वा त्रां त्रां वा निव त्रात्ते हो यावव त्रात्ते स्वार्धित स्  $= \int_{\mathbb{R}^{n}} (-1)^{n} \int_{\mathbb{R}^{n}} (-1$ त्रपु.क्र्य.पर्विट.टू.षक्र्य.मी.षक्र्यु.वि.भूट.ज्र्वायालयाचेयाच्याच्याच्याच्याच्या ध्रेरःर्रे।

ल्या स्थान्य स्थान्य

ૹ્ટ્રાન્ટ્રાન્ટ્રાન્ટ્રાન્ટ્રિયા ક્રેન્ટ્રાન્ટ્રિયા ક્રેન્ટ્રાન્

प्रथम, भी, मु, श्रीट, टी, लूट, टा, जबा, खेवा, खेवु, क्रिट, टी, श्रीट, टीम, चृबा, ट्यूबा, सूर्या, सूर्

वीर्ष्वाकात्रः भ्रेकात्रः भ्रिक्षः वाद्वाक्षः वाद्वाकषः वाद्वाक्षः वाद्वाकषः वा

क्ष्यः ब्रूरः हेव. क्री. वाहेरः वावयः वाक्षा। ष्राह्यः क्रीटः क्रीवः श्रवः श्रवः वावरः वावयः वावयः वावयः वावयः दाप्तः वावयः ॥ द्रवाः पह्न्वः क्रीयः द्राः तायः प्रकीटः वावा। ययः प्रवः वावयः व ૹહેશ.સું ક્રિ.તમ્લે ક્રુવે.ક્રિયે.ત્રિક્યાનું ત્રાપ્ત્રામાં ત્રાપ્ત્રામાં સું ત્રાપ્ત્રામાં ક્રિયાના સું ત્રાપ્ત્રામાં કર્યા ક્રિયાના સું ત્રાપ્ત્રામાં ક્રિયાના સું ત્રાપ્ત્રામાં ક્રિયાના સું ત્રાપ્ત્રામાં કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાય કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાય કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા

द्र.क्. मुंद्र-(पट्ट)-(प. श्राचय-श्रश्न, वीश्वपाद्य-मिन्द्र-प्रमुक्त, वीश्वपाद्य-प्रमुक्त, व्रश्न, व्याम्यान्त्र-प्रमुक्त, व्याम्यान्त्यम्यान्त्र-प्रमुक्त, व्याम्यान्त्र-प्रमुक्त, व्याम्यान्त्र-प्य

स्रव.लय. था.लट. ची. ट्यां. में . चि. क्यं. ट्टाः स्रिचां यथा. खेयं. विश्वां टे. प्रचितं तथा. खे. प्. स्रिचां यथा. खेयं. विश्वां ची. प्रचां ची. ची. प्रचां ची. प्रचां ची. प्रचां ची. प्रचां ची. प्रचां ची. प्रचां

ट्र.च्या.ट. क्षेतु. क्रूंट. वोच्या. इ. क्षेत्र च्रा.चेंच्या. चेंतु. क्रुंट. वंचेंट. तर. तरीटी।

याचे क्रीया. स्वेया. स्वया. स्वा. स्वा. त्या. प्रचा. प्रचा.

ત્રું. શ્રું માર્સ્સ લ્રામ્ય મુલ્ને ત્રામ્ય મુલ્ને ત્રામ્ય પ્રથમ ત્રામ્ય મુલ્ય મુલ્ય

अःश्चितःगिन्नः स्वयः सेवः क्रेवः प्रान्यः अहिनः १३०० वा वाःश्चः प्रवृतः । १११८ । १२५१) "८म ने रे हिंद् वम रे प्रक्षा वर्ष र विव कुर विव कुर वेवान के विव स्व <u>र्वेश योक्ट. य मेश्रय मेश ट्राय क्षेत्र व प्रमाण व प्रम व प्रमाण व प्रमाण व प्रमाण व प्रमाण व प्रमाण व प्रमाण व प्रमाण</u> चर्या प्राच्या वा र्योट चर्च प्राच्या प्राच्या प्राच्या है। ह्रिंद ग्री की क्ष्या दे की की प्राचेता है। शक्रम्, वृषाराषु नु सु रिटा वेट रजा क्रूमा प्रचिट १०० वा प्रमाणिया विषय वार्षा <u>, भ्रिट.कथ.शे.विवायाययाञ्च्यामे। क्र्यापरीयानामुजात्वाप्रवात्वापायाययायायाय</u> योठ्या.तपु.याक्ष.ययाच्ह्रेय.ता.ट्र.त्य.च्छा.त्यायाया.यया योटा.टे.लाट.या.येया.यया ध्रेय. क्रॅं वाप केट सुप क्रें भुँग प्वो पन्ने पन्ने अभ्य स्व क्रें क मु पा विवा त्य के स्व स्व मुग्त स्व स्व स्व स्व यम्बाया दे.वाल्या.ज.व्रिट.वया.यर्ट्.श्चेट.क्ॅ.ह्य.च. दुर्.या.च. दुर.या.का देखे.क्ट्र.यक्ट्.वया.जया.चेया भ्र.तिट.र्ट्र.ष्ट्र.स्वा.प्र.क्ष.क्ट..वायश.बी.लट.र्ह्स्ट.वार्य्या.लवा.विट.भै.तुर्यय.लूट्रत.ट्ट.। <u> त्व क्रिया वेल क्री प्यत् क्रिया क</u> त्रुव .पर्ट .ह्री यावयाता यट .सूय .सूर्व .तूर्ट .क्येज .क्वी .ताय .युया त्रुव .ताय .युया त्रा स्री स्री त्राय ट्रेन्स्यायाहार्च्चेत्रायत्त्रात्त्रात्त्रात्यात्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र र्ड्, ट्रं अ: चेर पा ले मिट वाट ला तम्ला क्रिया क्रिट पित क् अर्क्ष वे प्रेट ग्री अर्क्ष श्चव मुला क्रा अकुर्-तर्य-थर-धु.पकुर्याः तुथ्-ता र्-कुतुःश्चर-विश्वश्चाः सूर-पूर्य अ.सूर्यः श्चरः सूर्यः तथा दे'तद्वे'चे'दे'थाट'कच'अर्दे'चे'दे'दे'थेव'व्या श्रुम'र्से

षर्त्रावष्रवाग्रीः र्जूटवार दिरावेटा युर्वा स्थार स्थार विष्या स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार रातः रेवाबादी पद्यः र्वतः वार्टः क्रिट् ग्रीः क्षेत्रः स्ट्रान्यः र्वः प्टः । ब्रेखः वार्टः द्वाः वार्षः श्रैंचा.त्.र्जूट.प्रचाबा.चीट.लुच.च.कूच.चकूट.थु.कं.चरा खताकं.कूबा.पर्वीट.टटा चाचर. पर्श्वे.चोर्यायाताः में अष्ट्रपुः ईषा घरायया । पिरास्या पर्श्वेषाः ईषाः ईषाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः र्यक्षः स्वायः ग्रीः बटः प्रदीः द्वाः तः क्षेः प्रहेंदः ग्रीदः स्वायः स्वायः स्वायः स्वाः ग्रीटः पञ्चीवायः वयः देव.वर्ष.वर्ष.वर्ष.वर्षाय.धुवा.मुंट.क्ष.चेब.वर्ष श्चेर.भेवब.देव.चु.दुव.मुवा.स् वे दें व र्षेट् मुल प्रेव राम प्रेट्य मुग्याय परिव किए। ट्रा व्रेते चे मेते के प्रीपाय मुव राज मेरी मे याः व्राक्तेत्राष्ट्रीः विश्वाद्याः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर र्टालायसुष्यामुलाच्यायाचुटावम् इत्राह्मायाच्यायाच्यास्यावास्याच्यास्यावास्याच्या ट्र्य.ल्र्ट.क्रेज.ख्याची.प्रा.क्र्य.पर्त्र.ट्र्य्य.ट्र.क्रीयट.पर्खट्याता.स्वीयाचीया.वीटा ह्या सु ने देते द्वां म्व दे सूर विषा वंव र्य द्वा पति वंव र्य विषा विषा विषा प्रिका है विषा पति । लया.टी.विवाया क्र्या.याची.वा.याट.त्रा.चीया.याचर.व्रा.पटा.क्वा.याट्रेर.व्रियया.प्रवा.पी.पया <u> ८व.वार्श्रवा.तपु.जीय. ध्रेय. क्री.पळू. तपु.पर्ट. होट. तये ८ तर संवाया अ. पुथ. ट्र्य. क्रीत. क्रीत. क्रीत. यु</u> र्न्यू सी.पक्ष.पर्त्य मेंजावीया विषालया ही.श्रुप्त मी.लूब.त्र वीयजात्र प्रचित्र में ट्र.शक्र-मि.शक्र्यु.वि.भूट.४४४४४॥ , जु.मु.मैज.ट्र.पट्यातपु.पर्वजास्तु.पर्वजास्त्रीज.ट्टा व्यवश य. ल. भर्म् य. पर्या तप्तु तर्रेष . स्या माया पर्मे. जा से जा नाम त्या त्या से जा से जा से जा से जा से जा से ज १८११व्यू र. मु. स. मु. प्र. तर्या तर त्या तर विता ची ता विता की ता विता हो। हे हे या खा यस्त्र मुलायदेवाका मुनाका मुनाका स्त्र मुलाय स्त्र मुलायदेवा

स्वायानान्त्रान्त्रान्त्राम्यान्तः स्वायान्त्रा

कु. श्रचर. क्य., टु. के ब्रूट. ट्योर. त्रुष. स्वाय. पटुंच. त्या अट. टा. तुष. स्वाय. प्राय. क्या. विया. व्यय. क्या. विया. व्यय. क्या. विया. व्यय. क्या. विया. क्या. व्यय. क्या. विया. क्या. व्यय. क्या. विया. क्या. व्यय. व्यय. क्या. व्यय. व्यय. क्या. व्यय. व्यय

ક્રેન્ડ્રિયાનમામાં ક્રિન્ડ્રિયાનમામાં વિત્રાન્તમામાં ક્રિન્ડ્રિયાનમામાં ક્રિન્ડ્રિયાનમામાં વિત્રાન્તમામાં વિત્રાન્તમામાં ક્રિયાનમામાં ક્રિયાનમાન ક્રિયાનમામાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાન ક્રિયાન ક્રિયાનમાન ક્રિયાન ક્રિયાન

ट्यट्उर्स्यः स्ट्रीट्यं विद्यान्तः स्ट्रीयं स्ट्रान्तः स्ट्रान्तः

त्त्र-ट्र्यूच-ट्र-क्रीयट-टाबुट्य-टाक्र्य्याय-च्या, ख्रुय-टाट्ट्र-जायाबुवाय-च-ट्र्य-र्धी. यया स्व-क्र्य-प्र्य-क्र्य-क्री-वर्धि-ज्या (स्व-म्री-ट्र्य-र्धी-ट्र्य-र्धी-ट्र्य-प्रि-क्रिय-क्र्य-च्य-र्ध्य-र्धि-ट्र्य-र्धी-ट्र्य-क्रिय-क्र ल्ट्र कुर्व ख्रुप् स्रेचयाचेता द्रुप् स्वावी स्र्ये द्र्या स्वावी स्वाव

ત્યાસ્થી LC.RN. પત્તુવે. મૈંખ. મૈં. વ્યા કૈવ. વ્યા કૈવ. જ્યાપાત્ર મૃં પ્રાંત્ર પ્રાંત્ર

चल.र्या.वया.पहुवा.स्रेव.तापु.व्रिवार्ट.क्ष.त्राचयातपु.व्रवा.व्यत्यात्वे.पर्यं विवाह्य म्त्रिः व्याविषाः विष्याः विष्यः विष्यः विषयः विषय श्र्वायान्त्रः स्व रत्यां या क्र्राया स्वायायर अस्त भ्रिव रात्वा क्रेव र्वेषा व्यापर राज्या बर्तरित्राचर्ष्यप्रमुख्याकुँगार्हेराग्च्यावर्षेत्रर्भरत्याचालुः विवासित्याधर्मे हेते प्रापत लबा ८.ज्.प्.भूज.बी.मुब.पट्.मे.कु.वाहेट.हीवा.त.ख्वा.ल्ट.प्रवाब.बी.पट्वा किं.वाह्र्र. য়िट्यान्वा,चित्रा,योटाःक्वीं,सूच कु.टा.लयातव सूच्यायाना प्रटा.ख्वा,शु.पूटाटा पर्टा.यिट्या ग्रीटा ब्रिवायन्वायीयाकुं वाहें राग्नीयाक्षे अर्थे क्वा ग्रीटा तटी ता सव राद्य वार्या सेवा तट्वा के श्चित्रात्या ट्रिट्रिंच्यायः योषणः योषटः ट्रिंब्राः वेषाः वेषः वेषः क्रेःचरः अह्टिः यर्चा प्रया दस्यः र्ट.इंपु.पधि.कूंवा.ज.चचवाबा.चश्रेट.ध्रेष.पचिता.स्वाबा.ग्री.चि.ब्रूचर.ट्टी.पट.ग्रीबा.चिवा.तावा क्र्या.ग्रीट.। सिर्याबा.लय.ग्री.प्रुट.बंबा.क्षे.क्रं.अट.त्रा.ट्टा.पचंबा.क्र.क्र.चर.च्रीट.पर्टेवा.त.टेटा. स्वा.पियट. विट. प्रट. टेर्स्य. वोल्या. वीयाया. योप. श्रीट. वाशिया वी. ट्यप. श्रीप. वी. वी. ट्यप. श्रीप. वी. वी. पह्र्य.तपु.क्षे.क्रं.क्षा.क्षं.श्रम्,श्रम्,यट.प्रचिषायक्षा.व्ष्या.ब्रिटा चीटा.शचपु.टाक्किंप.टास्टा.शट.त्रा शह्रें - श्रृं - रायाः स्वा अमः ने प्वा स्थायाः स्व र श्रृं श्रृं श्रृं स्थायाः स्वा या स्व र या न परीयानभीरमाश्वापद्गीरान्ता क्रमारीमाअक्टान्त्रमाभी अक्टी विद्यारमा योट.पर्टे यो.क्श्रा.श्र्र.प्रंटिल.बुट.ट्यूं ब.क्रं.क्श्राचा.विज.पे.लयो.श्रु.ट्यूंज.ट्र्यांश. रेषा छोट ग्रीया विचया में वा पु ग्वाट र स्वार्ट र अर्द ए व र व द र या त दे र या त स्वार प्रवास र स्वार्थ ग्रीट.ब्रीट.जा ट्रे.ब्रुथ.ग्रीट.ब्रिट.प्रट.भ्री.अक्ट.लय.ब्रब्थ.ट्र्यूच.भ्रूच.अट्य.प्यट्बा.स्. क्रि-रिटान्डमार्यः भुःरेयायात् सुराके त्वेटा भुःराम्व सुः स्वायात्राचारा त्वेषाः पूर्याचरापरीयो.पीटा हासेरापचीयाच्याचित्राचरा हीयाचर्याक्षेयाक्षेयाची ही सेराप्या लट.ट.र्ज.पर्सज.टे.चयाय.श्रीच.याश्रीट्य.यंया र्ड.ह्रा.थ्र.ड्रा.ब्र्य.यट.क्रुय.च्ह्रह्या लीज. र्वावर्रेर्न्रान्त्रियास्वायाम् हेवरवाश्वयास्ययास्ययास्ययास्य इं.क्रेट.त.वाब्र्.बुट.बुट.ब.व्रियाय.एट्.ट्ट.एट्र.वायर.त.क्विवा.डुय.पश्चिवा.डुय. र्ट्यूच, त्यूच, *खेवा.वाज्ञ्य.अळूच.तपु.लीज.*ट्यूच.ज्ञ्.ज्य.ट्यट.ट्यट.वीट.वीय.ट्रेज.प<sup>ड्डी</sup>वोय.ट्रेट. दिय. यावव विगाधिव पर अर्वेट सुरा

र्वा.पर्व.क्र्य.पत्रजाक्री.क्यावर.हा.शावव.श्र.म्य.ह्या.र्या.क्री.अक्र्या.ल्ट्य.चीवाया म्। पह्राक्षास्य मि किटा मि प्राप्त मि प्राप र्शेट.य., खुब्र.च. मुच्र. मुच्र. कुब्र. परीं बो.त. बोच्र. मूच. था. मुच्य. प्राचुम. त. खुब्रा. लूच्या त्राची वा परीया. मूरी , स्टे. धुर् त्वयाला सुष्य मि. स्ट्रा त्याचा विष्या ता गीव स्वापा ता सेवा बट.थु.अधिय.तथ.टेत्य.कुय.धिवोय.छैट.बट.ज्वो.,छ्य.टटा ,,,,,त्ट.टी.बूयो श्रेटय. देरःश्चेतःत्र्तःयःवर्षतःवय्यःक्ष्यःवययःश्चेतःश्चेतःवश्चेतःत्रश्चेतःवश्चेतःव्यःश्चेतः यक्षाय्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यायात्र्याच्यायात्र्यात्र्यात्र्यायायात्र्यात्र्यायायात्र्यात्र्यायायात्र्यात्र त्रयः कुषः स्वाबः सूटः क्षेट्याया वाष्ट्रवाबायाचा हे कुः ट्याट्या सूट्या सूच्या कुष्यायाया वि यह्र्य.या. खुवा. खु. जूर्ट. ट्या क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यवारा वायेत्र क्षेत्र खायट्टी विश्वयारा गीय दिवारा यक्षेत्र तस्याया प्राप्त मात्र हिता हिता हिता स्तर ८८. वि.स्.८८.स्.५.स्.इ८म८म.जम.वि८.वि८.त.ताथ.थय.प्.क्रीय.जा.जय.वी.स्.५८४ ८८। यवाय.बुवा.बट.१८९० इर.ट.लूट.ग्रीटा वोट.क्षेत्र.बी.चुंपका.चूवा.क्षत्र.ट्र. योर्ट्रराष्ट्रेरावित्वयायार्द्रात्र्रात्र्वा द्वाराष्ट्रया द्वाराच्या राष्ट्रात्री र्याः क्वाराया वि यी.चुत्यायद्दाताङ्ग्रेज्ञित्रव्ह्याय्यात्र्र्याभ्याय्य्यात्रम्याय्याद्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या द्रम्यायाने प्रवासित है प्रविवाने में मुखार्ये केराया स्वासित मुखार्या विवासित भ्रूषा: ऍट्या: मृत्या: मृत्या: द्वा: प्रात्य: अध्या: अध्य: अध्या: अध्य: अध्या: अध्य: अध् येष्रयाष्ट्रयात्रत्राचे द्रयाता मि वया त्राचा त षितः प्रस्त प्राच्या विषा द्वीया द्वीया स्वापा प्राच्या प्रमुत्र । प्राच्या प्रमुत्र । प्राच्या प्रमुत्र । प्र व्यव्यक्ष्यात्रम्याः मुष्याः मुष्यान्त्रम्याः मुष्यान्यायाः मुष्यान्यायाः मुष्यान्यायाः विष्या

## युषी विषिट.रेविष.र्स.सेट.र्स.सेट.रेसे.य.राषु.श्रीयवाग्री.क्य.वार्ट्स.पर्स.पर्कीरी

(ह्री.ज्.५००१ ज्रू.१४६४.अथ.२.मैल.ह्री.जूर.५व.तप्.क्ष्वाय.क्ष्य.ह्राट्य.तथ्.विवा.ह्या.ह्या.ह्या.ह्या.ह्या.ह्या.

<u> ब्व</u>ीर-क्व-अर्दे ते 'र्वेट्-क्रेत्र' र्वेद 'र्वेदे 'वृत्र' श्वुंग्वार शुःग्वत्र वादि 'धुत्य' शुः ट्वः 'खेद 'वृत्र भूट ग्रावाया के निते त्या सिया विवा सेट्रा सिंदा निर्मात के सिंदी स्थान सिंदी सिंवाया है। भूट ग्रावाया के निते त्या सिया विवा सेट्रा सिंदा निर्माण सिंदी सिंदी सिंदी सिंदी सिंदी सिंदी सिंदी सिंदी सिंदी श्रुव्राः इति । वित्या यो हें या व्या यो वित्या स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता चगाय.चक्षेष.र्टा येष.बूट.लुवा.कुटा क्षेत्र.ट्च.ह्य. बटा.खे.वाब्य.कुट.क्ष्य्य.खे.लट. लट.पर्वेट.पथ.अष्ट्र्य.जो क्र्य.मैज.जूट.पश्य.सेथ.त्य.पर्या.पर्या.पर्या.पर्या.पर्या. क्रि. क्री. त्र्रे. क्रुब. त्र्यु. क्रिल. विच. चर्ड्याका बका अचय. चर्खुय. क्रील. विषका निच. प्रस्था वर्षे. સૈનબ.ધી.ધીમ.સે.વુ.ફૂંમ્.વિન.વમે.ફવ.વી.ફૂંમ્.કૂં.તેન.તમ.વી.વય.વી.વિતય.કુંતુ.ધૂમ્ય.ધી. वर्षेवाया त्र्राक्षिताचिषुःवावयाः भ्रान्याः शुः भ्रीतः वो स्वरः मुलः त्र्रितः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स् म्चीटाचि प्रमास्य क्रमा प्रमित्र वार्षे वार्या प्रमास वार्या वार्या मित्र वार्य क्षा स्थानित वार्य वार्य वार्य क्रिंट.शट.त्र.खेवा.शट्र.विशव.ग्री.ब्रिंग्वा.ट्रंट.शक्र्ट.त.यवा.ट्रंशवा.डी.ब्र्ट.ट्याट.त्र्य. શ્રાત્ય.ત્વાત.ત્વર્ક્કેમ.લુતા તું.યુંતા.સ્ક્રીયુ.લાત.ઘોત્ય.લાદ્રાં,તિષ્નત્રા.ઘુંકે.ત્ત્ર્ય.દેં.તર્સ્થ્ય.તામ. "८८७.८॥४.४).जूट, जूबाबाजू, क्रुबाट, खर, दावूट, लूटी है.ह्यट, वाक्ट, तायुबा  $\frac{1}{2}$ न्य  $\frac{$ र्वत्यच्यञ्चर्यत्ये वर्षावस्य वर्षे क्षेत्राचीयस्य वर्षे विष्य स्वापित्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व द्रितः त्रया वी क्षेत्रयः भ्वाया ग्री तिस्ति सित्या क्षेत्रा प्याया प्याया विषया विषया है। ता प्रेयाया विषया व अर.वोयातो कटा.अट्र.ट्यूच.कुच.चेशयाता.धुट.चु.अट्र.विशया.ग्री.कूट्या.ट्रेर.ट्वो.र्लच. र्द्रमासुवाबार वहिंत प्रति तर्त् वा हो प्रांम्य ग्री ही ही हो सु सु स सु स स्वाप प्रांम्य प्रांम्य स्वाप स्वाप त्त्रचटार्ट्यात्रेशावयात्रयायात्राक्षाव्यास्याक्षात्राक्षात्र्याः ययान्यास्य क्रवा अर्दे चा बेया मु र्वेद र्देर ग्रायुया दु ग्रायाया स्नुव के बेट । अर्दे ह्येते लब्राप्तित्य.क्य.अर्ट्र.चर्श्ववाय.त.यंब्र.मी.र्यंब्र.स्य.वांट.लयंट.क्य.अर्ट्र.यु.ज्र.मींब्र. ८८.क्य.ब्रुट.ब्र्बा.बाज.बाब८.क्.चयु.ब्रा.खिज.ब्रुवा.में.क्रेंस्त्री

प्रंत्राग्रीट.कुर्यात्तट्याता.खेवा.जा ट.तव.कटा.अट्टा.क्र्या.ब्रीट.ग्री.ज्रा.क्र्या.क्र्या.क्र्या.वा. योष्ट्या.योट.त्रात्राञ्च्ट.खुटा। यूट.ब्री.ला.जू.क्रीय.पट्टा.पट्टा.पीयोथ.थी.चीय.ता.क्राया.यीया.योटा. क्य.बर्ट्य.भूर.ट्रं.थेट.क्श.जब.घ.पर्वट.तप्थाव.चंब.चट.ऋ.कट.क्रें.क्रंटा ट्रंर. यम्बेराव्याभ्यमायम् अत्याप्ते विष्याच्या भ्रात्या भ्रात्या स्वार्षेत्रा स्वया स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वया स्वर्षेत्रा स्वया स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वया स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्र स्वर्णेत्र स्वर्षेत्र स्वरंत्र स्वर श.र्सर. मृत्यायद्भर.क्य. अर्ट्यु. अत्य. व्रित्या कु. व्रित्या कु. वर्ष. व्ययुर स्थार्स. स्थार्स. पर्युत्र म्री.रियाअक्षययाग्रीटाश्चापरीयान्येयात्ये स्थाप्तीयान्त्रीत्याचीतान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्र क्र्य म्री.क्य.अट्टा.क्रट्य.मी.क्रियी तीत्र्ट.यद्य.त्रुय.वीयतास्यामी.क्य.अट्टा. श्रात्रात्रात्रा मु द्वित श्राप्त सेया सुति यात्र यात्र या स्या मी प्रका मी प्रका मी प्रका स्था से स्था से स्थ लिया भी. र्रे. र्राच्या चीत्र. योषया भीयवार अर्द्धः अरदः विरुपः स्वात्रः विष्या भीयविरः र्यादः <u> इव स्.चट ट्व तर्षे य तपु अपया ग्री क्व अट्षु अट प्राप्ट य में श्रियी हिया हिया है</u> पर्श्वायाराषु:रूटावी:कप:अर्ट्षु:यटप:व्रिट्यामु:ब्रिंबा श्रीयर्ट्राम्चेते:पश्चिर्यासीर्यामीर् चर.म्री.क्षच.भ्रष्ट्र्य.भ्राट्य.म्रिन्य.म्री.म्रिव.म्री.पर्त्र.पर्मे.र्ट्य.म्री.प्रव.जा ट्रेप्ट.वट.वय.मीट. वर्षिट.रविष:इब.स्.चट.रवि.वर्षेषातपु.क्.ह्य.ग्री.(१८०-१८८४)पू.ट्र.धु.वि.स्. यश्विभःर्यटः वी.कटा.भर्तृषु.भटपः विट्यांग्री.पर्तु.पश्चिरः टटः कटा.श्चटः ग्रीःल्.पर्विभःहः क्षेरः हुट'च'दे'धेवा

ब्रमान्नहोताः सूर्यात्रम्यम् स्त्रम्यात्रम् स्त्रम्यात्रम् स्त्रम् स्त्रम्

श.क्ट.च.खेता.थे.की.५८२वा.क्षेत्रा व्यवसायट्या.खेत्रा का.क्ट.च.खेता.थे.या क्षेत्रा व्यवसायट्या.खेत्रा क्षेत्रा व्यवसायट्या.खेत्रा क्षेत्रा व्यवसायट्या.खेत्रा क्षेत्रा व्यवसायट्या.खेत्

अह्र्यः ह्यान्या भूतः ह्यात् क्रां क्रां क्रां क्रां क्रां क्रां क्रां वाचार प्रते ह्यां अक्रेत् प्रवापि ह्या ट्रंभियम्यविट्रायाः त्रुव्यात्राच्याः वृष्यात्राच्यात्र्यात्र्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या ह्यं स्.चट.ट्यं.वर्षे अ.राषु.श्चेत्याट्र.लुच.कुटा तय.वट्र.श्चेताःश्चे.कु.क्व.अट्र्यः श्चेत्राः बु.गूट.त्.कु.झट.टे.हेब.वाबु.वियातपु.याश्चाययायायक्वेटातपु.जूटाट्टाह्री ज्.क्या ग्र-ज्ञिन् ग्री-क्र्रेन्य, श्र्वाया त्रे व्यन् क्रियाव ग्राह्य क्रिया क् ल्र्न मिन् मून र्स्र वार्ष स्तर्भ वार्ष स्तर्भ स्तर ब्रूंचय्र र्चेव्यं व्यक्ति होट स्ट्रें स्ट्रें व्यक्त के स्वाधिय स्वाध क्रालेग्रायाश्चित्रात्रेत्रत्योयाय्यवेषाया "त्रायायते हीं में त्रायायत् वर्षात्रायाया योड्या.यो.च८.री.ल८.ट्र.क्षेत्र.पश्चीय.तत्र.च्रीट्र.ता.ज.योवाबा.श्च.पश्ची.त्रात्री.व्रीया.लूट्री च्यया.ब्रन्.जा.यह्य.रं.क्रेन.ता.पह.ताय.,ख्या.वायीत्याता.क्षेत्र.ताय.क्ष्ट्री हे.लाट.क्षे.ज् १८९४ 🎚 ८ क्र्य.४५ थ्रेष.वर्षिट.ट्वाट.र्स्य.स्य.स्य.ट्य.ट्ये.ट्ये.ट्येथ.तर.विट.ट्येवाय.विय. त.र्ट. । जू.रेषु.श्च. ५ तर.वाब्र. ह्यर.र्ट. गूर.ह्यर.श्चर.वंचल.व्येष.व्येष.ट्र.जूव.चक्चर.तर. यम्बा र्यट्र्यामी'न्यमाम्पट्रस्य द्राप्त्रमाम्प्रम्य प्रमास्त्रमाम्बर्मा प्रमास्त्रम्य प्रम्य प्रमास्त्रम्य प्रमास ब्रूट-द्य.पट्य.य्य.गूट-ब्रुट-र्ख्ट-ड्र्याय.रा.ब्री ब्रुट-ट्र्य-मैज.र्चय.य्याय.प्र.मैय.त्तरा. શૂ.જુબ.ઋંતબ.૮ુંમ.ૡૢં.ધિ.ધિંતા.ઽે.૮ેજવો.ર્જ્ઞ.સૂંદ..જ્ઞ.ટી.ક્રી.ઝુ.તા.ડ્રોવો.તા.ક્ષેમ.૮ેંદ.ો ક્રે.ક્રે. 

श्रीताःश्रीःजावोयटा चारुः श्रीचयाःग्रीटा ट्रेयाः लुयः त्यरः क्ष्वाः चवाः चळटः क्ष्वा श्रीः सीयः क्षेत्र ययः जूटा ट्रेयां कुटा। ह्याः जुटा वयाः गूटाः जुटाः जूट्याः ह्यायाः यवः चटुः श्रीः सीयः क्षेत्र ययः जूटाः च्याः क्षेत्रः जुटाः गूट्याः कुटाः याः ययः याः व्याः व्याः कुटाः याः व्याः क्षेत्रः व्याः ग्रीः व्याः व्याः कुटाः याः व्याः व्याः

 $\underbrace{1}_{\text{ALT}} \underbrace{1}_{\text{ALT}} \underbrace{1}_{\text{ALT}}$ ब्री चिट्राराप्त्रेयातह्युं क्रेब्रार्यात्वायी,ट्यट्रार्युत् क्रियाचर क्रेट्रियाया "यानेरायायर क्री र्च्या. श्रमः क्ष्रमः भूटः द्वाः मान्यः याचे प्रमः याचे प्रमः याचे प्रमः विष्यः याचे प्रमः विषयः याचे प्रमः याचे प्रमः विषयः याचे प्रमः विषयः याचे प्रमः विषयः याचे प्रमः याचे प्रमः याचे प्रमः य वयःग्र्राट्यंराखेवया देवःदियाङ्गःक्षेत्रभटाःदिःग्राञ्चःयःद्वाद्यःह्यःह्याःद्वाद्वायःद्वायः ह्ये<u>८.च</u>े.पद्युवी.कुट.टेयट.कु। बीय.शघष.शु.वीकुवी.तपु.मुवीश.शघष.रेवी.ल.पह्या.क्षेत. इ.क्र्यायातपुरक्षें,ययापरीयाच्ययाक्षें राषाह्रीरायपुरक्षेत्रयातुरक्षेत्रयातुरक्षेत्रयातुरक्षेत्रया  $463.2 \text{ MC.55} \times 10^{-3} \text{ MC.52} \times 10^{-3$ शट.र्ट.तक्ष्रा पद्मि.पिट.तम.क्रॅ्र.क्र्र.क्र्र.क्री.रशवी.पर्वश.क्ष.म.भ्री.तपु.क्र्वा.पे.टरमा वर्षाचिन्वत्रवाची केन्द्रमान्यां मान्या हिन्द्रमान्या वर्ष्या हिन्द्रमान्या वर्ष्या हिन्द्रमान्या वर्ष्या हिन्द यव : द्राद्वो : खुवाबा : ग्रीबा : र्जू र : द्रावा : र्वेद : द्राद्वा : र्वेवा वा : वेव : पु : अदः " वेवा : ये त्त्रीय द्राप्त स्त्राप्त स्त्रीत स्त्राप्त स्त्रीय स् भैत्रात्त्र पर्ये व.त.वा स्रेर्त्य त्रात्र त्रात्र वित्र त्रित्र हिंत्र त्रित्र त्रित्र विवा वित्र त्रित् त.श्र.पश्चेंट.ह्र.इपु.सेपबायबात्त्र.पर्याक्षी भाष्यपु.ह्येबाबायह्य तबाबा बाष्ट्र.कु.कु.कु. र्वाःवीबारम्प्रेतः हेःवीम् वाः क्ष्यबावीः कुष्याः विदान्नाः विदान् मि.पहट.तायी अटप.पुंथ.शय.पट.पुंप.मैं.श.जय.शबूट.कु.टा.श्र.ताट.शुट.तथी य.भें.टा.

ह्येर मॅंट र्रे लेब रादे धुवा तदी दी मुदा र्हेट धेवा क दट केब हा रादे राद र्वेद वाहेबा गोपु.लोबा.क.र्थट.भूट.टट.भूट.सूबोबा.श्रट.बी.टबा.क.शु.पट.टा.श्रट.टे.पर्वेटा भैजास्त्र. चर्छः विष्ठेशः भ्राच्याः स्त्रुवायः देरः ग्रीटः ट्यारः द्यः प्टटः वहंत्रः श्चाटः श्वायः ने श्वायः स्वतः विष्ठेशः  $\mathbf{Q}(\mathbf{q}) = \mathbf{Q}(\mathbf{q}) \cdot \mathbf{Q$ त.लुब.धे। रविषा.विब्दा.ये.यबु.र्यटाबूरि.ग्री.धूराङ्ग.यैवा.थै.श्र.वोङ्वा.स्वाथा.ये.थु.पर्वीट. लय.चेय.विया ट्रे.इय.क्रें.युवी.मील.वी.वार्षेष.वीय.मीटा.भूरे.पूर्वा.वा.पट्टी.क्ल.वार्षेष.वी. श्रात्रात्रां का के क्षेत्र के के त्रात्रा के के त्रात्र के के त्रात्र के त्रात्र के त्रात्र के त्रात्र के त्र श्चिति न्द्र्यं क्रिक् । स्राया श्चित्र श्चीत्र । प्रमा प्रमा प्रमा ग्वी न्द्रमा या प्रमा प्रमा ग्वी न्या प्रमा भ्रीट.ज्या.चुर.च.वीट.क्री टेवाब.ग्रूट.ज्याबाक्चर.पच्च.वीट.तपु.बालीवाश्वट.त्रां.चट.ग्राराबा भ्रीपु.पूर्वा.पे.पर्वेवा.ग्रीटासिजायर्ई,सिष्ययावाषूय.क्ष्यायवुय.क्षायावियायाव्याप्रकारायायाः भ्री. र्टातम्बार्यात्राक्षरासुरासुरा मुक्तायार्ये प्रवित्राचित्राचार्ये वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे त.र्ट. । यत्रवाबाताः क्षें वियायर्वा यर्ट क्षेत्रः हुं भूर क्षेत्रः दे त्वा वा यहे व त्वा पार यं भूट.ब्रियंय.थे.ब्रुंतया.चंयंय.क.च्र्यंताया.क्राच्याया.वर्केट.टटा.वंताङा.च्याया.वर्केट. यथ्रियाचींट.खुटा विषाक्राययायायक्रीट.क्र्याताचु.स्यायत्र चीयाश्रवपाट्यो.सेयायास्य वार्ष्ट्रवायातायम् प्रमृत्या वार्ष्ट्रान्यातास्य व्याप्तायात्रम् वार्ष्ट्राच्यात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया ग्रन्थित्येत्रयानुषात्र्यान्ति । स्वात्यात्रयान्यान्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्रः स्वात्रः स्वात्रः वित्रः हारागितः तकुरा ग्री: म्राज्यां वर्षे स्राम्भे सेटा पटा र्या आवर्षा ग्रीया सृग्या स्राप्ता स्राप्ता यावट.च.मुटी विश्वश्राम्ट.कुवा.श्चिताच्चर.चषु.सूव.भुव.शिट.ह्याम्ट.शुट.हुर.चर्झ.

इव. स्. शु. पटि वा. तथा। स्थ. टेट. ग्रूट. त्यु. तीया. वाचेवाबा. त्य. खी॥, खेषा. विश्व. क्षंटा। ह्य . स्या. त्यु. स्या. त्या. व्या. व्या.

ग्रॅंट ब्रेट स्व पर्ट ब्रूय भ्रुय पावट पर वी प्रंट ग्री ब्रेट खेट खेट वी ग्रेव धुव की कार्य कर र म्रीट्-व्याग्राट-ट्रेट्-व्रिम:पर्ह्ममायायनु-भ्रायनेयानियः मृत्यंत्रःभ्रीट्-द्विमाया रट.र्वार.वायट.व.श्र.श्रुर.तथा ट्रे.क्षेर.भूट.श्रुर.ल्ट्या ह्वाय.तय.वट्र.श्रुय.श्रुर. वाबट्रियानादे के अक्षव वार्ड् न्या विवादी ट्रिया अति वाष्ट्र व त्रव. तर्रे . इंत. भें . श्वीया रता वितायभेष . स्वीया त्री . भूरा तश्चित्रा देवा त्रा त्रा वा श्वा परीयो, कुषारीरा विवस्तात्व किया प्रमित्त विवस्त विव यट्रे.क्र्याह्र.चृगुः श्रु-प्यटात्र्र्चेरायते श्रुकाःसुवा अटा अरावार्द्धन् ग्रीया अर्क्षेत्रायते स्व लीवाबाग्री.ट्र्बार्.मी.कुर.टाझेरा क्र्या है.पट्ट.टाझेब.ताला खेब.येबाकु.खुट.लीवाबावाखे. या.वया.क्ष्या.ह्यट्या.तया.व्र्टा.प्रटा.क्ष्टा.प्रटा.तव.यट्रा.ताया.क्ष्या.ख्रा.क्ष्टा.,,ख्या.तव.यट्रा. श्चिल,श्चे.टवे.टेवट.क्चे.अष्ट्र.पुंब.रच.कु.खुट.क्ट्य.ज.चर्ड्च.अट्वे.वि.व.च्वे.वे.वाच्चेवायाचा ८८। तथ्यत्र.क्ष्यः इ.चैग्री.क्षे.र्यटातक्षेयःताला.बुयः २४०.कु.बुटाजीवायायायुः वा.यया क्ष्याचेत्याया विवानु विवायायायाया विद्याया प्राप्ता ह्या विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय म्रीट्रप्य पट्रिश्च्याभ्रुराम्बद्धार्म्य प्रति हैयाग्री भ्रद्या उत्तिमाधित ग्रीट्र मार्ग्य प्रति स्थार्मे स्थार षव परि पर प्वार स्व से ज्ञा परि के क्षा प्राप्त के का केव से जी र की का केव से जी र की का केव से जी र की का कि र्थिन त्रमाने का नेता है के सामित्र की मीन विषय में मिन विषय मिन किया मिन क श्चेत्रव्यव्दर्भेषात्रत्राम्यत्रहेत्रः श्चेत्रात्र्यवात्रहेवात्रहेत्रात्या श्चेश्चेत्रव्याम्यश्चेत्रत्येः

जाराविया है। तय पर्ने प्रायु से संस्था मीवार से दिन से स्था प्रायु से स्था प्रायु से स्था से स्था से से से से स शु.श्रव.कै.ज्र्य.लय.श्रट.क्ष्त.ग्रीय.घवा.वाङ्ट.चियात्र.टी.ग्री.लय.४४४८४८.ता.क्षेत्र.प्रे अर्दराया ग्रांटाज्ञेटाज्ञे त्यवास्वायायायायाः विवासः वार्हरायान्यायायाः विवासः वार्हरायान्यायाः वावय तपु र्ववाय मुव अट र्स क्ष्वा र्ल्य पायटा वावट र्स्वा त्या मिट र्स्र अस्ट तस्ट्र क्रॅ्रियर्थः विवाबः ८८ : पवा : कवाबः क्रेत्रः युद्धः स्वावतः ८८ । वाब्दः देशः त्रवाः ग्राटः क्लेंबाः विवाः क्र्यातपुरत्य तर्ने तर्भात्र विषायार्गातर्मे तर्भात्र वर्भे तर्भे तर्भे तर्भे तर्भे तर्भे तर्भे करा स्रीत्री स्वा वयाग्रीट.ट्रम्बाट्यास्त्रास्त्र वाट.क्षेत्रःक्षुं मुवि ट्रिन्यालयः ह्ये ह्येट् वया मिट ह्येट ख्राट्या ह्त्वायात्वयान् ह्यायात्वयान् ह्यायात्वयान् ह्यायात्वयान् ह्यायात्वयान् ह्यायात्वयान् ह्यायात्वयान् ह्यायात्वया यो ही.ज्.५८०० द्य.ट्रेर.श्चर.लट.ग्र्ट.श्चर.ह्यंवाय.धी.ट्यांप.ट्वे.क्यांवायाया वयान्व्यावायव्याव्याः स्टान्याच्या स्थान्याः स्यान्याः स्थान्याः स्यान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्यान्याः स्यान्याः स्यान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स ८८.जश.मी.पर्यात्रास्त्राची मूट.मी.मिट.जश.मेश्राच्यास्यात्रात्रास्त्राच्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा लूट.पर्या.कृटा श्रेपबार्ट्र.प्याप.र्वा.सूवा.वाश्वेत्र.बट.वी.रवी.सीवाबाबुर.सप.कुर.गूट. र्यायव प्रते प्राधिव क्रि. मेरी रीट. ट्याम. मुच. त्रा. कुष्ठ, क्र्या. ब्रीट. बीट. प्रत्येला बट. स्रीट. त्रा षिजाम्भीत्रय निर्मेव न न्वातःस्त्रःस्यान्यःस्त्रं स्वान्यःस्य क्षान्यस्य विष्याच्यान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य ज्.क्रीय.श्री.टा.बुवा.वुवा.यूवा.पूट.त्रु.ज्.क्रीय.रवायाता.बुवा.ज.दीवायाक्रीयायाचीटाटा.बु.ला.कर्ज्री

वावयःलटःमिरःर्ज्ञितःग्र्टाःशयःक्यःश्रद्धाःशुःश्वानुश्वाः विष्यःभिरानुश्वाः तहावः स्वानीः मुलार्चनाना प्रमातिकार्त्या (१८४०)र्देन ञ्चा सार्वा निर्मातिका निर्मान स्थान निर्मान स्थान निर्मान स्थान स्थान ञ्जवाषाः तत्त्ववाः (१८८०) च्चाः पायञ्चः वाद्यवाः पत्तः त्वेरः सः तः त्यः त्योः पत्ते । यदे । यदे । सः मुद्रा स योष्यावयान्त्रीत्या र्यान्राचेराचेराचेराचेरायान्यायान्यान्यान्याच्याचार्या क्षेत्रास्या क्रे.ट्या.च्यया.ठट. चॅ.चट. यी. ह्र. योठ्या क्रेत्र . द्यूत्र यात्राचा या य्या.यी. ही. चॅ. **અત્ર.**(તું મેં તૂર્ય સ્ટ્રેમ તાર્થિયા મું. સેરા બાવવા તી. મુંતુ ત્યા સંત્રા કે. સંત્રા કે. સંત્રા કામ ત્યા કે. સંત્રા કો. માં તા કોયા તા તાયા કીરા. वर्ष)अर्ट्,शैर्ल्याय्यायत्वायात्राः क्षेत्रः जिराधेयायः प्रत्यायात्रः व्याप्त्राचित्रः व्याप्तायात्रः विवादाः क्रपास्त्रियान्त्रास्यस्य १५००० "तह्रामुलार्वित्राम्यम् मुन्यस् ર્ટ્સ્ય.g.ર્વે. જાલવ.ર્વો.ક્ર્રે.પરુખ.સૂવો.રર્જ્ય.છે વી.સુ.શ્રૂપ.ગ્રી.શૈબ.દ્રયા.વ૪૫.શ્ર્ર. ष्रमायमः मुःतयवाषायः अदेते प्राप्तायः विष्यः प्रति । स्विषः प्रति । सुष्यः प्रति । सुष्यः प्रति । सुष्यः प्रति चित्रः श्वरः प्राप्तः भूवा ग्राप्तः तर्ह्वा यावतः अह्तः छेवः तृतः । तृतः रतः श्चेतः श्वेतः श्वेतः श्वेतः श्वेत ग्रीया. ट्रिया. ह्रीया. टीया. ता. कें. क. यत्यया तहीयाया. त्या. ता. द्रियया "ते. यया या. दी. कीया. त्रा. कया. अर्ट्र-भुँट्-१८८। वरावश्रयाग्री: मुंद्व स्ट-अयात्यवायाया संद्वी वर्गाता सुर्वा वर्गाता सुर्वा वर्गाता सुर्वा व र्वायात्राञ्चेर स्वाया मुला रादे प्रायाया पर्याप्य मुला मुला स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स क्रवास्र्रात्यवाषायाः स्रायास्याच्याच्याच्याः च्याच्याः च्याः स्रायाः स्रायाः १८७४। ''रोर्-रेर्न्वर्येन्गुः होर्ने ख्यानेयान्ययानहन्वात्रहेव क्रियामुयामीयाहोराहो न्वोत्या क्रिया. चुरा. ख्रीया. प्रक्रिया. बुरा. पट्टा. प्र्टा. पर्ट्या. पर्ट्या. प्रा. क्रिया. क्रिया. प्रा. क्रिया. प्रा. क्रिया. प्रा. क्रिया. प्रा. क्रिया. क्रिया. प्रा. क्रिया. प्रा. क्रिया. क्रिय. क्रिया. क्रिय. क्रिया. क्रिय. क्रिय. क्रिय. क्रिय. क्रिय. क्र बट.कुब.मैज.त्.ज...चिट.ब्रुवोब.टेवट.वर्भेर.मैज.त्.बुब.तपु.क्.ज्.पह्य.बा.वर्मेवोब. . तेटा अर्ट्-ब्रॅट्-वेट-ब्रॅ-७a-ब्री-झ्-ब्रे-ब्रे-ब्रे-ब्र-अवत-ट्वा-वो-हे-ट्र्-अटत-वार्य्यः वेष-ब्र्वायः 

खे.क्रेत्र.र्टेट.लुवा.बु.इं.ट्वु.क्वेल.रचया.कुरलया ,,ट्वु.खेव्यवा.बु.क्वेटा.वेप्ट्यूवा.सूया.सूया.विया हे। गु.से.पक्षेत्र.पह्र्य.क्र्य.भैया.भैया.भैया.भेत्र.पह्न्य.पह्न्य.भह्न्य. वया यु.सू.पट्यायक्षेव.पर्जू.लूट्याला.वाबूट्ययी.तथा.ट्ट्यी.तथा.ट्ट्यी.ट्यवी.ट्यिय  $\hat{p}$  તથી  $\hat{p}$ ને તથાને ત્રાસ્ત્રાના ત્રામના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રામાં ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રામાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્તાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્તાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્રાના ત્રાસ્ત્ पत्र्या.त.झै.चया.पन्नय.क्टा.ट्या.नुटी लीज.ङ्ग.पुट.झू.पर्श्वयाया.क्टा.ब्रिट्रजार्ट्यर स्वाया शुः श्चेतः चेरः पः शुरः पुरा । । । अंगा र्यते । पुरा प्राया । या प्राया । वा प्राया । । वा प्राया । । वा प्राया र्ततः मेव्यायायात्री कि.स. मुष्ठा स्मर्भे भेष्या पूर्वा मि. तर्रिया प्राप्त व्यापा व्याप्त व्यापा व्याप्त व्याप ॱचुबःत्र्नःत्न्तुबःवाद्रनःसुवाबःवबःधायः। नुबःत्र्नःत्नुवाःवीदःसुवाबःवबःधायः। ८८। यवा.क्ट.पर्याविट.स्वायाचिट.पर्च्याः झै.चवा.पज्ञय.क्ट.मैण.त्.ट्ट.ग्री.श्रीर.ज्ञे. ग्रीत् भ्रम् प्रति । भ्रम् क्षमान्तान्त्रमान् क्षेत्रकृतान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त प्रथमा में प्रत्या ना में मा प्रमेष क्षित्र में प्रमान में में प्रमान में में स्थान में प्रमान में में स्थान स चतुःश्रीट.चम्बाबाबानुं स्टाङ्मवा.बाज्ञिवा.स्वाबाबानुं स्टाविवा.बाजुबान्दा क्रंचःक्र्रेंट्ः श्चित्रां स्वायाः क्रिं स्वायाः मी स्वायाः यात्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स <u> इत्। र्</u>टेट.ट्र्म्य.ट्र्र्र.क्री.कटा.अर्ट्ष्ट्र.ज्र्.क्रैंब.२४२७४१.क्षेत्र.वा.वाज्ञवा.पट्ट.क्रॅ.टव्रा.क्रैल.त्र्या यसवाबाताः क्षेत्रः त्यातः सूच दिः सिषाः सूषायभितः यत्वा ग्रीतः। क्षेत्रः त्या ग्रीतः व लट.ट्र.भूर.भूट.की.भ.वीट.। ट्रेय.य.त्य.कुर.वी.च्रिय.च्रर.की.च्र्य.च्रेर.च्र्य.च्रेर.चे्र्य.च्रेर.भूचय.

पत्तवीयाताः क्षे.श्री ह्येटान् वृष्टा विटान् क्षेत्रा वृष्टा वृष

भैत्रमान्रम्यान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम र्चेषावे तत्ववाषाया संजीव त्यर देवा है। क्युं अर्क्व वी भ्रयषादेर वा विते प्रवाषा स्था वार्क्ट. त्वा. भीवाबाता त्या प्रत्या त्या त्या त्या त्या त्या विष्या त्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या व युःर्रीः रटःयीः सः प्रतिः ञ्चाराधेत्रायाप्याप्राप्यार्थेत्राः प्रतिः केत्रार्थे । सः प्रतिः याप्रतिः याप्रतिः ग्रीमानेमान्त्रा दें प्यत्येत्र है। कवा सद्ति वाद्व स्वमाय्ये (यम् वाद्व स्वस्त्र केंसाग्री) "मुलार्च्या हे तिरीलया धुन्नार्या विवाया ग्री नियम स्वाया या तिर्मा क्रिया स्वाया विवाय । ग्रीयाक्रियः स्थाप्ता म्याप्ता स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्यापत स्थापत स् प्रतः मुः अः धेत्रः प्रमः प्रत्राप्तः प्राप्तः । वैः श्रेमः १८८० । "देतेः मुः पार्वे विषयः । क्रिं सुः विषयः । त्रं, यु... पश्चे प्रहूष क्ष्याग्री मैजात्या ग्रीट ग्रीट दी प्राची र खिट र स्वी र जाया के प्राची स्वाचा वयायोत्रेयायः वेयायद्भव तहेव केया ग्री मुलार्यया ग्राम् वेषा ग्रीम व यावव निया क्षे हे भ्रूषायर प्रमित्रात्ता रवार मुलार्यका ४५००००। "प्रष्टेष प्रमुष क्रूषाग्री मुलार्या र्तिट.रेट.चळ्य.तथ.हीर.धू.रेवा.श्रेट.रे.क्र.चळ्टी अर्ट्र.विश्वय.रेचट.रे.चर्त्रेय.यथ. तयग्राबाक्षेत्र देत्र र्चे के केंब्र ग्री कुयार्चे र सम्तायार्वेत्र 'वेषा तम् या त्या क्षेत्र 'वेषा तम् व <u>२</u>४.मी.अक्ट्र्यायत्तवीयाताःक्षे.ब्रिवीयाःचश्चयाःक्ष्टाःजयाःक्षेत्रात्मःमीजाताःमीःअक्ट्र्यःक्षां.ख्या शक्य.वोस्तामिता वी.च्या.अर्ट्र.विशय.टेचट.टे.चर्झ्य.येय.ह्.पट्र.क्यामी.मैज.त्.क्य. त्र अटय व्यक्तात्वा ट्रे वया पर्येट त्यवायाता के क्र्या मी मेला त्र व्यत्र हिंगा चेत्र'त्रं त्रवा.त्र. विज्ञः क्र्यायचिंट. वी.पत्त्र. अधि. < देजवा "वायवा. यपु. ट्वटः हिंवा. चक्षेत्र.पह्न्य.क्र्य.ग्री.मैज.त्र.प्या.भी.चेत.चर.त्रच्या.चर्यर.त्र्चया.तर्रा क्र्य.व्यव्याह्य.

ગ્રીમ્પ્યુમ્પર્યુપ્તિન વાલયમાં ત્રાફ્રેસ્ટ ક્રેસ્યાનમાં નિર્માન ક્રિયા સામાના ક્રિયા સામાના કર્યા કર્યા તરી તાલય ત્રાફ્રેસ્ટ ક્રેસ્યાનમાં ત્રાફ્રેસ્ટ ક્રિયા સામાના ક્રિયા સ્થાન સ્થાન

<u> ८.५८५.वी.चेश.पत्तवीश.त.के.क्र्य.ग्री.</u>कैल.त्र्य.अटप.वीक्र्ज,यंत.यंत्र,टि.वीक्र.क्र्य.त्र्य तपु.कै.अक्थ.जम् वी.से.क्य.अर्ट्.थय.ट्यंथ.थी.स्यायायाच्याचट.कुथ.सॅ.ब्र्याक्रायाः तस्यायाराः क्षेत्रः सहयाः वाद्मार्त्ताः क्षेत्रः तत्याः वाद्मार्थः वाद्मार्थः वाद्मार्थः वाद्मार्थः वाद्मार्थः प्रथमःग्रीःमेलःस्त्राष्ट्र्यःवटःक्रवःमेलःत्रःवुःकुःष्ट्रमःग्रीःचलःख्याःलवःतःपद्र। त्र्टःट्यमः ब्रियोबायोटिय.बा.विया.येबा.योटाट्राअर्थ्यट्या.कु.चक्रेंट्.व्रीट्.ग्री.लूट्.टा.व्री श्री.मु.क्र्यापवीटा ७५५०४। "त्य्र द्वित्र द्वित्र द्वितः कुषः चार्षः व्याप्त द्वित्र प्रति । व्याप्त द्वितः वित्र प्रति । वित्र वित्र प्रति । वित्र वित्र प्रति । वित्र वि किटाल्र्ट्रिश्चर्रियात्र्यावात्र्यावात्र्यावात्र्यावात्रः मुलान्तरात्र्यावात्रः स्टास्त्रेत्रः श्चिल, श्चे. प्रु थ. त्. कु. याचु य. ट्राूय अकूर्य , यूटि. सिट... कटा आट्र. मीज. ट्रिट. उत्तर्याया त. सी. जा. तर्वेग्रयाष्ट्री. र्ट. तरुष. एचया क्षिप्या क्ष्याया क्षेत्र, यार्ट्र त. याया यी. र्टि. जा. प्राची प्राची प्राची रट.पुष्रःश्चेल.श्चे.पुष्र.पुष्याचाषायत्त्वाचाषायञ्चाचाषायञ्चाचायञ्चाचाया र्वर.पर्वेग्रय.पर्वेग्रय.पर्व्याय.क्रं.य.क्र.च्यायाय.तप्तु.पर्योय.पर्व्ययावीर.प् शह्र, कुषायचित्राक्षिरात्ता वसवायाता क्षेत्राती त्यावायाया क्षेत्राची वसवायाता क्षेत्राची वसवायाता क्षेत्राची व र्रातः भुद्राचीया चीव प्यास्या स्था स्था स्था स्था स्था प्रत्ये प्रत्ये प्राया प्रायम् प्रायम् । प्रायम् प्रायम् प्रायम् । ज्यीताः अष्ट्रयो निर्वे यक्रूंट्.शट.र्टे.पर्वेट.यथ.ग्रीट.अक्रूच.खुट.। ट्र.जग्न.व.वोयज.य.खुवो.यु। वर्षिट.र्टवोष. ह्य सं चिट न्तु पक्के राप्ते भ्रापका स्ट्रिंगु म्रापका की के अर्हेट र्ट अर्ख्ट राप्त राप्ते

ब्रि<sup>.</sup>ब्र्यः वाप्ट्रवः त्रेचयाः चुर्यः पः पुः त्राः वितः वाद्येषः प्रसः १००१ वाष्यः पः द्यी व्यक्तः अर्क्ववाः श्चाराक्रेव रॉग्वॅ| न्प्ति ने प्रेंवा रेअपायमायन रॉग्वेवा स्वेषा थेना प्रेंचा प्रेंवा स्वेषा स्वेषा प्रेंचा स्वेषा स् याञ्चार्योत्यात्रात्त्रः वार्तेत्यात्रवाकेवायवेषा देवायायविषायदे वत्यः स्वारायाद्ये वि. ट्यर वया यायेखा रुषा रा याद्येषा राषु वर वि. द्ये राष्ट्र स्तर याद्ये प्राप्त वर्षा रा विषय वर्षा राष्ट्र विश्वभार्यः व र्यादः स्व द्वादाः या यहः क्षेत्रः सेतः की क्यः वाद्रः तस्वावायः सः चळ्यायाश्वयारेट्। ग्री.क्टाक्यापचिटातिरोजया "याच्चयाक्टायययायाश्वयाटी च्यायायाया भ्रे.विचया यत्रवायाताः ही चवा.वालच.भ्रे.भ्री थ्र.टेचट.लच.जय.क्या.प्रथा.प्रवाया इव छ्या.योबट, ख्रेय.ध्र.भ्र.भ्र. क्र्य.पर्विट.यो. सेचय.ध्र.लट.परायाय.त.इ.च्रे.घ्र.ट्यट.लच. য়৶য়ৢয়য়৸য়ৢ৾ঢ়য়৸য়ৢ৾ঢ়৻য়৻য়ড়৸ড়৾৸ড়৸৻য়ঢ়৸ড়ঢ়৻৸য়ড়য়য়৸ড়য়৸ড়য়৸ড়য়৸ चिष्रयात्राप्त्रेयात्रे प्रविधायात्राचे त्यवाया स्त्रेते प्राप्त्या तहेत् म् मा स्वीया राष्ट्र. यू. रूथ. जूर्याया. ट्रे. कूथ. जीयाया. ग्री. पर्यू. क्षेट्या यावय. वृत्या. रूटी ट्रेयाय. विया क्षा. हार्याया <u>पर्केट.ग्री.क्र्यापर्विट.४०९णया ,,ट्रट.यट.यु.क्र्.स्ट.वी.चु.मैज.त्या.क्र्या.त्यु.ट्रिट.</u> व्या.पे.ब्रैब.टेट्य.बेय.बेट्य.ब्रै.त्र्र.बेट्य.धे। जयवायायेथायाः बयायट्या.क्षे.जा यगाय:ट्रेब:भ्रुट:प्रेत्याय:यग्वाय:र्यः,खेय:ताःक्षेत्र:यी:च्रेयःविययःश्चे:त्र्र: व्राट्याययःयः रेबाबट र्यास्यान त्या केंबा होत् विषा ग्रिवा का व्याप्य विषा पा स्रिवे स्वावा मीवा वे भैत्रान्त्रान्त्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्व्यान्त्रात्वेषान्त्रात्वेषान्त्रात्वेषान्त्रात्वेषान्त्रात्वेषान्  $\underbrace{A. \exists C. \angle G. \Box \overset{\circ}{\cancel{Y}} a. \cap G. \underbrace{A} a. \neg G. \overset{\circ}{\cancel{Y}} \Box a. \underbrace{A} a. \underbrace$ यावव राविया सेना

ट्रे.क्षेत्र.य.लट.भ्रुेब.राषु.श्रघष.थ.पक्ष.च। पर्टेब.राषु.शघष.श.चन.य। पर्चेत्र.राषु. अवतः अ.मेंट्र.त.वु.पह्ना.मेंव.मु.क्र्या.कुट्र.लुव.तम.ट्र.जम.चर.घटम.च.त.त.त्.ल्.लूट्री ट्रेर. यम्बेर-पर्यूर-विश्वया-राम्बर-परिवाया-(१८५८)पश्चित-र्प्य-द्विर-श्च-अकेर्-श्ची-वार्क्य-तपु.क्रत.भ्रद्यु.ब्र्यिषायाता.क्षेत्रयायायायायायु.पयू.तपू.तपूर्वायायद्वीयायद्वीयायाची पवटः५८८लम् "कपः अर्देतः द्वं द्वं द्वं पः पवटः यं मः श्वे पः दे खेट् अः प्ववामा प्रते स्रेचयायान्त्रीत्रात्त्रियाः स्रियाः स के.र्ततत्र्यात्रम्.प.मुर्ट.पर्ये मुकार्ट.प्र.या.थेल.थाल.र्येश.ता.पर्वेल.त्र.पर्देश.यथा  $[9(34)\sqrt{2},4]\sqrt{2},4]\sqrt{2},4$ र्वायःर्ज्ञवःर्यःचटःत्रमः बुवः क्रेःक्रेःवर्षः क्रुंः अर्क्षवः अटः रुः चेमः वः हेषः श्रुः चिषः क्रेंः स्वा अति कु र्देट वि व ग्रान्त "बेया प्टा ५०) "करा अदे प्रवेत दुट बे पा प्रमा र्यं प्टा जूट.क्थ.कुर.पश्चट.पपु.मुश्रम.पवील.मु.तवी.लटम.मिश.तर.थु.कै.पर्झेटम.मैश.रच. प्रचित्रम् तागुन्न निष्य प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रवास क्षा माने माने क्षा प्रवास क्षा प्रवास क्षा प्रवास क्षा प क्षर-ट्यूब-र्टेट-ब्रब-ङ्ग-झुट-ट्यूट-ब्रब्ब-रच-ट्यूब-ब्र-ब्य-ट्यूब-ब्र्य-ट्यूब-स्व-रच्यूब-र्यूब-ट्यूब-ट्यूब-ह्य स्.चट.तथ.४.भु.चुष.क्षेत्र.तपु.कूट.कुत्र.चुट.त.टट.। योज.बुट.टु.क्षेत्र.चीट.कु.विष्यं गूटाङ्गानश्चराष्ट्रीय क्रीयाक्षाक्षाक्षात्राच्छीट तर्व क्रीयाङ्गा गीय वयाचा श्चिया छीटा या  $\angle \angle = 2$  જ્વાસ્ત્રે સ્થ્રે સહિંદ્ય સ્થાસ્ત્રમાં ત્રાસ્ત્રે સાંસ્ત્રે સાંસ वे रचार मुयारच्यायया "न्यॅवर्न्ना मुरायकेन् सुटा चन् स्थानया योगाया यो वेया प्रते । म्,ट्रंब.शुब.वथा.क्षेत्राधुटा क्रि.मुव.ट्र.ट्या.लब.ज्र.क्षेय.ट्र.ह्.क्षेर.एयोजा.ट्यु.श्रवर.विया. त्र त्रेष कुष हुट र्स्य अर्कें तर्वा

<u>इ.ज्ञेट.तज्ञ्ट.वेशक.र्यायम्ब.श.पर्वेगेक.हीव.वर्षिट.ट्येप.र्ह्य.त्र्यायटातक.क्र्.श्र.मुब्र.</u> क्षेत्रात्तरम्ब्र्याक्ष्याक्ष्याच्यात्रम् । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । "भ्रेष्येरम्युपक्रेव प्राप्तुव भ्रापित्र स्रापित्र मिष्य भ्रिया पुरापित्र विष्य स्रिया स्रिया । परिया विष्य क्ष्य.वाध्यातारवात्याथा.त्रातातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्तातात्रप्त ष्ट्रेषाप्यायान्यवरान्व्रिषार्ख्याची धी वी सुरायराञ्चया सुरायरे वात्र स्वर्याया सुरायरे वात्र स्वर्याया सुरायर चि.य.पट्र.पट्.झे.लश.क्श.र्यपट.चि.ट्यूब.श्रट.यट.य.क.पट.पट.पट्य.त.ख्या.श. र्बेटा। प्य.ग्रीट.या.श्री.यटवा.कुर्य.ज्ञवाया.एकट.कुर्य.त्.र्यटा.पर्विवा.ता.तर्थै.र्याय.त्.वाध्या ग्रीमायदे वाचर लट लट पश्चित्य रामाविट वादिया दे में प्रति व में स्ति श्रीमायर वावाया रा ल.चश्चे $\mathcal{L}$ .प्र.प $\mathcal{L}$ .वाध्रेया.ग्रैया.ग्रैया.पश्चा.सं $\mathcal{L}$ .प $\mathcal{L}$ वा.च्च्रा.यप्र.श्चे $\mathcal{L}$ या.श्चरा.श्चरा.श्चरा. चयाञ्च क्रेव ग्री ज्ञा चे अट ग्री विषा अर्थ र अप प्राप्त अर्थ र क्रे जे प्राप्त प्राप्त र क्रेव क्रे जे प्राप्त प्राप्त र र्द्रट-ट्रॅग्नर्था-प्रस्थ र्स्ट्रट-प्रिट-पर्दे ने प्रतट-स्रेट्-स्ट्रिट-स्-स्नि-प्रस-जन्न-प्रस्था ग्रह्म-प्रीम् त.लय.ब्रब्य.र्जिटा.ब्रुव्यंबरश्चे.यर्जयंबर्यंबर्यंबर्यंच्यः चित्रः क्रियः व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते त्याप्त र. ट्रवायायात्राचियायियायटे. वाचरायस्यायायायायायायास्यास्यास्यास्यास्या व्यार्थित् रामः श्रूटः दें।

चीवात्रकृरः बैट्यः के स्वीचुवा लूट्यपुर्यात्रीट्यः स्ट्यां क्षां चीयः स्वायः क्ष्यः स्वायः व्यायः स्वायः स्वयः स्वयः

षुवाःस्ट्रान्तःस्वाबाः इत्राचाद्यावाधारम्यान्यः वित्रान्ताः हेवाः सुष्यः स्वावित्रः वित्रान्ताः विवाधारम्या क्रेट्रप:ब्रिट्र ऑ.इ.अ.अर्च्रुव,यावेर.र्टेट्रतायावया:क्ट्रिया:ये.पटेट्र,श्चेत्रया:प्रुया:क्र्य भ्रॅम् केव र्षेषापञ्चर भ्रेंव अट र् यावट पते नुर विवाय मेंट रे भ्रेंवाषाय पतिर र् याचर ग्री क्षें र्रेट 'र्सेट 'प्रेट प्रते क्ष्रियम ग्रीम ग्रीम र्सेट 'वीम ग्रीमे हें ट्रमर 'र्सेट 'यम क्ष्रिम हेंट ' याषुयात.चयावयाच्यातात्वीर.क्र.क्राच्छी चेर.क्षेट.पर्वश्चर.खे.ची ह्र.ह्र.च्या न्ययारी पालक मुक्ता विराय करामित मित्र मित्र पालक मानित मित्र मित चर्यूट्.वश्वयःट्वट्:धेंट.चश्चेंच.तपु.जथःश्चें.र.र्ज्ञ.त.लीवो.र्ज्ञव्यवारकट.यु.रजःग्री.र्लेंट. यम्वाप्तराज्या नेराप्वापाञ्चरापात्वाराज्यात्वापाच्यात्वापाच्यात्वापाच्या र्देरः त्रु पत्र पते रेंब्य पठिषा वी जित्र हो पा प्रेंत्र वार्षेषा हा या त्राय पत्रे वाया कुया पेर पगात पर्मेष प्राप्त क्षा प्राप्त विष्ठ । या प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष द्रव्यवाञ्चवावाने वाचे क्रेव विदायमध्येव "वेवाद्दा ४५७" कुवारी में दिस्त र्वेवा मु चर्षियोयातपुरक्षेत्रयाचूराची,तयापरास्वा,यायराङ्गियाञ्चेतात्रम्, भ्रांताब्वि, ताल्यमा त्ति'त्रचेत्रम्'ग्नित्'हेते'यम्'र्ह्नुर'गुट्'चुम् क्व'अर्दे'व'र्द्र्न्'ह्वेन्'पते'(वाद्रव'खवाय'न्ट्'कु'अर्द्र् र्यात्र इस्तारा रुव क्षेत्रा क्षेत्र स्वाया स्व अट.र्.चैट.ब्रूट.र्यूट.र्टूब.तम.विश्वय.ग्री.व्रिश्वय.तट्वी.श्ब्र्ट्ट.श्र.श्रह्ट.ज.म्वी.जेब. तर्वात्रमारम्भारम्भात्वातिर्वारम्भात्वार्वे स्राभुवात्वात्रम्भात्वात्रम्भात्वात्वात्रम्भात्वात्वात्वात्वात्वात् पश्चितः भूव अह्ट र्श्राट प्राप्त स्त्र प्राप्त रायवार तर्गे प्राप्त मित्र प्राप्त स्वापा भूव । ॕॿ॔ज़ॱ॔ज़ढ़ॱॹॣ॔ॱज़ढ़ॖॱॿॎढ़ॴज़ऄॗॴऄॗऻ**ॕॱॴ॔ज़ॱग़ॸॱज़ढ़ॆज़ॱऻॕॎॱॸ**ॎॱॎ॔ॿड़ॱज़॔ॹ॔ज़ॖऻऄॣ॔ॸॱॸॖ॓ॱॎढ़॓ॱढ़ॸॱॴॎॺऻॱ ह्येल.[ल्ट्रत्युक्तिट्राप्ट्र्योक्क्.[त]यवय.ट्या.याट्ट्रट.ट्यर.ट्य.याट्ट्राप्ट्य.त्यंया. यकियात्यःश्रॅट्राचित्रयात्रवात्रवाद्ध्यःत्र्द्धेरःःःवेषात्रात्रेःवाक्षात्रेषाःकुषादेतेःव्रट्यां त्रवावादाःकेवःद्राः दे:हे:क्षर:वग्गागर्रेद्:चुर्यापदे:व्यय्यायमाग्री:रेम्रायायक्ष्यार्भे

ઌ૽૽૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૼ૱ૹ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽૱ૹ૽ૢ૽ૺઌૹૹૢ૽ૹૢ૽૱૱ઌ૽ૹ૽૽૱ૢ૽ૺઌૢૼૹ૽૽ૹ૽૽૱૱ चपु.सेब.चील.ची.चटबाचटाश.खेवा.हूट.टी.पीट.लूट.चपु.मुेब.ग्रीब.ग्रीट.त्र.च्र.ची. র্ম্ম'ন্ত্-ম'ন্ বিষ'ন্দ'। ৫৫৫"র্মান র্মান্ত্ব্যমান্ত্র্মান্ত্ यय.पड्राज.श्र.पर्या.येट.र्या.जियांबा.ग्री.चीबा.श्री.श्रूर.पंबा.प्र.प्रूर.धूंट.की.श्रूर.यांबुबा.या विश पह्र्य.र्ये.की.की.भूरा जवा.लूट.हूंट.सवा.हीट.वायुषा.बुषा.टटा टी.प्री.जा.ट्रेटा.वायुषारा रीरिजया ,,ट्यूच.र्टेट.खे.च.चवट.सूपु.ट्यूच.सू.वालूवा.कं.चव्याला.सूवाया.ह्ययावजा. ब्रियानम् ब्रियानक्षुः से "ब्रेयान्ता अर्य अ" प्रमायस्य स्थित्रामा स्थापना स्यापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्यापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन त.पर्वेश.चूंश.ग्री.र्थंश.त.थु.यपु.श्र.भ्रेथ.र्वेट.यथ.र्केट.यपु.कूंथ.पर्गूपु.चे.र्यापः क्र्यःश्चितः ही त्रात्रवा च्रात्रा व्याप्तरा व्याप्तरा व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त योट्ट्रिंट् भ्रीत्रायां अर्क्ष्व स्थित योचियाया के क्रिंट्र स्थित अवेश त्याया प्राप्ति स्थित स्थित स्थाप शु.च्र्य.क्षेत्राची.र्वाप.कार्ट्र.वार्ष्र्या.क्षेता.व.र्ट्रा क्र्या.क्षेट्र.क्ष्या.ता.ह्या.तावी.वी.वाप्टर रवा'तस्वर'अ'चन्द्र-'च'द्र-'। गॅ्द-चॅर-'द्रअवा'र्वेवा'तृ'ख्वेत्र'यदे'अद्वः'द्र्येत्र'र्वेर-'ख्नूर' योतुषावषायव पर्ने प्रति हेव ग्राया ग्री जन्या सराधव । स्था प्रत्य प्रति । प्रति । अवर-८्यूब-वैट-७८-८गीट-ब-अबू-त-८८-क्य-अर्ट्-क्ट-बमानव-बि-मान्धून-वार्म्न-भ्रम्भास्य तुःवावतः ह्रे तहेवा राप्ता यव पर्ने पा क्ष्रमार्ग्र वेषाया निवा व पर्मेया श्री - दिन्ति । त्यावा मी मावा स्वार्थ : स्वार्थ न प्राप्त न प्राप्त न प्राप्त न प्राप्त न प्राप्त न प्राप्त न र्तेतः अह्याः है 'क्षेर 'प्रस्थापते 'क्ष्या अर्क्षेत्र 'यर् य "याब्र 'याब्र 'याब्र 'याब्र 'याब्र 'याब्र 'याब्र तर्सेष"वेषायते र्वे द्व याट दिट र्वे में दिश्व राज्य स्वाव राज्य स्व राज्य स्वाव राज्य स्व राज्य स चुबारा पह्, ब्री खुबा बरा वाबरा पारे ख़िरा धरा पह बार पर हो हो । विषय प्राप्त हो हो । अक्टर्गी.वोबट्रक्रंट्य.ट्रे.वोबेट्रक्षुं स्वीवायायापुर्द्धातात्त्र्या.वया.ट्याया.व्यीयात्त्र्या. श्रेव रायरुषायम्बायार्स्याम्बेषायर्म्

त्य...विश्वयाभूटा द्व. तर्षेष मीया भे. कु. टेतट या अच्. टा. मुटे. पर्टेष मीया ट्र. त्य. येता याता. ,, તથ નટ, મેં. મું. કોંચ તથજા મૂંદ કુ. તર્લે થ દ્યો. છેટે. દય ક્રદ જા જૂટે. તણ ૪૯ . સૂંયો જા થદ . रिज.री.रितंट.पर्ह्या.योथट.टा.श्रा.पयोया.वी.शायथ.लाट.श्राट.बुटा.,, खुश.रेटा स्हारायटा ॾ॓ॱक़ॣॺॱ८॔ॱॼऀ॔<del>৴</del>ॱतः८॑क़ॖऀ८ॱऒॱॖॖॖॸ॔ॱज़ॱॻॾ॓ॺऻॱय़ॱ८ऺॺॣ॔ॴख़ऀ॔ज़ॱॿऀ॔॔॔ॱॻॱॱॱ८ॿऀ८ॴढ़क़ॸॱक़ॗऀॱॺॣ॔ॱ कुष तमितात्रात्रात्रात्रात्तितात्रहिषात्रितात्रेत्रात्रितात्रीया त्राष्ट्री साक्ष्र्रात्रम् । विवाःस्टानः स्वाकाः स्वान्यावायायः स्वराचाताः ह्याः स्वान्यः स्वान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्यः विवान क्रेंट्रप: हुट्र, वेया स्वाया वार्याट्य का या विवाय वाया स्वाया हुर्य हुर्य हुर्य हुर्य हुर्य हुर्य हुर्य हुर् तर्ने ते प्रत्या क्षेत्र केत्र केत चट्रे-चःषःअर्केट्रःर्पेत्रःर्वेट्रःत्रमःट्वेत्र्यात्र्यःर्केषःयविषःर्सेयायःचट्याःम्रेत्रःचयमःग्रीयःस्रेः वियापायावराष्ट्रीत्रामुकासुर्धार्यन्या तयवाकारान्त्रीवर्ष्ठवायस्वाकाराते स्त्रा ग्री.जुप्ते विम्.टीवायाग्री.कीजा.मू.जूट.वा.यु.बु.बूबा.टट.चजालट.वाक्य.वाचय.स.बू.वावय. प्रत्या च । प्रतिवाद्या कुष्या कुष्या कुष्या कुष्या कुष्या कुष्या च । प्रतिवाद्या च । प्रतिवाद्य ब्र्यायाययायह्या.शु.येया.ग्री.यटा.प्र्य.यंयायह्यवितर.योश्वेट्याया यात्रोहाग्रीया कुय.त्र्रा इस्रमायान्त्रात्मात्रात्मा प्रतावीत्रावित्राधीयावित्रात्मा स्रात्मा स्रात्मा स्रात्मा स्रात्मा स्रात्मा स्रात्म ब्रूचा.कवाबा.वावय.ग्रीबा.जा.वा.वा वृषा.ता.८८०। क्षेचा.तमा वविट.८४.वावय.ग्री.तपाय.ट्रेय. लबा बैट.च.४८.वृ.कु.च४.चर्श्वरा धी.लुब.५व८.चब.त्व.त्व.क्या बुट.त.४८.वृ. र्तल.रे.झ्री ख्राचित्रयात.क्षेत्र.त्याय.हेब.ल.धिवाय.ह्रा.ख्रा.पह्य.त्र.त्य.त्रे.त्रेल. भ्रु'८८'। क्व'अर्दे'द्वंद्व'द्वंद'वे'च'चवट'र्दे'र्चेष'गठिग'र्नु'विष्ठष'र्मेद्वंदेष'दे्ष'दे्र'थ' ह्यै।त्र्यानम्द्रान्त्रे प्रमुखानुषायाच्यान्य । पश्चय । यह्यं । त्यानुष्याः व्याप्यान्यः । येत्रमारान्द्रमाग्रीमाहि सूराने स्रोति स्रेत्राचेरान्यराचान स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्रात्रा स्रात्रा स्र शन.रे.वोष्यातकप्रयाधुष्य.रे.र्यूष्याविषानायतू.पर्स्यापस्याच्याच्याच्याच्याच्या

ब्रीट.पर्ट्रा मीट.वोबवी.तपु.यमेष.ट्रामुंब.वोबट.जिवोबाजा.यसेबाब.सेनबाट्रेट.क्यबाकुव.क्षेवी.ब्रे.

''चगातःर्द्वेब'लः खुषाबाह्यराक्षेः त्रहेंब्राचरायबाचरे ह्यूलाञ्चार्टा कचा व्यर्टे र्ट्वेब्राह्यराब्वे याचन्द्राः मुंबाविवा मु विश्वा में दि हे हिया देवा में याचन दि प्रते प्रतिवादी पर्वट.त्र, बुबारा.यु.इं.इंट.धुट.धियोबा.श्ययेश.त्रम.था.पर्ववा.तपु.सूंय.ताये.व्या.त्रम् यदे.श्रैज.श्रे.वु.ह्ये.प्र.पेतरित सूर.पर्विटबारा.टेट.पेतति सूर.विवेबबाचुरे कुटा ट्रेप्ट. लट. होट. गोट. १८८५ वर उपविट्या क्षेत्री विश्वया भूटा झे. वर्षेत्र हो. ट्रेंब हो. ट्रेंब हो. ट्रेंब हो. हो. होट. नबूर-विश्वक्र-रन-नम्ब-एर्यानक्षेत्र-बिर-नम्नर-तथा इं.ह्यर-विश्ववाय-जू.वु.१८५४ ल्य त्राचे त्राचित्र विष्याचन द्राचित्र ही अहूर क्षा ब्रमा विष्या ग्रीमा मूर्ट द्रा र प्राची ट्रम्यायाचे ११८८१ स्रम् तावाला लक्षायाक्षेव स्थानी तक्षेत्र.मी.ट्र्य.मीत्र.चवा.वाक्ट्र.मीट्र.घटाया.भूर.ट्येट्या.एकर.मी.क्र्य.क्षेत्र.पमीटा.तथा.वाट. श्रम्योवायायातीयातम् । त्याचारायायाचीराविता व्यानेत्राञ्चा यार्यम् वर्षात्राच्या मैज.त्.र्थयो.र्सेट.यळ्थ.येलिज.र्टे.बूचे.त.र्रटा श्च.य.५ तर.तूर्र.र्सेव्य.योब्स्ट.र्थ. चखुषु:श्कृट:ट्यूब:ट्राट्यू,ट्यूब:द्यूब:द्यूब:द्यूब:द्यूब:द्यू:च्यूव:द्यूब:द्यूव:द्यूब:च्यूव:द्यूब:च्यूव:द्यूब:च्यूव:द्यू क्रि.लूब.जूर। तर विश्व क्रियेब.धी.रट तक्षेत्र श्रट ग्रेप्ट, व्रियं.ता.पर्येब. जूबा.ग्री.क्षा.ता.श्र. यट्र.यषु.ऋभुेष.र्टेट.थयार्क्षेट.यषु.कूथ.एस्र्युषु.वी.ट्योष.अट्र्ट.यांश्र्या.स्रुय.यम्.र्यम. चग्र.चेबा.क्ट्राच्यत्यच्याःच्या हुबा:धवाःवी:वान्ट:रवा:वा:क्रंब:क्रुंट:ध्रुं:दट:द्यवा: च्र-अ.पत्र-अ.र्ट..प्रथावाचा.क्रियारटा.क्र्यायाता.ल्याच्यां ट्रालटाल्याची ..ध्र-ञ्चा पर्व पति स्थापिक पार्च प्राप्त प्र पर्मेषः प्रः प्रमा प्रः प्रमा त्रः प्रमा विषयः प्रमा स्वापः स्वितः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स ञ्चवाबाने विचाले स्वाप्ता क्रिया विष्यापति क्रिया चित्र विप्ता विष्टि विप्ता विष्टि वि तर्च्चिर"वेषापति पर्श्व पवि वे भ्रिःसं ११८८३ सुः ध्वार्षाषा र्द्धेर ह्वार्पाषा र्द्धेर ह्वार्पाषा र्द्धेर ह्वार्पाषा र्द्धेर ह्वार्पाषा र्द्धेर ह्वार्पाषा रहेर ह्वार्पाष्ट ह्वार्पाष्ट हेर ह्वार्पाष्ट ह्वार तर्रिंगाः तर्वित्रः विद्यान् ८थवा. प्रभारती. जूर. १८८४ के. लूबा. ट्रेंस. श्री. वांचेबा. टापु. कूबा. टार्चे. वेच. मैता. विप्रांत प्रमार त्रतः क्ष्याच्छुः नुवालावि व्यवः क्ष्यात् विवान्तात् विवान्त्रात् । व्यवः विवान्तात् विवान्तात् विवान्तात् विव

पट्र प्रायुवाया वि विवार्षेट् पायवाया व र् ग्यु विदेश विवार्ष प्रायुवा विदेश विवार्ष विदेश विदेश विदेश विदेश व ल्या.प्रेम.ञ्जातवि.त.,ज्यायात्त्रचि.ता.वु.की.ज्ञायया.ञ्जीया.पु.ची.व्या.ग्रीय.ट्यापाया. ज्.क.लूबाक्तास्य त्वीतः ह्वीर प्राप्त स्वापाद्वीय त्यार्थ द्वापाव स्वाप्त स्वापाद्वीय स्वाप्त स्वापाद्वीय स्वाप पर्वित्रचित्र चित्र''वेत्र'पित्र कु'र्प्यत्र'ते प्रत्ये स्तर्य परित्र प्रति कु'र्प्य दे स्तर्य स्तर्य प्रति स् श्रियः भ्रु. चेयः वार्षेत्रः न्वानः कुयः में हिते स्वाध्यः गुल्यमा में नः स्वापः न्वापः नियाना विद्या १८८० घरान्ति लॅर पीव तर् ना दे कार्या है। रन वाबल वाबेर ही है। सा अंदि निष् "८ৢॱ୴୶ॱक़ॗॴॱय़ॕॱഋॱॺॕॴॱॻख़ॢॺॱढ़ऻॎॕॺॱक़ॕॴॱॻॖऀॱक़ॗॴॱय़ॕॴॱॻख़ॢॺॱ८ॻॖॱढ़ॺॴॱॸऀॴॸॱॸॎ॔ॸॱ चन्द्र-तयुः विचयाः द्वीरः सूर्-राः विवरः चन्त्रः द्वीरः विवः वर्षरः वर्षितः ग्राटः वर्षा विवा विवरः हेः ८८.४.इवा.ग्र्राट.त्.हे.८शवा.लय.वाधुका.८८.। की.यवा.मे.कूवा.इटा.शट.त्.वायट.ट्व्राय क्र्यायानम्बर, ट्रेय. टे. प्र. तम्मैज. चैंट. तपु. तयमा. क्र्यायान ह्याया अत्रः ब्रेयायान ह्याया ह्याया ह्याया ह पर्वः ह्रेंग्रयः पर्हेत् १४८१ तथा "कुः स्रुया र्यः म्रीटः र्यः प्यतः पर्वः प्यतः स्वरं पर्वे द्वटः श्र्वायान्तरायाः ह्वीयान्तरायात्रायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तर ह्र अर्थे त्या तकर मा बेट ब्रिंच अदे अद्र अपने र वार्कर वार्कर वार्कर वार्कर वार्कर वार्कर वार्कर चःश्रम्यःबाष्ट्रमःवेत्रःभ्रम्।क्वाःयःभ्रम्।क्वाःयःभ्रम्।क्वायःयःभ्रम्।क्वायःयःभ्रम्।क्वायःयःवेत्रः चिर.कर्.तपु.वंबास्वाबानुवासे.कु.पार्केर.,खुबापक्रिंट.तपु.की.क्षेवा.बु.ही.ज्. १८८४ ज्र गूट.त्र.ट्टब.त.ट्ट। इं.ब्रुट.पत्त्रेय.जब.मे.अक्टु.चगीय.क्षेर.झैंज.तपु.भैं.धुट.ट्शवी. श्राचित्रम् तर्मेत् कित्रम् त्यरायरायरायर्षायार्यर स्त्रास्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् <u> तर्रमः य. मृतः भूमः मृतः द्यः तर्षम् । तर्ममः प्रमानः मृतः मृतः स्वाः पर्यः भूमः । तर्षः भूमः । तर्षः भूमः ।</u> (१८८२)वि.प.पचट.र्.मूट.वयालर.स्पया, ख्रायाश्चरया.वु.वु.प.पचट.र्.याविट.

यर.वटिय.ट्रट्य.तव्यय.कूट.क्विय.वट्ट्य.त.क्षेत्र.लुय.यथ.क्षेत्र। राष्ट्रव.ट्रट्य.तव्यय.कूट.क्विय.व्यूट.वी.व्यूख.क्व्य.यट्य.वह्य.वच्चट.वीय.क्षे.

र्यः क्र्या.त.यिष्टः भ्रिंट्यः श्रे.क्रिंप्रतप्रः म्रीत्यः दे.प्टाः तर्ष्यं स्थाः तस्यायः पः स्रीतः स्थाः श्रात्तः देशः हैं रह्मः विवा म् मान्याविष मी । वार्षितः देवा मुक्तः वार्षितः वार्षितः वार्षितः वार्षितः वार्षि विंट्य.र्ट्यत्व.र्ट्यः चुर्यः चुर्यः कु.ट. मैजा. शक्ष्यं अया. यं या. खेटा ची. श्री. अक्ष्यं या. त्तर् मिय मूर्या वाषा ताषा ता अधेट ता क्षेत्र। त्रया मिय ख्रित पाता वित्र श्रीत्र भीट र स्था मिय र्रोते पट प्रति त्र त्रेष्ठ त्र त्र्रो पा प्रति रहेषा पहुंच रहे । यह से प्रति प्रति प्रति स्वर्थ । यह से प्रति प्रति स्वर्थ । खेट.जय.त्र.पट्या झ.ब्र्या.यटिट.प्रचय.२०२०या ,,चप्र.भेचय.श्री.पश्च.चहेय.पह्य. ८८। व.र.मेज.स्.क्.ब८.अ.पम्यातम् व.४५५ क्.सी.न.क.वम्.क्ष.व्यावीय.वयायर् यात्राक्ष्ययाग्री त्री त्री द्वा द्वा वाविट र हेव कवाया पर र स्थि विया यहाँ द्वा र क्या र प्तियात्तात्त्र्यात्यात्यात्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्यात्यात्त्र्यात्यात्त्र्यात्यात्त्र्यात्यात्त्र्या र्या.चै.विवाया.ग्री.मू.हपु.वाष्ट्रिय.ताया.कूर्त.ताष्ट्रीय.क्ष.ता.वा.वाह्त.ताया.कूर्य.विच. शूट,,, खेथा. टटा। ट्राथारा. कूटा. क्टा. कुटा. कु. जुरा और। अरा और। क्टा. कु. हुं। ट्राथारा. ल. क्षे. सिन. क्ष. र्याचा ना चेता वी. क्षे. क्षेत्र मी मीट. वि. ट्रांत्र मी. तथा मा मिना र्वार द्रात्त्र प्राप्त स्वर्गाव सा निर्वा विषय द्राविषय स्वर्गा विषय स्वर्गा विषय स्वर्गा विषय स्वर्गा विषय स थह्ट.तथ.धुट.धं.थ.वुरा हुअ.धुट.क्ट.दी.ध्वेथ.वीथ्य.बी.चय.वूर्वा.वावेय.दु.कुपु. विचयासुर्यान् व्राकुत्रस्यान्त्रीयाः आसुर्याः विचयास्य विचय ब्रि'न्रॅव, बेश म्वम्याराष्ट्र, अन्तर्विन्य, ख्रिय, क्रामिय, ख्रिय, स्रुप्त, स्रुप्त यथट्र.त.क्षे.चे.क्षे इर.७०.इ.एतव्यायायाः इ.लटा ख्या देशया ग्री.ट्यूच व्यवया श्रे हे.तया र्यो.पर्थ.क्षा.यिष्टा.पर्ष्या.पर्टा.सी.पर्झा.पर्झा.पर्टा.सा.क्षा.पर्टा साया.सया.पर्टा.सी.पा.स्टा. म्बोन्दर्ग्वरपायन्याः क्रुंन्यः मेन्यः वित्राचनः स्रोन्यः प्राप्तः स्राप्ताः स्राप्ताः स्राप्ताः स्राप्ताः स्र यमुवा है, वावय . री. ह्र्या यया हू. हूट . ट्यूय . वुया श्रट . च ह्रीय . चेया या या या या या विष्य . ८५१०४। प्रमूत्र

अर्ट्र व स्नेत्रात्र त्र त्र तहा कुराविष्य व्यावृत्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विष्य प्राप्त क्षेत्र क्ष वित्रः इत्रायि । वित्रः वित्रायि । वित्रः वित्रः वित्रः वित्रायि । वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः व र्त्व्यात्राचावयात्राचाव्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र भ्रम्याद्रमः क्ष्याद्रवाद्रवाद्रवाद्रवाद्यात्र्यात्रवाद्यात्रव्याद्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्या लूट.त.र्तु.ज.र्टर्य.च.वार्षय.लट.र्ट्यूचा.र्चिया यवा.य.क्रीज.ययवा.उद्विजन्या "वार्यय.या पट्टी हेट हे से दी बे वी विश्व विश्व क्षिय क्ष्य ग्री मैं या संस्टाव पर के व स्तु प्रस्व पर ही वाया शहरःश्रियः प्रति प्रात्ते व्यापी विष्य क्षे प्रात्तिया स्वापी स्व यम्य। देवः द्वंत्रः द्रान्यवाय क्वंत्रः यचनः र्यवानः क्षेतः वात्रवातः क्षेतः वात्रवातः वातः क्षेत्रः वात्रवातः चर्मा मुन्द्रम् । चर्मा क्षेत्रम् मुन्द्रम् विष्यम् मुन्द्रम् । चर्मा *चेषान्यवा स्वा स्वापानेषार्या कुषार्या कुषार्वान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य* मुषान्तिया भावयात्र्यकात्ममामुष्टीयात्रास्त्रम् म्हास्त्रमाष्यायाः स्रमास्त्रम् मिर्के स्त्रीयायाः लय.र्था.मैज.संच.र्थ.र्यह्वा.त्र.व्ह्ति ट्रे.ह्बा.ट्रे.झैंज.र्झे.ट्यट.यक्षेष्ट.त्यु.मैज. शक्य.मी.भी.रीय.री.कटा.क्र्र्र.वाषु.नीट.तर.रासेय.ज्ञ.चथा.वीट.राषुयाशह्र.शहर.भी. विषयः देव 'द्राः क्रेश्वा 'दि 'प्याः विष्य 'द्राः 'वेश्वा 'द्राः 'वेश्वा 'द्राः 'देव 'प्याः 'देव 'प् श्चितात्त्रिः भ्रान्ते विवास्त्राञ्च वेतास्त्राचार्यः विवास्तर्भे त्राच्याः विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास चर्षियोत्रायर्ट्रेट्रियं व्यट्यायस्य वस्य विष्ट्रेर्या स्रोत्री स्रोत्रा स्रोत्रा स्रोत्रा स्रोत्रा स्रोत्रा स र्मवाबास्क्रायस्य उत्तर्भावस्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या लर.पत्रजामी. विवायात्रचेरात्रार्थराष्ट्रयात्रामी प्रमानिक विवायामी स्थान पर्यर.मी.धेर.पर्ज्ञवाबा.स्वय.ह्राच्या.बी.तिष्ट.खेबा.च्या.च्या.च्या.च्या.क.क्टा धि.कबा.क. पद्मेय विष्यान्तराञ्चया विष्यायविषान्वेषाः स्वार्थाः विष्यायाने विष्यायाने विष्यायाने विष्यायाने विष्यायाने विषया र्त्रोव गाविषामा अप्यमा हेव माशुका कर्केट स्था के साम्य प्राची का की सो साम्य प्राची प्राची मा र्ट.पह्य.पभेट.पभे.पङ्.रहर.जया.लूट.पर्च.भेट.ह्य.रईथ.कर.यूट.भेट.पर्थ.त.ज. देशःक्षॅट्रप्त्र्वात्रमुःखुअःखुःतम्याप्यःक्षॅ्राय्ह्यायायम्भयायम्भयःविषाःविषाःविषाःविषाःविषाःविषाः र्वेट्र हें ट्वेंबर्भ सुरम्बेंबर वर्ष्य वर्ष्य वर्षा स्टर्म कुटिर वर्षे के देवे प्राप्त वर्षे प्राप्त वर्षे वर्षे

चित्रान्तर-वश्चिर्व्यवास्तव्याश्चित्रभे वार्ष्य क्रिसें हार् क्षेत्र स्थान्य स्थान्य

ट्रेल.ट्ट.क्ट्रेच.अक्ट्ट.क.अट.प्टाबावोचट.,,जुबाटा.के.स्बावअक्ट्र्य.च्री श्चरातावश्वा.स्वावायां तुर्वायां तुर्वायां ट्रे.शूपुं.क्ट्र्या.कुंपुं.कुंच्यां ता.के.स्बावायां त्यां त्यां त्य श्चरातावश्वा.स्वावायां तुर्वायां तुर्वायां ट्रे.शूप्तायां तुर्वायां त्यां त्या

ट्र.ब्र.भें.स्ट्रट्ट.ट्र.क्र्रट्गी.ट्र्यूव.षक्र्या.पर्दीट.वायमा मैज.ट.पतवाब.त.से.ट्ट.वार्टेट. देया.चेश्रवी.तपु.र्ट्यूच.तू.वी.वेश.ष्ट्रूची.क्रैज.त्रुपु.डोय.श्री.पर्विट्यी क्ट.र्ट्य.श्री.वेला.क्रा.पुच. त्र.कु.र्ट.श्रह्म.यथ.तय.तीथ.वीर.वीथ.ग्रीट.पर्जूबी.पे.श.यथेंय.तर.तीबी.ह्रा.यचेंट्य. यय.रच.पे.वैंट.। टेविश.थी.व्र्य.यंग.पचयाः श्रींट्य.थी.अट्र्.क्रियायायोष्ट्रेयायाः स्वींट्यातयाः श्रावयात्तरःश्रुपः हो श्रुरः वियाञ्चारेत र्ये छे त्याचगातः खटा अत्राह्म विययः छटा ह्र्यायात्ररः व्याप्यायायाः वीयाविषायह्यायाः शुर्मा विषाः श्रास्त्रे स्वार्धाः के स्वार्धाः विषाः श्री स्वार्धाः विषाः श्री भैत्राह्र, कुर्, ग्री, मैल, क्व. में. र्वट. तभीर खुटा। चुरा वहूर, मैरायर अह्र तथा मैल. क्टा-ट्रम्य अक्र्या पर्वेट याये या ट्रा क्र्या है . ट्रम्य अक्र्या पर्वेट याये या ख्र्या ही याया चभषा.कट..टी.लय.ज्ञबा.विट.भुट.यीबा.तबा.चर्यीय.चषु.बा.कुट.यी.कूबा.ह्.कुब.त्र्य.कींयी भैतयाद्रमाविषाङ्गवयात्रायाय्यावेषातात्रात्रात्र्याद्रमायावेषातात्र्यावेषाता 'ते'आञ्च''प| ब'ल'बिल'ष्ट्र''षप''श्रव'''बेब'म्यविष'पब'। प्राचित्र| प्राच्चेब'र्क्क्व'सुट'ट्ट'र्क्क्यसुट' लट्टिव मी ट्रिव रामिक रा यर्चेश.पर्श्चिवाय.ता वांस्ज.पर्ट्रेचया.पत्त्रेय.जया.के.केंया व्यंत्र.धु.धे। ह.अकूट.प्रट.जया.शे. अ'र्स्सवायान्यस्थ्याक्र्यास्यान्यः विवायोषायायात्रः क्ट्रिस्याव्ययः वासुः र्वस्याव्ययः वास्यायः वास्य म्रीयायहूर्या अघर.ट्रांशू.जायर.एकट्रयेय.अह्ट.ट्रांबिजाक्रांपत्वय्यायाताः संप्रायह्टा पत्त्रेय.होज.टाबुय.तर.श्रे.वोचेवाया

ह्मट्य. मुत्राची, अक्ष्य. जा. श्रीजा. श्री. ट्री. ह्या. ट्राया. मुत्रा ह्या. मुत्रा न्या. मुत्रा मुत्रा न्या. मुत्रा मुत्रा न्या. मुत्रा न्या. मुत्रा न्या. मुत्

ह्र्यायाकुः प्रमः श्रह्म् । श्रह्मः न्नीः स्वीयां यां कि कु में में प्रीयां यां विवायं के प्रमः श्रह्मं । श्रह्मः नि यां प्रियाः प्रमः में प्रमः विवायं । स्वीयः प्रमः प्रमः प्रमः विवायं । स्वीयः प्रमः प्रमः प्रमः विवायं । स्वीयः प्रमः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः

८८. व्या. ८. श्र. ५४. त्र. कु. में. थयो. श्रम. त्रयं यं अ. भेंयं श्रम. श्रम. योश. श्रह्मां भुष्या भूष्या भूष्या स्वाया सार्थ्य स्वया क्रवा अर्द्र ने ते विषा त्या प्राप्त स्वाप लाही.र्वा.घट. बुर.पपु.पर.ज्यूट.या.अक्वा.त्रप्या ह्या.क्षेव्या.धिव.थुट.तर.र्.यी.जर. ५८४वामा ट्रे.सेचमापत्तवामातास्य विद्यात्त्राचर्ये तमास्य भ्रात्त्राच्यात्रा क्र्यानक्रिट्राग्रेयायस्वायासाक्ष्यास्याद्ध्यात्राचात्रात्रात्रात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्य र्रेट्। यट्र क्षेर्र ट्रे भ्रेन्यायायाञ्चयाद्यवायाञ्चट्याचेवाचेवाचेवायवेवायाच्याया वयात्तरात्रयात्रात्त्रात्त्रात्त्र्यात्राञ्चवात्री अर्वे वयात्यरात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राच्या यञ्चलाञ्चराद्वराद्धरा अर्दाञ्चराकालया मान्यका ग्रीका अहला वृका में प्रमाप्यका सुर्वे प्रमा पर्या.ग्रीट.ट्र.श्रेचम्रायसवायाता.झं.ट्ट.विवा.पस्ट.शस्ट.तपु.ज्.मैयःश्र.झॅट.जा ट्र.यया यबिट.र्ट्सप.सूर्ट.र्ट्ट.श्रेश.हूटा, क्र्या.हूटा, क्षियाया.से.यर्ट्य.खुटा, र.ट्या.र्ट्यूयी खेउ. र्वा पिट्ट. मृ. सूर्याय. ग्री. यर्वा. र्यट्या स्वर. प्रत्याय. त. क्षे. र्यट. प्रचेत. क्र्य. व्या. र्याय. क्र्य. ब्रॅंबा.वाबु.बुर.च.ट्र.बीट्रवर्चे ट्रंब.कुंब.ट्रेव.चकुंट.रुबा.बट.व्र्ट.ट्रचनट.टा.क्रेर.ह्रर. ययाविताः ज्ञातस्यायार्याः अस्तायन्याः अस्तायाः स्वार्याः स्वार्याः विवारम्या वरः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः मु।पट.र्ययायोबर.सिपाङ्ग्रीर.पहचोबा.बेबा.ता.घट.त्.खेवा.तक्ट.चेबा.ग्रीयाचीवेट.पखेबा.

पहचाकान्यग्रीकान्यां की स्वार्थन्य प्रित्ता प्रित्ता प्रमाणिया प्रमाणिय प्रमाणिय प्रमाणिय प्रमाणिया प्रमाणिय प्रमाणिय प्रमाणिय प्रमाणिय

श्रायपः ब्रैंट्र-ट्याप्ट्यां स्ट्र-ट्रायां श्रुट्ट विष्यायाः ग्री-तर्त् न्या तर्न्य न्यायः वायदा चिट्ट विष्यायः व्याप्ट न्यायः व्याप्य न्यायः व्याप्ट न्यायः व्याप्य न्यायः व्याप्ट न्याय

क्ष्यात्ता, ख्रेयां स्वायात्यत्या वियायात्र स्वायाः स्वयाः स्वयः स्व

(१,८८०)श्र.जीवो.(२,८०)८)यव्या-टिश्व.श्री.स्टाया-द्रा-ट्रा-ट्रावृत्र-ह्राया-विद्य-त्रा-ताप्त-त्र्य. (१,८८०)श्र.जीवो.(१,८०)श्र.जीवो.(१,८०)श्र.जीवो. व्या-ट्रिश.क्रिया-ट्रिश.क्र

प्रमी क्षेत्रा.चाच्चता.चा.त्तवाबात्ता.स्वाबात्त.स्वाबात्त.प्रेतवाबा, खुबात्त.क्षे.चिबा असूच सूचि वालवा. वाकुवा । प्राचा त्याची त्या त्या वाच्चता.ची.स्वा हे.कुवा.चम्ची प्रदेश चिवा असूच त्याची वालवा. विवा वालवा वाकुवा । प्राचा त्या त्या वाच्चता.ची क्ष्या त्या वाच्चता.ची वालवा. वाकुवा । प्राचा त्या त्या वाच्चता.ची वालवा वाच्चता.ची वालवा वाच्चता.ची वालवा वाच्चता.ची वालवा । प्राचा वाच्चता.ची वाचचता.ची वाचचचता.ची वाचचचता.ची वाचचता.ची वाचचचता.ची वाचचता.ची वाचचता.ची वाचचचता.ची वाचचता.ची वाचचचता.ची वाच

ट्रे. स्र. त्रे. भूर. त्र. कटा अर्ट्रे दे. वि. क्रुं व. ग्री. भूट र ग्रें त. विवा र त्रें र त्र त्रें र त्र भूट व देर-दे-ब्रॅ-देव-द्र-क्र-व्या-भ्रुप-क्र-व्या-क्रुय-द्र-प्र-प्र-द्र-प्री-क्रुय-द्र-गुत-व्र-द्र-प्री-ब्रियोबासी.लूट्-क्षेटाबारपत्वोबादा.क्षेबारचीय.थु.चेबा ट.थु.चेक्षे.थुट्-य.थु.जा.षाय्रायूय.थु. य्रोत्रीच्चराताःक्षराविषाञ्चावयाग्रीःश्रीतायावितायाव्यात्रात्वयाक्षतायात्रीं क्रियाञ्चीतायते स्रोताया खेवा'अह्ट,तर्य्यक्षाताची क्षार्याक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्याः भूता स्थात्रात्रेया स्थात्रात्रेया स्थात्रात्रेया भ्रुंच म्यम् यावर में यावा "बुषा धर रहर साया सुर प्रते स्था ग्रीका बिया प्रवेश यावर । दे सि र्म्य र्. कुष स्त्रीय स्त्रीय त्राप्त प्रताय वाषा त्रास्त्र स्त्रीय वाषा त्राप्त स्त्रीय वाषा त्राप्त स्वर् मुषाग्री'पदेव'र्स्वा'यी'स्रह्यांर्स्वा'र्स्वरार्स्वयांर्स्वेट्'र्स्ट'र्द्यट्'स्रेट्'स्रर'प्रग्यायांर्स्वर'चे'प तत्रा हेर र्पेट्र रायम द्या र्यं या में वाया से ते वया द्रा त्र पा के या से त्र खेट.र्थय.टट.ब्र्चा.ब्रैंज.राषु.श्रें.धेट.पड्र्य.पत्तिवीवा.श्री.पु.यवा.ब्रैंज.यवी.पड्रवीवा.श्री.येट. चतिः इत्रायः चङ्गवः ने : अत्वः रे : क्षेवः यां ने : त्या ग्रह्मा ग्रह्मा ग्रह्मा चुनः श्ले : चुनः याना ने : क्रां चितः य.पत्तवाबाताः क्षेपु. ष्ररीय. क्री. घटा. विपु. चेट्या क्रि. येथा. क्री. प्रयम. प्रमावाबा हे. 

चन्द्रम् अत्रिक्षान्त्रे भूवमान्त्रिः श्चि स्वाया ग्री यात्रमान्त्रम् स्वाद्यान्त्र स्वाद्यान्त्र स्वाया स्वाया क्रूम.वोयट.भावय.खेवा.लुय.पट.ही टे.ग्री.पपु.व्यूय.पञ्चट.६००णया ,,ट्रे.क्र्रा.झैय. लबाचीयाची वार्षेराचार्रे राचार्रेवा छवा सहिता होवा लेवा तरि धीव रहता हो तर्वा ग्राह्म वास्त्र पश्चेत्र अट.र्. खूट.पपु. धेश्रय.ग्रीय.षक्ष. क्षेत्र.जुवाय. प्रच. श्चेट., खुवा.क्षेत्र.जुवा.जुव.ज.पिट्य. सुट तर्दे धीव चेर पा विवा सेट व यह पा सह द सेंद प्राय प्राय है व व प्राय प्राय है व व प्राय प्राय है व व प्राय न्वातःस्वःॲन्'त्र्वाःकेटः। <ार्'दे'र्कें'चःन्वंत्रःक्वेंत्रःक्वेंश्वःक्वेंश्वःव्यान्वात्रःकों'अर्देशः</p> धेव त्युत्य त्य महें र त्य र्ड्य त्य पहें व पति र्द्य र्ट्य ही र्ट्य महिषा अर्द्य पार्य र्ट्य र्ट्य के पर्वा उट अवत तर्वा भी शुवा दु नि आवव अ क्रेन प्राय के महें वा सेंट सेंट वा वी तर्वा क्रॅंप् ग्रीका कर्रेका वार्तेर के प्याप्त वावता क्षावता विवा प्रीता तर्वा पारा प्राप्त । प्राप्त प्राप्त वावता ट्र.ब्र्.झुयाञ्चराप्रथयाग्री:याव्यद्यात्रक्यायायावायाञ्चराद्धरायम् रेव'र्र'के'रुट्रे'रा'वे'रा'ट्या'अवव'र्वट'र्वेट'ट्या'गर्ड्ट्'ट्रे'ग्लु'रुट्र्थ'गवव रामुल'्छेट्' यावयाग्री.रेवा.त्.से.अक्वा.रूजातायु.येश.श्रीजा.वृवा.मे. ह्या.श्री याट्या.मेथा.र्यय क्रय.यु. र्वायःस्त्राम्चि स्वा नेरान्त्राप्तर्तान्तान्त्राचा स्वायःस्त्राच्याम्  $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

र्यूट मी त्वा क्रुव मी तर्से पञ्चट वा क्रवा क्र्या क्रिट मिटवा मी प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त बर्याध्यात्रम्यात्रम्यात्रवात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् , से विया तथ्या व्या मित्र व्या क्रिया वि विया तथ्या विया यथा यो से स्विम प्राप्त स्विम स्विम स्विम स्विम स्विम चवर्षा व्यान्य अप्तान्त्र । होत् "बेर च क्षर चहुष क्षर्य अप्तान्त्र व्यान्य । व्यान्य व्यान्य व्यान्य व्यान्य व वयः क्रेवः हः अः बेरः यः र्षे त्रदेरः ग्रावाकाः यः विवाः र्षेदः यः प्रदः विदः वकः स्रदः। वयः क्रेवः हः अकाः यथित्राक्षेत्राची श्रीयबाद्रेत्राद्रेत्राद्र्यत्र्याकुर्यविष्वाबाबाद्राय्याक्षेत्रवाद्रा र्रापह्ना ब्रायम्पर्यराचराष्ट्राणाः श्रीतास्यात्रात्वेतास्य स्वितास्य स्वितास्य स्वितास्य स्वितास्य स्वितास्य शर्र ८.त.र्यी.लुब्य.ष.कुट्य.पे.सॅट.ज.एक्ट्र.झेंट्य.चेब.चेब.चंसूवी.पर्धियो.त.केर.पूर्टी वर्षेत्र हेश पर्ने एत्वा र्रा विष्टा वर्षेत् वेष्य रेर अत्त रे क्रिय वर्ष कव अर्देर ध्रीयबाः स्रोत्याः अप्तार्थाः विष्याः यात्र्याः स्रोताः चेताः चेताः विष्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोताः विष्या जावर्तानुस्य वृत्ताक्षेत्राह्म स्वताक्षेत्रा स्वताक्षेत्रा स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्व इया र्ल्य प्राप्त प्रमुत्य वर्षा प्रमुव प्राप्त में प्राप्त हुव में र्ल्य वर्ष में तर में प्राप्त प्रमुव प्राप्त चगावा हो : हॅन्याया व्यावा हो : होना चित्र हो : होना चित्र हो होना हो से साथ । अपना वास साथ साथ साथ साथ साथ स

वट.वया.चूर.वज.,बुर.वया.गूट.वर्ष्य.टु.श्.हुर.ज्वा.वियाता.ग्वावाया.चुटा ट.भवाया ग्रीट.य.श्रीट.ज.भ्रीय.घट.थ.टंट.सूर.द्रा.घट.खेय.ल्राट्य.ग्रीवाया.श्री.सूवाया कटा.याट्रेपु.लीज. भैट.टे.ह्य.पट्टे.हेट.त.ज.,,चभैर,,ख्य.ड्र-ब्र्य.लूटी ही.धुय.क्र्याय.क्ष्य.जायट.ह. र्या. ह्या. प्राप्त मार्चे अर्चे त्या क्ष्याया क्ष्याया क्षयाया क्ष्याया क्ष्याया क्ष्याया क्षयाया क्षया क्षयाया क्षयाया क्षयाया क्षयाया क्षयाया क्षयाया क्षयाया क्षया क्षया क्षयाया क्षया वटायाच्कुत्यम्हात्वाच्याकेवाहात्रात्रहायत् व्यापित्राचित्राचेत्राच्यात्राच्या व्रि.त.वोट्र्ट.वोज.रे.झैंच.वंब.कैंवो.त.ववि.कुंब.ग्रीब.ट्रे.च.जुंब.सैचब.,,ट्रंट.क्च.षट्रं. क्र्यःश्चितः वीयावयाः श्चेत्याने र्यात्वाच्यायते र्यायायाः स्वायायाः वित्वितः वयाः वयाः श्चित्या र्वेर तर्या, कुषा तर्यर तरा विषा हू. रच में विषा येषा , विषा र रेट विषेट का बट तरा योथ्रेट.जय.चक्किय.सूट.ग्री.पर्येया.तथा.सेयोथ.ग्रीथा.योथा.पुर्या.पुर्या.पुर्या.पुर्या. "मिट्रिक्षणधेट्रायाक्षणवर्टेश्चर्यादिःश्चेट्रायद्वर्यायट्गीर्यम्भागायाय्वेरःसूट्रायस्य योत्रुवीयाः स्वीयाः वियान्ति वयाक्षियः वयान्तिः त्यान्तः त्यते । त्यान्ति । व्यान्ति वयाक्षियः वयान्ति । त्यान खेल. स्. लट. मृ. क्र्या.  $\hat{Z}$ . चैय.  $\hat{Z}$  चे त्यो. यो जूर्य।  $\hat{Z}$  यथ.  $\hat{Z}$  ट.  $\hat{Z}$  यथ.  $\hat{Z}$  चे त्या.  $\hat{Z}$  च त्या.  $\hat{Z}$  चे त्य.  $\hat{Z}$  चे त्या.  $\hat{Z}$  चे त्या.  $\hat{Z}$  चे त्या.  $\hat{Z}$  चे त्या श्र्मा भ्रम्यम्द्रिर प्रस्थान्वयार्षायम्परम्पास्त्रर श्रेर श्रेर श्रेर स्राप्ति स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त र्गुभागायायाचेरावयार्थर् छेटार् र्राट्रायगुभारावेव र्थेर् रार्ट् वेयायारायकरा च-८-श्वेट-८-१तर्गुत्य-अर्क्षअषाक्ष-ए-ए-गुव-ग्रीषा-अर्बेट-विटा दे-वष-र्यट-श्वेव-दे-र्बे-र्य-र्य-त्र.कु.वावय.र्ट्य.टे.वानुवाय.नुट.भ्री.झट.ही.था.क्ष्यश्राभीट.टामी.नुयाता.खुवा.था.डीट.टा रेट्र'बेरा

हींचा.पट्ट.ज.वंश्वा.शांचप.पट्टश.टंग्वेट्य.खेंया.ग्रोट.इंग्डं-ज्मेंज.टा.क्ट्य.टंग्टंट्य.म्). हो.श.क्ष्या.ज.शक्ष्य.वंपट.ाक्ट्ट्या.लंट.कुंग.च्या.लंट.कुंग.ट्गूंव.शक्या.ट्यूट्य.पट्ट्या. खेवा.वुंया.युंथा.थ्या.युंच्ट्ट्ड्य.कुंच.च्या.कुंग.च्या.लंट्य.व्यूच्या.यूंच्ट्या.यूंट्.वंश्वा. व्या.वुंया.युंथा.क्या.व्या.कुंच.चुंट.वंया.कुं.चेंया.कुंग.चंया.कुंच.च्या.तूंच.यूंच.यूंच.यूंच.व्या.यूंट. यम्.त्या.युंया.क्या.जा.त्या.त्या.त्या.त्या.ट्यूच्या.कुंच.व्या.कुंच.च्या.क्या.तूंच.कुंच.वंप्य.क्या.यूंट. क्या.युंच्या.य वृट्गी.दूरं, चुर्म वृट्गी.क्ष्यं श्रीट्रं, ट्रिट्रं, ट्रिट्रं, ट्रिट्रं, ट्रियं, वृत्रं, वृत्रं, क्ष्यं, क्ष्

यक्चियः पर्टिचीः जा च्रिट्ट्य हूं स्टिंग्य स्ट्रिट्ट व्यट्ट क्षिट्ट प्यू स्वाय प्यक्चियः पर्टिचीं स्वाय प्राय स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वय

पक्ष,,, खेबा खेबातमाञ्चा अवा,,, टाजा जेटा की. वोटालटा अटी बटा खेब खे. पवावी ऋषु रेबा त्त्रय.तथ.रेशका.ब्रिट.प्रट.ब्रीय.चटाय.पुर्या.ब्रीय.व्रीय.प्रीय.व खेब · ए मुल · पारे व · दें · के न्येपका मुर · क्षं पाया क्ष क्षं प्राची का क्षें प्राची । व का क्षं प्राची । व कूर्तात्रयात्रात्रात्रात्रात्रीत् विषय्यात्रेत् "कुषात्रुष्णात्रमः ञ्चात्रात्रे त्वाप्तात्रमः भूत्रे वात्रा त्रेव र्ष्ट्रिट : रट : श्रुट : अर : श्रुव : व्रव : दि : क्रिव : व्रव - व्रव : व्य कूर्या,,कुर्याचिष्टियाता क्षेत्र.चिर्यातयात्यात्याची,स्था,जयात्याता त्रा.चै.लपु.कू्त्रया.कुर्य.चेटाजसीला. च. मुच. मू. कुषु. अर्चे अ. में. सेवा. वाषीया. कूच. में. ए मूं. चषु. अर्केल. में मा जाता विज्ञातिया. पर्नर-ग्रीप: हेश: वि.यः पर्वेगयः पर्वेयः पर्यः पर्नः श्वेर। श्रीपशः प्रेरः क्रें सः स्वाः श्वेतः क्रेवः वि. क्रेवः र्रा. तथु. २ . श्रीया. हे. हि. ली. बीरा तथु. वथा तथे व. र्रा. तट्वीया तथु व. र्र्स्ट्र तरा तथु या तथे व त्र.कु.यथा.योञ्चयाया.स्या.धियाया.क्टि.जट्.पर्धियाया.तपु.क्ष्ता.यह्ट.ट्...भूटि.पट.पर्ययाया. वयाम्मून, त्रम्भवयाग्री, योर्ट्रेस्यायायकटान्यायर्ट्याने, याद्वी, स्त्रीयायाययान्या हीयायाय र्राप्ट. व्या.पे. पत्तर्या हिंदि. याषु. र्यु. पत्यायाता हो. जयायाष्य थी. जाता हो. पहि. खुट. थी. पहुर्वायानाः त्राचार्याचार्यात्यायाच्याः अक्रेयायाः ग्रीयाः प्रमुखाः प्रदेशः केर्याः अक्रियायाः प्रमुखाः प्रमुखाः विश्वअ.पकट.प्रि.प्रेडेट.पे.पर्गीवा.चया.पचप.पचर.पर.पश्चितात्वी श्रीपवा.प्रेरापत्वीवाताः क्षेत्रा. ,,यरिवाकाजा वि.वि.इंस्,,कुषाङीय उपयम क्विवाका की वाच्चिया का साही से त्याचा का स्वास्त्र साही से त्याचा का संव यारेट् नेरा ट्रेव्यालकुषाचारेवार्याके सुवायायानेयावयायायाया स्रावस्थायायाया तपु.चग्राय.चर्यास्वा,स्वायायावराबुटा। "क्वा,यार्ट्रक्यार्श्चेटाट्रा,चेव,यि,वार्येयाःक्राचा बुवा.पर्यवा.तमा.एका.बुवा विषया.क्ट.पर्ट.सिवाया.प्रधेय.सूर्यात्रा.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर भैत्रारात्राज्ञीत्रायात्रियात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र भ्र. अपु. त्याप. त्यक्वा. अ. वे. या. त्यावाया वायया क्षट. क्ष्य. अर्ट्र र. श्रेपया ह्या क्ष्या श्लेट. वी. स्. चट. पश्चे पट. ट्यर. त्र. चीवीय. त. ट्रेर. कूट. पर्ट्ट. य. चीया. मुच. चीवी. सीट. यी.च्याक्ष.विट.चुर.चषु.कै.विट.चबुट्य.चुट्। क्षेत्र.वोष्य.क्षेट.चवी.स्रैट.टे.पर्यूटे.तषु. पर्व ।पट रिते हुट रेग थट दे स्र थेव ने र

च्रिक्ष.श्च.सूर्यः हूँच्यं प्टान्यकृवां अर्थ्य्ट्यः क्षे.सी.श्चेट्यः हैं सी.श्चेट्यः हैं सी.श्चेयः हैं सी. प्यां सी.श्चेयः हैं सी. प्यां सी.श्चेयः हैं सी. प्यां सी.श्चेयः हों सी.श्

याःचरः एकः याः क्रवः साः भावतः स्वाविवः साः विवावः चेवावः विवावः चेवः याः विवावः विवावः चेवः याः विवावः चेवः य चेतः ब्रोटः क्रियः क्रवः साः भावतः साः विवावः चेवावः विवावः विवावः चेवः याः विवावः विवावः चेवः याः चेवावः विवावः चेवः याः विवावः चेवः याः विवावः विवावः चेवः याः विवावः याः याः विवावः याः विवावः याः विवावः याः विवावः याः विवावः याः विवावः य

दे'द्रवा'वी'क्रीव'स्र'विशादा'वे'र्गोद्राधेद्र'र्ख्या'यव'यदे'र्भु'क्री'याव्यवराय वेरायादे'्धेव' तर.पर्या.कुट.पुष.पर्विट.भुव.पर्वट.वी विज.इ.कूब.पर्वेट.वेदिताबा ,सव.पर्वु. न्व्यान्तर्त्र। न्नर्याचे व्यावासीव मु अध्यान्तर र्यन् तर्वा प्यावासी स्व अधिन से चर्नि-तक्ष.पर्ने.क्षेत.तथा.क्षे.पर्नेपु.पह्मिषाःश्चिषाःकु.धुटा। वयावायाव्यापारमान्तरः योक्ट.त्.ह्यो.खे। यु.ट्य.क्ष्मश्राग्रीश.पत्त्र्या.स्ट.ह्येट.त.योक्ष्या.लूट.पर्या.तथा ...विज.ह्य. देव'र्र.कु.पत्तवोबाताबात्वाक्षेत्रक्षेत्र.देपु.र्यंबायमा.चुबाक्ष्याजेटाजाञ्चेबाञ्चेत्र.र्यंबा ह्या. म्री.तर्षिवाबासि.ट्रेस.भ्री.टजायक्षेत्र.यंत्राचाच्याल्लाक्ष्या.तषु.व्यवज्ञात्त्राच्यात्राच्यात्राची जिट. पर्रंथ. विट. क्षा. लय. हुतु. श्रंथ. टी. सिज. य. टीटा श्रिम. विश्व स्त्रीया अप. यापाय. सूर्या. वोषट. तथा त्रता ह्य. ट्योट. ज्ञांची. त्या. व्या. ह्य. द्यं क्यं क्यं हेर. ह्यं त्यं यात्र. श्रेवाया स्त्रा <u> ट्रे</u>.ल। व्या.भर.वाञ्चभ्यावट.कु.क्ट.पक्षभ्यताचाञ्चवा.पश्चिवाला ...ट्यूष.प्य.प्य.चं वर्षिभारा.क्.मूबालाविताङ्गःसुबार्याकु।परवर्षावायारा.याट्याःमैयात्वयया है,ययावुटाविश्वयायी. अःत्र्वेत्रःग्रीःतरःत्रं तेःत्रःग्राह्यःय। त्रं यह्याह्यःकतः अर्दे प्ररः त्रः द्वेत्रः पः तृतः। तेः त्रिःत्रितः र्वोत्र पन्प पः स्वात्र प्वात्र भ्राप्त भ्राप्त भ्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त र् विवायात्रयात्रवायात्रवायाः भेटः "बेयायाः भ्रमः पव त्वत्रेतः त्व्वायाः भ्रमः स्वा क्षर वार वी यार बर बा कुष रागा नेष यो किर किर । इं सेर र्वों द रे विंद वीष कर रे चर्याय.पर्थे.तपु.भ्री.भ्री.ह्.क्षेष.रत.पचित्रयात.चैयी.मैजाशक्ष्य.वषाःषक्ष्य.योवेष.क्षे.ट्यट. भ्री.श्राप्याचीयान्वैची.क्षे.र्ययराजात्मरात्याचर्षु भ्री.भ्री.खेषायत्त्र्रातार्यरा वि.श्रीपाभी.स्रार यश्रिअरपान्त्रं दुर्वे त्राचनार्येत्रा सर्वे याव्य त्यवाषारार्वे राग्नी मुलासर्वे दे र्पट्यी.भी.षकुट.ताथ.क्षेत्राचा जमील.च.र्जाता.षक्या.यथ.तय.चट्र.भी.भी.शीय.ख्या.स्याया यर्ह्न् न्द्र्यः स्तान्ते न्ध्रेयः भ्राः भ लब्र.चेब्र.तर.चेत्र्

प्रवालानाने निवानी निकृत देश हैं के शाहें वा निव्यति विवासित साही हूं न ही स्वासित कर प्रथम, मूट, इ. टर्डिय, म्री, ट्रंट, म्रीय, टंट, ट्रंट, क्य, यर म्री, भ्रुंच, याष्ट्रिय, म्री, ट्रंट, क्य, यर मी, भ्रुंच, याष्ट्रिय, म्री, ट्रंट, क्य, यर मी, म्री, याष्ट्रिय, म्री, ट्रंट, क्य, यर मी, म्री, याष्ट्रिय, म्री, म्री, याष्ट्रिय, म्री, म्री, याष्ट्रिय, म्री, याष्ट्रिय, म्री, याष्ट्रिय, म्री, याष्ट्रिय, म्री, याष्ट्रिय, म्री, याष्ट्रिय, म्री, म् त.से.से.ज.प.प्रयाप.च.टट.से.से.य.चचट.कुटा थ्र.शट.त्.ख्या.याया.कूट.कूंया.टे.यायेया र्देव गर्छवा प्रतः व्याप्त ग्री प्रश्चे पाया केंद्र छिट र्देव मुक्ते प्रेत प्राप्त विवा लुष्यान्य व्यवत्त्रात्त्र स्वेषात्त्री अरायान्त्र । ह्वानुष्यान्य व्यवत्त्र व्यवत्त्र व्यवत्त्र व्यवत्त्र व्यव चम्लान्नेत्र द्वरादे र्पायो भूराञ्चल वाराष्ट्रिय नुष्य राज्य राज्य राज्य राज्य विद्या प्रात्य राज्य विद्या राज्य राज्य राज्य विद्या राज्य त्रवित्र क्षे. वेषात्र 'या भूत्र प्रते ते क्षेत्र प्रते क्षेत्र क्षेत् पश्चिषायाव्यापक्षयायाः त्रीवावावावायाः विष्याच्याः विष्याः विष्याच्याः विष्याः विष्याच्याः विष्याः विष्याच्याः विषयाः विष्याच्याः विष्याचः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याच्याः विष्याचः विष् वयानुयावाप्ययार्गेटाक्टेरपृष्ट्वयानुःर्वयानुवादितायार्वेवार्ष्ट्वर्त्ताय्वयार्थेटा। દ્વામું ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્ श्चिर वया देव स्वाया मुक्त त्या प्रथय में दि स्वाय स्व लट.लुब.धे। विश्वक.भूट.झ्.चर्डिब.चुर.चषु.लवा.पर्हे.ब.चु.ची.चुब्र.चु.पु.च्छ्य.ज.तव.वंब्र. इर.ट्र.लु.या.लीया.थु.इं.क्या.ग्रीया.पदावीया.ता.क्षे.लु.त्यापदातीटा.थेव.ट्रायूया.तादीया यभ्रियायाः भेटातहतायाः स्थानायाः प्राचितायाः विकास स्थानायाः विकास स्थानायाः विकास स्थानायाः विकास स्थानायाः व वयायव पर्ने भुं भुं भूगुः क्ष्रान्तरायावन पा ने रापिका केरा है । त्रायायात्रा है। स्राप्ति विक्षा १८०३ स्राप्ति विक्षा स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स् तर्षावषार्थान्तरप्रवर्द्दाले पाचनरार्था क्रमा अर्देशे विराधेनषारा प्राप्ता है। र्था १८५५ सॅर पव परे ह्यूय मुं अट प्रिवाय प्राय विवाय प्राय विषय प्राय है ८८.४८.वी.वोड्डेब.त्.तव.तट्.झैल.भैं.ज.वोबट.तपु.गूट.झुट.वोड्डेब्य.वोष्ट्र.धीवाब.एवव. त्रवेश.ट्यूथ.क्यांश.तथा ट्रे.ज.त.रूज.तूब.प्यथ.यूट.ड्रे.टर्श्चेय.येश.प्यथ.यूट.क्यां. म्रीयाचेरापते ग्वितिह्यं मान्यापा भिवानु ग्वायय। अग्विति स्थाप्याया स्थायया क्रव.रा.मीजायामी.अक्ष्.क्य.अर्ट्षु,ध्रिम.स्यमा.मीट.र्यीट.व.तमीट.ज्या.स्व.श्रट.तमा. क्र्या. मुट. ग्री. सिवाया. पवाया. लूट्या ह्रिवाया. स्ट्राया. स्वाया. स्वया. स्वया. स्वया. स्वय पश्चित्राग्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्राय्वेत्रायेत्रायेत्राये के मुःवगःवर्षा द्वीर तर्वर विट पर्वेट स्या अर्केगः वर्षा मुति खेट स्या मी स्वर्

भैत्रान्त्रान्त्रवात्विवाहार्य्याचीतास्त्रान्तात्ता तत्व्यतित्तात्त्रान्त्रवाचित्राचीया मूब.मूब.मूब.मूट.सूर.ट्षवी.चेट.वंब.मुब्ब.पवीज.चवीज.मु.चवी.लटब.क्वव.कुव.चेब. खुवाबाचन्नन् पान्ना ने लाचेन् सँवा वानेबागादे न्यवा हूँबाके चरार्गेन चेराचन्न जीवायान्त्रन्त्रान्त्। वार्षेत्रयाय्यान्यवाः मैवाःवाः वित्याः प्रशः क्ष्र्याः मैवाःवायाः वोश्रथान्तरम् वे श्रेष्रात्रयास्य स्वर्तिन्त्र्विय सार्व्यातिवा विस्तानम् । देवा तर.र्चिट्य.पकर.ग्री.श्.कुर.तमै्य.तर.श्रीर.र्र.यितिज.पग्रीर.मैं.यत्य.त.ह्य.थे.अरूर्य. चेषातर्यात्रित्रे तेषाया क्षेत्राया विष्याया मिष्याया हात्या विषया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष ब्रियाबासी. यचेत्रा स्था स्थित. त्यूबा स्ट्रा लेबा सारा प्रमुवा स्था प्राची वाषा यावाय । यह वा स्था प्रमुवा स प्र-क्षेत्रःविश्वावयाः न्यूत्रःवर्वाः वीयः क्ष्रःवर्त्तेयः चितः श्रवः यावः क्ष्रंयः तत्रः त्वरः वर्षः वर्षः वट. मेव.लव. के. बर. ट्यूर. पट्टेब. चेब. पीवाब. वाबज. च. चळब. जब. सेचब. ट्रेर. ट्यवा. पर्धियो. कु. क्ष्या. बुवा किंदा हुया पर्टा. बुटा । यूटा सूटा दें दें दें के भी बे देशयो. पर्धियो है । लटा क्रॅ्ब गा वया तर्गे तर्ह्याया ग्रीया न्यया क्रेव क्षे ना ने न्याय स्वान क्षेत्र ना ने प्राप्त स्वान र्वा.वी.क्ष्य. क्ष्या. त्या. कुर. व्यूट. ट्राचनट. चुर्या. प्राचा. कुरा. व्यवा. कुरा. व्यवा. कुरा. व्यवा. कुरा. अळूच .क्या.श्रॅया.ची टे.प्री.लपु.ग्र्या ताचट.त्र ्राज्या ,,टिनंट.प्टिया.ग्री.ह्या.पुशाट्टा. प्रथार्ट्स्ट्राचिषाप्रवाप्तर्थात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्व र्'र्गूब.वायुर.ची.क्र.वी.वार्वाब.र्गर.अर्द्ब.कुरी क्र्य.क्र.तब.वी.र.की.रथर.कुर.

श्रैयः भ्री क्ट्री-तपुः क्ट्री-श्रम् अट्या वटः टी. पूर्या क्षे. स्टाया प्रियः प्रः क्ट्रीटः पर्स्या च्रमः (च्रियः ता क्षेत्रः स् । क्ष्रियः भ्रित्रः व्यतः यट्टे व्ययः क्ष्रियः वटः व्यवः व्यतः व्यवः व्यतः व्यतः

दे. द्वा वी भूर ता कवा अर्दे ते । वा कुव विवा र्थे द र पा वी भूतका देर कवा अर्दे हैं। अर्हे द वका लील.र्थयो.प्यां.योञ्चा.रामेर.झे.र्रारास्ट्रीर.र्टर.सूर.सूर.झूर.योशिषायी.र्ट.सूर.सूर्याया विवा अन्नतः तत्तुन् च न ने कें चर्षा में न चें र न स्वा वार्षेवा चित्र खेन् चित्र वानु सकता अर्द्र-र्ग्। तस्या-द्रावा 'क्रूंब' त् 'चे 'देते 'द्रावा 'द्राट्-'चा हु 'प्रव' चे दे 'च 'चे दे वा वा विवाय ' यट्रेग्नराग्रीयादे संस्थित्राया में ज्ञाया स्थया में टाध्या स्थाया स्थाया स्थाया है न राममें साव्या स्थया स्थया ब्रिय.तथ.क्र्यात्र.ब्र्या.यय.पटी.चर्चट.ग्रीय.चर्क्य.पटिया.चेला वायय.क्ष्त.ट्र.क्च.लट्र्स. पर्-र.म्.म्.अर.पर्स्य.भ्...क्य.अर्ट्-अत्य.प्रेय.बुट्-विश्वय.वय.पर्क्र.पश्चि-र्देवा.क्ष्य. ८थवा तभीजा हे. त्रा. में. जपु. र्रे. प्रटाजा क्रियमा चा यवा तर्द्वाया क्रु. जीय "बेया टर विवाया ग्रीया षिः र्ष्यः अर्व रहेवा द्वेटः यस्तवारा न्टः न्वा अवअर् त्वावा क्वा अन् रायः क्वा स्टर त्. यम्बा. रसर. मुरामा क्षेरा रिया सी. यमिर. री. वाया पर वा. मुरा वा. वाया प्राप्त हो. के. बिटाटराट्रवाषाययारेटाचेरा वावयावित्यरार्चानू वितर्भेत्र र्ट्रेब.पर्चीय.कुब.सैट.चीवाब.चुब.मे.कु.तपु.थु.ट्रं.लु.थघप.श्रह्मवा.वु.चे.य.बु.ट्या.क्रैब. क्षा.वेवा.व्राथास्या.यर्झ.की.ज्या.युट.ट्री

र्स्न र्स्नियाने त्यान के स्वतंत्र के स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स्वतंत्र स रपषावाष्प्राविता प्रवित्रुत्यर्स्वात् पर्मेराचात्रुं राचात्रुत्राचात्र्या रत्राञ्चायान् त्राचेत् तर्वे । त्र्वाण्यानः क्षे व्याणितः राज्यान् त्राचान्यान् । त्राचान्यान् । राषु.रिश.क्क्ट्र-वे.वार्षेट.रवाष.र्ज्ञव.सू.चट.राषु.लय.र्ज्ञ्च.रे.लुव.पर्ट.वा.खुवा.जय.प्रथ. पर्विट.रेट.क्रेब्र.जेट.क्र्ब्र.पर्विट.ब्र्ब्ब्र्य.ब्री.ट्रेव्र.क्र्य.पर्विट.द्ब्य.रा.बुव्य.ज.चेर.ब्ब्य.लट. . भ्रा.ब्रूट.ट्रा ट्रेम.व.क्व.मट्रं.वयु.पि.क्रुव.ट्र.पश्चव.व.चट्रेव.क.ब्रुवा.म्रेट.ट्म.श्लेमा ह्ये. शहूर-४श.श्रय.ज.र.पी.जर.पाधेर.रा.४श.श्रय.ख्या.ग्रीट.पश्चिर.प्राट.पीट.क्रर.ध्रॅ.पीर. रु:मॅरिकाराधिवादराष्ट्री रे:क्षेवार्वेवादुराद्रात्राविकार्मेवाविवाधिवाधिवादरारुग्युः लम् लम् त्या प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र विषायाः विषा विष्या प्रमान्त्र विष्या विषया ट्रागुः यादेवाविषाया १८४०षा "ळेषाविषाया स्वा हे विते हे विते हे विषाळेषाळे व द् चर्षियायाःचीताःचचेत्रयाः सूर्याःचेतुः क्रेवे . क्रीः ख्रयाः सर्रः चरायाः चर्चे । दर्यता क्रवाः अर्द्रे : सुर्या अर्द्धे द ट्रे.ब्रॅ.च.ट्ट.चर्या.योलच.राष्ट्र.ब्रु.झी झ.ट्र.चे.ब्र.ब्र.ब्र.ब्रु.ब्रा.ब्रीका.ह्र.खेट्री से.ट्रे.खे.व्रु.ब्र क्य.भट्रे.श्चे.भह्र्य.क्या.परीय.बयम.शी.यक्र.परीय.कुटा ग्रूट.र.संभ.श्चम.ज.वायुर.रा. त. इ. ८ त्यं . संव. क्यां था ८ तटा तह्य . ताय . यया . क्षेत्र . क्षेत्र . क्षेत्र . क्षेत्र . क्षेत्र . क्षेत्र र्देव बुन र्बेट्य सेट्रिन्य दे त्वर त्वर त्वर त्वर त्वर त्वर त्वर सेट्रिक्ष सेट्रिक्ष सेट्रिक्ष सेट्रिक्ष त्वर एस्ट.य.अक्ट्या.त्या.अट्य.टी.पर्ज्ञा.क्षेत्रया.यटी.स्.प्रुव्या.अटी.ट्या.क्षेत्रा.क्ष्र्या.स्.य.व्या.क्ष्र्या. स्व क्ष्यायान्य त्या तहेव त्याया तहेव के हो। यहिया वया ही सहि याया राया ही सहित याया राया ही सहित स्वाया स्वाय परीयानक्षेत्र.कृटाताब्रापटाच्यादी.यी.लपु.टीयावाचायावाचा द्वायाटालकृत्राचा र्त्यूट्याङ्च्यायाश्चरवाय्र्याच्यरावाद्याः वाद्याः वीद्याः वीद्याः वाद्यायायायाः प्रवेद्याः भवायायायाः प्रवेद्य ब्राट. खू.  $\angle \hat{u}$ .  $\angle L$ .  $\hat{u}$ .

अर्देव: स्वाप्त्रं के वार्ष्यः के वार्षः के व

ट्र्य.ज.चर.विश्वय्व.ग्री.व्रिथ्य.चर्वा.शह्रदे.श्र.थह्रदे.ज.रवी.ज्य.पर्ये.तथ.र्ये.तथ.र्ये. ववा विट.वट तुव दि क्षेताच ववाच र्ख्या क्ष्या विषा पटा क्षर क्ष्या कच अर्दे रूप क्षया १११ त्या ''दे स्वरायस्य वारा केव स्था वारा राष्ट्रीय क्या होता स्वरा स्वरा होता स्वरा होता स्वरा होता स्वरा होत ल.योवय.ग्रीय.मु.चींय.मुट.त.पश्चेंट्य.ट्ट.श्लेंट्र.तव्रीय.त.ट्ट.। मु.मुट.ल.मुद्रे।व.पह्य. पर्नुतःभ्रनमःन्तरःभून् ग्रीःभूरःने क्वायिवातान्ता ने हमाभ्रीःस्रेटः नकुन्यान्ता  $\tilde{\mathsf{M}} = (\mathbf{A}_{\mathsf{M}}, \mathbf{A}_{\mathsf{M}}, \mathbf{A}$ चनुट र्चित् याब्द यी वार्ष ट क्रिंट धीव या 'बेबा र्सेवाबा ग्री क्रिंवा यी व्रवाया वर्षेत्र क्रिट्वा था योषुयायाचा करा अर्रे प्रति देया वयापअया में टा है। प्रति व जिया करा अर्रे प्रति व प्रत र्थयो.पर्धियो.यो.सू.सू.यू। फर्जि.ता.क्ष्ये.सू.र्ट्या विंट.र्ट्याप.र्ज्ञया.सूय.सू.यं.सूयो.सूया योट्ट्रिट्रिं त्तः विवा सः त्रीय त्रमा इत्रः विवा इत्य व्या स्वयः श्रीयः चर्वा त्रियः त्रीयः होः वाबुकामान्ता वाक्षरानु गुर्भिन्ता श्रीन्ता श्रीन्ता वाक्षरान्ता वाक्षरान्ता वाक्षरान्ता वाक्षरानु वाक्षरान ર્સુંદ<sup>,</sup>ધોત્ર'દાઃર્સુંત્ર'એદ્ર'ગુદ્રા ત્રદ:શેદ્ર'ભ'गवित्र'ग्रीत्र'होत्र'होत्र'तर होत्रत्र'र्सु'रह'टार्स्त्र' क्षे.ची.बुवा.वुो.कुट.टी.लुब.तर.चुब.पी.वोबजा टी.प्री.जपु.वूबा.चाचट.त्ज्रोजना "क्य. अर्देषु र्द्युव र्द्यूट ... हूट .च. योट .जाया या श्राया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचित्र व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचित्र व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचिया व्याचित्र व्याचिया ८८.५र्चे.ज.यपु.भूथ.थक्षथाजायभेट.य४.तथ.यट्र.यथ.थेथ.पहूर्वा.कु.य.था.चेथ. क्रॅब र्यं अवसार्गेट र्राप्यव प्रदे प्रयाष्ट्रीय मित्र मी प्रयाद स्थानीय स्थानीय स्थानीय स्थानीय स्थानीय स्थानी श्रेव त्र्

ह्मा भा कीट - तमा ट्रिट्टी स्वित क्षेत्रमा वेद्या चेद्या मा स्वित स्वामा वितास स्वामा स्व

यस्त्र अध्यान्त अक्ट्र - हिंद्र में अक्ट्र कुचे - त्यं क्ष्म न त्यं में अप्यान स्वाम स्वम स्वाम स्वाम

## मेतुर्तुन्य

## **ॾ**नॱअर्ने प्रने विष्य क्षां भी 'तुन्य माय प्रने न

## बिट्ट निर्मात्र्यं विषयः श्री विष्ट स्य

ત્ર- ત્રીષ્ટ્રી ત્રાજ્ઞ ક્રાયત્ર ત્રાયત્ર ત્રાય ત્રાય ત્રાયત્ર ત્રાયત્ર ત્રાયત્ર ત્રાયત્ર ત્રાય ત્રાય

द्रव.कुर्यः क्रींट्यात्यं स्वीतः द्राचित्राः द्रींट्यात्यं वर्षियाः त्रींट्याय्यं वर्षियाः वर्षियः वर्षेयः वर

चर्मा.चेबा.व्यक्तं वा.स.च.प्रत्यः दूर् इता। वर्ष्यः व्यात्रः चार्ने वा.स.वास्वा क्र.प्रट.प्रवाताब्र्यायस्याब्रिटा॥ क्रियास्रिययाग्रीयायक्र्यायन् भ्रीटायन्तराना क्र्या इवर् अयाविषार् राष्ट्रायम् यम् । दावीर् विष्यान्य विषया विषय । यस् प्रत्यायर् न्वतः स्था कुः हो न्वायमा दे स्वाया हो स्वाया क्षेत्र हो स्वाया मिल्या मिल्या मिल्या मिल्या मिल्या त्.चथ.ल.पर्देव.पर्टपु.कॅ.वूट.टटा। श्रट.वी.वाथवाल.पर्वे.पर्टपु.व्रे.व्.टटा। केव.व्. वयायात्मः क्रियात्वर्यः वटातह्र्यान्या व्रिटाक्रेवः यावयात्मः सेटावर्यः स्रावीटायान्या अर्द्र-व ग्वव ग्रीय नहीं नर से जुब पति श्रिंग कवाय तर् नरे थे से से सक्स पर्टा प बट.पहू्थ.कु.च.पहू्ब.कुर.क्ष्य.क्ष्य.क्ष्य.क्ष्य.क्ष्य.कुष.कुष.कुष.कुष.कुर.क्ष्य.कुष.कुष.क्ष्य.कुष. श्रेत्। दे.व.भ्रेच.मुंब.स्वेत.पर्टेट.कुट.तभीर.त.ट्ट.॥ वावव.मुंब.तक्षेत्र.तर्श.वेब.एर्च.बूर. प्रमुला। र्याकार्ट्याच्याच्याः र्याच्याः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः वाव्याः वाद्याः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः B्रिर.वर्षिताताता भाराष्ट्री. पूर्व रहूँ अया मिता मुं स्वित प्रति स्वित स्वित स्वित स्वित स्वित स्वित स्वित स्व ત્રાલ્ય કું. $\sqrt{2}$ .  $\sqrt{2}$ . यः क्रा. याञ्चयात्रा चि. त्याया प्राचितात्र प्राचितात्र प्राचितात्र प्राचितात्र प्राचितात्र प्राचितात्र प्राचिता तक्री. चुत्र क्षेत्र क्षेत तपु.स.र्निर.मु.सब्या सू.बु.पर्हूल.प्यूवा.सू.बुवाय.सुरवाय.सुरवाय.सू.र् योट्ट.टट.सु.ज्ञेचाब.पह्याब.ता। बाट्र्य.य.टीटे.ज्याब.ह्याब.थी.सू.टक्षेय.ट्यूबा चर.री.जथ.र्ट..विट.र्झ.ब्र्याय.की.पश्चर॥ येटा.ब्र्याया.श्चेर.क्ज.विट.ब्र्यायायक्टी.स्ये यक्ष्योग्री थु.रेट.बूर.ब्रीम.विट्य.वीर.पचय.कूर.थुरी,, कुम.स्री

चर्चित्रपृ चित्रक्ष्याचित्रम् व्यान्त्रित्वात् व्यान्त्रित्यात् व्याः विद्याः व्यान्त्रात् व्याः विद्याः व्यान्त्रात् व्यान्त्रात् व्याः व्यान्त्रात् व्यान्त् व्यान्यः व्यान्त् व्यान्त्यान्त् व्यान्त् व्यान्त्यः व्यान्यः व्यान्त्यः व्यान्त्यः व्यान्यः व्यान्त्यः व

द्रचे.सू.कुब्र.श्रह्म् ट्रापट्ट्र.विचे स्चय्यात्पयावेषयःग्री.विचे त्रम्याङ्ग्याव्याय्यायेषयःग्री.विचे त्रम्याङ्ग्याय्यायेषयःग्री.विचे त्रम्याः व्यव्याय्याय्यायेषयःग्री.विचे त्रम्याः व्यव्याय्याः विच्याय्याः विच्यायः विच्याय

 शक्ष्ट्यः मुः पट्टेच क्रिः लूट ग्रीट विश्वश्वा क्रट न्या ह्ट न्यं यो जाना ना ना निवाया क्षेत्रः पट्टेच क्रिं लूट ग्रीट विश्वश्वा क्ष्ट न्यं ने निवाया क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः प्राप्त निवाया क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः विष्त क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः क्षेत्य क्षेत्रः क्षे

दे·वःञ्चद्रावअवःग्रुःख्वःश्वःयङ्गायरःग्रुद्रःचतेःमुवःदयःयःकवःयद्दंर्वेरःतृतेःयः बेबार्यात्वासुम्मावाबारादे वावबामी पर्मात्यादी प्रमाद वात्वा स्वापाया मुवाबारावा १५५८ वा "वाटबाट्यार र्या नेवा ची अर्केट हेव र्याट्या अर्कें ट्याय र्ये वाया थे अक्रुय र्याट्या श्वर सेर त्र्वायान्यः की स्थितः त्र्रात्त्रा । , अयाविष्याता स्था प्राप्ति । प्राप्ति । प्राप्ति । प्राप्ति । प्राप्ति । भैजालयम्बाबाक्यक्षेत्राचारम्भू अक्रवाची स्वाबाहित रहेत स्त्री स्वाराहित स्त्री पूर्व विकु: श्रेन् मीन तपु विषय मी मिन् तम् अर्द् विषय में अर्ध अर्थ में स्वर्ध मी अर्ध अर्थ में स्वर्ध में स् ક્ષે.વિષ.ક્ર્રેન.નજેન.ગ્રી.નગ્રૂન.ન.લેષ.શેષ.ક્ર્યાય.નષ્ટ.લેખ.ક્ર્નેન.યલને.જુ.ક્રેન.ધથય.શે. <u> ब्री</u>ट्र-पति ग्वाट्या से 'द्र्टर **स**'से 'क्रय्या के 'क्रया आवति 'अर्थेट्या सु 'द्र्टर 'वी 'गा' व 'क्षेर 'द्र्यार ' खुट खेरा क्री अकूट हेत्र क्षेत्र वायायाचा अकूरटा अक्टी क्षेट या टट के थ्रवा स्थया है। योचूट.क्ष्रभाष्ट्री.योग्रुया.श.टट.क्यी.क्र्यूयोश.श्रट.तर.क्द्रै.प्ष्टश.त्रूया.ल्रूटश.श्री.विचया.वया. र्वे र.पे. वित्र वित्र क्षेत्र र्ये अ. यूर्याया थी. यो युर्र क्षेत्र ख्रेर ख्रेर ख्रेर वित्र व्या ये. या र्ये या यी क्षेता.भार-ट.श्रीर.ट्यार.श्र्याया.श्रु.चेट.ययाया.क्ष्या.क्षेत्रा.चे.य.चे.द्रा.चे.वे.द्री.क्षेत्रा.लेर.लीट.ट्र. यात्तरः में अथा भी अंतर्भा अभिन्या अभि यिष्ट.रट.मु.श्यागीय.ये.श.स्वा.वा.सू.वा.झ.क्व्यायाना.सूट.ता.टट.पह्यातपु.येशयागीया तहतः क्षेत्रः स्रह्मा स्रीटः च र्या वी रेमा स्रमः स्रमः प्राप्तमः प्राप्तमः प्राप्तमः त्रयाक्षेत्र,त्रच्यातात्वेव क्षात्रयाक्ष्याक्षात्रेयात्रेयात्र्याक्ष्यास्यास्यास्य ट्रथल कि. टेट. वोश्चर की मैल. शू. टेटिल के. शूवोबा आ मेट कूच रू. ल. शे. हे वो. वो. सं. क्रूश यम्तित्रः से विषु स्वित्रः सित्रा सित्रः अविदः अविदः पति स्वित्रः पति स्वित्रः सित्रः सित्रः सित्रः सित्रः सि क्षमान्मानते केषाः भ्राप्तानामान्यान्य प्राप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य याल्य-यंग्रा-क्या। वट्ट स्वयः म् ला-ट्यो-यः यु ॥ च. म् स्वयः म् स्वयं यु विश्वः यु वि

क्, बुट क्, क्, ला, र्वा या वार्ष क्, ह, के, जी, केंप्र, र्वा या त्रा विट केट केट. त्रिषा। वाषाः तर्ज्ञवाः कुटः तर्ज्ञवाः सूर्योः प्रवोः पराञ्जे। कुलः सुर (बटः यः ब्वेः चवाः यः बेवा) वाषाः तर्ज्ञवाः परः पर्च्यातमिटापर्च्याया।,, षुयापर्चिटायाक्षेत्रायश्चितायातातातातायात्तातात्त्रायात्त्रीताक्ष्यात्रीता विश्वभार्यात्रम् त्यां विश्वभाग्नी मान्यभार्यात्र प्रति । स्वीत्रम् स्वीत्रम्यम् स्वीत्रम् स्वीत बूर्या ग्रीया स्थित । त्राप्त पूर्या प्रमाण विषया ग्री । श्रीया ग्री । श्रीया ग्रीया या ट्यो.ज.ट्याय.बुट.इंया.ज.पड्रा.या श्र.क्र्य.याब्ट.श.यर्थ.र्येय.या.वुप्यायाया पहुर्वा मुंब लियोबा ग्री.योध्याला श्रापया सुट विट्या पर्श्व रत्य रूपाया द्वारा ही पा એન્ નાતું ક્રેન બૂન્યા શ્રુંન મૈયાના નરુયાનું ક્ષેત્ર મૈં. નાને નાતું નાતું નિયા શ્રેયા શ્રુપાનું નાતું ન रु.ह्रीय.तो बर्ये पु.र्झें च्या.तो चिट.रु.लूज.य.ह्यय.त.प्ट..वी ख्रूर.लीवी.बी.रु.ज.व्या.च्या. स्वायानम्द्रित्रक्ताचा वायवाराष्ट्राय्याक्ष्याचम्द्राचार्वायाः स्वायानम् तर्से.पट्टा.चम्रेट.वट्टर.क्षेत्र.चभ्रेट.तपु.वित्र। क्ष्य.म्रुट.जव्यायाचेश.बेट.टे.पहेवा.तपु. ਪਟੀ ਦੇ.ਭਿੰਟ.aਖ.aਪੰਤਾ,ਪੰਤਾ,ਪੰਤਾਵਾਂ ਕਾਰਾ, ਕੁੰਟ.ਟੇ.aਖਕਾ,ਗੁੰ.ਝੈਂ.ਖ਼ੱਖ.ਕਾ.ਯਾਰਕ੍ਕਾਰਾ.  $\forall Z. \neg Ug. \not = \forall x. \neg Uu x.$ . चेटा चि.प्रिंट.को.क्रॅ.च.पटे.चयु.४.वाबे.अर्घ्र.च.वाटेय.प्रि.बी.चबु.कुटे.टे.चर्च्याता.क्षे.वियु. क्रेट.रे.ब्र्ट.जय.रेब्र्य.तपु.क्य.रे.क्य.क्य.क्रं.पर्ट.व्रेट.क्रे.अंट.रेव्य.य.पर्टेट.क्रुप्.प्ट. व्य क्षे.चे.वोश्रूम.पुषु.पेचेथाय.क्षेत्र.तू.के.चे.श्लेपवायीशार्गूम.य.वेश्वाराम.केण.पषु.विम. पवट प्रविव दु 'झ्याये 'झ्व 'वे। झ्ट 'टेर 'झुव 'कवावा पर यकेवा वाँ।

क्रीच.जा.च्यकूट.पटी चिटा.क्र्रियोथा.थी.क्षे.क्री.प्रांची.चक्षेच.चिटा.चीयोशी चर्च.थुट.त्र्या.क्र्या.च्रीया. योटच.जा.चियोथा.पटी ख्रीट.अष्ट्याया.क्षेच्या.च्रीया.च्रीया.च्रीया.पटी ख्रीट.अष्ट्याया.क्षेच्या.च्रीया.च्

यः अध्याच्ये (यहचा हेर होट र्स्याक्टर टि. यह्या स्ट्रेस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट

स्वीया-ट्रिया-ट्र्या-शावया-पर्जू-ह्रीय-क्षिया-ट्रा ह्रिया-ह्रीय-क्षिया-ट्राय-प्राय-

 $\begin{array}{l} \Box g, \Delta d = 0 \\ \Delta$ 

<u> चक्षेत्र,तपु,र्वि.पत्तर,र्वीर,ज्या,शक्ष्,वपु,चर्रा भैच.५,पर्वीव,५,कू्त्र,थ्रा,षुत्र,५,भैंर.</u> इट.बुट.ट्रंट्यट्य.अव्.ट.चीती.पर्चिया.वोष्ठा.पा.पत्त्री.टा.की.टी क्र्य.बुट.ग्री.श्रट्य.घट.भीष. ব্যথান্তে বা প্ৰাধ্যমাণ্ড্ৰিশ্বের্র্ব এমান্ট্রী বেছিবা না শ্রীক্র প্রাক্তন্ বার্ট্র বার্ট্র হার্ট্র বিশ্বর **ॻॖऀॱख़ॖॱॺऻढ़ऀॺॱॺऻॡॖॺऻॱॸॖॱढ़ॻॖॕॺॱय़ॱऄ॒ॺॱऄॣॸॱॸॗ॔ॸॺॱऄॗॸॱॺऻॶॱऄॣॸॱॾॕॱॸॱॶॱॸॖऀॺऻॱॺॊॱॾॖॸॺॱऄ॒ॸॱ** त्रया.मूजा.मी.पार्चूट.त्र.सी.पार्चरा यालया.मु.ची.मी.मी.मि.प्वंय.त्र.पार्च्य.त्र.पार्च्य. क्रमारायर्ग्य क्रिंर स्ट्रमार्श्वे प्रस्त्र सुमार्स्य मारायायर प्रतिभागति पर्मा क्रिया सेते । योलाबा. ट्या.बी.बूर.ची.बीबा.ब्यू.ची.चा.चू.चू.शोवबा.ताबा.कुट.टी.चा.चूबा.ता.कै.ची.वोबाया.चर. परीमार्ने म्यायिकामी स्थायिकामी स्थायिक स्थायि त्र क्षे.यी. भी बा क्षे.यी. भी की क्षे.यी. भी की क्षेत्र त्र क्षेत्र त्र क्षेत्र स्व की अर से त्र त्र त्र त्र चराग्री दे ता होता वाद्याया तहें वा के स्थेत के त्या के वाया पाय हों वाया प्रमाण के वाया के व श्रावर स्र रतः भ्रित्र क्रिंवाय र्त्ता वाष्य राष्ट्रीय रत्य भ्रावत्य राष्ट्र स्र राष्ट्र राष्ट ताययट्र ख्रेट्र त्युंट्र प्रदेश व्याप्त र्रावध्यात्र्राचा के म्या के विष्या के कि के स्वाप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त योलट.रे.र्जेट.तपु.यस्य क्रि.ब्रियोबायबाला कुष.योलट.रे.र.योय.त्रा.ब्रोट.रे.यमीटबा यर तर् पार्वे क्षें धे ग्रायम सम्प्राप्त का धेवा

टी. युष्यत्त्रपु. पस्त्रियः जया. ग्री. अधी. जया. श्री. प्राप्तिया प्राप्तिया प्राप्तिया । ज्ञीत्रा प्राप्तिया अधीत्या प्राप्तिया । अधीत्या प्राप्तिया । अधीत्या प्राप्तिया । अधीत्या प्राप्तिया । अधीत्या । अधीया । अधीत्या । अधीत्य । अधीत्या । अधीत्य । अधीय । अधीय

र्वा.यम्बर्ण.प्रेय.पर्वज.क्ष्य.क्षेय.क्षे.क्ष्य.बर्ष्ट्र.ज्य.क्ष्य.द्रगुलक्षा "क्षेय.द्र.वार्ल.पर्विवा.पर्विवा. तपु.पट्ट्यं रूजा थी। योलब.पट्ट्यं क्रं खे.पु.ट्ज.ट्जूट्.क्थी। योल्यं पट्ट्र ह्य. क्.र्य. और.च.र.रा। रहिर. ह्या.च.केल.िंट. यो. श्रुंट. रविश्व.शी। ... वार्घ्या.वालश्व.शु. रर्चे.घट.कुर्य.टटा। वार्च्चा.वार्त्य.श्चे.ब्र्ट.घट.लट.चुरा। विंट.कुर्य.श्रह्वा.श.टार्चेट. पर्य कुर्म कि. में ध्रेम तर्थ मार्थ क्रवास्रह्रान्त्रे स्त्रियः स पूर्यायियायाम्भी: मू. अक्सास्यायी. पहुँ । म्. स्यायायालय याश्रीयायाम् राष्ट्रीयायालय याश्रीयायाम् तपु.अकूट.भ्रीय.यक्षेत्र॥ स्य.कुय.भ्रीया.ग्री.अट्ट्य.अर्ब्ट्य.श्रेट.वर्षेट.दिया। अ.चकूय. रट.चबुव.मु.मूर्वा.क्ष्य.चे.चग्री। क्ष.टट.क्ष.मू.मुम्यतुम.चतु.मक्ष्ट.क्ष्य.मूर्वा.मूट.पहीट. ह्वि.तपु.पु.य्यायाग्री.ट्र.पचट.पर्वजा झाग्री.यावु.पर्या.र्योग्नारपु.ह्या.श्.र्टरा ट्र.जा च.र्टायंतालाच्यां भूराध्निरादीरात्री चुंबामें यथिषात्रात्रा क्षेत्राचानुवार् भारीराखी पक्रा अ८.४८.५५८.६.केर.जूटम.ब्रैट.तपु॥ चे.मॅ.८व्य.व्येथ.वाद्वाय.तपु.५.८वाय.४्था त्रव.क्ष्य.पचत.क्र्र्ट.श्रट.तर.विट.क्य.श्रुशशी ४८.४८.वट.क्ष.पचीय.क्रुट.वट्र.वर. यावया। यावेयाञ्चेयाञ्च स्वायान्यायाञ्चायाच्या स्यान्या। स्यान्या स्वायाञ्च स्वायाञ्च स्वायाञ्च स्वायाच्या स्वाय ८८.अर्थ्ट्या भट.र्चेता.क्र्यांवाता.ग्रीवा.भी.टिचेटवा.क्री.पु.पु.मु. भट.वायुवा.लूटवा.ग्री.लूट्.ग्री. र्यर र्या तर्स्य।" वेषार्रा

ला। तृत्रात्रग्रस्त्र रेषा रुव रेषेव पा अत्।। व्रस्ति त्यत्यत्य अर्थे पा दे।। वे से शु गुति सूर चवा.वोषा। विषया.ग्री.ला.स्.बुबा.ग्रीट.चीवोषा। द्र.षाष्ट्र.यहृट.प्ट्रबा.कु.य.ट्रटा। कु.बूर.जुट. पते.विष्याम्याम्याम्या हे.ये.वा.हा.पी.पी.वा.हार्य्य प्रताम्या क्षेत्र प्रताम्या क्षेत्र प्रताम्या क्षेत्र प्रताम्या ट्र.शक्र.कु.यपु.रटा.ब्र्य.शटा॥ झे.चवा.थु.ट्यार.से.ट्यार.ट्री। वार्ख.यट्वा.शडी.र्रं र वोष्यात्रमः चोवोषा। , खेषाट्टा , , ट्वूब ची. चम. ब्रूवोषा शि.श. मैज. खूषा मुख. सुरा स्था सी. चोवाषा तासि.मू $\angle$ . प्ययः यायेषातपु. सि $\angle$ . प्रमूषात्।  $\angle$ रूषा असू $\angle$ . स $\angle$ . प्रमूप्त स्वत् स्वत्यत् स्वत् स तपु.वट.सैत्या.पुरावि.धूर्तेया.हूवे.बुयातपु.वीर.सैरावि.कुया.कुया.दीताता.कैटा.पुटा वयाश्चायार्ययान्द्र्यासुः अर्थेटा कुः यून्यान्द्रायळं राज्व राज्यान्यान्त्रायान्ते यर्वा.र्व.वी.श्वर.खेब्य.तर.यद्व.क्र्र्र.वीयेश.र्वा.स्व.तब्य.स्वाय.शक्व.पस्व.पस्व.र हूंव पत्र में हे हाट दटा झेट पा वर्षाया ग्रीया हु हु वाया में विवाय है हि वाया है हि वाया है है है वाया है है वाया है वाया है वाया है है है वाया है वाया है वाया है वाया है है वाया पि. तर्षेष्रयाता. क. जीवाया. झै. कूवाया. भीव. ग्रीया वासूटा. तपु. अधि. र्जया चिटा. सूर्वाया. ट्रायूच. ग्री. मैंत. ५. पर्वे व. ५. प्रीं. तश्यी चर. हूं र. ह्या ह्या व्या क्रू र. त. क्षे. क्षे. ह्या ह्या ह्या है. वे व. प्रीं. ह्या ह्या त्र. व्रेच . से प्रवाहित हो . या त्राहित हो . या त्राही वर्ष क्षा के त्राही वर्ष के त्राही वर्ष के त्राही के त योष्ट्रान्त्रः भ्राप्ते अर्थः स्वाप्त्रिः स्वाप्त्रिः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापत ल्रिंता ष्रकूट. म्रेंब्रान्या स्वराया द्रेर. यथु. तम् म्रेंवा म्रेंब्रा सेवा म्रेंब्रा स्वराया स्वराया स्वराया वयाबाक्षाः चीबा श्वीया त्यराक्षे त्याया अत् ची। खें चाता त्याया वयाबा त्याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याय શુખ.છ્..કુન.વિન.જૂબ.વોથેન્ય.ન.કેમ.છા.જન.ત્યા.સૂમ.સૂન.વુને..કુય.વર્લેન્.

त्म्यान्ता विस्तरक्षित् कुर्म्यायान्त्रा त्यान्त्रा स्थान्त्रा स्थान्त्रा स्थान्त्रा स्थान्त्रा स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य

श्रट्योबाट्ट्र-क्षेत्रः चीयोबाः स्ट्रेट्। जा.जबा.क्ष्याः अट्ट्र-ड्रिश्चां जस्ट्र-ट्रा.शाट्योः ता.लुवी वायाः अवायाः स्ट्रेट्ट्र-ट्रिश्चां जस्त्रः स्ट्रायः ता.क्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योबाः ता.ख्योः वा.ख्याः व्याः व्याः

$$\begin{split} \exists x. \tilde{\underline{y}}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}} \mathsf{A}_{\mathsf{A}}$$

## यानुस्य। यादः विया प्यन्य प्रते प्रते प्रति प्रत

योध्याचुर्थं - याक्ट्र्यं - या

ट्रम्बायायाक्यायाद्रायात्र्रीभुर्वरायाद्वर्षायाद्वर्षाया श.वट.त्रिःयट्रे.वर्षेश.ट्वे.कु.चश.प्रट.चुर.च.ट्टा क्री.श्र.क्ष्य.चुर.व.क्टा.शर्ट्यु.लीज. पट्रे.य.यन्ट्रिंट्यायाच्याः प्यादे क्षेत्रः भ्राप्तातम् वर्षः संभूति । क्रपास्राहे स्वापन्य प्राप्त प्राप्त क्रिया चिट-ट्रबाग्री-द्र-ट्रि-च्रेर-पदि-द्र-द्रिर-ख्ट-ट्र-बिवा-ल्रि-ट्र-ट्र-पट-ट्रबवा-वर्षित्-वर्ष-लब्द्वातः क्ष्यामु अबाचन्द्रायः सेत् चेर क्ष्या अक्षया ह्यार व्यापान्त्रा स्थार ह्या स्थार स्थार स्थार स्थार स या.श्रट.त्.बुवा.चेश.त.जथ.बूज.टे.बैट.च.उट.बुट.। लीट.ग्रेट.बु.जू.टेट.त्.ही.ज्. १७१८४। स्वर्प देव स्त्रास्त न्या प्राप्त हो तथे व हो न होते होते स्त्रा में प्राप्त होता व हेव स्त्रा प्राप्त चरासुत्याचते चगातार्भेषा **५५० व**रा। "श्चेरार्चेत् ग्री त्याक मुः स्ट्रा बेरा वारा केते ः श्लेरा र्मृयःतम् भ्रःभटःर्वामःयःभावःत्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्वामः स्वामः स्त्रः स्त्रः स्त्र भूर.प्रे.पप्र.प्रथ.क्.२.शूट.ड्री इं.एपट्य.क्षायाः संघात्रः विट.क्र.पट्याः वी.लयः व्रीट.धा मिलात्यु राष्ट्र घष्ण.ब्रट्-ह्रीर.पम्नुष.क्ष्म.ट्रा तर.प्रथ्य.ग्री.यपु.क.क्य.सर्ट्-च्र-तपु.य.क.मी.तूर् ग्री'अअ'ग्री'न्ग्रीय'अर्ळअष'भेव'प'न्न्। ष'मु'के'कु्ट'प'र्छअ'भेव'ग्रीष'ग्रविक'के'प्रचट' बुवा-रश्चा वी-रिस्ट-र्ट- परुषा प्रमृत् वर्षा पश्चितः ब्रेट स्या प्रमृत् वित् स्वा वित्र स्वा प्रमृत् वित्र स्व क्ष्याय"वेयाचेन् नत्याक्ष्यायायाकुःकुनानान्तान्यायायायायायायाक्ष्यायाक्ष्याया  $\text{QUITE QUITE QU$ 772/८०० "री र्रे के न्या हे पार्य केत केत कुरा अर्कन प्रिंत पार्थेया प्रमास्य स्था विषय हुए रेव केव गित्व तर्वेव तत्। कव अर्दे वया यगाव वर्ग्येव रेवा पर जुन प्रते वया ५ व्या पर्चेर पार्ट अहल पर्दि अहं द "केश पा क्षेर र स्था था पर व प्रीव वार्य पर्दि । रटा व ह्वीया त्या प्राप्त राष्ट्र व राष्ट्र यो दा दे राष्ट्र विया ता वी राष्ट्र व वा स्राप्त राष्ट्र व

<u> र्ज्यूमाग्री देव वार्यया प्रमित्र पर्या मान्य प्रमाण मित्र वी स्थान प्रमाण मित्र प्रमाण मित्र प्रमाण मित्र प</u> याने र र्स्याया अत् "डेया हीया तर्या पार्च र धी यो प्यया में र पा हिए। या डेया प्रस्ति अर्ग ही यान्तामानेषार्वेरार्वेरार्वे त्रे के बितावार्रे नितायमान स्वाता प्रात्ता विष्टा र्वति प्रमार्भित्या र्याप्त हिमारा मित्र हिमारा मित्र प्रमार्थी मान्य मित्र प्रमार्थी मान्य मित्र मित् त्त्रियः अवास्त्रियः विवास्त्राच्या विवास्त्राच्या विवास्त्राच्या विवास्त्राच्या विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र खुकाळॅवाबारावे द्वाधेव प्रमान का नेवाव। भ्राप्यावित रास्तावित हेवारा केत्र प्रमान तथा.श्री वोटाक्षेत्र.ब्र्याता.लुबारा.बु.हा.क्ष्याया.ट्रेग्या.हे। क्ष्या.वी.ट्रेयटा.टी.हीयाव.तत.सी. क्ष्याया नेया क्षेत्र स्वा रहेया प्रवायाया प्रति । केटा क्षेत्र याने र र्याया यो न "हेया परि । यो न <u> र्वा.रा.लुच.च.बूट.बु.कूवा.सट.कीट.लब.कुट.श्र.बूटा.रा.श्रेश.स्वाबा.वाधुबाला.पूर्वा.हुी.</u> द्याग्री.व्य. प्रेट.ता.लय.ग्रीयाचेयाचियाताट्टा ब्यायाञ्चीत्रायटान्छालटा तर्हा की ख्रीटात्या लट.र्ह्नर.त्र्र.ज.थ.पच्य.ट्वो.वर्षिका.कार्डिट.व्र्यूटा श्रृंच.वायेर.व्रवटालीका.वायटासी. ब्र्याबार्निबावाक्ट.वी.वार्वे बाकुवार्त्रम् चीवाबारान्, रेवा ग्रीटा जालप्रक्ट्रा था.स्टरी वा कुवा.सर.सुत्री पवाय.बुवा.टिस.श.जग्र.श्रट.कुट.। क्य.श्रट्रर.वार्षेट.कुर.त्याय.सूट.र्ज.  $\text{A.} \breve{y} \text{Z.} \text{A} \text{Y} \text{Z.} \breve{y} \text{Z.} \text{A} \text{A} \text{Z.} \breve{y} \text{Z.} \text{A} \text{Z.} \breve{y} \text{Z.} \text{A} \text{Z.} \text{Z.} \text{A} \text{Z.} \text{Z.} \text{A} \text{Z.} \text{Z$ मिय। यावर.यवा.क्र्य.पर्वेट.यावय.त.ट्रमेश.मुटी वी.वोध.क्र्य.पर्वेट.यावय.तधु.लूट. पह्न्य । त्वं .ह्यं .क्यं .पर्वं त.वृष्ट्यः युर्द्यः युर्द्यः युर्वे । युर् स्वाबासी सुर भित्र में वाबाबात तरा है ए. हो ट. वार्य सार्याय वाव्य सार्याय वाव्य सार्याय तपु.कैंट.कु.कुष.तू.चकैट.भपु.ब्रैंच.चै.क.क्ट.च.लूट.कुट.। विट.तर.कुेब.टगु.ब्रॅट.व्रि. वयायायाः यदे तहेवायायासुस्राया यहेव केव के हे हुन यावदायते द्यो हूं दायु क्रा हो राया लूट.त.र्टा विशेट.प्याञ्चीर.प्राँवी.प्र.थे.याथुप्याविप्यायेष्ट.पप्र.का.क्रूट.ची.क्र्टा.चुर.टा. लूट.त.र्टा. वार.एकश.मीर.वाशिषा उत्टि.स्ट.र्ट्यूज.वाशिषा मृब्य.एटीर.जीवा.वाशिषा ह्मवान्त्राक्ष्या अक्ट्राचरुताचित्रा घात्र क्या अर्द्र क्ष्याच्या च्रावा व्याधिया "श्रुप्राभेष्ण वेषामाञ्जूषायागुष्पाक्षामा । स्यान्यान्य । स्यान्य । स्यान्य । स्यान्य । स्यान्य । स्यान्य । स्य क्ष्यायानेयाक्षेटाक्ष्याच्याच्यायायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या শ্বদ্র ইন্

पक्य.त्या.पह्याम्रीट.मेथा.पर्यटालया.,शु. कृ.शट.खुटा.कं. ध्रेय.क्या.विशायटा.कें.क्र्रेयया. ब्र्यायाकः, ख्राच्या व्याप्त ह्यु. यावीटा यचिटा जना सहार या सहार यो सीटा यो अपरा प्राप्त कि वि चवा.वीलय.भीर.ववा.पट.ट्रर.चवा.अवीर.तभूषी क्य.अर्ट्.भी.ह्रब.पट.ट्र.वि.जुटाचेब्री. षुयात्वीतायावेषात्वायातास्य द्वाराण्या क्रवायात् मुर्गायेषात्वा विष्यायात् मुर्गायेषात्र्या स्वाराण्या स्वारा शु.४८.८८.४२.२४.२४८.५.५५.७.८५ूब.८५४.८५४५.५५५वीब.८५५३).बू.८.भै. त्. वृवा. मुच. कै. लूट. तर झट. है। झे. च्वा. विटि. रचम. १०००मा "चर सेचम. से. के. विष्यात्रार्त्रेन्याः म्रीटाचर्हेन् मुनाचा र्यवाः र्यते । स्वाः र्यते । स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व रूवा.शर्ट्र.श्रुचबा.वंबा.वांबुवाबा.बा.चयेट.चरा इ.ज.स्च.चक्केपु.बा.क.वालर.टवं.चटवी. पश्चिमःकुःत्रवः तथाः विवावः सेतः र्योदः प्वेवः नृतः । विर्यावः श्वेवः पविः पविः स्तिः स्ति स्तिः स्ति । "तर्ने नुषार्द्रवात्रवाहो या होया गविते : भुग्कंपवा विया में पवा हो गवा विद्या स्वापा विद्या स्वापा विद्या स्व क्रिट्याच्चेट्रायते :भ्राच्याधेवाय। अवरावर्वाय्याव्याव्याः स्वित्याव्याः स्वित्यावीयः भैतयार्ने त्रीय , जुयारिंदा, क्र्यारिंदा, शक्रमः मै. अक्रुपुः वि.भूटः ५०० तथ्य। , गूटः या अकूर्तात्र्यं वयाङ्गाराज्यायायायात् देव याञ्चयायायञ्चराक्रिताक्ष्र्रात्यायाय विदासीया के.इं.रेंर.क्य.भर्र्र.पवित्र.यपु.धीय.क्य.विया.तप्तात्वता.यव्या.वीया.वीया.युया.यूयीया. लय. चेय. विय. त. वी श्रिट. तूपु. ब्रूंट. वट. मैल. विषय ग्रीव. मी. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. alc.glal.ज। al. u.स्. ८ पु. la. v.श. पळ्वा. था. स्था. पळ्य. था. प्रस्. मी. ह्या. पर्य. प्रस्. प्रस्. प्रस्. प्रस. प्रचियातपुः रूपातान्ते । त्यापातान्ते । कुः क्षेत्रया विवादान्यः स्वाद्याप्तान्ते । स्वाद्याप्तान्ते । वे देव नर्देय यय मुन ग्रीय र्स्याय पायीय है। कन अर्दे भ्री अर्दे न्य अर्दे गासु अ वे । प्रथय ब्रियाबाग्री:ब्र्स्टापरीबाक्र:ब्र्याक्राम्बायाबादाःट्र्याताव्यवाचेटा। पद्याद्यावाटाः श्रीःह्रायटा खुट.क्षे.स्रेच.क्र्य.वर्षित्र.टेट.क्रै.क्रॅ्चय.क्र्वाय.क्री ट्रेट.यट.चर्याय.पर्कीर.क्री.तर.वायर.त. बियागुट पबेटक र्यें द्र 'हेक ह्य देत होता

यर्थ्यायात्रयात्रात्तित्व स्टार्स्ट्रिं के स्टार्स्ट्रिं के स्वान्त्य कि त्यात्रात्य कि त्यात्य कि त्याय कि त्य

देवापायात्रुवाचीकातर्स्। अन्ति ग्याटा अन्नतः वात्रुवापायायाः भूतवादे । द्वापुः करार्से द्यापुः ल्.प्र्यिषधाकुषानुष्यात्राचान्त्रीयात्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्र मुव त्ययाधिय है। यद् यावर पति की त्यत हैं वाय पहें त रेप्यया "वयय रूट यादिय ता.च्लॅ.तबट.५व.क्षव.क्ट्य.टीट्य.मे.अक्ष्यु.इंपु.चीव्य.भ्लेट.ग्री.संज.क्षव.त्या.चेर. <u> ફ્રિયાયા.યાક્રૂમ.જીમ.ગુ.લેક્ષે.યા.યુ.ધે.ક્ર.તથેન.સૂમ.તોયા.લ્ય.ક્ષેત્રાજ્યા.ગી.ત્યૂન.વજ્ઞયા.ગી.</u> अर्मेव र विवाय वतर ले तर्वर पत्र व देवाय पति पर र पत्र व में प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प याः तुर्ययाः सुर्वेदः विदा। यात्रः याह्मंदः क्षेत्रः प्रेतिः प्रेतिः ग्रादः प्रः कटः तह्मंदः क्षेत्रः प्रयादिश हीव.त्रम्बीय.तपु.ब्र्.भेयब.काष्ट्रेट.तब.पह्स.क्व.टी.जेबा देपु.हब.ह्य.ह्य.प्रट्रह्य.ह्य. चनट्रायट्रिन्। क्षेत्राच्याचर्रास्तर् द्वात्तर् याः क्षेत्र्राप्तरा क्षेत्राच्याः विद्रायाः য়৾ঀয়৻ঀয়৻য়ৢঢ়৻ঢ়৾৽ঀৢঢ়৻য়ৢ৾৽৻য়য়৻ড়৽য়ৢয়৻ঀয়৻য়য়ৢঢ়৻ঢ়৾৽য়ৢয়৻ঢ়ৢ৻ঢ়য়৻ঢ়ড়৻৻ঢ়য়ৄঢ়৻৸য়৾৽ विवायात्त्र के :कार्यात्र विद्यान कि विवायात्र विद्यायात्र विद्याय विद्यायात्र विद्यायायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात न्तर्पर्द्र क्रेयावयायायाय वश्चर स्राम् स्वार्यस्य स्राप्त स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य चर्याय त्यश्चर भ्री प्रतर होत्या विष्य स्था में स्थित प्रति स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्था स्थ यः विवा वान्त्र व्या श्रेष : ध्रमः भ्रेषः श्रुपा श्रीः में १९० व्यमः क्ष्यः अर्देमः प्रवादः वश्रुमः भ्रिमः त्र-दि-त्रभूषातालूट्याचीयाया बैट्-वट्-त्र-श्राजयाज्ञात् ५० द्याची प्र-कूर्य हे ही ज्ञा १८८४ ज्रूर.क्य.बर्ट्र.त्याय.पश्चर.त्य.त्यूब.त.यांब.ब्रिव.व्ह्य.त्वत्.ग्री.पह्नेव. हुबार्टा कु. ये व त्वाया रीटा यो संसेष हुबा रीटा रागर कुर्या अहूर रीटा से कुर्या. अह्री क्य.अर्दुषु.वार्व.रचय.ब्र्वाया.व.चर्टिता ही.ज्.१५०० वर.लट.चर्भेर. र्टा पर्वियातागीय योज्ञयात्र क्रार्टिय व्याप्त स्थान्य वर्षाय वर्षा प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र वर्षेत्र वाष्ट्र में निर्मात्र विष्यात्र विष्या हिन्य विष्या विष्य हिन्य विष्या विष्य हिन्य विष्य र्नायाः स्वाक्ष्याः अर्दे नायाया वाववादान्याच्याः च्याः अवाववादाः अत्। वायव.ताट.क्रूट.शटर.मुथ.विज.बी.वार्चर.वायय.शवय.राय.कटा.शट्र.टब्र्य.राय.वाट्ट. पहूर्याचित्रक्षरमान्। रैकारचकाचक्षःचैवातपुः बतः बितः चाचेषायावेषः तत्वा त्र्रीर प्रचर प्रमायम् प्रदेश अर्था प्रच्या प्रमायम् प्रते । यहेवा प्रमायम् प्रमायम् प्रमायम् प्रमायम् प्रमायम्

रे.च्.र्व, त्रेच, त्रेच, व्यव, व्यव, श्वेत्व, त्रेच, त्रेच, त्रेच, व्यव, श्वेत्व, यन्तः वृषः बो र र यन्त्रः प्रते प्रतः वि वे वे विषः क्ष्यः अर्दे प्रन्यः प्रते प्रतः वे र यक्षियाः सूटात्रात्रं ट्रेप्यटाञ्चटा क्षेत्राचाचारा द्या मुखाना व्यवस्था मुक्ता चार्या स्था मुक्ता चार्या स्था जीवायात्मयाञ्चीत्मा चित्राम्मयाक्षेत्रात्ते विष्याचीवाया याञ्चितात्माक्ष्याः सर्वे । चित्राम्मयाः स्वीता मि. पर्सूया वटा वेटा रा पट्टीया है। या रा स्वयास्ययाया प्रहेषा आवया पा पटा ग्रीया पा पा स्वया यचेटी ज्ञ.कुर्य.पुर्य.कुर्य.प्रचट.ज्ञी र.षा.घी झूर्य.तपु.भ्रीया.रचया.ज्ञायाया.पश्चयाता.याह्ट. ट्री ट्रे.च्याःक्ट्रं मः क्रेंब वया यावतः ट्याया चिमायो यामा प्राचिमाया व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त बीं प. कुर्य. त्र्र्म. बीं में हि. पश्र्म. ये अथा भी अष्ट्र. शूर्याया त्रिया वीद्रम. श्रम्य र प्राणी. श्रीयथा रा क्षमालयःश्चितामुः तिवस् कतामद्दे हिमः मायामाओं दे वमाद्यो तद्वाप्या विभागी प्रमा ब्रिंब ही नवी तर्व नया नेषा तर्ना लाहे नक्रिं वक्षा मुख्य क्षेत्र क्षा वा का कार मुख्य होता हो व ब्री ...ब्रि.पंचर.अधिव.राषु.वाप्टेर.क्री.क्षा.र्यार.क्री। पस्चय.लग्र.ब्रीट.श्वय.पह्या र्विट्याचीट.ये.ह्री चुर.यब्टाजा.स्वायार्यायात्यात्यात्यात्यात्याच्या पर्ट. प्र. सूप्र. ज्ञूयया पालाय "बेया पर्टींटा

क्यान्यान्य ग्री तहीय त्या होता त्या अक्यान्त स्थान्य स्थान्त स्थान्य स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{$ 

दे'चलेव'कु'र्हेर'तहट'प्ट'पठब'पति'धुव'क्व'कच'कर्चरम्पेर'विट'तहेव'हे'ह्रेर'<u>च</u>ेट् म्री:लूट्रनालट्रा ब्र्बार्स्रट्राट्रायहरम्ब्रियःस्राववाःब्रीबातस्ववाबाराःस्र्रावाद्वारद्वेतःव्र लायान्ता मुःवयार्वेत्रसम्प्रास्यापितः तहतामास्यान्यात्रसम्प्राम्यान्यान्यात्रसम् प्रह्मान्त्रित्यान्त्रित्यान्त्रा गुवाकाष्ठेवाद्येषाकाक्षेत्रान्तरा शुकाराधाः वेषान्यया पर्ग्नेम श्रम्भः रूपाराष्ट्रः है। बिखः चगुवः क्रबः ग्रीः कें खा खा खा क्रिं क्रिं विवयः हिंदः क्र्यां खा खा खा खा क्रिं क्रि **ॻॊ.**चक्षेष.क्ष्य.टट.टग्रे.र्स्व.चक्षेष.त.ट्र.व्श्य.चर्यट.भ्रेच्य.क्च.४ट्र.ट्र्य्व.टट.  $-2\sqrt{4}$ ,  $-2\sqrt{$ प्तर्याग्री:ज्यु.क्र्यायात्त्र:बुटा:यायायाःच्रियाःसूट्:जा टागाय:टार्श्वः च्यायायाःच्री:अक्ट्रुट:ईयावरः ८८.त.मे.अक्ट्र.४५५४४। "वोश्रम्योटित्यत्यरे पूर्वास्त्रम् विवास्तर्भी ह्रेष्यःतास्त्रस्यः  $\Phi_{M,\hat{D},\hat{M}}$  बट्य. $\Phi_{M,\hat{G},\hat{C}}$ ट्ट. $\Phi_{M,\hat{G},\hat{G}}$  ह्.स्.ह्य. $\hat{H}$  हे.स्.य.य.स्.म् ट्रंव.श्लॅंच. वुर्ग्री अं। वानुषाद्याप्रस्य अर्द्राप्यस्य प्रमुषाद्या विष्य विषय विषय विषय विषय । र्वा मुः इं अर रं र्राप्त कर अर्दे ते नर्गेर पार्टा वावव पार इं अर रं रावविवाया ब्रॅं "बेशच्रा नायपान्व्य में नायर नार्य मार्टित्त मार्टित्त मार्टित्त मार्टित्त मार्टित्त मार्टित्त मार्टित्त चबुट्यत्तर चच्चित्रात्तर नित्तात्ता क्ष्रिं सिंद्र नित्ता म्याप्तर क्ष्रिं स्त्राप्तर क्ष्राप्तर क्ष्राप्त क्ष्राप्तर क्ष्राप्त क्ष्र क्ष्राप्त क्ष्र क्ष्राप्त क्ष्र क्ष्राप्त क्ष्र क्ष्राप्त क्ष्राप्त क्ष्राप्त क्ष्राप्त क्ष्राप्त क्ष्र क्ष्रा चनट रे र्च केर सेवर तर्चर भ्रवर्ष है धे प्वी चह्ने व क्षेत्र क य.क्य.भर्.चेश्व.भ्रीट.क्श.भेश.पर्केर.ग्री.पत्र्य.लय.खे.खेय.तर.प्रेय.पत्र्याचाट.लट. .. ब्रैपु.र्वो.पश्चेष.ल.क्.तबर.पु.ख्.क्र.र्व्यूष.त.पर्वेयश्चरायपु.क्य.स्.अक्ट्राव्यूष.श म्नाप्त्रप्राप्त्र्याम्भुग्वित्त्व्वास्त्रित्रायक्ष्त्रप्रम्भवत्वास्त्र्यास्त्र्यास्त्राय्यास्त्रायाः ग्रीट-ट्रे-क्षेत्र-चब्रेट्य-तयुः ब्रॅथ-लूट्-यर्या, क्ष्य-ब्र्यायाच्च्यालूट्-ग्रीटा ट्रेट-क्ष्य-अट्र्यः पव्रिमाश्चानम् न्यान्त्राच्याः श्चीयाः मुकार्याः स्वान्त्राच्याः विवान्त्राच्याः विवान्त्राच्याः विवान्त्राच्याः यक्षेत्र.त.र्ट्र-र्क्ष्य.यथेर.तपु.श्रेयथाश्चे.क्षं.ख्यो वि.य.र्य्ये.क्षंत्र.यक्षेत्र.ताः अर्ट्र.विश्वश्चाः

प्रमीयाः अकूर्याः परिष . राष्ट्रा स्त्रे । राष्ट्रा श्री स्वर्षा याम्याः छष . यीः कूम्याः परिषः परिषः परिष्यः प र्-दर्पतिः वटः वद्याः कुषः वळ्वं योः ह्रेषाः स्ट्रमः अट्वः परः तस्यावारः प्रह्यः अर्थेवः अर्थः <u> રૂખ.જર્ચ.પત્રજ્ઞ.પત્રીજ્ઞ.ભૂજા.ભૂજા.મુંજા.દ્વા.દ્વા.દ્વા.લુ.જુર્ચ. સુરાવીજા.લી.જુરા. છી. સૂર્યા. સુરાવીજી</u> पकट. तपु. पक्षेष. त. मुष. त्र. क. अर्. विषय ग्री. क्ष्यं प्रत्ये त. क्षेय. त्रेय त्रिय वि. क्षेय. त्रेय वि. हेव. र् तूब। चित्रब.तपु.यक्षेत्र.त.र्रिब.पर्जिर.पक्ष्ट.यपु.लीज॥ घर.थ्रुच.ट्र.ब्रुट.प्रिंथब.र्ज्ञ . पर्यातपुः मुद्रा वि.शुरापह्र्यातपुः मद्रापार्यायायाया सर्वाष्यस्य स्रोयः स्रोयः स्रोयः स्रोयः स्रोयः स्रोयः स् प्रचर शुराने | | बेबा श्रुवाच क्षेर हे चर्वा केर क्षेत्र स्ति । क्षेत्र स्ति प्रकेष । प्रचर श्रुवाच हे व र्वेता. वी. चंट. क्यी चंट. खुष्रथा. चुष. प्रचा. प्रचाट. त्या. स्वा. प्रचा. प्रच. प्रचा. प्रचा. प्रचा. प्रचा. प्रच. प्रच. प्रचा. प्रच. प्रचा. प्रच. प्रच. प्रचा. प्रच. प्रच क्र्यान्तरः मृत्वायाः स्वायाः स्वायाः सितः मुतः प्रतिः वान्तः स्वयः सेसः प्रसः मुनः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स योट्य.र्ययात्यर्थे.योश्रीश.ता.सियो.य.तार्ट्से.यजूर्ट.यश्रया.मी.शकूपु.इंग.यक्षेय.ता.पहूर्य.झिता. प्रथा मुशासियाया अस्ति विषय स्प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत प्र्ट.येशव.र्थेय.प्रम.मेज.प.ट्यट.तुपु.र्जु.येव.पर्वट.। श्रैंज.भ्रे.रुश.तूर्थ.र्थेव्यथ.गीवार्थे. र्वाव नमून भेता प्रति । तम् वार्षि । स्ति । कुर्य.तूर्या भिजागीय.पर्ज्ञ.जा.ह्याक्षी.प्रयायङ्क.या। यत्तवायाकुर्य.प्रातपु.भ्रीयाप्रयाह्यर. पःख्या। क्षेत्रःपद्धाः मृत्युतः यातेवः पः श्रुषः पदिः यात्। पश्चितः सर्ह्पः हे पर्द्ध्वः न्नः सर वार्म्यान्तात्त्रेन्या। वेयाञ्चयान्यात्रम् तत्ववायानाः सः मुख्यानाः मुख्यान्ताः स्वा <u>२८.भीट.पर्व्र.ज्.यशिषाकी.षह्ट.ता.चै.य.षाष्ठ्याताया मैजातक्षेयाकी.टटाकी.चवा.स</u> त्र्. त्वे. स्व. तप्त. तक्षेत्र. श्रीत. श्रीत. तप्तिवा. तप्त. अधिव. पश्चित. अस्त. प्रह्मेव. श्रीत. त ८८.। ईव..थे.श्रैज.राषु.श्रे.पतवाबारा.पहृवाबा.श्रुट.पश्चे दाषु.धी.अक्च्.ट्वीट.जू.र्ज.वबा. मूर्यात्रान्यात्रान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या य्राच्चित्रायाः क्रिक् र्सः क्रिं त्वानः त्याः त्रेषः त्वानः त्याः त्वानः त्याः त्या

યો મેં ત્રાલે ત્રાલે

र्रातः मुलः विश्वराष्ट्रां वार्षे वाषा प्रते विराक्षंत्र अर्दे । विश्वराक्षंत्र अर्दे विश्वराक्षंत्र । विश्वरा तीयांबारत्रुजा मीबारी, यांबुरपहूं बर्टीश्वराता मीटा खेबालू टबारी, योवाबारात्रु, कूबाई कुबारी पट्टी.धेट.इ.श्रूर.पह्यायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स भैतराः अर्यूषः त्.सैवाः र्वेवाः त. र्यः । वोष्यः यम्ष्यः पश्चितः वोः वोः विषाः वोच्चायाः भैटा। याः व्रत्यः त.य.पत्रवाबाताचा,पी.जबात्वी,पी.चर्चित.यपु.चर्चेत.ग्री.कूबा.कुय.तू.खुवा.पर्चेत. यर.जिट.यक्षेत्र.त.यबुव.रय.विट.यर्थे तपु.श्र.श्र.श्र.श्रीताग्री.योवश.स्र. हि.यर्या.धेर. कुष.र्राषु.८५५%,श्रॅच.वि८.श्रेश्व.र्घत.यव८.र्घ्य.तिवी.पर्ट्चश्रंच.श्रंट.प्रं.ही.ही.ट्रं पहुंच.त.श्रेभ.र्ह्रेट.र्ज्जेच.व्य.पर्यंच.त्र.ह.व्यूट.थ.पर्यूट.व्यथा.मी.प्रकू.यूवीया.यावर्य. . विट'<u>ब</u>ीटारापुर, क्रेश, बरास्वय, क्रेश, बीट करास्त्र, क्रेश, क्रेय, क्रेय, स्त्रीय, क्रेय, योष्ट्रेम् त्यान्यात्रा न् स्वेतः भ्राचान्यात्राच्यात्रात्री अर्द्यम्यान्यात्री स्वायात्री क्रिलेयान्य त्रत्र का सुवाका सुड़ त्रवाका स्तर्ते स्त्रा स्त्र त्र त्रवाका स्त्र क्षा त्र क्षा त्र क्षा त्र क्षा त्र क्षा त प्रथम.त.पर्येज.बुट.चेशय.त.यबुटयः क्षेष.तक्रिट.क्र्म.ग्री.यर्वा.त्र.क्षेः ≅य.ट्र्य.क्र्म.ग्री. भू.लट.हीः षुषाचित्रारा.पर्षुय.पत्तवायारा.के.भे.होट.प्रथ.म्.व्यायायाभारा.के र्याचिटालयास्यास्राद्धिराद्यायार्थात्रात्यात्रात्यात्रस्यात्रात्यात्रस्यात्रात्रस्यात्रात्रस्यात्रात्रस्यात्रा ८४.मेब्राचेय.पे.कु.य.वीर.परीव

ॱॺॖऀज़ॱख़्ॻॱॾ॓ॺऻॱऄ॒ॸॱॾऻॺऻॱॺॖऻॱॺॖॸॱॺऻ॔क़ॕढ़ॱॻॸढ़ढ़ॱऒॺऻॱ*ढ़*ॳॎ॔॔॔ऒॴॱॹॕॱॻॸ॓ॱऄॺऻॺॱॺ॔ॖॱॿॗऀॸॱ चीवाया। ८४.तपु.क्र्य.सी.युट.वापु.सी.पश्चिवायाता। घष्रया.क्ट.अष्टिय.त.ट्राप्य.अक्र्या. अह्र्ट. त्रञ्जेयाता। वितयाता. क्ट्या. ट्वटा. वार्थ्वा. वी. व्रूटा. त्याता वार्या हिवा. त्रञ्जा क्यु. योर्ट्रेट्र अवतः अट्रिच्याया। तर्ग्रे प्रते योर्ड्र याष्ट्री प्रयास्त्रम् प्रते। वस्रमान्द्रा वार्षे तपु.पश्चित्रवाषु.ट्गूब्यअकूवा.पर्हूट्री पत्तवाबातपु.कू्वाबा.ग्री.ट्येबा.बी.ट्ये. तर पर्वेट राष्ट्र क्षा विषय र्ज्ञा यज्ञा राज्य स्वाप स्व पह्नमा। Lराज.पश्चिर.त.LС.थु.पूर्वा.य्यLप.रूथ.पह्ममा। यLय.क्रिय.पा.वु.यर्ब्य. क्र्य तथिया हे तर्हर त्वार क्षय विषयाता ह्या क्रय सीट वी ट्यूप वायया क्रय त्युर त्यी. तर्ये ता.क्ष्मा.क्षी. पर्वता.क्षिया.क्षी पराक्षित.क्षी.पश्चिता.क्षिया.क्षिया.क्ष्मा.क्ष्मा.क्ष्मा.क्ष्मा.क्ष्म बुट्रायान्त्र। देर्यायायायायायाक्रास्याहाः क्षेत्राच्यात्रेष्यायाद्येषायायायाः विस्रास्य स्व खेषाक्र्याबारायु तर्दे बातपु हो। यापार निया प्रक्रे वार्ष्ट् बा चया निया क्रिया विक्र क्ट्रियाविष्यात्तराह्युः व्याप्तविष्या व्याप्तविष्या व्याप्तविष्यात्वेषाः विष्यात्वेषाः विष्यात्वेषाः विष्या कुथा.मू.नम् नि.मपु.ला.मु.म्बारम्भुयारम्भुयारा तन्निमाना मानुष्यास्य स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वारा ळॅबर्पान्यर हेर्षे घट ळेत्र चेर्पे मृत्यत्वराष्ट्रीय

वेशवान्यव्याक्त निर्म्यान्त्रियाः स्वान्ति स्वान्त्रियः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वान्ति स्वान्त्रायः स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वान्ति स्वानि स्व

बट्डिट्ट् प्ट्रिंग् स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स

र्वायःस्य क्र्यापर्वितः तुर्वितः सुर्यात् ४१००४। यहसास्त्र्य्या क्र्याप्ते क्र्याप्ते स्थाप्ते स्थाप्ते स्थाप अर्देर पर्देश केवा प्रभित्र वी क्रवा अर्दे चित्रका प्राचीत की है पर्देश प्रहार प्राचीत क्षेत्र हैं शाद्ये  $\mathbf{d}$  न्यात्र मूं  $\mathbf{d}$  न्या मूं  $\mathbf{d}$  न्यात्र मुका भूका क्षेत्र के निका या क्ष्र यो । तर् का मूं क्ष्र का भावति के निका या क्ष्र यो । तर् का मूं क्ष्र का भावति के निका या क्ष्र यो । तर् का मूं का मूं का मूं का मूं का मूं का या कि । त्या का मूं मूं का मूं शु.मुल'पते'वाबुट'रप'गुब'ल'र्घब'पबार चेट्'दाविं'व'धेव'पर सुवाब'रघव केंद्र'टे'र्स्ट अट्र. 'बुवा. में. 'सेवा . जुराय . ब्या. या अह्ट. 'रा. ब्रा ऑ. प्राव्य . रा. क्या या या या व्यापा . निट'पवा'सेपर्यापर'रेवा'त्रवा'का'क'क'दिर'प्वो'तर्तुत्र'तर्तुत्र'पिरेष्ट्रे'विवा'र्ख्वावा'त्र'योवावा' बुषाः श्रुवः र् 'यार्षायः प्रम् तह्याः अर्षावः क्रियाः ग्रीः मुखः र्वेते 'प्रायः व्यवा प्रवयः वर्दे होः तयवाबारादे वावबाराह्न केवार्या नागा त्या वार्षा वीरा अर्ह् रायबा अर्थे र बारा वार्षा प्राप्त वार्ष म्रीताग्री.र्जु.कुब.त्.क्वाबा.चुट.पट्टी.र्चगी.पयट.श्रटी.री.क्ट.य.पटीट.खुबाजीट.यहेब.ता क्षेत्र। याट.यी.टिट्य.श्लॅच.चिट.अञ्चल.क्ट्य.इ.चेय.प्याचयट.त्.खेय.पु.स्.ख्.कु.ल्रू..यचिय.झ. र्व, क्र्रंट. र्ट्यूच, मी. ज्ञाया श्री. परिंट्या, चुटा, क्रिट. र्ट्या, पश्चा, प्र्या, क्र्या, स्था, प्रिया रात्र तपु.क्ष्य.ग्री.पर्विट्य.पिट्य.पश्चित.पिय.पाक्च.पी.क्ष्याय.थी.क्ष्य.भी.प्रीच्य.पी.क्ष्य.पी.पीट्य.पी.क्ष्य.पी.पीट्य.पी.क्ष्य.पी.क्ष्य.भी.पीट्य.पीट न्र-र्स्ट-वि.त.सॅ.चनट.चेवाब.तपु.ट्रतना श्रवाची.वी.प्.य्.क्या.क्य.ट्र-वा.पु.यु.पु. श्रावसासीयार्या, राज्यासार्या स्वाचित्रा स्वाचित्रा स्वाचित्रा स्वाचित्रा स्वाचित्रा स्वाचित्रा स्वाचित्रा स्व

ત્યા. જ્વા. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રી ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્રાફ્રે સ્વાય. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્વાયા. ત્રાફ્રે સ્વા

श्रायर.यंबी.जू.व्हॅं.वपु.कूब.पर्वेंट.ज्रीलक्षी विश्वश्र.क्व.अट्र.विश्वश्रताध्रीट.वु.हुपु.टेट्ब. য়ৣ৾ঀ৽ঀৢঢ়৽য়য়য়৽ড়য়৽ৼ৾ঀয়৽য়ঀ৽ঀয়ৼ৻য়য়৽য়৽য়৽য়ৢ৽য়ৢয়ঀৢ৽ৼৢ৵য়য়৽ঀঢ়ঀঢ়৾৽ড়ঢ়৽ৼ৾৽য়য়৽ त्.कु.र्यंया.स्रीयंया.श्.पत्र्यं रेया.क्य.अट्र्रा.चया.यंखेयाया.शह्रा.तया.पञ्चायाया. क्षमार्गीमायद्भाक्षम् हे.कवामायाद्भाद्मां मार्गामान्यमा वद्भातमा वद्भातमानामा यर्वा.ये.यवीर.यथा.श्रीय.री.कूथा.इं.कुथ.त्.पूरा.विर्याता.यधुयी रवाषा.स्य.ययेवा. वयार्याने मुन्हान्यापाया कवायर् छ्यायार् भूतायी स्वापित विष्या स्वापित विष्या स्वापित विष्या स्वापित विष्या स्व ट्रें म्बूं :कॅटा धर ब्रैंट या बर ब्रैंट या ब्रूंट या ब्रूंट राव वा खु खुंवा या न्या ब्रूंट वा ब्रूंट या ब्रूट या ब्रूंट या ब् श्चॅंत.र्ट्र्व.स्.स्.र्ट्स्य.वस्.वस्.एकर.धेर.ट्री वर्व.यपु.सि.स्व.र्ट्या.स्य.ता.सी चेर. मुत्रमाष्ट्रमाहि मेथार्यात्वाताय चटारी मर्ष्ट्रमाष्ट्रमा माम्याप्यात्या नित्रमा नित्रमा र्यट.च्याबाबाता र्यूच.चेबाऱ्यार्पात्याच्झ्याबा क्र्बाह्गाचार्पायार्पात्या चिटा मुश्रमाये र्याप र्याप हुं गीय र्याप हुं ह्या हुं हैं र र्या पर्य राया सुन्न हुं हैं र र्या योल्. क्षेट. त्री है. ट्रंट. खेबारच. ट्वट. त्री क्रबाहे. प्रह्मा ट्विट्बा ती श्वर हे. ट्रंट. खेबारच. र्पराया पार्श्वाक्षा है : क्षार्परा क्ष्या भी : मुला अर्क्ष विषय विषय विषय । विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय र्ट्यू रेट. यट्य. मैय. एटीट. येथ्या उत्तवायाता ह्याया. जया स्या मैया. मैया. पा. मै. यक्स. श्वायाच्चित्र। पःश्राक्ष्याह्यः सुः त्वाताह्य्याग्रीः मुत्यायाह्यं ग्रीः भुः भुः सुः त्वाताह्यं ग्रीः त्वाता र्शियो.यक्षेष.राषु.मीज.शक्ष्य.र्राता.यचट.र्गुप्री

 $\frac{3}{3} + \frac{1}{3} + \frac{1}$ 

 $\frac{1}{2^{G} \cdot y^{al/2} + \dots \cdot y^{al/2}} = \frac{1}{2^{G} \cdot y^{al/2} + \dots \cdot y^{al/2}} = \frac{1$ 

त्रष्ट.कुर्य.धू.तबर.लु.चेया.ग्री.स्र.र्झ्या.र्या.र्यटा विषया.तपु.क्ष्या.घर.४४०४४॥ ट्रे.ज. चर्चा.धेर.कुर्य.सू.ट्र.लीज.झ्चाबा.चट.ट्र.भ्रीयु.भ्री.च.चर्ष्वा.तयु.च्राच्या.च्री बार्ट्र.धूर्ट.चवा ब्रा.श्चर.वी.कर.वीट्रेवाबाता.कटा.बर्ट्,ट्टा.खे.चष्ट्रातीजा.चन्नावा.ब्र्टा.ड्रॅ. रूपा.खेबातम.लुब. ला ट्रे.लट.क्र्य.मैज.व्रि.सूट.र्जु.यद्व.व्री.सूव.ट्र.सट्य.विष्य.टा.क्र्य.मुज.ट्र.क्र्य.मुज. क्रिंट. रुषात्र र विंट. य देशया लया ब्रेंखे वार्ट्ट. राष्ट्र विषा ट्रं वार्ट्ट र विषा देवा विराधित । भग्ने अर्ग्ने क्रिया मुला तस्वाया परि । ब्राच्या श्वीया । व्याया श्वीया व्याया श्वीया श्वीया । व्याया श्वीया श ऱ्यायाक्रिंट.जा क्री.शावर.ला.ची याञ्चट.क्रां.ता टिन्ने.शटप.क्रां.ता योषया.शट्ट.क्रां.ता स्थाया र्श्वेटा वावयायर्राङ्गारान्टारुयाविवाराया र्श्वान्यराखात्रा वर्षात्राया भ्रम्थि भ्रम्पा स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता म्राप्ता स्राप्ता स्रापता स्राप्ता स्राप्ता स्रापता स्रापता स्रापता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता चर्षःके.च.त्राःबे.पत्तवीबाताःबुकाची.च.लूच.धेच.सूच.सूच.सू.कु.टे.अबाक्नैट.सैंवा.कुटा। ट्रायः शह्त्यान्त्रवार्स्तान्त्रियार्स्तान्तर्भ्यान्ते विष्यान्तर्भान्त्रे । विष्यान्तर्भाविष्यान्तर्भावेषात्र पर्चिर अप्रक्रेत्र हो विष्य स्था विषय स्था विषय हो विषय हो स्था हो तहुत्र हो तहुत्र हो तहुत्र हो तहुत्र स्था व प्रवित्र-प्रितः श्रीतः प्रति श्रीः तस्य प्राधिशः र्स्याः प्रमः अह्तः ती कः र्सः विः (१८८३) र्स्यः तत्यः वीः **ब्रिट्र लब्ग क्रिट्र प्यत्य प्यत्य क्रिया विश्वेष क्रिया क्रिया क्रिया विश्व प्रमाण क्रिया विश्व प्रमाण क्रिया विश्व प्रमाण क्रिया क्** पहुंचा मुंब म्बम्ब रूट गी अर्थे व भी चया राज्य न भी पहुंचा राष्ट्र अर्थ र पहुंचा है व स्वाप कर र भी स्वाप स् ঘম'ছুম'র্দ্য

통·리노·외·契·전체·대·훩외|| 스도.|| 외·ሪ토도·건필당·성·점·월/스·숙·외·입·경·에|| 회외·葛석·별·건·건영·伯·敦·건영|| 리스네. 네근석·외·명|| 됩세·외·尖도·근건석·현·영和·즲·외|| 전·ኽ세석·업傘도·근건도·업·연·외·영和·즲· 세상제·육건·집·외·오는 다른외·스년대·황도·닷당·됐건·외당·외葵제| 최근·성·제·모리·건필도·닷당· 제상대·포도·숙외·징소생에의 리스네·훵석·외·전·대·외美·대외初·메외 네석석·년·제도·第· त्याःकाःसूट्याःश्चीःद्वितःताः दुःश्चित्वितः विवान्तिः विवानिः विवान्तिः विवान्तिः विवान्तिः विवान्तिः विवान्तिः विवान्तिः वि

प्रथमःश्रुभःश्रु॰ विवादिवादिवः स्थाधरः १११००। त्रु॰ द्रियमः तर्ने वादः स्थापः स्थापः स्थापः स्थापः स्थापः स्थापः र्स्य विषयात्राधीटारी कुर्ययात्रभूति धि.सैयो.स्.स्याथाह्यात्रात्रायात्र्यात्रीया ही.धेयः ब्रे.च.डी डिवोया.प्र.क्र्या.डी ट्राूच.ट्र्य.डीया.भी हिवो.यहूट.प्रथया.टट.यहजायहट. भूर-पर्-ताववान्वा-त्वा-पर्वे पर्वे अस्य पहिंस्य के वित्। मुःर्वेन् से स्वायास्य प्रान्ति। मैल.त्.र्वेच्यात्रकूर्यात्री.पक्षत्रयात्री.वाञ्चवाया.क्र्यात्र्यात्राक्षेत्रच्यावेद्याताक्षेत्रविद्यात्रात्रा क्षयाः श्रुवः तथाः त्राच्या । । । अर्ळवः नेत्रप्या क्षयाः ग्रीयाः नवायाः वायतः वायः । तक्रमः कुट् 'क्र्म्योबारपट्ट्रेट, लूच 'क्रप्ट, मक्ट्रट, त्राट्यीबाट्यीच, त्यांचा क्र्यायाधीयाये वार्याः क्षित्र स्वायान्त्रं स्वायायाः मुर्गायाया स्वायायायाः यो स्वायायाः यो स्वायायाः स्वायायाः स्वायायाः स्वायायाः स ल.धेय.वर्षियारी.वी.स्वा.वी.वार्ट्र्स.ब्रुंबा.वार्ट्ट्र्ट्रिट्ट्र्ट्ट्र्ट्ट्र्यायाप.वर्षाक्रिला ब्रैंट्रा.वार्ट्ट्र् विवा निक्नित्र क्ष्र क्ष्रि क्षर वित्व क्ष्रिव क्षेत्र क्षेत्र स्तर प्रवाद क्षर क्ष्र क्ष য়ঢ়৻য়য়৻ঀৢয়৻য়ঀৢয়৻য়ঢ়৻য়ঀৢয়৻য়ঢ়য়য়য়৻য়ৣয়৻য়ৢয়য়য়ৣয়য়৻য়য়য়৻য়ৣয়৻ঢ়য়ঢ়৻য়ৢয়৻ঢ়য়ঢ়ঢ়৻য়ৢয়৻ अह्ट क्ष्यं मी. याच्च अहीय क्ष्यं इं. चेर. ट्र्यू या चेष. ग्रीष. ग्रीट. टा झेष. यचिष. वा चा वी. ये. खे. टा यु. सीष. टा या त. तट्ट ट. कूष. क्षेर क्षेत्र। ब्रिंब ऱ्या द्येट विषय प्रतिष्य विषय स्टा की स्टा की स्थार क्षेत्र का क्षेत्र रही वा की प्रतिषय

ब्रियः क्रेयः याता पर्स्यामा क्षेत्र॥ इत्यामा क्षेत्रः त्रीत्रः तिस्या विष्यः स्वीत्रः विष्यः प्रत्या क्षेत्रः त्रियः प्रत्यः स्वीतः । विषयः स्वावायः स्वीत्यामा क्षेत्रः त्रीतः विषयः स्वीतः विषयः विष्यः विषयः विषयः

$$\begin{split} &\tilde{a}_1 a_1 \tilde{a}_2 a_2 \tilde{a}_3 \tilde{a}_4 \tilde{a}_4 \tilde{a}_3 \tilde{a}_4 \tilde{a}_4 \tilde{a}_3 \tilde{a}_4 \tilde{$$

$$\label{eq:controlling} \begin{split} & \forall \text{LDL}[\hat{\mathcal{S}}], \hat{\mathcal{S}}_{1}, \hat{\mathcal{S}}_{1}, \text{LDL}[\hat{\mathcal{S}}]_{2}, \hat{\mathcal{S}}_{2}, \text{LDL}[\hat{\mathcal{S}}]_{2}, \hat{\mathcal{S}}_{2}, \text{LDL}[\hat{\mathcal{S}}]_{2}, \hat{\mathcal{S}}_{2}, \text{LDL}[\hat{\mathcal{S}}]_{2}, \hat{\mathcal{S}}_{2}, \hat{$$

योष्यत्यम्भ्यः कुष्यः द्वां त्वां ग्रीः त्वां व्यावायाः व्याव्याः व्याव्यः व्याव्याः व्याः व्याव्याः व्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याः व्याव्याः व्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याः व्याव्याः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्याः व्याव्याः व्याः व्याः व्याव्यः व्याव्याः व्य

ત્ર્યન્ ત્રિક્ષેત્યાને ત્રીન્યાને ત્રીન્યાને ત્રીન્યને ત્રીન્યાને ત્રીને ત્રી

हुक्य.वियट्यं विकास्त्राकृष्यं विकास्त्राच्यां कुक्ट्य. प्ट्यां क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं विकास्त्राच्यां विकास्त्राच्यां क्ष्यं क्ष्यं विकास्त्राच्यां क्ष्यं विकास्त्राच्यां विकास्त्राच्यां विकास्त्राच्यां विकास्त्राच्यां विकास्त्राच्यां क्ष्यं विकास्त्राच्यां क्ष्यं विकास्त्राच्यां क्ष्यं विकास्त्राच्यां क्ष्यं विकास्त्राच्यां विकास्त्राच्या

तपु. २. थ्र. लुच . ता चेवाया सूर्या शे. चीवाया ता पट्टी. खेट . लुच . खुटा । ... क्ष्या अट्टु. ट्वा्चे . पट्टी. लाट . खे. ट्या . झेंटा ट्य्चे . झें ट्या तपु. प्राट्या शे. व्याप्त . खेटा आट्टु. ट्वांचे . पट्टी. लाट . खे. ट्या . झेंटा ट्यंचे . झेंटा . ट्या हा. चता . ख्या . खेटा . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . खे. च्या . क्या . अट्टी. खे. च्या . या . व्याप्त . खे. च्या . या . व्याप्त . खे. च्या . या . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . खे. च्या . या . व्याप्त . खे. च्या . च्या . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . च्या . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . च्या . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . च्या . व्याप्त . खे. च्या . व्याप्त . च्या . व्याप्त . च्या . व्याप्त . व्यापत . खे. च्या . व्यापत . खे. च्या . व्यापत . च्या . व्यापत . खे. च्या . व्यापत . खे. च्या . व्यापत . खे. च्या . व्यापत . च्या . व्यापत . खे. च्या . व्यापत . च्या . व्यापत . व्यापत . च्या . व्यापत .

## यशिषा योट.क्र.चेचेत.तपु.री.सी.पी.सिट.तर्

प्रश्नित्वात्त्रं सुवायाः द्वायाः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स

ख्याचिष्य, ख्रुंया-८८। श्रेट्या-एसविष्या-ता श्रें चिष्या-क्री क्रिया-क्रया-क्रया-क्रया-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-व्या-क्रया-

द्शालाल्ट्र कुयात्पर इयाद्वा ग्रीट भ्री स्वाद्वा स्वाद्व

चित्रायावितः देवावायवायाविषाधितावित्रायाः वर्षाद्वास्त्रावित्रायाः वर्षात्रायाः वर्षात्रायाः वर्षात्रायाः वर्ष यक्षेत्र,ता.क्र्रियोत्रा.शचर.क्रिता.तपु.टर.कुर्य.चेंत्या.यी.वट.क्र्य.टे.तचंट्या.धे.श्रेट.चेट.शुश्रया. चेषात्रयाचनरार्याः बेषाः अपवार्यापार्याः स्वायावार्याः अर्क्षवः श्रुवः देः सः सः तस्यादः प्रवारः प्रवारः प्रवा म् दे त्वेष त्र्रित्र रात्रेपमार्ग्यायात्र मुला १८०० वा धेष रात्रेवाके वेटादे सूर धोव:श्री८.तपु.क.भ८.त.ही। ८तिथावया.कत.भट्ट्रा.त्राचया.ज्.यु.थु.थु.४.४.४.५.५४८ पा.लुव.ता. ८८. मु८. मु. १७८८ चर. ज्. पक्. पक्. पक्. पक. क्. । क्. ४१ वर्षा क्रा अपूर्व पर. मृ. १४४१ वेव विषा शुक्रा हु : द्रान्य संस्थित रहें विषा का पवि । पहु : ब्रेस : ब्रेस : ब्रेस : ब्रेस : ब्रेस : ब्रेस : चर्ट्राकुर्वात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस् योतुषा त्यापा त्यापा हो ते त्यापा त्य त्व्रामः भर्ते त्रमः म्रमः वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा व योट्यात्रायाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीट्रायान्य यात्रायाः वात्रायाः वात्रायः वात् तर्गूर.य.क.यथवी रि.रीट.मुट.मुट.मु.ज.लुब.ब.इ.धुट.प्रथम.ज.त्र्यम.वस.ट्सूब.स. यम्यायराष्ट्रायक्रीपक्षाच्याविता देखे हेखेत्रप्रायायव्यव्यव्यक्षियायावेरः विवाःश्चः अक्ष्यः वाटः तः यहेवः गुटः त्व्यूरः द्वा येटः श्लुयः व्यू

यश्यात्वित्यात्वित्यात्वित्वित्वित्वित्वित्याः स्त्रात्वित्वित्याः स्त्रात्वित्याः स्त्रात्वित्यः स्त्रात्वत्यः स्त्रात्वित्यः स्त्रात्वत्यः स्त्रात्वत्यः स्त्रात्वित्यः स्त्रात्वित्यः स्त्रात्वत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्त्रत्यः स्

 $\square = \frac{1}{2} \left[ \frac{1}$ 

## युषी वाट. व्येष. जेट. यहेष. तपु. जेट. यहेष. क्री. विट. तर्

ल्यात्तरं भ्री. अक्ष्यं टी. चर्चाटा भी. लूटा यं अटा यं टी. क्ष्योयां पटियां प्राप्त में अक्ष्यं टी. चर्चाटा भी. लूटा यं अट्यां प्राप्त प्राप्

त्राच्यान्त्रात्याः स्वयाः स्वयः स्ययः स्वयः स

चम्ब.च.भी.जबा.चाङ्क.सूर.जह्ट.तपुर.वाब्याचम्ब.चक्च.च्छ.चैवा.टटा। अर्युव.सू.वी.चैवा. तपु.विज्ञान्त्रीच्यान्त्रीट.विटा ट्रे.भैयम्.भै.पर्व्र.क्ष्याग्रीम्.म.टीट.ज्याम्.नेट.ह्री.ज. चवा.स्रच्यात्मः अबूट् व्यात्याकः पट्टर्र-ट्यो.पर्टेय.ग्री.क्रांच्या व्यात्मायायाः स्रचायाः व्यात्मायायाः र् वार्यायान्य तह्रयः अर्वेत्र क्रिया ग्री मुलार्चेते चाराया वार्याय तर्म वार्याय प्रति क्रेब-र्स्-र्ख्यायाः भेट-तर्देन-न्याः तयन् स्रोन-न्-र्स्ट-च-त्यमुद्ध-त्वेयाः स्वान-पञ्चवः वेयाः नटा र्ज्ञ, ख्रीट. याट्य. म्रीय. ताया. . श्रूट. । तायु. तीय. वया. जुर्याया. तार. क्या. च्रीट. । ह्याया क्री. प्राचि योधुयात्राह्मय्यात्रत्रात्रात्रात्राह्मत्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या च.र्षेत्रथ्य.ग्रीथ्य.थ.र्टस्ट.ज्यांथ्य.स्टंच्या.स्टंच्य.स्य.क्य.थ.क.पट्टं.ट्यो.पट्चे. पर्यात्रपुः ह्रां ख्रीया र्क्ष्याया व त्याया व त र्रिते प्रमात त्या वावर्ष तर्दे वे त्यवार्ष प्रते वावर्ष पह्न क्रेव से प्रमाण वावर्ष प्राप्त वावर्ष शह्रेत्रायाः अप्त्रायाः व त्यवितः श्रुपः श्रेत्राक्ष्यायाः वेत्रायदेतः त्युत्रायाः वेत्रायाः व क्ट.च.पर्विट.खेब.जेट.चक्षेष्र,खेब.टट.। शावर.थवी.ज्.द्.चबा.स्.इं.चबा.स्.इं.युव.स्.कु.ट्यंब. ब्रियोय.श्री.पब्रियं.टेश.कटा.अट्र्रा.वियो.टार्खेयोया.अह्ट्.तया.जञा.पब्र्योयाया.ता.क्ष्या.ग्रीया पर्टर.क्र्याङ्ग.क्रयाबाच.र्ट्याच.या.वाबाबाखावाचाचा पर्टरायवाबाचाचा.या.वा.वा.या.वा.वा.या. पर्वट.तथाश्चिर.टे.क्र्य.क्रं.क्ष्य.त्.प्ट.विधट्य.बुय.टट.। मै.र.श्चेत.भ्रीय.,एट्य.सर्व्य. ૹૄ્યામી.મૈળાત્રા.કૂદાવાતા.જુવાત્રા.જાદ્રા.જીટા.જા.જાદ્વું કુવોયા.વયા.પટ્ટી.ઘીદાતપુ.પદ્યવિજા ८र्त्य ८८ वर्ष्ट्रपम हे ८ त्यम त्युर केंग स्व विट ५ वामव विम ग्री क्षेर केंपम विभ पर्श्वेर.क्र्री य.पट्टर.पर्ग्येज.क्र्योय.ग्रीय.परुयोय.शज.योथट.भ्रेटाय.पर्त्योय.राष्ट्र.योथय. यह्रव ळेव र्ये प्यत्रु द्वा यो पार्स र्ये पाव्य पह्रव ळेव र्ये प्य गु । यदे सह्य प्याविय पाविय प र. भ्रे. अर्यूष. कीट. टीयो. सैट. खेळा चीयोया ता. अर्यूष. विट. कुष. सूपु. वीर्द्ध्या. जयो. विट. यी. या. पर्टराश्चिरःशह्टालाः मेयाःग्रीः अर्योवः द्राः स्वाः च्याः पर्दाः याञ्चिषाः सूरः सुरः पर्टरायास्या सः पूर्यातायावीतर्पूराचन् भ्रीताग्री हो क्रेव र्सा वर्धितायासे या विषा प्राप्त में क्रिया में यत्तवीयाता. भ्रुं. वोयाया मुक्ता भ्रुं क्षा १९६० म्या मुक्त स्वा मुक्त स्वा स्वा स्वा स्व स्व स्व स्व स्व स्व स त्र.भट्र.श्चेट.क्ट्र.पिषु.लीज.बंब.जूट.टे.सुचब.त्र.चर.पिष्रब.ग्री.पर्चीज.ज्ञा.पर्चेट.क्च. अर्देतुः ट्रम्बे स्थान् त्वा प्रविषया भ्राप्य च्या भ्राप्त दे त्या अर्मेव र्देति विया प्रविषया

स्ट्र-ट्रं, स्वययः तः तुत्रः कुट्टा न्या व्यव्याः व्यक्तः स्वयः स

बन्याः क्री. ८८. श्री. प्रांच्यः च्रीयः च्रांचीः च्रीयः प्रांच्यः प्रांचीः प्रांचीः

खेवा.ग्रीट.लूट.खु.खुट.क्षेथा पट्टियम.त्रर.वाबूज.य.टट.कर.वाट.वाबीट.ईशम.जश.मट.चुर.चुम.पट्टियम.शावर.

श्रायमाः श्रीयः क्रेष्ठ र सं गास्त्रास्त स्वार्थमा स्वार्थियः स्वार्येयः स्वार्येयः स्वर्येयः स्वार्थियः स्वार्येयः स्वार्येयः स्वर्येयः स्वर्येयः स्वर्ये शर्वे. दुव. पर्वेट. य क्षेत्रा अट्य क्षेया लट हुव. पर्या वया ग्रीट. ट्रे. अर्थ्व्य अत्रा पर्वे व त.लुच.पटेवा.ह्री क्य.अट्र्यु.ट्यांच.क्या.जया योश.त.टेंब.व्येशेश.अष्टिच.त.वीचंब.पट्ट्रंच. त्रचयाः भवताः न्व्यां अत्या म्वीः "चयाः भव्याः ने त्र त्र त्रोतः भवता स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वया चक्षेत्र-कृटः। पट्टी-व्यान्तिः वी-क्षिव्ययान्नी-स्वान्तिः स्वान्तिः स्वान्तिः स्वान्तिः स्वान्तिः स्वान्तिः स्व यम्यावःक्र्याक्षुवःस्रवाववार्यादाः निवावते । विवावतायः विवावते । विवावतायः विवावतायः विवावतायः विवावतायः विवाव ट्याबयायाञ्चयायाञ्चाटानु सर्वोद्यार्देति द्वार्यात्यानु व्यायान्यायाया विष्याद्वारा हित्या । तम्नित.तम.श्रम्ब.केट.स्वा.स्निट.रे.मोवाशी रुषु.ह्य.धी.मीटा.कुब.खेवा.मु.सु.सूम.खेता. ८८। क्य.भर्षु.विषयः रचषालयः है.वर्षुवः रु:भर्षु वत्र अर्थे वत्र रेवः तृत्वः वया अर्थेट्यः त्राच स्ट्रिंक्या ग्री क्वा विष्य तर्षे यात्र याद्रा याद्रा विष्य प्रत्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य त्रम्भूर्यायान्या नुष्ट्रम्भुः अर्क्ष्यम्भुः लयाया व्याप्या ह्रिन्स्रम् यो न्द्री का मुख्या हुनः मुबाष्ट्रिर.टा.लबा.ला.मुं.ट्रिया.राष्ट्र.झा.चीयाबारता.ट्टा सिबा.स्ट्रिटाबा.ट्रियाबाट्सबायाबा तर्ह्यर प्रात्यमा बु स्वेर रहत मीमा वाद्या स्वाप्त विष्या वाद्या मी स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व , ख्रीया हे. चिटा खेळाळा पा तदी : ख्रुवा र्स्या पाझवा पति । भ्राप्या प्रिवा के विषय । क्राया विषय । सिया.शहारा यात्रीय.परीय.ट्री.ल्री.ता.मीया.पषु.क्ष्या.हपु.सिया.शहाया.ग्री.पु.क्रा. लवायाख्याराम्। तर्ने वे राज्ञित अस्व लेया ग्रित् लेया वाह्य राष्ट्र वे वाह्य हो । चल.र्यो.ज्याबाराचेबायोवेब.ग्री.क्षाचरालबा.स्याचिंदायवु.तपु.बटार्श्चेवाराषु.क्षेया अर्देते वावर्षा तर्देर विवा अवा अर्द्ध रायते वह राया वह वर्षा अर्दे हरा राय राय विवा विवा विवा विवा विवा विवा क्रॅंट.क्रेव.पर्ट.चपु.र्ट्यूच.त.प्ट.च.पर्टेव.वशिट्य.तथी पर्व्रःश्रॅ्च.क्ष्य्य.क्रीयी प्.च. रटारे प्रिंव ह्रेंच वया प्र्वंव पाय प्रेचया प्र्वंय खुयायर। देप रटाया यदेवया प्राट्च य प्रता द्रतार्भिक्षावाराम् तसवावाराये वात्रवाराम् वात्रां वात्रवाराम् वात्रवाराम् वात्रवाराम् वात्रवाराम् वात्रवाराम्

पश्चिमः मू: बुब्यः तपुः जिटः यक्षेत्रः वोब्यका तमः क्षित्रः, बुब्यः बूवोब्यः बूवे ब्यट्यः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याविष्यः तः तुः कुटः टि. क्ष्यः व्याद्भुदः ट्वोः प्रटेश्वः क्षेत्रः क्षितः प्रवुका तमः ब्यवका क्ष्यः त्रिः व्याविद्यः क्षेत्रः व्याविद्यः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याविव्यव्याः क्षेत्रः त्याविद्यः क्षेत्रः व्याविव्यव्याः क्षेत्रः व्याविद्यः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याविद्यः क्षेत्रः व्याविद्यः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याविद्यः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याविद्यः क्षेत्रः व्याविद्यः विव्यविद्यः विविद्यः विव्यविद्यः विविद्यः विवि

ह्रीय सिट. उनुया सा. ट्रे. लुया प्य देनी साया ट्रे. पाया हुट स्वार्च सुवा स्वार्म स्वारम स्वार्म स्वारम स्वरम स्वारम स्वरम स्वरम

ट्रिंद्र प्रति त्याया ने प्रति स्वर्षेत्र म्ह्याया सु ने निया स्वर्धा निया सु स्वर्धा स्वर्ध स्वर वया.वी.क.जियोबा.बी.लूट.ता.पट्ट.लूची ट्रांच्राची वोचबा.चंच्य.चंच्याचा.बी.वाच्याचा.बी. क्षेत्र, कुर्या, ह्येया, त्राच्या, स्वाप्त, स्वाप्त, स्वाप्त, स्वाप्त, स्वाप्त, स्वाप्त, स्वाप्त, स्वाप्त, स्व याया हे मु या न खे व न चे व प्याप के व प्याप व्याम्मः मृत्यायदी यो सामान्याय विषया योद्ध्ःर्यात्र्र्रः तटः॥ योष्ठ्रयः त्रक्षेत्रः त्रक्षेत्रः त्रह्यः त्रक्षेत्रः त्रह्यः योद्धरः बीय. व्यय. कुर्य. प्रे. चेट. पेट. पेट. पेट. पेट. क्या क्या क्या प्रति हैं क्या प् यम्ब म्बार्या में प्रतानिक प्रतिवाद्या प्रति में प्रति । वाया वाया में प्रति वा वाया प्रति वि । वि वा वाया वाया त्रान्याधीया" वेयामु वया याधीव पर यासुन्य पर पर्वेव वया स्रुया ही याई र्वे विया क्केट्र कु 'द्रवा'र्र्ट्र द्राच्द्रवाषायायायाचीवाषाद्र वाद्र्ट्र द्राचे 'ह्रवा'वार्क्ट्र ह्रोट्र ट्राव्र वा विवा अप्येत्रा अत्रअत्येत् हे ते हे तेत् पुर्व प्येत् में वाषा सुर प्रेहे न वासु अप्या प्राप्त स्था स्रियान्त्राची:बीटा. यहाप. पहुची. त्रा. हुवी. त्रा. हुवा. त्रा. हुवा. व्या. त्रा. हुवा. व्या. हुवा. हुवा. व्या. हुवा. हुवा. व्या. हुवा. हुवा. व्या. हुवा. ह पवाय.बुवा.हूवा.विट.क्वा.पविट.वाषया.ज.वायीट्य.त.ट. घट.भी.लट.टाबुट्य.तर. चीवाया.चुटा।  $\angle$ .भीचया.टु.जया.चर्क्ने $\angle$ .ता.ट्ची.चर्ड्या.क्या.ठचे.चुी.चुया.भी.पु.ज्याजया.चुच. मु न्त्रीं व र्यः स्त्रीं अन्तरम् । व वेषा घटः वी द्वापटः विवा मु न्दे तद्वेरः अन्तरः अपविवा स्तर त्रम्भूत्यात्र्रहेव् द्वि चित्तम् व र्यः क्रियः वश्चितः तत्र्यः वा त्रमः च्वा वा व्या के स्वतः सेव र्यः क्रेते:देश'अव'र्'गश्चेत्रा'तर्ग

पर्छः विश्वंशः भुत्रः क्रीः लीजः टी. ह्यं अथः टीचे स्वयः प्राप्तः याद्वं विश्वं क्रियः क्रीः स्वयः विश्वं क्रियः विश्वं विश्वं

पूर्वा.ज.सूर्याया.तपु.यं.तचर.थर.तू.त्वेज.च. $\pm$ थया.क्षेच.क्षेच.प्रेच.प्यंज.तथा.च्या.चङ्ग. र्वे क्रिंट वी क चिर्ड र के र के त्वीर पाय पर है . यो की मिया सुप्र विषय के पाय के पाय के पाय के पाय के पाय के लुब.राय.रचिर.झैब.रॅट्या.बया.राजेवीया.रा.लुबी छिट.क्या.क्या.भूँट.रायु.सूँब.र्.लुब. ट्रि-ल्याःम्चीट्-याव्यः दुःशेश्रयः ल्यः म्चीः द्यः म्चीट्-चरः तर्मेः द्यां यायाः तर्दरः सूट्-एतेः भैयमाश्रेत द्र-क्या.गु.भे.पर. र. त्र्यंत्रात्रेय द्रि. श्रेमाश्रमा क्या.ग्रे में द्रि. त्र्यंत्र में यथिट्याताः क्षेत्रः भ्री. यटे. यु. त्यबेट्या यया अकूटे. योयया शी. त्यवीयायो टु. यया. सू. यया. यत्याक्रियात्वीतः त्यात्वरुषात्वेयात्यते स्वत्ति । त्यावेत्यात्वेत् भुःते । यात्राक्षेत्रः विष्यात्याः विष्या श्राद्यः वदः द्वाद्यः क्ष्यां कार्यः व्यवस्य विषयः चरुवायाः भेटः चत्ववायाः परिः द्वीतः ज्ञान्याः धीतः विष्यः व्याः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वा षी कुल र्रा विवा प्रभूव प्रति के स्वर्म मावव ग्रीम मायव प्रम मावम प्रमुव ग्री के मायव र् त्रयाः मैलार्, क्षेत्र ज्या मूला लटार्ट्र राट्यवा ग्रीया शाया सिटा शायर हूटा तस्र राय्या क् चगावा तपु क्रि.वावका चम्ब ता वार्ष्याचा चन्न चार्य चर्द्य ता भ्रु क्रिया ये वा विवा वीवा क्रिया व यर्न.य.लूर.व्रर.य.क्षर.य.वीयातयाक्ष.च्र्य.ययायर.वा.च्र्र.य.वीटा। ट्रे.ययायर्न.श्रर. र्-द्राद्रात्रवाधित केवारी चुटा प्रवास्त्रवाद्या महिला तर चेवायाला सूर रवियाशि र्रे र क्षिता थे वाचे था रे वाचे था

ट्रेब.टी.पह्तवाबाना वाचेबान के चे ट्या निक्राना क्षेत्राचा क्षाचा निवान निवा

ટ્રું ત્રું ત્રિન્ નક્ષ્મિયા મુખ્યા સુયાના ત્રું ત્યું ત્યું ત્યું ત્રું ત્રું ત્યું ત્રું ત્યું ત્યું ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્

यिष्टेश्वरास्यास्त्रे अर्थाः क्री व्याः ध्याः व्यवस्य स्त्रेत् व्यवस्य स्त्रेत् व्यवस्य स्त्रेत् वि लय.र्टा वायय.र्ध्य.प्रथायार्थ्यायार्थ्यार्यायार्थ्यायार्थात्राचीय.प्रविष्याः वीयाय्येयार्थात्राचीय **ल. धिर्याय. ट्रेश. इ. क्षेत्र. तभीज. टाप्ट. व्हिंगा कूर्य. बीट. मी. यया. ल्या. क्ट. पुट. जया. त्या. क्टा. क्र** मिट्र याने का या के र्या प्रमाण के त्या या के राय क मिला. त्.स्.चट. पळ्या। वायया प्रधेय स्थया ग्री. प्रच. वायया प्रधेवाया राषु सी. यर् . लया। र्गं.पक्षाप्रेट.क्षार्भः स्थार्भः स्थार्यस्य प्राप्त स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्था चगात.चबुब.धिच.तपु.भैण.क्च.कुट.टे.पर्केमा टु.ईब.श्चर.लट.टेबी.चक्ष.चर्थ.टेबी.त्री क्ष्मिरा केव क्षित्र पार्वे पार्थे पार्थे व व प्राप्त व व व क्षेत्र क्ष्य क् बटम.मुट.ज.स्वाय.वायम.प्रमाय.वे.म.पीय.पी.विवाया। विट.तर.टे.लट.उद्य.मुट.चर.वी. चट.टी। झैब.रबाबाबाबारट्टाइयादर्स्वाक्ष्याक्रुवाक्रीया मुनावास्याद्वारा अधेयात्र मुम्मा द्वाप्त अपात्र अपात्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त र्श्चित्रास्या। मुःववाःस्ट्यःश्चेंद्राः अटतः घटः केःवः धटाः प्वाः वर्ष्वः तर्देः द्वाः अर्केदः प्रदेः त्रवः त्र्वा त्रीवा मैजायपुः अह्टायान् अत्याम् वर्षा ग्रीटा श्री श्रीया अत्याविष् र् 'तर्ज्ञेन'पर'न्वें त्या। वान्यानेराधुन 'रेट'च्व्वायापर'वार्ययाति 'र्के। तर्वे 'प्रेर 'र्वे र् .बुट.विश्वयाविष. र . वर्ज्ञा यर्वा.वु. तर्वा. यर्वा. यर्वा. यर्वा. पर्वा. द्वा. वुष. हुष. हुष. पञ्चपर्याग्री: दे. द्वा प्रबेट्या भेवा वासुट्या दे स्याधवा मुः श्च्याप्ते : क्षुप्रापंते : स्थाप्ते स्थाप्ते स अर्घट बिट तर्षर पट पठका पा पबेट मा प्रा भेषा हो हैं। या वर्षा पह व पह हु ग र्या अर्द्रव खुअ पत्विग्रव क्षेर प्रति पारे देव परि भू॥ क्षेर परुष पर्चे परि अर्केन परि के तर्वेग्रमा श्रमःलट.से.टेट.सेंट.त्.ज.ब्र्येयाय.स्या झै.क्र्येयाय.क्ष्ययाययाययायु.टेडीट्य.

लायांचुवाकाची लकाभ्राऱ् खुवा ग्रीका विया यद्या से ख़िचा चुवा चुवा चुवा खुवा खुवा क्रि. त्या स्टिवा विवा ग्रीका त्या विवा ग्रीका त्या विवा ग्रीका त्या विवा ग्रीका त्या विवा ग्रीका विवा प्राचित त्या विवा ग्रीका विवा ग्रीका विवा ग्रीका विवा ग्रीका विवा ग्रीका त्या विवा ग्रीका ग्रीका ग्रीका त्या विवा ग्रीका ग्या ग्रीका ग्रीका

ह्येर ग्वर गपहर केर में दे स्वर्ण ग्री में चे इवर पार सिर पहर पर से स्वर्ण पर सिर ता.सेर.वी वोवया. चर्च कुर्व. त्. चर्टी. चर्चा. त्. चर्चा क्षा स्त्र स्वाया. स्वाया. स्वाया. स्वाया. स्वाया. स्व कित. गुत्रमानित्र में यमा ग्री. पत्त्रेय. जमा होजा चाषु. श्री में ह्रेय. ताषु. खेतमा चें स. दी. ताष्ट्र ता यी ह्यायि त्वयावया वावयायम्ब केवारी हित्स्यया हिता स्वीता सर्वेवारी हिता स्वीता स् यर्यः तर्मा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रम अर्ट्रव खें अ.र्ट. शु. अह्र ट. तर वाये या टिट. प्रांत्र र ट्रेया तर अह्ट व्या प्रहेवा हे व खें विषय योट.च.मुष्यम.ठच.ट्र.च.ट्ट.मुट्र.त.ज.वाचुवाम.नुट.ट्यूटम.चमा खेच.सक्च.ट्रम. र्चेता.में.खेला.चराविष्ट्या.चेटा। ट्रेयाचाव्याचेचा क्षेत्राच्चात्रेत्याज्ञां स्थापान्टा हो। चेषासुव सुवा केंवावा रावा दें र्वा वार्या मुवा निया विष्व वार्या वे यारा निवा रावि सम् अर्ट्रेन्, दे.शु.शह्रेन्तर.शुश्रय. २०४१ ता हैया शु. पश्चेर प्या तार्ष्र्र प्या श्चेर्र या ग्री प्रमान रोयमा रुव मी र्रेव सुव यो तकट्राया सहिर्यते चिट स्वारो सेयमा द्यारा वे तर्हेट कवायान्यान्यते श्रुप्यापते र्पेत्र मृत्र पद्ध वित्रया मुन्य स्वर्थ । वित्रया वित्रय व्या अह्ट.त.यु.पत्रिय.जयाययातात्वियातीयाग्री.ह्या.थी.अधिय.तमायक्षेयाताःभ्रीटातमः यह्ट.तथ.क्र्य.भ्रेंट.यपु.वीट.वा.क्रुय.त्.तीय.ब्र्य.वीवायाया

यसवीयातात्वायात्रेत्राचेयावाचेयाची ह्रेवायाता चहूतायायात्रात्रात्रात्रा हेर्वाया खा र्वेग.८८.र्ज्ञंत्रा झ.एर्ज्ञेज.८८.थर्घे.कु.चा ८त्तवा.क्.ट.च्मी.ड्रॅंट.२.थ.थ.वायंत्रातपु. युष्ययान्वयः क्ष्ययाः मुद्याः स्थानाः विवा वायव्याः में श्वाः त्यः त्यायः त्यः त्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्  $\widehat{A}_{(1)} = \widehat{A}_{(2)} = \widehat{A$ ग्री.चक्षेष.त.र्येत.त्रम.ष्रा.पर्कीम.प्रभी खुषाञ्चिषात.र्यटा। टुबाट्र.र्या.स्थ्रायाज्ञीयाती वेदा. चक्त्र ळेत्र रॉ.चर्छः च्वा वी त्यवा कु न्त्र प्रते र ळेता वा कृतः प्रते हो से ने अप क्षेत्र स्वा च ८८। ८वा.धूर.४४४.ग्रीश.५८. स्रेट. छ्या.श्रीय.श्री यटवा.कवा.व्रीय.वायय.यध्य.ट्रेय.ट्रे.८वा. ग्री.अक्ष्य.लट.शु.पक्ष.जूर्। योय्य.यध्य.ग्रीश.श्रीय.ती क्ष्.ट्रट.र्ज्य.त.ट्य.योय्य.यध्य. बबाववयानम्बर्निन्वाने क्रि. देवा ने क्रि. सेवा स्वया या अर्घेट स्वया या मिका स्वरं या स्वरं स्वया स्वरं स्वया स चियाता. बु. र्छट. चट. ग्रीट. खुट. रूप द्वीब. राट्यातायथा वार्श्ववा. यवा. विया तया. वोष्ट्रान्यान्त्रा हे.र्वा.ये.वोष्ट्रान्ये वार्ट्ये वार्ट्या हे.र्वा.लायाव्या व्या खिवाबायाब्य न्दायाब्य मुकादेर मुंब बिट वायबाने। दे स्र मुंब पा प्रत्य सु प्वाप्य र मुन्द्री यार्य्रम्यायात्राम्बर्ध्वामुःग्यम्भयायात्रन्यात्रयात्रीम्मयास्यात्राम्या चम्चित्र-छि: बियाया वावका यम्बरादे प्वाण्यातः तह्र्यास्त्रः स्त्रीतः पुत्रः स्वाप्यायाः स्वाप्यः स्वाप्यः स्वाप लट.र्वा.तर.क्रूंब.तर.मुर्ट.ट्री ह.ब्रुट.क्र्.ज्.र्वेब.चक्कै.तर.पक्कैर.त.ट्रे.ब्रुट.ट्र.चक्र्अ. इव.पर्यं स्वाचिय.तपु.यद्वेष.ता.वोष्यं तर्रा प्रक्रीर.पे। क्र.ज्.यर्ये वम्री.तर्र प्रक्रीर.य. वी वोष्यानम्बर्दे,रेवा.वृषा.वोषा.वार्ष्यःश्चेर.पट्रे.च.चक्का.र्स्व.पर्या.र्सेव.तर्या. हेव गर्छेग द्या मात्र मात्र विष्य मात्र यक्ष्राः स्व तर्याने त्यवेष यो वेषायारा रच्चा तक्ष्यारा यदा स्वायारा स्वायायारा स्वायारा स्वायायारा स्वयारा स्वयारा स्वायायारा स्वयारा स्वयारा स्वयारा स्वयायारा स्वयारा स्वयारा स्वयारा स्वयारा स्वयायारा स्वयायायारा स्वयायायायायायायायायाय मैयार्चियात्रानु तार्पर्यात्रमाञ्चयात्रस्यात्र्यं वेषात्रहूरानु स्थान्यस्यात्र्यः र्जया. था. छोट. तापु. टिग्लेट था. थी. लूट था. शु. ह्या. तथा. यदाय तया. तया. त्या ह्या. ह्य

य्री ट्रे.वेश.पक्ट्य.स्व.पट्य.पेंगी.विय.तपु.पक्षेत्र.ताचीय.तप्र.पाचीय.त्रीय.त्राचीय.त्रीय

ख्या क्री. तीला ची. भीच. में. विचाल पर क्री. सार्ट्या विचाल पर क्री. सीला ची. भीच. में. विचाल पर क्री. सार्ट्या विचाल क्री. सार्ट्या क्री. सार्ट्या क्री. सार्ट्या विचाल क्री. सार्ट्या विचाल क्री. सार्ट्या क

नुरायार्ययार्थेव॥ विवायाः अर्वेदायद्ययायात्रिवारेते । देशाच्यां विवायां विवायां विवायां विवायां विवायां विवाया चःगुःलःलःतर्दा।" ठेबःचःक्षरःचःगुःलःधुलःक्षें अःठवःदःवेदःवीःर्ले अःदनुःर्वेवाःनुः चल्या.यंब्रा.पंब्र्या.ता.लंट.च्या.ता.खं.चयु.व्यव्या.व्यव्या.व्यव्या.व्यव्या.व्यव्या.व्यव्या.व्यव्या.व्यव्या.व्य ह्रॅब्र.त.पर्व्र.तक्ब.वोष्यादेर.ह्यं वयाप्य्वीवा.त.जयायश्चरवातवा ८८.वयारत.पे. र्शित्वित्त्रियात्रक्षात्रपुत्र्यात्रत्त्र्या हे.ययाङ्ग्यात्राम्यान्नी स्वत्यान्त्र्यात्र्यात्र्या निटार्से रुव खेरा हूँव प्यम क्रेस प्रह्मवायाया प्रह्में प्रह्में वावया प्रमृत प्रहु पुवा वी वटा बुषाम्यायाया प्रकृष्ठे म्रा प्रचारा प्रचेषा मुका स्वारा प्रचेषा प्रचेषा मुका स्वर्था प्रचेषा प्रचेषा मुका स्वर यो. इस्राधर त्याया , तत्याया राष्ट्र यो यस या स्वाधित हो त्या स्वाधित हो । वायका.ग्री.पर्विटाधिटका.च्री क्रूय.चिटा.म्री.घ्रा.क्षेय.य.र्टातवी.प्रवायाग्री.प्रेटा.घटा.द्रा.र्टटा.स्वय. सिवा.त.चीय.वया.वस्त्रीयया.तया.यार्च्य.चेया.क्.स्व.त्यी सिवा.ता.टेपु.टिन्नेवया.वु.स्र्या.प्रटा यञ्जयायायदाः विदार्श्चयाय्याः स्वायाः स्वयाः स्वयः वायकाः अक्र्याः यः चित्राकाः नायेः पत्याकाः नाये वायकाः चम्च क्रियः मिटः सुवा रूवः वया नागाः ल.चार्युज.च.पट्टेचब.झू,,खुब.पटींट.। ट्रेपु.विटब.मीट.व.कु.ति छुब.मीब.,,नीट.मी.टमी. श्री द्वा त्र वी। तत्ववायाया वावया पह्वा पात्रा त्या पर्वा पर्वे अप्ते वर्षा प्रवासिया वि तर्वेग्रयाचुराताची रु.रताग्री.विटार्स्येग्रयालूट्याह्यायाञ्चाष्ठाः थाः श्रेवारी हिर्द्यायान्त्राचा ट्राचराग्री ट्राध्यार्यात्राच्यात्री चिटार्स्यायात्राचिवायात्रा त्यवटारा त्यवायात्रा स्थाप्त 

તું. શુત્રથા. જ્ય. ક્યા. લ્યા. ત્યા. ત્યા

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

## ह्म याट. ख्रेया यह वाया यह ख्रेट. यो छिट यह

अर्ट्र.पिश्रयातीयाः कूँट्याः शहूयाः तरा द्वीटाः तपुः क्षेत्रः तथाः योष्टाः प्रत्यः क्ष्याः क्षेत्रः क्षेत्रः य ल.क्य.शर्ट्र.र्गे.र्ज्य.चेश्व.र्भेय.त्रं ख्रीट.ख्रीय.तपु.शक्य.क्षेय.तप्र.चीवाब.क्ष्त.थ्री क्य.शर्ट्र्य. ସାର୍ଟ୍ର : କ୍ରାମ୍ୟ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ : କର୍ମ୍ୟ : କର୍ମ : କର शर्ट्, खेय. चेयाया सुरा प्वांव ता. ला इत्र क्या अर्ट्, क्र्या ताव्र में चेया वा व्यंव ता वा व्यंव वा वा वा वा त्र अह्र त्राम त्राम्ध्रियारता हुत्य त्रु वात्रेया प्रेया प्राप्त वा (१००१) व्याप्त वा प्राप्त दे भ्रीत्.मेज.त्.[पट.भेष]यय.५५५वाया.कुय.५भे.स्रीत.टीवा.त.५५६वाय.स्रोट.पक्षेय.तपु.मी. याकू.ता वे.मुन.तक्षेत्र.ताक्ष्य.कुर.वीयतात्र.याह्न्त.तपु.कुर.पु.चु.चू.चू.चू.व्या तपु.शक्ष्य.मीश.मीचृत्यात्रहूर्त.रटा घश.म विषुर.लुवा.पञ्य.मीचरा.सीचया रिव्ये.ता. लयट.रेग्रो.र्स्च.विश्वस्त.प्रीट.खेश.राष्ट्र.शक्ष्च.पर्ट्र्येब.रेट्र्यंब.रेट्र्यंब.स्ट्रंतंब.योबट.त्र. यम्बर्दे म्हेबरक्य स्वर्दे प्रची स्वर्धियात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्धियात्र स्वर्धियात्र स्वरत्य स्वर्यात्र स्वरत्य स्वर्यात्र स्वरत्य स्वरत्य स्वर्य स्वरत्य स्वर्यात्र स्वरत्य स् ह्रर.क्य.बर्ट्र.क्र्य.पर्वर.विषय.त.धुर.षुय.तर.ह्रीय.क्य.बर्ट्र.ट्वे.र्लय.विषय.त.धुर. बेबाकीट त्युराचर चर्नि हेटा दे प्यट सुवा मुक्ता मुक्ता स्वाप्त करा सर्दे प्रदा केंबा त्रांत्र-वे 'पर्ड्स'स्व 'त्र्याणीम'गश्रित्म'प्रि 'र्क्स'त्रांत्र-देस'प्राचा ग्रीस 'ग्रीस'प्रह्म' विव सूत्रा मित्र विदेश्याचे या विवासी यपु.श्रायकाराःकृषः अमःवर्द्धारः पद्धारः देवः वर्द्धानः पटः मे क्षेत्रः वर्षायकाराः कृषः अमःवर्द्धारः वर्षाः चिष्रयाताषु भ्राक्र्यामी स्राक्र्यामी विदानिता क्र्यास्ताचित्राचित्रवि स्र्रितामी स्र र्याञ्चात्रात्रात्री वाटावाकीटाटे तर्देवायाया देयागुटाटे स्थातु वावाकेते स्टायित स्वा

क्रमान्त्रेयामासु प्रमाय प्रमाय देवीया दी। दे सु प्राप्ति या न्या क्षेत्र मा क्षेत्र प्रमाय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमाय क्षेत्र यगाय.पर्यंशा ग्रॅ्य. मूल.वाश्वर.पर्यंशा वीय.यगाषु.क्ष्य.पर्विंट.श्र्वाय.शि.र्टतल.र्ज्ञंब.क्य. अर्ट्र खेराकेट्र प्टर्न केट्र पहेट्र पर्ट्र पर्य प्राची क्रिक्ष प्राचित्र विषय क्रिक्ष विषय क्रिक्ष अर्ट्र प्रथमःश्चरःर्वे वा.ये.चार्यायात्रात्र्य्र, क्ष्यात्र्य्यः मिलात्र्यसः खे.खे.खे.स्रूर, त्रिष्टः पक्रटः त्र्युः र्वाव है है है देर पति है। क्रिंत अपवि है व है प्राची है र केव रेंदि है वाक खरा यक्षेत्र.तपु.र्र.कुत्र.र्येता.बी.यर.क्य्.वीर.श्रथ्य.यर्वा.धुर.कुत्र.त्र्यं.चेत्र.र्यायवर.त्र्य. त्रिया.य भेया. तपु. र्यता. र्ज्य . कया अर्ट्र . चिश्रश्वा. योच्या स्त्री. यो या या तप्. ये हे . दि. क्षेत्र प्रमुखे प्रवे प्रमुखे प्रमुखे प्रमुप्य प्रमुप्य मुप्य प्रमुख्य मुप्य प्रमुख्य प्रमुप्य प्रमुप्य प्रमुप यस्यामिकाष्ट्रियात्रियात्राप्त्रियात्रामियात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीया પર્વેશ.ધે.ત. $\sqrt{3}$ ૦ઌાથી ,, $\sqrt{1}$ તળ.ર્જ્વ.જ્વ.૧૧૮, ચૈશ્વ.ત.પ્રુંપ.વેશ.પ્રાંચ.પ્રુંપ.વેશ.પ્રાંચ.પ્રુંપ. पते मूं मूं मा तार्षा ता में मुं में हैं सा है मा निया के दार प्रभूता है दार में मा निया है स्टा (पार) तर्ने 'से 'से ते ते 'पे प्राप्त प्रम्य प्राप्त स्वाप्त प्रम्य प्रम्य प्रम्य स्वाप्त प्रम्य प् ल.श्र.में.त.चर्षेत्र.तपु.धेत.वीट.ग्रीय.बीयात.कुर्य.त्या.ह्रीय.तपू,,खेयाटटा लट.ट्र.धेट. ग्रीलः,,रंतनाः र्जं क्या अर्ट्, यं या श्री.पात्र्य रायों वा प्यां या या अर्थः स्था श्रीयाया अह्र्य. तपु.लबी अष्टिब.श्वेष.सि.त.लपु.पर्ट्य.अ.सेर.रच.में.लटब्र.त.वट.टुरी पर्वेज.अकुरी ट्रेट अह्या भ्रुति द्राया प्रवासी द्राया क्ष्या चार्य क्षया क्ष्या क्ष्य ग्री:र्यवायात्वयामु:अर्ळेर वायव प्यवा श्रेताचा खेट प्रिट स्टावया ध्रवा द्विया हेव स्वा ळेवा मुब्राक्षे व्याप्त विद्यायित प्रत्यायित प्रत्यायित प्रत्यायित प्रत्याय प्रत्याय प्रत्याय प्रत्याय प्रत्याय प्र

चळ्या.वोषट.पत्त्र्य.लूट.ब्र्यूप्र.पर्द्या. खेटाया. कुर. ताट. क्र्यूट. पर्दर. ताट. लेवाया. ब्रिट.टे.प्र्रंथयातपुरवानुटाययादियात्रप्ति प्राप्तिया हास्याया क्षेत्र.जीट.वी.चक्षेत्र.त.एकट.क्ष्र्य.वी.य.डील.चर.टीट.त.ज.चर.ड्रीट.क्र्वा.वी.व.टट.चरुळा ता.बुवा.ला.ब्र्वा.श्रम.प्रहेवा.ता.वोला.कु.टा.ट्व्र्ट्यातम.पर्वेवोबा.ताबा.मुवाबा.लबा.ट्रेम.बिवोबा. पङ्कायाबरायाभ्रेतामुनासेराहेषासुराधार्थायराष्ट्रियासुरा <del>ફ</del>્રિંગ્રાનેત્રાબાનાનું વાતા કુરાનું સાધાનાનું કુરાનાના કોર્યા કુરાના કેર્યા કુરાના કોર્યા કુરાના કોર્યા કુરાના કોર્યા કુરાના કાર્યા કુરાના કુરાના કુરાના કાર્યા કુરાના ક योबुट्र.ली.स.च.यट्या.से.सं.लाट्र.सच.से.सट्र.तर.की.स्या भू.योब्या.योबय.ट्या. र्वाय.प्रम.लूर्-रेट्य. हे.तर् ह्रिट.ज.टट. ब्रू.प्रुच र्-युच र-प्रश्नुर हे. ब्रूं म श्रद्भाय र लट अधेश विष्ठ रादे विश्व र्वो पर्वे राद्य विष्ट वी पर्वे राद्य राद्य राद्य राद्य राद्य राद्य राद्य राद्य राद्य सुःक्ष्यायाक्षाव्या हेवामळ्या हेवामळ्या हार्या हितामळ्या हितामळ्या हितामळ्या हार्या हितामळ्या हिताच हितामळ्या हिताच हितामळ्या हिताच हिता र्वो "बेशन्त्। गुराचग्रि केंबा तह्ना अपर्या "रेवा तहेंब केव रेंग के साम्वायायायी योष्ट्रेर.जिंद्र.जा त्र्यं में ये प्रेयं तर्र्यपु.श्रट.क्य.तर्भेजाबीबा.क्युः त्रश्चे.वालाबा.श्चे.टा.श्चेय.पट्या.वाक्यः बुवा.स्वावा योष्ट्रेर.वि.श्रट.तू.र्थ.अंट.वृथ.व्यथात्यर.यक्षेष्ठ.तपु.क्षा.पत्रूर.क्ये.ट्यट.क्षिये.श्रावयाता. ८८.बीय.तपुरप्र्याक्ष्र्राचाक्ष्र्यात्र्यं विष्टात्र्येत्रात्र्यं विष्टात्र्यं विष्टात्र्यं विष्टात्र्यं विष्टा मैजाविष्यार्श्चेत्रविषात्र्रात्रहेव मैजाने विष्याते प्रियास्य स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने म्मट्ना,ज्र.ज.भ्र.पर्विट्य.च्रट्ना भ्र.क्ट्रिट्य.क्र्.लच.क्ट्र-क्रिज.च.परवर्षयाय.त.र्रुप्.याट्य.या र्तायाक्याः अर्द्राचिष्णवाः मुद्रात्त्रात्ते व्याक्षेत्राकष् यर्टेट.क्ट्र-. तभ्रेष. तपु. मेटेट. त्र्र-. यग्नेट.मे. अट. क्ष्य. यहंट. तर्रा लय. टेट. क्षेत्र. कृषी. तर्रः क्षेत्र.क्ष्यात्राता क्षेट.टियु.टीय.वया.चक्षेत्र.ल.ब्रूबा.तयु.तया.क्ष्यात्रा.तचट.त्या.प्रत.प्रा. म्,क.जियोयाज्यात्राचर्यात्रीटार्योटाज्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र श्चेट्य,,जुयापर्वेटा

याह्य. सूया. स्वाप्त प्राप्त स्वामी क्रिन्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व त्र्रे, मु.सं. तिट. ट्यूं ब. टाप्ट. ज्यां ब. द्रश्या वा स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार् तीयाः के विष्या विष्या क्रियां विष्या क्रियां क्षियां क्षियं क ८८.८वाय.स्त्र.क्री.बु८.यगूरी झु८.त.पा्व्र.जू। टु.श्रुव.क्री.ह्राववा.वु.ट्गीज.पा्व्र.से. यी.लब.वीट.वीट.पद्मी.ब्रूज.बुट.बुट.। क्षेवी.तर.तू..मै.ज.टट.विद्ववी.लवी.विट.टब्बा.लब. स्वायान्यायायान्य स्वायः चितः त्यायः चित्रः यायाव्यः क्षीः यार्गित् रयः त्याव्यः विवायः विवायः म्रिकारा स्वयाक्रेस् अर्थेत् कुर् अत्। त्वें वायाता विवाक्षिक्षे तात्त्र मुकारावे प्रयोग्याधार क्य.भट्र.चेशकाता.मुट्र.मुट्र.सूल.लूट्रवी.तर्यवी.तर्यवीवाबावी यह्वी.सुव.व...सुर्य्र.जबा चलवा राज्या हैं। हैं। दि एकुं क्षेवा रहें का से चलवा हैं व्याप्त को दावा हैं। विदेश हैं। विदेश विदेश विदेश हैं म्रीयानम्बर्गयाः भेटार्ट्यराद्यारादे रिक्षण्यान्ययाः म्रीयाद्यस्त्रात्रास्त्रात्यः स्वराद्यास्य र्रा. विवा र्यत् न्त्र मुक्ष मे प्रत्र क्षित् तर्वेत प्रते क्ष्य मे वा वित्र मुक्ष प्रते वा वित्र मुक्ष में फ़्रेट'त्रहें**ब**'चबट'र्चे'''ॡ'चबट'र्रे'र्चे'ळेर'सेचब'त्र्ड्डेर'श्लेचब'हे'थे'ट्वे'चड्रेब'ग्रीब'ट्रेर' र्त्यूय.त.क्रवाय.त्ये.त.प. र्त्या. ह्यं.क्य. अर्ट्र. क्षेत्र. मैया.तप्र. पत्त्रीय. तथा. तम्रीतया. व्या त्रमः वृषायशिष्यापरीय दिषामञ्जूषा है मान्यामूष्याम् वृष्याम् वृष्याम्यम् वृष्याम् वृष्याम्यम् वृष्याम् ८८। ईवात्रम्भवात्रक्राम्भूर्यम्भवत्त्रम्भ्यम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम्भ दे.क्ष.मुब्य.क्र्या.तर.चेत्।

## र्चेन |वाट्युबरक्षेत्रात्रह्मार्याद्यात्रात्राह्मार्या

तर. मेर्रात्ते, मेवरात्मा क्या अर्रे मेर्रात्ते, या वेया लूट्या सी माया विश्वअः मूट्य त्रांत्यायर्थं या हूं या त्रां विश्व स्त्रात्या विश्व स्त्रात्या विश्व स्त्रात्या विश्व स्त्रात्य यत्तवीयात्रपुःक्वाः अर्ट्रान्वीयाक्षयाताः श्चीटा लेया श्वायायाताः नगानः रातिः अर्ध्वाः वी स्वीटाः यः ब्रियाया ग्री.सी. क्राप्टी.लया स्टारी. क्राटा तर्री. क्रीटा सीवी. पर्ट्य वारा सीवी पर्ट्य अर्ग्नेन मुन्या स्ट्रियाय स्ट्रियाय स्ट्रियाय स्ट्रियाय स्ट्रियाय सहस्र स्ट्रियाय स्ट्रि र्चेता.वी.यट.क्यी श्रट.चिट.मुश्रम.प्रेम.प्रच.चचट.सू.ष्रम.शक्य.लूटम.भी.चीवाम.स.धेट. त्त्रेयायो प्र्याचीयात्रे भ्रियाप्य क्षेत्रेया वाक्यायाद्री क्ष्यायात्रे मान्या स्थितायात्रे विष्यायात्रे विष्याया वयात्राभीतात्रम्, खेरावाद्यवात्रम्, क्ष्यायाल्यायाः क्ष्यायाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वय त्.क्रिय.थु.कट्.ट्.ट्यूर.ट.जथा वर्षिट.जिवाबारटा.प्टीशबा.श्री.टापु.शवबारता हूंथा.टार्ट्स्य. इं.ब्रॅट्.पह्यं.तपु.पर्थ्यंता भट.ब्र्याः श्चेताला वाष्ट्रात्तर्यात्रेया वाष्ट्रात्रायाः यावय यान्नेयात्र हिंद्या राते खेळा प्रात्त केव र्या कें तिरीते ति । पानन्त वर्ष ह्यूपारा हिंदा त्राश्चर्तात्रप्ते चीत्राची प्रथाविषामी म्यापत्री म्यापत्री माया स्थापत्री माया स्थापत्री माया स्थापत्र स्थापत स्वायातपु: सु: सूर्यायातपु: सूर्याया क्षेर : प्रचार : ध्रायायात्वाया स्वायायात्वाया स्वायायात्वाया स्वायाया स् यह्र्यताह्यान्याय क्रियाचि स्वापाया मिना स्वापाय स्वाप चैंग विंदाभ्रीता अत्राराचन्याम् । स्वाराचन्याम् । स्वाराचन्याम् । स्वाराचन्याम् । क्षयाधारा मुन्ति । स्वाप्त प्रमानिक स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इट.जियोबाट्ट.षा.ष्ट्रट.तबावियाताषु.टेयो.र्ज्ञवाष्ट्रवाषात्रकायोबातात्रकायाः क्षेत्राऱ्री

ट्र्य. फु.फी.टटा लिश.ल.श्रुट्य. या बुंब.ग्री.श्रम.श्री. खुंब.टा.टटा चु.श्रम.टटा चेल. शह्ट. तपु. क्ष्य. घम. श्राह्म. या बुंब.ग्री.श्रम.श्री. खुंब.टा.टटा चु.श्रम.टटा चेल. शह्ट. तपु. क्ष्य. घम. शह्म. या बुंब. या बुंब. या विक. या बुंब. खुंच. चुंब. खुंच. या विक. या बुंब. या विक. या बुंब. या विक. या बुंब. या विव. या बुंब. या व्य. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या व्य. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या विव. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या विव. या बुंब. या विव. या विव. या विव. या बुंब. या विव. या व ट्र-पोर्थ्या-ब्रमा-ब्रम्।

ट्र-पोर्थ्या-ब्रमा-ब्रम्।

ट्र-पोर्थ्या-ब्रमा-ब्रम्।

ट्र-पोर्थ्या-ब्रम्-ब्रम्-स्य-पोर्थ्या-प्रिय-पोर्थ्या-प्रिय-पार्थ्या-व्रम्-प्रम्न

शक्र-तपु क्षिय ट्रिया स्ट्रा प्राचित स्वा क्षित स्वा क्ष्य स्वा क्षित स्व क्षित स्वा क्षित स्व क्षित स्वा क्य

<u> र्नगुट .जू. नर्दे , संपु. कु. से .स्या ग्रीय ग्वाट्य .ट्राट्य स्या व्रिय अट .त्रुं यट .ट्रे क्र्या हे .</u> गामः पाने प्रतिव प्रतिवाषाया अह्याप्य हिंदा पान प्रति प्राप्ति त्या है पाने विपार्थे मामा ट्रे.ट्रेच, तक्षेत्र.ची.क्ष्य.त.वोषटा। षक्ष्य.क्ष्य.पथ्य.प्रवाचन.त्.वाचटा. पट्टे.ला विश्वराष्ट्रीतः योवाबार्यः ग्रीबार्यः निष्यः भ्रात्यः भ्र यियान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा पर्ट्रमा स्वरात्रात्त्रात्तुः सारमा मुमा ग्री पास्नुवाया ने सार् स्वरा वाष्यया पर सहत् । या देता हे सा यावन :र्.ट्रा क्र्या हे :क्र्या प्राचार प्राचार :र्या :श्रुप :प्राचार :यावन :र्या :यावन :र्या :यावन : यबुषा. हे. तश्चित. ता. व्हूं या. व्हिं अषा. ग्रीषा तश्चित. ताषा. श्विषा षा. ग्रीषा. त्वा या वा ता वा ता वा ता व क्रीम विश्वपुरक्षाची कुष त्रम कूष है कूष तिला तवत त्री विश्वष कूष ता पहिषा निविष्य चीवायाता देवा. जुवायाता द्रव. कुव. कुव. चीयाता ख्वाया या अर्द्र. ह्यवाया ग्री. वायव स्थितः अद्यत् अय त.थह्री विट.तर.टे.लट.ब्रैब.रब.वाचुवाबाकीजात.की.अष्ट्री सवी.ब्रूी क्र्याश्चीट.तुर.वेवी. पर्वाणीः भूरः निर्माणिया ब्रिया ब्रियः स्वाप्तायाः यावयः यार्याः भूनः त्रम्भेष्ये में देगा किट विया ग्रीट प्रस्थाया हे वया ति त्रामा स्टि स्वाया होत राया प्रायट विट ८८। झ.मेवा पहत.मा पहत.झ.स्वायाग्री.८याप.कवा.क्षयाचन्नव.वयापटी.८वा.वी. यर्वा.स्.मुभाविष्यात्रवी पर्ट.क्ष्या.श्रमुति र्टाया.स्ट.र्टियाश्वापम्, व्या.क्ष्या.मुवाया 

<u> ने क्षेत्र न्त्रियासु येनया वया है न्व न्वो तन्व क्षेत्यी आवव में नर्यन् वयया देव केव </u> तथ.श्वय.सू.८८.। यमुब.वायुष.कुष.सू.कु८.घट.चैग्री.बटब.मुब.तथ.लथ.धूंच। यर्टेज. पहूर्य मुच . कुर्य . तथा वीया . कूर्य . याह्त . यथा . त्वी . यद्व . ची तथा . कुर . तथा . वीया . कुर त्रष्ट.कुर.रथ.तभैट.तपु.राष्ट्रेय.ह्यायाग्री.ह्यातायार्थ्या.पे.क्र..तर्था.पर्ग्य.प्रांतपुरा वयमाग्री-राज्यान् मुन्त्रे दे वयायायरासु राज्याने विषया स्वापास्य राज्या श्चीरया.सूर्याया.कूया.कृ. में शया.थी. सुराया.यया.शायया.बीरा.री. आपु. श्वीय.क्रंप. आर्ट्र. क्रियाया.ग्री. योवीट.ज.योथय.ब्रीट.टेतवो.थे.अट.त.अह्टी विटे.तर.टे.पह्याअवूर्य.क्ट्राव.त.कुर्य.त् ८८। मैल.क्ट. मुव.क्ट. क्रि. क्रि. क्रि. पर्व. क्रि. पर्व. क्रि. पर्व. क्रि. क्रि. वर्ष. क्रि. वर्ष. क्रि. वर्ष र्षेर-ह्रेंब-बंब-बंब-प्रापत-दित्न। बुबब-दिन्द-क्रिब-द्र-गीब-तबद-ती पह्य-दिव्य-प्राप्ति क्रि र्तज्ञस्य। अधियः रचः चीवायः चचटः ची चीवः व्ह्यः च। रचः अकूवाः चः क्र्यायः अवयः सीटः ग्रेच.तपु.र्यटाः विवालिट.र्यटाः धूर्वायातपु.ल्यं भिष्यः मेथाग्री.याह्यं प्राप्तः याद्यं प्राप्तः विवयः ल.वर्षिवाबा.धे.अर्टू.कैंट.ट्वूंटबा.पंग्रीजाटट.चळ्यातपु.वर्षिटाजीबा.की.अक्टू.कैं.वीपु.ग्रिटी. जिट.शब.टवा.घशब.८८.८८। कैंट.कु.मै.अक्टु.८८८८८। रुश.विध्याग्री.चटामिटी श्रचत.र्या.ज.योथेथ.ट्रीट.थ्रा.पर्ड्या.राष्ट्र.\$था.राष्ट्र.\$था.राष्ट्र.\$या.राष्ट्र.\$या.राष्ट्र.\$या.राष्ट्र.\$<u> इत्। इ.ल.८</u>६्य.धूरा.वाषेत्रा.वीयायायातातात्त.पटा.पपु.यटा.यथा.धूरा.वीटा.युत्रया.चीया रच.चबट.त्र्री श्चेट.वेट.ध्रथ्य.चेष.रच.चबट.त्र्री ची.ची.टच.रचट.चीचथ.त्री ह्रॅ.त.केज. शक्य मुर्से। श्र. मान्य म्या प्रवास्त्र म्या प त.ब्रियोयाश्रवमः झिलातपु.तयोषात्वययातात्ता देवात्तरः हु. देवो पर्येष बीतात्रः विट. म्रोयमान्तर्तात्वेषाह् म्यायप्तात्रम्य ता ही त्राप्तात्र त्यात्र त्यत् त्यत् त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त ८८.विश्वरास्त्रियोयासी.८४.धु८.म्थियात्रम् मुन्तरास्त्रमा

८चं.खं.खंताविद्यंत्रसंभीताःश्वाचिद्यंत्रसंभीताःश्वाचिद्यंत्रसंभित्रव्यंत्रसंभित्यंत्रम्भीताःश्वाचित्रः विद्याः चिद्यः प्रद्यः क्षेत्रः क्ष्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विद्यः क्ष्यः प्रद्यः क्षेत्रः विद्यः प्रद्यः क्षेत्रः विद्यः प्रद्यः क्षेत्रः विद्यः विद्यः प्रद्यः क्षेत्रः विद्यः विद्यः

$$\begin{split} & \Box g \not \exists_{1} . \Box g \not \exists_{2} . \Box g \not \exists_{2} . \Box g \not \exists_{3} . \Box g \not \exists_{4} . \Box g \not \exists_{4$$

ट्रे.क्षेत्र.क्षे.ब्रू.चर्.ची.पश्चराचिष्रय.क्षेत्रात्तव्यय.चेष्य.ब्रैट.खेट.प्तव्यव्यातप्तु.स्वायाचित्रय. योष्ट्रयात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्याः स्थान्याः योष्ट्रयाः यात्याः योप्ताः योप्ताः योप्ताः योप्ताः योप्ताः योप त्ताला कु. याकुवा में . याकुला याकाट . याचा कुषा याचे . ह्यूंट . या . क्या त्यूंच . ताका ह्या वाका . सेट. डिवा-द्रभःवार्षः पः भेट्-तरः श्रुवः पदिः वीः तयटः अर्धेदः र्वरः वार्ववाषाः र्र्वः पत्रः वार्वेवाषाः र्र्वः पत्रः यथ्रियातपुः श्चितात्वश्चित् ग्री. पक्षेषातपुः श्चिता यक्ष्यः श्चितः स्वरूपः स् यदिय । अर्दे । प्रमानी हिंगाया अरार्धे अत्याया सेता विषया होता । अर्दे । प्रमानी होता विषया होता । श्रेलास्व ग्री ग्रिला च त्रेरा श्रुणा ग्राम्य त्राय प्राय र्त.यु.लय। प्रात्र.त्यार.यपु.ज्यायान्ययाग्री.जू.ध्या.ल्य.खेश.क्र्यायाता.यु.तम्भेय। यट. रेषान्तावरायते क्षेत्रे पान्याचेरा द्वेषा ज्ञान स्रोन्यते प्वान स्रुवा ग्रीपार्वन श्रुवा चिराचेरा पश्चित्रः हे. तर्जे : ह्व : क्वे : क्वे : क्वे : क्वे : व्या त्या चित्रः व्या व्या वित्या वित्य वित्य वित्य वि क्षमायभ्वेत्राचबुत्रमाराचमास्यामासुव्याचास्य प्रमानम् वा त्र्वेत्राचावेषायविष्यतेत्राचा क्षयान्तः क्षेतः न्यं व रहे ता स्वाया हो न्यं व रहे व राज्या क्षया हो व राज्या क्षया हो व राज्या व पट्टियातपुरवार्ष्याचा व्व क्रियाचा प्राप्त मीव मिरा द्वीति प्राप्त विवाय भीवया र्पूर्यायान्व्याः ह्रियायान्ययान्ययायायाः हेन्यायन्ययायान्ययान्यया त्रमान्त्रम् विष्याची स्वर् निर्मात्रमान्यात् विष्यात् विषयात् विष्यात् विष र्ह्मायाशीरपञ्चवरपादेवर्पाके।र्षावर्षावर्षिता देखेत्रप्रम् भूपायाविषाशीः भ्राविषार्थाः <u> इट.वोयकारा.यु.रेवो.पर्येय.इं.जा.रवो.जकारार.रेव्यूरकायको इ.पर्ट.युर.येट.र्याट.जू.</u> वर्षित्रात्वेषात्रेटा। देवायास्त्र चरेताव्यकात्राः केरात्वी त्यत्याचा रवास्त्र चर्षाः 

कर्गम् । प्रमण्याया स्थान्त । मुन्न । प्रमण्या स्थान्त । स्थान । स्

न्व्यं अस्त्रे स्वा अरु स्वायायि क्षेत्र प्रति स्वायायि स्वायायि स्वायायि स्वायायि स्वायायि स्वायायि स्वायायि स वेब गार्डे गरेवा तर्वेषा पार्डि पार्या हेब तर्वेषा नेब तु । पार्डे पार्वे सुव पार्वे सुव पार्वे साम् क्र्याग्री वार्डे पट्टी पट्टी पा ध्री वार्षी वार्षा वार्षा वार्षा हिंदा अह्टी वार्षा क्रिया ন্ত্র'বের'র্ক্তর্ম'বাপ্তবা'র্বম'দ্বেশ'বামদ'ব'রেদ্বম'দ্রে'<del>দ্র</del>ম'র্ক্তর্ব'র্ন্ট্র'দ্র্ট্রম'বর্ত্বম'দ্রেম' प्तः भ्रिपः अकूट् 'र्टा भ्रुवः त्या क्रवे 'र्यः देयवा पर्द्वावा क्रवः पर्द्वः तः स्वरः प्रभिवावः हे. व्रियः तपुः व्र्याः अरः देवो तर्ये अरः ब्रैटः चः क्षेत्रायः विव्याः व्याव्याः व्याः व्याः व्याः ब्रह्ट.ट्री इर.चै.तथ.श.स्र. वषु.स्.चैंब.लट.सूटी ट्र.प्ट.प्ट.षट्.षटी.विधेटब.तथी चि.चल.पर्या.चुष.पवट.त्र्य.पिषा.क्र.पर्वेशव.यथा.क्र्य.टी.सुपवा.क्र्य.लूट.तवा ट्रे.प्रट. हेव.पज्ञा. वृवा. शह्र . ट्वूंब. श्रेंब. येथा व्रूट. व्रुव. प्रींब. प्रांब. प्रींब. प्र पषान् भ्रान्वीव पति वृतान्ता वी अर्केन हेव केव रिते वा केन रिवाया पान न चेत्र मु : लेवाया बट् : गार : वर : र्सुवाय : सु : त्वें : वासुट्या टे : दें : ट्वें द्वें दें : सु स् : दें स र्द्रिट प्रति हेत्र तहीय प्रद्वीवाषा प्रमास सर्हि सुट । है सिट है प्रवाद वाट्यय स्वीवाय प्रयास्य "८८.त्.प्.पृष्यं चे प्रव्याच्येट.क्षे॥ अघए.ष.क्ष्र्टात्या.पश्चिषाः क्यो.प्राची पश्चिप.त.पश्चिषाः ह्ये चैग्वेपु.राष्ट्रा पर्मू.टा.लूट्या.ग्वे.षातूच.टी.ग्वेर्या., ख्याविष्ट्याता.क्षेर.सूवा.श्वर.ट्वे.पट्च. यमै.स्वा.वाधेका.सूर.व्या इ.पट्.ला.सूं.रूट.ज.ट्वा.पट्व.सूंट.स्वा.यमज.खुटा ट्राई्य. ऱ्याग्रीय'र्वो'तर्वे 'स्रुय'र्स्नेच'तर्व्य'प्तत्वे 'क्रॅब'र्स्' ह्या'स्वे 'क्रेव'र्स्' त्वे ह्या'स्वे

च्नान्यक्री, श्रीता, ब्रेशान्यक्री, त्राच्नान्य प्राचीन, त्राचीन, व्याप्त क्रिया, व्यापत क्रापत क्रिया, व्यापत क्रा

विशेट. यी. र्ययट हिंवा. ल. अटए. त्रेश्व. राष्ट्र. हिंवाबा क्या राम. या हुं रि. री हे. से रि. प्रहें राम. पक्ति-रहीता प्राप्त "अपन्यापा क्षेत्र स्वाया श्री प्राप्त स्वाया श्री स्वाया प्राप्त स्वाया श्री स्वाया प्राप्त स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया ष्रपु.रच.रूच.प्रह्मा अह्ट.तपु॥ वाश्वट.पट्.श्ले.च्.वी.व.ल.श्रेया, ख्रावाशेट्य.त.क्षेरा मैल.चषु.वोश्वेट.प्रच.ही.लु.प्र्वा.ल.ट्य.त.होप्र.बुट.लय.मी.लेय.लूट्य.शे.ह्वाय.तषु.वीट. भैचकार्ट्रेब र्टे हिजाची क्र्या क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क श्रायम् बुटाव्यवटार्ट्र्यायार्ग्यायाः होत्राचा वाट्ययाच्यायाः धेटाव्ययायहेत्रायाः क्र्यः यावीयः यो मियः मेवी यथियः रूपः याक्रियः यावायः प्रयाः याम्भेतः यावायः यावायः यावायः यावायः यावायः यावायः ८८.वोध्य.कुर्यायाः थेष्रयात्राच्याच्याः व्याप्तात्राच्याः व्याप्तात्राच्याः व्याप्तात्राच्याः व्याप्तात्राच्या म्रोबार्यक्रियः में म्यूं त्यायन्त्रिश्वराष्ट्राचार्या यक्षेष्यायत्राचाराय्ये स्वाप्त्राच्यायाः त.श्रवी.य.यञ्जीट.तपु.ज्रवीयायचेट.श्रट.दी.वीट.तपु.एथ.तपु.क्र्य.कर.ट्वीट.वयात्व. म्ने,पिश्रयान्तर्भ्यानान्तरम् म्रि,श्रम्भि,श्रम्भि,श्रम्भि,श्रम्भि,तान्तर्भान्यान्तर्भान्यान्तर्भान्यः मिट्याश्रेट्राताञ्चेत्राम् भाषान्त्रात्याच्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या त.धुट.वोबर.पट्टवब.टट.। ट्वे.पट्च.ब्री.इं.वोबर.टे.चर्वेवोब.त.वेब.श्रेष.धूट.चमेल. यद्य.यम.रम.ञ्जूषा.योषटाङ्गे.योषु.योश्वेश.यी.लेषा.जुष.रटा। क्रूबा.परिषा.यपु.यन्तराविष्यवा यभाषःसूर्यःग्रीः क्र्यःची क्रियः इ.मी. शक्ष्यः तक्षयः येषः र्ययः स्वापः सूर्यः प्राप्ता स्वापः स्वपः स्वापः क्ष्यायाः क्ष्टी, योषट, टा. टाक्याः ग्री. स्री. वया मीया टाईव, वयायाः प्रीट, क्षिया, तृषु, टिरीया व. टराया. चथत्रात्स्यायन्त्रीतः व्यान्त्रमः क्षेत्रः क्षेत्रः त्यावायः प्रतिः व्यान्त्रः व्यावायः प्रतिः विष्याः विष्या जीवायाः  $\frac{1}{2}$ , चश्रया.  $\Omega$ ट्टा चेयाः क्षिया । चश्रया.  $\Omega$ ट्टा ट्टा ट्टा ट्टा ट्टा चिया । चश्रया चश्रया । चश्रया चश्रया चश्रया चश्रया । चश्रया चश्रया चश्रया चश्रया चश्रया । चश्रया चश्य ग्री.क.र्थंबा.प्रजटा.स्विषंबा.ग्री.च.बींप.पह्या.तपु.र्यंबा.वाक्ष्य.वारूय.वार्त्य.तप्.वोबला.तप्.बींप. র্নী

প্রাবধান্য প্রথম না নাবাধ্য দুল নাব্র নার্থ দুল বা দু দুল বা দু দুল বা দু দুল বা দুর্থ দুর্থ দুর্থ দুর্থ দুর্থ पर्यातपुर्यराविदासुग्राम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् म्योषासी.पोकुपो.पम्,तपु.सू.वया.४८.कैंटि.जा.लूच.५व.थघप.ट्यो.टवि४.षक्र्.क्षे४.कैथ. हे.वाबव.ज.ज्ञाञ्चर्य.त्यस्व राष्ट्रस्व वर्षास्त्रम् वर्षास्त्रम् त्यावित राष्ट्र स्टाल्याया हेव स्त्रा स्ट्रा यर.षाह्ट.त.यु.भ्रेब.यी.ट्याता.क्ष्यवा.ग्री.क्ष्यात्रम.वर.त.जवाबा.घ्टा ट्रालट.घ्वा.षर. मिलात्वपुर्याप्रस्टान्त्र्यूट्यायम्यायम् अवतःत्वार्यास्यास्यास्यास्यास्याः यर.वाञ्चवाया.वया.ह.पट्या.पह्या.अव्यि. व्ह्टावा.ता.कुव. त्रा.ज्याया.यावया.चीया.वायुया.ह्या. म्री.चर्चेब.वायुंब.टॅ.श.मृवाब.म्री.ब्र्ट.त्रिंघ.टॅ.वर्डेव.यंब.तम.ब्र्टी टेर्च.श्री पर्टेज.शह्र्ट. शर्ट्य त.स्वांबायत्वांबातीयात्वेचा केषा ग्रीया शह्रात्यां शह्यांबा स्वांचा विदा બીવાયા-મે. બાજૂ. ક્રે.વી.ખા. મેં ત્યા.તા. બાવ માણુવાના અર્દ્ધ તે. તાલું ક્રે.વા. સ્યાના સ્થાના તાલું તે. र्ह्रवायायार्ह्रवायार्ह्रवायम् स्त्रीत्यार्ह्यवायाय्ये त्रव्यायम् सुत्यायायाय्ये स्वर्थायाये थाह्L। मुवा.त.कुर्न.तूपु.जथ.कै.पर्यथ.Lट.त्यरुथ.त.थम्घप.Lवा.थिर्थ.त.विश्व.Lट. ब्रूर-प-पिबेर्य-वर-प्-पर्देबा-वया-वेशवा-बीर-पुर-पिवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-प्राप्त-पर्देवान-पर्देव मिट.तर.ट्य.थ.चल.पर्केर.यपु.चिष.बूर्ट.थ.लुष.तपु.ट्याप.यपु.वाषट.क्थ्याल.कुर्या. ह्ये. द्वाया ताया ताया क्रिया वार्ये हित्य वार्स्या वार्ये वाया हिता क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया हिता है। ब्रुपु. १. यम् १ त्या प्रमान १ वर्षे प्रमान स्थान में अपने स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स शवर वियाना शह्रा ही किंट हो सूर सूर्य विया योषट स्थाय के कि सुर्या विया त्रिय से सूर्य हैं व कर् ग्रीट अपर्रेयात्र विवायायी किर्ी वाषिय लट है खूट वि ता कुर्य त्रालय स्था ग्रीया थाह्L-तपु-जूर्याया-प्रतिन्दु-था-थ्रि-ता-भ्रथ्य-प्रत्ने यूर्य-प्रत्य-थ्रा-था-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रय-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रय-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ्य-प्रत्य-भ्रथ-प्रत्य-भ्रथ-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-भ्रथ-प्रत्य-प् र्म्यानु र्शेष रावे अविषारावे नेट ट्येंब क्रेब र्य र शुरा हे स्र र हे षा रावे र देव स्र अषा ग्रीट  $\hat{\varphi}$ त.जश्र.ची.पुत्र.यद.ज्ञूत.प्त.पुत्र.यद.ज्ञूत.प्त.पुत्र.यद.ज्ञूत.प्त.पुत्र.यद्व.  $\vec{\mathsf{L}} = \vec{\mathsf{L}} \cdot \vec{$ 

श्रवयः र्वा श्रवा वी त्यव्या सिर श्री र प्रते हों स्वया ने या ने या सिर श्रवा ग्री र सा स्वया सा सा प्यट्र.त्र.शह्टी  $\hat{\Psi}$ .पर्यक्ष.शबे.ट्यं.यर्थे.ट्रं.। यट्यं.यंबिश्रं.अथेश.यह्रपु.धूं.यंब्र चिष्रयातान्त्रीता हुता साता क्ष्या ग्री चिता ख्री त्री त्रो स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स र्वेत्र यात्र वात्र वात्र वात्र प्राप्त प्राप्त वात्र यविषायवतः त्वाः बूटाषा रटायेवेव कोटाया श्चाया स्वात्या स्वात्या विष्या स्वात्या स्वात्या स्वात्या स्वात्या स्व य. चिर्-तर-२४ विवायाला पविषया र्यायायाराया तर्याया त्याया स्थाना स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा पर् $_{}$ र्ज्ञ, त्युं, त्र्र्ज्ञी, त्र्र्ज्ञी, त्र्र्ज्ञ, त्र्युं, त्र्र्ज्ञ, त्र्यं, ज्रुतः ह्यूर प्राप्य त्या द्वा र्याया स्वाय स्वय स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय क्षराग्री,यट्रे,क्ष्रंट.वायुषाश्री,श्रटी,तायु,ला.चेषाविट.तार.क्षराश्चेटी,जा.पविट्या,पे.ग्रीटा,तापु,ग्री यत्तरः अच्च रत्रायाचे वाया परावीयाहः स्रेर विवाया सु खु राया सुर सूर स्वाची वार्या छ लायह्याबाता श्रीतात्रा श्री हुति राज्येषा वाषा या राय द्वारा स्वार्त राय स्वार्त राय स्वार्त राय स्वार्त राय स वर्षित्राची.भू.वया.टिया.पर्केर.क्र्या.ची.खुटायरामीजा.चपु.चसेवा.टा.पहूर्वाझुजावावटा चबुब चबुवाबाचित्रः भ्राचबाबबा भ्राचित्रः भ्राचित्रः भ्राचेता भ्राच ર્કૂચ.ઘી.ધિયાયા.ત્રેમુેન્.તેન.શ્રૂચ.ખત્રા.દુ.કેમ.તયેન.ત.તેન્. બર્ન્.પ્રિયા.બ્રયા.બેયા.હ્યે.ભૂત્યા.ઘી. लाचियाना सुवा सहिता की में से संप्राचित मुंदि सुरा वा वा वा निर्मा सिवा में पिराया में राया में र

च्याक्रक्षालाभ्रीलाटा स्टा निवानायुः क्राचाभ्रीचाताक्र्याका स्व्याक्रान् स्वावान्त्र स्वावान्त्य स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्य स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्य स्वावान्त्र स्वावान्त्य स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्त्र स्वावान्य स्वावान्य

लूट्य.थी.की.ट्रं .जया.पट्य.तपु.क्ष्य.पक्षेत्र.पक्षेत्र.प्रं .क्ष्य.धे.र.प्रं .क्ष्य.धे.र.प्रं .क्ष्य.धे.र.प्रं .क्ष्य.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.च्या.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.चे.र.प्रं .कष्य.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.प्रं .कष्य.खे.र.चे.र.चे.ष्

लट्तात्राक्षां स्ट्रिंस स्ट्री स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्री स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रींस स्ट्रिंस स्ट्रिंस

# *भेतु*'नतुब'न।

## वयन्य संभ्यं भूति । स्वत्य स्वत्य

### बिश्व पक्षियायायस्वविश्वायाः स्रीतः क्रेयायह्मित्य

प्रत्यायाताः क्षेयाः यर्षाः यो राजवेयाः राष्ट्राः क्ष्याः अर्ट्रितः स्वितः प्रतायाः स्वाः अरः क्षेयाः च.पत्तवीक.त्.क्षंपु.धिच.बूट.बू।.कु.च.पवीप.बुवी.चर्डूट.क्षा.चैका.वी 2ट.तू.अक्ष्य.बुी.कु. य। अक्ष्य याय या ह्या त्रीया मी क्षा मी वा क्ष्य प्राप्त त्रीय प्राप्त प्राप्त क्ष्य मी क्ष्य प्रवित्यास्ययाग्री के या र्याप्रयागाया द्याप्रयाग्याया द्याप्रयाच्या व्याप्ययाग्या व्याप्ययाग्या व्याप्ययाग्या के.च। वार्व स.र्वेव ब्री के.च। पर्वर स.से.श्चेत ग्री के.च। ह्य र्ट स्वं सदे के.च स्वाम सट. त्र.चर्यर क्रि.लूट.त.यंबा टट.त्र.अक्य.ची.कु.च.यी व्र्ट.ज.लूटब.चीवांबाक्य.कीट. प्त्रिं तप्ते श्रम् बिया स्त्रिं ता वे तप्याया सं चे रा तप्याया सं वे त्याया सं हो त्याया स्त्रुम् स्त्रिम स्त लॅंग्रे.ट्.ट.वुक.त.ट्रंब.ब्रैं.टीक.त.वुवा.हे। त्रि.कुब.चश्च.व्ट.शिव.वाचुवाय.ध्रॅ.टाचट. ण.चेबार्यवात्वरात्वा "पञ्चवाचनरार्टरात्वा अष्टासु के लॅंग्रे. ट्रे. टापु. विप्रणा पर्चे. टापु. शर्म्य राज्यू र. ट्रे. हे. मैंजा. त्रां स्वाया। ट्र. शक्र में भीया प्राया क्षेत्र. जा योश्यायायप्रिया।" वेयायाक्षराअन्याये मुत्तीया सिन्ताया विष्याया विषया वि ८८.बीय.शघर.यधुपु.थ८.थम.बूट.थ.शुट.तपु.शघर.चज.रची.पर्य.अध्य.क्षे.य.खुम.बीयाम. रा.वाट.ट्रे.ब्र्जा.पड़ीट्राथावय.ब्रु.चेट.स्.कुब.ट्रा.थर्ष्य,ट्रा.ध्रा.झैंच.लुब.जा ध्रा.झैंच.जीवायाग्री. ह्यासु तन्ना नित्र स्वापया पार्या मा मा नित्र मा मा नित्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत व्रिट. क्यारा विष्याता विष्टा द्वी ख्राया दिया थारा विषा द्वीया ग्री प्रत्या वया स्टा वी आवया या गीय मुकालय स्वापि अप रि. प्राप्त रामा है स्ट्राय रामा वार्षित्वा प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप योष्ट्रेर.क्षेत्र.द्रया.पह्र्य.पश्चर.ष्र्रेर.ह्र्या "भ्रूषाचनट.य्यापट्रेव.वैगी.श्रह्य.ला। यहर

श्रमः वाष्यंता या पट्टीयशा, खेळा विशेट्या या क्षेमः स्। ह्या या व्या क्षेमः या क्ष्या विशेट्या या क्षेम् या विशेषः य

यायस्विधाराः क्षें भें झुट सूट पूर्या स्थाय छ्या स्थाय हुट स्था स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स

ૹાયનું ત્વાપું  $\mathbf{x}_{\mathbf{x}}$  ક્રેન્ડ પ્રદીન હો. ભૂને તા મુની આયનું ત્વાપું  $\mathbf{x}_{\mathbf{x}}$  ક્રેન્ડ પ્રદીન હો. ભૂને તા ખૂને તા

८.२८.वावय.ज.अ८.तपु.अक्ष्य.बुवा.लू८.त.बु.बज.इं.वय.सूटी शवयाचीय.त्रैंगी.सै. र्वात्राचीया...चिताकार्यापायक्षिराग्री.वीय.क्ष्रायालीय.तपु.क्ष्यापवीता.ग्रवस्थ्रयाचीता हे. लट. थेट. जीवाबा टिट. । बीर. जीवाबा घर. जीवाबा बुर. टा. खे. घषट. कुब. जीवाबा जा. स्वाबादा. श्चैब.इ.वया.वया.इ.वया.भी.यटेव.वया.योशेश.द्रा.ये.जञा.पटे.द्रा.लूटे.ग्रीटा। शु.पटे.या. योद्भवाच्चे : श्रुव : श्रुव : श्रुव : त्र्व : त्रुव : त्रुव : त्रुव : त्रुव : त्रुव : श्रुव : ल.बू.च.टटा चल.इ.चय.टट.भै.बटेच.चय.बेध्य.चु.ट्.लय.कूंवा.ड्रे.चॅ.च.घ्ट.तपु. ट्र्य.ट्.ग्र्.च.ल्या श्रिय.इंग्रह्मायाता अट.ट्.श्रींट.उर्ट्याता जया स्नेट.च्याया छ.प्र्या स्री र्मवाबाश्चर्यामु । स्वावाबायायायाय स्वाविकारम् । स्वाविकार न्ना विष्युः स्वर्म्यायायि उत्तर्षेत्र व्या विष्युः विषयि यक्. यमिट. व्याक्ष्यायाः भटी भी. यटेय. क्र्यायाः यथियः वैट. पटेयाः तावु. प्रमेण. या. प्रया प्त्रियान्ता वे.म्.मुमार्येते प्तुम् मुमार्येते । स्त्रिमार्येते । स्त्रिम र्झव.बीटाजालटा से.सर्व ख्राप्त्रं ग्री.जूर सेटी पर्ट जियात हाराष्ट्र सर्व वया पश्चेत्रः ह्वायः पञ्चेत्यः पः श्रीटः त्वाः त्वटः र्ख्यः विभ्रयः वावायः पः वेयः प्रम्वायः यद्वा । त्वः ग्रीट.विज.इं.वेय.व्यायातायु.विज.इं.यत्यायाताः सं.टट.विज.इं.यट्र.या.क्य.ता.यायुया लब.भ.चिंट.प.पटी चल.क्र.प्र्याप.पर्केंट.ग्री.क्र्य.जियोब.पर्निट.ट्यूब.तपु.क्रै.शक््य.टट. मिट्रक्र्याची क्र्यापर्वेट्रिं पुट्रिंग्यमा "क्र्यासिवायाचीयायवरावीटाता खुर्यात्रीप्रेट्र अकूर्या.पे.पर्वट.र्थया.यार्थय.र्थयायाः कंट.र्खियायाः एव. श्रीया.से. कूर्यायाः तथा.कूरा.श्रीट.यीः जया कु.चर.चथवोब.त.र्भेशब.ज.ट्गूटब.येब.येज.च.पतवोब.त.र्ज.भी.पर्विट्य.पे। चर्नेय.त. चश्रमान्द्रन्तायायाः अत्राप्तान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}$ 

तर्ने र्वा वे केट रुट रुट व्या तर्वेट के केंग पते न्न या दर्द स्वाय में केट वी क्चा अक्ष्यं त्रीय त्या दे त्या त्या स्वया मी वे त्या प्राप्त मी विषय क्ष्य प्राप्त में क्ष्य में क्ष्य प्राप्त में क्ष्य में क्ष्य प्राप्त में क्ष्य प्राप्त में क्ष्य में क्ष्य प्राप्त में क्ष्य मे तथ.वथ.ग्री.श्र.ट्यातर.श्रेर.ट्यूयारा.पट्र.लट.। ट्रेट.यट.एक्येज.च.प्रव.ट्र.क्र.ज.पश्रे. बर्वः बुबः नर्ह्न्यः प्रायाः व्याः ग्रीः श्चाः व्येः क्षेत्राः नर्ह्यः हेः नर्ह्न्यः नर्ह्यः प्रायाः धवः वयाः श्रम् यानः नित्यानः स्वायते व्यव्यार्श्वयायते । तर्यो मः दिवा ग्रीः स्वतः निवा वयाः श्रम् य "वेयान ह्रिन्यायम क्रियान हेन्याय क्रियान हिन्याय क्रियान क् व.षुव.यर्ह्न.यर्.खुट.र्यं.वाश्वय.रट.श्चर.व.लट.यर्.शूर्यं.वी.लेवाय.रट.यर्षेव.त. चम्'र्ह्यून'ग्री'ख्रवाबान्दात्वाबाचमः'र्द्वाबार्क्यन्ता "वाबाने' अर्क्षव व्यवः र्ह्यूबान्वाबान्यान्यः वा ट्रव.मी.श्रेट.टे.अक्ष्य.यंश.हे.,ख्या.याह्रट.ट्रम्यातायटेल.य.रट.य.यंशेट्याता  $\angle$   $\angle$  તે, चुं ख़िश्रक.  $\angle$  तंत्र तंत्र ख़िश्रक. जियो क. ट्रे. पक्किंट. पश्चित्र त्यर. हु. क्षेट्र. या हूं  $\angle$ अ'चट्रे'Wट'ट्रेर'च्र्रे'शुट'च्रेट्र'ट्वॅब'च'वे'व्रेश्वे खेष्याणे'त्र्वे खेष्या के खेट्र' पट्याच खेग'ल'बिस्रम'तकत'च'र्स्'सु'८५'लम'तिम'बेन'बेनम्। **८**'भ्रीनम'विस्रम'टे'चक्क्ष्रूर' पर्ड्यामहिंदाप्ति प्राप्त स्थापन स्थित स्थापन स

 $\begin{array}{l} - \mathcal{L}_{\text{CM}} \cdot \mathbb{R}_{2} \cdot \mathcal{L}_{\text{CM}} \cdot \mathbb{R}_{2} \cdot \mathbb{R$ 

ट्यार क्षेट्यां शहूट तपु निवा में .ची क्षेवा वाष्ट्र त्यर तिवाबा प्रचाबा कुष .स्य .स्. कु. शे. व्याप .क्षेट .वी शहूट .तपु .चिवा में .ची क्षेवा .वाष्ट्र .वय .ची .क्षेत्र .च्या .च्य

શ્ર્વ સ્વ શ્રુવ શ્રુવ

र्तन्त्रः स्व र्तः क्रियः ग्री मुलार्धः वे रामितः ज्ञेवः श्रामा श्रामा स्व र्या स्व र्या मुलार्धिः मुलार्धिः मुलार्धिः स्व रामा स्व जीवाया.बूट.टी.चचट.ता.सेंस.टटा। यत्तवाया.ता.यट्या.मैया.ग्री.शबीस.जावा ,,उहट.या.घश. मिलात्.र्यात्यात्यम्या क्र्याचित्रयार्रा हिताहितावात्रस्याः, ख्राताक्ष्याः चीवाबाकुः सूबाबु त्यत्ववाबादाः झैं स्रोटावा स्वबाबबादाः मैलार्युद्धः दिनुः स्वाधारा देः लुषी चलाज्ञाक्र्यापर्वेटा २०९७म्बा स्ट्रायमा स्थान्या क्र्या हार्येटा स्ट्राय स्थान ट.मै.ववा.वी.य.कर.पर्सट.त.वायुका.ट.जव.शहज.च.उट्ट.र्जूच.बी.शूंच.जश.वी.उचुजाच.  $\mathfrak{g}$ યા  $\mathfrak{F}$ .  $\times$   $\times$  .  $\mathbb{F}$  . ब्र-त्यःक्र्यानम् नवो.पर्वयःक्रीःक्रं.चर्ख्याया ख्रिनःग्री.पत्त्रुयःत्याश्चरान्त्र्याःताःश्वरा षट्यः मुषः ग्रीः पञ्चवः पा अधवः विचः तुः प्रः पवेः प्रः प्रेवः पष्। वर्षे रः पञ्चवः पः प्रः वर्षे यपु. ट्र्य. ट्र. यविवाया. ट्र्यूय, ख्राचय क्रीया. ख्या. त्र प्राचय क्रिय. व्याया व्याय यथिट्यां श्री सैर्ययादेराद्रात्यायास्य वयाक्याह्याह्याद्यायाक्यां श्रीटाकुण अर्थे । ब्रिम् प्रविष्यां या प्राप्त हे क्रिक्त प्रवेश स्वर्थ । या व्यवस्थित व्यवस्थ । या व ब्राष्ट्रिय.त.र्त्यो.पर्येय.मे.ब्रङ्क्, येशवा.ग्रीय.त्यापः सूर्या.योयर.यं प्रहटः वित्रवा.शे.ह्यु. यक्षेत्र.त.ज.ट्रेब्र्ट्य.येथ.यंथेयथ.ट्रेब्य.क्ष्य.यंथेट्य.त्र.वेज.क्.क्ष्य.पंचेंट.*५०*८जय. पन्न-रिटा वर्ने:भूरावर्चे अर्वेद र्ष्ट्रयावयायान्नाम्याम् स्त्रीः वित्रयाम् स्वापि स्वाप्ते स्वापि स्वाप्ते स् येत्रषायाः भूरार्टे अर्ळराळे पति द्रुषा घराष्टार्येरा श्रूटा

त्रूट्र-त्रात्तवा.कुर्र-था.बैट्र-त्रात्त्वा क्ष्र-प्रात्ट्र। व्यूट्र-त्रात्तवा.कुर्र-था.बैट्र-त्रात्तवा.कुर्र-था.बैट्र-त्रात्त्वा क्ष्र-थ्र-विश्वा क्ष्र-थ्र-विश्वा क्ष्र-थ्र-विश्वा क्ष्र-विश्वा क्ष्र-थ्र-विश्वा क्ष्र-विश्वा क्ष्य-विश्वा क्ष्य-विश्व क्ष्य-विश्व क्ष्य-विश्व क्ष्य-विश्व क्ष्य-विश्व क्ष्य

'अट'न्ड्रव'म्री'के'न्। र्खे'मुव'म्री'र्ह्सन'न्धेव'केव'र्धेषा "न्'ह्रेते'ङ्ग'न'न्ध्यायर्द्धेषायात्रीः प्रांचर में कि प्रचेर के वार्ष के स्था कि स्था म्री.यर्वा.स्.मुं बय.स्य.क्र्य.मी.विप्रावायन्ति विषयातायन्ति विषयाता त्रवित्यः ह्वीव प्रत्यः क्रियं त्रायाः स्वित्यं व्यायन्त्रः । वेषायन्ति । वेषायन्त्रः । वेषायन्त्रः । वेषायन्त र्ने त्यात्रां वृष्यं वृष्यं यहार् राये राये राये राये राय्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया यशिषाङ्गिलातात्वया।,, कुयावात्त्वियाताक्षेत्र दितायी, क्रूयाताला सुवायायशिषा अध्य त्युप्त. श्चिमःसरः चोवाबासः तस्वाबासः स्थान् । नृत्यं व अक्रवा तस्य व व्या क्रवा स्थानः विषयाचीतात्वस्यान्त्रत्याः स्वत्रास्य क्षेत्रः स्वतः विषयः स्वतः विषयः स्वतः विषयः स्वतः विषयः स्वतः विषयः स्व वेषः भ्रुवः रुषः वाञ्चेवाषः ग्रीः श्रुवः प्रस्वाषः पः सः प्रापः । "न्रैः रूतः श्रुवः प्रापः स्रुवः क्षेतः विद् चषु.स्वाबाश्वास्त्रीया.सू.पाई क्षिवाबाःशावरःपूर्वा.ये.क्.क्.पर्शिटहै., ख्रासिवा.सूराग्री.श्रीजारा. रजानियायाञ्चित्रः, खेयायह्यात्राचीःश्चितातायह्यात्राच्यात्र्यात्र्यात्रा चक्षेत्र.त.र्टा, प्र्ट.\$श.त.पर्विट्य.त.र्ट्ट.श्येश.र्ट्, प्रूट.त्.श्चेट.श्चेय.\$श्य.तप्र.च्या. लास्राहिः धीषाः द्वार्याः स्टाईव र द्वारायाः ग्रीटारीः श्चिषास्रावरः वेषारावे र खेटारायः स्टार्क्वः

प्रीयाःज। श्रायशः श्रीयः प्रीयाः क्षेः त्यातः व्योशः विश्वः क्ष्यः प्रद्यीतः प्रीयः प्रायः प्रीयः प्रायः प्रीयः प्रायः प्रायः

<u> अ</u>८ पङ्गब दे द्वा वी देव क्षुब पङ्चिद केंबा ग्री पद्वा दें द्वा केंबा ग्री वाहे राव कुटा पट्टर.,,पार्वर थे.कि.पमें.कुर क्षेत्राकुटा।,, खुबातपु रूची ह्रायर्थ्य चीवाबातामीला ष्रष्ट्य.मी.र्येत्राचर.मीय.र्थ्यय.कर.मीय.लय.र्.सीज.मी.र्या.क्ष्या.सूर.क्ष्या.सूर.सीच.पमी. इंग्।८८.क्य.अर्ट्,८्यूब.टे.यंबेग्यातपु.ची.ची८थ.श्रेश.झूट.टे.खे.य.लूट.तर.खेश. श्.धूंट.स्व.र्वे.वे...क्ष.ट्ट.धूंष.कुर.धुंब.धूंट.र्वे.वि.चमै..क्ष.पर्यंतर.यर्वे.राय.यर्वेश पत्तवीबाताः ईतः सि.धूंचान्टान्त्र्वाचानुवानु । स्वावान्यान्यानुवानु । स्वावान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्य थिट.तथ.भ.पत्त्रीया.क्षेत्रमा वि.कृता.वार्मुल.वाञ्चभ.भकूटे.वाश्वभ.स्यायाञ्चे. तत्तवीयात्रपुरविषयात्रम् वाच्छुर्च्याच्चे म्रीटात्वे म्रीटास्व प्रमुट्र चुंव वयायेया रुवः म्री-र्ट्रे म्री-रामा तर्वर प्राप्त अपार्थिय म्रीन मित्र म्रीन स्वर्थ म्रीन स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ चक्कै.८८.क्रॅट.८८.क्र.चक्कैश.चक्र्रूर.च.चम्८.त.क्र्योथ.ब्रे.८ची.चक्र्ञांव्.बर्षु.८चट.टी. चिषाता क्षेत्र विदेश त्राव्य क्षिय क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षेत्र विदेश त्राव्य क्षेत्र विद्या क्षेत्र क्षेत्र विदेश विदेश क्षेत्र क्ष यट्रेव कुं अट रेट प्रव होट प्रायद हो ट्रेंट वा वेव ग्रेव ग्राव वा विव ग्राव विव विव ग्राव विव विव ग्राव विव ग्राव विव ग्राव विव विव विव ग्राव विव विव विव न्पन्यो ब्रॅन्स्याञ्चा अप्तेवार्याके गुन्यन्यन्त्रवार्या क्रिंवाका विष्या विषया योक्ष्याचीयानमूत्राचा निरान्त्रया निराप्त्या निरान्त्रया निरान्त्रया निरान्त्रया निरान्त्रया निरान्त्य निरान्त्रया निरान्त्रया निरान्त्रया निरान्त्रया निरान्त्य निरान्त्रया निरान्त्य निरान्त्य निरान्त्य निरान्त्य निरान्त्रया निरान्त्य निरान्य निरान्त्य निरान्य योड्या.वीबा.ट्रं.पट्.च्रं.च्रं.पट्या.वीबीटबा योड्या.वीबा.च्या.च्रेबा.पच्रिया.पा.ट्यो.पट्ये.पट्ये. स्वा. तम्मेर् . पक्क्वाया राष्ट्र . स्वर . तार्य . स्वर . स्व लालीय खेला है सारामा वाकिया वीसा है लासा ख्याना ही रहें प्रमुद्ध खेता से से किया वासा है से सारा सारा सारा सा यहेष.तपु.धूँष.ष्रुपु.४श.घर.लग.वैंट.य.र्रंर.रू

पर्टेश.स्य.त्यचेट्.सं.चट्ट्रेय.येश.श्रेथ.क्र्रा क्ष्रायाचेट्य.सं.चट्ट्रेय.येश.श्रेट्र.स्वा.ट्रेवा.व्या.क्ष्रा.क्ष्र्य.क्ष्र्य.क्ष्रा.क्ष्र्य.क्ष्रा.क्ष्र्य.च्रि.स्वा.च्या.व्या. जयःवाश्चेट्य.सं.क्षेत्रा पस्तवायानाःक्षेत्रश्चाट्ट्य.च्या.क्ष्रा.च्या.स्वायानाःक्ष्रक्ष्याच्ची.क्ष्रा.च्या.व्या.क्ष्रा.क्ष्र्य.क्ष्रा.व्या.त्या.क्ष्रा.

पवित्यास्त्रयाची के.टा.ची ब्र्टि.टी.टिंट्या.बा.चवी.टा.टीष्टा.कुर्य.सूच.त्र्या.कुरा.बह्टी.टायु. पविष्यार्ययात्रया "चश्चेताचन्द्राच्द्राय्या क्षेत्रात्त्राच्याय्या अर्घः हु हे ज्यू हे त यपु.ष्यमा।,, षुम्मूर्याम्।रटः। शि.मिष्यःसिटःयक्षेष्रःजमा ,,र.क्षेपुःश्चे,य.र्तनःयक्कियामः पट्रीः, ख्र्यास्यायान्ता याख्यालात्यस्यायाताः ईपुः प्रवासम् क्रुयः सूर्यान्ता प्रवास्यायाः म्री. ४ था. चर् । ८ तजा. सवा. सू. म्री. तथा. थाचर. तषु. म्री. था. याचर. तपु. जीट. तम्री या प्राप्त. पर्वे.चोर्यायाताः में अष्टूपुः र्यंत्राचर् ग्रॅ्यार्ट्स्याः चे.या. सूर्यः त्रा. कुपुः यिश्वारा स्वीयः सूर्यायाः शे. त्रविन्याक्रवा अद्वि वान्त्र स्वर्या त्रान्य विवा क्रिया क्रिया क्रिया विवा क्रिया विवा क्रिया विवा क्रिया विवा श्र्यातपु क्षे. त्री हिंदा द्रदा ह्या। व्राप्ता अक्ष्य प्रोति श्रुवा ख्रा क्षा व्या व्या र्यट.क्र्य.ग्री.क्रीज.द्यु.ब्राब.धी.पविंत्या। ध्रेय.क्र्य.पर्टेट.क्रा.पक्र्य.त.र्त्या.वाक्य. पहूर्या ब्रिट.यु.वि.तपु.पर्वर.क्ष्वायामी.अक्ष्यु.ट्विया। तश्चिताता.वीयाता.क्ष्यागी.अक्ष्या मृ.शुरा चट.क्वां सेस्यानी:प्रीय वित्रास्य स्वाय विता। गुरा प्रायः स्वायः स्वायः विता। गुरा प्रायः प्रायः प्रायः र्वायाः अक्ष्याः अव्याः अह्या। विचाः चन्नेवाः गुर्वेः भुँदाः चतिः भुँदाः चित्राः भूवाः चन्नेवाः अवि या.याह्यातपु.मीया प्यात्विमीटाङ्गमी.याष्ट्रपु.ता.स्ता.स्या.स्या प्रयाह्यात्याया.याह्नी.याह्नटाला न्वन्यच्यूर्या शुवायामळ्या वर्षेत्रा क्षेट्राचे स्वेत्या क्षिन्य क्षेत्राच्या स्वेत्या स्वेत्या स्वेत्या स्वेत शक्य.ग्रीयातमीया क्ट.भ्ट.क्र्यायायायेयाक्य.याट्टेर.चर्नेटयातमा प्रांसिटा जिवाबाग्री.पोर्ड्स्सेट.यपु.वायुया। लेंग्रि.ट्र.यायुवासीबार्याचीयासीवार्यात्वाया

त्रपु.यट्रे.पर्वेट.यर्थ्व.य.अह्या बी.पह्य.यट्वा.त्.स्वा.य.त्र्ट्युपु.अक्या क्र्यामील. ब्रूट. तक्ष्य. खेळा चीवाया श्रान् . स्राम्ही ब्रिन् के . तर्बे . तर्षे . त्राया या श्राम् । व्राप्त माना व्राप श्रात्य त्यात्र प्रति त्यते स्राध्य स् प्रतः ह्वायापाळे प्रतः त्रियाप्रचेति कुवा। यास्यापार्थयापाञ्चापार अपाप्यापाळे प्रतापाय केवाया हिंदा। वोबट.कृवोब.कृ.पशुर.पदेव,त्यं,त्यत्वेर.पाद्वेर्याचेर्या, वाक्रेत्र.पशुर्वेर्याचेर्याचेर्याचेर्यः त्र. स्व. श्र्या अर्ट्. क्वाया प्रकेष . जार्या प्रवेष . प्रवेष . प्रवेष . प्रवेष . प्रवेष . प्रवेष . विषेष . विष शक्र्-रियट.पर्श्वेर.बुट.॥ रू.इ.इ.वा.तपु.लश.यवट.मेश.शह्ट.त॥ ग्रीय.तपु.४४. योचुर्यात्राक्त्राक्ती.क्येता.स्.ाब्रेट्री यभाषायक्वेट्रियायहेवायहूवाल्याक्री.क्येत्राक्ष्याक्री स्थिता चनट.र्वाय.र्ज्य द्धे.वि.चीट्य.शुर्य.जा चर्चे राषु.धैट.र्ट्र.वाय्य.भीव.रच.वायल.चषु॥ ब्रूट न ब्रेंब अर्ह्न र्देन स्व कुयारी हिन्। नेट ब्रेंब बेट विन र वेर्त र वेर निवास तकर॥ श्रेष.रथ.योत्रुवाय.ट्वट.क्वेज.श्रव.ख्य.वचेट.वया। **द्वे.**पर्सेज.सूंचय.ग्रीय.पर्मे.च. पट्टेब.थह्ट.ता। क्ल.पट्टेंस.ट्यट.हीवा.शु.मे.ह्.ग्री.ट्या। क्ट्य.शक्र्या.याट्य.हूंट्य.पट्जे. नेट्र केव र्रा गानिक गुट्र हैक वट्ट ग

चलु.क्ट्राराष्ट्र-अंभ्राच्याः संभाग्याः स्ट्राच्याः स

त्तृः मूट्ट. ट्वच्या. ट्यूचा. श्रेशा शूटा. टे. ट्वच्या. ट्यूचा. श्रेशा श्रुटा. टे. ट्वच्या. ट्यूचा. खेट्या. ट्वाच्या. ट्वाच्या. या. श्रेटा. ह्या. खेटा. ट्वाच्या. ह्या. खेटा. ट्वाच्या. खेटा. च्वाच्या. च्व

क्र्यान्तर-देश्वाविशक्तीः के क्राच्चर-ट्ट-क्रिया-ब्राच्चर-क्रुय-क्राच्चय-क्र्य-ट्री-व्याविशक्तीः क्रिय-ट्ट-क्रिय-व्याच्चर-ट्ट-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच्चर-ट्ट-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच्चर-ट्ट-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच्चर-ट्ट-व्याच्चर-च्ट-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच्चर-ट्ट-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच्चर-च्ट-व्याच्चर-च्ट-क्रिय-व्याच-व्या

यहीत्यः चिस्। इट. योट्ट्यः चिट्टं क्षेट्यः अष्ट्यः तयः वि. लेवाः प्रवापः विवापः योट्टः त्यः वित्रः वि. लेवाः योट्टं क्षेट्यः योट्टं क्षेटं वित्रः योट्टं विट्टं वित्रः योट्टं विट्टं वि

#### **अक्तिग्नियान्यम् वर्षायायाः संस्थानेयानस्र्वायते अर्वेत्रार्येत्रार्येत्रायते तुः धेषा**

जारकटाङ्गटाङ्गाताःसूर्यामा। की.कुब.सह्टात्वटाष्ट्राङ्गटामा वर्षाताःस्वामा। की.कुब.सह्टात्वटाष्ट्राङ्गटामा वर्षाताःस्वामा। की.कुब.सह्टात्वटाष्ट्राङ्गटामा वर्षाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षाताःपाताःस्वामा। वर्षात्वामाःस्

(क्षटःक्षुःर्यापतिः हें हेते विष्टात्विषा ठापते वटा पत्विषाण)

#### |इयातदेव"द्यापाकुयाचातस्यायापाकृते ।व्ययाचह्रव पार्वेतातदेवया

ત્યા. લેખા તા અધ્યાસ્ત્રાસ્ત્રા સ્ત્રા તા સ્ત્રા સ્

(क्ष.पे.कूषा.ग्री.पर्विट.वायवातस्रेय.तपु.धुय.वुट.ग्री.तयाप.पर्यथा.घ.तपु.यट.तपीवावा)

### यानेषा कराश्चित्र लेषायदे देषा क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र व

ૄ ક્રીત્રઃ ઋતઃ ક્રીત્રઃ જેષા ત્રાત્વરે : ક્ર્યું! ત્રાવરા તું તું ત્રાં જેવા જેવા જેવા છેવા છેવા કર્યું! અર્જન याट.लाट.चर्चट.टे.श्रट.तपु.पर्टूट.क्रैज.ब्या.ब्या.लुय.लुय.वाड्या.टे.चेय.ट्याप.ही घ. क्षेट्रवाट्र बुवाद्धियार्झ्र क्रूर्य क्षयायीयायम्य विषय्त्र त्ये स्वर्यायीयायम्य विषय्त्र विषय्त्र विषय्त्र विषय् र्वेग्। अते 'पम् 'श्रुम' अपव 'पें 'मट 'वेट् 'ग्री 'पष्ठा र्ख्य 'ट्ट 'अधुव 'पते 'टेष 'पा 'येट् 'वेट '। ंबेट'यह'ग्नट'बेग'ग्रुट'देवे'ङ्क्ष'र्देब'ट्रट'यञ्चब'ळॅट्'बे'यह'ङ्कुर'अपव'र्ये'वेट्'ग्रे'यहेट्' पर्ट्राजाः हुंबार्वेषार्वात्राधिरार्स् पर्माधिरायावर्षः विषायायाः श्रेटा स्वा वी ह्या स्वा विवार्चिवाः सरासुषाः श्रुषाः श्रुषाः परिः देवः साधिवः पर्मा क्षेटः देः सुत्यः दर्देषः परिः दृषः विवार्षेवः क्रॅ्ब राये बुबारा रुव र ु.शु बिवा वीबा द्वारा राये र देव थिव है। द्येर वा पर्वे प्याय र देव र र यानेर पार्च अया ग्रीयापा सार सिंपा केर पार्चेया निया ठव त्या यो (म् वेया प्रायेवाया सुर अर हे जिव अर स्वायार्ट्रब्राचर्रुः स्वारायां मुर्मु स्वारायाः स्वारायाः स्वारायाः स्वारायाः स्वारायाः स्वारायाः स्वारायाः स मीलाम्बिमासुन् त्रीन् प्रमास्त्रीत्राचारा विना विमास्त्रमास्त्रीत् स्वाप्तानास्त्रीत् स्वाप्तानास्त्रीत् स्वाप ৾ঀঀ<sup>৽</sup>ঀ৽৽ঢ়ঢ়৽ঢ়য়৽য়৽য়৽য়ৣ৾ঀ৽ঀৢ৾ঢ়<u>৽ৠ৸ঢ়৾৽ঢ়৸ঢ়</u>য়৽ঢ়য়৽ঢ়ড়ঢ়৽ঢ়ড়৸ঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়ড়৸ঢ়য়৽ঢ়ড়৸ঢ়য়৽ঢ় भ्रुं - केवा धोव रपते र्यात्र राज्य राज्य । दे हेवा वावव विवा वोषा क्या श्री र केवा या वार्ष व। देट.क्व.बुट.कुब.तपु.ट्व.ज.ट्युट.श्लेचब.ट्र.वावेब.वुट.पु.वा.वुव.ट्ट.

 $\frac{1}{8} \angle \cdot \cup_{X \in \mathcal{A}} \cdot \widehat{\mathbb{A}} \cdot \widehat{\mathbb{A}$ 

चर्यान्द्रिंद्रिंदे से स्वाधित्याता स्वरायी क्या ह्येता स्वरायी स्वरायी स्वरायी स्वरायी स्वरायी स्वरायी स्वरायी য়ৢ৴৻ড়য়৻৸৻ঀৣয়য়৴৻ড়৻য়৻ঀৣয়য়৸ড়৸৻ড়য়৻৸৻য়য়৸৻ড়য়৻য়ৢ৸৻৸৻ৠয়৻৸ৢ र्वरात्र मुलार्यते त्रवाद्यात्या कवा त्रवाद्या मुलार्या देते त्रवा त्रवा मुलार्या नेता व्याप्त विकास विता विकास वि क्रपार्द्रगाः नु गव्यवाया ने रापा स्वरार्दे । देवा वाक्या हो पा खेवा क्रिया विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय अर्क्षेत्र न्वत्रवाणी वे त्राते केवा र्वायावा व्याप्ति हेत् हेत् । त्रित्र हेत् । त्रित्र हेत्। त्रित्र हेत्। अःतेःश्चिन् रहेषायायने धोत्रायन् वायाने त्याधान स्त्राक्षेत्राष्ट्रम् । स्त्राचा विवाधिन् । स्त्राक्षेत्राक्षु बेट्-व्रा <u>ब</u>ेट्-डेब'यदे र्वे'र्ट्व'ट्ट'डुट'र्टब'ब'याबुटब'यब'क्ट'र्बेट्-डेब'यदे केंवा हैव' र्रा तर्ति रेस केंगा मेया द्यात प्रमाय प्रमाय पावन प्या मुन्त केंद्र स्थाय कुरा क्षा केंद्र स्थाय कुरा केंद्र चर्चत्रः मुःश्चिदः र्क्षः यद्यः यात्रः "वदः वृदः त्येः श्रेषाः भ्रुतेः कचः श्चेदः त्यः यात्रेषायः र्क्षः" वेषः ददः। "मुर्याक्तराञ्चेत्रमहॅत्र्व मुर्यो अवस्रागृरहुर्याक्षर्याक्षरास्त्रम्हे"वेकरत्रा "स्रुर्योक्षर्या ह्येट.वु.ह्येवाबानवुरानक्केटी वट.वी.विन.ब्य.वु.क्षेव.पु.क्षेवा.,कुब्रास्वाबाबान्यः र्येतिः बिटा। ह्येरायार्ययायाः स्वाप्तात्वात्तात्वेरा बेर्या हो हिंदा व्याप्त स्वाप्तात्वा स्वाप्तात्वा स्वाप्तात्वा स भ्रम्यान्त्रात्वे सार्वेत् प्रमाने सार्वेत् वेता स्तान्त्रात्वा स्ताने सार्वेता स्ताने सार्वेता स्ताने सार्वेत क्ष्यात्रीय है। त्रा क्षेत्र दे त्या वर लयाया तर विषय स्वाया स्वय क्षेत्र स्वर्म हिरा क्रिंग.र्टट.श्रह्ट.ब्र्योब.एवोष.खेवो.पर्शिंट.य.लटा क्र्यो.ट्रे.र्वा.खे.बर.वो.र्टेब.श्रेंर.ता ८८। भ्रम्यादेवः बे.म.५८: देटः वो.बे.म.मविम.पर्देश्वः स्वाम.८६८: द्वीम.प.प्यापः रे द्वटा अर्देर व गवद त्वावा वदे वेषाय या वव रचेंदे चेंद क्षेत्र सुवा दिंता देंदि क्षेत्र सुवा देंदि क्षेत्र स चिट्याला चार्त्रेत्रात्रा स्ट्रेन्य या स्ट्रेन्य स्ट्रेन র্থম.৮.শ্রিম.পঝ.৴র্মীম.ঐ.েকে৴.পী

यवाया सुर.त्.वोसुरा ट्यार.त्.टिला चि.त्.वाचा टिसर.त्.स्। वसुर.वी.चीटा क्रूच.स् खी त्याक्रूच.वाचेया ट्वा.स्.या व्यर.स्.र्स ट्यार.लवा.वाट्या चि.लवा.ह्य सुर.ली.झटा क्री.ह्यट.  $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}$ र । पर्वायाकाती वालटार्याराखेवाः क्षेत्राक्षरार्याः विवा त्रीत्रात्वाता विवा क्षेत्रात्वाता विवा विवास यर्ह्ने रात्ते अराह्मे विरक्षा अराह्मे यात्रेषा यात्रेषा रुवा प्रवास राज्या प्रवास राज्या प्रवास राज्या प्रवास यालट.ट्यार.के.चे.पब्या.बह्या.वाट.टर्ट्र.वर्ड्ट्र.क्र्या.क्ट्रा छिट्.क्रुट.वर्क्र्या.क्र्या.क्र्या.क्र्या.क्र्या खिट्र विविद्यः इत्र न्या अह्या मुख्या विविद्या व यव कि.वारा कि.वव. के.वि.विट.श्रट. ब्रह्म. ये. हैं र.च.रटा वायुर. श रेटिल. शे रेट. मूर्ता विलाखान्त्राधान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान यर्ड्र-ति.सु.स्रियोमा मु.र्-योमा योटमासुरा। मक्क.योज्ञया से.सी.प्टा पर्जिटासिटमार्टा ह्रीता य.मि.ह। यूर्याश्वरा घेटाः व्ही पहूजाः तूराः की.वी.यटा। मि.ला.प्राच्याः वाष्ट्रीयायाः वाष्ट्रीर प्रया बर्या ब्रियाय. र विया विर स्था क्षे. य . र र । यावय . या . वे . अयु . त्र . वे . या वे . श.भै.सी.कै.श्रट.पर्ययाजायध्यायात्राट्टा श्रेट.कूट.यी.यात्र्य.पर्येताताजास्त्रीट.कूटा चर्चन्त्रः सं.ची.पर्चय्राश्चटः क्री.ज.चर्चय्वायाताः सं.ची. स्त्री वायपः इत्युषुः श्रः क्षयाः स्रोजान्त्रसः वि सुवाबान्यस्प्रान्यस्प्रान्त्रम् मुकात्रक्षां पालेषा प्रेतास्या देतास्य देतास्य स्वाप्तान्यस् श्रीट.टार्ट्स्ट्र.तम.टार्क्न.घटाया.श्रीट.ता.जया.स्ट.श्रीट.तपु.होजा.पर्क्ट्र्वा.कवा.बुवा.या.लुवा.क्षेत्राया वर्ह्न-द्र्याद्र्यात्राध्यात्राध्यात्राचीत्राच्यात्राक्ष्यात्राचीत्राच्यात्राचीत्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य र्तुर.यी विर्.योधु.मी.ज.विर्.कूथ.र्याय.ययो.योधुय.तू.योर.लट.अ.ब्रीय.क्र्री विष्य.षाक्र्य. ग्री:कु'यादीब'र्र्य'याद'धेब'र्नेब'र्नाव'बेट्। छिट्'र्केब'र्नाम'ब्या'यादीब'र्र्य'याद'बेवा'ड्यूम' क्र्म मु गानियार्या गाना धेरा धेरा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

पा ह्याया चेटा | ट्रे.लटा यटा ग्री.क्र्या प्रक्रिया विश्व या अथा ख्रीटा हुया या अथा क्षेत्र क्र्या प्राप्त प्रकृत प्राप्त प्र

ख्या.कृत.ता.या.कृया.या.कृट. या.वा.कृट. ट्या.कृट. ट्या.कृट. ट्या.कृट. ता.ज्या.क्या.प्यी. प्रका.प्या.या.कृट. या.कृट. या.कृट. या.कृट. या.कृट. ता.ज्या.कृया.ज्या.कृया.क्या.कृट. ट्या.कृट. या.कृट. या.कृ. या.कृट. या.कृट.

ला ची निर्द्या त्यर कुर्या ची निया का सूर सूर स्त्रिय स्त्रीय त्या का सूर सूर स्त्रिय स्त्रि

देश'व'भ्राचरा'हेर'कव'श्चेद'ठेश'ध'यांर्क्ड'र्चर'कुथ'र्ध'वेषा'ख'दिवद'दिव''यां कु लाम्नियाध्येत्रामे। द्येत्राम् अप्तायाची स्वायत्राध्येत्रायते मूंवाद्या स्वायत्रा क्षेत्रः तार्यः क्षेत्रयः अत्यः चतः क्षेत्रः क्षेत्रः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः चिवायान्तः कुः र्बेरावीः क्षेत्रया स्वायान्ता अन्तर घनः वी कुषार्याने वा अन्तर विवाया स्वा तपु.बैट.क्रे.ब.ब्रिंब.कु.क्ट.ज.ब्र्.च.टटा ट्रे.चबुब.क्रेज.विच.कुब्र.च.लट.क्रेज.त्रुंद्र.विच. ड्यान्ति नह्या क्षेत्र हो। कुथार्य विवास न्तर नित्र में स्वार्य स्वार्य स्वार्य न्या हो। स्वार्य हो। से स्वार्य लब.क्य.ब्रुट.कु.च.कूब.कट.वर्टिट.रचब.ग्रीब.बर्ह्ट.त.बु.ब.बीट.ट्र.,,खुब.पटीट.चब. ग्राट मेबा मेटा धुवा देर वाब बारा ते वाई र्य हो हावारा बेवा वी केट धुवा दे ते ही केट रू तर्निन्यावी मुःबर्क्वते वटार्दे नायार्षेषायायावव प्यत्यायान्य यात्रायावयायान्य विष्या ह्ये...ब्रें...च्ते..श्चेंट..ट्ट.। त्ट्.ह्.ह्यवा.योल७.योश्चेश.झट.र्डूट्य.ट्ट..चक्य.त.योषया. ग्रीट.याङ्क.षु.यपु.सु.म.वाट्याङ्किट्याबुयातपूट्तरायबुचा "स्रिययाबु मुंदिरायो स्था चबुबर्गा लूबर्थ्य भीबाबुरमुबरलाबारायरावाबीट्या, खुबर्गा क्षेत्र मिलातूर खुवा हो. 

प्यानमाञ्चेया त्यानमाञ्चेया त्यानमाञ्चेया त्यानमाञ्चेया

त्तु मैल मैट पट्टी सुर्या स्ट्रिटी सुर मैल मेट पट्टी सुर मैल मेट पट्टी सुर मैल मेट पट्टी सुर मेल मेट पट्टी सुर मेल मेट पट्टी सुर मिल में सुर मेल में सुर मेल में सुर मिल में सुर में सुर मिल में सुर में सुर मिल में सुर में सुर

हैं। शूका ग्रीका क्षेता त्रा न्यां व्यान्य स्था त्या स्था त्या स्था त्या प्राप्त निवास हैं। शूका ग्रीका क्षेता त्रा निवास हैं वा कार स्था त्या प्राप्त निवास हैं वा क्षेता त्रा निवास हैं वा क्षेता हैं। वा क्षेता हैं।

प्राज्येत्रित्वयाञ्चर्याञ्चर्याद्रीयवार्ते त्याद्रीयात्र मुक्षात्र मुक्षात्र मुक्षात्र विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्य रिला चर्या क्षेत्राया बेया प्रमित्रा प्राप्ता व्राप्त प्रमान प्रमान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स पवित्रा।, खुराताक्षेत्र मुँटातवु वयावाञ्चात्र र्यटा पश्चितात्र मेलात् प्रशासाख्या र्शित्याली श्चीत्रत्रिकात्त्रात्त्राचीकात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्रश्चीयः चतु.मैल.तू.र्टा ट्रे.ल.धूंबावबामीट.वाश्वेषाक्षाल.र्टाटा.ट्र.ट्रिल.र्टा.पटी.चर्टा विष्यायान्त्राचारा अस्यान्ता विष्ठवा र्ष्यायान्त्राचारा अध्यायान्त्राच्या स्थाया पर्श्वेर.पपु.मैज.त्.षुबा.पर्ड्र.त.जो होबा.पर्शे.घ्य.यंब्रेर.यंबा.यंब्रेर.यंब्रा.यंब्रेर.यंब्रा. पश्चिरःमुलःस्वाबःसुन्दि-'८अःश्लेशःश्ले। देःश्लेषःवाबेरः'८५वः'रटः अर्क्षवःपदिः'त्विरः'स् विवा धेव व। वाध्ययः ह्र नाबेर याषा श्चवाषा रेवाषा चह्रव के विट ह्यें ट ह्यें के च ख्रा या श्वरा पर्यूर.पूर्यायक्रीय.प.र्ज्यातपु.पूर्यालाता क्रूय.क्री.योय.पी.क्रुय.तू.क्र्या.तू.क्र्या.तू.क्र्या.तू.व्यूया. अञ्चल'तु'त्व्रिंर'र्वेते'र्देर'र्के'र्वेत्'र्वेत्'र्वेत्'र्वेत्'र्वेत्'त्वेत्'त्वेत्'त्वेत्'त्वेत्'त्वेत्'त्वेत र्रा. ट्र. या. त्रा. त्र त्रा. त्र त्रा. त्र त्रा. त्र पश्चराचेराचा स्राप्तिराक्षेराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राचा व्यक्षेत्राचा व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्या व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्राच्या व्यक्षेत्राच्या व्यवच्या व् ८८.८शय.च.ज.प्रच्यमाता.बुमायाट.बुमा.८यट.चश्चिमा.यप्र.त्याचट.टय.स्रास्य. <u> रव्यव ग्वान विवाधिव ग्रामा मुलार्स म्हान विदार हिन्द्यवा प्रमान विवास ग्री</u>व स्प्रमान हिन्द्य । पर्वर.पर्श्चर.मी.विट.क्र्य.के.विर.अट्र.मी.तयात्यत्वटातर.मैट.पषु.क्षेर.स्

ब्रमःश्रीः वृवा चित्रमःताः मान्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः व्याः श्रीः वृवा चित्राः स्याः स्यः स्याः स्याः

बट्ट, लट्ट, श्राचुब्र, थ्रट्ट, विट्ट, क्रिट्ट, येल क्रिट, विल्व्य, लाली ता क्री. क्रिय, स्ट्रीट, येल क्रिट, विल्व्य, क्रिट, विल्व्य, लाली ता क्री. क्रिय, स्ट्रीट, येल क्रिट, विल्व्य, क्रिय, विट्ट, विट, विट्ट, वि

चर्यायान्त्र्यान् कृत्रात्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रात्ये वायायान्य स्त्रात्यायान्य स्त्रात्यायाः र्-दर्चर मूर्-अविद सूर्-जिर्म हीर खुर खुर चिष्ठ अंश जीया चुर च खुर खुर ही चिष् च.क्षेट.कुवा.लुब.धे। वयाबा.वर्गूट.कैंट.पह्र्य.क्षेत्रव्य.ग्री.चय.वर्ल्या.जा.खुटा.पह्र्या.वाध्रेया. गा.लूट.तर.ब्रूब.भ.च.ट्यूब.च्रट.। चर्य.वालूवा.जशासीवाब.टट.खुट.चर.जशासीवाब.चु.ह्यू ८८.वे.चव.वु.वि८.तर.जब.४८.८८८.चट.वूट.घट.वु.वि८.तर.कुष.तू.टु.उट.खुव. त्र्रः भेट. थट. व्र्य. ट्याय. त्या त्याय. त्यूर. क्रिंट. यह्य. टट. च्य. यात्र्या. त्याया व्याय. व्या चय.वाल्वा.यश्वा.तावट.वुट.टट.धू.च्वा.टटज.ध्वाषाय.पटज.व्यायप्यायरेषे.कुं.र्यूर.वाट. लट.लूट.थु.कूवं.त.टटा ब्लैबं.यटवं.वृथा.चंबं.वेलूवं.यसट.तर.जेबंबा.शबंबं.जस ब्रिम्म न्द्रात्तेयाचा यादा स्वादा स्वेदा स्वेदा स्वेदा स्वेदा स्वाद्या स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य र्ट्रवायान्याम् । त्या श्ववाया चवा वी प्रज्ञाय वया यहिवा स्त्री । देया व प्रत्या प्रवाय । विवाय । विवाय । विवाय पर्मे. त. श्र. ता. ही. क्र्याया अया वि. क्र्याया खेया ही त. खेटा। ही क्र्याया हे प्रायाया या प्राया श्रास्टाया पट. अधेत्राची. सू. चंत्रा अट. सूत्रा त्या मीचे. पहूंची. ची. सू. चंत्रा सूची. तपु. मीजा. त्रां ता सूत्रा ता ८८। यट.वर्भूब.तपु.मैज.त्.ट्.ट्या.वृब.त.र्वेज.वे.पह्र्य.चेब.ताक्यतावावाच्यूट.कैंट. पह्र्य.मुर्.तपु.लश्र.जीयायार्भेर.खुर.। जश्र.जीयायार्पुप्यर.श्र्र्यार्प्यायायार्प्यर्प् ह्रा.क्रव.मी.मैज.स्.पवाय.बुवा.मुबा.मैज.स्.वाषय.टट.पर्चय.टर्झ्य.रश वाषय.जग्र.

क्य.प्याच्य.ज.च्य.वील्वा.जथा.जवाय.जवा.यक्षेत्र.चेय.त्र.चेय.क्षेत्र.चेय.क्ष्य.त्य.क्ष्य.त्य.क्ष्य.त्य.क्ष्य.त्य.

पट. बुट. सूर्यायः श्रट. तथाः स्र्। पट्यः बुट. सूर्यायः श्रट. तथाः स्र्। पट्यः बुट. सूर्यायः श्रट. तथाः स्र्, विकार स्रीतः त्राच्यः योष्याः प्रश्नः स्रीयः स्राच्यः स्राच्यः स्राच्यः स्रीयः स्

 $\frac{5}{8} - \frac{1}{4} - \frac{1$ 

यश्चात्रात्मात्रात्मात्राक्ष्यक्ष्यं क्ष्यं व्याचित्राक्ष्यं विद्यान्ति विद्यान्य विद्यान्ति विद्यानि व

 $\begin{array}{l} \pi = \frac{1}{2} \cdot \operatorname{d}_{\widetilde{M}} \cdot \operatorname{d}_{\widetilde$ 

योश्चर तर्ड, ट्र.जूर्या. यो. धेश. ता. २४ . ईश्वर तथा. तथा. शु. ५८ . क्षेत्रा. यी ही थे. तर्या. योश. तथा. योल्या.पश्च.ता.लट.ट्र.ज्या.पश्चित.तपश्च भीच.श.पभीबाता ह्या.ह्या.टी.पर्ग्ने.पा.श्याबा ब्रुव प्तर्वा वित्र वित्र भर र्वेष प्रायम्बर हेष रे र्वा वी केष रा प्रमुस्क क्षा प्रमूर्य लमा खेमानाचारामार सूर्य की. शर्रात्र प्रत्या प्रमानिक विष्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा रातः चर्वा वर्षावा विवा प्रमार द्वा अप किया वर्षा था तर्षा था तर्षा प्रमार प्रमार विवा विवा विवा विवा विवा विवा वया. ह्या. विषया. स्वा. योव. स्त्रा. त. त. त. त. त. त. क. म. ह्या. स्त्री. स. म. म. ह्या. ह्या. स्व भैतराशु.शट.ग्रेश.टल.क्र्न.पचयात्त.ल.ट्नग्रा.तपु.तप्त्राच्चतःह्चतःह्यतःश्व.पट्नःश्वेशःव्य चय.वालूबा.क्ट.भ.भी.वा.चु.च्या.तपु.चूज.अट.क्षेचया.वक्ष्य.ता.लुय.ग्रीट.वक्ष्य.कूं.वक्ष्. प्रमुषानुन्। या वा या ता स्या हैया वृषा वृषा विषय । या वा विषय । या विषय । य योल्या.वी.पक्स.पपु.चट.अंशवा.विम.चेब.ल्ट.प्र.म् ट्रेब.प्र.मी ट्रेब.य.ही.क्स्योब.क्.ही.यायेब.तम. शु.पर्ट.चपु.विट.तर.चाकुवा.लूट.त.ची इ.अपु.ड्री.क्र्याय.श्रेचया.चर्च.वार्ष्या.वार्ट्रट.शावय. ल.मैज.त्.र्ट.श्रम्य.यर्वा.कुब.यर्ड्स.वब.ही.श्रपु.श्रीयब.मैयब.मैज.विय.र्ट.वीस.विय.रेस. खेबाराङ्ग्रह्ना स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य इत्राचित्र स्थात्य स्था स्वायान्त्र्यं व्याञ्चि अपु स्वायायाया अत्यन्त्रः श्चियान्यः वियान्त्रः वियान्त्रः वियान्त्रः તના શુ.ષट.પ્રોट.સુપુ.ઋપમ.મું.હુट.त.तत.त.त............. चब.चालूचा.झु.कूर्वाम.औपम.मु चय.वाल्वा.तज.ता.बुवा.वाबुबा.वर्षेत्र.या ही.पक्क.त्र्याबा.स्वाया.वीया.ग्री.ट्याप.र्ज्याया धेव'न्न-'नु'न्न-'धन्'। न्यात्र'र्झ्'वार्ड्न-'योथ'न्न-'गुव'र्झुन्'न्वा'हेर'र्खवायावनः मुत्रमायावर्ष्य विवायान्त स्थानस्था स्थान বস:ঘবা'বন্ধব

शावयः मिन्नायः व्याः मिनिन्नायः द्याः त्याः व्याः व्य

 $\frac{1}{2} \int_{-1}^{1} d^{2}x \cdot g \cdot g \cdot d^{2}(x) \cdot d^{2}$ 

$$\begin{split} & \Delta \hat{S}_{i} \underbrace{\text{gul M.}} \Delta \hat{S}_{i} \underline{\text{al.}} \text{C.C.} \text{$$

युः घटका मुंबा म

बैट्. मु.क. बंबा खेश क्षेट. क्षेत्रशासट त. सूट्रत्य हो . सूच्या हो या . सूच्या . सू

. मृ. पञ्चितः प्रवेतः प्रमः अर्थेटः विटा। देः क्षेत्रः ग्रेटः प्रसः खुत्रः अँटः वीः वार्र्सः वार्रेवाः प्रवेताः त्र अर्घट वया तर्भेया ताया अट र्पया त्या राति मुलार्प विषा हेर रेया प्रया के हो यावत ८८.योषय.ग्रीथ.ग्रीट.मैज.पड्या.ऋज.पजीय.स्याया.घटायालघाटी.अपु.स्री.यया.मैज.त्रा. चभूषात्रम्ने व्यादेव। कुषार्दाने प्वाप्तावीषान्तः कार्यः वी. सुः कुन्यः वाषाः वाषाः वाषाः वाषाः वाषाः वाषाः व क्र्यान्त्राच्यान्तरे मुलार्यात्वादा हिवा व्याच्या व्याच्या व्याप्या त्या व्याप्या त्या व्याप्या व्याप्या व्या अर.म्रील.त्.तम्ब्रादा.यु.तम्बे.क.ट्यी.तर्छपु.श्र.श्रट.यु.प्रि.तय.कुट.लुय.तायश्री शवर. र्वा.ग्रुट.भैज.विय.पविय.खुवा.मै.कूब्र.बुट.बेट.पडुज.मुट.तपु.लश.जीवाब्र.मीट.र्र. बिटा टे.ट्वाययाके:चार्च कुयार्च रेटायुवायाययाययाययायवायाक्रीटायदे विट्यासु विद्वारा वार्ष्याया विद्वारा है तार प्राप्त के विद्वारा विद्वार विद्यार विद्यार विद्यार विद्य क्रपःश्चित्रअवमान्त्रवः स्थ्यः क्रपःश्चित्रः श्चित्रम् वाष्ट्रपः वाष्ट्रपः श्चिमः वाष्ट्रपः श्चिमः विष्ट्रभः व घट.वाक्स.त्र.चिषाताः शट.वाक्ष्युः स्टालवाषाः नटा। नु.जयः र्ज्ञवाः तावाक्षवाः सून्। न्रायाः वाक्षवाः सून्। न्राय इटबालियोबात्राचिकार्शिटाचारप्टी सूर्यायोटामुयोबातात्यवाबातापुः मी.शक्क्.याचुरामीला  $[1] \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2$ त.श्रेट.त.बोबूच.भ्रेट.चु.च.टट.उट.चयु.श्रु.बूबाब.उट्बातपु.मैज.वच.ट्र.चु। ह्ये.ब्ह्ज. यंत्राह्म. ब्यामी. कु.लाट. क्री.क. वियाना मीट. वीया त्याना प्रती । वटा क्रेय. विवा निटा तर्रा ना श्री पश्चिंद.रश्रा

#### यशिषा पत्तवाबाराः क्षेत्रः श्चिट्रिट्यटः वी श्चिट्रः देशा

भिट्यंत्री, सं. खुवा, बु. था. लुब. त्यर अस्था विट्यं विया, वे व्या, बु. था. लुब. त्यर अस्था विट्यं विया, यो विया, यो विया, या वि

पक्क्चीबाका-प्वा्वाना-प्वाञ्चवाप्त्येवा विक्रांग्येश्वान्त्रा-प्वाञ्चवान्त्रा-प्वाञ्चवान्त्रा-प्वाच्चा-प्याच-प्याच्चा-प्याच्चा-प्याच-प्याच्चा-प्याच-प्याच्चा-प्याच-

क्य. अर्ट्र. प्रस्वाय. त. क्षेत्र. ज्ञीट. ट्यट. वा. ट्य. ट्य. ट्यं. ट्यं. या. या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या म्री.क्य.भर्षुप्र.जू.क्ष्य.लब्रा ,,पत्तवीबाताः क्षे.भ्री.स्रीट.वर्षिष्याताः असूटायाः सूच .त्विर्वास्वयः न्ह्रं कि.यो प्रयानविष्यं प्रयानविष्यं त्राचित्रं विष्यं त्राचित्रं क्रियं विष्यं क्षेत्रं विष्यं विष्यं विष्यं अदे तहत मा अर्क्ष्य सिटा प्राची प्रति भी में अदे मा में विषय में में प्रति स्था में में स्था मे तत्तवायाताः क्षेत्रभुः खेटः देशायवायावेवाः सून् तहेवः भ्रुष्टः देवा क्षेत्रः क्षेत्रः खेनः खेना क्षेत्रायाः व ट्र्य.क्ट.अर.ब्रैंट्.,.कुथ.पातूट्री ट्र्य.पट्ट.केट.पि.वोशज.ट्.अ.चेट.य.पत्वोब्य.त.र्जंपु. तर्वाःश्रेश्वरत्तेः त्वाः ह्वाःश्चेः श्चेत् देः वेः गुराव्य म् रावे सः द्वार्यः त्वायाः तर्हेवायाः ह्यूट होत रात्र प्रति देव ध्येव वा दे राद्य विवा राद्य प्रता राद्य द्वा राद्य विषयः व्यास्त्रीतः श्रीतः अतः त्याः श्री श्रीतः तयवायः याः श्रीः श्रीः श्रीतः वीतः याः स्रायाः स्वायः अत्रार् म्रिनमारान्द्रमायमान्त्रम् विषयान्यस्यानी त्यानामानामान्यस्य स्वापारमान्त्रम् स्वापारमान्त्रम् यथिभारा.खेलाक्रा.भाष्ट्रय.स्य.संय.(२५(२५)-१८०८)ग्र्ट.द्राप्र.पविट्यायया.द्री.ज्र. १५५० व्या क्या कर्म में में प्राप्त कर्म में में प्राप्त कर्म क्षेत्र वयमामि.अष्ट्र.स्वातीपान्त्रयमानापुः स्ति देःहमामि.स्ति.प्र.पेत्र स्राप्तवायाताः सः तहराषाच्याकुयार्वते प्रतान्त्र स्वेत्रायाप्ता क्षेत्रं गुप्रदेशे वेदावि द्वराक्षण स्वर् क्र्याह्रियः विष्याचेत्रयापाध्येत्र छिटा। व्यादेराम् विष्यक्ष्या विष्याचेत्र विष्याचेत्र विष्याचेत्र विष्याचेत्र

तत्तवाबारा सं.क्ष्या ष्रार्ट्स क्रूबा ह्रिया हि ता स्विच बारा है से स्वाप प्राप्त स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्व.पर्व.वायुवाबी वायवा "मि.ववा मुन.स्.विट.ज.स्व.स्र.प्रिया मुन.वार. मैल.त्.बुट.बट.से.क्षेत्र.पर्ह्ला क्षेवा.वाच्चा.मैल.त्.लिवा.ल.क्षेट्र.क्षेत्र.पहटा। वा.ब्रूर.मैल. त्.वृष्ठेषु.विंर्वाव.क्षर.कृटा॥, खेळाता.टेटायटायरामी.यवा.ट्रा.धुटाथईं.टटाशूवा.त्.क्स्.विवा. यट.त्य.मी.यक्.कुय.त्र.थे.विं.ययामीयायोष्ट्र.य.क्षेत्र.मीट.यधुय.तपुर्यःस्वियात्त्र्यः श्चः अः रतः अर्गे अः र्ह्च राः या गिवः र्विते व्याप्तः यद्वे वः सः प्रविषाः छेषः प्रविः द्वे वः स्वाषः त.र्ज. षर्घट.त.र्ट्य.र्जय.ज.र्थं.ट्यूय.तक्षेय.ग्रुट.वाकुवा.तपु.श्रुय.मैज.यूट.शपु.पहप.श. पति'सह्य'न्ट'पर्छे'श्व'पति'त्वे विद्यान्त्र'स्ट्राचेर'स्ट्र'स्ट्राचेर'स्ट्र'स्ट्राचेर'स्ट्राचेर'स्ट्राचेर'स्ट्र'स्ट्राचेर'स्ट्राचेर'स्ट्राचेर'स्ट्र'स्ट्र'स्ट्राचेर'स्ट्राचेर'स्ट् ट्रे.भैययायाभारत.ट्रे.यधुव.वाचेवावारत.ट्टा चिष्मवाष्ट्रवाष्ट्रवाचीतात्राची. वया.मे.यारव.रटस्य.स.रटः। सर्या.र्चीय.यार्टरःक्चिर.प्रयापः ख्रिया.रटः ञ्च.क्वेत्रः श्रारद्यंत्रः ।यः चेब्र.ज.पहर.ब्र.ब्रीट.त.ब्र्वाब्र.ब्रीट.लूट.ग्रीट.। लज.कुर.टेब्र.प्रवब्र.वर्थे.व् पर्द्वायात्रवायात्रवायात्रीयात्त्रप्तात्रीत्रात्त्वायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवाया शुर्ते त्रिक्षायायाः श्रेष्ठितः अर्देते क्ष्यः हेते हिः वायेषायति । त्रिक्षायायायः विष्यं हे। विष्यं प्राप्ति विष् द्यान्रा श्रीता मिला प्रत्या ग्री तहता या त्रीया त्रीता त्रीता श्रीता क्षीता की त्रीता स्था श्रीया

योयाताचा बार्ट्र विश्वयाशिय खारा ह्यें ये खारा प्राचित्र हो। वेदा हैता चार हेर हे चित्र वी खेट क्रेव र्रोते प्रस्था क्रेंप पष्टेव पति प्रस्था च्री विष्य क्षेत्र स्वा च्री स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व त्र्यासियो. पथेत. त्रं या प्राचीटा । विट. विट. ता क्र्या ट्यट. चीवाया ता स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स् तपु.विच्यार्थाः स्थात्राः सुर्थाः तार्या विच्यार्थाः विश्वाः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः र्येष्ट्रा.मी.षाष्ट्रपु.ह्रंबा.चक्षेष्टाता.पह्र्य.ह्रांबा.चय्रावाच्या.ह्या.ह्या.व्याच्या.व्याच्या. चबु.त्रम.प्तवीय.त.र्ज्ञ.अक्वी.वी.श्रीय.श्री.चबूट.व्यथ्य.र्यम.क्य.त्म.क्यि.त.ट्वट.द्यु.ह्री. र्यात्रीत्। श्रियाःश्रीः देशाः श्रेतः स्थायाः ग्रीयाः त्रात्रेतः यद्भेतः यद्भितः यद्भितः स्थायः श्रीयः स्थायः श्रीयः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था हुल.वर्षित्र.थह्ट.त.टटा जम्बेल.ट्वट.हि.त.कुर्य.तूबा ,मैल.वीय.पर्ग्न.ल.ह्ब.थी.रच. यञ्च.य॥ यत्रवाद्य.क्ष्य.र्यश्रम् अष्य.र्यकाञ्चर.य.क्ष्य॥ क्षेर.यक्षःश्चे.र्वेषु.विषु.विषु.विषु श्चिलायते यात्रा पश्चित्र अह्टा हे पर्श्व भ्राञ्च अत्या में जिल्ला प्रतिया। वेदा श्विता प्रतिया यत्तवीयाताः सं. मैपाताः मै। अष्ट्र्युः तरः व्रियः व्रवेयः व्रवयायः छट् । ग्रीटः पर्वरः ज्ञात्वारा व्यविषाः वी त. थ. थ. थ. थकुब्र. तथा कैज. तक्षेष. ही. टेट. ही. होवा. रू. त्र्. टेवो. र्संब. तपु. तक्षेष. होट. वीट. टी. प्रहिवी.तपु.श्रविष.पक्षीय.श्राह्म् .पह्मिष.श्रा.श्रम्.ता.र्यः। क्षेवी.में.श्रीजातपु.श्री.पत्रवीषाता. पहुर्यायाःश्रेट्राचक्षेत्रं तपुः मुः अर्ष्कः ट्योटः ज्ञाः व्याः चेटः श्रेययाः चट्याः वेटः क्षेत्रः र्यूतः क्ष्यः ग्री. मिर. प्राप्त . कुट. । वाय श. प्रभूष. प्रह्म . प्रचित्य . मुंत. यप्त. युंत. यप्त. मीया ग्रीय . ग्रीट. याद्य . त्र अर्घे त.र्टा त्रिक्षेत्र वश्वा कर् अधिव वीच्या कुरे त्रं मूँ तबर ले. र्वेश र्टात शह्र. त्री यरिय सार्य, धुराजा त्रात्र त्रक्षात्र त्या स्थार्य स्थार्य ही अह्र त्या स्व के.ब्रेट.चक्षेत्र.पर्ज्ञायु.सव.चर्.क्षेत्र.चब्र्याग्री.ट्र्य्र्ट्याग्रीट्याग्रीट्र.व्यव्य.च्रि.स्य.चर् षक्षयं, पुषापर्वित्त्यःक्षेत्रःर्रो

र्यश्चिरियंतुं त्ररायस्विधाराःक्षे अष्ट्वी वीःश्चिराःश्चें त्र्यूर्ये व्यथ्यःक्ष्याः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्व

सीला-या प्रोध्य चेला चिटा थ्रा तर्ये वि प्राची क्षेत्र प्राची क्षेत्र चेला में स्व क्षेत्र क

कीतावितान्तित्वीतात्तिवितावित्वीत्वित्वात्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्र्वे स्वात्त्वे स्वात्त्वे स्वात्त्रं स्वाव्यं स्वात्त्रं स्वाव्यं स्वात्त्रं स्वाव्यं स्वावयं स्वायं स्वयं स्वयं स्वायं स्वयं स्वयं

क्रिया अट. द्वया वीया स्ट्रेटा झे प्रस्था व क्षा स्वा वी तहता या अटा सा विवा वटा। व्यटा अति ''चगाद''न्न-''ञ्च्य''र्सेवायार्वोन्द्रियाः वी मुखान्य विवा स्रम्य त्रन्तु वा श्रुखाः श्रीन् सिन् र्वन् यविट.वी.पहर.या.चे.प्राथट.र्त्यु.वट.र्टेपट...्धे.प्र्वी.वी.भ्री.में.क्ष्राता.भ्री.त.,ख्रा. ८८। "मुःववारो छट पर्छ वासुय। स्वार्य क्रंके प्रते पर्वार्य क्रंके प्रते पर्वार्य क्रंप्य प्रते वि क्क.ता.चाखी बाक्क्.व्रि.स्रेर.क्रीज.ब्रायु.पटचाबा.वाचया क्ये.ब्राया च्ये.ता.जा क्षेत्रा.वाच्चवा व्यातीजा ता. क्र्। इ.२.१५४। लुर.पुषी पि.यम सि.२८.श्र्म्याय...अर्ट्र.य.चेष्य.मी.ट.श्रट.तपु.प्र्मी.रूज. श्रवतःर्याजःश्चीरयःराः, खेयार्रःर्या वश्रयः २८५०। ग्री. ग्रीटा वः ४८१ खेरा स्त्रासः श्राट्स.श्राक्ट.कें.लूटी ट्रंब.ज.केंपु.पहर.य.वु.कें.लुय.हुय.त.खुय.लुव.तय.केंपु.केंज.ट्रं. ल.कु.चक्रूंट्र.ट्ट.बु.ब्र.चीब्र.त.ट्टा यूट्.ग्री.पहर.ब्राच्याचे.चथ.बु.यूट्.ग्रीब्र.चीब्रा.त.खेग. ध्येत्र रात्रः र्येत् ग्री मुल र्ये त्या के पङ्गेत् त्र त्वा त्वा त्या ह्या या विवा हो। ते खा स्था रात्रे वी र् योट.लट.अटी टेतुर.थी जू.कैंब्र.ह्या.कै.ब्र्या.यी.कैंब्र.ट्र.टेनट.चीयंब्र.टेट.योथेश.टेवा.कु. र्वेषात्रे कॅट र्वेषा ५व ८८ ५ दो थे तो केव कुया दें गतिषा धेव प्रमार्थे तथा ग्रावाया स्नर धेव ग्रीटा स्ट.ग्रीयाञ्चयातपुःस्.कैयाक्ष्याक्षात्रीःट्राट्या.ग्रीयायक्षायस्याक्षात्रात्रा ल.मु.भूर.चर्थ.वर्षियादिःकूल.वि.वर्षिथ.देट.एह्ट.याद्ययाद्वयादीयाद्वयादायाय वोषट.र्टट.क्रैज.ध्रवोथ.त्रुयातात्तवा.क्ष्य.श्रव्हट.क्रै.शुटी प्रट.प्रट.झुप.ट्यायेथ.त्रुयाता पत्ती.ब्र्या.ल्र्टा.ट्री क्र्यामीजायसवीयाता.ट्टा जमीजाअक्र्या.क्रांता.क्रुयात्रा.ब्र्याया.ब्री.क्या र्वेवा विवा त्या वा त्रेवा वा प्रता वे वा प्रता वे वा प्रता वे वा प्रता वा वा वा विषय विषय विषय विषय विषय विषय ८८.वीय.क्र्या.वीय.स्थातात्राटा.स्त्रात्त्री टुपु.हीर.ट्राट्या.वीया.मै.स्या.मैला.स्.ला.वीया.क्र्या. তব দ্রী ক্র'বার্স্ট্র্র দ্রীঝ'ম'ঋম'র্মু অর্চ্চর দ্র'ঝঝ'ঝ'য়'য়৴য়

े. प्रतः प्रक्षका ग्रीका शितः प्रतः का चवा प्रतः क्षरः श्वरः विषा प्रति । विषा श्वरः विषा श्वरः विषा श्वरः श्वरः

क्र्या.ट..सूट..ह्या.लुबी स्वया.ट्रेंस.ट.क्र्या.घ्या.च्या.च्या.क्रेंट.ता.क्री झ्यह्या.यात्र.क्रॅट. त्.रुट.बिट.बै.क्र्वया.टिंश.विर.चंटेंच.ह्या.क्.च.झ्य.टे.क्र.ब्र्या.थयातराचेयाती. मु'र्स'र्सर'म्'न'तर्देन्'त्रवेद'न्सुम्'रान्त्। मृत्यातहम्'अतिःर्स्टार्संदेत्यार्भन्यान् मिट.प्रट.ब.ट्रेप.पर्मे.ट्रम्बाराट्टा बिट.य.ट्र.मिट.घवी.खे.ब.ट्रप.पर्मे.क्र्वा.त.लुब.जी बुर-म-अर-क्षेत्रम-क्ष्रूब-द-बार-धर्म-क्ष्र्याम-भ्राण्य-क्ष्र्याम-भ्राण म्चॅं मॅं या ने प्यता स्वापा केता कुया स्वया स्वया स्वया सामित स्वया स्वया सामित स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया री. दर्राचपु. जीवाबा. जूजा. खुवा. हो। जू. पर्देचबा. त. दरा चव. प्रजा. ही जा. पर्वा स्वाचा प्रजा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा यम्बेरावयाः वार्क्ष्राच्याः वार्क्ष्राः याः देः यो देः वे रस्याः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः व बियातपुर्ध्वयंत्रातात्रात्रात्रात्राह्मा अत्राष्ट्री वयवाचेवात्रे तर्वा विवाचितात्रीया विवाचितात्रीया चया खेट्रा ट्येर वा के त्याद बिया वीया तै गा याव्या या याध्या है र्ह्या चह्न व हिंवाया या वया,याङ्ट्री, दीन्,तान्ता सूर्य्यायिजाग्री, थु. थन्, त्र्यं अपस्तिजाक्षाग्री, थू.तान्त्रेय, ताः क्षेत्र, सूर् योश्चरतिंशानुं किटा मुला स्वया वया श्चित्राया त्यांचा ग्याटा ने विषय क्ष्या त्याला क्ष्या स्वापा स्वरा मुन्यत्वे व्याक्षात्र्याः मुन्याः विष्याः मुन्याः मुन् श्चित्.क्रम.वोश्चर.कुर्वा.श्चित.त.र्टट.वोकुर्वा.अर्क्ष्टम.रुटी

सूर्यात्वाविकास्त्रीयाः सेवाव्याः साविकास्त्राः स्वाविकाः स्वाविक

षर्ट्र व। क्व.षर्षु विष.ट्रेर.ब्रुट.त.क्वबाव.वय.ब्रु.ल्.पर्ग् च.चीट.व.विष.भ्रह्म  $\forall a_{1} \forall . \exists y \vdash . \exists z \vdash .$ बैटाल्टान्युः ह्याचितात्वादः वृवाः लुवा सूर्यः तक्षः सूपुः र्युतः र्युतः र्युतः र्युतः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः त्रपु. व्रिट्या श्री. यो क्र्या या अप अप निष्या ८ग्र-व्या-८-र्य्न्'ग्री:श्रेया:क्ट्-क्वेट्-साक्ष्या:ब्राक्ष्या:ब्राव्यव्या:५.ठटःक्वे वायवा:५वा +र्ग्याक्ष.त्यूप्ताप्तिः क्रिट्र. चीयोयाताः स्थ्याताः क्र्र्णः क्रिट्रास्य स्थायाः क्रित्राक्ष्यायाः लीया.लुच.कुटा। क्रांताट्रे.चु.या.क्रीयु.लिट.ब्रीया.आर्ट्र.विषया.क्री.क्री.ट्रा्च.ट्रं.वर्म्स्या.तप्रांत्रा.क. र्दे.श्रम.बोबाली बोब्स.र्टेबाक्षे.र्टचस.चेबाचु.मु.मैलासूषु.सूंचबा.चेबाबाग्री.पर्चिसारीय ८८.वोष्ठा.वोषु.हो.त.खेवो.को८.लाचे.ला कील.त्.८्या.चु.हूंर.८वो.कील.इ.८यो.वथा. श्चर अ. थेवा. ज. बीवा. वी. तर अर्ट्र. विश्व अ. सीट. वीं वी. विष्टें अ. ज. रे तट. वीं अ. तर तथे री ही. ज्र. १८३७ स्र.चिट. श्रुश्च प्रेय. रच. प्रचट. त्यू थ. क्ष्य. श्रुव. प्रच्य. प्रच्य. पञ्चर र्स्ट्रास्ट्र स्टर् प्रेर्ट रेट्रि रेट्री र्स्ट्र प्रम्पर की राज्य तपु.क्र्य.ब्रुट.वावेय.वाव्य.वाय्य.वा.पचिट.पव्य.वश्या.त.स्टा पत्याय.त.सं.सी. झेट.र्ज्ञ.ता.मेज.टा.मे.अक्ट्र.जमेज.अक्ट्र्य.र्ज्ञ.तपु.स्.क्ट्र्याय.पु.टाया.येट.टा.टेट.। टे.ह्या ज्यीयाः अष्ट्रयोः पर्टेषः ताः स्टरः स्तः स्त्रः पाः प्रक्षः व्यवः स्वितः स्वेषः प्राप्तः योष्टिः
 ज्यीयः अष्ट्रयोः पर्टेषः परः स्वाप्तः योष्टिः
 ज्याः योष्टिः
 ज्याः
 जयाः
 य.चरुषालबाबोधे अ.सूर्वाषा.चे.चथा.चे.चवा.चटा.पातूरा.झे.ट्यूच.श्रट.तू.खेवा.बादुवा.झॅट.

कः वयाः कटाः अर्ट्रायस्यायाः द्रायाः द्रियाः तहितः त्रीतः त्रायाः त्रायः त्रायाः त्रायः त्रायः

## चली क्य अर्दे तस्याय पः क्षेत्र श्रेन् न्यन यो श्रेंबा याली

य्यावय्यात्रव्यायाः स्वायाः श्रीट्रिय भीवायाः कुप्तः स्वायाः स्वायाः श्रीत्राः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स

सूर्यार् । सुर्यक्ष न्विका निका सार्या राज्ये दिन् । हैं निर्व्य निर्म्य स्रि स्विका निका सार्या स्विका निका सार्या स्विका निका सार्या स्विका स्विका सार्या स्विका सार्या स्विका सार्या सार्या स्विका सार्या सार्या

चक्याल्ट्री बाकुच ।श्चर्य-देट्-बाकुच ।श्चर्य-पाकुच ।वाकुप-टा-बाकुच ।व्यट्य-द्व्य-वाकुच ।श्वर्य ।श्वर्

<u> ने 'क्षेत्र'क्रप' आर्ने 'ब्रु' 'ड्रिक्ष' गार्के 'वॅर्र 'ड्रेन्' पत्रे 'ब्रेन्' तहें त्र 'ब्रुक्ष' त्र हे 'व</u>र् चूर्याचेयासी.रिचे.लूर्य.कुरा झ्राज्यासिर्यासी.झ्रायोचेरायसिया झ्रायचूर्याचेया झ्राचेरा यिष्या द्वाराक्यायिषा इसार्गरार्दे प्रायायिषा विषयित्र स्थाप्र पायल्यायीया योक्ष्र.त्र-क्र्याक्रियोयाःग्री.टेर्यूय.का.लया.या.पह्र्य.श्रीट.घट.क्षे.सूर्या.द्रीट.कृटा। लयाविट्या देश है लेश तर्वेद राते ग्विट र्य मु क्षेर हुँ दाराधित देवे तथा तर्वेद पर्वे तर्वा स त.र्रंपु.पर्द्य.र्ष्ट्र्य.र्क्ष्य.वार्षुप.तवीट.र्पूय.र्ज्ञाववा.वी.क्र्य.ज्ञीर.र्तता.पर्ट्र्य.व्री.लय.र्ट्र्य.पे ट्यूय.थ.जया.यु.चरुष.स्थिषा श्चिया.जश.भीय.श्चिटी क्र्.या.क्र्या.श्चेटी अक्ट्र-क्रिय.या.ट्रेट.झी र्या. अष्ट्र्राचिया ची. क्र्या त्याया यो. चीर स्त्री स्त्राचिया । ही. स्रीता स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स ब्रिट्रपर्झे.पंच्यी ट्यूय.जवा.ब्री.क्रूय.ह्र.पर्झे.वार्ट्रट्री ट्र.श्रय.क्र्य.जीवाया.ग्री.ब्रेट्र.स्री.पंकर. प्तर्र्यायायायम् वार्षेट्रप्रांत्र्र्याय्या ही ह्वाव्यत् वाया केते वाया हे स्त्र विवा | द्वांब रा प्रक्र क्रिंवा र द्वांब र द्वांब र द्वांब स्वा वा विकासी वा अह्दी ट्रिवं तर्रे में में ट्रिवं विषया वी या के राया स्वाया विषय है। लयावित्यालाञ्चितात्र्वाच्च्याञ्चायाञ्चायाञ्चायात्राच्यात्राच्याच्यात्राच्याच्यात्राच्या वायट.रट.र्वर्षेत्र.ट्वूट्य.सूर.क्वा.अक्य.क्वा.यया.जय.प्रच.चर्रेर.क्वे.ज्वायाल्यी झ. यम्।तुत्रात्रीःवार्षः वें से वाते र प्तः से अर्थेत स्वयाधित केटा प्रत्या वर्षः वें पें सेत स्वरः चल.पष्ट.पोष्ट्रम.मे.स्.प्य.प्याची.याचे.म.चे.पायत. स्था.पाय. स्था.पाय. स्था.पाय. स्था.पाय. स्था.पाय. स्था.पाय. ८८। ८र्म् व. है त. कूट ज्या वा केर हिवायाला केर है वा होट आवव के वा केर पठयाला धव लवा.लबा.विट्या.झ्.झ्र्र.लूटी

र्सिट.त.चायुम्रा चैट.लुच.चायुम्रा चैट.क्च.चायुम्रा वट.चायुम्रा वास्त्रच । ह्रिट.ट्व्य. सूट.जम्.विटम.श्री.चायुम.कुम्.चार्यमा चायुम.क्ट.चार्यमा चर्चम.ट्वट.चायुम्रा चस्चा. त्तर्यात्वरातिस्यः सूर्यः सूर्यात्वर्याः सूरः सूर्यः सूर्

चीमाला झ्रि. स्रियु. अर्मूच, याचेमा झ्रि. ला प्राम्य प्राम्य याच्य प्राम्य प्

श्रीयःशुः - ट्यूब्यः जा - ट्यीब्यः श्रीयः - ट्यूब्यः श्रीयः श्रीः श्रीयः श्रीः - द्यूब्यं व्यायः श्रीः - द्यूब्यः व्यायः - याः - व्यायः - व्ययः - व्यायः -

प्रमूर् ग्रीया रु. ग्रूंच् ग्रूंच्य ग्रूच्य प्रमूर्य प्रमूर्य ग्रीया हुटा | ट्रे. यु. प्रस्ता मुक्ता प्राय हुच्या मुक्या प्राय हुच्या मुक्या प्रमुप्त प्रमु

ॻॖऀॱळेॱचॱय़ॸॣॕॺॱतपुः कुट्-लीब्रः नुट्-ग्रीब्रः सूट्-तः हुँब्रः तः हुँ। बार्ट्-रूव्-तस्वाबारः हुँ रटः हुट्-

ट्र-प्रह् अ.ध्रीट.गीचे.जा.लूट.टाप्ट. ब्रिंश्या.जीयाश.ट्यट.प्टह्च . क्री. खेच . क. खेवा.क्रटी विश्वश्वा.विट.ग्यं चे स्थ्या. विट्रा.विश्वश्वा.विट.प्ट.ची स्थया. व्या विश्वश्वा.विट.प्ट.ची स्थया. व्या विद्र्या.विट.प्ट.ची स्थया. व्या विट्रा.विट.प्ट.ची स्थया. विट्रा.विट.प्ट.ची स्थया. विट्रा.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्याचा.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्था.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्था.विट.प्ट.ची स्थ्या.विट.प्ट.ची स्था.विट.प्ट.ची स्था.विट.ची स्या.विट.ची स्था.विट.ची स्या.विट.ची स्था.विट.ची स्था.विट.ची स्था.विट.ची स्था.विट.ची स्था.वि

पहांच .लय. क्र्य. ग्री. मीला अक्ष्यी . चेंट्र. वाड्या ता. खें. ताच्या ता. खेंचा ता क्षेच . तहांचे . त

#### ह्म क्य. थर्ट्र. पत्रवीय. रा. केंप्र. ख्रीट. र्ट्यट. वी. विया व्रिट्य

ह्टाक्ट्याने स्वान्त्राता च्याता च्याता च्याता च्याता च्याता च्याता स्वान्त्राता स्वान्त्राता स्वान्त्राता स्व यात्र्या स्वीत् स्वान्त्रात् स्वान्त् स्वान्त्रात् स्वान्त्रत् स्वान्त्रत्यात् स्वान्त्यात् स्वान्त्रत्यात् स्वान्त्रत्यात् स्वान्त्रत्यात् स्वान्त्रत्य

लट्ट्रियं स्ट्रियं विश्वानित्या विश्वान स्ट्रियं विश्वान स्ट्रियं स्ट्रियं

 $\frac{2}{3} \times \frac{2}{3} \cos \frac{1}{3} \cos \frac{1}$ 

च्टालटा प्रमुका चार्ल्स् (च्या क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्रा क्षेत्र क

$$\begin{split} &\text{ALSECA, 2002} \\ &\text{ALSECA$$

भ्रटा। ब्रा.स्टावा द्विष.क्टावाब्रटा। ब्रट्यस्वाहाता क्र्याद्वावा श्वटाट्यामा व्यस्ताव्यावा ाव। चर्यायःच। बाञ्चवाःश्वटः। श्ववाःव्यःश्वटः। ब्रह्मवाःया श्वरःश्ववाःव्यवावाःवाःवाःवाःवाःवाःवाःवाःवाःवाःवाःवा घट. ब्रॅ. र्टेट. क्र. यभे. ब्रुच. प्रूट. ब्रुज. ब्रुच. ब्रुच. ब्रुच. प्रूट. तर्य । ट्रेट. व्रु. ट्रेच ब्रु. ट्रेच ब्रु. न्गात पार्विया संध्येत हो। कपासर्दे वे यावत र्चेते प्रमास स्वीस सम्बन्ध संस्था स्वीस सम्बन्ध संस्था सम्बन्ध स र्ष्ट्र-प्टः अर्थ्ट्यात्म वरः भवायात्रयात्रात्तात्र्यात्र्यः वर्षाः वर्ष भ्री. अर्ट्री झे. या के. ये वा. वा. हाय रें। के. वार की. या. जुट . श्री वा. श्रवाय खे. खेट . या. ये वा. श्र. र . र . तह्नाःश्र्याः स्त्रान् विका वका रतः केत् देर स्त्रान् भवका च स्वा श्रूर स्वा स्त्रान् प्राप्त प्राप्त प्राप्त योधुमानमान्त्राम् । त्राञ्चेयामायावन प्रत्या भीतमान्त्राम् वर्षा भीतमान्त्राम् । वर्षा भीतमान्त्राम् । वर्षा भीतमान्त्राम् । ल्ला स्वारायां स्वार्थित त्या अस्य ल्ला नियाय स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वा रा मुस्रमा गुर्मा स्वापा प्रति । प्रति खेट्रक्ट्राया कु: त्राप्तः व्याः पञ्चेरः वयः वर्षे : प्रमः भूपषः देरः व्यावः वियाः वर्षेरः क्रीवः लूट्रत्यं विष्यं विषयः विष्यं त्रित्यं त्रात्रियां स्त्रेत्र त्रात्रं विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय अट.मैज.विच.टट.लट.पच्चेत.च.लूट.जूटी

$$\begin{split} & 4 - gg 4 . \widehat{g}).ul. n + U. \underbrace{g}ul u. \overleftarrow{g}. + L \underbrace{u}l u. \overleftarrow{g}ul u. \overrightarrow{g}ul u. \overrightarrow{$$

वयाक्र्यात्वयायाताः क्षेत्रः तट्टात्यत्यत्यात्वयाः वयाक्ष्यः त्याय्याय्याः व्यव्याक्ष्यः त्याय्यायः व्यव्यायः वयाक्ष्यः त्यायः व्यव्यायः व्यव्ययः विष्यः व्यव्ययः विष्यः व्यव्ययः विष्यः वि

ૹ૮૯.ઙૣૼૣૢઽઌૣઌૣૹ૾ૺ.વોઙૢૣ૽ૣૣૣઌૺૹ૽૽૱ ૡૢ૽ૡૺ.ઌૢૹૣઌઌૢૣઌૣઌૣઌૣ૽૱ૢ૱ઽઌૹ૽૽ ૹ૾૽ૺૺૺૺ૾ૺઌૢૢ૽૽ૢૢૢૢૢઌૢ૽ઌઌૢૣઌઌૣઌ૽૱ૢઌ૽૱ૢઌઌૢ૽ ૹ૽૽ૺ૾ૺઌૢૢ૽૽ૢૢૢૢઌ૽ઌઌૢઌઌઌ૽૽ઌઌઌ૽૽ઌઌઌ૽૽

कृ.त.क्ष्यत्यचित्यःश्रेटी कृ.त.क्ष्यःकृ.त.प्रक्यःश्रेष्ठी बिंट.तू.श्रु.२.ट्ट.क्ष्य्यायः विक.ची. कृ.त। (बिंशुं.कृ.त। १०१४-१ वटःश्र्यःकृ.त.प्रक्यःश्रेष्ठीः विट.तू.श्रु.२.ट्ट.क्ष्य्यायः प्रिक्षःची. त। तिक्यः वटःकृ.त। १।इ.कृंट्यं चिंटः वटःकृ.त। २।इ.कुंत्रः व्याप्यः अट्टं व्याप्यः विव्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः विव्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः विव्यः व्याप्यः विव्यः व्याप्यः विव्यः व

त्यः सूर्यः देशः क्षेत्रा।

वाध्यात्रयः श्रीयः त्वधः त्वाद्वः त्वादः त्

न्वरक्षेत्र'न्यंत्र'र्कर्रांत्र'र्कर्रांत्र'र्कर्रांत्रेष्ठ्र'र्वेत्र'र्क्ष्य'न्यंत्र'र्वेत्र'र्क्ष्य'न्यंत्र'

こうるでは、こうるでは、こうるでは、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、こうなど、これ श्चर्षियात्रम् श्वर्षे श्वर्षायात्रम् । विष्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व र्टराम् अवा विद्यां विद्या स्ट्रायवा ति हिर्मा स्ट्रायवा ति स्ट्रायवा ति स्ट्रायवा ति स्ट्रायवा ति स्ट्रायवा त 2.24 થોમા" લેયામાં દાર્યા ક્રાયત્વાન માર્સ ક્રાયતા કર્યા કર્યા માર્યા કર્યા છે. તે તામાર ક્રાયતા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા ક ફ્રેંગાયા.મું.લે.લુંગા.મુંત્ર.વંચા.તારા.સેંગ)વ્યું મ.તારુપ.તેના મીજા. શૂ. તેને પાર્થે. તેને તારુપે. ત खराञ्चरार्, याराक्या अर्दे ते के खेरावा वर्षा है। ज्ञार प्राप्त करा अर्दे ते खेर यो क्षेर प्राप्त प्राप्त करा कर ला.चीला.क्षेत्रोबा.म.मून्ट.ची.वाक्ष्यातपु.ट्यूच.ता.ट्ट.क्री.पूवी.बाट.तू.वावबा.ब्रूी क्र्यायचीट. ट्र.शक्र.मी.शक्रुपु.वि.सूट्ये०४५५७४। इ.ट्ट्.चिवायाता.जवायाचीटा.गी.झैला.सी.पुष.कुष. चेष.रच.ग्री.पर्विट्य.तीज.यचेट्.तपु.श्चेत्य.,,ष्राट्र.laष्यय.श्चेट.र्टेव.जय.रटिज.इ. ≅ज. ब्रुपु:श्वीत्वी.ब्रुपु:ब्रुप्तावा:ब्रुप्तावा:ब्रुप्तावीय:ब् ह्मिंट 'बेब'रा'सुअ'रादे'सुय। वासुट'र्चूट'र्चेब'ग्री'वाबब'र्च'रे'वे'से'ग्री'रान्र'र्न्टर'र्घ' इट.च.विंट.चवा.शु.ड्रंब.भ्रूंट.चपु.ब्रुंवाबाचर्छपु.लीवाक्च.च्र्यटाबादा. अंतरावाबाता क्षेत्र. लट.कटा.अट्रुंपु.थु.इं.वोयंबा.ये। श्रट.ट्रे.ल.कटा.अट्रुंपु.हु.लु.क्ट्रांववा.ट्वा.वो.ल.वील.विंट. र्रा झे र इंट वी वार्ष्य प्रि. ट्वेंब प्रान्ट हे व्यायट र्रा वाबय मेटा क्रा यहित क्रा ह्येट्गी:क्षेरम्बम्गण्याटाञ्चटाटे वर्षेवा कंपाञ्चटायटाकुर्वे केवर्वे दे दे मुनेषाग्री प्रमान्य राते न्नाट केव विया धोव है। याव वार्क्य वे त्युर हैं हेते द्वा घर १ ८०वा "हूँ न्नाटट अष्यःत्यरः चन्न-द्री। प्रह्त्यः कुः प्रयः तह्न । कुंद्रः चन्न-द्रिः। प्रयः प्रेरः श्री प्रयः पित्रः पित्रः प्र क्.यपु.स्.सैट.रुट.ब्र्.लुय्॥ व्यवयाययायञ्चयायःसैट.र्येग.लूर्य॥, कुयायवटाताःसेरः ८८५.छ.८८.इ.छ.वेषुष.८४.वी.तीज.बी.कुष.तू.८,ज.श्रट.वोष्ठेब.धी.ही.ट.बु.क्.ट.झट. अन्तः अन्तः अन्ति । दे अवः कं निते सः श्वनः रेटः अति । विन्यासुः वार्ते वार्यासः अनः।

યાયું માર્ગી માર્ટ્સ ન્વૃત્ર તાને દાર્કા ત્રુવા જ્ઞાના ત્રામાં વાયું માર્ગી માર્ટ્સ ન્વૃત્ર તાને તાર્ક્સ ન્યું માર્ગાના ક્રુવા માર્ગાની માર્ગાના માર્ગા માર્ટ્સ માર્ગા માર્ગા માર્ગા માર્ગા માર્ટ્સ માર્ગા માર્ગા

*ૹૢૡૺ.ૡૻ*2.ૹઌૣઌૺૹ૽૽ૢ૱ૣઌૣઌૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૻઌઌૹ૽ૺૡ૽ૺઌઌૢઌૺ૽૽ૢ૽૽૽ૹ૽૽૾ૢૼ૱ૹૢઌૻ૱ઌ૱ૺ૽ૺૺૺૺૺૺ૾ૺ૽  $\forall \exists . \vec{\varphi}. \vec{\varphi}. \vec{L} \cdot \vec{u}. \vec{u} \cdot \vec{c} \cdot \vec{L}. \vec{d} \cdot \vec{c} \cdot \vec{d} \cdot \vec{c} \cdot \vec{d} \cdot \vec{c} \cdot \vec{d} \cdot \vec{d}$ श्चराष्ट्रियाः ध्रेयाम् । " त्रेयाम् । स्याप्त्रियाः स्याप्त्राः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः प्रत्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्यः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्यः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्यः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्यः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्येयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त्रेयः स्याप्त् พ.चीज.चु.पु.सूंट.ट्ट.क्षेचा.चांच्चा.कूंट.चांचुआ.ची.चांक्य.ट्वांच.त.ट्ट.कु.च्वा.थट.त्. यावयार्था वहास्मान्यायाः कर्त्राकेवार्याः नियानेवार्याः यावयायाः सामान्यायाः सामान्यायाः सामान्यायाः सामान्याया प्रथमाङ्गीलायवु,तपु,रटाईवातेलाबा, स्ट्राक्षित्यु,र्यवाताः द्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या त.र्झ. अ. ८८. थ. वीती. पर्चेवी. क्रीय. ८. ५४. अर्थ. यं यं यं यं पर्वात त्राचे पर्वात त्राचे पर्वात त्राचे पर्वा यग्रअ,,बुक्र.यचंट.त.क्षेर.इ.क्.ट्ट.पद्म.क्षे.वाधुक्र.ग्री.वर.ग्री.पद्म.इ.श्रेट.ट्.लट.क्य. अर्देतु. यु. के. योष्ट्र त्रीय वि. यो अप्ते . यावव . कुव . यी . यटा स्था १ रेलका हूं. व्यावका . यू. सिटा प्टा बीय.र्यट.यर्.कुष.र्र.हुपु.र्थश्वर.र्?तिष्यं.पर्गु.श्च.व्या.शू.श्चट.ख्या.बीट.वुर.पे ज्मैल.अकूबो.भ्रे.सुट.र्ट्यो.तपु.पविंद्यावट.र्स्च.क्ट्रा.पा्र्र.र्ट्य्च.क्ट.व्री.र्ट्य्च.क््र. यसूर्-विश्वस्तिन-कूब्र-प्रत्यवाद्यान् ईर-र्ट-प्रयीज-विश्व-ता-वोश्वर-प्रवी-वोश्वर-जा-श्रव क्ट.र्ट.। वोश्रम.श्रॅर.ल्.म्.लथ.क्टी वोश्रम.ये.श्रम.वीवोश्व.पञ्चवे.ह्.पञ्च.ट्वूच. त.र्ट. र्ज्ञ. प्र्या.शर. त्राथया. श्री करा अर्ट्ष. ह. के.र्ट. ह. र्योष्ट. पडी. के.योध्याय ही. *तीज.ची.* मु.ज.चीट.वायुब्य.बी.ची.ची.वी.वी.च.जवा.च.च्य.चीट.सू.या.वची.स्.चीट.पट.। ट्रे. यर.कट.श्चर.विश्वया.श्चट.टे.कु.टेग्र्या.यथा.श्वेश.स्

ट्रेब.ह.टावुब.एटीट.थु.धिटा.कुटा. शैरावश्वयाश्चटाउट्ट,ट्या.उहूब.वायवा.त्.वुवा.श.टीट. ब.ट्र्या.उहूब.टा.घुब.पे.ब्र्या.थु.उघट.ट्री ट्रे.कैर.ब.ह्रर.वी.ज्.क्र्यायाटा.ट्रा.बुवा.वी.वायट. उट्ट्रर.वायवा.ट्येट.ट्यूब.टा.बुवा.बु। श्चरावश्वयाश्चट.बु.ट्रेट.यट.वी.श्चर.विवाया.उट्टी.व्र् यपु.मुेब.मुेश.मु.रुपु.यालीलालाला त्यसिलायाषु.चिंदाङ्गेर.हुयारायायकरात्रमारायग्रीमः म् ८. केषु.श्चम् विषयः तथा चित्तः निषयः विषयः विषयः विषयः श्वाप्तयः श्वमः विषयः विषयः विषयः सु'गर्नेग्र प्रमेंपाने। ग्रुप'र्वेप'केत्र'र्ये ज्वा'रे से र्येते ग्रुप्ट त्रमुक्ष नेत्र मु र्ट अर्धर प ख्याची.य.चवी.वीलय.ची.ट्यूच.बी.जू.क्या.८व्यूच.बी.जू.क्या.८व्यूच. तीया. ह्यीय अशी ह्र्य . जया. ग्री. पड्रीया. चाक्याया. युष्य माग्याया. युष्य माग्याया. पर्याया. युष्य माग्याया. युष्य र्जिय.वोष्ट्रश्री थ्र.स्थ.र्ज्ञ.श्रीट.यट्र.य.र्टर.॥ लीथ.पर्टथ.च.त्रा.सूर्यया.प्रयाणावा जय. तपु.शु.पुवाबाखेबाडींबाटा॥, खुबाचवावालटाखेबा.पु.लट.श्चरावश्रवाश्चेटाटी.लूटीतपर विश्वास्त्राच्याः भूता विश्वास्त्रास्य विश्वास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र  $\widehat{n}_{(1,\underline{n})}. \angle\widehat{-1}_{(2,\underline{n})} | \underline{-1}_{(2,\underline{n})} = \widehat{-1}_{(2,\underline{n})} | \underline{-1}_{(2,\underline{n})} | \underline{-1}_{(2,\underline{$ धाः अर्रा । वोष्ठाः क्रेषः स्रवः स्वावः स्वावः वाष्ट्रीयः वाष्ट्राः वाष्ट्रीयः वाष्ट्राः वाष्ट्राः वाष्ट्राः व तेर.र्ह्यायोध्ययात्रायट्री। ही.र्ह्रेर.टागूट.ता.र्ह्हेय.र्बेटा.ट्र्या अह्रर.क्षेवा.श्रेया.क्षेत्र. ब्रॅट.र्टट.त्रर.र्ष्ट्र.तब्र्ट्री... gथ.र.र्षंपु.श्रेर.प्रथ्य.यथ.यंवा.योलय.र्टट.। ब्र्.पह्र्। क्य. शर्ट्. तु. प्र. भूवोबा प्रथातमः तर्किटातपु. वीटा व्रिवोबा की प्र. प्रूटा वोष्या कुषे त्रातमः श्रीमः प्रथमः सिन्द्र प्रत्याची त्राची त्राच मैज.मैय.मैट.पज्ञट्य.स्या। चेव्य.स्ट.मुख.ख्य.तपु.क्वै.च्यय.ग्रीया। त.रूज.ट्ये.क्रं. र्पत्रप्रम् सुवा रेका है॥ श्रूर विषय दिंद अदे विदेश विषय प्रमेश दिवा है। श्चर प्रमायम् श्चर प्रमायम् प्रमायम् विवासित स्तर प्रमायम्

याः शक्ष्ययाः थीं योष्ट्याः ताः प्रह्म क्षाः क्षियाः विश्वयाः न्याः क्ष्यां विश्वयाः विश्वयः व

क्ट्राया, श्री स्वायं स्वयं स्वयं स्वायं स्वयं स्वयं

स्वा, प्रथि , ट्विय , ट्वि, क्वि, क

याश्यात्यया ची.कु.किट-टार्क्ट्र श्वाः चीट्या टार्क्ट अया टार्क्ट, किटा ट्राट्ट । याश्यात्यया चीट-ट्र्य टार्क्ट या ट्राट्ट ट्राट्ट हुया ट्राट्ट प्राट्ट ट्राट्ट प्राट्ट प्राट प्राट्ट प्राट्ट प्राट्ट प्राट्ट प्राट्ट प्राट्ट प्राट्ट प्राट्ट

 $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{$ 

ट्यी श्चर्यायव्यती द्यवायीलयी सु.कु.यव्य्यःलुयी। यथास्तर्याय्यायव्याःलूट्यः क्ष्यं प्रत्यां क्ष्यं त्याः क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं त्याः त्यायाः त्यव्याः क्ष्यं त्याः व्याः व्याः

### चैर्य |क्य.अर्ट्र.क्रिंट्र.तपु.प्रिअय.जीर्याया.ग्री.क्र्रेर्

શે. શિશ્વયા-પ્રાપ્ત ત્રાના ક્રીયા હુયા ત્રાના ક્રીયા પ્રાપ્ત કર્મા ક્રીયા ત્રાના કર્મા ક્રીયા હુયા ત્રાના ક્રીયા હુયા ત્રાના ક્રીયા ત્રામાં ક્રીયા ત્રાના ક્રીયા ત્રાન ક્રીયા ત્રાના ક્રીયા ત્રાન ક્

ह्रिश्याक्री, बटा ट्र्बा ट्रा अट्टा ह्रिया ह्री आड़ी, यटा क्रेटा ह्रिश्याक्री, बटा ट्र्बा ट्रा अट्टा ह्रिया हु अट्टा ह्रिया हु व्याच्या हु व्याच हु व्याच्या हु व्याच हु व्याच्या हु व्याच हु व्याच्या हु व्याच्

$$\begin{split} & \Delta \hat{e}_{1} d \hat{e}_{2} x_{1} + \Delta \hat{e}_{1} + \Delta \hat{e}_{2} x_{2} + \Delta \hat{e}_{2} x_{3} + \Delta \hat{e}_{3} x_{4} + \Delta \hat{e}_{4} x_{5} + \Delta \hat{e}_{4} + \Delta \hat{e}_{4} x_{5} + \Delta \hat{e}_{4} + \Delta \hat{e}_{4} x_{5} + \Delta \hat{e}_{4} x_$$

र्वायः स्वायं स्वायः प्रायः विषयः ध्याः क्रेवः अति । "क्र्यः क्रीः विषयः ध्याः क्रियः विषयः ध्याः क्रियः विषयः त.र्यथ्य.थे.व्रे.व्यय.तपु.लय.जया.पक्ट.यय.तीज.याचय.टे.र्ज्ञैयाय.राष्ट्र.ख्या.श्रुया.श्रुटि. त्तरात्राचार्त्राच्यात्रवरात्रवाः वर्षाः मित्रात्त्राची स्तर्वा वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षा अकूट्रत्त्र्यं पर्ट्रियशिषाक्री त्यापादाविष्याक्षी विट्रित्तर् ह्या त्राप्त क्ष्ये त्रुप्त विवादा क्षेत्र र्ट. थह्ट. यथा जैय. झेट. वृ. क्र्-टायु. र्झवा. चर्झता. धेषवा. श्री. श्रीट. टा. ट्रे. धिवाय. ग्रीया. या. टार्झ्ट. त्र-व्या.कुर्य.कुर्य.कुर्य.द्रे.क्रथ्य.ट्र.क्रथ्य.ट्र.क्र.च्या.वार्यय.ह्र-द्रया वालट.ट्ट.क्र.ज.वालीवाय. हे.स्थान्नेयाचीयान्नेयाययान्यायायान्यात्रात्यायान्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या  $\angle$ ट.। ७.ट.ब्र्यायः र्ह्म्याः तह्मयः तुस्यः श्रुंटः स्त्रेः  $\angle$ व्यंत्रः राः  $\angle$ टः।  $\dots$ ह्म्यः ग्रीः श्रुंतः राः रायः स्त्रेतः <u> विस्रसाम्याम् स्राचित्रके त। तरु</u>न्। वर्षन्। वर्षन्। वर्षन्। वर्ष्ट्नेवर्षेत्रके त। क्ष्रूंसः कुन्यो प्रास्रा  $\label{eq:control_def} \begin{picture}(100,0) \put(0,0){$\langle a,b\rangle$} \put(0,0){\langle a,b\rangle$} \put(0,0){\langle$ जूटबाड्रीट.ता.बु.पटु.सेर.रू.,खुबा.थुवा.शुट.टट.लब.जवा.खुट.जवा.वाकूट.स्वा.था.सुट. त.ट्रे.यिथेट.ट्याप.र्ज्ञ .स्.चेट.तपु.स्रिश्य.ग्री.विथ.शुथ.सिट.क्र्य.श्री.यचेट.पटेया.तथा विचयायन् सुर्थान् नात्रात् वात्रात् क्षेत्र मुक्ता विक्राया वात्रात् क्षेत्र सुर्वा क्षेत्र स्वार्थ स्वार्थ स्व मील. स्वांबा त्रवां त्रवां त्रवां त्रवां त्रवां त्रवां त्रवां त्रवां त्रवां वा क्रिं होवां अट. टी. ही वा तर.यथेट.त.ख्र.यट्रेथ.वथा.क्षेत्र.लट.। क्रिज.थ.क्षे.क्षंय.टे.कुथ.ट्र्यंय.जेट.चर.विषया च्चा.रट.वयाश्चा.यर्ट्रव.ता.चे.लूट्य.चीवायाश्च.चीर.पर्या

१/८८५८.चू.क्षेत्रा.वी.विज.ड्डी

र्वाह्नर सम्म प्राचिता है।

विकार्रायुन्यम्ति। विवास्त्रित्याः भ्रेष्यायाः विवासी।

<u>६ वि.यबुश्यर्येष द्वेश</u> विश्व ही

तीयबिट.यग्रीयोग्राम्बिश्वग्रम्पुः थिताङ्गी

(रिवियो.कुर्व.सियो.ब्री.स्.मी.खेल.कु)

ग्रीट्रब.पह्र्ब.कट.जब.ग्री.चेल.ड्री

र्भार्ट्र स्वराचा मिटा वी विषा है।

(ग्निषट्रप्रहेंट्रचे लियःही

76/12/2012 ABC.CLEC.D.GA.SI 20/12/2012 ABC.CLEC.D.GA.SI 20/12/2012 ABC.CD.GA.SI 20/12/2012 ABC.CD.GA.SI 20/12/2012 ABC.CD.GA.SI 20/12/2012 ABC.CLEC.SI.GA.SI 20/12/2012 ABC.CLEC.SI.GA.SI 20/12/2012 ABC.CLEC.SI.GA.SI 20/12/2012 ABC.CLEC.SI.GA.SI

# ঐন্ত'নক্<u>ত</u>্র'না

## नगत'नहन्ने 'न अ'र्सेन्स'न्य' के ति'ये न' क' हिन् 'हे न

### यान्त्रया । व्यक्तव्यवाः श्रुक्तः चा

लुवा.क.पट्र.ट्वा.ब्रे.क्य.अर्ट्र.पत्तवाबाता.संधु.ब्रुट्र.ट्यट.ट्टा श्रेचबार्ट्र.ट्वा.स्ट.व्यी. क्य अर्देश यात्र मा स्मार मा क्षेत्र स्वयाया खं अर्दे या वा वा वा विषय स्वया मा के स्वया स्वया स्वया स्वया स्व त्त्रवाहित्या ने प्यतार्था क्रियाञ्चा पार्था स्वराद्या निष्या वात्ता प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय विकास तर्नात्रते वितासम्बद्धाः स्थान स रे'प्रवित'पक्ष'कु'वे'ग्राय'केर'बॅट्य प्रदेर'धेग्य'क'रे'प्रगाञ्च'बॅर'प्रविग्योष'पर्गिप्त विवाबात्वर ब्र्बा होत् : हुवा वर्तर हुत् । यदी वर्ता वर् क्र्यामा यत्त्रवामा संप्रात्र स्ट.क्र्यामा कटा.मर्ट्.ह्रा.ट्य्येय ह्यी.यम.ट्र्ट.वार्षेट.ट्यापट.चवा.स. स्वाप्ति मुन्या मुन्या मुन्या मुन्या मुन्या मुन्या मिन्या ५ वर्ष्ट्राम्यान्यः वास्त्राचित्रः वित्रः विवादिः त्रित्तः वास्त्राच्याः वास्त्रः वास्त्र ल्व्रीट.४.पर्छ.पष्टु.तप्रु.त्रठत.ल्या.यु.क्य.अर्ट्.र्टेट.ल्या.यु. योषटार्शेटायार्टा मैलाक्याक्ष्यास्याय्यायो मैयायार्ष्यायक्षायाः वृत्त्राक्षा र्षर्यात्राच्याः भूवात्राच्या व्यभूवायात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य ब्रियाबाञ्चीयाः अवायत्तिवाराः निष्या विष्या विषयः भ्रीवाःलकाःचनुकाःचाःधेव। देवःग्राटःदेःदवाःकटःचाःविवाःविवाःवान्वेवाःवान्वेकाःचकुदःग्रीकःर्स्रचःचः धोत्र प्रायाः सार्वा प्राप्त स्वार्क्ष स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार् 

### यानेषा प्यर्व प्रतिः मे प्रवाकेव वाँ

ष्रकूर्या.में. थु.पर्केंर.पःभ्री.पर्खु.लु.चेषाःइषु.यर्या.धेरःभ्रूंयबाःपर्छे.थु.पह्योबाःपर्खुपुः ऋषाः पकट.च.भुषु.मुट.वो.र्भभवा.ग्री.विवाय.चभ्रीट.श्रूर.जश.जा.नुय.की.अळूय.श्रीट्या.तपु.बुट. मुन्नानमुन्नारार्थाः स्वार्थात्वार्थेत् स्वार्यायत्वेतात्वेतात्वेत्वात्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स यशित्रामी हूं ८. कुर्रास्त्रा पहुंचा भेर हो हिंवा ता तर हिंवा ता अक्ष्र ता मी ही ता स्वा चक्चितः क्षे.च.र्चे ब.वर्षित्राक्ची.चर्च.वर्षिवायात्रात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्र -कुर्य.त्.ज.रट.वोर.झैंट.तपु.प्यूर.ज्.पश्चीर.त.स्थय.बूवो.शर.पर्वीट.तपु.वोर्ययाशाश्ची इ.स्.इ.प्राचितःविट.क्य.चेट.वी.चीय.पश्चा.धे.यम.पयय.तप्यायप्राचित्राचित्राचित्राचीय. कुषु तर्निट विट्यातीया ग्री श्रेट त्रा अकूवा यंत्रा चेत्र ह्याया या थे ह्याया या है हा पर्श्य प्रमेय तप्र हेव केव रॉम न्याय अर्केवा वी न्य रॉवि स्याय मुखा ग्री न्यीय वर्षिम रॉप्य सु हिंवाया या कुःगिने र केव र्येते न्ह्री त्य तस्याया आर्केया त्यापा व र पर्ह्नेते र्ये छ ट र रे व्यापित होता व्यापित ट्यायायटार्झ्रहे खेवारात्र क्रिट्छं अघरात्वायो वावायास्त्र अर्द्धवायात्र भी ह्वेव स्र योट्टेन.तपु.से.२.भी१ ४८.वींट.वी.वार्ष्या.जयो.वट.। वीट.र्ट.ब्रॅट.वी.र.वी.ट्यी.ट्यी. इ.र्चेत.वी.र्ज, टा.जुवीब.राषु.क.र्भेष.राष्ट्रवीब.राष्ट्रवीबज.राष्ट्र-विट.कुषे.र्जू.हुपु.स्वा.र्ज्ञ ক্স্বামান্ত্রী বার্মা প্রমান্ত্রা বার্ম আর্ম আর্মান্তর ক্স্রামান্তর ক্স্রামান্তর ক্সান্তর ক্রমান্তর ক্রমান্তর

त्रप्तः अक्कः ह्ञ्च त्री वार्यमः क्री क्षेत्रः वाष्ट्रमः न्या स्टास्य स्यानक्षाः विष्या विष्या विष्या क्रि.स्.कुर्य.सू.यबु.सुवी.तपु.धेशवा.ग्रीय.प्यय.ती चवी.वीबुर.ग्री.ची.मु.मी.प्र.प्त. र्यायम्ब्री ह्रिटासार्यया शिलानुःस्रायन् द्रिरास्त्रित्केवार्यायक्ति वावयास्रुयास्रु विट.तर.श्ट.टे.विंट.तथ.झ.वषु.धुंट.षट्टर.जूटब.बी.ट्रंट्र.खेंट्य.बी.चें.वेंच्य.तप्.झें वोल्. य.र्थेट.। यम्र्ट.त.वेट.क्य.मुष्प्रम.ग्री.स्य.क्ट.पड्रम.तर.पर्वेट.य.जम.वैट.यपु.स्रेट. मुवाबा पक्क्.या क्रिंग क.जीवाब.शूर्वाब.शु.पर्ट.यपु.विट.तम.श्रंचय.प्रांब.पुट.। ८८.। मु.सवा.मै.ववा.मु.इट.नर्थं.वशिषा ब्र्वा.स्.क्ष्.क्ष्यं.यधु.चर्थं.खु.ट्वी। विज्ञावःक्ष्.ता चर्ये श्र.सूर.क्ष.त.चर्षी अक्ष्.व्रि.सूर.क्षेत.श्रुपु.एच्चेश.व्यंथा की.श्रुप् व्र.त.जा क्षेत्र. याच्चय जि.सीया लाक्क् इं. २. १५ में लूर सुन्नी पि.स्वरी दि.स्वरी दि.स्वरी ही दि.स्वरी ही स्वर्ग ही है थं.त्री कूबाड़ी रेयरा। तपु.णी तपु.श्री गीरा। त्रात्रात्री हूराग्री घपु.ड्डी रेत्र्य.क्टा। घ.सं. वटा हरु यटा शे.चनटा चर्षेष.र्ट्य.जर.क्षेपु.है.ब्रु.ब्रू.ब्रू.व्य.स्रमःश्री ट्यवी.ट्र्य जया. मिर्नायर हूर्न अरव रूथा ह्रीय वयर प्रविषा वर्षा स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण र्चेता.वी.यपु.कर.प्रवृट्दितपु.क्या.स्.क्या.स्त्री श्च.अ.क्ष्या.ही श्च.कुर्य.स्.ता.वीट्ट्रेयाया.स्प्र म्चिं न्या त्रिवा वार्षिया विवास्त्री विवास्त्री विवासी क्षेत्र विवासिया क्षेत्र विवासिया विवासिय व क्ष्य.पर्शे.वाश्वेत्रा.स्वाया.पत्त्रेय.लया.स्वा.पाषुषु.स्व.ला.र्यटार्टा.या.स्ट.स्ट.स्ट.वाषुषा.स्ट्री लटा भूय.त्र. र्ह्नेट्य.सूट् अट.ग्री.कर.वार्ट्रवाय.ग्रूट.वटा रूटी के.क्षरी त्र.कट्री झे.हूटा बर. श्रम् । विष्ट्रम् म्याराज्या स्याराज्या वयात्रास्त्र वर्षा वर्षाः स्यार्था स्राप्ता स्राप्ता पत्ति त्वी मुला वार्यराव सूर्य अर्पायर वार्यया स्था स्था सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य चवा.वालया थेवा.वांचुबा प्ययःजा च्यःस्य झ्याह्म मैजा.घटा पहूजा प्रहटालीजा बहू. भ्रतः। वोयतः हूटः। क्.च.भ्रतः भ्रूतः श्रदः चरः वाश्वेषा झ्.च्। यो.वोषेषा रतयः भूति द्र.च्.कु. स्वायामी भूपार्ट्य त्या होता वायेर त्याया यहूवा वि द्वा वी हो स्र स्यापा भूपया होरा ऱ्ज.रे.ब्रैंर.कुट.1 वेषा.बावपु.ब्रूंर.पीपु.कैट.प्या.वोयजातपु.जीया.क्य.वी.विषया.लूट.ट्रं. क्र्या.श्रघंप.र्ट्या.ज.झैरंथ.ती

तर्जे, य. श्रम्य . र्यो, यो, था. पट्टी था. तप्तु, था ह्या. याचे था. कुष. प्राप्तु, या. वीया. पट्टी या. पट्टी था. या. पट्टी था. यशिषा- $\hat{L}$ . तथ्री  $\hat{L}$ . तप्र, जीट. धूर्याबा ग्री. तक्षेत्र. ता. प्रत. त्र. कु. धूर्याबा अधाः कट. त्री. शियः तर.बीर.त.धेर.लुष.जा रुषु.बट.बबा.बीट.बोटबा.क्ष.क्ष्य.बी.कूँटबा.पर्टूर.चक्षेष.त.क्ष.कुर. र्'र्र्र्यिव्यान्त्र्वाः मुत्याः अर्ळन् योः र्हेषाः स्र्राः अर्देन् याराः तयवान्यायाः तह्रवाः अर्षेन् स्रोतेः पकट नयु नम्भव रा भव र्रा के अर्दे विषय ग्री हिंद्य सु तर्व व विट कुष रादि विवि हेव द श्चिरायाक्यास् विषयायास् सिटालेषाध्यायाषायायायात् ते ते प्रावायायायाया त्र्या चित्रय.तपु.पक्षेष.त.रिवय.पक्चैर.पकट.तपु.लीजा चर.श्रुष.टु.ह्यूर.वित्रय.र्ज्ञेष. तर्षात्रात्रःभ्रीता॥ वृत्येरातहेवात्रेत्रात्रात्र्यात्राम्यात्वाष्यात्य॥ अर्दे।विस्रवासुवासेवासे ययर शुराने॥ बेबायञ्चवाया क्षेराहे यद्या नेदाळे रॉवे द्रिंश र्श्वेय यक्षेत्र प्रते द्र कुर्यः येता. यो. यट. क्या विट. श्रुष्ठात्रा प्रवास्त्रा प्रवास्त्रा प्रवास्त्रा विट. बिट.त.क्र्य.ट्यट.चेयायाता.स्यायायायाचेट.चीटा.तपु.याट्य.प्रयाप्रश्रात्र.स्र्ये.ता. जमा यदिय. रचमा चर्छे. यशिषाता सियो. ये. तार्से. चसूर्य. येषमा मी. षासूपु. हुमा चर्नेये. ता. पहूर्य. मुंज.प्रथा.ग्रीय.थ्र.प्रिय.त.थह्री यरिष.४र्घश.पर्थं.यधु.त४.४र्घण्याया.वं. श्रैमःभ्रान्त्र्नाव्यम् व्यवास्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्याः श्रिमःभ्रान्त्र्यान्याः ग्रीमाञ्च प्र्वेत प्रमुक् जीपाविषा प्रदेश सिंद जीवा वार्षिय सिंद प्रमुक्त सिंद प्रमुक्त सिंद प्रमुक्त सिंद प्रमुक्त र्यट.र्ज्ञ.त.कुर्य.तूर्या मैज.भीय.पर्जू.ज.ह्य.श्री.र्य.य.च्ड्र.या। यत्तवीय.कुर्य.र्यश.तपु.श्रीय. र्यक्षा होत्राचलका क्षेत्राचलका क्षेत्राचलका क्षेत्राचलका विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्व भ्र.भर.वार्ष्यायायद्वेत्या। वृषायञ्चरायाक्ष्म। तत्ववायायाञ्चराक्ष्यायाकुतायराञ्चर मुन्य म्याया क्रिया प्राप्त मार्थिय मुन्य मित्र म्याया मुन्य प्रमुन्य मुन्य मुन्य मुन्य मुन्य मुन्य मुन्य मुन्य म्चे.सव.र.प्र.र्य.र्य, तंत्र, यक्षेष्र, मुर.वीर.पे.पंतर्वा, तंत्र, श्राधिष, रामिर, श्राधिष, यह्येष, श्रा श्री द्राप्त द्रिया मु द्रिय मु द्रिया मु द्रिय मु द्रिया मु द्रिय मु द ह.यं य.चेट. शुत्रया.चट्या.धेट. कुय. तृषु. क्र्या.ग्री. हिंयः पर्व्यट. कुट. । योयश. टार्स्य. प्रह्या. र्चिट्या.ग्र्रा.अपु.जिंदालया.ग्रीया.ग्रीटा.अपूर्यात्रा.अपूर्या.यंदा राष्ट्रा राष्ट्रा योष्टा. व्यव बाबुद्र म्वीवाबाकद्र र्यः म्लाप्त निवाद्ययाप्त निवाद्ययाप्त निवाद्या प्रमाणि स्वाधिद्य ।

पत्रियाना अस्यास्य मुन्तियाना कुर्याची मान्य स्यादि । स्रोत्य स्यादि । स्रोत्य स्यादि । स्रोत्य स्यादि । स्रोत चळ्यास्य अप्तार्था स्वार्था स्वार्था क्षेत्र स्वार्था के त्वेत् स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स ग्री-८र्व्।८स.मान्द्र-वाब्र-८८-थ्र-८८-पर-अक्ष्य-ग्राट-वाद्य-प्र-व्यक्त-ग्री-भ्राय-र्वाय राष्ट्र वोवाय र्वाटा वोया क्षें स्ट्रा स्ट्रा वाड्याया क्षुं क्षा र्वाटी राषा खु राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र शवय तर्षेष भीता शुश्रमार्टात कुषे त्रा क्षेत्र माविष रूप स्वामा भी स्वामा हिमा ही कवायान्तर, विवायानभीतान्यान्यताच्या यया यात्रात्यां वात्रात्यां विकायां विकायां विकायां विकायां विकायां विकायां यर्वा.पह्य.शह्र.तपु.झं.इं.थु.इं। यर्थे.पर्वे.यर्थे.य अ: बत्। ब्राचित्राच्यात्राच्ये क्षुत्रः वेषु रायेष्ठः यात्राच्यात्रः व्याचित्रः व्याचित्रः व्याचित्रः व्याचित्र क्वा. त्रुवाबा शु. त्रबाया चर म् वा. क्ट. खेदी अक्ट , वा बेबा श्री. वा क्रेवाबा स्वा क्वा वा क्रियाबा तपु.इ.इ.मू.मू क्र्याम् पुजानी पुजानी पुजानी हैं। ड़ी ह्रेंट्रिन्ब्रावना निष्ण मूट्रिंग्नमा स्था स्था स्था होट्रा रे स्वा मुर्ग निष्र प्रा निष्र प्रा बुटा र.ट्यो विट.ट्यूयी शुवा.ट्यूयी विट.त्.शु.श.२.ट्यीजा.शवरी वद्यश.पंबीच.ट्यूयी क्.पत्र्टार्य्या चेटापत्रजा भ्रीयाययरार्य्या क्षेत्रावाच्या अह्.जिटा ह्रिटा स्टार्य्या ग्र द्र.च्रिया.याश्वेत्रा थेटा.पश्चे.बी.क्ट्रा व्र.बी.बी.ती क्.टा.कवि.को उत्त्र.क्थे.ट्यूथे.का.जवा ड्रिका. विश्वान्त्रं निर्म्य संस्थित संस्थित स्त्रं निर्म्य स्त्रं निर्म्य संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित स्त्रं निर्म्य स्त्रं निर्म्य संस्थित संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित संस्थित संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित संस्थित संस्थित संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित स्त्रं निर्म्य संस्थित संस्य संस्थित संस्थित संस्थित संस्य संस्थित संस्थित संस्थित संस्थित क्वा रे.वे.ट्र्य्वा स.ट्र्याचा रूटा. यर. लीज. चंट्या. ग्री.के. क्रं. क्रं. क्रं. क्रं. क्रं. क्रं. क्रं. क्रं चवा.या.अक्ष्यया.भूपा इ.धूरायनु.ची.क्रा.चवा.यवावा.हीया तूर्याचीरा.मी.भू.वाश्चवा विह.सू.वि र्वा.ज.क्ष्य क्षेत्रा.वाच्या क्षेत्रा.च्या विलिया.वाच्या.क्ष्रं ट.श्चरी प्रश्ना व्याच्या चाच्या चाच्या विलिया.वाच्या व्याच्या स.स.क्ष्यालम् वृयावाः स्रार्म्यायम् व्याप्तान्यम् स्रार्म्यम् स्रार्म्यम् स्रार्म्यम् स्रार्म्यम् स्रार्म्यम् श्रम्य साम्बर्धि साम्बर्धि साम्बर्धि स्त्राम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् ट्रम्या झुं'ब्र्यासुंग्रायत्त्रासं ज्या प्याय प्राप्ता च्राय सुंग्राया स्राप्ता स्याय प्राप्ता से स्राप्ता स्र म्नियः नगर ग्वायन ग्वायं न सुरा सर्दे न न सर्वे न मित्रे ते प्याप्त मित्र प्याप्त मित्र मित्र प्याप्त मित्र मित्र प्याप्त मित्र मित्र प्याप्त मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र मि

श्यः ह. र्ज्ञः मी. यया वट . टेट्या राष्ट्रः र्ज्ञ्या औट र्ड्स्टा वटा तायी मी. वे. यटा तायी प्रया ये र्युषा त्रट.लयी थर.लीजी चेलश.जी क्.घट.। श्रें.घें.शब्री टेटाची.येच चिच.घट.ब्री उट्ट.ब्रट.जी अह्.श्.र्याराज्या र्वराह्याचरालयी स्थालावा श्रिवाबाश्चरालयी रूटाप्ट्राञ्चराहूरा वर्षिया तुः सूट.सं. यर्षः क्ष्यं क्ष्र्री वोषाः रटः रेवो.सिटः। वोष्रषः कुः क्ष्टः क्षिवायाः वटः रेवो. लार्क्ष्या लार्झ्रेट.का.पह्यायह्मटा खर्चा वार्ष्या में यार्स्या झ्यार्स्ट्री आवमायवार अर्ट्रा वार्षिया ला हीय। अक्ट्र. ऱ्या. शिषा अट्रा ट्रा. मुका.जा षट्य. र्या । ट्या र ही. स्याया वाशिष्र.जा.वा श.क्. ही हैकात्वाु अर्दे द्वित्र दें का क्रेंद्र हारा माते हैं प्राप्त के रात्वा केवा कि क्षेत्र का हित्र हे ते रे वे बटा क्षेत्रा.वी.बटा व्या.ट्यर.वी.खेल.बा ब्रा.ट्र्या.बुर.वी क्रूट.वीचुबा.लबी ट्यार.सूट. शर्र्।पश्रमासक्रि, मेर्यास्त्रियास्त्रीयास्त्रीयास्त्राचा क्षाच्याता म्रायहरास्त्रीयः यथिषा त्र्रायाया क्र.षाभूराचन्या क्र.पायिष्टामिटायहणायायाया क्र्य हिया वी.चे.यटे प्रस्या ला.चा.लेटा है.य.जाहिया या.यटे प्रम्य हिता वी.ची.यटे प्रस्या क्या इंशायियाय.स्टास्टास्या श्राधायायाया सास्टार्स्राचायाया हास्यायायाया ज्या विष्ट्रवा र वट हूं ट अट ही वा ह्या योच्या चे हि अट् ही वा द्वा अट्व प्रवासी केंट कूरी रय. भर्. से. भग्नेय. ग्री. म. खुर. वर्षा क्र. में यो योशिया ग्री. रेश. ली जा योधेया ली रथा. जात्व मुंद्र्यम् मुद्र्यम् स्वाप्तर्था विष्युत्र मुंद्र्यम् स्वाप्त्र स्वाप्यस्य स्वाप्त्र स्वाप्यस्य स्वाप्त्र शक्षश्वास् के. भूट. वर्षिषा क्री. यटवा. ब्र्य. ट्यू. र. य. ट्यू. ब्र्यट्या यय. तथा. ट्यू. क्री. ययय. लूटा। व्रिथम.जिट.जर.की अक्ज.र्अवीय.टेटिज.वि.स्वीय.टटवी.पहूर्य.अह्ट.स्वीय.टटा यावयः झे. यथाय हे. में. यथा प्रत्या लूटा हो प्रयाया इ. होटा हे. श्रीटा हो ह्या में. प्रयाया हो अया ब्रियायाग्री:क्र्यानायाम् अर्थानायाम् वर्षाम् । न्यानायाम् । न्यानायाम् । न्यानायाम् । न्यानायाम् । न्यानायाम् यभू. पहरा. ही. यट. वि. अर्थ. कूट. पर्ट्या ट्या ट्या ही. हिया ही. प्राप्त स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व विजः ह्यें ट.जुर्च। कटा अर्ट्यु अटय विजः क्यें अर्ट् अर्च्यु व स्थया वया विजः र्यु व स्थया व याट.पद्मि.जथा ययप.जु.ट्यी.यार्थेट.ब्र्यायाजा.सिज.ड्सॅट्रिश.ट्य्यंयाता अट्र्.अर्ब्यूय.ट्ट. য়৾ঀয়৾৻য়ৢয়৾৻য়ৢয়৻য়য়ঢ়৻ঀ৾য়ৼ৻য়ঀৄ৾৻য়ৣ৾য়৻য়ড়য়৻য়ঢ়ৄয়৻য়৽য়ঢ়ৄয়৻য়ৢ৻য়ঀঢ়৻য়ৢয়য়য়য়ঢ়৻য়ৢঢ়৻য়য়য়৻য়ৢঢ়ঢ়য়য়য়ঢ়৻য়ৢঢ়য়ড়য়৻য়ৢ 

पक्षियः ग्री-प्रभारा-प्राप्त स्वीयः त्योत्त स्वायः त्योत्त स्वायः स्वीयः भ्री-प्रभारा-प्राप्त स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वय

### यश्रुव्या स्र सु प्रति यान्त क्रियाया

 $\begin{array}{l} - (1-\frac{1}{2}) \frac{1}{2} \frac{1}{2}$ 

स्व.श्वां अ.कूवां ब.तपु. ट्रां त. ट्रां क्व. रा.क्वं ट. वां श्वां अ. अहट. पहवा हेव. क्वी. विषय अ. क्वि. य. विय. तपु. र्यट. त्या स्वा. पश्चि. तस्व . तस् र्रातः पञ्चायाया प्रतः प्रचारमा स्वरं विषया स्वरं विषय चर्मियोत्राः भेटा। क्र्यांत्राः क्री. में .क्र. जू. ट्रायो. में .क्र. ट्रायो. में .क्र. ट्रायो. में .क्र. चर्यः म्, र्स् ह्रुप्त, व्यत्व, श्वर क्रिय, ग्री. स्निट, व्यी. मीया यक्षका खे. यत्र त्यय त्याय व्यव वा यक्षवा या द्रव.त्.कुपु.पर्विटापिट्यातीजा.वी.क्षेटात्.वाक्र्या.वया.चंट्रा.कुप्यायाया. इ.पर्व्य.पर्वेय.तप्त्र.पर्व्य.प्र्या.क्ष्य.ग्री.स्र्य.प्रम.प्त्र्य.म्री.प्व्य.प्त्रेय.पर्वेय.पर्व्य.पर्व्य.पर्वेय.प्र त्. झ्.ज्ञी इं.क्रियाया ट्राया स्वाया स्वाया श्वीत्या ग्री अक्ट्रा हेव क्रियाया ख्रा मिया श्रावयः यज्ञुषुः वाष्ट्रशास्त्रः हीतः हे. २ . योषुः वार्ष्ट्वाः सवाः।वतः क्रितः हो. क्रिः शक्कृषुः वाषातः शहूतः क्रव, त्री चिट. ब्रियाबाकी. चेबा झे. लयु. ब्रिटा ब्रिटा ट्यी. तकी. क्ष. द्यी. द्याबा स्वामा खेवा खेवा द्युंट खे चट.क.प्रथम् थ.ग्री.मिष्य.लय.प्रयः मुंब.धे.त्र.अह्य.त.८८.। ८त्य.एक्ची.त्र.लेख.यय. ट्रॅंबर्प वित्यवर्गी कुरसुट केंद्र र्ये प्रतेष कुरस्व स्थायकुर पठकायर् प्रत्याधिकारवयर केटा पह्यामि स्वाप्ता क्षेत्रामि स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स न्वनःर्वतः नर्वतः मुनःर्वतः मुनःर्वः सः शुनःन्वनः र्वः नेः नरः श्रुनः प्रतः मुन्यः स्वायः सः ष्रुपुः त्राया तर्च्चिरः त्राया पहित् प्राये त्याया स्वायं राष्ट्र स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स र्चेच लिज.स्रच.स्रूट.स्र्चायाल्य.धेच.म्री.विट.तर.स्वेच.श्रेथा.स्र्चायाताचारूटा.लयायट्या

तपु.वृत्तावश्वराग्री.श्रेट.तू.हु.श्रेट.टी पह्य.ट्राजा झ.कैट.जया ट.लु.ट्रेय.वय.जू. इ.बैट.वट.बुट) बुब.वर्षिट्य.ता.क्षेत्र.या.लपु.श्रेच.कूँट्य.कुच.तूर.तूर्य.सी.चीव्यात्र.चीटा याटमार्रिते खेटायमाने प्रत्याप्त्रीं रापते हिंदमाके वार्षा क्षेत्रीं क्रिते क्षेत्रीं क्षेत्रीं क्षेत्रीं क्षेत्रीं क्षेत्रीं क्षेत्रीं ब्र्यायात्मया ट्रे व्राप्तः स्प्तमु व गार्नेट ट्यर ठव मी स्थार्य प्रति क्रिया मुकारार र पश्चरःर्म्। बेबासिटार्ट्राचक्षेत्रःतस्यवात्राराः यह्वाः हेत्रः नचटा श्वृवाः वीरवाः बेटाः केत्रः  $\frac{1}{2}$  보는  $\frac{1}{2}$  회, 그는  $\frac{1}{2}$  및 전,  $\frac{1}{2}$  전 मैजावयाक्रेयार्यमञ्जाल्यानाञ्चरायाच्यायाञ्चरात्रेयायाञ्चरात्र्यायाञ्चरात्रेयायाञ्चरात्रा विषयात्रा भूतात्रात्र स्वात्र स्वात्र त्या स्वात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्या स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा क्षेत्रा.वाच्चवा जि.लीजा ला.क्री चे..२.१५४.क्री.वायया.ल्रू४.द्वयी वा.यवा वि..२वा.स्वाया.क्री.क्रीजा.त्र् मिल. रुवाबा में ज्या है। त्यता प्रति वी प्रते हो। ज्या वा स्रात्वी हित है। त्यं व स्ता विट.तर.त्ट.त्ट.कुथ.त्पु.कुथ.त्पु.कुथ.त्पु.कुथ.त्पु.कुथ.त्.कुथ.त्.कुथ.त्. लामह्रम्यान्तर्भेष्ठाः स्त्री स्त्र वा स्त्र वा स्तर्मेष्ठा स्त्र में स्त्र स् अट्यायाञ्चेत्रया क्रिट.टेत्या याष्ट्रयाञ्च् । लट.स्या.त्ट्राव्ययाञ्चेट.श्चट.ग्री.कर.याट्र्याया गूट् थेट रूटी के क्षेत्र रू. अट्री इं.ह्ट् । बित्र अटा विंट रू. ट्यार वया ग्रुर यशिश वयात्रा चूरी बर.कुबी रवा.वेबा ट्र्.वेजा लेज.वेबा उत्तरावचा रिवा.कैबा चाबुर.व.हूर.जैर. यर.वशिश इं.स्व.इंट.श्रेटी ब्र.एड्री इं.ट्रेवी चवा.वीलटा धेवा.विश्वा प्रचय.ज्ञी चर. र्रा के. अर्ट्री मैजावटा पहूजा पहटालीजा अहू. श्रेटा व्यवटा हूटा क्.च. श्रेटा श्रेटा यर वर्षिश ह्य. यू. वर्ष प्रतः सूरी रु. कु. सूर्वाय. ग्री. श्री. र्यंत्र तथा हीर विषेट प्रति र त्ते. द्वा यो च्चे ख्वेत्र अंवाया अर्दे र त्व गा त अट प्यते वावया त्वा पु ख्वेट खेट । वया आवते . ब्रूं र सुत्रे ब्रूट रामा वाया रादे ख़्या ठ्य ब्री विस्ता व्यूट र्रे क्रिया स्रवार र्वा ता ब्रीट्य रा

त.वु.धिय.त.श्चर्याचेश्वर्यात्वेश.संवर्यात्वेश.संवर्यात्वेत्र.संवर्याचे स्वरं तर्नुप्र.योव्यात्वेत्र.संवर्यात्वेत्र.संवर्यात्वेत्र.संवर्याः क्षेत्र.संवर्याः कष्ट्र.संवर्याः संवर्याः सं

लुष्यान्यान्त्राची, श्रवीकाष्यान्य यान्येषावीताः क्ष्टी अपुरः क्षेत्रा पह्निवायाः स्रोताः स्रोताः स्रोताः स्रोताः मेदिः दर्भे होत् स्ट्रेतिः प्रमः प्रमुषायायाया प्रमे हुँ त्यसः हो सु विषा मीया ग्राप्तः स्था प्रसे या विषा स्थ गितं ग्वरायेन स्तरं गिर्दाति स्तरं मिर्दे स्तरं स्तरं मिर्दे स्तरं स्तरं स्तरं स्तरं स्तरं स्तरं स्तरं स्तरं स हेव के मु द्राया भी प्रदेश रामा रामा स्थाप रामा स्थाप रामा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स यावका-द्र्यांकाराः धोवाराका अर्योवार्या लेखा पञ्चवारा क्रेन् प्राम्ने प्राम्ने चरुषाने 'भीव'र्यटावावषाच्चिर'रहेगा देवावावाद्यार्थातास्त्रर'र्स् देवे 'स्त्रेर'व'र्याट्याच्चिराच्च म्राज्यात्त्वा क्षेत्रक्ष्या स्वापा क्षेत्रक्ष्या स्वापा स अयायह्या हेव प्रवाहित ग्री प्रवाह में वाया में वाया प्रवाहित वाया विवाह वाया विवाह वाया विवाह वाया विवाह वाया जीवायाञ्चलाः अत्राचन्त्राचित्र यहूंब्र-८म्। पर्थं मुंग्रें स्टा-तश्याता-८ची. तृ. हूं र. त्याप्र- हे. तक्षेव्राता स्वार्था कु. प्रस्था क्ष्रयाता.श्व.क.लट.। ययत्रा.घेषा.टेट.र्जय.ता.क्षेत्रया.ग्रीया.क्षेट्ट.यथित्रा.वाश्वर.ग्रीया.चाटा.  $\mathsf{AL.4} = \mathsf{AL.4} = \mathsf{AL$ र्कूट्यायट्ट्रीयाय्यायक्षेत्रायाय्याय्यायः स्वाप्त्रायायः स्वाप्त्रायः स्वाप्त्रायः स्वाप्त्रायः स्वाप्तायः स्व  $\Gamma$ . મુંતે. મુંતે. મુંતે. તાર્જ્યાયાની ક્ર્યા. મુંતે. તાર્ત્ર મુંતે. મુંતે સંખ્યા મુંતે માં મુંત્ર મુંતે. મુંતે મુંતે મુંતે મુંત્ર મુંતે. મુંત્ર મુંતે મુંત્ર મુંતે મુંત્ર મુંતે મુંત્ર મુંત્ -2 क्या अह्न क्षि. -2 ज्या निया क्षि. -2 ज्या क्षि. ज्या क्षे. ज्या क्षि. ज्या क्षे. ज्या क मैल.त्.५४भ.२४ मीय.ज्यायानीयामी.८सट.र्यवायानस्य.त्यातीय.८.टमीटयास्य र् <sup>ॱ</sup>श्लेषाषाग्री'न्नन्वेषास्रवत'न्न्याग्री'र्धे'त्रिष्यां संवाषास्री'नने'नते'सर्स्त्र'स्यस्त्र'नु शुरायावा हे भूतातृ शुरायाया वही थी र स्वायायी अहवा अ स्वा मुना के स्वा चरुतःषाधाः व्यानः विषाः । विषाः पात्रवा तह्वाः श्चीतः शुकाः विषाः श्चीः धिषाः । विषाः विषाः श्र्वायातवित्त्वाक्ष्यात्राच्यात्र्यात्र्याव्याव्यात्रात्त्रविताः हेव त्वत्युवा हेत्र मैल.मै.एमू.प.भघर.ट्या.चियाय.हुपु.ध्रैट.झूंचय.मीय.पट्या.मोर.पर्वट.पपु.चियाय. <u>तश्चेत्रत्रात्रात्त्रात्रात्रात्रात्रात्रा</u> क्ष्यात्र्या क्ष्याय क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र ર્સ્યાના છોન્ . હવ . મૌથ . છી. અર્થી વ. રે. તેના આ નાતુ. તસી વ. તાલા કી. માના સ્ત્રાના કો. કી. કી. ના. તા.

<u> </u>दे.क्ष.वितु.क्र्य.ब्रोट्.ग्री.<sup>ब्</sup>या.चयय.क्रय.त्यट.टें य.टें यट्टें ट्रं य.चेंटें ट्रं य.क्र्य.क्ष्य.क्ष्ट. च८.तभ्रैं८.त.थ.लट.ह.क्षेर.च्.क्थ.तभ्रैं८.तपु.च्च.वाचिव्यातपुष.ट.क्षा.तर.वाल्.तपु.  ${\it g}_{1}$ न्तर्भः त्रक्तः त्रक्तः त्रक्षः त्रकष्णः त्रवे क्या. ग्रीया. मुक्षा. तथा. में प्रतिवाया. तथा. प्रतिवाया. प्रतिवाया. प्रतिवाया. प्रतिवाया. प्रतिवाया. प्रतिवाया श्रेट्रत्र त्वीट्रत्य क्रिंब्र तथवाब्र जेवाब्र विष्य वाष्ठ्र वी क्रिंट् वी अहि द्वीट्र ट्र ट्रवा विवाबावाटा वीबाग्राटा तर्वोवा पा छोटा पादे हेवा तडीवा ग्री क्रिया हो स्वाह्य हो स्वाह्य प्राह्य प्राह्य प्राह्य त्रयाच्याः क्ष्यायाः स्थान्तः त्रव्यान्तः त्रयाः त्रयाः व्यान्यः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व શૈમાતા. યુ. ત્રાસૂતા. ત્રાયા. જ્વા. જાયા. જાદ્રુવા. શૈયા. ક્ષેત્રા તું. ત્રાયા. ત્રાયા. જ્યા. જોવા. ક્ષેતા. તું. ત્રાયા. ત્રાયા. જ્યા. જોવા. ક્ષેતા. ત્રાયા. ત્રાયા र्रातः मुलः।वचः क्रेत्रः चगातः विभवः ग्रोतः यो। तिव्रः त्याः ग्रात्रः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्या कु.श्र्यात्रम्योषाःश्रट्रिकें तपुः।षःग्र्राट्यट्रित्वर्ध्वात्रम्थान्यवात्रात्रान्त्रहीट्रतालाचिःट्यापः ८८। वेबालाकटालबाग्रीद्राद्धारे भेषा वावया ग्री अर्थेट व्यवस्तर वा हेवा हेवा वेवा नेवा में त्र-पर्वेष्यायाः स्र-अयार्यः क्रियायया पर्सेषाः वित्य अवतः प्रवितः क्रियार्यः क्रियार्यः क्रियार्यः बूत्यान्त्र-त्युत्र-त्य्वायाग्रीयान्त्रेअयायाव्ययान्त्र-गुत्र-मुवाग्रीःवार्त्त-भूत्र-ने-गुया त्यः ह्री.वर्ष्या.य.ज.५.५वा.तपु.टज.च.र्से..शह्ट.ता.वीय.वी.शह्ट.लेज.टे.की.र.त.यबुय. लुष्री पूर्व ग्रीट तट्यो थेट ग्री क्र्. पट्ट ला सिष्ट क्रूयोब स्थान स्थान स्टिष्ट प्राप्त वाषा निष्टा म्री'तड्यब'तुर'वाबुटब'पदे'तहेवा'हेव'त्रदेव'पदे'त्याद'र्ख्न'अ'ल'त्रबु'त्र अेट्रपदे'रेब' चेषाक्षेटाचयापात्रवार्धेटा हेते कुष्यक्ष्या ग्रीवायव प्राचीतायि हेवाट्रीवायक्ष्या रेव'र्र'के'न्नु'तयम्'र्ग्म्'व्यार्ग्म्'नु'पङ्गेन्'यते'श्चे'लु'श्चर'पग्चीश'मेन'ग्विन्'यर'नु'प याट.ज.लट.४८.५५८.याची.जिंश.की.क्री.टा.क्श.था.लुथ.तर.स.कुटा.टट.दूपु.सॅ.क्रांश.की. पहिवातमार्यतिर कुरा कूर्य स्वयः वाष्य रात्रुपुः सिवायः कूषाः या थेष्रमारा जवाः में रायक्षेत्रः या म्नैं.८८.र्ज्य.त.क्ट.अय.ट्य.त.जय.वाचय.२..ठी ट्र.लट.५.वूट.य.ह.त.क्र्य.त्या १८. र्विट.क्ष.वर.विद्रट.षपु.विषयाग्रीयानर्थ्य॥ श्रेनयाक्ष्य मिताग्रयाश्चितारायाः श्लेटाङ्गेतया क्री। यट्रे.ब्र्रेट.अक्र्या.ग्रीय.प्रथा.यायेया.प्रता.पत्रीय.श्रीटा॥ श्रुं.पञ्चट.मीज.पप्र.पक्षेष.र्टट. शहरायर.पूर्वा कुबाविष्टबाराक्षेत्र यहवासर्व्य कूबाग्री.क्वियात्.चेताकूटावाराःह्य चनटः चीवोयः तपुः रितायः खेयः सूर्यायः स्वीयः तप्त्रेयः क्वीः चरिवाः संस्थितः वाश्वायः य चीवाबान्त्रीयात्राप्ताचिवानुत्रक्षेत्राचे नेत्राची प्रमानिका विकार्या में विकार मे योषु.पर्वटा, स.सूज.मे.हीब.त.८८। योबट.कुब.मैंट.ह्रा.मै.अक्टूर.ट्रीट.योशिंश.ट्र.आश्रट. पति रेग्ना प्रमान्ने प्रमान्त्र मान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र वान्त्र रुषात्रराष्ट्रियाव्याव्ययायेव तर्छ्टात् श्चैव तात्रश्चेव तास्चिवायारे याधीव तर्षे मुखात्रः अन्यान्म स्वायायाचे रावुवार्षे न्या विवार्षे न्या विवार्षे विवार्ये विवार्षे विवार्षे विवार्षे विवार्षे विवार्षे विवार्षे विवार्षे विवार्ये विवार्षे विवार्षे विवार्ये विवार्ये विवार्ये विवार्षे विवार्ये विवार्य त्र-क्रि-तपु.मैज.पपु.पक्षेष.त.पसुज.मैष.तीष.री.योषय.तपु.घपष.क्ष्त.सू.री.षायय. म्निय-८र्षेषायर में। ८.४४.८५४ त.५४५ त्र. कुषु वर्षा कुषु वर्षा कुषायः बिट'स'न्त्रुस'त्र्युर'ग्निव'स'ळेव'र्से'क्सस'वे'न्स्रुव'यते'स्'न'चेव'य'न्ट्'क्रेन्'न्गुर' 351

त्रयेयाक्रियाचित्रयाच्येव राति अह्याक्रिव र्. शुन्याक्षेत्र राते अह्य रात्रया ଥିବାୟ.ମଧ୍ୟ.ପଞ୍ଚିୟ.ମ.ଟିଥିୟ.ଓଲିୟ.୯ହଟ.ଯସ୍ତ.ମିଗା । ଧ $\mathbf{x}$ .ହାୟ.ମୃଥ.ମୃଥ୍ୟ.କିୟ.ଓର୍ଥ୍ୟ. तपु.धुट्रीट्रा वे.सुर.पह्र्य.तपु.कैट्.त.र्य.स्य.भुट्रा अर्ट्र.प्यथ्य.भ्रेय.सुय.सु ययर शुरुवा देवानक्ष्याय प्रवेत प्रत्य । शित्र प्रत्य मृत्य । स्वित्य स्वित । स्वित्य स्वित । स्वित्य स्वित । स त्रिया.य.तार्चे.तासूर.यंत्राया.मी.सासूपु.ही हट.योय.योय.मी.लीज.यंया.सार्ट्रायंत्राया.सी. वित्रषारान् पञ्जीन भूत्रषा वान्त्र स्वर्षा पञ्च वार्ष्य वार्ष्य वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत ट्रे.चक्षेष्र.त.पह्र्य.झुज.चळ्ळा.मुळा.थु.पिच.त.वोषटा वाट्य.प्रचळा.चर्छ.चर्ख्र.त.प्रवाषा. त.र्ज.षक्र्व.वी.बी.र्जीत.भी.यज्रूट.वेषक.र्थेश.त्र.कीज.टा.टेटट.त्रुपु.र्ज्ञ.सुटाक.वेब.टार्चेट.भी. म्रेट-रेअ-तर्रात्वेय-पहुर्यात्राप्त्रियान्त्रात्त्र्यात्र्येयान्त्रात्त्र्यः यश्रिमान्दात्रेयायते केंबा होत् भी तसेवायम्बन्याय सेवाया के वायाय होत् त्राम्य यमः अह्ति ता. त्रीयः जा हे. लाट विषया योश्वेषा त्रेत् . यद्यः यः योष्टः क्रेयः विषया छट . योष्टेयः य्रियायः भूत्राच्याः भूत्राप्तात्त्राच्याः प्राप्तात्त्राच्याः प्राप्तात्त्राः प्रापत्तात्त्राः प्राप्तात्त्राः प्राप्तात्त्राः प्राप्तात्त्राः प्राप्तात्त् भ्रीयार्ययात्र्यात्राम्यात्राचार्ययात्राचित्रा विषाच्युत्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्या  $- (1 + 1)^{2} + (1 + 1)^{2}$ -र्त्र केत्र र्म्या - द्वित क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त त्विया क्षेत्र क्षेत चर्तः याः श्रुंवायः स्त्रा। तस्यायः चर्तः स्रोतः रुद्धः चर्ताः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स् शवय प्राप्त क्रिंव अर विट पर प्राप्त है। इस प्राप्त क्रिंव ग्री.योट्रेम्राय.पन्नेमी विष्रबारा.पर्येल.बुट्.चिष्रबारा.याबुट्बी ब्रीव.राष्ट्र.ब्रूव.लवा.ब्री्यबा श्रद्भायत्रा बेयाद्भा विष्याद्भा श्रुवाद्भायत्रा श्रीता विष्यात्रा श्रीता विष्या विष्या विष्यात्र स्थाया स्थाप चर्षुया यह्मा.मेव.श्रमा.क्री.स.स.च.र्ततन.च्रिमाय.र्टा. वाष्य.लट.या.भ्रीपु.चर्नेय.चर्मा. यसवाबादान्त्रवाद्याक्षी इ.ला.विवाबाज्यकाचेबान्याचान्द्रा.स्वाबा जीट.वाबाज्यन्त्रा.पं त.री.ष.रटा विरायर पर्यूट मान्य क्षेत्र राष्ट्र मुलागुत्र तर्वी ताहे मान्य पर्या यत्तवीय.कुर्य.र्राय.सुर्य.र्राय्य.सुर्य.त्य.क्र्या क्षेत्र.त्यक्य.सु.व्यंत्रेय.व्यंत्रेय.र् याना पश्चिरः अह्टे हे पर्वेत में अर वार्युय प्राप्त परिचया वेत्र स्वाय पश्चिर त्या

भ्रे.सुट.सूर्य.श.पत्तवाबाताः क्षे.धेटी चीयातपुः ट्यटा हींचा ग्री. ब्रू.श्रट्या मैशाट्यवा ग्री.श्रया श्री. पर्विट्या थर्ट्.क्रियाय.यार्थेट.जियाय.क्री.टट.। ह्.युट.ग्री.चक्षेष.त.ज.ब्रीट्य.चुट.ग्रीट.तपु. म्, प्रतट अध्ये न्त्र विवाय तय बीटा अघर नुया थी. था. कटी तपु अट प्राचि वी. वी. वर्ष्याः मेन्द्रात् मेन्द्रात् क्षे. प्रतः क्षे. या व्यव्याया वर्षे वा वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा ऀवेषॱकॅषॱब्रीटॱते¸ब्राः बटॱर्सग्षायायवट् ब्रुचःग्री¸ट्ग्रेवॱब्रेॱकेॱकुटःपर्छःपकुट्। योरःपःक्षःरेः क्षेट.त्री जूट.त्र.प्र.य्.क्ष्य.पतुज.स्वोबाञ्चेत.क्.चर्थ.वश्चिवी चित्रवाकुष.पटावर्थेवी.जवी. प्तट अट प्रमानित्यार स्वाया प्रमेष र स्वाया स्व यत्तर्यायातायत्याः मेयाः ग्रीत्राः प्रह्माः स्त्रात्त्राः स्वित्राः स्वेत्राः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वित मुलर्पे त्वें र पठवरवेत मुन्दि पवर के द्वेर प्राप्त से स्वर्धित से स्वर्धित से स्वर्धित से स्वर्धित से से ह्येट.वीश्वेत्र.त.पत्तवीय.अष्ट्र्या.त्रह्य.त.ट्र्य.र्ज्य.च्य्य.ग्री.श्चे.ट्रट.ज.त्रट्र.विश्वय.पहेय. यवुबरणुबी इ.ही.पट्ट.रवा.वी.भी.इटा ट्र.ब्र्.ब्र्ट्राचा मीजा.क्ट्राट्ग्र्य अक्ट्र्या.पटीट.वाबना इवाबार्यस्यात्रात्वी त्रिवार्या भेषा यगायः यशुः चावाबार्याः मुखाः अस्त्रा क्रिंबा ह्रा हि । त्या र्वतः र्वेदःश्च्रितः विःचःच स्टः र्वे स्वायाः स्वायाः स्वितः स्वायः स्वयः स्वयः श्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स . वेब . मृ : अट : चका ब्रूच : खेंचा का मीट : खेंट : खेंचा अप : बेंच च का स्वार : खेंचा का सह है । खेंचा के स्व मैव.र्.कीर भिं.सुट.यपु.त.पतवाय.त.क्ष्य.ग्री.मैज.त्.सं.चीय.तपु.र्ययटार्सिया.कुर्य.त्र्र. तर्वेग्रयात्रा ग्री.सी.पक्षेत्रायह्म्य.क्ष्या.मी.मीजा.त्र्या.पक्षेत्रा.पी.सी.प्राप्ता यी.सी.पक्षेत्राया. क्रेवा अन्-नु-पर्डेअ पति र्चेवाया अह्नि किता कुल र्चेया स्वर्वाया है क्रेव र्चेते प्रीता दिन्यी । र्यट.ब्र्याय.वायव.वय.प्रवाय.ग्री.ब्र्र.ति.र्ये.प्रवीय.खेट.लय.ग्री.वाच्रट्य.पर्झेट. चित्र पु र के पासुया भु खेट ख पारविषात्र अर्केवा कुवा पा का अर्के किया अर्दे वे वाद्र र विरा तीय. मुट. रे. पक्क्. वोष्ठा. वीर्य त्याप्त प्रमुच. हीय. रेम. मैय. रेट. रेचिय. हूँ ट्य. प्रमेय. रा. दे'तह्र्यमी,यह्रेय,पगीर.स्वांबाय देश.देगर.मी.अह्र्य.संयंबाय पहेंव.तपु.अह्यामीय.से क्तिर.त.भीय.क्रीय.वायल.तपुषी ८.से.श्रैल.तपु.भी.पत्तवाय.त.पहुवाय.सुट.पक्षेय.तपु.मी. अक्ट्र.पट्ट.धेट.ग्रीट.ट्यीट.जू.जि.त.च्याचिट.श्रुश्य.तट्या.धेट.कुच.त्रुप्ट.कूच.ग्री.याटच.

ब्रिरःविचर्यासेत्रःचर्मेद्रःकेटः। स्रेर्ध्रःचरःवात्रस्यःचर्स्र्यःतह्रसःद्विद्यःवेद्रास्यःकेटःद्वेरः केव र्पे व्या वृ यो र पष्ट्रव पा केया केर ग्रायाय पर अहं प्रायो से ही वे वे या व र व ही खेट.जय.वोश्चर.लुवो.टेट.। वोटेच.४१.कुचे.तूथ.शक्क्चे.तपु.एअ.तप्र.चटवो.चंडीट.पुवोबा. ल.श्रेथ.ग्रोट.पर्टप.त्रर.श्र.घुट.तपु.जेट.तचट.तू.तक्थ.तर्वा.भ्रेथ.ध.क्षेवा.धे.तक्ष्य. बुटा। यक्षेत्र पः रेत्र र्यः के ही पटा। ही ह्या वी तहीत्र त्या हे या खा क्रीं क्रींट प्रते हिवाया प्रक्लेट <sup>द्</sup>षेट-र्ष्ट्रेचर्याग्री:व्र्रा.क:क्रेर-चबेय:हे। ट्विय:तशुर-वाट्व-य:क्रेव-र्रा:क्र्य-र्य:क्र्य-वायव-श्वीट्य: ८८। यक्षेत्र.तपु.य८वा.त्.मैज.य.लय.ज्ञां शिव्य.कुत्र.त्.पूर्य.लूट.टू.ही विय. यर्वा.र्थ.श्र.प्वा.र्यट.विश्वश्रतपु.र्षजाङ्ग.थ्वा.सूव्याका.सूर्वाया.ग्री.यर्वा.सूर.यर्ष्वया.सूर. योटय.या.युट.टेपट.प्रेश.ट्योर.ग्री.शह्ट.ता.प्रेंचया.कु.बुटा. मैजाय.लय.स्था.ग्री.बेचया. यट्रेग्रथः नृहा नक्ष्रवः तर्वेदिः स्ववः नृहे द्ध्यः न्वेषः ग्रीः नृवेद्यः ग्राह्न न्याववः नृहः क्षेः तर्नः चर.पक्क.बुट.वार्ष्यातायट्र.क्री पट्र.ययाग्रीट.ट्र्य.श्रह्म.श्रीचयाचर्याताच्याताच्याताच्याताच्याताच्याताच्याताच्या  $\mathfrak{g}$ યા.મી.તમાલ.દુવ.સૂટ.કુટ. $\mathfrak{q}$ સ.ત. $\mathfrak{q}$ સ્તા.સજ્ય.જટ-.ટે.શુ.લે.મીય.પટેટ.વેય. ટેવ.ટે.ટ્રો.સ.ત. चरुषानङ्गव,र्टातम्,यषु,तपु,तव,तर्पु, झ.जवा,में.पर्किर,प्रथा,श्रेषात,रटापर्ट्र, श्रुरी,तपु, इंग. प्रमार्यः व्याः त्रमार्यः त्रमार्ये । स्मार्यमार्यमार्ये । सिन् स्मार्यमार्ये । 'ਚੁ.ਥੈਯ.त्.।पञ्च स्थितं स्था क्षेप्राच पश्चित्र स्थाप्य प्राचित्र स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप योश्र-अर्ट्रवा.श्र्वाया.श्री.ट्यार.श्रीट.ग्री.व्रुप.श्री.वाष्ट्रियाचरा.म्रीया.श्रूटा.चरु.ह्र.स्वयया.भ्रीयया ब्र्वाबाङ्गासुःबुःर्याःवीःबित्रवारसुरुराविष्यःर्यः व्यातर्यः याः वर्षः वर्षाः वर्षाः वर्षाः स्वावाः यदःर्यटःस्यात्रात्र्यः अत्रव्यवात्रात्र्यः स्थात्र्यः स्थात्रात्रात्र्यः स्थात्रात्र्यः स्थात्रात्रेयः स्थात्रा यावय.रट.अ.उट.र.रट.। इ.ही.यूट.अपु.ररीट.कुय.से.शुवा.वी.रेज.वीआआवप.जश. प्रमूच,त्र.कृषु.कृषु.कृषु.कृष्यावारान्ध्रम.कवायारान्यक्यायाः द्वे.जृष्यावाराच्यायाः सूचायाः सूचायाः सूचायाः सू क्त-र्त्र, त्रां अवत-र्वा वी श्रुव त्या प्रतित्तर रेषा ग्री त्येवाषा कर श्रुर त्या स्वाषा वार हि वयान्वामुव ग्री भ्रान्य र्वा मुन्य र्वा प्राप्त राज्य नेया वर्ष निया वर्ष मुन्य राज्य राज् શ્રુંટ.વ.ર્ટ્ટલ્ય.પદ્ધય.જાદ્દ્રવ.જાદ્દ્ર્ય.તાયુ.ક્ષે.ક્રી શુ.ક્રી વેટેટ.પગ્ર્.વલવી.ક્રૂરી વ્રિથય.ઉટ.વિળ. देवाबाः ब्रॅवाबाः खुवाबाः जुटः वीः द्वेदः त्यवाः त्याः त्याः प्रतातुः प्रते प्रवाशः क्वेदः हीट् कीः क्वेवाः पा

र्द्यानु या बन् । व्यारेट प्रागुर पृष्टे क्षुर येव प्रित्युष यत्नु । या विष्ट्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त । यट.क्वा.र्थायात्रा.वायात्रा.वायात्राच्या.क्टा.क्ष्यायाक्ष्यायाक्ष्यायाक्ष्यायाक्ष्याया याष्ट्रेयाबारायु.क्षे.क्रां.क्रां.क्री क्लेंटि.क्र्याद्वी लीजायखी ट्रायटी क्षेयाबाराट्यूब याश्वेत्रात्त्र्या. विश्वा क्षेत्री ह्रेन्द्रित्वाववा विश्वा मून्द्रित्वा त्रिया विश्व क्ष्य म्रीन्। दे द्रा मुद्रित्वा त्रा ત્રું તામાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્ ह्रिटा अर्थ खुटा रास्य विटार्स्य्य श्रुयार्स्य्य विटार्स् झे. य. र्योजा अवरा यह्रास पर्चितः ट्रमूची क्.पत्त्रः ट्रमूची चेटः पत्रजा श्लेवः प्यत्रः ट्रमूची श्लेवाः बाह्याः अह्रः जेटः। ह्निट.क्.ट्यूची नु.मु.सूबा.बधिन्ना थेटा.चम्चे.बी.क्टा. सू.बी.बी.ती क्.टा.नसी.की उत्त्रक्य. र्त्यूय यालया इसियाचिया हो र्त्यूय यालया कि. पार्टिल अर्ट्य अकूर रेटी हेर हिंदी क्ष्रमासुः शुरूराचे प्राचित्र स्वापार स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् गु.झू.येक्व विह्.हू.वि.ट्गु.ज.क्वी क्षेत्रा.यच्या क्षेत्र.च्या विलेग.यच्या.क्रि.क्वी ह्या. भुवा वानुषा २ ७ ७ वटा सार हियायमा वैषावे र्षा र्रेटा प्यव र्स्व। अरावस्य रहरास्या श्यामः गो.ला त्याः श्रॅ्रास्यत्या लायक्लावाः युः त्रात्वे स्कृता क्रमः स्वतः स्र्रीः ययः ८८। गा.र.ज.क्यी ब्र.ची.सी.सी.सर्या स्थायोट्ट.खेया.योज्यालय.८८.क्ये.क्ट्री ट.ब्र्या. परीर.शूपु.€.येथ.घट.रेट्यो क्लॅ.येंटाक्लियाय.परीर.शू.येवो.लय.रेटा विट.क्लियाय.घर्या. रे स्थाया तवात धे ते स्थान नाम वाष्य वाष्य सुवा वर्षेत्र सुवा वर्षेत्र सुवे स्थान पान न र्यार.र्ज्ञ्यातर.वी.र्.थ्र्य.ह.र्ज्ञ्.ली.ययावर.टेट्यातपु.र्ज्याञ्चर.ह्टावटालयी वी.वी. बट.लबी रका. बु. पूजा.लट.लबी बर.लीजी चीलवा.जी क्. घटा । श्री.धे.व्याय्यी टेटाची.बची चवा.चट.श्रा पत्र.श्रट.जा शह्.श्र.ट्येर.ज्या खेर.ह्य.चट.लयी स्थ.ज.वा श्रवाया.श्रट. ताया रूटा तर्त् . इंस. मूर्या वर्षिया मार्स्ट . सी. याट्य . क्ष्य . क्ष्टी वाया नटा टीवा . सीटा वाया या क्ट. क्षियायाय. प्राप्त होता वार्ष्या वार्ष्या वार्ष्या वार्ष्या में प्राप्त होता होता होता होता होता होता होता श्रायर.पटाज.आर्ट्.योलीयो.ज.हीयी अक्क्.रूयो.योशीया.आर्ट्री ट्रा.स्था.जा अटेप.र्या रियोर. हुं स्वाब ग्रह्म तावा इ.कं.ही हैव त्वां अर्रे हुवा दें अव हूं न हवा गरि हें नगता हो र वयाः क्र्या । रः क्र्यां क्रायः क्षेत्रा रे ते वटः। स्रयाः यो वटः। चयाः त्यरः चः तृत्यः या योः क्र्याः योरः यो मूट विषयात्र र्यार पूर्य अर्ट्र विषयायाया अर्क्र र मेव अर्घ्य मुंध स्वीत स्वीत स्वाप

क्याच्यात्म हे.पह्राक्षियायीया त्रायाया क्याभूयायव्या क्रायायविटामिटापह्या यालय में। प्रमातिया ह्या ह्या ह्या मी में। या प्रमातिया ह्या से स्वारी मा श्चर्यः म्रायाः व्याप्तः व्याप हुया द्रजायन्तरप्रवा ग्रीटान्यर म्यार्ख्या चर्चान्यर ग्याटा तस्त हुवा यया यदि सः रवावा.यवा.ह्र्ट.पवावा.लय.क्र्टी रटा.अर्ट्र.मे.अर्जीय.ग्री.या.बुट्र.वटा शु.ये.त्वा.वाश्वेश.ग्री. र्थःजा जावाधुयालया स्थाजत्या ग्रीटाङ्क्य ग्रीटाआवरालया वाराजटाङ्ग् झार्ख्य रटा चळ्यात्रते स्याळ्य्या खे. यक्ष्य्या स.की. चुटा वर्षिया ची. चटवा. चूटा ट्यूरा या राष्ट्रा विट्या  $\square 4. \neg 4. \neg 4. - 4. \Rightarrow 2 \mid \neg 4. \neg 4. \neg 4. \Rightarrow 2 \mid \neg 4. \neg 4. \neg 4. \Rightarrow 2 \mid \neg 4. \neg 4. \neg 4. \Rightarrow 2 \mid \neg 4. \Rightarrow 2$ तह्र्य अह्रद्र सेवायान्य। वावयान्ने वयावाने मुख्यायन्य र्पेट वी सेवाया स्योन् से ह्म्-वी'चर्स्त्र-कु'चग्रतः विस्रम् व्यवायानी क्रिंप्यानी क्रिंप्यानी क्रिंप्यान क्रिंप्य क्रिंप्यान क्रिंप्यान क्रिंप्यान क्रिंप्यान क्रिंप्यान अह्र्याता.स्वायात्वयाचीताचीत्राच्यात्री.पह्याची.यत्वताचात्राच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्या प्रतिर वावय क्री अर्थे प्रधायां प्रवेश स्ट वया वावय क्री स्ट अर् प्रवावय विषय ययात्रम् याम् मी अवास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् विज्ञान्त्रवाषाक्षयाः अर्द्रमः वादः त्रविः जन्ना त्रवतः त्राः नृताः वाविदः स्वाधाः वावाः विवाः विवाः त्र। बर्ट्, बर्च्य, ट्रट, ब्रथ्य, ब्रूट, श्चर, प्रचट, व्येष, ह्या पर्वे, श्चेंट, क्येंय, पर्व्य, ब्र्यूट, योज्ञेटमा प्रोह्मित्। प्रोह्मित्मा तहता मा नाहुमा तहता मा नाहुमा प्रोह्मित स्वार्थ प्रोह्मित स्वार्थ प्राह्मित स्वार्थ स ल.ज्यीय.शाग्रेय.मीज.पपु.र्यटा.त्.ज्ञ.त.क्रुय.त्। यक्षेय.पहूर्य.क्र्य.मीज.लय.ज्ञाया वार्षय.  $\text{MC.SIQ} \angle (\text{MA.Q} + \text{MC.SIQ} + \text{MC.$ धान्त्वार्धाः झान्त्रान्तात्तात्ता वर्षाः वात्रवार्षात्तात्वे । स्वावर्षात्तात्वे । स्वावर्षात्तात्वे । स्वावर्षात्ता श्राच्यायात्राद्याः स्त्राः स् धोव : क्रम्या प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र वात्र प्राचित्र वात्र प्राचित्र वात्र वात्र वात्र वात्र वात्र प्राचित्र वात्र वात पहरायाचीय प्रमा अक्र्या तथय श्रिया ग्रीटा झूटा श्रिटा तक्ष्या गर्ला पर्स्या पर्स्या प्रहेश पश्चरम् में देवाया स्वाप्त स्वापत स्य स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत <u> पश्चिषायायाः भवायाः वीता देः भटः अर्थः यथा वाटः व मुखः र्यः क्रियः र्ये दिरः वीः</u>

पहुर्वा. मुंब. त्र. त्र. त्र व्या शुंदा ह्य अ. हो त्र ह्य क्षेत्र वित्य वित्य वित्य स्था स्था स्था स्था स्था स यर.पर्किर्वी खुबाविधियाता.पखुबाकूबाक्च क्री.विश्ववाक्रीयावावाचेवा.वी.वीचिटायह्यट. त्रतः भ्रांच्या स्वाप्ता स्वाप्ता विष्या वयमाग्री:बिट-इसमान्त्रःतय्यामार्थःचर-त्युर-चार्स्यमान्यःच्यूवःवर्षेतिःर्द्वःक्वेत्रार्वःवरः तपु.सी. ८ विष्या थेशयाता सुरातपु. यो थे ४ . कूर्याया यो थे था दी. तथु या सुराता सुरातपुर त्रण चेत्रास्त्र स्वतः ग्रीतार्रा राष्ट्रा त्रायां प्रत्या वित्र स्वायाः भूता स्वायाः भूता स्वायाः भूता स्वाया तपु.कुट.री.बिट.वेटबा.ग्री.ब्ह्नालबा.बेट.बट.ग्रीट.वोल्.टा.बुट.तर.धेशबा.बी.टाडीर.टा. त्र-ह्यूर-त्र-वर-मुल-द्विस्रय-तर्द्य-तह्यायाग्री-कर्-त्ययाग्रीयास्त्रद्र-त्र-त्र्यूर-त्र-वेषा त्रम्ग्रीयात्रास्कृतात्म्यम्भ्रात्म्। तस्त्रास्य त्रात्त्रीयात्रीयाः स्तर्भात्म्याः स्तर्भात्म्याः स्तर्भात्म विषा । ठेरा पात्र सार्य के कुला दी विष्टा से प्राप्त प्राप्त (१००५) देन प्राप्त हो हो । से सार्व प्राप्त से प्राप्त हो । से सार्व प्राप्त से सार्व प्राप्त से सार्व प्राप्त से सार्व से पिराया वार्षिया की में वार्या संया आजीया तपु . पूर्ट . पर्य मा सूम . चीपु . सूम . योष्ट्र मीया कीया पर्ट मा त्रीया . र्ट.पर्टर.यपु.वायका.वाञ्चा.सी.की.की.की.मीजा.स्पु.विया.सीय.क्षूवाका.की.याचुपु.सू.प्यत्रमावञ्चा. ठर.रे.हे.य.ब्रेच्याय.घषय.२८.जय.प्रय.तर.क्रेज.यपु.स्.चट.कुर.त्.र्याय.र्ज्य.पट. ন্থম-প্রথান্থী

### नवी ज्यून्यन्छ्यम्बुय्यन्तरे मुंबर् नेवान्वर धेवा

क्षात्रवृत्तः तह्रव त्याः भ्रूचा ची भ्रूबा ची त्यात्रः स्त्रव्या स्वात्रः स्त्र्चा स्वात्रः विवाया स्वात्रः स्वात्रः विवाया स्वात्रः स्वत्रः स्वात

यर्च्र प्रमादायते श्रुट अषा ह्या मु श्रुट्या वेषा र्या अमार्यो प्रते अर्क्ष्य पर्वे प्र म्रेट प रहुट वर् र्ड्से अवस्थ भ्रानम र्देन ह्योट पर प्राप्त के रेवें प्राप्त के स्वार के स्वार के स्वार के स्व प्रथमः श्रु. वो पूर्वायाः प्रतृ : व्यायाः स्त्र मैथाग्री.वाषु.पह्र्य.चेश्वारा.ध्रीट.खेबाल्ट्याश्चावायातपु.क्र्याङ्गाक्ष्याद्गापट्टी.धेटाङ्ग र्सर-तह्मामर्ग्न, म्रास्ट्रिंट वि.ता.ता.कुर.त्.तायमाप्तर्पर वित्यामीयात्वरामास्या त्.सिवार्चेवातार्टा वार्षकायम्यायश्चितावी.खिनावाच्यायान्ता भाष्ट्रकारायः पत्तवीयातात्वायी.प्यापत्वीत्वीत्त्वीत्त्वीत्यक्षेत्राचीःक्र्याङ्गेःक्षेत्राचीयात्वीत्त्वात्वीत्त्वात्त्र जिट. पक्षेत्र. ता. प्रवृत्त. प्रचीट. तप्रा. श्रे. श्रे. श्रे. श्रे. मी. यो वश. स्र र हे. यट्या. येट. क्रेत्र. र्राप्ट. ट्रिंश श्रॅंच. चेट. ग्रेशका चेवा रच वचट. त्या सिवा तप्टेचवा तर शह्ट हो ही ही ट्रिं पहुंच.त.श्रेभ.हूंट.क्षेचा.क्श.पर्यंग.त्र.हं.गूंट.श.टाशूंट.चश्रम.में.शक्र्.शूंचाय.शोवया. . विट'<u>ब</u>ीटारापुर, क्रिश चरारुव, बी. बाट्य प्रत्या, मुखा, मुखा, क्रिया, क्रिय, क्रिया, क्र योष्ट्रेम् त्यान्यात्रा न् देवे भ्राचान्यवायात्री वार्यान्यात्री वार्यान्यात्री वार्यान्यात्री वार्यान्यात्री यदः त्रासुंग्रह्मात्राह्म त्रवाषायात्रे क्षेत्राह्म त्रह्मात्रह् प्रथम् त.पर्देल.बुट.चेशय.त.पबुटयः क्षेष.पर्केट.कूम.ग्री.पर्द्या.सुः झे चय.ट्र्य.कूम.ग्री. भू.लट.हीः षुषायिद्यारा.पषुष.पत्याषारा.कःभ्रे.ह्यट.प्रथा.ह्येष.जयाभ्रे.ह्यट.पष्येषारा. र्याचिटाल्यास्याभ्यास्यान्त्रमान्यात्रस्यायान्त्रम्यास्यान्त्रम्यास्यान्त्रम्यास्यान्त्रम्यान्त्रम्या ८४.मैथ.चेत्र.मे.कु.प.चेंट.पर्यं। २८.। क्.मे.ज्रूर.ज्र्या.भूत.मे.र्यंता.भूत.मे.र्यंता.भूत.मे. स्वायाययाग्राटानेवानुनात्वार्यायान्वावाययार्ग्याटाष्ट्रियार्श्वेट् पञ्चनाःस्वारम् पन् य.यार्थिट.टेब्र्य.ध्रेट.विंट्य.ज.य.च्रेच.यक्षेच.त.अक्ट्र.ब्रीच.ब्री.थट्य.यट्या.याचेश.यभूथ. विष्ट.य.रविष.च.चम्.इब.तय.चूर्.कूर्याचन्नेव.जुर्.भु.पर्चेषु.चर्ट.क्र्य.जूब. पह्रथम.श्रेट.ग्रीम.स.से.जूर.या.ही.पट.वीचीवीय.पट.वटवी.ह्र्वी.पट्टी.वीपु.टागूट.पट्टीज. क्र्या. कृ. क्रा. क्र्यं र क्रिंट. ता. वीयर. तथे त. तटा तड़ी या तर अक्ष्य . क्रेंट. ग्री. क्र्यं . तय . तथा. खेत्रकालन्। नृत्युका क्षेत्राचारा क्षेत्राचारा क्षेत्राचारा क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या यात्री ट्रे.लट.र्झ्य.प.थ.स्व.त.त.स्व.त.त.स्वेट.तपु.स्वय.ला र्झ्य.त.पत्वा.त.स्व. 

क्रीकाक्टर-तारावाना कुन्चवा क्रिका क्रूचर क्रिक्ट कुन्च क्रिन क्रिक्ट कुन्च क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट कुन्च क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्र

यट्रे.ज्याबायचेट् म्रीट म्यूं क्टार्ट स्ट्रीयाबा अर्क्ष्टबा म्यूं वा म्यूं या स्वाबा म्यूं वा स्वाबा स्वाबा स्व बिर तभूषाग्रीयात्रर दिलाभ्रीयात्रयावृत्रम्भ्यास्य स्थान्यात्रव्याभ्यात्रया ब्र-निष्णः क्षेत्रः अक्ष्यं स्त्रान्तविषायः क्ष्याः सुः स्त्रिः चनावाः येतः त्यानाः येतः क्षान् । क्षित् । यहाँ वाषाः श.र्ट्यूब्र.नुटा श्चित्रावया.यश्चिर.त्.शुरानुवाब्राञ्च्याक्ष्यावाट.क्ष्य.पुष्टाव्रट्याग्यट. रट क्रिंग पर्देश क्रिं तुषा प्टाप्तृत प्राया विषा प्राया श्रुर योत विषा प्टें या प्रिया प्रावित प्राया करि मट्रिव इर क्रिय नियाविषा वटा द्वा श्रीय हे के विषा विषा विषा श्रीय हो क्रि विवा द्वा क्रिं क्रिं वा विवा देव क्रिं वा विवा क्रिं यिवी.यर्षेट्र.ज.शावर्र्,अर्ट्र.इत्याय.यिथ्य.यार्थ्यायय.ह्या.ट्या.झ्या.टाञ्च्या.व्या.व्या. रट.जीवाबात्वर्धं वाज्ञात्वराष्ट्रं त्राचारा व्यव्यव्यव्यव्यव्यात्वर के क्ष्रं त्राचे र व्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्य <u> इं.५८,८वीय.क्र्याय.लु.८य.५५५,८८वा.घरीय.८८८.क्र्या.लूटय.क्र्याय.क्र्याय.क्र्याय.क्र्याय.क्र्याय.क्र्याय.</u> लबालुबबाबेट्राट्वीबारामायहेवाकेषार्वेच किंबाचमा क्विंयाचेमावटेवाच्याचेवाखासाया र्यःग्रीः द्वरः यस्यः द्रियासः प्रस्या द्र्यासः यः स्या क्रियासः द्रिः कः पः यास्यः सुः यहवाः देशा चर्षेयात्रात्रयाः भ्रीयाः वेषात्रायाः युन्ता नियः भ्रीत्रात्र्याः भ्रीयाः विष्याः भ्रीयाः विष्याः विष्याः भ्रीयाः विष्याः विषयः विष्याः विष्याः विषयः विषय म्र्याया. मुन्नाची. म्ह्ना न्याची न्य चौ.यंबा.षाहूंट.तर.पुषा.टाधुय.ह्या.टाबाया.येषाबा.पूर्वा.पे.क्यं.यंबा.हर.क्रीय.पटा.पटीषाबा. तपु.शुट. प्रधेयाताची श्री. प्राप्त विवास भूर वया र गुवाक क्रियाय गार्थ स्ति विषय शुःतर्द्रवःळ्वाःषःळवाःपःच्चेतःपषःळ्वाषाःचरःत्येःचितःचश्चःचववा ।ळ्वाषःच्याःवषाःचश्चः पर्वयात्मभूमः श्रुप्या अह्याः मृत्यः द्वापा

ह्रीवाधाः अर्छ्ट्या चाञ्चेत्र . ह्र्वाधाः ट्राट्या , व्यव्या , व्

तर.पर्देग ट्रे.ब्रीट्य.पश्चेष.ब्रूग्या.र्थर्य.यी.योयर.विग्रंथा.पंत्रयाया.वेह्यंया.वेह्र्यंया.वेह्र्यं ८८.। ७.र्ज्ञ्च ।८र्चे.क्व.। ८र्चे.कुव.स्वायान्तरायह्वायान्त्रेटायर्थे.वर्षियात्रप्रप्राप्त्रा र्चेता. ६. अपु. श्रित्राया. आयर् क्र्या. श्रुंत. पिया. यी. पश्चर. क्र्या. क्या. पा. स्थया. पश्चेत्र. ह्याया. र्षट्या स्वाया स्वाया स्वया स् त्रम्म्यावाबात्तर्भाषाव्याः अर्वाव्याव्यात्रम् । इव र्याप्तात्वो अस्ति स्वाप्ताव्याः योष्याय्याची प्रवित्ता ह्यायस्य म्या श्रिका श्रुवे स्वा स्वित्र स्वा स्वित्र स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व र्श्वट.यचवाबारचाय.र्ज्ञब.र्ज्ञायमे.या पहुवाबान्तेट.यर्थे.वाश्वेषा.श्रपु.यरवा.यभ्रीटी अवूथ.तू. त्रिया.र्ट्या.त.र्याप.यया विजातव्री क्र्यामीजा.त्री.यरः। रिश्या.च्रूप.श्री प्रशाह्या क्रिया.च्री प्रथाः क्रुयाः भ्रीतः द्वायाः ग्रीः पञ्चातः प्रवायः पञ्चयः पञ्चय र. में शक्ष भीषे . ताबुष . क्रिष . वाष्ट्रेष . क्रिष . ह्रिष . ह्रिष . ह्रिष . ताबुष . ह्रिष . वाष्ट्रेष . वाष्ट्रेष . इटा पहुर्यायाचीटानरिटालयाक्ष्याक्षीयाची पश्चेत छ्या पश्चेत ह्यायाची पश्चियाया वया ज्ञाचित्रान्त्रभीतमात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्या ग्रेट्र-पर्श्व-वर्षित्र-अपु.लब.२८-मैब.ता अवूच.त्.हिवा.र्यवाता कूब.मैज.ही.च८-जूवाबा यक्षेत्र अक्ष्रयायर्ष्ट्रेयाः च्चार्पः प्रक्षाराः ह्वाः पुः कवाः त्यीत्रः योहेतः योहेतः प्रवेशः स्वितः पहेंचे.त.धेर्य.इं.ह्य.जय.थु.पचेंट्य.त.८८.। चै.झैंच.यू.यूथ.४८.४८.४८.वी.जय. म्री.सिवा.जुब.पर्टेज.पहूर्य.तपु.लुवा.क.वायजा.मुट.कुय.तपु.ट्यूट्य.ट्यूट्य.पु.च्यय.सुट. ८व्यान्य १५८ म् । व्याप्त १५८ व्याप्त १५ व्याप्त १५ व्याप्त १५ व्याप्त १५८ व्याप्त १५८ व्याप्त १५८ व्य यक्षेत्रः <u>क्</u>र्याया-र्थाट्याचा अक्ष्यः धुर्-क्र्याची. त्री विषयः लटः भ्र्यानः श्री. लूर्-क्ष्याय्याः पवाला.श्रट.ग्रीश.ट्राप्ट.इ.पहिवा.क्रिय.वाशिश.श्र्वाया.क्र्या.ह्रीट. प्रथया. प्रयास्या वुव् क्षेत्र त्यात्र द्राया च्या तक्ष तक्ष्य त्व्या ह्या व्याचा व्याचा वित्र त्या क्ष्या व्याच्या वित्र हिता ह्या व र्श्चर्स् द्वा वी त्यर अर क्री वाक् ब्रैंट द्वा व्या नेया नेया निया निया विवाद वाक्ष्य वाक् ब्रैंट अवया यक्षेत्र'यळ्यस्यस्यप्र'न्ट्र' वट्'सव्य-स्थायास्य क्ष्यायस्य निर्मेत्र'न्द्र्य क्ष्यस्य ययान्यन्ति । स्वाप्ति । यद्भव स्वापति ।

भैतरात्रका भ्रेट र्युव वार्षे वित्रका स्वाया याचा अवते राखे स्वित् राष्ट्र वित्रका स्वित्रका स्वाया वित्रका स्व इ.हीपु.भूर.ञ्ज.१७ क्र्य. र वया शर्म्य अधीया प्रभेटा मुयाराया धेवा वीश्वार्ट्स वीरुपा वीर्या र् भीत्रयात्रम् भूता भेषा स्वीया विष्टा विष्टा हि हिषा स्वीया प्राप्त स्वाया ग्रीया हित यर्वे तर्रेष्ट्रेयः स्ट्रेष्ट्रेच् स्ट्रेट्रेन्यते खेष्ट्रेयः स्ट्रेन्यः स्ट् वयास्यान्यायार्येयार्थेयार्थेयार्थेयार्थेयाय्ये व्यान्तेव त्यम् न्यान्यायाः र्ट्यूथात्रमाध्यात्र्वात्त्राच्यात्र्वात्रात्र्याच्यात्र्याच्यात्रमाध्यात्रमाध्यात्रमाध्यात्रमाध्या पहुर्वायाच्चेर.क्र.वा रि.मुट्यारवो.पर्यं स्थायाय्यास्यारिवायारटा रवो.सूर्यस्थाया यया. हीय. प्रह्मा क्रिया प्रत्या त्या स्वास्त्र या क्या या निया हीया स्वास्त्र स्वास्त चर्चा चक्किर 'मेरबा इचका क्रिक् 'में का प्रकार हैं । विष्य क्षेत्र 'मेर हैं 'क्षेत्र 'मेर हैं । विष्य से प्रकार हैं । . खेब.पार्थिंश.तम. ब्र.ची क्र्या. ब्रिंट. ज्याया. अक्ष्य. क्रीय. व्य्याया अ. ये व्याया व्याय र्ट. त्रभट रुषा रावया द्या रूपा अद्या अद्या दिन होता वित्रा होता है । हे या स्वाया प्राया वयानेवापनियानरानेरान्नेटार्करावास्त्रवारो देखस्ययावयार्क्याय्ट्रवार्यान्याया रे. भूष. ग्रीयायट्र्यी क्र्या. ४५ यथा. धुय. व्याशियात्र म्. च्या व्यायिष्टा. रे. क्रियाया क्रिया क्रिया व्याय शर्क्ट्यान्तर्मा क्षेत्र क्रिया क्षेत्र क्रिया क्षेत्र क्ष्या प्रमाणका स्वाप्त क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्ष्य क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्षेत वुव विश्वभागार स्ट भे क्र्य र वे क्र्या १ वया क्र्या १ वर क्र्या व्या क्र्या वर क्र्या वर्षा व्या वर्षा वर वर्षा व र्-द्रियाचन्ना क्रिंब्रायमा स्वापायि क्रिंब्रायमा विष्यत्रेया विषयत्रेया विष्यत्रेया विषयत्रेया विषय अकूट.ट्राय.क्षाय.वया.श्रेय.पट्टेय.श्रिय.वार्याना क्र्य.त/२/२०/३४ क्षाय.ज.ट्रीर. यर्वाःश्च्यार्त्व्यावाराण्याव्यायञ्चारा अधिवार्व्यात्रः स्ता क्ष्यायम् राज्यायाः स्वायाः मुन् क्रम.१६ ज.क्र्याय.८४८४.४४.भ्रूच.जत्र.५५०। ग्रीट.क्र्याय.मूज.वय.वेष.म्.स. क्षेत्र.ची क्र्य.५५ धुर्य.८ग्रे.श्रॅ्ट.क्य्य.यया.ब्र्या.स्याया.युप्त.यक्ष्ट्र.यस्य मिज.टा.श्र.तथा अर्वेव रेति ब्रूट पक्क व विट हते विवानु वादव तद्वेव य विवान विवास केर बेट दिए। म्नि, पर्से व. पर्टे. प्राट. टे. यो बाट. पर्टे ब. सुबा. टार्ड्ट. सूर्या ब. इ.र. जंबा. मी. सियो. टार्डु ब. घा. ये छा ब. त्र न्द्रीत श्रिः ६ क्र्या १० वया नेत्र पानियात्र प्राच्यात्र प्रा र्धाटका त्रवा केंवावा केत्र ह्वीं तर्हें स्ट्रां होत्र ह्वास सामु वावा नगर किरा से खर तर्हे त्रा केंवा गुप खेब स.चे.टट.। ट्यूट.प्वर.क्र्याय.क्रुब.झॅ.टॅट.बय.ट्वे.पह्याय.तपु.स.चसूर.झेटी 🚆 

यः स्ति विचा कूर्यः कुर्यः स्वायः क्षेत्रः त्यायः स्वायः क्षेत्रः यः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय

क्टालार्ट्या है. विकार्टार्टा है। यक्षालका यवीका त्वीका त्वीका क्षेत्र विकार है। यह क्षा विकार विकार विकार विकार विकार विकार है। यह क्षा विकार विकार विकार विकार विकार विकार के विकार विकार के विकार विकार

 $\begin{array}{l} \text{$\times$} \text{$\times$}$ 

हीं. तर्श्या यक्ष्य ही ही से रायक्रें राया हो राया स्थान र्विट.ट.क्ष्रयाता.ब्री.क्ष्याया.याञ्चा.ब्रीया.क्र्या विषयात्रीह्ना क्रूटा.ब्रीया.ब्र्याया.बटाया.पर्व्या योट.लूट.ग्रीय.धु.थेशय.ग्रूट.पतुजा.जया अकूट.क्ये.कट.पवित्रा ज्ञायहूच ।यक्षेत्र. चग्न्राहे ब्रु हे स्रु अर्षेट चर्ते वार्हेट ह्ये वाट द्वि कवा वर स्रेट सर सर्केट स्थाय वाय क्र-न्यायान्तिः न्यायार्ने नः न्याया क्रान्ति । न्याया विष्या या क्रा क्रा विष्या व्या क्रा विष्या व्याया विष्य त्रव.वायम.चीट.पहवाय.तपु.र्यट.प्रवाय.वायेय.पहवाय.पत्रा वार्चेट.श्रीर.अक्र्वा.र्यथर. श्वाण्याप्ताच्यात्र्यात्त्राचितः स्वाचायात्र्याच्यात्राच्यात्राच्या । द्वीवः प्रतेष्यः स्वाच्या म्नुपाग्ची'चु'पा'त्राप्टरापठवा'पा'हे' अर्घा'हे 'मुवाखु'पर्वा'पर्वा' अह्व मुक्रा'वा प्राप्ट क्रिंग से ८व्यूबारा-८८. बर्ट्र-४.८व्यु.५८५४.त.४४४.४४५.५५व्यु.त.व्यूबा.च.व्यूबा.व. मी.पर्चयानी.क्षेत्र.मीषु.वीयाला.अट्र.क्ष्मीयामी.ट्र्य.क्ष्या.सूया.ट्यया.सूया.ट्यया.सूया.ट्य अवअत्येत्रत्मुत्यः वावेषः प्रते देतः स्वाषः देः अतेतः प्रतित् भूतः वविषः मुः क्षेतः व म्री:क्र्यायानियानियानिः ह्यायानिः ह्यायानित्राचनयान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त चग्रीयाताक्ष्यायाक्ष्यायाद्व्यायाद्व्यायात्व्यात्व्याच्यात्व्याच्यात्व्याच्यात्व्याच्यात्व्यात्व्याच्यात्व्या ପଥ୍ଲି.ପ.\$४.ଘାଞ୍ଚ୍ୟ.ମ୪.ପହଣ୍ଡାପ୍ଡିବାଷ.ଜ.ଟ୍.ହ୍ନୀ.ଛିବା.ମଧ୍ୟ.ହାହ୍ଟ୍ର.ପଟ୍ଡି୪.ହୁଘା.ଘାଣଜ.ଓଡ଼୍ च.चर.च.क्र्य.बीट.ला.च्रेय.ग्री.बीच.र्चच.क्ष्यय.ग्रीय.चयाच.कट.ट्वा.त्.क्र्या.पी.पट्चवयाचा यर्दिन्द्री: वालिए। तरी वर्षा ग्राटा हेरा पार्वेद 'तृटा पर्स्टा मुचा पार्वेद 'यद स्वारं सार्येटा चा पग्रीत् कु पठमाने देव हे श्रीत् पर स्य दहेव व्यम् योव रह्या पविव र्याट पर तर्स्य

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{$ 

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}$ 

#### ह्म मुन्यक्त स्वा च्या यो मुन्य यो देव प्रवर ध्या

श्रधि तपु त्यो स्वय ज्यावाय त्य त्येष्ठेय येवा पट्य तपु यित्य त्यित्य त्यीय वित्य स्वाय वित्य स्वाय वित्य त्याय वित्य व

चत्रयाक्तर्नायात्रराज्यवायासुरस्तराज्ञेत् क्रियायात्रदृतिः भ्रानयात्वो भ्रीयाचि ब्रुर-पह्नुब-ळॅब-ळॅब-बॅब-र्याब-उट-प-ळॅट्-ट्ट-अट्युब-पते-क्लें-बब-पवा-ॲट्-पर-तर्-बिट-। क्र्यायासी.सूट.वाध्याझी.य.ट्टा वार्ष्यायाक्षेयामी.पर्यातास्वायाच्यास्त्रीट्सीट्राता योटेच.चया.था.बीटी टेच.शह्ट.चया.चभीजा.चषु.भैचया.थी.वोट.चचया.ग्री.खजा.पट्ट्य.क्राया. ह्येव प्यत्वा स्वामा ख्रमा रुव प्रतान प्रति व स्वामा स्वामा स्वामा स्वामा स्वामा स्वामा स्वामा स्वामा स्वामा स र्था.श्री.लट.चवी.सूर्ट.ता.प्र.च.झूरी बी.एट्र.विवाबा.हीच.रवी.क्षा.श्रूट.श्रेपबा.श्री.वाट. चचर्याग्री:क्र्याब्रीया पट्टार्झटास्टाराक्चान्नुवार्ख्वायास्वायास्वायास्वायास्वायास्वायास्वायास्वायास्वायास्व यर.पकट.बुटा। शावब.त्.रट.सूंच.टत्य.ज.सूर्याय.तय.शट्र.र्ज्ञवाय.ग्री.क्र्य.सूँट.यथट. तपुरम्याबार्षेत्रवात्राचे वे वे वे वे त्रात्राच्या के त्रात्राचे वे कित्रात्राचे वे कित्रात्राचा विष्ठात्राचा व ब्रुंगः र्ह्याग्रीः भ्रांच्या प्रबुटः बिटा ८८ त्व्रितः ब्रुंगः गुर्ह्र-राः स्वायाः भ्रुंसः द्विः स्रम्याग्रीयः ग्रीट. थ. यूंब. त.ज. प्यत्री ची. पट्टु प्र. ट्वी. भूंब. ज्याबाबा क्व. क्वेट. ट्वूब. त. क्वब. ग्रीब. रट.रट.वी.भैठब.धी.वट.ठठब.टट.ठईव.धुब.धुब्य.लब.त्र.च्य.ख्ट.ठब.ट्वी.उट्टे.ची. वयाग्राट के तर्दि पति या नवा निया स्वाप्त स्वापा स्वाप्त या नवा के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ट्रॅब.टे.पर्च्रेब.ट्र्य्याता.क्ष्याता.व्या.लूट.तपु.भीव.थे.झूट.ता.ला.वाय्यातालया.विष्याता. 

## चैव कित्र्यानश्चरम्बर्गन्यः नन्तरः त्रव

विचयःत्तरः हीः त्याः अकूरी।

ूच ः इच ः ची श्रेच ः तावश्चयः विश्वशः वृद्धः व्यव्याः त्याः व्यव्याः विव्याः विश्वः व्यव्याः विश्वः वि

म्रीट.चर.चे.च.च्री थर्ट्.विश्वय.क्षच.अर्ट्षु.लीज.पट्टरी इर.प्टश.अर्ग्य.धे.थ.द्र्ट.वि.त. इय.लीज.टेश.तर.च्रेंट.कुट.चर्ह्घ्यय.तथ.टवी.वी.जश.टवी.चर.वेश.यथी सैचय.ट्र्य.

ब्रमानिया हैया ता बूर्या ता बूर्या ता बूर्या ता बूर्या विष्या विष्या क्षेत्र क्षेत्र

र्याकार्यकालाटाकुानुटी झाचबुंकटाट्टाच्छकात्तरःखूंचीत्वर्ह्कान्नी
ट्टा श्री.चीराकूं श्रीचा झाची कटाट्टा घाष्ट्यात्पर्यूच्चा हिकान्चा करात्याव्य क्षित्याच्यात्र स्वाका हिकान्यात्य क्षित्या क्षित्य क्षित्या क्षित्य क्षित्य

त्राम्यक्षे विक्तास्त्र स्ट्रा क्ष्याम्यक्षे स्ट्रा विक्रम्य स्ट्रा न्यायक्षे स्ट्रा न्यायक्यक्षे स्ट्रा न्यायक्षे स्ट्रा न्

ख्या.ट.क्रीया.क्षथेत्रा.क्क्याक्क्याया.ट्यीया.या.क्ष्याया.वायाया. घष्ट्रमाया.वाखिट.वाळ्या.ये.क्षेय.क्क्याया.वाचिट.क्षेया.ट्ट्रमाया.वाचट.क्षेया.ट्ट्रमाया.वाच्या.क्ष्या.वाच्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्याया.क्ष्या.कष्या.क्ष्या.कष्य

या. मुंच. प्यूंच। यो. श्लें ट. प्यूंच, यो. प्यूंच, यो. प्यूंच, प्यूंच, प्यूंच, प्यूंच, प्यूंच, प्यूंच, यो. प्यूंच, यो. प्यूंच, यो. प्यूंच, प

पर्श्वयाकी पश्चिताता विशेषाह्य त्या हिंद्या स्वार्थ स्वर्थ स्वार्थ स्वर्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व

 $\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A},\mathbf{A}}\mathbf{L}_{\mathbf{B}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A} = \widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A} = \widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A} = \widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A} = \widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A} = \widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}}\mathbf{A},\widehat{\mathbf{p}}_{\mathbf{A}},\widehat$ 

पर्शे.पर्टेंबे.तपु.क्.ज्ञैज.खं.के क्र्यात क्षे.ज्.पे.पित खे.५ क्र्या.व प्रचट.त्.जा। क्षे.वार.पत्तवायातीज.वया टे.जपु.खं.या.चेंग्वेपु.ट्वा.ब्लिट.पक्षेत्र.पह्य.के.अक्र्या रतार्वीट.

## पर्व। तसवायाराः इते र्वोव राज्यया वर्षेते सः क्रेयाया

ब्रे.ब्र्-.श्रम्बायाब्रीनयाङ्गी.रस्। करा.प्रवा.में.वार्ष्यायानप्राच्याच्यास्य विक्रासीयाव्ये स्थान पहूर्य। धि.र्ट्स्य विव विवर्षित.र्ट्स्य विव विवर्ष्य विव क्षे र्ट्स्य विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः र्या.चंब्र.पृथा.कृर। अर्ट्र.पिश्रबा.पहूच.श्रु.मुव्य.पिश्या.ट्राजा.संव.क्य.शर्ट्र.मुश्रबारा. म्चित्राबेशाहे पत्वा नेत् क्रेत्र रॉवे त्रॅका भ्रूंच न्चत् सेश्राम्वा मेशास्य प्रवास्य स्वास्य चर्व पत्रे के ब्रुल के काषा चन्न पर्म अह्र विषा प्राप्ते कुल प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त यार्व रचमार् अमार्श्चेट विटा यार्व रचमाय्र यात्रुमारा श्रेष्ठ प्रात्रे प्रात्रे प्रात्रे प्रात्रे प्रात्रे प्र वंश्वराक्ति अक्टूपु होया.क्र्या. हो तदी खेट ग्री पाटवाया तहीं वाहीया ही ता मुक्ता की प्राप्त के वि यान्ता हे र्वेत्यायार्वेतायार्वे स्वाध्य व्याप्ते स्वाध्य विवाधितायार्वे स्वाधितायार्वे स्वाधितायार्वे स्वाधिताया चर्याय.योटश्रय.ध्रीयोबा.चश्राजया। ८८.तू.चधु.ची.च४ग.च≅८.ध्री। घ.श.धूँ८.सिया.वर्षिश.चीु. यम। यश्चित्राः वाश्वशः स्व स्वृण्येतः श्वरा। तर्मेः पः स्वान्तः स्वरा । स्वान्तः स्वरा । स्वरा स्वरा । स्वरा स चक्षेत्र रा.क्षेत्र प्रचा पहूच रची पर्येत्र ची क्षेत्र हिंदा स्वा चिष्ठा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में का मी खेर क्र्यान्यक्रत्यक्राचित्रं स्रीतिक्षात्रं स्थान्यं स्थान्यं स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्य <u> बूट्यानट्रे.श्रेट्र्यी.वीप्टायाज्या रुष्यालयायी सिट्रिट्राचययाश्री</u>रावियायीयायीया वेशवाचेतात्रेयात्रेटा वूटावाड्स शुपु क्यापट्टेव अक्र्या वी विवाबा ह्या जूवा क्या क्या ૾ૢૢૢૢૺૠઌૹ૿ૢૣૢૢૢૢઌૻૹૣઌૡૹૢ૱ઌૣૼૹૢૼ૱ૡઌ૾૽ૺઌઌઌૹઌઌૹ૽ૼૹૢઌૠ૽ૺઌ૽ૼઌ૽ૼૡ૽ૼઌૼ૱૱ૹૹૢૺૠ पर्चिरःश्चेन्यः नृष्यं स्राप्तः नृष्यं त्राप्त्रः विष्यः विषयः विषय पत्तला. मृं. लीप . भूं. प्रयापह्या अप . प् . कृप . ला. भूं. पिते . भूं पार्या मृत्या स्वापार्या स्वापार्या स्व हे मूट अ.व. रूआ मी . में स्वेत सेंट अ. मूच तर्ष त्या मुन्य में तर्ष त्या में स्वेता में स्वेता में स्वेता में चषु.वर्षि.चेषु.चे.भूंच.केषबाग्री.षाष्ट्रंट.क्.वोट्ट्ट.घ्वचबात्वता.सू.षु.क्.क्र्ट.क्रंट.क्रंट.का.चीवाबा

तपु.तय.र्थेल.षु.वोक्वा.ला ४८.जिवाब.ग्री.क्र्.वा.क्र्य.र्झैट.वा.क्वा.क्वा.ग्रीबा.जुर्बाट.बा.सं. योद्भवा त्राकृता वी वित्रवा तम्बर्गन्ता मुला तम्भव क्या भ्रीत प्रमा मुला तम्भव क्या भ्रीत प्रमा मुला तम्भव क्या भ्रीवा पक्क.तय.धेशवा.वांबू.ह.विय.वुवा.वां.प्र.पर्येथ.कु.वांचुवा क्रंप्र.च्यं.वांतवा.वां.प्रा.पर्यःक्रैथ.र्टा ८गूर.थ.८गु.वि८४.इ.लू८.४अ४.शूथ.अ८.वर। इ.जू.अट्र.वअथ.बु.ट्या.श्री.विटा.य. र्वतः भ्रात्राक्ष्या व्याक्ष्या भ्रात्रा भ्रात्र भ वियातवियः श्चितायवा वा क्रूयाविया श्चरा स्वता ता त्या हा स्ति ता विदास स्वाया त्रिः अेट्गी; र्ह्येर तहवायावार्दा यायात्रा अर्वा अळव वार्यया रया स्थापति । द्वीत्यार्देव हे र्वा.वाष्ट्र कूर.तभूर.कुर.तर.ह.जुर.तर.वाये अ.पह्वाय.प्रवाय.कुर. ८८। वरालमा हे मूटामान राजान राजान मान प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त चिन. खे. क्षेत्र. शुट. तपु. विचा. जेबा श्वी. तक्ष्ट. ता. हूट. विचा. क्षेवाबा. र. विंट. श्री क्. टा. हूंट. श्वीट. चळ्यासिट्रात्पु.पु.मुम्बाह्याङ्क्ष्र्राध्यायास्यास्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्या र्ट्र. ट्वाय. टर्झ्या क्षेवा. वाचुवा । चृ. र्ट्र. पूर्वा. ट्वी व्ह. स्ट्रेटी ज. क्र्रेट. क्रेटी ख़िंबा चीवा ब्राह्मेट. श्चित्रायवा वातुमा ह्रम्या सूत्र मध्य । व्याप्त । ८.जत्रा.वोष्या.टी.जा.जा.चध्या.तपु.इत.तपु.इत.ची.ची.क्ष्याया.ची.ची.प्र.क.वाकुवा.जया.जा.जाट्या विष्यः यान्त्रेयः न्त्रं स्त्रं स्त्त क्ट. चीट्या थिट. ज. तम्रेयी या ट्यूये वा क्रू. त्र्र प्रत्ये तप्र म्हर ज्या तथ्ये त्या विषा लूट. र्नः रेति सुः रे क्रिंगः क्रिंगः यहिषा पिते क्रिंगः विषय गाइत स्वेचका क पर्वेषा देवा विष्ट्रितः रेटः शुष्र चि.की.लुष्र तथा.बू.ता.सूचा.झैता.ग्रीषा.ची.हील। ट्यूष्र तिया |ट्यूष्र तिया |शु.शुर्र सूचाषाक्र. बि.श्रेथ.ग्रीट.त्याप.सुर.क्षेट.तथ.श्रष्ट्य.तथ.भ्रैथ.त.क्ट्र्ट.पष्ठ्य.या.ग्र्र.क्षेट.क्र्.विश्वा. ग्रीमायन्तायन्नान्यान्यान्ता ने र्ड्स्नाक्रमायान्यायिकायते सेराक्रमान्यान्या र्रे.पर्येज.श्रेंच.वि.जय.र्रे.यवुष.लट्। जय.वुर्-प्रथय.वय.ह्.यवुष.यर्परप्रेट्-अ.व्य. तपु.चित्रयालट.ची.मुच.तया.भूच.कु.जा श्चट.कुच.क्.यूर.ध्यया.व्यूया.जियाया.थी.स्.त्वु. योट.प्रेट.ज.पयोज.पपु.धुर.कट.ह्यै.पब्र.जय.विट.येथ.लज.तूज.ची.चींथ.ट्र.बीट.घुट.तर. इर लया द्वित क्वाया ग्रीय श्रीत तिवा सं संतु वार्ट्र में दिन या वार्ष्य प्रता तिवा सं चतु.क्रि.मुेब.श्रट.वोबल.घ.चटी हीब.धी.ह्यर.टट.श्र.पट.तपु.श्रर.श्रेंब.वोल्र्य.कु.श्र्ट. लूट्रवर्वात्त्रं बुटा नस्याः श्रेटामा विष्युमा स्थान्त्रं अर्क्रन्या विष्युमा स्थान्त्रं स्थान्त्रं स्थान्त्रं

यट्रे.पर्ट्ट.ग्रीम.यमभायाषुयःभ्रीये.षियोमा.स्यो ।८८.त्र्रःभ्री.मर.स्ये.तराष्ट्रिभमा.स्यायामा चगुःन्वाः र्क्राःहेषाः श्चाःत्वात् व्याप्तन् । यद्याः विष्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः र्वायाना अर्गनियातह्यया चित्रास्त्राचा क्रिं मुन्ति । स्त्रीया स्त्राम्या स्त्रीया स्त्राम्या स्त्रीया स्त्रीय रुषु.शनातर्वं,रिर्ना है.वीट.सुट.रिष.सुष.यूट.वूट.वूटन.वूटन.श.हींचय.रिव्या प्राचिट.पक्.सि. तपु.श्र.लूब.क्री.च.झट.जुव.पग्गीवाबाजीय.त.टटा विजाव्रूटबाशुब.तपु.झट.सूट.झ्. पर्ने पर्ने पर्ने प्रत्रे सेवाया ही पर्याया अर्क्षेत्र प्रते अर्क्षेत्र सः या ही पर्वे या पर्ने पर्वे या प्रति हुभःशुः बटः विविटः वीषः श्चेतः विवाः ग्रुः रेवाषः अरः श्चेतः प्रियः तयरः तर्रटः तः इष्रषः ग्रीः देः <u> इ्य. अर. तक्ट. ह. लूट. ब्र. ब्रू. श्रम. अव्या तर्योय. वाट्ट. टवा. घेय. ह्य. श्रट. यय. इर. जश. श्रट.</u> राते अर ञ्चित त्व १वॅट्या व्या प्रमा त्व था प्रमा त्व था प्रमा वि । प्रम वि । प्रमा वि । प्रम वि । प्रमा वि । प्रम वि । प्रमा वि । प्रम वि याट्य.ब्र्या.चर्झेंच.ट्य्र्या.क्षेत्रा.क्षा.यंट्टा चारायाट्य.ख्या.तपु.ट्यो.ख्या.व्या.ह्या पर्चे. ञ्जवायान्त्रान्त्रवा परुषाञ्चा चारा व्यवायान्य विष्या मुन्ना स्वया भूता स्वया भूता स्वया भूता स्वया स्वया स्वया क्ष्रियायात्मा स्त्राह्म द्रित्ता पहेत्र स्त्राह्म त्राह्म त्राहम त्र र्ट्र. चेट. ह. लूट. बेशब. ट. जंबा प्रविट. जुंब. चंच. ट्यीज. चैश. हेंब. श्रंट. बंब. ट्यी. पर्टेंब. पर्यम्भारात्रःगाव र्वायः राजावरः पावेष्यः पावेष्यः प्रवेषः वर्षः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः चयार्ने म्बीट्यायक्र्या प्रवन्त्रम् सुयाग्रीटा चक्षुयायरेन् मुनायस्य स्वर्थायः स्वर्थायः स्वर्थायः चर्म्र्न्अम्वाबान्द्रः अःत्रेवावायते । व्याप्तावायते । व्याप्तावायते । व्याप्तावायते । व्याप्तावायते । व्याप्त ट्यूंयाक्री.पळ्यार्रटापिजामुष्यायाबूच.यावच.क्यटाजाज्यायार्ज्यायान्त्रीर.ट्टा जयाम्नेट.क्या लात्ते, पक्ष्टी, ख्रीयावया मीयाक्ष्ट्रीया क्ष्यां प्रमान्य क्ष्यां प्रमान्य क्ष्यां प्रमान्य क्ष्यां व्याप्त क्ष्यां विद्या क्ष्या विद्या क्ष्यां विद्या क्ष्या क्ष्यां विद्या क्ष्यां विद्या क्ष्यां विद्या क्ष्यां विद्या क्ष्यां विद्या क्ष्यां विद्या क्ष्या क्ष्यां विद्या क्ष्या श्रमाञ्चर म्रात्याय सेर् स्थापित स्थाप प्तुलाम्भियाकूर्याम्। वयायाः (१८१८) मः ८ पदः त्यारः सुवायास्वायाः वार्षेत्रात्ताः वर्षेत्राताः वर्षेत्राताः व न्वो'चर'भ्रेषा

## तम्नित्। क्य.अर्ट्र.क्रं.त्र्व्य.वयातायायायायायात्राचा क्या.क्ष्यात्राव्या

अस्ये.ब्रुपु.व्रि.चेट.टी श्रिच.कुर्य.तू.टेट.तं याट्यट.त्याप.लु.यीट.श्रुच.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्ष्या.व्या.व्ययात्तर.खी.वेट. 爲 योट्य.कूट्य.क्ष्य.ब्रुट्य.प्रत्येत्र.प्रत्येत्र.प्रत्येत्र.प्रह्मेत्र.प्रत्या.क्षेत्र.व्या.व्याप्ता.व्याप्ता

र्त्व्यायान्त्री स्वाची व्याप्य त्याप्य स्वाची स्वा यदिया वया योद्यमः क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र योद्धमः गा अन् त्या स्वा अधिव त्यक्ष्या द्विता क्षेर क्षेत्र त्या अधिव। वु क्षेटा। ग्रीमायन्याम् विटा हे। हें। र्स्टा ह्मेटा मी विट्या मिना करा महिता मिना स्ट्रीया स्ट्रीया कु.टाक्य.मैजाववा.वावय.टटा इं.तय.मै.यवा.मैज.त्या.वायवा.या.टीयार्क्य.त्ट्रियार्क्य वि'वासुस'र्य'रूट'पर्दत्'र्वेट्स'सु'वाद्रस'पदिद'र्यदेव'र्योद्धर्म'र्योद्धर'र्योद्धर्म'र्योद्धर्म'र्याद्धर'र्योद योषटाशुरत्या द्वारा दे ह्या ग्रांट में दि मुलायन प्रत्याया प्रांस अर्केट र्धेव प्रांत से चन्नार्वेत्यापत्रः भेनान्नात्र्यान्यान्याः स्त्रम् सर्वेत् तत्यम् स्रामा । वार्षेत्रः धेवा न्ता पार्ख्याक्षीःक्रवायित्रवाद्येताक्षपायाद्गीत्रवायात्रायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवायात्रवाय चीया.क्ष्या.मीटा.चूंटा. आ.क्टा.ची. मूंच . कुच . टेटीया.चूंटा.जुटाया.सजा. खुजा. कु.स.च. याचेया. वित्रमः वित्रमः द्वारायाः वित्रमः वित्रम मूर्याचारीट.कुट.च्रि.ज्.चोशिषा.भैयमाकप.कर्य.भर्ट्,थ्री.पतवोबाता.क्षे.भ्रेबा.प्यवाचार्यक्रिट.धर. न्नवान्तु न्वत्राचित्र प्रियाधित स्वित्र याना मुलार्येकातहरा का सुर्या निवेत निवार होत्र रहेवा रा वावर क्या बेश हैं। येवश क्षेत्र वा क्रिं वा विवा स्ते वा विवा स्ति वा विवा स्ति वा विवा स्ति वा विवा स्ति व पर्वट.तपु.ट्व्यि.इं.पिया.स्वाय.अकूट.वार्ष्यय.थी.वार्ट्रवाय.त.क्याय.ट.। पत्तवाय.त.र्झ. भ्रे.सुट.तर्केट.अर.यट्वा.मे.पह्य.तपु.क्ष.थु.ट्यूय.कृ.क्ट.अय.विज.पुवाय.पकर.पत्रर. क्य.भट्र.४८.५.अँच.त.जय.थे.व८.ज४८.उह्न.थ्र.८यूथ.त.यूवेब.इ४.यूज.प७८.त्.

ट्रे.श्रम.श्र.वायमा.पाषुय.पत्रवायाता.क्षे.ट्यम.धिवाया.ज्ञमा जमानुट.लय.जा.शक्य.पत्रम. वयःग वि.श्रट्रायायः ह.यह्र्यः विषटः ह्या श्लि.म.यायः त्रायः स्थितयः यव्ये प्रायः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः व यट्या.स्.ब्रुट.खुषु.क्षा.पट्टेब.मुषा.स्यायायाय्या.योट.चटा.क्ष्य.क्षेव.तक्षेट.खेव.श्रुव.ग्री. विवाय.श्रय.विश्वय.त्रेष.त्रेष.त्रेष.त्रेष.यात्रेष.त्र्यूष.ट्.ट्वट.त्रभीम। वाज्ञट्य.तर्भूट्.त्वयाय.स्रेम. रुषाः ऋषाः स्वीयाः प्रापादः देवः चयः स्यापास्यः प्राप्तः स्यापादः स्यापादः स्यापादः स्यापादः स्यापादः स्यापादः लय. राष. प्रथा. योट. यक्षेत्र. ट्र्य. लय. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. ज्यावाय. क्षेत्र. यो विषय विषय (विष्यः वि प्राचारायाः कुः श्रीरावाषिराययर्थाः श्रीयां व्यायायायाः व्यायायायाः विवयाः विवयाः विवयाः यधुय.तम हिथाश.तूर. र्हूट्य.कूयाग्री.खुट्याम्य पर्युष्ट. पर्युष. पर्युष्ट. पर्यूष. पर्युष्ट. पर्यूष. पर्यूष. पर्युष्ट. पर्यूष. पर र्पूर्यावयाः अर. त्र्राच्याया श्रीयः क्षेत्रः त्र्राच्याः वर्षः त्र्राच्याः वर्षः क्षेत्रः यः श्रवर पश्चित्रपाद्या देखें चार्र द्राया स्वापाद्य प्राया स्वाप्त स्वापाद्य स वोष्यान्त्रभाराष्ट्रीमान्त्रम् । मिरावयान्त्रम् विष्यान्त्रभावान्त्रम् वाष्यान्त्रभाराष्ट्रभा विवाकी सेरायवा केरा ह्येता हूँ तावर्षी होरा ग्रुपा विता दे हिया रताविवार्षीता स्रितायाता पत्रियाः भीत्राः सुर्याः मीत्राः सुर्याः प्राच्याः पर्वे । विष्यत्याः मीत्रे व र्यापायः प्राचयः पर्वयः पर्वयः मुकान्ध्राम् भूकान्ध्री यसवाबादान्ध्राध्यान्यान्त्राचान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्र तर.मै.विज.पूथ.शुट.टट.पत्रुज.शुश्रय.२४.४.जिवी.लथ.ज.टिज.विज.मैवी.है.पर्टी.विज. देवाबागुट र्सेन त्र्वा हे र्सेन तहल न्वेंबा हुट च र्सेवाबा ट्न न्वट र्वे न्या सेन मेंन र्षःर्स्त्रात्वायायोषाद्भःभिरःस्त्रात्वोयाद्युरःस्वाषाद्धेःर्टा र्वोत्रःस्तेःस्वाषाभेरः प्रकालमः भ्रुवा पर्द्वा विष्यापायः विषापत्तः पर्द्वा प्राप्तः विषापत्तः पर्द्वा प्राप्तः विष्यापत्तः विष्यापत् मु:भु:धो:भु:धे:भूर:देवा:भुव्या:प्येवय:पवेष:पवेष:प्राच्या:पवेष:प्राच्या:प्राच:प् तपु.ज्ञ्चा.कवाबा.चबट.ता चयावा.चेट.चकट.ता.ज्ञ्चाबा.टचट.ल्ल्ट्रांच्चेशबा.खट.चेट.मेट. म्बोबार्स्याच्यां क्षां क्ष ह्मिं त्रमु में 'बर्भ प्रस्थ प्रस्थ होता प्रमाम क्षान क्षान स्त्री स्त्रमें प्रस्थ प्रस्थ क्षान स्त्री स्त्रमें क्टि. पर्ग्. नुयार्ज्ञ् प्रापया निया क्षेटा नहें वार्षिया ग्रीया ग्रीया ग्रीया श्रीया श्रीया निया

२८। ८.८८.८.जयाहार्झेवा.क्षे.व्या.८बूचि.ता.४८.जाम्चे.शु.र्खेवाया.क्ष्याजयावाया.३८.। र्त्व्यात्रक्षात्रम्भार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या ञ्चित्रयास्यान्वीत्रासाञ्चीत्राकात्रेराञ्चीत्रयात्राचित्रात्रियाः द्वितान्त्रयाः वित्राञ्चीत्रात्राचित्रयाः मि.शुकार्ययेट. रूर्वायाः अवात्रा श्चात क्र्यातित क्षेत्रात्रत क्षेत्रात्रात्रात्र क्षेत्राम्याता वयातस्यायारा संप्रक्रिययार वया हा स्याया संयाया है। विष्या संप्रेत स्याया क्षमाक्षयान्वीवार्षाच्यान्यात्वीयान्वीयान्वीयान्वीवार्षाव्यान्याव्यान्यान्यात्वीयान्यान्यात्वीयान्यान्यात्वीया परीयाः क्षेत्रम्। क्ष्यः म्यापः समार्थः प्राप्तः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः लूट.क्ष्रथ्य.क्षेट.ट्यूब.तर.खेवाब.ट्र्वाब.वाट्र्ट.ट्यावा.च्रिब्य.लट.। लट.ध्रेवा.ट्रे.बंट्र. वयास्त्रेट्र र्व्यायासु सेवाट्वें वारास्त्रेट्र प्रसेवायासु मुग्नासुट स्वायास्त्रेव रेटे रेटे रेटे रेटे *२ व भेव भारत विश्व भारत* च्चा । स्.चटा वर्श्वा जवापटा बी.वटा विजावटालय ।वटारा ह्रेटासवा विश्वास्य यञ्जवाया वार्ट्र म. होमा क्रास्त्र आवन र्श्चेता छिन्। तसवाया पञ्जा में न्स्न स्तुक रहेन प्रवी हो.  $\Box \hat{\mathbf{q}} \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{d}}, \mathbf{m} \hat{\mathbf{d}}, \hat{\mathbf{g}} \hat{\mathbf{w}}, \Box \hat{\mathbf{p}}, \hat{\mathbf{w}} \hat{\mathbf{x}}, \Delta \mathbf{w} + \Delta \mathbf{w} \hat{\mathbf{d}}, \hat{\mathbf{g}}, \mathbf{w} \hat{\mathbf{u}} \hat{\mathbf{w}} \hat{\mathbf$ ठव 'पर्ड्य'प' यद्मात्या यदार्येद 'प' स्वाया स्व रवाबा.क्षा. ह्या. परीया. वेबा. क्र्या. पा. या. चर्या योषा. पा. परावाबा. परा. खे. परा. खे. परा. खे. या. परा. परावाबा. लय.मुटी ट्यु.पर्ये .त.चेल.जेय.चळ्य.य.योष्य.क्योय.प्र.चल.ट.स्योय.यूट्य.अकूट्. ल्य. थे. भ्राचित्र प्रमुखा मी प्रमुखा मी प्रमुखा प्रमु लिये। बट.स्वोया-ट्रा्च.ट्राया-इयया-वयाचित्रया-स्ट्रा-ट्रा-ह्र-च्या-ता-म्रा-ट्रा-ह्रा-ह्रा-ह्रा-योवाजात्मायीया.क्ष्यायोवाजात्पट्टीया.वि.या.ट्यूबा.वि.या.पट्सूबा.वि.या.क्ष्या.वि.या.व्यूबा.वि.या.व्यूबा.वि.या.व बुटा ट्र्य.ब्रूर किट.सैवा.स्वायाल.कवाया.ध्रे.लिल.ब्र्जा.या.घीटा.तरा.ब्रीटा.लीवा.याधेया. वाचुटा.श.टाइन्.भा.श्रट्.वीट.प्रवाया.क्षाया.लाट.से.विज.इ.चुटा। दर्वे.विज.ब्र्वाया.ट्शिज. यपु. श्रुश्चरा २०४ . ग्री. र्जिया । यज्ञिया जाया क्रुया क्रुया क्रुया क्रिया यज्ञिया । शुव.ग्रीय.ट्र.ज्र्य.लट.शट.क्य.रीज.ड्रॅट.ज्र्ट.क्र्ट.ज्या इ.तय.ट्रंय.ट्यं.ग्रंप्ट.यय. चर्चर-र-त्रव,चीक.क्ष्य.श्रर-वर्ट-विच-ह्यचान्त्रज्ञचा-ट्र-प्रह्मवान्द्र-प्रह्मवान्त्र-वर्षः श्रा

वोष्यावोद्दाव्यवात्राचिवात्राचिवात्राच्यात्राचेवात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या श्रेट्रीयायेश्रयायविषायर्षे,त्रम्वायाविषाय्रेत्राय्याः ८. स्रेचया. बे. चपु. क्षेट. तूर्र चक्षेत्र. ट्वा. तुत्र विष्ठ वट. ह्या. प्रह्या. पटा. चरुया. पर. वेया प शुवा.धूंया.जा.सर्व.ता.टेटा। यक्षेष.टेवूर्व.क्षेत्र.क्षेत्र.वोब्यर.वोचयो शु.यब्यटाजा.कूटा। क्रै. र्ट्यायायहर्षायम्बर्षायस्य भ्रित्र्याः इत्रायाः व्यायाः वर्षायाः वर्षायः वर्ष ८८। ट्रे.श्रेब.क्य.भ्रट्र्य.खे.अर्थ्ट्य.क्र्.यो ट्रेश.क्षी बियु.खे.विया.बंबा.ग्रीट.वीबा.क्र्य.खे. र्या.शर्डिय.मुच्र.सं.पूर्य रिट्र्य.क्य.प्र.पुंया.प्रमुच्य.प्र.पुंयाया.पः प्रमुच्य.यीया.क्ष्र्य.येशया. योश्यायोश्यान्त्रमार्त्यात्रमार्व्यायदेराविक्षिः श्रीतायाः भ्रात्रमार्वेयायाः स्वातायाः स्वातायाः स्वातायाः स् भव्यत्रात्वाचात्रात्रम् अक्ष्वाय्यात्रम् अक्ष्याः अक्ष्याः अक्ष्याः अक्ष्याः अक्ष्याः अक्ष्याः अक्ष्याः अक्ष्य यान् तहवायानुअयापार्शेरातकुन्नु धेर्मान्यते वीत्रायान् अति क्षायने व केवार्येरा योश्र-अंथ.भ्रूय.पर्यंज.पर्व्या त.श्रय.पी.पश्चेत्य.क्षे.पीपु.श्चेत्य.पदीयांश.ह्या. यचिवायायाओ कृताया के मानिया आधीय। अधीय। बी बियावार्सिय परिवयायायाया लट.क्टा. मैंबा. त्यं प्रमें व विया की मिंता क्षा में मिंटा मिंया प्रमें अपने स्वाप मिंता मिंता प्रमें अपने विया यर्थं त्राचेता , ए. मूर्याता का क्षेत्र प्राचिता क्षेत्र क् म्च्रित रेगाया र्या क्च्रित त्यात विया गोया होर त्येत त्या तहेत तहत होत र्याट्य त्या ता वित् क्चमःकुः व्याःक्चः वितः दैयटः लयः विटः क्वं वा अध्याः वधाः वधाः वधाः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः व योबीट.योबाभीषे.जबा.बाबबा.बी.मी.टेत्ये.टेशवा.उत्र.कु.क्षेत्रोबाउत्र्रम्यीबाट्येम.वीबाट्यटानीबा प्ययः र्यवाषायादः श्रेरः द्रं र्यवाः स्वयं रहे हिंदः र्भ्वः अत्वयः स्व । तदे र्यः कुः त्यवाः ह्येः शर्क्ट्या ही र.जूर्या था र वूर्या की पुर विचा तर्ह्य था स्वार म्या स्वार विवा वी ही र विषय था । यम्बेरायाः कुः त्वाव्यायां विष्याः होत्रायाः विष्याः विष्य प्रह्म्या.पष्टिमा प्रह्म्य.पार्श्वया.जया.विट.टेट.ची.चेवा.स्वाया.स्रम्यान्त्रम्यान्त्राचीया.ग्रीयायाया . वेब . मृ . प्तं च . प्र च . वेष 

ત્રમૂંટ્રાંત્રની વર્ટ્ડ વર્ટ્ડ માલે. ત્યાંત્ર ત્યાંત્ર ત્યાંત્ર મુંચાલા વર્ષ્ટ્ર ત્યાંત્ર ત્યાંત્ર ત્યાં વર્ટ્ડ વર્ષા વર્ટ્ડ માલે. ત્યાંત્ર ત્યાં વર્ટ્ડ માલે. ત્યાં વર્ટ્ડ માલે ત્યાં વર્દ્ધ માલે ત્યાં મુખ. ત્રાસ્ત્ર મુંચા સુધા મુખ. ત્રાસ્ત્ર મુંચા મુખ. ત્યાં મુ

## र्यी विट्युका मिर्जा राज्य राज्य

पर्यायायेश्वार्यायेश्वार्याः स्वित् स्विष्ठाराः म्रीटा ख्रियायाः स्वित् स्वार्यः स्वरं स्वार्यः स्वरं स्

지, 고필드,네 ( $\lambda_0\lambda$ ),  $\frac{1}{2}$ ,  $\frac{1}{2}$   $\frac{1$ 

### यदी विट.चुका ह्ये.सू.ट.चम्चैट.त्रर.पत्तवीकारा.क्षेर.सिकाचपु.क्र.सू.ट्ट.टेटिका च्या

च्चित्र, स्ट्री क्लिट्ट स्ट्रा, क्ले. क्ले. क्ले. क्ले. क्ले. क्ले. स्ट्री स्ट्रा, स्ट्री स्ट्री स्ट्रा, स्ट्री स्ट्री

## यक्ष मिक्य । व्यान्त्रान्त्रान्त्रात्र्याक्षाराः भ्रूरास्यान्त्रात्रात्रात्र्यान्त्रात्रात्रा

यपु.पर्ट.यर्चेश्रा भी विषयाग्री.क्षे.गूर्य.थ.२८८५पुण पत्तवीयाता.क्षे.यर्चेय.त्य.रिजावश्वात्रामुत्रा.क्षेता

ण्र.ट.चक्चिट्रतपुः श्चःच्यविश्वःतपुः क्ष्यःचचट्यः ला।

वाश्च्यः श्चेट्रतपुः श्चःच्यविश्वः तपुः क्ष्यःचचट्यः ला।

वाश्च्यः श्चेट्रत्यः श्चेः वाश्चेयः वाश्च्यः याव्चिट्यः व्यःच्यः वाश्च्यः व्यः वाश्चः व्यः वाश्चः वाश्च्यः वाश्चः वाश्वः वाश्चः वाश्चः वाश्चः वाश्चः वाश्चः वाश्वः वाश्वः वाश्वः वाश्वः वाश्वः वाश्चः वाश्वः वाश्चः वाश्वः व

# देन'वदेवे'न**ॅ**ड्र'तु'दद'वद्रेय'ॲद'ऋद'ऄ॔अ'विन्'र्छन्

#### বাৰুবা ব্ৰিন্ট্ৰেণ্ট্ৰৰ নৰ্ভ্ৰাই্ডৰাই্ড্ৰান্ড্ৰন এইন স্থন

 ત્ર કેશ ત્રાપ્ત પ્રત્યાન ત્રામાં ત્રી કર્યા કર્યા ત્રામાં ત્ર કર્યા ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રા

द्रवा,विषय, कु. च.क. दट. क्ट. च.क. कु. चळ्यु. बट. चक्रिय) ची वाषा क्षित्र. प्रचा, ता. बु. चि. कूचा. कु. प्रकार ता. कूचा. विषय, ता. कुचा. विषय, विषय

त्र.ला.अक्ष्य. क्ष्य. ख्री.वाचेय. यथा. लाय. ख्री.चीय. प्रस्था. यम्प्र.ची. प्रस्था. यम्प्र.चीय. विवास विवास

शे. एड़े ८ थ. लेल. मुं. चेथय. से चेथा. से प्राचीय थ. प्रेय. में या चेथा. से ८ . प्रेय. में या चेथा. से प्राचीय थ. से प्राचीय थे प्राचीय थे

त्र-प्रमान्य-भिट्य-त्रात्त्रम् ।

त्र-प्रमान्य-भिट्य-त्रात्त्रम् ।

त्र-प्रमान्य-विश्व-भूट-अन्त्र-विश्व-त्र-प्रमान्यविश्व-भूट-प्रमान्यविश्व-भूट-त्र-प्रमान्यविश्व-भूट-त्र-प्रमान्यविश्व-भूट-प्रमान्यविश्व-भूव-प्रमान्यविश्व-भूव-प्रमान्यविश्व-भूव-प्रमान्यविश्व-भूव-प्रमान्यविश्व-भूव-प्रमान्यविश्व-भूव-प्रमान्यविश्व-प्रमान्य-प्रमान्यविश्व-प्रमान्य-प्रम्य-प्रमान-प्रमान-प्

भूरतिन्यालेयान्त्रेर्तां प्रमाणित्त्रं विवादित्यान्त्रे प्रमाणित्त्रं विवाद्यं वि

अह्या व्रिट्टी क्षे व्रिट्टी चटा व्रिट्टी स्वीका व्रिट्टी क्षेट्य अटा त्रा ज्रूटी क्षेट्टी क्षेट्टी चटा व्रिट्टी क्ष्येया व्रिट्टी क्षेट्टी क्षेट्टी च्रिट्टी क्षेट्टी च्रिट्टी क्षेट्टी च्रिट्टी क्षेट्टी क्षेटी क्षेट्टी क्षेटी क्षेट्टी क्षेट्टी क्षेटी क्षेट्टी क्षेट्टी क्षेटी क्षेटी क्षेट्टी क्षेटी क

पर्चामाना वादानाः श्राह्च स्तिम् वा क्ष्मां चीः पर्चामानाः स्वामान्य चीमानाः क्ष्याः क्ष्मां अत्याः वादानाः श्राह्मां अति। व्यामाना वादानाः श्राह्मां क्ष्मां चीः पर्चामाना द्वामाना द्वामाना स्वामान्य क्ष्मां चीः वा स्वामान्य क्ष्मां चीः वा स्वामान्य क्ष्मां चीः वा स्वामान्य क्ष्मां चीमान्य क्ष्मां चीमान्य क्ष्मां चित्र वा स्वामान्य क्ष्मां वा स्वामान्य क्ष्मां चित्र वा स्वामान्य क्ष्मां वा स्वामान्य क्षमान्य क्षमान्य क्ष्मां वा स्वामान्य क्षमान्य क्ष

સ્થયા. જ્યે. ફ્ર્યા. શ્રી. શ્રીયા. જ્યા. શ્રીયા. ત્યા. ત્યા. ત્યા. શ્રીયા. ત્યા. શ્રીયા. ત્યા. શ્રીયા. ત્યા. ત્યા. ત્યા. ત્યા. ત્યા. ત્યા. શ્રીયા. ત્યા. ત્યા. શ્રીયા. ત્યા. ત

तक्षतः क्षित्राक्षां ग्री. हाट . जा ताषु . पह्र्य . या थे या . हुया . हुया . हुया या ग्री हा . जा वा . जा वा . हुया . ह

यद्ग. चक्षेत्र. प्रकृता, ग्री. शक्ष्य, ट्रंच्य. चर्चिटा. स्वाचा, चर्चित्र, चर्चित्र,

ફ્રિંઅ'પ'ર્પ'ક્ષેત્ર'ન્ની'ન્વન'નુ'નુષાન જો'રે'ભ' શુન જૉન અ'પોન'પોને ફ્રિંઅ'ન નિષ્ય રે'પૉન'ને र्ष्ट्रेव ग्री धेना क्रेट क्ष्या शुप्पन्त पा स्रमा वा क्षेत्र पे क्रेत्र पे त्वीय विष्टा प्रवास्य प्रापी ક્રિંચાતા. અર્છે. વા વોષ્ટ્ર સાર્ટાના ત્વાવા. વા. જમા. ત્વાર્થમાં વા. કર્યું વા. તે જે જાયા. ત્યાં તે તા. તે વ र्यं क्रेष्रं स्प्रत्यतः र्द्रे हेते रहें अप्याप्त राये भी प्ताप्त प्राप्त क्षाप्त व्याप्त प्राप्त अप्त र्टात्र पाने पाने वात्र विषयाः सूर्तात्रात्रात्रात्रात्रात्राद्ध्यात्यायः वृवाःषात्रात्राः सूर्ताः सूर्ताः वयाः वर्षात्रात्राः सूरः चत्रया.कट.वोषेषा.पूर्वा.पे.क्ट्रेंट.तो चर.टे.के.वि.चया.जा.क्षेत्र.ता.क्षेत्र.ट्यूया.ट्रेंब.जा.स्वाया. देवाबाजुराता वात्रासिरात्रावायेयाताक्षार्यम्बात्राक्षेरात्रेवायुवायेषात्र्या स्तित्रान्ता धरातवातः विवासान्तर्यं विद्राह्मेतायान्या सहस्राचा सम्मित्रा स्ति ल.वोषट् .ज.पसुवी.तो घ.षा.ट्र्य.वोषाजाजा.ची.चवी.सुट्.सिटा.तपु.विट.क्र्य.लूट्.तर. यथेटी लट.क्ष्रिंग.पवाय.चेब्रा.ज.टट.तू.झैट.विषु.चैंट.टट.वट.व.लर.ब्रूर.झूट.कु.वी चर.र्.चे.क्र्यंबरचे.विष.र्नर.त.र्टर.यर्चर.यंचर.षर.पक्र्य.क्र.च। घःष्र.प्र्टर्चरायाः घर्याः घष्ट्यत्त्र्याचात्त्रवेद्या त्वात्त्रवेद्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त् ८८.वाधुमामानावाषुवामानाद्याङ्खावाधुमामान्यः सुद्यावाधुमामान्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्यः सुद्याचीमानाद्याचीमान्याचीमान्याचीमानाद्याचीमान्याचीमानाद्याचीमान्याचीमानाद्याचीमान्याचीमान्याचीमान्याचीमान्याचीमान अ'भीत्र'राते'रेवा'ग्वत्र्य'ग्री'ग्विट्'रार'विवा'अ'भीत्रा

म्रीवायान्यान्नट्न त्वी, ट्विन् पहूंचा म्रूज, सूर्वाया, व्रुच, त्वा, सूर्याया, व्या, त्वा, त्व, त्वा, त्व

इवा-बका-डिका-ता-टी-का-बुवा-क्रैंट-टापु-डुक्-सूर्। क्षेत्र-क्षेट-टाटु-ब-वोनुका-लक्ष-क्षेत्र-सूर्यका-स्वा-क्ष-टा-धी-टट-टु-टा-टु-लब्-क्री-ब्रथ-तानुका-ट-लका-डिट-टापु-क्षेत्र-टा-क्षेत्र-विका-क्षेत्र-टा

ेपु.लब.टी ..ट्रे.लट.व्रि.चर्टेब.चट.ब्र्.वोबंश.ज.च्येची क्षे.लु.जेब.ज.ऱ्.छुट.प्टर.क्षेत्र. कुंब.क्षेत्राची द्रे.लु.जेब.जांच्यंद्रेच्यं.चेव्यं कुंब.क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा क्षेत्राचा क्षेत्राचा क्षेत्राचा कुंब.क्षेत्राचा क्षेत्राचा कष्टाचा क्षेत्राचा क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्राचा क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्रच क्षेत्रच

८८.श्रिश्च-धेवाका, वाष्ट्रिका, ग्री. श्रीचा, वाष्ट्रिय, व्याक्ष्यक्ष्य, ताल्लेव, व्याक्ष्य, व्याक्ष्य, व्याक्ष वार्ष्यक्षय, व्यावका, ताल्ला, व्यावका, व्यावका, व्यावक्षय, व्यावक्षय, व्यावक्षय, व्यावक्षय, व्यावक्षय, व्यावका, व्यावका, व्यावका, व्यावका, व्यावक्षय, व्यावका, व दिःशधियःत्रम् त्यूं त्यूं म्ह्रीयः खुयः त्यूं स्थायत्य स्थायः याय्यः याय्यः त्यूं त्यूं विद्र्। व्युव्याः याद्यं त्याय्यः स्यायः याय्यः यय्यः याय्यः य्ययः य्ययः य्ययः य्ययः यय्यः य

योवयःलट.योट.वुयो.र्ड्अ.रापु.यक्षेय.टार्ड्अ.ज.शुट.पर्ट्यायाक्षेट्याग्री.क.येयाचीयायी सृष्ट्रिःगाःबेषायाः वे त्येषाषाः श्रुप्तः श्रीः भूतः ते त्रेषायषाः सुः है। तृतः ये है। तृतः ये त्रेषाये तृत्र त्रे अट.त्.ब्रियोयाव्यक्रिया में तर्हेयातपुर ट्रिया हो। यशिटा प्रताशन त्रा क्रियाया वर्ष्या में यहिया हे शुप्तवे दर र्से ते प्रीप्यासुप्तवृषायापाया स्रोग्यायाया सेरा चेतु वेयापादीया पति प्राया प्राया विष्या प्राया विष्या प्राया विष्या प्राया विष्या प्राया प्राया विष्या प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प् य.लट.कूवो.ह्री टार्टूट.टाट्र.चिथाययाचायाचायाचायाचादायाच्याचाक्याचाक्याचार्याचा इर् युष्यः त्या बुषा यहूर् या प्रथा के या अव र या हूँ वारा युषा के या यो प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप चियायया.ह्रेयातायात्रययात्वात्तात्ता व्याप्तयाचे व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते क्र्यायाक्यराटियाम्। मी.क्रुये.स्.त्याक्र्यं.वीयातपु.चययात्रायाः ह्र्यायात्रायात्रायात्रायाः विया यावी अर्केन् में नित्र में नित्र में नित्र प्रति में में नित्र प्रति में नित्र प्रति में नित्र प्रति में नित्र री.प्रमानापु.विश्वान्तरम् अतः स्मिनाम् विष्यान्तरम् अभाषान्यादास्य अर्थान्तरम्  $\mathbf{a}$ र्शन् प्रत्या (विश्वास्त्र प्रत्या स्त्रियः स्ति स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्तियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स् अन्ययन्धन) चेर दे द्राद्याया यहंद्याया यहंद्याया यहंद्या या यहंद्याया यहं यहं यहंद्याया यहंद्याया यहंद्याया यहंद्याया यहंद्याया यहंद्याय क्षयायानगत्राह्यान्ताव्याह्याचेराह्याचेरा ने प्यान्यवाह्याह्याचेरावे स्वावाह्याह्याचेरावे स्वावाह्याह्याचेरावे वेव.र्ट..षप्र.ता.वोबीट..थट.त्...वुवा.त्र्र.भेर.रे.चर्श्वेर.च.रटा श्रट.ता.जा.वेव.क्वे.वोवीट. तत्रअ.८८.अप्.ला.चयाप.पर्वेश.स्वांबात्राह्ट्.अ.यट्र.बंबा.जुंब.क्री.वांबीट.क्र्अ.८८.

योषयाची प्रश्नेय प्रदूथा क्ट्रिंश ख्रा का ता वित्र प्राप्त प्

## गविषा च्रेटाग्री.क्रिंटाश्चा भ्रेट्राचन्द्रा

स्वीयाञ्चराञ्चरा (यद्मेत्रायाः अवियायाः प्रकृताः क्षेत्राः अवियाः अवियाः अवियाः अवियाः अवियाः अवियाः अवियाः अव (यद्भे अवियोः अवियायाः प्रकृतः अवियाः अविय

त्तर्टा विश्वभःश्र्वं कविश्व स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् ने स्थायम् स्थायम्यम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स

विष्याचा ८.क्र्.पक्र्.वाययानुन्यत्राप्त्रात्याचा तह्यान्नीट क्रियार् त्रियाः व चल. पष्ट. भावप. प्रीट्रिप्स. श्र. वावसा पर्यः प्रायुः क्वासा स्वास्त्र वा स्वास्त्र वा स्वास्त्र स्वास्त्र स्व ष्ठिअ'कु॒८'त्रट'वो'त्रव्र-'भ्र-'ख्ट'ख्ट'बेवा'धेत्र'त। दे'धट'देवा'छेद'ग्री'वा्ब्र्ट'त्र्र्य'त्रव्र त. क्षेत्र. ग्री. क्षेत्र. त्रज्ञातप्ते स्वा. तस्य. ह्येत. ह्या. ह्या. श्रुव. तत्र. त्रा की श्री धें ट. है. ए हैं ट. त. चवि-दि-तिविद-क्री-क्री-विद-द्र्या है-विद-स्वास-तर्स्या-तर्स्या-तर्स्य-त्र्या-तर्भ-ति-त्रि-विवा-धेव-प्या दे-र्वा.पत्रजारचीय.र्ट.क.थु.धूंशबारायु.सैचबा.थी.ची.शक्ष्.लूर.धे.सैथा.बयु.सीट.सेब. र्षेत्रयामि.अष्ट्रपु.यामुजार्री, मुप्यारम् मुप्यार्पि मार्गि, मुप्यार्पि अस्त्रप्राप्या परीमारी मूचावया त्याची मुनास्य वया शान्य मी मिनाम्य पराय स्थानी ८८.र्ज्य तपु.प्र्य लेबा.श्वा.थी.प्रजीय.वी.लूटी श्रेषा.जा.व्र्य तपु.वी.ट्राच्या.वी. त्. खेवा. व्याक्ष अप्त. भे अष्ट्र्य वट. टे. हाथा पर्वे. टा. ज्याया. प्र्याता. व्याप्त प्रवीता. वी. प्रकीता. व म्रीट.च.चर्चाट्य.त.क्षेत्र.पर्व्य.बुटा। अर्ट्र्य.च.देज.सेच.प्चय.ध्वा.क.घेय.सेय.सेय. बीय.राषु.पह्या.मीट.पर्ट.धेट.मी.शक्क्.र्टट.पविव $_{\perp}$ ऱ्या.र्थ.रच्या.पर्केट्। रू.क्या.र्थ. रतमावमान स्थान स्था स्थान स्था ला ८.४४.ग्रीट.ह्.ट्वा.८ट.५९६वाब.भ्रैवा.कु.ज.लुट.घट.क्ट.८व्र्वातपु.५५५८.५म्. र्याग्री सिवा तारी या खेवा तक्कित वया यहार तह्या श्वीत हिला द्रा निया स्वर ग्वी तत्र ति तहर ख्या.पज्ञ.पपु.पप्.थ.भुय.पज्ञाय.क्री.क्र्य.क्री.ता.पभुय.ता.क्री.पज्ञाय.क्री.पज्ञी.पक्री. तर्भेषाः नेवाः रेट्।

तस्योयात्राय्याय का भ्रुंशया चिया व म्मुंश्यक्षेत्रा त्या यात्रा त्या यात्रा व स्वाया त्या व स्वाया त्या व स्व

च्छान्यः (प्रटे. अर्थ्ट्यः कु. (प्रट्रेच क्रि. लूट क्रि. क्राट्टा च्छायः क्रट न्या क्रि. तयः वा का क्राट्टा वा क

श्रा अव क्री अस्वा क्षेत्र श्रिवा कुट टिल ट्या र क्री क्री क्षेत्र प्रक्र्य वा श्रम विविद्य टिट से खेल प्रा विव क्षेत्र श्रिवा क्षेत्र क्षेत

तर्नेट.पिटमा मैज.प्रयम्,योयजा भुजाया "क्.त्.प्.पु.प्रयप.क्.भुट.येवायाग्रीयायह्या। पर्चे.ब्रै.र्ज.पर्विट्यानुय.क्रुय.ब्रै.क्र्यायापर्चिटा॥, ख्याताक्षेत्राध्यक्र्या.वि.पर्यया भावीता ययय। ब्राह्मे, वि. ययय। श्रीट. कुषे, वि. ययय। ही, तूर्ट. बेय. हीं वीषा ग्री. की, कु. तू. युषे, रेट. वी श्र.ब.८८.५इ.बी इ.ब.८८.८८५.बे.झे.च्८.५४.ह्येब्य.ग्री.बे.च्.कुब.त्.वुवु.क्वेंब.क्ट. ८८. मूँवा. पट्ट्रं वे वे बार्चा बार्ट, पह्ला मीट. वी. लाट. कुर. मुच. वी. लूट. पट्टें वे बार्ट क्रियं के पट्टें चट.ट्ट.उर.उर.ग्री.म् मूंवा.चबुच.ल.ग्रीट.ग्री.ब्रुवाय.ब्रुवाय.वया.चर्रूज.प्रे.याचव.लया तपु.मै.अक्ट्र-प्यचा ब्र्अ.भूट.र्ट्ट.घट.भूटा। मूँब.भूट.र्ट्ट.चु.भूटा। संबारार्ट्ट.क्रंबा. श. स्वीय. वार्ट्र अप. येवाय. क्य. क्या. में अधिवा. क्रं . ट्रेट्र . यह्या. मीं ट. वी. यर्थे. चीया. टे. भ्रैतमारमान्वाद प्रति । स्वापा स् ८८. यथ भी हैज.८८. ब्रू.टा. ब्रूचियाय पर्ये ज्ञय प्रथम भी क्रू. टार्थिट प्रह्म सीट. वी. ख्री. र्चेषासु'<u>चु</u>ताराषाका बेवापिते 'बॅथ' क्वीषाकार्वा' वें खुरात्, त्ति वाबेरात्तिया बत्या क्षेत्राषाचा लयः स्वाकार्यत्र क्रव वाहेर प्ट्रा ग्री रेवाका द्वाका ग्राप्ट तह्या श्चीट वी खुला प्राप्त वाद्य राजा त्र्रान्याम्। श्रम्कुव प्रमाश्चराश्चर्या वावव याराम्य हिर्वे विक्रास्य विकास के प्रमा चनट.र्चे वा अप. क्री.स्वाया क्रीया सु.लीट.लूटया खी.वाट.चया सूट.या जपु. अप. क्रूंटया खेया 

स्वात्त्रिःश्चित्रं विद्यात्र्यं विद्यात्य्यं के स्वात्यं विष्यात्यं विष्यात्यं विष्यात्यं विष्याः विष्याः विषयः विषयः

## यशिषा अर्ट्र.प्रथम.के.टाबु.श्रेट.रीया.ज.टीतेट.टायु.योध्य.श्रेट.धीय.कुय.ब्रा

(ह्ये.ज्.४००९ ज्रूम:ह्येय.त.धेय:ब्रॅ्य.क्षे.सी.पक्षिम:प्रवाय:पवाय:ख्रिवा.ख्रुम:व्र्यूय:त.प्रह्यंय:ह्यंय:ह्यंय:ह्यंय:ह्यंय:ह्यंयंव्यंय:ह्यं

स्वाका काट्टी स्वाचित्रका की स्वाचित्रका की स्ट्टिन विश्वका की स्ट्टिन को काट्टिन के प्रकार की स्वाचित्रका की स्वाचित्रका की स्ट्टिन विश्वका की स्वाचित्रका की स्वाचित्रका की स्वाचित्रका की स्वाचित्रका की स्वाचित्रका की स्वाचित्रका काट्टिन स्वाचित्रका स्वाचित्रका काट्टिन स्वाचित्रका काट्टिन स्वाचित्रका काट्टिन स्वाचित्रका स्वाचित्रका काट्टिन स्वाचित्रका स्

चैर-टे.चुंटे-तर-एट्टे-ट्र्। तर-जा.श्रम-चिवा क्री.इन्ट्र-इय्याल्य जिया क्री.च्र-च्राची च्रा-टेन्ट्रचा च्रा-ट्रिट्रचा च्रा-ट्रिट्रचा च्रा-ट्रिट्रचा च्रा-ट्रिट्रचा च्रा-ट्रिट्रचा च्रा-ट्रच्या क्री-ट्रच्या च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-ट्रच्या च्रा-ट्रच्या च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रा-ट्रच्या च्रा-च्रच्या च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रच्या च्रच्या च्रच्या च्रच्या च्रच्या च्रच्या च्रच्या च्रा-च्रच्या च्रच्या च्रच्य

य. ट्र. कुट. वाकू. वायट. ट्र. तज्ञट. यथा. ट्रांटी. य. ट्रांची. शक्ष्य. कु. तप्र. क्षेत्रा. क्षेत्रा. कु. वायट. ट्र. तज्ञट. यथा. ट्रांटी. य. ट्रांची. शक्ष्य. कु. तप्र. क्षेत्रा. कु. या. ट्रांची. त्या. ट्र. त्या. वायट. त्या. व्या. व्या

दे·वार्झःर्चः वे अर्दे।वयवाणीः अरुद्व केव प्वविदे व्यापम्याप्यसम्बद्धाः केव द्वापी व्याप ख्यायार्ट्र त्यार्क्ष्याची त्यार्क्ष्यात्र त्यार्थित हो अधि त्य क्ष्याया प्रत्याया अधिया क्ष्या स्थित स्थार्थ र्क्ष्र-पन्न-पन्ना निर्णक्ष-प्रात्विष्ठाम्यन्त्रम् पन्न-पन्ना परान्न-पन्ना लाभी क्रें. धर मी विषा सिरा सिरा सिरा है । विषा प्राप्त प्राप्त प्राप्त विषा प्राप्त प्राप्त विषा प्राप्त प्रा चिट्रियाषाङ्गेरवि चेर्राचिर हें हुँवाषासुर्धे प्रित्राचा के सक्त चीरा धिरा हिरा है स्थान योश्रमाङ्गारीट क्रिया पर्दे तम्मेट रहे भाषा वर्षा यय स्तर्भाता स्तर्भावा स्तर्भाता स्त पिष्ठां की कि स्त्रा के स्त्रा की ता के ता की क्षेर.लूट्र.तपु.क्रि.शक्ष्य.क्रीम.टटिज.क्रीवश्वाता.ख्या.चुरा क्रि.च्र.जावा.ट्र्या.व्री.क्ष.यया.क्षट. यम्बाबारा वावव लट लूट हो स्व बाबार के ट्ट के स्व वाली के याववर स्व हो होया के वि त्रावाकारात्राक्षाक्षात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मात्राह्मा बुंवायाश्चि हैं खु द्वा वार्ट् रॉप्येद द्वा स्रुख हो। कु र्रे दे दे रेंद् राट्यं रॉदे र्या द्वा द्वा कुर्य . $\angle$ ट. $\angle$ तंय.क्रॅ.पच्चेट.श्रेचया.तीज.ग्री.शक्श्या.धेर्याय.चिया.क्र्या.श्रट.प्टीट.टू.। लट. ब.गूट.री.क्रे.ह्या.यरीट.प्रयथाग्री.जिट.रीट्याता.क्षेत्र.क्रे.भ्री.य.च्रीट.यी.श्रीट.ख्र्यायाहूरी. ग्रीट की र्क्स्वा की अप्ट ही हेट की की अध्या क्ष्य क्ष्य स्वाया की बार स्वाया ही प्राया ही स्वाया ८८.। शुप्ते.पर्य.कवाबा.२५जन्म.भार्य्.विषय.भी.जिट.तपु.हीवा.र्वेवा.र्वेवा.पर्यंता.वी ..ध्रेय.की वया कॅ. चेट. वोबा ख्या" डेबा याट. क्षेत्र. टिवा क. टिटा क. यावेबा चे. चेट. वयाबा क्या म्री:ब्रे:यावर्या:लेव:पर्या:पर्या झट:टे:पा:ब्रें:ब्रें:चा:वेट:वी:झट:बेर्य:वॅर्या केरा:ट्वं:ट्वंप: ८८.शर्चिय.राम.थ्र.पर्कीम.मथा

$$\begin{split} & \hat{\mathbf{G}}_{0}, \mathbf{A}_{\mathbf{A}}, \mathbf{g}, \mathbf{L}_{0}, \mathbf{g}_{1}, \mathbf{g}_{1}, \mathbf{d}_{2}, \mathbf{a}_{1}, \mathbf{a}_{1}, \mathbf{a}_{2}, \mathbf{a}_{1}, \mathbf{a}_{1}$$

 $\frac{1}{8} L \cdot \frac{1}{2} \cdot 2^{\frac{1}{8}} L \cdot 2^{\frac{1$ 

दे.लट.भट्र.पिष्रथाग्री.लीजार्ची.ट्र.जा.इ.क्.विशाचेश.टट.मीजा.श्र.टिजाक्थ.विशाल्ट.श्रटा स.के.वाधेश.यु.के.कुय.वधु.ला.यट.क्य.टी.की.तपु.क्य.यूट्राह्म.की.टटा स.मुरा व्याप्ता राष्ट्रा द्वात् व्याप्त्र व्यापत्र व्याप्त्र व्यापत्र व्याप्त्र व्यापत्र विष्यापत्र विष्त्र विष्य व्यापत्र विष्त्र व्यापत्र विष्त्र विष्त्र व्यापत्र विष्त्र विष्ते विष्त्र विष्त्र विष्त्र विष्ते विष्त्र विष्त्र विष क्ष्य. पू. क्षेत्र. क्षें. यशिषा. व्या. प्या. प्राय. चीषा. क्ष्य. प्राय. क्षेत्र. प्राय. चीषा. क्ष्य. प्राय. चीषा. चीषा. क्ष्य. प्राय. चीषा. चीष पर्द्र.पमिट. मुर. त. यथा प्रत्या तप्त. मिला क्रू. पिटला क्रु. वा क्रिया क्रूया प्रत्या प्रत्या प्रत्या पर्दे स् য়ড়ৄয়৾৻য়৾ড়৻য়ৄ৻ঽয়৻ৼৄ৻ড়৻৸য়৻য়ঀ৾ৼ৻ঽয়৻ৼড়৻ৼৄয়৻য়ড়ৣ৻ৼয়ৢয়৻য়য়৻য়য়৻য়৸৻ৼ৻য় ब्रैं र. व. र्ट्ज. के. बुब्र. पर्च. ट्वूंबा श्रुंबा वूंट. ट्. तम् ट. त. क्षेर. लेज. श्रेट. ग्री. ट्वट. वीबा स्.ज. ञ्च. बुबारत्त्रातालबाह्म.क्यावुबायालाञ्चाकुबायाटा तहूरायाञ्चा देवावावानाञ्चा ८८. झॅ. ञ्च. लेयातपु. च. श्वेट. पट्ट. च्च्या अम. पट्टी. खॅ. सूट. केंट. ता संश्रया ग्रीया श्वेया है। चर ञ्च र्झ ञ्च यविषा ग्री से प्रत्या निया ग्री अर्क्यया ह्याया वर्षे खु त्या च्या विषा ने नि नि नि नि बुवाबाक्याः अर्दे व्यवायन्य प्रति सः खः वानेबान्य न्यः कुः न्याः कुः न्यः कुः न्याः कुः न्याः कुः न्याः कुः न्य चर.ब्रेवाबा.इ.धुर.चेता.वबा.प्याया.पष्टाइ.क्.वायुबा.यर.ब्री.श्चर.प्रे.ता.चर.ख्च.श्चर.खुबा इर् लेज.से.प्र्वा.से.इंट.शावथ.खुवा.वी.ट्र.व्यायथ.यय.चेट.वे.घ.केट.टे.थु.कुय.वास्त्र. विषयाः स्वापाः विषाः धिवाः धिवाः प्राप्ते हिन्याः प्राप्ते हिन्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व  $\widehat{n}_{(A_1,\widehat{M})}.\mathbf{1}_{A_1,\underline{A}_2} \underbrace{=}_{A_1,A_2} \widehat{q}_{(A_1,\underline{A}_2)} \underbrace{=}_{A_1,A_2} \widehat{q}_{(A_1,\underline{A}_2)} \widehat{q}_{(A_1,\underline{A}_2)$ 

यावयः ताटाविश्वाञ्चीतायवुः राष्ट्रः स्टा स्वाग्र ८०० । "दे द्विः स्वितः स्वायाः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः त्रात्रान्त्र्वात्त्रान्त्रान्त्र्यान्त्र्त्रान्त्र्यान्त्र्याः विष्यान्त्रत्याः विष्यान्त्रत्याः विष्यान्त्र श्रीट.रे.बाष्ट्रेबाबाराःङ्ग्रं.श्रान्टारां वाती.पर्विवाःग्रीय.रे.पङ्ग्री.वा.क्षेत्रःश्रर्थं यद्वारातीयः प्तत्रात्त्रं भूत्रात्र्यायः वेषाङ्ग्रं त्रुष्ट्रं स्त्रे क्षायायं त्रियायः स्त्रे त्रियायः स्त्रे त्रियायः तर. तथर. त. दर्ग. थेवा. श. तब्रूर. कैवा. कु. वो. वायर. देश. वे दलका "सूर. वि. व. व. वे वी. चर. ब्रियामा मर्ट्रावममः सिटः र्या वी न्यटः स्वा वही सः चवः म्राः स्वानः वी सः क्रिटः ग्री अटः स्वियामा … विवाः क्षेत्र क्षेत्र विरावाया सिराद्र लेका स्पर्वा मानावाया वेका नाम सिर्वा मानावाया सिर्वा सिर्व सिर्वा सिर्व सिर्वा सिर्वा सिर्वा सिर्वा सिर्वा सिर्व सिर्वा सिर्वा सिर्व सिर्वा सिर्व सि तीया. थु. पर्ह्य. स्. सिटा. तुथा. पर्राप्ति । दे. ता. पर्ह्य. सिटा. तुथा. पर्ह्य. पर्राप्ति । तह्या ପଦ୍ତ:ହି.ଯାଁଦ.ଲବ.ଜବା.ପହିଦ.ରିବ.ପଜ.ଯିଜ.ଓପପ.ନୃଦ.ଓମ୍ମି.ଞ୍ଚିଦ୍ର.ଖିଦ.ବାଧିକ.ଯି.ପ $\times$ .ପ क्रिंदा। ...क्रियोबाः अर्टेट. मु.चंट. खुबाः लूट्बाः ख्री. चीवाबा, खुबारा. क्षेत्र. पद्मी. ह्य. क्षेट. ट्या पद्मी. ञ्च ञ्चर वेषा वा श्रुर शेरद राजा वेषा या वेषा त्यूर राजा वा वा विवा ता वर रही ज्ञा ञ्चर ८८। वाक्रवा:चूब्राख्य:मूर:मूर्य:मूर् न्ह्री स्ट क्षेत्र दे नित्र दे नित्र प्रमानिक प् त्त्रः वेषायहॅन्यात्रे मृत्यात्रः त्यम्यायः स्वरः त्युत्यः त्यात्रः त्यात्रः स्वरः त्यात्रः स्वरः स्वरः स्वरः स क्नैट'चर'विद्यावासु'तहेंव'चेत्रं देवाव'झ'सु'यद्व'ची'ख'यर्देति'धुवाचु'क्रवायान्त्रः'ञ्ज म्नट-र्-वावयाचेर-पः स्वायाची निस्ति श्री पर्चित् यावस्य वाप्तरा स्वाय

 $\begin{array}{l} \xi \text{A} \cdot \text{L}_{2} \underbrace{\text{A}} \text{A} \cdot \text{L}_{2} \underbrace{\text{A}} \text{A} \cdot \text{L}_{2} \underbrace{\text{A}} \text{L}_{2} \cdot \text{A} \cdot \text{A} \cdot \text{L}_{2} \cdot \text{A} \cdot \text{L}_{2} \cdot \text{A} \cdot \text{L}_{2} \cdot \text{A} \cdot \text{A} \cdot \text{L}_{2} \cdot \text{L}_{$ 

3년(월근도는) 3년(월급) 보고 1 (1) 전 1 월급) 전 1 월급 1 (1) 전 1 2 1 2 1 (1) 전 1 2 1 2 1 (1) 전 1 2 1 2 1 (1) 전 1 2 1 2 1 (1) 전 1 2 1 2 1 (1) 전 1 2 1 2 1 (1) 전 1 2 1

 $= \frac{1}{2} \frac$ 

योजा. होट. कुर्या. याहूट. होट. तू. पु. प्रया. जाइट. याद्री. प्रयाय मिट. हीया. जार्ट. क्राया प्रयाप न्व्यान्य स्थान्य विष्याचे स्थान्य विषयाचे स्थान्य स्थान्य विषयाचे स्थानि स्यानि स्थानि र्'र्ट्रम्य.त.क्षेत्र.विष्ययः श्रिजायधु.तपु.प्रत.क्षा.र्ट्रा थेवा.धि.यधूर्य.क्षिण.क्वी.वोब्यट.क्षा पहे.शु.त्रथा.ग्री.पटिजा.क्षेपु.ध्रेवाया.पर्ह् ८.स्वाया.यर्ट्, विश्वया.पट.ग्री.शवया.ता.क्ष्या.ग्री. विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विष्याः विश्वाद्याः विष्याः विश्वाद्याः विष्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः वि यम्। इ. श्रम् प्रम् । श्रम् । श्रम् । श्रम् । श्रम् । श्रम् । त्राया । श्रम् । त्राया । श्रम् । त्राया । श्रम् कवाबाक्षंट्याग्री.क.र्यवाग्रीट.चुवारी.पज्ञिलाक्याबारा.वाज्ञाची लीलाशक्षाबात्वाक्ष्यां ख्र त्रायाः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय चल.श्ने८.५.५५.भी.भूष्यं ५८८.श्र.५५५.श्र्यं वेष.ग्री८.वट्ट.श्वेय.भी.भी.वेष.वेष.तपु.रची.शक्य. ब्रैटा क्र्या अहूर प्रथम शियरपुर श्रीट रिया क्र्या श्री प्रथम ही जा विया थे। ह्यतःत्रम् म्ब्रह्मः क्रेत्रं मी मूर्यः मार्क्षः त्रान्तः । त्र्यः सक्ष्रमः स्राम्यान्यमः मे प्राम्यः र्ष्ट्रिव प्टॉर्ट्स् प्रमाश्ची बुषाया प्रमा वाया है। स्नामा से से प्रमा से प्रमा से प्रमा वीया वीया प्रमा से स ਰਭੀਟ-ਸ਼ਿਆ-ਰਾਪੁ-ਬਾਟਰ-ਸੁਖਾ-ਸੁ-ਸੁਪੁ-ਸੁ-ਸ਼ਿੰਕ-ਗ਼ੁਖ-ਸ਼ੁਖ-ਸ਼ਾਪਕ-ਗ਼ੁਟ-ਸ਼ੁਟੀ ਨੁ-ਬੁ-ਸ਼ਸ-ਸ਼ਿੰਟ-पिरामा प्राप्त मी प्रमासी का मिला के प्रमासी ८८. श्रीय. य. थु. श्रीय. यश्चिट. यी. क्ट्रीट. क्ट्रीय. क्ट्रा. या. ख्रीय. यथ. ख्री

त्रसः सिट्टी, यो, ट्ट्स, प्ट्ट्ट्रिय, चियाय, प्रांचायाय अप्रक्षेत्रा विट्ट्रिय, यो, ट्ट्स, प्ट्ट्रिय, चियाय, प्ट्रिय, प्ट्रि

यात्रीक्षाचरान् भूत्रावाद्यात्र्वात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

अट.टट.त्.टु.क्रेर.पह्या.ट्यूब.टु। टु.शुब.श्चर.विषया.श्चट.टट.श्च.पत्र्र.श्चट.व्. तर् क्षे. बियायर त्युरा त्वाण्य र्वेट र्वेट र्वेट र त्विर स्टर् स्टर् स्टर् स्टर् स्टर् पर्चिषातात्मकाङ्ग्रें भ्री. पानितावी भ्रीतावीका पानिवाका के प्रविधा भ्रीतावीका पानिवाका के प्रविधा भ्रीतावीका पानिवाका के प्रविधा के रिटाइ मिटा बुरा पर्हित व रार्ट खेटा देते वित्र खें कर पा मिटा पर्वे पारा के खिरा के राय क्ट-प्राचर्ष्यापते प्राचनार् 'च्यापाधित है। दे स्राधित प्राचन क्षाप्राचित्र ही प्राचन खुयाना हूर्यान् दुर्या दे यावेषा भी विषया सा अप अरामित स्तर अरामित स्तर सा विषया सा विषया सा विषया सा विषया सा यर्द्धेयातालटाट्रे.यथुवाचेयातमाचित्रं लटावासीटावासीयाताटटायुत्तावासीयातात्त्रं क्रियाः अटार्त्रास्य द्वीतः द्वीतः तिताः भीत्रयाः तय्रीयः तद्वीः द्वीतः विषाः तद्वीतः तय्रा देः यविष्यः द्विः योश्रमान्त्रीत्तरात्त्रास्त्रात्त्रास्तरम् । स्तर्भात्तास्य विष्याः स्तर्भात्तात्त्राः स्तर्भात्तात्त्राः स्तर पर्टूर्यः यात्रः कूर्याः यूर्  $\frac{1}{2}$ : श्रे  $\frac{1}{2}$ : श्र [पर्यथ्य.चिट.ब्रियोय.त.क्षथ्य.ग्रीथ.त्य.त.लुच.त। तूर्ट.टट.प्रिथ्य.पिज.ड्री.लूट्य.चथ्य. चित्र) विषापहें प्राचि स्वापित बोद्रादेश'गुद्राधायां मुद्रावा स्वाप्त रिट्याञ्चर। याक्षेत्रारारियाह्मञ्चर। याब्रियाराह्मायत्त्रीञ्चर। याब्रेत्याद्वीह्माञ्चर। स्या विवादिलाञ्चर। र्वेवारादिलाञ्चराञ्चराक्षेत्रात्यावराद्यावराष्ट्रियाध्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्या मु अध्व भुग

ત્રું વ્યાનુવા તા ક્ષેત્ર. ત્યર્ધ સૂત્રી ક્ષ્યા મૈળ. શૂંત. ત્વલ્ય મૈલા. ત્યા લાવા ત્યર્વે છે. ત્યાં મૈલા ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યર્વે સ્થિત. ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ય ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર. ત્યા ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ય ક્ષેત્ર ક્ષેત્ય ક્ષેત્ર ક્ષેત્ય ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર ક્ષેત્ય

क्री व.क्षेट.टट.वटिवान्त्र.वानु.वानुम्याप्तः भाराक्षात्रः त्रम्याच्यात्रम्यः ह्वामः सूट्रात्रः स्त्राः ह्यामः सूट्रात्रः स्त्राः ह्यामः सूट्रात्रः स्त्राः ह्यामः सूट्रात्रः स्त्राः ह्यामः सूट्रात्रः स्त्राः सूच्यामः स्त्राः स्त्राः सूच्यामः सूच्यामः स्त्राः सूच्यामः सूच्यामः स्त्राः सूच्यामः सूचयः सूच्यामः सूचयः सूच्यामः सूचयः सूचयः

चैट्-तिथ्यम् ग्री.क्र्य.क्रेट्-ट्ट-अधिय.त। हो तीजा.शक्ष्यम.क्रे.त्यस.वीय.त्यं त्याचे त्याचे

 $(\sqrt{2} + \sqrt{2} + \sqrt{2}$ 

प्रतिवाः क्ट्रियः क्ट्रें वाः मुन्दान्याः स्टान्वेषः मीयाः याविषः चितः या भू टिन्ने : अक्ष्ययः चेषः प्रवाः स्टान्वेषः मीयाः याविषः चितः या

प्रकालिया प्रकालिय प्रकालिय

ब्रट्यहेट्य हुया हुया हुया हुर्य हूर्याय यशिषा याप्त प्रिय टि. सूर्य त्याय सूर्य प्राप्त क्ष्य हुर्य हुर्याय याप्त सूर्य हुर्याय याप्त सूर्य हुर्याय सुर्याय सुर्या हुर्याय सुर्याय सुर्याय सुर्याय सुर्याय हुर्याय सुर्याय सुर्याय हुर्याय सुर्याय स

लर.वया.हूंट्.श्रटप.रुथा.धूर.वाश्वेश.ह्मट.ट्ट.पटी चर.ट्वेथ.वव्ट.उ.चबु.लेर.च. च.श्रेट.पट्र.य्री ट्रट.षावप.ट्येट्य.पर्योज.श्रेंट.टा.क्र्य.व्याच्याया.श्रेचय.क्र्य.वांस्य.वेशय. र्मव बिट श्रेट रूव अर्क्ट्र या दा बिवा प्येव राज्य ह्यें ट राष्ट्रीट वी प्येट्र अटर रूव ह्यें रावा सुवा हिट.चु.ट्र.यदे.ट्वीचयासुः सॅट्रान्टा ट्वियाग्रह्टा उत्वे स्पूराचार्यः वेयाया हेर् वयाने अंतर्भाषा पान्य निष्या वात्रवात्रव केवा विष्य देते होता विष्या प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य र्'लर.प्रेंट.वाक्ट.त्.कैवा.बपु.वाजूट.बा.पट्.लीर.व.कुब.त्.वाकुवा.वा.टीव्यं.बी.त्ती.त्.त. ८८। श्चर् अर् अर् विश्व भूतः द्वा दे वार्षतः र्या अतः र्यः विश्व वीषा तुषा सुर अतः र्यर पठि ट्रेम.चेम.त.बुट.क्.भप्र.प्रंत.भ्रग.ग्री.ट्रविचम.सी.लूट.त.लुबी ट.क्र्म.भावप.ट्रविटम.ट्रट. रे अर्वे अर्वे र्वेते हे द्राप्त प्रमान्य प्राप्त द कु र्वे ८ गी विट गा दे खु अर्ळअया ग्राया प्रते क्ष्य त.क्ष्य त.चीयात.पुष.वा.ची.पित्रीययाशी.ष्राच्यू त.चा.चपुषी षर्त्र विषय.ची.या.क्ष्य त.ची.  $\mathsf{ML}.\mathsf{G}\mathsf{L}.\mathsf{L}_{\mathsf{Q}}.\mathsf{M}\mathsf{P}$ खेवा.ये.अब्र्ट.वा.त्र्री की.अब्थ.प्राजीट.श्चट.इं.र्टट.र्येवा.वाट.खेवा.यघेट.ये.लट.क्. धेषाचरुन्'राते :क्व'रा'याचर्रिः न्वॅषाया वेव : मु ग्वाषया वेट । ने : क्षेत्र रहेषायषा अर्दे : पिर्यात्र त्या कुर सीट हे. ट्या यी व्रिट्य शि. पर्टेय लूट ता थे. क्ट सिय मी. या स्वाया या বঞ্চমান্ত্ৰ প্ৰথাৰ্ম্য

इ. ब्रु. व्रुवी. येथ. क्रूंट. अटप. मुथ. सूर. वर्षिशी यर. टेविश. वीक्ट. में येथा सेट. अट्र. विश्व . येथा. व्री. व्री. व्रु. त्व्यं. क्री. व्रु. त्व्यं. व्यु. व्यू. व्यु. व्यु. व्यू. व्यू

सट्टीता. कुबा. तपु. च. क्षेट. क्षेत्रका. दुश. क्षेत्र. विश्व क्षेत्र. कषेत्र. क

पक्षतःबुधाःवाधूपाःजू॥

योधः अ.चं. त्यां व्याधूपाःजू॥

योधः अ.चं. त्यां व्याधूपाःजू॥

योधः अ.चं. त्यां व्याध्याःचू॥

यावा प्वापः क्रिवाः मु.च्यायः क्रवायाः क्रवायाः क्रवायाः यावायः व्याध्याः व्याध्यः व्याध्याः व्याध्यः व्याधः व्याधः

## चबी चूर्यं थे. युग्यं योगः यी प्रचित्रं वित्यं त्रीयो

(हु) र्या १००० व्यम् प्रत्युषा मेट रहु र्या प्रयाप छेषा प्रति रेपा बुद र पर्मिन पर विषा)

ट्रेट.बट.क्ष्य.प्रवी.तथ.थु.धु.ह्यै.ह्यैज.ट्वी.प्रथा.ग्रीबा.ह्यै.ट्ट.ब्येट्वी.वा.लब.ग्रीप.तप. पर्ट्रालाम् त्याप्रायम् त्राम् अक्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे पश्चिषायाचर्द्र-पर्दर-पर्दर-पर्वत्वेष्ठ-पर्वेष-प्रदेश-प्रदेश-पर्वेष-परवेष-परवेष-पर्वेष-परवेष-पर्वेष-परवेष-परवेष-परवेष-पर्वेष-परवेष-क्रीं तथा.कर्तात्र, र्या तपुरवाल्पाल्य विष्य विषय हो स्वाय अर स्वाय विषय हो स्वाय अर चवा.लूट.४.८८.ईवा.तर.पचबा.र्च .क्री.थवाबा.क्षा.क्षा.क्षा.था.क्षा.क्ष्ट.ता.पबा.रट.टवार. वयायाक्तामी र्म्या यावे र्प्त व सुराष्ट्री वह्यामी तार्र मुप्त मुंग्य वर्षे प्रताया वर्षे या र्र चिवा वी क्या दा क्या त्यार रेया ग्रीया है भिट वी रेयाया ही प्रति र वर्षा रह्याया त्या है विया से श्चरः वं विवाय। यक्ष्याव वाह्याया विवार्षेत्राया विवार्षेत्रायाय स्वार्मेव विवार हेवा विवार स्वार्थित विवार से अर्वेट वया देते : क्षेट ची : के पार्ट : स्वाप्र : स्वाप् चम्याया दे.पर्ययुः स्ट्रिट देपट अर्ष्ट्र, या.स्याया. प्रचाया. या.स्याया. या.स्याया. या.स्याया. स्याया. स्याया वर्षायाक्षान् स्थितावयाव्यामानी श्चेराचर ह्वियावया प्रिमाण्यान ह्वियानी स्थापी स्थित पट्र.पर्वर.र्2. बूब्र.त.ब्याः डूंट्र.विजार्2.य.वोध्याजारवश्चराया ब्रुचया हे .क्ट्रां झेटा हो .च्ट्रां र्थेय.त.धेषय.तम.क्रीमी पुट.यट.लट.थटउ.मुय.चिट.पिज.टी.क्रम.चुट.क्रूट.भ्रीय.क्रीट. यपु.र्यंत्राक्षटार्त्रात्प्वाञ्चरा टाक्ष्युः श्रेषार्त्राञ्चार्याषाट्राट्वातक्क्षः ह्र्ट्याञ्चात्राची विवाया क्ष्याचे दे द्वा धीव त्याचा द्वा दि स्त्री वाषा गुष्टा अदा र्ये राष्ट्री राषा ववाषा अपना स्वी

ययः क्षेत्रा ख्याः ग्रीटः चुर्या याः हि. त्यापः प्रतिषाः क्षेत्रः यः ययायाः सः चि. क्ष्यायाः प्रतिः क्षाः विद्याः पर्हितः त्यायाः

वयायाक्तान्त्राह्याष्ट्रात्यायान्त्रात्यात्रात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र तवायः रे खे. प्रांचर मी. घटा टी. पूटा बंबा बा. ब्राह्म मी. च्या है। चा ब्र्यायाजी:चालटा चार्च्यायाजीटा। टे.पर्टपु.ट्यापाङीयाची:गीयाजीयाजाटाङ्पुपाङ्ग्टि.टी.चटा ट्रे.ब्री "अ.भूब.पर्वे.ब.ब्र्ब.ब्रे.ब्रेट.ज्.ब्रेची यवाब.ब्र.ट्रवाब.क्रं.वर.वायब.ट्रा.क्रां ८८ श्रे मूर् सुरास्त्र र्येट् सुरायाटा।" वेषा८८। अहँ दाया ग्रीटा। "दे त्रा रेया पवेत रे ल.कवोबा। जु.जूब.वोबूवो.पहूर्वो.चिबा.येबा.युं। पहूर्य तक्बा.येबा.युंबा.युंबा. त्रभूषा।" बुषाराःक्षेत्रःवावयाराषुःरुषाःभ्रत्यारेतेः पवः अवःबिवाःवयः द्वेः अः त्र्र्यायारः र्ह्निट्यानियातात्त्रेत्रात्त्रां यार्ष्यात्राय्येत्रात्यात्र्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या ॔ॿ॓ॴॱक़ॣॺॱॸग़ख़ॣॺॱॸग़ॾऻॴॸॖ॓ॱॴॾॣग़<sup>ख़</sup>ॸॱॸॸॗ॔ॱॸऺॸॱऻॎक़ॏॖॴॳॴॸऻॾढ़ॣऀॱॺ॔॔ॻॱॿऀॸॱॴॸॱॴॸॱ  $\widehat{\mathcal{L}}_{\emptyset}, \underline{\mathcal{L}}_{X}, \underline{\mathcal{L}}_{\emptyset}, \underline{\mathcal{L}}_{X}, \underline{\mathcal$ वी.क.यंबाओं.पंबाबार्यूर.वीर.वीर.वीर.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.वीर.वांबार.aiia. योड्या.रटा भ्रा.क्षायावया.जा.पह्राट्या.ता.वा.चरा.जीया.ग्री.वा.ग्रीटा.वया.ह्रा.लीव.तपु. रेवाबायां केवा निर्मा निर्मेनवा ग्री:कात्रवा स्थित वासेना अर्धा निरमा स्थापित वासेना स्वाबायां स्थापित ८८। लट.कै.बोट्ट.वपु.कूबे.कुबेश.थेबो.तपश.कूट.तपु.मुबेश.बोकुबो.कु.स्.वपु.मुबेश के.य.यबु.र्चेट.यम.क्षेत्र.श्रे.वार्च्र्य.श्रेव.ववा.त्या.त्य्त.ल.त्यट.वर्श्वेम.तपु.श्रेयत्य.क्ष. जशुः स्थयाः ग्रीयाः देः द्वाः याः योः श्रुः वाद्दाः स्थूदः वियाः प्रदेः उत्याः अदः से राप्तवायाः राष्ट्रेः ददः य बे'वे'र्थे'र्स्च'ग्री'के'र्स्वाबाक्ष'सु'तु'त्टा वानिबादाक्कु'वे'खादी'र्स्'गादि'के'र्स्वाबाक्ष'तु'त्टा यश्चिरायाचेंद्राचे कु.वाराक्चे अ.स्वायाक्षात्राद्राद्रा चित्रायाङ्गेदाचे चित्राक्षेत्राचे चित्राचे चित वग'रा'क्ष'तु'धेव'रार बेंबबा

ब्रैट्यर पट्ट्र्ट्र्स् विकालित स्वालित स्वालि

## नेच तनितः न्ध्रन् ग्वि धेया क

गा

યાલ્યા પ્રાપ્ત ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામા

त्री ग्रीय.र्यवीय.यक्षेय.पह्य.भ्री.रयवा.क्षेत्रा.च्या । विश्वा श्रीया.श

त्रि गूट.त्.ट्र.प्रुपु.चवी.त्रभूय.लुवी.कुट.ते+ त्ट.की.लुवी.कुट.खुटा.पहेवी थ्रि.स्वीय.ट्रट्राक्रीय.वट.ति००३।

 $\sqrt[8]{2} \frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}}} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1$ 

🌶 प्रमातः क्रेंअलामा विवास हिलास्या पश्चापाद्धः याद्येलास्यते याद्येस्या मादास्यातः क्रें सेयालास्यो सुनायस्यापाद्धः याद्येलास्य

र्गि यमायः विषयः विषयः क्षेत्रः विष्ट्राः विष्राः विष्ट्राः विष्ट्

मुलापया+ इवःस्रेवःलव। मुतःधीवाःस्ट्यावयःचिरःस्रोवयःचिरःस्रोवयः। (४ गुटःस्र्विःमुलःस्वयःसर्द्रःच्रुवःस्वरःच्रिवःस्वरःगविवःस्तःतेःस्वःवःस्वरःगास्रुवःयःवर्षःवःस्वरःम्यःस्वरःस्वरः

चेंद्र, योट. व्यूष्ट्र, शचर अक्ष्रका. भु. मुवाका. विवा वी. जू. मैंका. असूर. चर्निका + योट. विव. मुवा मैंपु. त्रावी. क्ट. वीका. विवा वी. जू. स्वी का. विवा में प्रांची का. विवा में प्रांची का. विवा का.

 $\frac{2}{2} - \frac{1}{2} \cdot \frac{1$ 

 $13/\sqrt{3}$ 

७५/ श्रिट.श्र.थरप.विर.ग्री.श्री वृषायाहरात्रवाराराश्चेतार००री

P

१७० (विश्वराञ्चेतात्वि,तपु,रट.र्थ्व) रट.व्याःस्वात्र्यात्र्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्या

जू. दूं. यो चुळा था। १/५ (शावर. थेवा. कूळा पड़िट.) रेवाय. रूंब, कूळा पड़िट. रेतवा. यथा अ. कूट. तू. शावळा त. रेवीया डीटी शावर. थेवा.

 $\frac{1}{2}$   $\frac{1$ 

ব

४)/ ग्री.चर्यापु.क्र्य.पट्टीटा। ग्री.२.चर्या.चेया ग्रीट.ब्र्युट.व्र्ट.ग्री.चेया.द्या.टिच.भ्रीय.ावटा।१५५०।

 $\frac{1}{\sqrt{2}} \int_{\mathbb{R}^{2}} d^{2}x d^{$ 

२३/ व्.पट्टु.वार्बेट.यथेटी ट्यट्य.व्रूट.टव.क्रेयी पद्म.च्या.जवा.यथेय.जा

५८/ ५व्र्-प्रापन्तुःवासुम्राप्तिः व्याप्तिमः चिमान्यः ध्याप्ति। कपाम्राप्तिः व्याप्ति। व्याप्तिः विवाप्ति। व्य

अक्ट. रूच. थु. सूची अ. स्वां अ. सूची अ. सू

१८४ पर्वेषान्तीःलयाः क्रेट्य द्वेषाः आ

२४ दिन्याः मृत्याः अस्ति। वित्याः स्वाधितः स्वधितः स्वाधितः स्वाधित

क्रेत् 'श्रुंत्र' श्रुंत्र' स्वाप्ता प्रक्रेत्र' स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्त त्रिंत्र स्वाप्ता स्

त्रिया थ्र. द्रवाय. ट्रन, भ्रिय. वट. तर्रु. व्रियय. त्रुव. व्या. क्रिय. ट्रवाय. क्रिय. ट्रवाय. क्रिय. व्याय. व्या. क्रिय. व्याय. व्या. क्रिय. व्याय. व्या. क्रिय. व्याय. व्या. व्याय. व्या. क्रिय. व्याय. व्

चर्नियानपूर्यात्रियाची हेर क्षेत्र स्था हुव अक्षय क्षियाची याची विष्यात्र स्था हित्याची विष्या क्ष्या हित्याची विषया हित्याची है हि । १००० विषया हित्याची विषया है विषया हित्याची हित्याची

अ) श्वर.य.तर प्रदेश + वाबर्या प्रदेश रिया विवाय पूर्य विवार भेषा रूपा प्रमापर । वर्षा प्रदेश

द्रवीयार्टनुःश्चियावटातिप्तती इवीयार्टनुःश्चियावटातिप्तती

द्याः श्रुथः क्षेटः त्याः न्पटः र्ह्वः र्वेषः क्षुयः त्ययाषा न्पटः यो द्वाः स्थः सरः न्पः यो त्याः क्षेयाः स्थ क्षाः स्थः व्याः ह्रें योषाः स्व : च्वटः ख्वाः तयवाषा न्पटः यो : द्वाः स्थः सरः न्पः यो त्याः स्थाः यो हरः तये । स्थ

क्ष्याची, प्रचीज, यंचेट, अट्ट्र्य, यर्ह्या | मैप्ट्रियां मेप्ट्रियां पट्ट्रियां पट्ट्र्य, यंच्यां यंप्ट्र्य, यंच्यां यंच्यं यंच्यां यंच्य

ત્ત્ર  $\{ \hat{\mathbf{q}} \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}} \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}} \} = \{ \hat{\mathbf{q}}, \hat{\mathbf{q}}$ 

 $\frac{1}{3} \left\{ \left\{ \widehat{\Phi}_{0}, \frac{1}{4} A \cdot \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} = \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0}, \widehat{\sigma}_{0} \right\} \right\} + \left\{ \left\{ \left\{ \widehat{\sigma}_{0},$ 

१७/ मुलर्यायमातः वटा । + यमातः वटा हे हा वे से माना निवास । १०८५ ।

४८/ मैन.रचय.रहिर.ग्री.मैन.ब्रुपु.मैं.रहिरयो प्रमैन.टाई.रा हु.मु.वायर.रापिएन

ર્શેત્યા. ત્રીના. ત

८०/ मुल'रतय'वायल'पदे' से'लॅट्। हे'पर्ख्द'पर्यूट्'द्रसम्बर्धामुल'सर्ख्दा सॅ'लद्रा११०० द्रा

क्रियं त्यां र्याः विव्याच्यां क्षेः त्यां व्यवस्य स्वाप्तात्र त्यां त

ट्यट.क्र्य.प्रमुजी यक्षेत्र.प्रह्य.सीय.क्र्याया.या.प्रता.प्रि.ची प्रश्चेत.प्रम्यायाया हि.जु.यायय.प्रायित्त्री ८ति श्चेत्र.आप्रपु.तूट.यायया.जया.प्रता.प्रता.प्रता क्र्य.प्रयाया प्रह्माया ट्रह्याया ट्रह्याया पर्ह्याया प्रस्

5

योध्यी+ क्रिल.सूट.खुटालहेयो प्रिट.बूषु.सूट.सूवा.त.ट्तु.श्रेय्रावटा,४००४। ९७/ इ.च.सूट.सूवाय.सट.श्रूट.खिल.क्री.वायया.क्ष्त्र.शसूर.चर्झ्याला.श्रेट.चटी.टीश्चट.ता टिश.ट्वी.चयथा.

८/ इ.रचय.तूर.मी.मूर.हामा वसूर.वश्व.क्.सूर.वीय.वर्मीवाया भ्र.स्वाय.रत्में में पाट.।४०००

æ

५० (ञ्चवायाञ्चातान्त्रम) त्वाप्तरात्म् वार्षात्त्रम् । त्वाप्तरात्म् वार्षात्रम् । व्याप्तरात्मे वार्षा

५७५ (कवाया अन् रस्टा क्या स्प्टा वा क्या स्प्टा वा क्या स्था विष्या स्था विषय स्था विष्या स्था विषय स्था विषय स्था विष्या स्था विषय स्या विषय स्था विषय स्या विषय स्था विषय स

त्र (कवाया अप्-रस्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र प्रमाण्डी प्रमाण्डी स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्

५३ क्यास्त्री गुरार्विर्वेद्रार्वेद्रार्वेद्रार्वेद्रार्वेद्रात्रेद्रात्र्वेद्रात्र्वेद्रात्रेत्रेद्रात्येद्रात्रेत्रेद्रात्रेद्रात्रेत्रेद्रात्रे

५६ क्व. थर्. स्. श्रूरी रेजर. ये. येथ. रचा ह्येथ. थी

ત્ત્રિયા ત્રાફ્રાફ્રિયાનિયા પ્રત્યા + જ્યા અત્યા કુલા ક્ષેત્રાણ ક્ષેત્રા કુલા સ્ત્રાફ્રિયાનિયા સ્ત્રાહ્મ ક્ષેત્રાણ કૃષ્ણ કૃષ

क्टा.शर्ट्.याविज्ञ.स्वा.वायया.जू.कैय.टीट्रेट्रावावुष्टु.कै.क्टापकूज्ञ.क्वीवा.खे.जूय.क्षेय.वट्राय्याय.प्रमा कटा.बूय. त(द्र्रे कटा.शर्ट्र.यी.ट्रिय्रेय.प्रवाप.वुवा.वु.जू.क्वीया.द्वीया.टील्या टीट्र्यावा.क्वीया.विज्ञा.शक्या था.चुय.क्षेत्रा.तमा कटा.बूय.

५७/ क्य.अर्ट्य.ज्.कैथ.रच.वर्ह्य च्रिय.या.वर्ह्य च्रिय.वर्ह्य च्रिय.वर्ह्य च्रिय.वर्ह्य च्रिय.वर्ह्य

ब्दार्गठ००। त्र्र ब्रिस्त्रं क्रियार्ट्टा स्ट्रास्त्र प्राप्तियाः प्रेयाः क्रियाः क्रियाः क्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्र

५/५ कट.क्ट.यट्य.मैथ.तर्ग.चेय.ग्री.क्य.चरा+ चवा.वालट.वे.ट्यूच.ग्री.ज्रू.मैंया

८०/ क्र्यापर्वितः शावबातापुः स्वापः क्रूंचा स्वापः त्यां ब्र्वाः वापान्तेतः या दाः क्रवः याः स्वाबात्तः सुवापान

यो |ब्रा.सूर्य.श्र.मुवाया-टिता-विक्वा । ४) क्ष्यापचित्रात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्याः स्वत्याङ्गीयाः ब्रा.सूर्याच्याः स्वत्याः स्वत्याः स्व

(४) क्र्यापर्वेट.श्रायमाराषु.त्राटी.पस्या विमाया विमाया विमायाचेयायाचेयायाचेयायाचेयायाचेयायाचेयायाचेयायाचेयाया

E

८४ हॅ र्ने 'ब्रे' भी यार्ट र रचया हीयाया स मूंब मी मूंच या मुवा क्रियाया

 $\text{REM.Length} \ \text{REM.Length} \ \text{Rem.Length$ 

८म्य मृत्यात्रानुन् स्वार्यान् । त्यायाः स्वर्यान् । त्यायाः स्वर्यान् । त्यायाः स्वर्यायः । त्यायाः स्वर्यायः । त्यायायः स्वर्यायः । त्यायायः । त्यायायः । त्यायायः । त्यायायः । त्यायायः । त

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \int_{\mathbb{R}$ 

 $\langle \chi \rangle = \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^3} \frac$ 

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2}$ 

## 9

यदः मुंदिन्या भे.जः मैंदी कृ.ज्ञ.वायर. तायिक्वी घर.ता.भ्रतः क्वीट. ट्र. शक्र. तम्भ. त्यार. द्वार. त्यार. त्यार. त्यार. व्यार. व्या. मुंदि. क्वीट. क्वीट. त्यार. क्

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \{ \partial \mathcal{L}_{1} + \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \mathcal{L}_{2} + \mathcal{L}_{3} + \mathcal{L}_{4} + \mathcal{L}_{$ 

२१ विवार्स्टावान्त्रः स्व त्या विवार्स्टाक्षायम् वा काञ्चेवाः सः स्वेव।१८८४।

येद्रे त्रवा सेते प्रमुद्ध पर्टेका सार्वेटका सुट प्रमुद्ध प्रवास परि प्रमुद्ध विवास विकास

७५/ भ्रैट अदे कुट तत्त्रमा ग है तो याषर पारिके

## 5

२०१५ हे.रचमा+ वट.कुब.मैज.रचय.त.स.मेबी प्रभः पहुंब.जमा ट्र्.तर्मो ।

८०/ (वान्रमःचैद्धुड्विःसेटःच) वाटमःख्वःपदिरःक्ष्र्वःपतेःकुषःख्यःन्यःभ्रमःयंःपतेःश्चिःवारुटःपह्वं पतिः प्रापःक्रमण्योःवान्नमःचैद्धुड्विःसेटःच। श्लमःख्यःहेःपत्रटःचिषःक्षः।

५१५ भ्रूपा'अळेर'सेव'रॉ'ळेते'क्य'घर। थॅव'न्व'कु'अळॅ। ष्य'से।१८५८।

$$\begin{split} & - \left( -\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1$$

५१√ पष्ट्रव'पर्ड्य'र्भव'केव'स्रेट'प|+ सेतु'र्क्र्य'त्सुट'|

ૡૻૺ.ૡૻૼ૱ૺૺૺૺૺઌૡ:ૡ૾ૺૠૺૡ૿ૼઌ:ૡ૽ૢૻૺૹઌ:ૠ૾ૺઌ:ઌ૽૽૽૽૱ૢ૽૽૽ૢ૽ૢઌૢ૽ૢ૽૽ઌૢ૽ઌ૽ૣઌૺઌૺૺ ઌૺૼૢૼૺ૾ઌ૽૽ૡ૽૽૱૽ૡ૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૹૢઌ૽ઌ૽૽૽૽ૺૹૢઌૢઌ૽૽૽૽ૺૹૢઌઌ૽૽૽ૺૹ૽ઌ૽૽ઌ૽ૺઌઌૺઌૺ

Ħ

 $\sqrt{(1/2)} = -\frac{1}{2}$  ब्रह्म प्रति के क्ष्य प्रमु  $-\frac{1}{2}$  व्याप्य प्रति के क्ष्य के क्ष्य के क्ष्य प्रति के क्ष्य प्रति के क्ष्य के क्ष्य के क्षय के क्ष्य के

 $\begin{array}{l} \mathbf{Q}_{\mathbf{q}} = \mathbf{Q}_{\mathbf{q}} \cdot \mathbf{Q}_{\mathbf$ 

५७४ घट रुख खेल प्वमु प्रान्ति गालेखाया ह्यो क्रिया ह्या ह्या ह्या स्थल

५५/ घट.लुवा.व्यवर.व्यपु.जु.क्ष्य.४४७ता झ.पर्चिवा.व्या.पर्कीरा स.र.वा.वा.४००ता

ત્રિ શ્વાન્વન્ વાત્રમાં તમ્જ ત્રું તાલું કુવા વી છે. ત્રું તાલું તાલુ

(०) बिस.यगोब.र्सेंय.थंचरा विस.यगोब.स्री.यंचर.क्र्य.ग्री.धु.या गोब.शिस.क्रु.स्वाय.रंतु.स्रीय.वर्ता.वि.त्ती

 $(1) \left\{ 2.1 + \frac{1}{3} \cdot 2.1$ 

(१२) पुट-प्रग्राय क्रिया अहँ प्रक्रिक क्रिया मार्था मुन्या प्राप्त प्रमाय प्रमाय प्रकार मार्था मुक्त । यह प्रमाय प्रम प्रमाय प्र

(१५) (देवा बेराप्ताराय) वॅदाकेन पॅति ब्रीपायर प्राचीयापति कुयार्य के क्यार्य के प्राचीयापति क्यार्य के प्राचीयापति क्यार्य क्यार्य के प्राचीयापति क्यार्य क्यार्थ क्याय्य क्याय्य क्याय्य क्याय्य क्याय्य क्याय्य क्याय्य क्याय्य क्य

(८) रेप. ह्य. क्रूंब. त्यां वर्ष्या. व्यंत्रा. व्यंत्रा. व्यंत्रा. वर्ष्या. व्यंत्रा. वर्ष्या. वर्ष्य. वर्ष्या. वर्ष्या. वर्ष्या. वर्ष्या. वर्ष्य. वर्ष. वर्ष्य. वर्ष्य. वर्ष. वरंष. वरंष.

(त्त्र) अर्ट्.कृ.चभ्रमाचन्।+ सं.भ्रूब.क्र्यायधिरः।

(८) अर्रे.क्रं.तवा.क्रं.क्रो+ क्र्यातविटाम्मे.क्रंटात्री

(१३) वार्ट् : व्याक में वा + वा हि : प्रायाद : दस्या

(र् पर्व प्रति भे प्रमा + कपा मर्ने म्मा प्रमें प्रमाद में में प्रमाद में में

 $\frac{1}{\sqrt{\frac{2\pi}{3}}} \left( \frac{1}{\sqrt{\frac{2\pi}{3}}} \right) \left( \frac{1}{$ 

१०१८ तर्षाल्या गामः द्वरावस्य वीः म्रमः मराम्या द्वायाया म्रायम् ।

२०५/ इ्ट.मी.यथायहूरी पद्य.सूबा.लबा.यथेयाथा

र्वियःक्रवायःश्रेटी होयःयःतरःश्रूवो वित्रः सिर्ठात्००। १०४/ {ब्र्टःक्टःक्ःब्रिय} ट्रियाःपः ब्र्टःक्टःवीःक्ःब्रियः यर्ट्यः पश्चियः पर्टियः प्राप्तः वायवः प्राप्तः। यावयः

२वा.भिय.याना विवायान्ययानु, याचीयान्यस्य वियाया १०६/ {क्या.चर.तु, यपु, श्लेट.तू, मैजा.टा.पतवीयाना.संपु.रीयाविष्यामी.क्या.तराचराना.तु, यपु, श्लेट.तू.या

5

१०५/ ८८५५६ में वीया मैला मी मार्थिया प्रधिया प्रधिया प्रधिया प्रधिया मिला है। से वीया प्रधिया मिला में

द्रथातान्तर्यः व्याप्तात्त्रः व्याप्तात्त्रः विद्यात्त्रः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्य

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1$ 

ગાવય. છુવે. પૂર્ટ. ત્રાંત્ર છુવે. શ્રી. પ્રજ્ઞા સમ. તર્નો. તપુ. તપુ. શ્રીય. યુખા દ્વાયા ત્રાંત્ર તપુ. ત્રાંત્ર તપુ. શ્રીય. શ્ર

चीवार्ट्र.ह्। चीवार्ट्र.ह्। हैं क्ष्यां श्रेच्यां वार्ष्ट्र नेवार्ष्ट्र नेवार्य नेवार्य

4

१११) र्.सं.सं.यपु.स्.क्र्या+ क्य.अर्ट्.यं.र्यूय.प्याप.वुया.वु.य्.क्र्यास्या

१११२/ तस्त्रेव धिया वी क्याप्य प्राविषा पार्क्ष प्राविष्य क्षेत्र क्ष

त्तर ख़्यां.सु.सू.र.सूंत.ची.कुर.सूर.मीय.सु.सूट.सूत.तपु.बुट.एसवा.पु.बुटा.पहेवा.कूवाय.कुर.सून। त्या.चुवा.कुर.सूटा टीव्या.

7

२४-ऱ्.कुपु.शहूरी संकूष्य-५४-ऱ्र.कु। रत्.वाचिवायातपु.यक्षेष्य-तपु.वायायानुर.कूषा.ग्री.पर्वेर-वाषयावायार्यः यक्षेष्य-१५-

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2}$ 

११८\ વૅન-મું: મુંન્વા-ન-જોન-વાલ્ન-19એવએ g«૧/૫૫ન છે: મુન્ય-વૅન-ત્રવાનાન તે તેના નિયન્ન લોગ (એવ

 $\frac{1}{\sqrt{\lambda}} \left\{ \underbrace{2}_{\lambda} + \underbrace{2}_$ 

११७४/ तूर्याक्री, सुब्रा मुरान्या केया क्रा प्रस्तिय । क्षा स्वाया राम मित्रा मित्रा ।

११११ वॅट् ग्रें धेवा कंट हुँवा वा नेवा नेवा निवान वा गुट वॉ वॉट वॉ वॅट् ग्रें नेवा नेवा नवे सुदावट ११०००

१२०/ त्र्, में स्वायानित्र विष्यामें स्वायानित्र विष्यामें स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्व विष्यामें स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वायानित्र स्वाय

१२१४ व्र्-मुंक्ष्या'अह्र-प्रिच्याबिद्र'धीया'स्यायान्ध्यात्मश्चियाया व्र्-प्रया'वियायट'स्र'भीत्र'सृतःश्च्या'विदा

१२३६ वॅट् बॅट्याग्री'लॅं कुयार्ये प्राप्तान्ध्र लिया प्राट केंत्र रुवा क्षेत्रेयायान्ये क्षुवाया । १००१।

१२८४ ८स.४वा.श्रुष.एट..कवाबा क्र.ट्वी.स्ट..चबी ट्रां.वाचिवाबा.सुबा.श्रुट..।

१८०) र् ट्यंयावर्टावियाच्याचित्राची । १८५१ क्रियाची मुण्याची । व्याप्त क्रियाच्या स्त्रीय । व्याप्त व्याप्त वि

१२१ चिट्रायात्वाची त्वरायंक्षेत्र स्वाध्या चिर्यायः सेवा विह्य केवार्यात्वाची त्वरायंक्षेत्र स्वाध्या विह्रायः सेवा विह्रायः सेव

८स्वनः म्रीः विद्यां स्थान्त्रः द्वाः स्टाः स्थाः स्

१४०/ चवा.वालय.ग्री.जू.क्रूय.चूर.ची पत्ती.स्वा.लवा.यर्थेय.श्रा

१११) चवा वालयः श्रीयवा व्यर्षेव रचक्किर राष्ट्र रचगायः वान्वा + चवा वालयः श्रें रचेष्व की व्या क्षा

म्।१९८७। १४२१ चनाम्पपाञ्च-दर्ग्वम्कुः पंज्ञुः पञ्चला पञ्चः द्वारात्रद्वाः प्रचाराक्ष्यः स्व। क्वः सर्दे प्रसः सर्वे प्रसः

क्ष्याचिषाचिषाचिषाचिषाच्या विद्याची वि

११६/ तद्ये.बीट.बीटव.प्रत्या.बीयुप्र.होट.। पद्ये.विट.पक्षेय.पह्यं.तट.श्रप्त.श्रप्त.श्रक्यं। वीट्या.क्यं.प्रवी.

યાલું અ.તા ત્ર્રેન ક્રિંત્ય. છું. ત્રસ્ય ત્રેન પ્રત્યાન ત્રામાં સુંતા મુંતા ત્ર્રેના ત્ર્રેના ત્ર્રેના ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામાં ત્રું ત્રામાં ત્રામા ત્ર

१८० म् स्यावेटी स्वावायत् स्रम् । स्राप्तायत् स्वायान्त्रे स्वायान्त्रे स्वायान्त्रे स्वायान्त्रे स्वायान्त्र १४० म् स्वायान्यायः सम् । नामायः सम्स्वायः स्वायान्त्रे स्वायः म्यायः सम्प्रायः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वाया १४० म् स्वायाः सम्प्रायाद्याः सम्प्रायाः सम्प्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व

ব্য

१८) र्याहि त्याद तस्या दुषा रता तस्य विषय प्रते वाहित स्था द्ये वाह्य विषय अर्के विषय विषय विषय विषय विषय विषय

 $\int \left( \left\{ \hat{\mathbf{y}}_{1}^{T} \cdot \hat{\mathbf{y}}_{2}^{T} \cdot \hat{\mathbf{y}}_{1}^{T} \cdot \hat{\mathbf{y}}_{1}^{T} \cdot \hat{\mathbf{y}}_{2}^{T} \cdot \hat{\mathbf{y}}_{1}^{T} \cdot \hat{\mathbf{y}}_{2}^{T} \cdot \hat$ 

१८३८ थु.र्यट. ऱ्रेवाब. यहूरी घरू. व्यवम. वयब. वैट. । यु. व्रिव. यु. मुवाब. रेते भ्रीव. वट. १८४० ।

१८६) श्रेट.झेट.झे.पर्ट्वाया ट्रि.चर्चियायाच्चियाच्चेयाच्चेट.हर.तय.तर.ऋँवा २००२।

१८५/ सु'से'स्'सुद्'सुद्रे'सम्मानुष |द्रियंग्वासुष्यक्षेत्रंक्रेट्रह्रायम्'स्र्वेष्

१८८७ श.मृ.क्षा.पर्वेटा टवा.ट्वट.भाष्ट्रेय.ययो यु.स्विय.यु.स्वाय.ट्नु.भ्रेय.वटा.१५५४।

१८० रशः द्यो प्रमायान्त्र याद्यम् तस्य र्यम्यास्य

પદિવાં દ્વાના દ્વાના દ્વાના સેવ. મે. મ.વ. કો ત્વ. ફ્રિંપ્ય. શુ. તે અપના તેનું ક્રેય !વંટ. પે ત્વી ૧૯૧/ {શ્રેટ. ક્ર્યા. પર્કિટ. } શ્રેટ. ભેખ. ફ્રેટ. શ્રેટ. તેમ. વધાયા છો. દ્વામાર તેમ તેને !

१८० श्चाप्तम् र्ये में प्यांबा तर्वेषान्त्र धित्र त्रवाचेत्र। चेषाङ्गेट प्रमःर्श्चेषा

ಹೆ

१५१८ क्ष्यःत्रते:प्रेचःत्र्यम् क्ष्यःदागुनिः तशुमार००५।
१५१८ क्ष्यःत्रते:प्रेचःत्र्यम् क्ष्यःदागुन्यः त्र्योया तृष्टःत्यामः मेन 'र्घःक्षे क्षेःमेषायः त्रेः क्षुवः।वष्टः १९५१।
१५१८ क्ष्यः प्रते:प्रेचः मृष्यः क्ष्यः प्रशुन्यायः में हो क्षेःमेषायः त्रेः क्षुवः।वष्टः १९९५)।

Ę

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{d}} \int_{\mathbb{R}$ 

१५८४ अहॅन्-न्नः त्रहेषा हेत् 'चत्वा' चति 'अर्ने कु'र्चन् धेषा कंट केत् वाँ

a

૮૦૮. વિત્યાન્ક્ય. જ્યે. કૂવા. જાદૂરી તેની ત્રૂર ફૂર્યા ત્રુર્થેટ. ખુતા. રેતુ. ક્રુંયા જાણ પ્રાપ્ત ક્રિયા. ક્ર્યો જાદૂર ક્રિયા. ત્રુર્યા ત્રુપા ત્રુર્યા ત્રા ત્રુર્યા ત્રુપા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર્યા ત્રા ત્રુર ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર ત્રુર્યા ત્રુર ત્ર

७५५/ ७०.इ.क्य.एडीट.गु.एड्.यधी ट्र्यूय.ट्रू.यड्ट.यंचट.ट्रेय ड्रिय वियाय

7મ $\sqrt{\{\hat{a}':\hat{g}'_{1}, x_{0}':\hat{a}':\hat{$ 

पह्र्य मिनाअक्यी ह्यांस्या प्रमान्त्र व्याप्ति विषया विषया

१८४८ बर.पट.मी.पै.पपु.सी.प.क्ष.त.क्ष.त्रांच्याची व्ययः ह्या.मी.सी.प्रस्था थि। १८४८ बर.क्ष.ट्टीट्य.पट.मूज.मी.पेयाची व्ययः ह्या.मी.सीट.प्रस्था थि। इया.यक्ष्यां प्रस्थां प्रीट्यां प्रदासी व्ययः प्रस्थां सीट.प्रस्था थि।  $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \int_{\mathbb{R}^$ 

१८९८ वाला अष्ट्र, ध्रापु, ब्रिञ्स क्ट. वी.जू. क्रैंया क्री.क. यटिश्या प्रमुवाया १८८० था. युवा पट्टी पट्टी पट्टी वित्र प्राप्त वित्र प्रहेव वित्र पट्टी प्राप्त वित्र प्रहेव वित्र पट्टी प्राप्त वित्र प्रहेव वित्र पट्टी वित्र प्रहेव वित्र वित्र वित्र प्रहेव वित्र प्रहेव वित्र वित्

१८७/ ल्या.झं.मुया.स्यी+ इंधे.क्र्यापरीटा

ス

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \int_{\mathbb{R}^$ 

१८९/ ४८.विट.सू.हुए.ब्री.पथट. १ श्रेवा.पिट.वार्युल. वि व्ययः थ

१७०/ रतः वायानः वायुरः ग्रीः श्रुं आ इं ख्रीतः यात्या मुया मुः यस्त व्रतः हूं त्या ख्रेः त्यात्या त्याः सुवा व

 $297 / \{ \pm 3.26 - \pm 3.26 -$ 

यर्थे. युव श्चित्यावितः स्वया + त्यः श्चित्याविया च्चियाया त्यवः वेषाः आस्तिः वीः स्ति । स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वर्धः स्वरं स्वरं

ঝ

अक्ष्यो कुं.मु.वोबर-तोरिक्क्ष्री १कुर्/ जावीबा-तथर-अहूरी जुवोबा-तथर-सूब-तू.कुषु-अहूर-रिश्चर-रिश्चर-रिवोप-तषु-कर्रा चेर-ह्न-र्योबा-भैज. १कुर्/ जार्रेवोबा-भैजा-रतबा-पकु-अर्-वोधेन्। तबूर-विश्वयः कु.तस्बी जू.मुवा-रिवो-भेषी कुं.मु.वोबर-त्रीरिक्रिरी

8

१७४८ वरमाहर्षेषात्रात्र्येत् व्ययाः मुयायळ्व प्रत्ययाचन्याः यतिः स्यायः स्यायः स्यायः स्यायः स्यायः स्यायः स्य स्रि:स्रेट्या महर्षेषात्र्येत् व्यययाः मुयायळ्व १८८८।१५८० १७४१ विरः ह्येवाबार्यन् : ह्रें स्वन् : स्वन्

१७०१ वितः तहर देया बेर।+ कुते 'धेवा कर वाषाया पते 'से 'सॅर'।

१८० वर्षित् अह्त वित्र वित्र वित्र वित्र ह्या ह्या वित्र अहा मी द्रेश महिष्य हिष्य हिष्य

₹

 $\frac{1}{2}\sqrt{1}\sqrt{1}\sqrt{1}\frac{1}{2}\sqrt{1}$ 

१४४ वियम् नायम् स्ति। सेतु क्रिया विमा

૪૮૬/ {શૈયા.તા.ક્ર્યા.પર્કીન.} ક્ર્યા.પર્કીન.નેત્રવા.તથથા.ક્ર્રિય.તગન.1 શૈયા.તા.તા.ધૃયા.પત્યા.પર્ફીમાં પોય.શેઉ.થુ. ૧૮૬/ યુ.ધે.તા.પીય.પ્રાદ્ધિય.ક્ર્યા.મું.પર્કીન.વાયયા.તક્ષેય.તપુ.ધુય.કુન.મું.તપોપ.પર્વથાયો પત્તા.ક્રીન્ય.તમ.જા

मुव्यायान्द्राञ्चेत्रावटः।१९९२।

७२५/ थिए.कैज.४८४.कु.लवा.क्ट.। इ.एरीवा.वु.एकै४।५००००

 $1 + \langle \chi \rangle \int g \frac{d}{dt} dt = - \langle \chi g , d \hat{g} d , d \hat{g} , d \hat{g} d \rangle + \langle \chi \hat{g} d \hat{g} d \rangle + \langle \chi \hat{g} d \hat{g} d \hat{g} d \rangle + \langle \chi \hat{g} d \hat{g} d$ 

 $\frac{1}{\sqrt{3}}\int_{\mathbb{R}^{3}}d^{3}x^{2}d^{3}x^{2}d^{3}x^{3}d^$ 

 $\frac{1}{2}$  તા. ત્યા. ત્રિયા તા. મુંત્ર ક્રિયા. તે. ક્ષેત્ર . ત્યા. ત્યા

१५०८ ब्रॅट.तपु.कट.मेथ.तक्षेय.पक्ष्य। यट.क्ष्योया.ब्रै.क्ष्य। यक्ष्यक्ष.ब्रेच.ख्रेट.कुर.मुवा.वायय.ब्रुय।५००४।

ন

१७) ट्रेंन न्यम प्रमुषाया वर्षे में वा व्यवा प्रमुषा मा

राषु.र्जुत् श्रम् । त्यार्म् स्थारम्। द्याः महामान्यायः विषाय। १९४२ (क्षः स्वाः महिनः स्वयः स्वाः प्यान्त्यः विष्यः विष्यः स्वाः स्वयः स्वाः स्वयः स्वयः स्वाः स्वयः स्वाः स्व

(यट.136.रह) १५४/ झ.चू.ट्र.श.जुट.राय.खेय.राष्ट्र.अट्री+ विचटय.यहेया टेत्र.वविवाया चूट.विवट.से.स्वा.तर.

ट्रायात्त्र। प्राप्ति अत्यास्य क्षेत्रा क्षेत्र व्याप्त्र व्याप्त्र विष्टा त्याप्त्र व्याप्त्र विष्टा त्याप्त्र विष्टा विष्या विष्टा विष्या विषया विष्या विष्या विष्या विषया विषया

 $\frac{1}{\sqrt{N}} \sum_{i=1}^{N} \frac{1}{N} \frac{1}$ 

 $(1/\sqrt{3})^{2}$  ક્રેં ત્ર્રા ક્રેંચ ત્રહ્યા કે. ત્વા કે. ત્વા મુખ્ય માન્ય કર્ય ત્રુવા અદ્વા ત્રી ત્ર્રા ક્રેંપ સામાં મુખ્ય માન્ય કર્ય ત્રુવા અદ્વા સ્ત્રા ત્રુવા મુખ્ય મુખ્ય